गणित

कक्षा 12 की पाठ्यपुस्तक

भाग 2

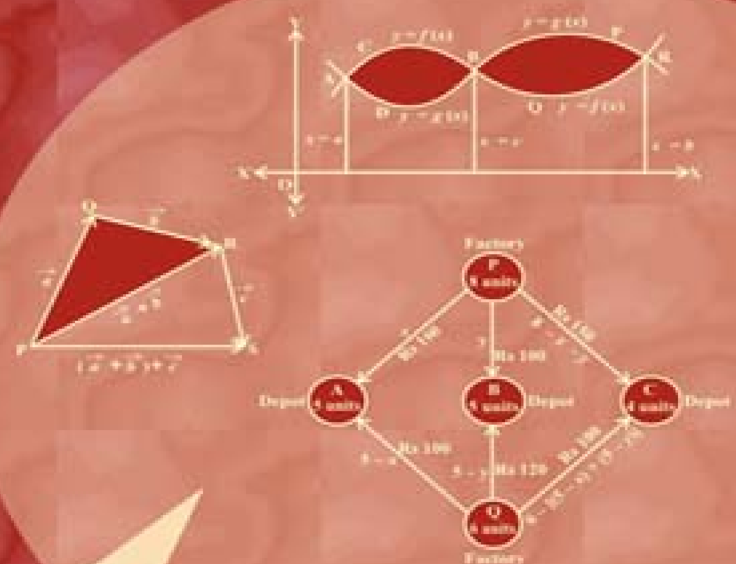

Open Knowledge Foundation Network, India : Open Education Project

Help spreading the light of education. Use and share our books. It is FREE. Educate a child. Educate the economically challenged.

Share and spread the word! Show your support for the cause of Openness of Knowledge.

facebook: https://www.facebook.com/OKFN.India

twitter: https://twitter.com/OKFNIndia

Website: http://in.okfn.org/

गणित

कक्षा 12 के लिए पाठ्यपुस्तक

भाग - II

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण
अप्रैल 2007 वैशाख 1929

पुनर्मुद्रण
अक्तूबर 2007 कार्तिक 1929
नवंबर 2009 कार्तिक 1931

PD 10T RA

रु 80.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा कौशिक ऑफसेट प्रिंटर्स (प्रा.) लि., सी-34, सैक्टर 58, नोएडा 201301 द्वारा मुद्रित।

ISBN 81-7450-668-3 (Part-I)
ISBN 81-7450-731-0 (Part-II)

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बैंगलूर 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगांव
गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग	:	*पेय्येटी राजाकुमार*
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	*शिव कुमार*
मुख्य संपादक	:	*श्वेता उप्पल*
मुख्य व्यापार अधिकारी	:	*गौतम गांगुली*
सहायक संपादक	:	*रेखा अग्रवाल*
उत्पादन सहायक	:	*राजेश पिप्पल*

आवरण, सज्जा एवं चित्र
अरविन्दर चावला

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफ़ी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभव पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन कर सकते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है, जितना वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन.सी.ई.आर.टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् इस पाठ्यपुस्तक के सलाहकार समूह के अध्यक्ष *प्रो़फ़ेसर* जयंत विष्णु नारलीकर और इस पुस्तक के सलाहकार प्रोफ़ेसर पवन कुमार जैन की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान दिया; इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं

जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री तथा सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम, विशेष रूप से माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रो. मृणाल मिरी और *प्रोफ़ेसर* जी.पी. देशपांडे की अध्यक्षता में गठित, राष्ट्रीय मानीटरिंग समिति द्वारा प्रदत्त बहुमूल्य समय एवं योगदान के लिए कृतज्ञ हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
20 नवंबर 2006

प्रस्तावना

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने विद्यालयी शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों के अध्ययन के लिए, राष्ट्रीय पाठ्य चर्या रूपरेखा की समीक्षा हेतु विद्यालयी शिक्षा-2000 (एन.सी.एफ. एस.ई-2000) के अंतर्गत आविर्भाव चुनौतियों और विषय वस्तु के रूपांतरण, जो शिक्षा शास्त्र के क्षेत्र में अंतर्निहित हैं, उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालयी शिक्षा के लिए 21 फोकस समूहों का गठन किया है। इस फोकस समूह ने विद्यालयी शिक्षा क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं पर अपनी व्यापक और विशेष टिप्पणियाँ की हैं। इसी के फलस्वरूप, इन समूहों द्वारा अपनी रिपोर्टों के आधार पर राष्ट्रीय पाठ्य चर्या रूपरेखा-2005 को विकसित किया गया।

नए दिशा-निर्देशों के अंतर्गत ही राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने कक्षा 11 और 12 की गणित विषय का पाठ्यक्रम तैयार किया तथा पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के लिए एक टीम का गठन किया। कक्षा 11 की पाठ्य-पुस्तक पहले से ही प्रयोग में है जो 2005 में प्रकाशित की जा चुकी है।

पुस्तक का प्रथम प्रारूप (कक्षा 12) एन.सी.ई.आर.टी. संकाय, विशेषज्ञ और कार्यरत् अध्यापकों की टीम द्वारा तैयार कर लिया गया। तत्पश्चात् विकासशील टीम ने विभिन्न बैठकें आयोजित कर इस प्रारूप को परिष्कृत किया था।

पुस्तक के इस प्रारूप को देश के विभिन्न भागों में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित के अध्यापन से संबद्ध अध्यापनरत् शिक्षकों की एक टीम के समक्ष प्रस्तुत किया था। पुनः प्रारूप की एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित कार्यशाला में समीक्षा की गई। सहभागियों द्वारा दिए गए सुझावों एवं टिप्पणियों को प्रारूप पाठ्यपुस्तक में समायोजित कर लिया गया। विकासशील टीम में से ही गठित एक संपादकीय मंडल ने पाठ्यपुस्तक के इस प्रारूप को अंतिम रूप दे दिया। अंततः, विज्ञान एवं गणित के सलाहकार समूह तथा मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित निगरानी समिति (Monitoring Committee) ने इस पाठ्यपुस्तक प्रारूप को अनुमोदित कर दिया।

विषय की प्रामाणिकता की दृष्टि से पुस्तक को प्रभावित करने वाले कुछ आवश्यक तत्वों का उल्लेख करते हैं। ये विशिष्टताएँ लगभग इस पुस्तक के सभी पाठों में परिलक्षित हैं। प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक में 13 मुख्य अध्याय और दो परिशिष्ट शामिल हैं। प्रत्येक अध्याय निम्नलिखित बिंदु समाहित करता है:

- भूमिका : विषय के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बल; पूर्व में पढ़ाए गए विषय-वस्तुओं का परस्पर संबंध; अध्याय में लगभग नयी अवधारणाओं का सार-रूप में विवेचना।
- अध्याय में खंडों को शमिल करते हुए धारणाओं और अवधारणाओं का संगठन।
- धारणाओं / अवधारणाओं की जानकारी को प्रेरणादायक बनाते हुए, जहाँ भी संभव हो सका दृष्टांत उपलब्ध कराए गए हैं।

- उपपत्ति/समस्या के हल सिद्धांत और अनुप्रयोग दोनों पक्षों पर बल देते हुए या तार्किक, बहुविध साधन, जहाँ भी इन्हें अपनाने की आवश्यकता पड़ी, अपनाया है।
- ज्यामितिय दृष्टिकोण/संकल्पनाओं का प्रस्तुतीकरण आवश्यक होने पर दिया गया है।
- गणितीय अवधारणाओं और इसके सह-विषयों जैसे: विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान से भी जोड़ा गया है।
- विषय के प्रत्येक खंड में पर्याप्त और विविध उदाहरण/अभ्यास दिए गए हैं।
- समस्याओं को हल करने की क्षमता या कौशल एवं अनुप्रयोग करने की समझ को केंद्रित एवं मजबूत करने हेतु अध्याय के अंत में दो या दो से अधिक संकल्पनाओं को समावेशित करने वाले उदाहरणों तथा अभ्यास-प्रश्नों का समायोजन किया गया है, जैसा कि राष्ट्रीय पाठ्य-चर्या रूप रेखा 2005 में कहा गया है, इसी के अनुरूप मेधावी छात्रों के लिए भी पाठ्यपुस्तक में चुनौतीपूर्ण समस्याओं को शामिल किया गया है।
- विषय को और अधिक प्रेरणादायक बनाने के उद्देश्य से विषय की संक्षिप्त ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पाठ के अंत में दी गई है और प्रत्येक पाठ के प्रारंभ में संबंधित कथन एवं सुप्रसिद्ध गणितज्ञों के चित्र दिए गए हैं जिन्होंने विशेषतया विषय-वस्तु को विकसित और सुबोध बनाने के लिए अपना योगदान दिया।
- अंतत: विषय की संकल्पनाओं के सूत्र एवं परिणाम के प्रत्यक्ष सार-कथन के लिए पाठ का संक्षिप्त सारांश भी प्रस्तुत किया गया है।

मैं विशेष रूप से राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के निदेशक प्रो. कृष्ण कुमार का आभारी हूँ जिन्होंने मुझे निमंत्रित कर गणित शिक्षा के राष्ट्रीय प्रयास की कड़ी से जोड़ा है। उन्होंने हमें इस हेतु बौद्धिक परिप्रेक्ष्य तथा स्वस्थ्य वातावरण प्रदान किया। इस पुस्तक को तैयार करने का कार्य अत्यंत सुखद एवं प्रशंसनीय रहा। मैं, विज्ञान एवं गणित की सलाहकार समूह के अध्यक्ष प्रो. जे.वी. नारलीकर का कृतज्ञ हूँ जिन्होंने समय-समय पर इस पुस्तक के लिए अपने विशेष सुझाव एवं सहयोग देकर पुस्तक के सुधार में कार्य किया। मैं परिषद् के संयुक्त निदेशक प्रो. जी.रवीन्द्रा को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने समय-समय पर पाठ्यपुस्तक से संबंधित क्रिया-विधि को संचालित करने में योगदान किया।

मैं प्रो. हुकुम सिंह, मुख्य संयोजक एवं अध्यक्ष, विज्ञान एवं गणित, डॉ. वी.पी.सिंह, संयोजक तथा प्रो. एस.के.सिंह गौतम के प्रति सहृदय धन्यवाद व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस परियोजना को सफल बनाने हेतु शैक्षिक और प्रशासनिक रूप से संलग्न रहे। मैं इस नेक कार्य से संबद्ध सभी टीम के सदस्यों और शिक्षकों की प्रशंसा करता हूँ तथा उन्हें धन्यवाद देता हूँ जो इस कार्य में किसी भी रूप में योगदान किया हो।

पवन के. जैन

मुख्य सलाहकार

पाठ्यपुस्तक संवर्धन समिति

पाठ्यपुस्तक विकास समिति

विज्ञान एवं गणित सलाहकार समूह के अध्यक्ष

जयंत विष्णु नारलीकर *इमीरिटस प्रोफ़ेसर*, अध्यक्ष, आई.यू.सी.ए., पूना विश्वविद्यालय, पूना।

मुख्य सलाहकार

पी.के. जैन, *प्रोफ़ेसर* गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

मुख्य समन्वयक

हुकुम सिंह, *प्रोफ़ेसर* एवं *विभागाध्यक्ष*, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली।

सदस्य

अरुण पाल सिंह, *सीनियर प्रवक्ता*, गणित विभाग, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
ए.के. राजपूत, *रीडर*, क्षे.शि.स. एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल।
बी.एस.पी. राजू, *प्रोफ़ेसर* क्षे.शि.स. एन.सी.ई.आर.टी., मैसूर, कर्नाटक।
सी.आर. प्रदीप, *सहायक प्रोफ़ेसर*, गणित विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर, कर्नाटक।
आर.डी. शर्मा, *पी.जी.टी.*, जवाहर नवोदय विद्यालय, मुंगेशपुर, दिल्ली।
राम अवतार, *प्रोफ़ेसर* (अवकाशप्राप्त) एवं सलाहकार, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली।
आर.पी. मौर्य, *रीडर*, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली।
एस.एस. खेर, *प्रोफ़ेसर* सम उप कुलपति, एन.ई.एस.यू., तुरा कैंपस मेघालय।
एस.के.एस. गौतम, *प्रोफ़ेसर* डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली।
एस.के. कौशिक, *रीडर*, गणित विभाग, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
संगीता अरोड़ा, *पी.जी.टी.*, ए.पी.जे. स्कूल, साकेत, नयी दिल्ली।
शैलजा तिवारी, *पी.जी.टी.*, केंद्रीय विद्यालय, बरकाकाना, हजारीबाग, झारखंड।
विनायक बुजाडे, *लेक्चरर*, विदर्भ बुनियादी जूनियर कॉलेज, सक्करदारा चौक, नागपुर, महाराष्ट्र।
सुनील बजाज, *सीनियर स्पेशलिस्ट*, एस.सी.ई.आर.टी., गुडगाँव, हरियाणा।

सदस्य समन्वयक

वी.पी. सिंह, *रीडर*, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली।

हिंदी रूपांतरणकर्ता

डी.आर. शर्मा, *पी.जी.टी.*, जवाहर नवोदय विद्यालय, मुंगेशपुर, दिल्ली।

पी.के. तिवारी, *सहायक आयुक्त* (अ.प्रा.) केंद्रीय विद्यालय संगठन।

एस.बी. त्रिपाठी, *लेक्चरर* (गणित) राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, सूरजमल विहार, दिल्ली।

ए.के. राजपूत, *रीडर* (गणित), क्षे.शि.स. एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल, मध्य प्रदेश।

वी.पी. सिंह, *रीडर* (गणित), डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली।

हिंदी समन्वयक

एस.के. सिंह गौतम, *प्रोफ़ेसर*, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली।

आभार

परिषद् इस पाठ्यपुस्तक समीक्षा कार्याशाला के निम्नलिखित प्रतिभागियों के बहुमूल्य सहयोग के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त करती है: जगदीश सरन, *प्रोफ़ेसर*, सांख्यिकीय विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; कुद्दूस खान, *लेक्चरर*, शिबली नेशनल पी.जी. कॉलेज आजमगढ़, (उ.प्र.); पी.के. तिवारी, *सहायक आयुक्त* (अ.प्रा.), केंद्रीय विद्यालय संगठन; एस.बी. त्रिपाठी, *लेक्चरर*, आर.पी.बी. वि. सूरजमल विहार, दिल्ली; ओ.एन. सिंह, *रीडर*, आर.आई.ई. भुवनेश्वर, उड़ीसा; कुमारी सरोज, *लेक्चरर*, गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, न. 1, रूपनगर, दिल्ली; पी.भास्कर कुमार, *पी.जी. टी.*, जवाहर नवोदय विद्यालय, लेपाक्षी, अनंतपुर, (आंध्र प्रदेश); श्रीमती कल्पागम्, *पी.जी.टी*, के.वी. नाल कैंपस, बैंगलोर; राहुल सोफत, *लेक्चरर*, एअर फोर्स गोल्डन जुबली इंस्टिट्यूट, सुब्रतो पार्क, नयी दिल्ली; वंदिता कालरा, सर्वोदय कन्या विद्यालय, विकासपुरी जनपद केंद्र, नयी दिल्ली; जनार्दन त्रिपाठी, *लेक्चरर*, गवर्नमेंट आर.एच.एस.एस. ऐजाव्ल, मिजोरम और सुश्री सुषमा जयरथ, *रीडर*, डी. डब्लयू.एस., एन.सी.ई.आर.टी, नयी दिल्ली।

परिषद् एन.सी.ई.आर.टी. में हिंदी रूपातंरण के पुनरावलोकन हेतु कार्यशाला में निम्नलिखित प्रतिभागियों की बहुमूल्य टिप्पणियों के लिए आभारी है; जी.डी.ढल, अवकाशप्राप्त *रीडर*, एन.सी.ई.आर. टी., नयी दिल्ली; जी.एस.राठौर, *असिस्टेंट प्रोफ़ेसर*, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, एम.एल. सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान; मनोज कुमार ठाकुर, डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, राजेंद्र नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद (उ.प्र.); रामेश्वर दयाल शर्मा, राजकीय इंटर कॉलेज, मथुरा (उ.प्र.); डॉ. आर.पी. गिहारे, ब्लॉक रिर्सोस कोआर्डिनेटर, जनपद शिक्षा केंद्र, चिचौली, बेतुल (म.प्र.); सुनील बजाज, एस.सी.ई.आर.टी., गुड़गाँव, हरियाणा; श्रीमती वीना धींगरा, सर लक्ष्मी बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खारी बावली, दिल्ली; ए.के. वझलवार, *रीडर*, एन.सी.ई.आर.टी, नयी दिल्ली।

परिषद् चित्रांकन अरविंदर चावला, *कंप्यूटर स्टेशन प्रभारी* दीपक कपूर; राकेश कुमार एवं सज्जाद हैदर अंसारी, *डी.टी.पी. ऑपरेटर*; के.पी.एस.यादव, *मनोज मोहन, कॉपी एडिटर* तथा *प्रूफ़ रीडर*, रूबी कुमारी, अभिमन्यु महान्ति तथा रणधीर ठाकुर द्वारा किए गए प्रयासों के प्रति अपना आभार प्रकट करती है। ए.पी.सी. ऑफिस, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग एवं प्रकाशन विभाग भी अपने सहयोग के लिए आभार के पात्र हैं।

विषय-सूची

भाग - I

विषय-सूची

भाग - II

अध्याय 7

समाकलन Integrals

❖ *Just as a mountaineer climbs a mountain – because it is there, so a good mathematics student studies new material because it is there. – JAMES B. BRISTOL* ❖

7.1 भूमिका (Introduction)

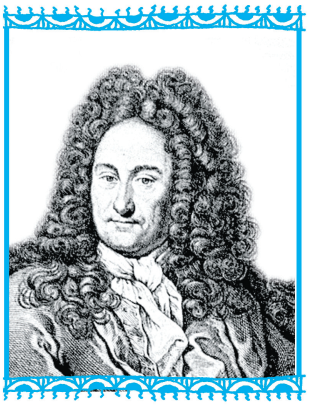

G .W. Leibnitz (1646–1716)

अवकल गणित अवकलज की संकल्पना पर केंद्रित है। फलनों के आलेखों के लिए स्पर्श रेखाएँ परिभाषित करने की समस्या एवं इस प्रकार की रेखाओं की प्रवणता का परिकलन करना अवकलज के लिए मूल अभिप्रेरण था। समाकलन गणित, फलनों के आलेख से घिरे क्षेत्र के क्षेत्रफल को परिभाषित करने एवं इसके क्षेत्रफल का परिकलन करने की समस्या से प्रेरित है।

यदि एक फलन f किसी अंतराल I में अवकलनीय है अर्थात् I के प्रत्येक बिंदु पर फलन के अवकलज f' का अस्तित्व है, तब एक स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि यदि I के प्रत्येक बिंदु पर f' दिया हुआ है तो क्या हम फलन f ज्ञात कर सकते हैं? वे सभी फलन जिनसे हमें एक फलन उनके अवकलज के रूप में प्राप्त हुआ है, इस फलन के प्रतिअवकलज (पूर्वग) कहलाते हैं। अग्रत: वह सूत्र जिससे ये सभी प्रतिअवकलज प्राप्त होते हैं, फलन का अनिश्चित समाकलन कहलाता है और प्रतिअवकलज ज्ञात करने का यह प्रक्रम समाकलन करना कहलाता है। इस प्रकार की समस्याएँ अनेक व्यावहारिक परिस्थितियों में आती हैं। उदाहरणत: यदि हमें किसी क्षण पर किसी वस्तु का तात्क्षणिक वेग ज्ञात है, तो स्वाभाविक प्रश्न यह उठता है कि क्या हम किसी क्षण पर उस वस्तु की स्थिति ज्ञात कर सकते हैं? इस प्रकार की अनेक व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक परिस्थितियाँ आती हैं, जहाँ समाकलन की संक्रिया निहित होती है। समाकलन गणित का विकास निम्नलिखित प्रकार की समस्याओं के हल करने के प्रयासों का प्रतिफल है।

(a) यदि एक फलन का अवकलज ज्ञात हो, तो उस फलन को ज्ञात करने की समस्या,

(b) निश्चित प्रतिबंधों के अंतर्गत फलन के आलेख से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात करने की समस्या।

उपर्युक्त दोनो समस्याएँ समाकलनों के दो रूपों की ओर प्रेरित करती हैं, अनिश्चित समाकलन एवं निश्चित समाकलन। इन दोनों का सम्मिलित रूप समाकलन गणित कहलाता है।

अनिश्चित समाकलन एवं निश्चित समाकलन के मध्य एक संबंध है जिसे कलन की आधारभूत प्रमेय के रूप में जाना जाता है। यह प्रमेय निश्चित समाकलन को विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के लिए एक व्यावहारिक औज़ार के रूप में तैयार करती है। अर्थशास्त्र, वित्त एवं प्रायिकता जैसे विभिन्न क्षेत्रों से अनेक प्रकार की रुचिकर समस्याओं को हल करने के लिए भी निश्चित समाकलन का उपयोग किया जाता है।

इस अध्याय में, हम अपने आपको अनिश्चित एवं निश्चित समाकलनों एवं समाकलन की कुछ विधियों सहित उनके प्रारंभिक गुणधर्मों के अध्ययन तक सीमित रखेंगे।

7.2 समाकलन को अवकलन के व्युत्क्रम प्रक्रम के रूप में (Integration as the Inverse Process of Differentiation)

अवकलन के व्युत्क्रम प्रक्रम को समाकलन कहते हैं। किसी फलन का अवकलन ज्ञात करने के स्थान पर हमें फलन का अवकलज दिया हुआ है और इसका पूर्वग अर्थात् वास्तविक फलन ज्ञात करने के लिए कहा गया है। यह प्रक्रम समाकलन अथवा प्रति-अवकलन कहलाता है।

आइए निम्नलिखित उदाहरणों पर विचार करें,

हम जानते हैं कि
$$\frac{d}{dx}(\sin x) = \cos x \qquad \dots (1)$$

$$\frac{d}{dx}\left(\frac{x^3}{3}\right) = x^2 \qquad \dots (2)$$

और
$$\frac{d}{dx}(e^x) = e^x \qquad \dots (3)$$

हम प्रेक्षित करते हैं कि समीकरण (1) में फलन $\cos x$ फलन $\sin x$ का अवकलज है। इसे हम इस प्रकार भी कहते हैं कि $\cos x$ का प्रतिअवकलज (अथवा समाकलन) $\sin x$ है। इसी प्रकार (2) एवं (3) से x^2 और e^x के प्रतिअवकलज (अथवा समाकलन) क्रमश: $\frac{x^3}{3}$ और e^x है। पुन: हम नोट करते हैं कि किसी भी वास्तविक संख्या C,जिसे अचर फलन माना जाता है, का अवकलज शून्य है, और इसलिए हम (1), (2) और (3) को निम्नलिखित रूप में लिख सकते हैं:

$$\frac{d}{dx}(\sin x + \text{C}) = \cos x\,,\ \frac{d}{dx}(\frac{x^3}{3} + \text{C}) = x^2 \text{ और } \frac{d}{dx}(e^x + \text{C}) = e^x$$

इस प्रकार हम देखते हैं कि उपर्युक्त फलनों के प्रतिअवकलज अथवा समाकलन अद्वितीय नहीं हैं। वस्तुत: इन फलनों में से प्रत्येक फलन के अपरिमित प्रतिअवकलज हैं, जिन्हें हम वास्तविक

संख्याओं के समुच्चय से स्वेच्छ अचर C को कोई मान प्रदान करके प्राप्त कर सकते हैं। यही कारण है कि C को प्रथानुसार स्वेच्छ अचर कहते हैं। वस्तुत: C एक प्राचल है, जिसके मान को परिवर्तित करके हम दिए हुए फलन के विभिन्न प्रतिअवकलजों या समाकलनों को प्राप्त करते हैं। व्यापकत: यदि एक फलन F ऐसा है कि $\frac{d}{dx}\mathrm{F}(x) = f(x)$, $\forall x \in \mathrm{I}$ (वास्तविक संख्याओं का अंतराल) तो प्रत्येक स्वेच्छ अचर C, के लिए $\frac{d}{dx}[\mathrm{F}(x)+\mathrm{C}] = f(x)$, $x \in \mathrm{I}$

इस प्रकार $\{\mathrm{F}+\mathrm{C}, \mathrm{C} \in \mathbf{R}\}$, f के प्रतिअवकलजों के परिवार को व्यक्त करता है, जहाँ C समाकलन का अचर कहलाता है।

टिप्पणी समान अवकलज वाले फलनों में एक अचर का अंतर होता है। इसको दर्शाने के लिए, मान लीजिए g और h ऐसे दो फलन हैं जिनके अवकलज अंतराल I में समान हैं

$f(x) = g(x) - h(x)$, $\forall x \in \mathrm{I}$ द्वारा परिभाषित फलन $f = g - h$ पर विचार कीजिए

तो $\frac{df}{dx} = f' = g' - h'$ से $f'(x) = g'(x) - h'(x)$ $\forall x \in \mathrm{I}$ प्राप्त है।

अथवा $f'(x) = 0$, $\forall x \in \mathrm{I}$ (परिकल्पना से)

अर्थात् I में x के सापेक्ष f के परिवर्तन की दर शून्य है और इसलिए f एक अचर है।

उपर्युक्त टिप्पणी के अनुसार यह निष्कर्ष निकालना न्यायसंगत है कि परिवार $\{\mathrm{F}+\mathrm{C}, \mathrm{C} \in \mathbf{R}\}$, f के सभी प्रतिअवकलजों को प्रदान करता है।

अब हम एक नए प्रतीक से परिचित होते हैं जो कि प्रतिअवकलजों के पूरे परिवार को निरूपित करेगा। यह प्रतीक $\int f(x)\,dx$ है, इसे x के सापेक्ष f का अनिश्चित समाकलन के रूप में पढ़ा जाता है।

प्रतीकत: हम $\int f(x)\,dx = \mathrm{F}(x) + \mathrm{C}$ लिखते हैं।

संकेतन दिया हुआ है कि $\frac{dy}{dx} = f(x)$, तो हम $y = \int f(x)\,dx$ लिखते हैं।

सुविधा के लिए हम निम्नलिखित प्रतीकों/पदों/वाक्यांशों को उनके अर्थों सहित सारणी 7.1 में उल्लेखित करते हैं:

सारणी 7.1

प्रतीक/पद/वाक्यांश	अर्थ
$\int f(x)\,dx$	f का x के सापेक्ष समाकलन
$\int f(x)\,dx$ में $f(x)$	समाकल्य

$\int f(x)\, dx$ में x	समाकलन का चर
समाकलन करना	समाकलन ज्ञात करना
f का समाकलन	एक फलन F जिसके लिए $F'(x) = f(x)$
समाकलन संक्रिया	समाकलन ज्ञात करने का प्रक्रम
समाकलन का अचर	कोई भी वास्तविक संख्या जिसे अचर फलन कहते हैं।

हम पहले से ही बहुत से प्रमुख फलनों के अवकलजों के सूत्र जानते हैं। इन सूत्रों के संगत हम समाकलन के प्रामाणिक सूत्रों को तुरंत लिख सकते हैं। इन प्रामाणिक सूत्रों की सूची निम्नलिखित हैं जिसका उपयोग हम दूसरे फलनों के समाकलनों को ज्ञात करने में करेंगे।

अवकलज Derivatives | **समाकलन (प्रतिअवकलज) Integrals (Antiderivatives)**

(i) $\frac{d}{dx}\left(\frac{x^{n+1}}{n+1}\right) = x^n$ | $\int x^n\, dx = \frac{x^{n+1}}{n+1} + C, \; n \neq -1$

विशिष्ट रूप में हम देखते हैं

$\frac{d}{dx}(x) = 1$ | $\int dx = x + C$

(ii) $\frac{d}{dx}(\sin x) = \cos x$ | $\int \cos x\, dx = \sin x + C$

(iii) $\frac{d}{dx}(-\cos x) = \sin x$ | $\int \sin x\, dx = -\cos x + C$

(iv) $\frac{d}{dx}(\tan x) = \sec^2 x$ | $\int \sec^2 x\, dx = \tan x + C$

(v) $\frac{d}{dx}(-\cot x) = \operatorname{cosec}^2 x$ | $\int \operatorname{cosec}^2 x\, dx = -\cot x + C$

(vi) $\frac{d}{dx}(\sec x) = \sec x \tan x$ | $\int \sec x \tan x\, dx = \sec x + C$

(vii) $\frac{d}{dx}(-\operatorname{cosec} x) = \operatorname{cosec} x \cot x$ | $\int \operatorname{cosec} x \cot x\, dx = -\operatorname{cosec} x + C$

(viii) $\frac{d}{dx}\left(\sin^{-1} x\right) = \frac{1}{\sqrt{1-x^2}}$ $\qquad$ $\int \frac{dx}{\sqrt{1-x^2}} = \sin^{-1} x + C$

(ix) $\frac{d}{dx}\left(-\cos^{-1} x\right) = \frac{1}{\sqrt{1-x^2}}$ $\qquad$ $\int \frac{dx}{\sqrt{1-x^2}} = -\cos^{-1} x + C$

(x) $\frac{d}{dx}\left(\tan^{-1} x\right) = \frac{1}{1+x^2}$ $\qquad$ $\int \frac{dx}{1+x^2} = \tan^{-1} x + C$

(xi) $\frac{d}{dx}\left(-\cot^{-1} x\right) = \frac{1}{1+x^2}$ $\qquad$ $\int \frac{dx}{1+x^2} = -\cot^{-1} x + C$

(xii) $\frac{d}{dx}\left(\sec^{-1} x\right) = \frac{1}{x\sqrt{x^2-1}}$ $\qquad$ $\int \frac{dx}{x\sqrt{x^2-1}} = \sec^{-1} x + C$

(xiii) $\frac{d}{dx}\left(-\operatorname{cosec}^{-1} x\right) = \frac{1}{x\sqrt{x^2-1}}$ $\qquad$ $\int \frac{dx}{x\sqrt{x^2-1}} = -\operatorname{cosec}^{-1} x + C$

(xiv) $\frac{d}{dx}(e^x) = e^x$ $\qquad$ $\int e^x dx = e^x + C$

(xv) $\frac{d}{dx}\left(\log|x|\right) = \frac{1}{x}$ $\qquad$ $\int \frac{1}{x} dx = \log|x| + C$

(xvi) $\frac{d}{dx}\left(\frac{a^x}{\log a}\right) = a^x$ $\qquad$ $\int a^x dx = \frac{a^x}{\log a} + C$

टिप्पणी प्रयोग में हम प्राय: उस अंतराल का जिक्र नहीं करते जिसमें विभिन्न फलन परिभाषित हैं तथापि किसी भी विशिष्ट प्रश्न के संदर्भ में इसको भी ध्यान में रखना चाहिए।

7.2.1 *अनिश्चित समाकलन का ज्यामितीय निरूपण (Geometrical interpretation of indefinite integral)*

मान लीजिए कि $f(x) = 2x$ तो $\int f(x)\, dx = x^2 + C$ तथा C के विभिन्न मानों के लिए हम विभिन्न समाकलन पाते हैं। परंतु ज्यामितीय दृष्टि से ये सभी समाकलन समान हैं। इस प्रकार $y = x^2 + C$, जहाँ C एक स्वेच्छ अचर है, समाकलनों के एक परिवार को निरूपित करता है। C, को विभिन्न मान प्रदान करके हम परिवार के विभिन्न सदस्य प्राप्त करते हैं। इन सबका सम्मिलित रूप

अनिश्चित समाकलन है। स्पष्टतया प्रत्येक समाकलन एक परवलय को निरूपित करता है जिसका अक्ष y-अक्ष के अनुदिश है।

स्पष्टतया $C = 0$ के लिए हम $y = x^2$ पाते हैं जो एक ऐसा परवलय है जिसका शीर्ष मूल बिंदु पर है। $C = 1$ के लिए वक्र $y = x^2 + 1$ परवलय $y = x^2$ को एक इकाई y-अक्ष के अनु धनात्मक दिशा में स्थानांतरित करने पर प्राप्त होता है। $C = -1$, के लिए, वक्र $y = x^2 - 1$ परवलय $y = x^2$ को एक इकाई y-अक्ष के अनुदिश ऋणात्मक दिशा में स्थानांतरित करने पर प्राप्त होता है। इस प्रकार C, के प्रत्येक धनात्मक मान के लिए, परिवार के प्रत्येक परवलय का शीर्ष y-अक्ष की धनात्मक दिशा में है और C के ऋणात्मक मानों के लिए प्रत्येक परवलय का शीर्ष y-अक्ष की ऋणात्मक दिशा में है। इन परवलयों में से कुछ को आकृति 7.1 में दर्शाया गया है।

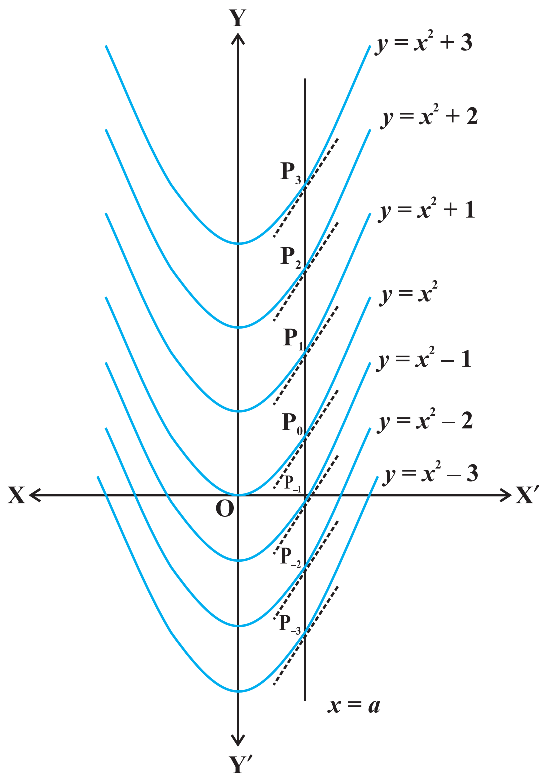

आकृति 7.1

अब हम इन परवलयों के रेखा $x = a$ द्वारा प्रतिच्छेदन पर विचार करते हैं। आकृति 7.1 में हमने $a > 0$ लिया है। यह निष्कर्ष $a < 0$ के लिए भी सत्य है। यदि रेखा $x = a$ परवलयों $y = x^2$, $y = x^2 + 1$, $y = x^2 + 2$, $y = x^2 - 1$, $y = x^2 - 2$ को क्रमशः बिंदुओं $P_0, P_1, P_2, P_{-1}, P_{-2}$ इत्यादि पर काटती है तो इन सभी बिंदुओं पर $\frac{dy}{dx}$ का मान $2a$ है। यह निर्दिष्ट करता है कि इन सभी बिंदुओं पर वक्रों की स्पर्श रेखाएँ समांतर हैं। इस प्रकार $\int 2x\,dx = x^2 + C = F_C(x)$ (मान लीजिए) से प्राप्त होता है कि वक्रों $y = F_C(x)$, $C \in \mathbf{R}$, के रेखा $x = a$, द्वारा प्रतिच्छेदन बिंदुओं पर वक्रों की स्पर्श रेखाएँ समांतर हैं जहाँ $a \in \mathbf{R}$ अग्रत: निम्नलिखित कथन $\int f(x)\,dx = F(x) + C = y$ (मान लीजिए) वक्रों के परिवार को निरूपित करता है। C के विभिन्न मानों के संगत हमें इस परिवार के विभिन्न सदस्य प्राप्त होते हैं और इन सदस्यों में से हम किसी एक सदस्य को स्वयं के समान्तर स्थानांतरित करके प्राप्त कर सकते हैं। अनिश्चित समाकलन का ज्यामितीय निरूपण यही है।

7.2.2 *अनिश्चित समाकलनों के कुछ गुणधर्म (Some properties of indefinite integrals)*

इस उप परिच्छेद में हम अनिश्चित समाकलन के कुछ गुणधर्मों को व्युत्पन्न करेंगे।

(i) निम्नलिखित परिणामों के संदर्भ में अवकलन एवं समाकलन के प्रक्रम एक दूसरे के व्युत्क्रम हैं:

$$\frac{d}{dx}\int f(x)\,dx = f(x)$$

और $$\int f'(x)\,dx = f(x) + \text{C}$$, जहाँ C एक स्वेच्छ अचर है।

उपपत्ति मान लीजिए कि F, f का एक प्रतिअवकलज हैं अर्थात्

$$\frac{d}{dx}\text{F}(x) = f(x)$$

तो $$\int f(x)\,dx = \text{F}(x) + \text{C}$$

इसलिए $$\frac{d}{dx}\int f(x)\,dx = \frac{d}{dx}(\text{F}(x) + \text{C})$$

$$= \frac{d}{dx}\text{F}(x) = f(x)$$

इसी प्रकार हम देखते हैं कि

$$f'(x) = \frac{d}{dx}f(x)$$

और इसलिए $$\int f'(x)\,dx = f(x) + \text{C}$$

जहाँ C एक स्वेच्छ अचर है जिसे समाकलन अचर कहते हैं।

(ii) ऐसे दो अनिश्चित समाकलन जिनके अवकलज समान हैं वक्रों के एक ही परिवार को प्रेरित करते हैं और इस प्रकार समतुल्य हैं।

उपपत्ति मान लीजिए f एवं g ऐसे दो फलन हैं जिनमें

$$\frac{d}{dx}\int f(x)\,dx = \frac{d}{dx}\int g(x)\,dx$$

अथवा $$\frac{d}{dx}\left[\int f(x)\,dx - \int g(x)\,dx\right] = 0$$

अतः $$\int f(x)\,dx - \int g(x)\,dx = \text{C}$$, जहाँ C एक वास्तविक संख्या है। (क्यों?)

अथवा $$\int f(x)\,dx = \int g(x)\,dx + \text{C}$$

इसलिए वक्रों के परिवार $\left\{\int f(x)\,dx + C_1, C_1 \in \mathbf{R}\right\}$

एवं $\left\{\int g(x)\,dx + C_2, C_2 \in \mathbf{R}\right\}$ समतुल्य हैं।

इस प्रकार $\int f(x)\,dx$ और $\int g(x)\,dx$ समतुल्य हैं।

टिप्पणी दो परिवारों $\left\{\int f(x)\,dx + C_1, C_1 \in \mathbf{R}\right\}$ एवं $\left\{\int g(x)\,dx + C_2, C_2 \in \mathbf{R}\right\}$ की समतुल्यता को प्रथानुसार $\int f(x)\,dx = \int g(x)\,dx$, लिखकर व्यक्त करते हैं जिसमें प्राचल का वर्णन नहीं है।

(iii) $\int [f(x) + g(x)]\,dx = \int f(x)\,dx + \int g(x)\,dx$

उपपत्ति गुणधर्म (i) से

$$\frac{d}{dx}\left[\int [f(x) + g(x)]\,dx\right] = f(x) + g(x) \qquad \dots (1)$$

अन्यथा हमें ज्ञात है कि

$$\frac{d}{dx}\left[\int f(x)\,dx + \int g(x)\,dx\right] = \frac{d}{dx}\int f(x)\,dx + \frac{d}{dx}\int g(x)\,dx = f(x) + g(x) \qquad \dots (2)$$

इस प्रकार गुणधर्म (ii) के संदर्भ में (1) और (2) से प्राप्त होता है कि

$$\int \left(f(x) + g(x)\right) dx = \int f(x)\,dx + \int g(x)\,dx$$

(iv) किसी वास्तविक संख्या k, के लिए $\int k\, f(x)\,dx = k\int f(x)\,dx$

उपपत्ति गुणधर्म (i) द्वारा $\frac{d}{dx}\int k\, f(x)\,dx = k\, f(x)$

और $\frac{d}{dx}\left[k\int f(x)\,dx\right] = k\frac{d}{dx}\int f(x)\,dx = k\, f(x)$

इसलिए गुणधर्म (ii) का उपयोग करते हुए हम पाते हैं कि $\int k\, f(x)\,dx = k\int f(x)\,dx$

(v) प्रगुणों (iii) और (iv) का $f_1, f_2, \dots, f_n$ फलनों की निश्चित संख्या और वास्तविक संख्याओं k_1, $k_2, \dots, k_n$ के लिए भी व्यापकीकरण किया जा सकता है जैसा कि नीचे दिया गया है

$$\int [k_1 f_1(x) + k_2 f_2(x) + \dots + k_n f_n(x)]\,dx$$

$$= k_1\int f_1(x)\,dx + k_2\int f_2(x)\,dx + \dots + k_n\int f_n(x)\,dx$$

दिए हुए फलन का प्रतिअवकलज ज्ञात करने के लिए हम अंतर्ज्ञान से ऐसे फलन की खोज करते हैं जिसका अवकलज दिया हुआ फलन है। अभीष्ट फलन की इस प्रकार की खोज, जो दिए हुए फलन के प्रति अवकलज ज्ञात करने के लिए की जाती है, को निरीक्षण द्वारा समाकलन कहते हैं। इसे हम कुछ उदाहरणों से समझते हैं।

उदाहरण 1 निरीक्षण विधि का उपयोग करते हुए निम्नलिखित फलनों का प्रतिअवकलज ज्ञात कीजिए।

(i) $\cos 2x$ (ii) $3x^2 + 4x^3$ (iii) $\frac{1}{x}, x \neq 0$

हल

(i) हम एक ऐसे फलन की खोज करना चाहते हैं जिसका अवकलज $\cos 2x$ है

हम जानते हैं कि $\frac{d}{dx}(\sin 2x) = 2\cos 2x$

अथवा $\cos 2x = \frac{1}{2}\frac{d}{dx}(\sin 2x) = \frac{d}{dx}\left(\frac{1}{2}\sin 2x\right)$

इसलिए $\cos 2x$ का एक प्रतिअवकलज $\frac{1}{2}\sin 2x$ है।

(ii) हम एक ऐसे फलन की खोज करना चाहते हैं जिसका अवकलज $3x^2 + 4x^3$ है।

अब $\frac{d}{dx}\left(x^3 + x^4\right) = 3x^2 + 4x^3$

इसलिए $3x^2 + 4x^3$ का प्रतिअवकलज $x^3 + x^4$ है।

(iii) हम जानते हैं

$$\frac{d}{dx}(\log x) = \frac{1}{x}, x > 0 \text{ और } \frac{d}{dx}[\log(-x)] = \frac{1}{-x}(-1) = \frac{1}{x}, x < 0$$

इन दोनों को संघटित करने पर हम पाते हैं $\frac{d}{dx}\left(\log|x|\right) = \frac{1}{x}, x \neq 0$

इसलिए $\int \frac{1}{x}\,dx = \log|x|$, जो कि $\frac{1}{x}$ के प्रतिअवकलजों में से एक है।

उदाहरण 2 निम्नलिखित समाकलनों को ज्ञात कीजिए

(i) $\int \frac{x^3 - 1}{x^2}\,dx$ (ii) $\int (x^{\frac{2}{3}} + 1)\,dx$ (iii) $\int (x^{\frac{2}{3}} + 2e^x - \frac{1}{x})\,dx$

हल हम प्राप्त करते हैं:

$$\int \frac{x^3 - 1}{x^2}\,dx = \int x\,dx - \int x^{-2}\,dx \qquad \text{(गुणधर्म v से)}$$

$$= \left(\frac{x^{1+1}}{1+1} + C_1\right) - \left(\frac{x^{-2+1}}{-2+1} + C_2\right);$$ C_1, C_2 समाकलन अचर हैं।

$$= \frac{x^2}{2} + C_1 - \frac{x^{-1}}{-1} - C_2$$

$$= \frac{x^2}{2} + \frac{1}{x} + C_1 - C_2$$

$$= \frac{x^2}{2} + \frac{1}{x} + C,$$ जहाँ $C = C_1 - C_2$ एक अन्य समाकलन अचर है।

टिप्पणी इससे आगे हम केवल अंतिम उत्तर में ही, एक समाकलन अचर लिखेंगे।

(ii) यहाँ

$$\int (x^{\frac{2}{3}} + 1)\, dx = \int x^{\frac{2}{3}}\, dx + \int dx$$

$$= \frac{x^{\frac{2}{3}+1}}{\frac{2}{3}+1} + x + C = \frac{3}{5} x^{\frac{5}{3}} + x + C$$

(iii) यहाँ $\int (x^{\frac{3}{2}} + 2e^x - \frac{1}{x})\, dx = \int x^{\frac{3}{2}}\, dx + \int 2e^x\, dx - \int \frac{1}{x}\, dx$

$$= \frac{x^{\frac{3}{2}+1}}{\frac{3}{2}+1} + 2e^x - \log|x| + C$$

$$= \frac{2}{5} x^{\frac{5}{2}} + 2e^x - \log|x| + C$$

उदाहरण 3 निम्नलिखित समाकलनों को ज्ञात कीजिए

(i) $\int (\sin x + \cos x)\, dx$ (ii) $\int \operatorname{cosec} x\,(\operatorname{cosec} x + \cot x)\, dx$

(iii) $\int \frac{1 - \sin x}{\cos^2 x}\, dx$

हल

(i) यहाँ

$$\int (\sin x + \cos x)\, dx = \int \sin x\, dx + \int \cos x\, dx$$

$$= -\cos x + \sin x + C$$

(ii) यहाँ

$$\int (\operatorname{cosec} x\, (\operatorname{cosec} x + \cot x)\, dx = \int \operatorname{cosec}^2 x\, dx + \int \operatorname{cosec} x \cot x\, dx$$

$$= -\cot x - \operatorname{cosec} x + C$$

(iii) यहाँ

$$\int \frac{1 - \sin x}{\cos^2 x}\, dx = \int \frac{1}{\cos^2 x}\, dx - \int \frac{\sin x}{\cos^2 x}\, dx$$

$$= \int \sec^2 x\, dx - \int \tan x \sec x\, dx$$

$$= \tan x - \sec x + C$$

उदाहरण 4 $f(x) = 4x^3 - 6$ द्वारा परिभाषित फलन f का प्रतिअवकलज F ज्ञात कीजिए जहाँ $F(0) = 3$ है।

हल $f(x)$ का एक प्रति अवकलज $x^4 - 6x$ है

चूँकि $\frac{d}{dx}(x^4 - 6x) = 4x^3 - 6$, इसलिए प्रतिअवकलज F,

$F(x) = x^4 - 6x + C$, द्वारा देय है जहाँ C अचर है।

दिया हुआ है कि $F(0) = 3$

इससे प्राप्त होता है $3 = 0 - 6 \times 0 + C$

अथवा $C = 3$

अत: अभीष्ट प्रतिअवकलज, $F(x) = x^4 - 6x + 3$ द्वारा परिभाषित एक अद्वितीय फलन है।

टिप्पणी

(i) हम देखते हैं कि यदि f का प्रतिअवकलज F है तो F + C, जहाँ C एक अचर है, भी f का एक प्रतिअवकलज है। इस प्रकार यदि हमें फलन f का एक प्रतिअवकलज F ज्ञात है तो हम F में कोई भी अचर जोड़कर f के अनंत प्रतिअवकलज लिख सकते हैं जिन्हें $F(x) + C$, $C \in \mathbf{R}$ के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। अनुप्रयोगों में सामान्यत: एक अतिरिक्त प्रतिबंध को संतुष्ट करना आवश्यक होता है जिससे C का एक विशिष्ट मान प्राप्त होता है और जिसके परिणामस्वरूप दिए हुए फलन का एक अद्वितीय प्रतिअवकलज प्राप्त होता है।

(ii) कभी-कभी F को प्रारंभिक फलनों जैसे कि बहुपद, लघुगणकीय, चर घातांकी, त्रिकोणमितीय, और प्रतिलोम त्रिकोणमितीय, इत्यादि के रूप में अभिव्यक्त करना असंभव होता है। इसलिए $\int f(x)\,dx$ ज्ञात करना अवरुद्ध हो जाता है। उदाहरणत: निरीक्षण विधि से $\int e^{-x^2}dx$ को ज्ञात करना असंभव है क्योंकि निरीक्षण से हम ऐसा फलन ज्ञात नहीं कर सकते जिसका अवकलज e^{-x^2} है।

(iii) यदि समाकल का चर x, के अतिरिक्त अन्य कोई है तो समाकलन के सूत्र तदनुसार रूपांतरित कर लिए जाते हैं। उदाहरणत:

$$\int y^4\,dy = \frac{y^{4+1}}{4+1} + C = \frac{1}{5}y^5 + C$$

7.2.3 अवकलन एवं समाकलन की तुलना (Comparision between differentiation and integration)

1. दोनों फलनों पर संक्रियाएँ हैं।
2. दोनों रैखिकता के गुणधर्म को संतुष्ट करते हैं अर्थात्

   (i) $\frac{d}{dx}[k_1 f_1(x) + k_2 f_2(x)] = k_1 \frac{d}{dx} f_1(x) + k_2 \frac{d}{dx} f_2(x)$

   (ii) $\int [k_1 f_1(x) + k_2 f_2(x)]\,dx = k_1 \int f_1(x)\,dx + k_2 \int f_2(x)\,dx$

   यहाँ k_1, k_2 अचर है।
3. हम पहले से ही जानते हैं कि सभी फलन अवकलनीय नहीं होते हैं। ठीक इसी प्रकार सभी फलन समाकलनीय भी नहीं होते हैं। हम अनवकलनीय और असमाकलनीय फलनों के विषय में उच्च कक्षाओं में अध्ययन करेंगे।
4. यदि किसी फलन के अवकलज का अस्तित्व है तो वह अद्वितीय होता है परंतु किसी फलन के समाकलन के साथ ऐसा नहीं है तथापि वे किसी योज्य अचर तक सीमित अद्वितीय होते हैं अर्थात किसी फलन के दो समाकलनों में हमेशा एक अचर का अंतर होता है।
5. यदि किसी बहुपद फलन P का अवकलन किया जाता है तो परिणामस्वरूप एक ऐसा बहुपद मिलता है जिसकी घात बहुपद P की घात से एक कम होती है। जब किसी बहुपद फलन P का समाकलन किया जाता है तो परिणामस्वरूप एक ऐसा बहुपद प्राप्त होता है जिसकी घात बहुपद P की घात से एक अधिक होती है।
6. हम अवकलज की चर्चा एक बिंदु पर करते हैं परंतु समाकलन की चर्चा एक बिंदु पर कभी नहीं होती। हम दिए हुए फलन के समाकलन की चर्चा उस अंतराल पर करते हैं जिस पर समाकलन परिभाषित होता है जैसाकि हम परिच्छेद 7.7 में चर्चा करेंगे।

7. एक फलन के अवकलज का ज्यामितीय अर्थ भी होता है जैसे कि दिए हुए वक्र के दिए हुए बिंदु पर स्पर्श रेखा की प्रवणता, उस बिंदु पर फलन के अवकलज के मान के बराबर होती है। इसी प्रकार दिए हुए फलन का अनिश्चित समाकलन एक दूसरे के समांतर स्थित वक्रों के परिवार को निरूपित करता है, जिसमें समाकलन के चर को निरूपित करने वाले अक्ष के अनुलंब रेखा के सभी वक्रों के प्रतिच्छेदन बिंदुओं पर स्पर्श रेखाएँ समांतर होती है।
8. कुछ भौतिक मात्राएँ ज्ञात करने में अवकलज का उपयोग होता है उदाहरणत: किसी कण द्वारा किसी समय t में तय की गई दूरी यदि ज्ञात है तो दिए गए समय बाद वेग ज्ञात करने में अवकलज सहायक होता है। उसी प्रकार किसी समय t पर यदि वेग ज्ञात है तो दिए गए समय में तय दूरी ज्ञात करने के लिए समाकलन का उपयोग होता है।
9. अवकलज एक ऐसा प्रक्रम है जिसमें सीमा का भाव समाहित है ठीक उसी प्रकार का भाव समाकलन में भी समाहित है जिसके बारे में हम परिच्छेद 7.7 में अध्ययन करेंगे।
10. अवकलन एवं समाकलन के प्रक्रम एक दूसरे के व्युत्क्रम है जैसा कि परिच्छेद 7.2.2 (i) में चर्चा की जा चुकी है।

प्रश्नावली 7.1

निम्नलिखित फलनों के प्रतिअवकलज (समाकलन) निरीक्षण विधि द्वारा ज्ञात कीजिए।

1. $\sin 2x$ **2.** $\cos 3x$ **3.** e^{2x}

4. $(ax + b)^2$ **5.** $\sin 2x - 4\, e^{3x}$

निम्नलिखित समाकलनों को ज्ञात कीजिए:

6. $\int (4\, e^{3x} + 1)\, dx$ **7.** $\int x^2 \left(1 - \frac{1}{x^2}\right) dx$ **8.** $\int (ax^2 + bx + c)\, dx$

9. $\int (2x^2 + e^x)\, dx$ **10.** $\int \left(\sqrt{x} - \frac{1}{\sqrt{x}}\right)^2 dx$ **11.** $\int \frac{x^3 + 5x^2 - 4}{x^2}\, dx$

12. $\int \frac{x^3 + 3x + 4}{\sqrt{x}}\, dx$ **13.** $\int \frac{x^3 - x^2 + x - 1}{x - 1}\, dx$ **14.** $\int (1 - x)\sqrt{x}\, dx$

15. $\int \sqrt{x}(3x^2 + 2x + 3)\, dx$ **16.** $\int (2x - 3\cos x + e^x)\, dx$

17. $\int (2x^2 - 3\sin x + 5\sqrt{x})\, dx$ **18.** $\int \sec x (\sec x + \tan x)\, dx$

19. $\int \frac{\sec^2 x}{\operatorname{cosec}^2 x}\, dx$ **20.** $\int \frac{2 - 3\sin x}{\cos^2 x}\, dx$

प्रश्न 21 एवं 22 में सही उत्तर का चयन कीजिए:

21. $\left(\sqrt{x}+\frac{1}{\sqrt{x}}\right)$ का प्रतिअवकलज है:

(A) $\frac{1}{3}x^{\frac{1}{3}}+2x^{\frac{1}{2}}+C$ (B) $\frac{2}{3}x^{\frac{2}{3}}+\frac{1}{2}x^{2}+C$

(C) $\frac{2}{3}x^{\frac{3}{2}}+2x^{\frac{1}{2}}+C$ (D) $\frac{3}{2}x^{\frac{3}{2}}+\frac{1}{2}x^{\frac{1}{2}}+C$

22. यदि $\frac{d}{dx}f(x)=4x^3-\frac{3}{x^4}$ जिसमें $f(2)=0$ तो $f(x)$ है:

(A) $x^4+\frac{1}{x^3}-\frac{129}{8}$ (B) $x^3+\frac{1}{x^4}+\frac{129}{8}$

(C) $x^4+\frac{1}{x^3}+\frac{129}{8}$ (D) $x^3+\frac{1}{x^4}-\frac{129}{8}$

7.3 समाकलन की विधियाँ (Methods of Integration)

पिछले परिच्छेद में हमने ऐसे समाकलनों की चर्चा की थी, जो कुछ फलनों के अवकलजों से सरलतापूर्वक प्राप्त किए जा सकते हैं। यह निरीक्षण पर आधारित विधि थी, इसमें ऐसे फलन F की खोज की जाती है जिसका अवकलज f है इससे f के समाकलन की प्राप्ति होती है। तथापि निरीक्षण पर आधारित यह विधि अनेक फलनों की स्थिति में बहुत उचित नहीं है। अत: समाकलनों को प्रामाणिक रूप में परिवर्तित करते हुए उन्हें ज्ञात करने के लिए हमें अतिरिक्त विधियाँ विकसित करने की आवश्यकता है। इनमें मुख्य विधियाँ निम्नलिखित पर आधारित हैं:

1. प्रतिस्थापन द्वारा समाकलन
2. आंशिक भिन्नों में वियोजन द्वारा समाकलन
3. खंडश: समाकलन

7.3.1 *प्रतिस्थापन द्वारा समाकलन (Integration by substitution)*

इस उप परिच्छेद में हम प्रतिस्थापन विधि द्वारा समाकलन पर विचार करेंगे। स्वतंत्र चर x को t में परिवर्तित करने के लिए $x = g(t)$ प्रतिस्थापित करते हुए दिए गए समाकलन $\int f(x)\,dx$ को अन्य रूप में परिवर्तित किया जा सकता है।

$$\text{I} = \int f(x)\,dx \text{ पर विचार कीजिए}$$

अब $x = g(t)$ प्रतिस्थापित कीजिए ताकि $\frac{dx}{dt} = g'(t)$

हम $dx = g'(t)\, dt$ लिखते हैं।

इस प्रकार $\mathrm{I} = \int f(x)\, dx = \int f\{g(t)\}\, g'(t)\, dt$

प्रतिस्थापन द्वारा समाकलन के लिए यह चर परिवर्तन का सूत्र हमारे पास उपलब्ध एक महत्वपूर्ण साधन है। उपयोगी प्रतिस्थापन क्या होगा इसका अनुमान लगाना हमेशा महत्वपूर्ण है। सामान्यत: हम एक ऐसे फलन के लिए प्रतिस्थापन करते हैं जिसका अवकलज भी समाकल्य में सम्मिलित हों, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों द्वारा स्पष्ट किया गया है।

उदाहरण 5 निम्नलिखित फलनों का x के सापेक्ष समाकलन कीजिए

(i) $\sin mx$ (ii) $2x \sin (x^2 + 1)$ (iii) $\frac{\tan^4 \sqrt{x} \sec^2 \sqrt{x}}{\sqrt{x}}$

(iv) $\frac{\sin (\tan^{-1} x)}{1+x^2}$

हल

(i) हम जानते हैं कि mx का अवकलज m है। अत: हम $mx = t$ प्रतिस्थापन करते हैं, ताकि $mdx = dt$

इसलिए $\int \sin mx\, dx = \frac{1}{m}\int \sin t\, dt = -\frac{1}{m}\cos t + \mathrm{C} = -\frac{1}{m}\cos mx + \mathrm{C}$

(ii) $x^2 + 1$ का अवकलज $2x$ है। अत: हम $x^2 + 1 = t$ के प्रतिस्थापन का उपयोग करते हैं ताकि $2x\, dx = dt$

इसलिए $\int 2x \sin (x^2+1)\, dx = \int \sin t\, dt = -\cos t + \mathrm{C} = -\cos (x^2 + 1) + \mathrm{C}$

(iii) $\sqrt{x}$ का अवकलज $\frac{1}{2} x^{-\frac{1}{2}} = \frac{1}{2\sqrt{x}}$ है। अत: हम

$\sqrt{x} = t$ के प्रतिस्थापन का उपयोग करते हैं ताकि $\frac{1}{2\sqrt{x}} dx = dt$ जिससे $dx = 2t\, dt$

प्राप्त होता है।

अत: $\int \frac{\tan^4 \sqrt{x} \sec^2 \sqrt{x}}{\sqrt{x}} dx = \int \frac{\tan^4 t \sec^2 t\, 2t\, dt}{t} = 2\int \tan^4 t\, \sec^2 t\, dt$

फिर से हम दूसरा प्रतिस्थापन $\tan t = u$ करते हैं ताकि $\sec^2 t\, dt = du$

इसलिए $2\int \tan^4 t \sec^2 t\, dt = 2\int u^4\, du = 2\frac{u^5}{5} + C$

$$= \frac{2}{5}\tan^5 t + C \text{ (क्योंकि } u = \tan t)$$

$$= \frac{2}{5}\tan^5 \sqrt{x} + C \text{ (क्योंकि } t = \sqrt{x})$$

अतः $\int \frac{\tan^4\sqrt{x}\sec^2\sqrt{x}}{\sqrt{x}}\,dx = \frac{2}{5}\tan^5\sqrt{x} + C$

विकल्पतः $\tan\sqrt{x} = t$ प्रतिस्थापन कीजिए

(iv) $\tan^{-1}x$ का अवकलज $\frac{1}{1+x^2}$ है। अतः हम $\tan^{-1}x = t$ प्रतिस्थापन का उपयोग करते हैं ताकि

$$\frac{dx}{1+x^2} = dt$$

इसलिए $\int \frac{\sin(\tan^{-1}x)}{1+x^2}\,dx = \int \sin t\, dt = -\cos t + C = -\cos(\tan^{-1}x) + C$

अब हम कुछ महत्वपूर्ण समाकलनों जिनमें त्रिकोणमितीय फलनों और उनके प्रामाणिक समाकलनों का उपयोग प्रतिस्थापन विधि में किया गया है, पर चर्चा करते हैं।

(i) $\int \tan x\, dx = \log|\sec x| + C$

हम पाते हैं कि $\int \tan x\, dx = \int \frac{\sin x}{\cos x}\,dx$

$\cos x = t$, प्रतिस्थापित कीजिए ताकि $\sin x\, dx = -dt$

तब $\int \tan x\, dx = -\int \frac{dt}{t} = -\log|t| + C = -\log|\cos x| + C$

अथवा $\int \tan x\, dx = \log|\sec x| + C$

(ii) $\int \cot x\, dx = \log|\sin x| + C$

हम पाते हैं कि $\int \cot x\, dx = \int \frac{\cos x}{\sin x}\,dx$

$\sin x = t$ प्रतिस्थापित कीजिए ताकि $\cos x\, dx = dt$

तब $$\int \cot x\, dx = \int \frac{dt}{t}$$

$$= \log |t| + C$$

$$= \log |\sin x| + C$$

(iii) $\int \sec x\, dx = \log |\sec x + \tan x| + C$

हमें ज्ञात है कि, $\int \sec x\, dx = \int \frac{\sec x\,(\sec x + \tan x)}{\sec x + \tan x}\, dx$

$\sec x + \tan x = t$ प्रतिस्थापित करने पर $\sec x\,(\tan x + \sec x)\, dx = dt$

इसलिए $\int \sec x\, dx = \int \frac{dt}{t} = \log |t| + C = \log |\sec x + \tan x| + C$

(iv) $\int \operatorname{cosec} x\, dx = \log |\operatorname{cosec} x - \cot x| + C$

हम पाते हैं कि, $\int \operatorname{cosec} x\, dx = \int \frac{\operatorname{cosec} x\,(\operatorname{cosec} x + \cot x)}{(\operatorname{cosec} x + \cot x)}\, dx$

$\operatorname{cosec} x + \cot x = t$ प्रतिस्थापित कीजिए
ताकि $-\operatorname{cosec} x\,(\cot x + \operatorname{cosec} x)\, dx = dt$

इसलिए $$\int \operatorname{cosec} x\, dx = -\int \frac{dt}{t} = -\log |t| = -\log |\operatorname{cosec} x + \cot x| + C$$

$$= -\log \left| \frac{\operatorname{cosec}^2 x - \cot^2 x}{\operatorname{cosec} x - \cot x} \right| + C$$

$$= \log |\operatorname{cosec} x - \cot x| + C$$

उदाहरण 6 निम्नलिखित समाकलनों को ज्ञात कीजिए:

(i) $\int \sin^3 x \cos^2 x\, dx$ (ii) $\int \frac{\sin x}{\sin (x + a)}\, dx$ (iii) $\int \frac{1}{1 + \tan x}\, dx$

हल

(i) यहाँ $$\int \sin^3 x \cos^2 x\, dx = \int \sin^2 x \cos^2 x\,(\sin x)\, dx$$

$$= \int (1 - \cos^2 x) \cos^2 x\,(\sin x)\, dx$$

$t = \cos x$ प्रतिस्थापित कीजिए ताकि $dt = -\sin x\, dx$

इसलिए $\int \sin^2 x \cos^2 x\, (\sin x)\, dx = -\int (1-t^2)\, t^2\, dt$

$$= -\int (t^2 - t^4)\, dt = -\left(\frac{t^3}{3} - \frac{t^5}{5}\right) + C$$

$$= -\frac{1}{3}\cos^3 x + \frac{1}{5}\cos^5 x + C$$

(ii) $x + a = t$ प्रतिस्थापित करने पर $dx = dt$

इसलिए $\int \frac{\sin x}{\sin (x+a)}\, dx = \int \frac{\sin (t-a)}{\sin t}\, dt$

$$= \int \frac{\sin t \cos a - \cos t \sin a}{\sin t}\, dt$$

$$= \cos a \int dt - \sin a \int \cot t\, dt$$

$$= (\cos a)\, t - (\sin a)\left[\log |\sin t| + C_1\right]$$

$$= (\cos a)\,(x+a) - (\sin a)\left[\log |\sin (x+a)| + C_1\right]$$

$$= x \cos a + a \cos a - (\sin a) \log |\sin (x+a)| - C_1 \sin a$$

अतः $\int \frac{\sin x}{\sin (x+a)}\, dx = x \cos a - \sin a \log |\sin (x+a)| + C$

जहाँ $C = -C_1 \sin a + a \cos a$, एक अन्य स्वेच्छ अचर है।

(iii) $\int \frac{dx}{1+\tan x} = \int \frac{\cos x\, dx}{\cos x + \sin x}$

$$= \frac{1}{2}\int \frac{(\cos x + \sin x + \cos x - \sin x)\, dx}{\cos x + \sin x}$$

$$= \frac{1}{2}\int dx + \frac{1}{2}\int \frac{\cos x - \sin x}{\cos x + \sin x}\, dx$$

$$= \frac{x}{2} + \frac{C_1}{2} + \frac{1}{2}\int \frac{\cos x - \sin x}{\cos x + \sin x}\, dx \qquad \ldots (1)$$

अब $\quad I = \int \frac{\cos x - \sin x}{\cos x + \sin x}\, dx$ पर विचार कीजिए।

अब $\quad \cos x + \sin x = t$ प्रतिस्थापित कीजिए ताकि $(-\sin x + \cos x)\, dx = dt$

इसलिए $\quad I = \int \frac{dt}{t} = \log|t| + C_2 = \log|\cos x + \sin x| + C_2$

I को (1) में रखने पर हम पाते हैं

$$\int \frac{dx}{1+\tan x} = \frac{x}{2} + \frac{C_1}{2} + \frac{1}{2}\log|\cos x + \sin x| + \frac{C_2}{2}$$

$$= \frac{x}{2} + \frac{1}{2}\log|\cos x + \sin x| + \frac{C_1}{2} + \frac{C_2}{2}$$

$$= \frac{x}{2} + \frac{1}{2}\log|\cos x + \sin x| + C, \left(C = \frac{C_1}{2} + \frac{C_2}{2}\right)$$

प्रश्नावली 7.2

1 से 37 तक के प्रश्नों में प्रत्येक फलन का समाकलन ज्ञात कीजिए।

1. $\frac{2x}{1+x^2}$ **2.** $\frac{(\log x)^2}{x}$ **3.** $\frac{1}{x + x\log x}$

4. $\sin x \sin(\cos x)$ **5.** $\sin(ax+b)\cos(ax+b)$

6. $\sqrt{ax+b}$ **7.** $x\sqrt{x+2}$ **8.** $x\sqrt{1+2x^2}$

9. $(4x+2)\sqrt{x^2+x+1}$ **10.** $\frac{1}{x-\sqrt{x}}$ **11.** $\frac{x}{\sqrt{x+4}}, x>0$

12. $(x^3-1)^{\frac{1}{3}} x^5$ **13.** $\frac{x^2}{(2+3x^3)^3}$ **14.** $\frac{1}{x(\log x)^m}, x>0$

15. $\frac{x}{9-4x^2}$ **16.** e^{2x+3} **17.** $\frac{x}{e^{x^2}}$

18. $\frac{e^{\tan^{-1}x}}{1+x^2}$ **19.** $\frac{e^{2x}-1}{e^{2x}+1}$ **20.** $\frac{e^{2x}-e^{-2x}}{e^{2x}+e^{-2x}}$

21. $\tan^2(2x-3)$ **22.** $\sec^2(7-4x)$ **23.** $\frac{\sin^{-1}x}{\sqrt{1-x^2}}$

24. $\dfrac{2\cos x - 3\sin x}{6\cos x + 4\sin x}$ **25.** $\dfrac{1}{\cos^2 x\,(1 - \tan x)^2}$ **26.** $\dfrac{\cos\sqrt{x}}{\sqrt{x}}$

27. $\sqrt{\sin 2x}\cos 2x$ **28.** $\dfrac{\cos x}{\sqrt{1+\sin x}}$ **29.** $\cot x \log \sin x$

30. $\dfrac{\sin x}{1+\cos x}$ **31.** $\dfrac{\sin x}{(1+\cos x)^2}$ **32.** $\dfrac{1}{1+\cot x}$

33. $\dfrac{1}{1-\tan x}$ **34.** $\dfrac{\sqrt{\tan x}}{\sin x \cos x}$ **35.** $\dfrac{(1+\log x)^2}{x}$

36. $\dfrac{(x+1)(x+\log x)^2}{x}$ **37.** $\dfrac{x^3\sin\left(\tan^{-1}x^4\right)}{1+x^8}$

प्रश्न 38 एवं 39 में सही उत्तर का चयन कीजिए:

38. $\displaystyle\int \frac{10x^9 + 10^x \log_{e^{10}} dx}{x^{10} + 10^x}$ बराबर है:

(A) $10^x - x^{10} + C$ (B) $10^x + x^{10} + C$

(C) $(10^x - x^{10})^{-1} + C$ (D) $\log(10^x + x^{10}) + C$

39. $\displaystyle\int \frac{dx}{\sin^2 x \cos^2 x}$ बराबर है:

(A) $\tan x + \cot x + C$ (B) $\tan x - \cot x + C$

(C) $\tan x \cot x + C$ (D) $\tan x - \cot 2x + C$

7.3.2 *त्रिकोणमितीय सर्व-समिकाओं के उपयोग द्वारा समाकलन (Integration using trigonometric identities)*

जब समाकल्य में कुछ त्रिकोणमितीय फलन निहित होते हैं, तो हम समाकलन ज्ञात करने के लिए कुछ ज्ञात सर्वसमिकाओं का उपयोग करते हैं जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों के द्वारा समझाया गया है।

उदाहरण 7 निम्नलिखित को ज्ञात कीजिए

(i) $\displaystyle\int \cos^2 x\, dx$ (ii) $\displaystyle\int \sin 2x \cos 3x\, dx$ (iii) $\displaystyle\int \sin^3 x\, dx$

हल

(i) सर्वसमिका $\cos 2x = 2\cos^2 x - 1$ को स्मरण कीजिए जिससे

$$\cos^2 x = \frac{1+\cos 2x}{2}$$ प्राप्त होता है।

इसलिए $\int \cos^2 x\, dx = \frac{1}{2}\int (1+\cos 2x)\, dx = \frac{1}{2}\int dx + \frac{1}{2}\int \cos 2x\, dx$

$$= \frac{x}{2} + \frac{1}{4}\sin 2x + C$$

(ii) सर्वसमिका $\sin x \cos y = \frac{1}{2}[\sin (x + y) + \sin (x - y)]$, को स्मरण कीजिए

तब $\int \sin 2x \cos 3x\, dx = \frac{1}{2}\left[\int \sin 5x\, dx - \int \sin x\, dx\right]$

$$= \frac{1}{2}\left[-\frac{1}{5}\cos 5x + \cos x\right] + C$$

$$= -\frac{1}{10}\cos 5x + \frac{1}{2}\cos x + C$$

(iii) सर्वसमिका $\sin 3x = 3 \sin x - 4 \sin^3 x$ से हम पाते हैं कि

$$\sin^3 x = \frac{3\sin x - \sin 3x}{4}$$

इसलिए $\int \sin^3 x\, dx = \frac{3}{4}\int \sin x\, dx - \frac{1}{4}\int \sin 3x\, dx$

$$= -\frac{3}{4}\cos x + \frac{1}{12}\cos 3x + C$$

विकल्पत: $\int \sin^3 x\, dx = \int \sin^2 x \sin x\, dx = \int (1-\cos^2 x)\sin x\, dx$

$\cos x = t$ रखने पर $-\sin x\, dx = dt$

इसलिए $\int \sin^3 x\, dx = -\int \left(1-t^2\right) dt = -\int dt + \int t^2\, dt = -t + \frac{t^3}{3} + C$

$$= -\cos x + \frac{1}{3}\cos^3 x + C$$

टिप्पणी त्रिकोणमितीय सर्व-समिकाओं का उपयोग करते हुए यह दर्शाया जा सकता है कि दोनों उत्तर समतुल्य हैं।

प्रश्नावली 7.3

1 से 22 तक के प्रश्नों में प्रत्येक फलन का समाकलन ज्ञात कीजिए।

1. $\sin^2 (2x + 5)$ **2.** $\sin 3x \cos 4x$ **3.** $\cos 2x \cos 4x \cos 6x$

4. $\sin^3 (2x + 1)$ **5.** $\sin^3 x \cos^3 x$ **6.** $\sin x \sin 2x \sin 3x$

7. $\sin 4x \sin 8x$ **8.** $\dfrac{1-\cos x}{1+\cos x}$ **9.** $\dfrac{\cos x}{1+\cos x}$

10. $\sin^4 x$ **11.** $\cos^4 2x$ **12.** $\dfrac{\sin^2 x}{1+\cos x}$

13. $\dfrac{\cos 2x-\cos 2\alpha}{\cos x-\cos \alpha}$ **14.** $\dfrac{\cos x-\sin x}{1+\sin 2x}$ **15.** $\tan^3 2x \sec 2x$

16. $\tan^4 x$ **17.** $\dfrac{\sin^3 x+\cos^3 x}{\sin^2 x\cos^2 x}$ **18.** $\dfrac{\cos 2x+2\sin^2 x}{\cos^2 x}$

19. $\dfrac{1}{\sin x\cos^3 x}$ **20.** $\dfrac{\cos 2x}{(\cos x+\sin x)^2}$ **21.** $\sin^{-1}(\cos x)$

22. $\dfrac{1}{\cos (x-a)\cos (x-b)}$

प्रश्न 23 एवं 24 में सही उत्तर का चयन कीजिए।

23. $\displaystyle\int \frac{\sin^2 x-\cos^2 x}{\sin^2 x\cos^2 x}dx$ बराबर है:

(A) $\tan x + \cot x + C$ (B) $\tan x + \text{cosec } x + C$

(C) $-\tan x + \cot x + C$ (D) $\tan x + \sec x + C$

24. $\displaystyle\int \frac{e^x(1+x)}{\cos^2(e^x x)}dx$ बराबर है:

(A) $-\cot (ex^x) + C$ (B) $\tan (xe^x) + C$

(C) $\tan (e^x) + C$ (D) $\cot (e^x) + C$

7.4 कुछ विशिष्ट फलनों के समाकलन (Integrals of Some Particular Functions)

इस परिच्छेद में हम निम्नलिखित महत्वपूर्ण समाकलन सूत्रों की व्याख्या करेंगे और बहुत से दूसरे संबंधित प्रामाणिक समाकलनों को ज्ञात करने में उनका प्रयोग करेंगे।

(1) $\displaystyle\int \frac{dx}{x^2-a^2}=\frac{1}{2a}\log\left|\frac{x-a}{x+a}\right|+C$ **(2)** $\displaystyle\int \frac{dx}{a^2-x^2}=\frac{1}{2a}\log\left|\frac{a+x}{a-x}\right|+C$

(3) $\displaystyle\int \frac{dx}{x^2+a^2}=\frac{1}{a}\tan^{-1}\frac{x}{a}+C$ **(4)** $\displaystyle\int \frac{dx}{\sqrt{x^2-a^2}}=\log\left|x+\sqrt{x^2-a^2}\right|+C$

(5) $\displaystyle\int \frac{dx}{\sqrt{a^2 - x^2}} = \sin^{-1}\frac{x}{a} + C$ **(6)** $\displaystyle\int \frac{dx}{\sqrt{x^2 + a^2}} = \log\left|x + \sqrt{x^2 + a^2}\right| + C$

अब हम उपर्युक्त परिणामों को सिद्ध करते हैं।

(1) हम जानते हैं कि $\displaystyle\frac{1}{x^2 - a^2} = \frac{1}{(x-a)(x+a)}$

$$= \frac{1}{2a}\left[\frac{(x+a)-(x-a)}{(x-a)(x+a)}\right] = \frac{1}{2a}\left[\frac{1}{x-a} - \frac{1}{x+a}\right]$$

इसलिए $\displaystyle\int \frac{dx}{x^2 - a^2} = \frac{1}{2a}\left[\int \frac{dx}{x-a} - \int \frac{dx}{x+a}\right]$

$$= \frac{1}{2a}\left[\log|(x-a)| - \log|(x+a)|\right] + C$$

$$= \frac{1}{2a}\log\left|\frac{x-a}{x+a}\right| + C$$

(2) उपर्युक्त (1) के अनुसार हम पाते हैं कि

$$\frac{1}{a^2 - x^2} = \frac{1}{2a}\left[\frac{(a+x)+(a-x)}{(a+x)(a-x)}\right] = \frac{1}{2a}\left[\frac{1}{a-x} + \frac{1}{a+x}\right]$$

इसलिए $\displaystyle\int \frac{dx}{a^2 - x^2} = \frac{1}{2a}\left[\int \frac{dx}{a-x} + \int \frac{dx}{a+x}\right]$

$$= \frac{1}{2a}\left[-\log|a-x| + \log|a+x|\right] + C$$

$$= \frac{1}{2a}\log\left|\frac{a+x}{a-x}\right| + C$$

टिप्पणी (1) में उपयोग की गई विधि की व्याख्या परिच्छेद 7.5 में की जाएगी।

(3) $x = a\tan\theta$ रखने पर $dx = a\sec^2\theta\, d\theta$

इसलिए $\displaystyle\int \frac{dx}{x^2 + a^2} = \int \frac{a\sec^2\theta\, d\theta}{a^2\tan^2\theta + a^2}$

$$= \frac{1}{a}\int d\theta = \frac{1}{a}\theta + C = \frac{1}{a}\tan^{-1}\frac{x}{a} + C$$

(4) मान लीजिए $x = a\sec\theta$ तब $dx = a \sec\theta\tan\theta\, d\theta$

इसलिए $$\int \frac{dx}{\sqrt{x^2 - a^2}} = \int \frac{a\sec\theta\tan\theta\, d\theta}{\sqrt{a^2\sec^2\theta - a^2}}$$

$$= \int \sec\theta\, d\theta = \log|\sec\theta + \tan\theta| + C_1$$

$$= \log\left|\frac{x}{a} + \sqrt{\frac{x^2}{a^2} - 1}\right| + C_1$$

$$= \log\left|x + \sqrt{x^2 - a^2}\right| - \log|a| + C_1$$

$$= \log\left|x + \sqrt{x^2 - a^2}\right| + C, \text{ जहाँ } C = C_1 - \log|a|$$

(5) मान लीजिए कि $x = a\sin\theta$ तब $dx = a\cos\theta\, d\theta$

इसलिए $$\int \frac{dx}{\sqrt{a^2 - x^2}} = \int \frac{a\cos\theta\, d\theta}{\sqrt{a^2 - a^2\sin^2\theta}} = \int d\theta = \theta + C = \sin^{-1}\frac{x}{a} + C$$

(6) मान लीजिए कि $x = a\tan\theta$ तब $dx = a\sec^2\theta\, d\theta$

इसलिए $$\int \frac{dx}{\sqrt{x^2 + a^2}} = \int \frac{a\sec^2\theta\, d\theta}{\sqrt{a^2\tan^2\theta + a^2}}$$

$$= \int \sec\theta\, d\theta = \log|(\sec\theta + \tan\theta)| + C_1$$

$$= \log\left|\frac{x}{a} + \sqrt{\frac{x^2}{a^2} + 1}\right| + C_1$$

$$= \log\left|x + \sqrt{x^2 + a^2}\right| - \log|a| + C_1$$

$$= \log\left|x + \sqrt{x^2 + a^2}\right| + C, \text{ जहाँ } C = C_1 - \log|a|$$

इन प्रामाणिक सूत्रों के प्रयोग से अब हम कुछ और सूत्र प्राप्त करते हैं जो अनुप्रयोग की दृष्टि से उपयोगी हैं और दूसरे समाकलनों का मान ज्ञात करने के लिए इनका सीधा प्रयोग किया जा सकता है।

(7) समाकलन $\int \frac{dx}{ax^2+bx+c}$, ज्ञात करने के लिए हम

$$ax^2 + bx + c = a\left[x^2+\frac{b}{a}x+\frac{c}{a}\right] = a\left[\left(x+\frac{b}{2a}\right)^2+\left(\frac{c}{a}-\frac{b^2}{4a^2}\right)\right]$$ लिखते हैं।

अब $x+\frac{b}{2a}=t$ रखने पर $dx = dt$ एवं $\frac{c}{a}-\frac{b^2}{4a^2}=\pm k^2$ लिखते हुए हम पाते हैं कि $\left(\frac{c}{a}-\frac{b^2}{4a^2}\right)$ के चिह्न पर निर्भर करते हुए यह समाकलन $\frac{1}{a}\int\frac{dt}{t^2\pm k^2}$ के रूप में परिवर्तित हो जाता है और इस प्रकार इसका मान ज्ञात किया जा सकता है।

(8) $\int \frac{dx}{\sqrt{ax^2+bx+c}}$, के प्रकार के समाकलन को ज्ञात करने के लिए (7) की भाँति आगे बढ़ते हुए प्रामाणिक सूत्रों का उपयोग करके समाकलन ज्ञात किया जा सकता है।

(9) $\int \frac{px+q}{ax^2+bx+c}dx$, जहाँ p, q, a, b, c अचर हैं, के प्रकार के समाकलन ज्ञात करने के लिए हम ऐसी दो वास्तविक संख्याएँ A तथा B ज्ञात करते हैं ताकि

$$px+q = \mathrm{A}\frac{d}{dx}(ax^2+bx+c)+\mathrm{B} = \mathrm{A}\,(2ax+b)+\mathrm{B}$$

A तथा B, ज्ञात करने के लिए हम दोनों पक्षों से x के गुणांकों एवं अचरों को समान करते हैं। A तथा B के ज्ञात हो जाने पर समाकलन ज्ञात प्रामाणिक रूप में परिवर्तित हो जाता है।

(10) $\int \frac{(px+q)\,dx}{\sqrt{ax^2+bx+c}}$, के प्रकार के समाकलन का मान ज्ञात करने के लिए हम (9) की भाँति आगे बढ़ते हैं और समाकलन को ज्ञात प्रामाणिक रूपों में परिवर्तित करते हैं।

आइए उपर्युक्त विधियों को कुछ उदाहरणों की सहायता से समझते हैं।

उदाहरण 8 निम्नलिखित समाकलनों को ज्ञात कीजिए

(i) $\int \frac{dx}{x^2-16}$ (ii) $\int \frac{dx}{\sqrt{2x-x^2}}$

हल

(i) यहाँ $\int \frac{dx}{x^2-16} = \int \frac{dx}{x^2-4^2} = \frac{1}{8}\log\left|\frac{x-4}{x+4}\right| + C$ [7.4 (1) से]

(ii) $\int \frac{dx}{\sqrt{2x-x^2}} = \int \frac{dx}{\sqrt{1-(x-1)^2}}$

$x - 1 = t$ रखने पर $dx = dt$

इसलिए $\int \frac{dx}{\sqrt{2x-x^2}} = \int \frac{dt}{\sqrt{1-t^2}} = \sin^{-1}(t) + C$ [7.4 (5) से]

$$= \sin^{-1}(x-1) + C$$

उदाहरण 9 निम्नलिखित समाकलनों को ज्ञात कीजिए।

(i) $\int \frac{dx}{x^2-6x+13}$ (ii) $\int \frac{dx}{3x^2+13x-10}$ (iii) $\int \frac{dx}{\sqrt{5x^2-2x}}$

हल

(i) यहाँ $x^2 - 6x + 13 = x^2 - 6x + 3^2 - 3^2 + 13 = (x-3)^2 + 4$

इसलिए $\int \frac{dx}{x^2-6x+13} = \int \frac{1}{(x-3)^2+2^2}\,dx$

मान लीजिए $x - 3 = t$ तब $dx = dt$

इसलिए $\int \frac{dx}{x^2-6x+13} = \int \frac{dt}{t^2+2^2} = \frac{1}{2}\tan^{-1}\frac{t}{2} + C$ [7.4 (3) से]

$$= \frac{1}{2}\tan^{-1}\frac{x-3}{2} + C$$

(ii) दिया हुआ समाकलन 7.4(7) के रूप का है। हम समाकल्य के हर को निम्नलिखित प्रकार से लिखते हैं

$$3x^2+13x-10 = 3\left(x^2+\frac{13x}{3}-\frac{10}{3}\right)$$

$$= 3\left[\left(x+\frac{13}{6}\right)^2-\left(\frac{17}{6}\right)^2\right] \quad \text{(पूर्ण वर्ग बनाने पर)}$$

इसलिए $\int \frac{dx}{3x^2+13x-10} = \frac{1}{3}\int \frac{dx}{\left(x+\frac{13}{6}\right)^2-\left(\frac{17}{6}\right)^2}$

अब $x+\frac{13}{6}=t$ रखने पर $dx = dt$

इसलिए $\int \frac{dx}{3x^2+13x-10} = \frac{1}{3}\int \frac{dt}{t^2-\left(\frac{17}{6}\right)^2}$

$$= \frac{1}{3\times 2\times \frac{17}{6}} \log \left| \frac{t-\frac{17}{6}}{t+\frac{17}{6}} \right| + C_1 \qquad [7.4 \text{ (i) से}]$$

$$= \frac{1}{17} \log \left| \frac{x+\frac{13}{6}-\frac{17}{6}}{x+\frac{13}{6}+\frac{17}{6}} \right| + C_1 = \frac{1}{17}\log\left|\frac{6x-4}{6x+30}\right| + C_1$$

$$= \frac{1}{17}\log\left|\frac{3x-2}{x+5}\right| + C_1 + \frac{1}{17}\log\frac{1}{3}$$

$$= \frac{1}{17}\log\left|\frac{3x-2}{x+5}\right| + C, \text{ where } C = C_1 + \frac{1}{17}\log\frac{1}{3}$$

(iii) यहाँ $\int \frac{dx}{\sqrt{5x^2-2x}} = \int \frac{dx}{\sqrt{5\left(x^2-\frac{2x}{5}\right)}}$

$$= \frac{1}{\sqrt{5}}\int \frac{dx}{\sqrt{\left(x-\frac{1}{5}\right)^2-\left(\frac{1}{5}\right)^2}} \quad \text{(पूर्ण वर्ग बनाने पर)}$$

अब $x-\frac{1}{5}=t$ रखने पर $dx = dt$

इसलिए $\int \frac{dx}{\sqrt{5x^2-2x}} = \frac{1}{\sqrt{5}}\int \frac{dt}{\sqrt{t^2-\left(\frac{1}{5}\right)^2}}$

$$= \frac{1}{\sqrt{5}} \log \left| t + \sqrt{t^2 - \left(\frac{1}{5}\right)^2} \right| + C \qquad [7.4\ (4)\ \text{से}]$$

$$= \frac{1}{\sqrt{5}} \log \left| x - \frac{1}{5} + \sqrt{x^2 - \frac{2x}{5}} \right| + C$$

उदाहरण 10 निम्नलिखित समाकलनों को ज्ञात कीजिए

(i) $\int \frac{x+2}{2x^2+6x+5} dx$ (ii) $\int \frac{x+3}{\sqrt{5-4x+x^2}} dx$

हल

(i) सूत्र 7.4(9) का उपयोग करते हुए हम अभिव्यक्त करते हैं

$$x + 2 = A \frac{d}{dx}\left(2x^2+6x+5\right) + B = A\,(4x+6) + B$$

दोनों पक्षों से x के गुणांकों एवं अचरों को समान करने पर हम पाते हैं:

$4A = 1$ तथा $6A + B = 2$ अथवा $A = \frac{1}{4}$ और $B = \frac{1}{2}$

इसलिए $$\int \frac{x+2}{2x^2+6x+5} = \frac{1}{4}\int \frac{4x+6}{2x^2+6x+5}dx + \frac{1}{2}\int \frac{dx}{2x^2+6x+5}$$

$$= \frac{1}{4} I_1 + \frac{1}{2} I_2 \quad \text{(मान लीजिए)} \qquad \ldots (1)$$

I_1 में, $2x^2 + 6x + 5 = t$, रखने पर $(4x + 6)\, dx = dt$

इसलिए $$I_1 = \int \frac{dt}{t} = \log|t| + C_1 = \log|2x^2+6x+5| + C_1 \qquad \ldots (2)$$

और $$I_2 = \int \frac{dx}{2x^2+6x+5} = \frac{1}{2}\int \frac{dx}{x^2+3x+\frac{5}{2}} = \frac{1}{2}\int \frac{dx}{\left(x+\frac{3}{2}\right)^2 + \left(\frac{1}{2}\right)^2}$$

अब $x + \frac{3}{2} = t$, रखने पर $dx = dt$, हम पाते हैं

$$I_2 = \frac{1}{2}\int \frac{dt}{t^2 + \left(\frac{1}{2}\right)^2} = \frac{1}{2 \times \frac{1}{2}} \tan^{-1} 2t + C_2 \qquad \text{[7.4 (3) से]}$$

$$= \tan^{-1} 2\left(x + \frac{3}{2}\right) + C_2 = \tan^{-1}(2x+3) + C_2 \qquad \text{... (3)}$$

(2) और (3) का उपयोग (1) में करने पर हम पाते हैं

$$\int \frac{x+2}{2x^2+6x+5}\, dx = \frac{1}{4}\log\left|2x^2+6x+5\right| + \frac{1}{2}\tan^{-1}(2x+3) + C,$$

जहाँ $\quad C = \frac{C_1}{4} + \frac{C_2}{2}$

(ii) यह समाकलन 7.4 (10) के रूप में है। आइए $x+3$ को निम्नलिखित रूप में अभिव्यक्त करते हैं

$$x + 3 = A\frac{d}{dx}(5 - 4x - x^2) + B = A\,(-4 - 2x) + B$$

दोनों पक्षों से x के गुणांकों एवं अचरों को समान करने पर हम पाते हैं
$-2A = 1$ और $-4A + B = 3$,

अर्थात् $\quad A = -\frac{1}{2}$ और $B = 1$

इसलिए $\quad \int \frac{x+3}{\sqrt{5-4x-x^2}}\, dx = -\frac{1}{2}\int \frac{(-4-2x)\, dx}{\sqrt{5-4x-x^2}} + \int \frac{dx}{\sqrt{5-4x-x^2}}$

$$= -\frac{1}{2} I_1 + I_2 \qquad \text{... (1)}$$

I_1, में $5 - 4x - x^2 = t$, रखने पर $(-4-2x)\, dx = dt$

इसलिए $\quad I_1 = \int \frac{(-4-2x)\,dx}{\sqrt{5-4x-x^2}} = \int \frac{dt}{\sqrt{t}} = 2\sqrt{t} + C_1$

$$= 2\sqrt{5-4x-x^2} + C_1 \qquad \text{... (2)}$$

अब $\quad I_2 = \int \frac{dx}{\sqrt{5-4x-x^2}} = \int \frac{dx}{\sqrt{9-(x+2)^2}}$ पर विचार कीजिए

$x + 2 = t$ रखने पर $dx = dt$

इसलिए $\quad I_2 = \int \frac{dt}{\sqrt{3^2 - t^2}} = \sin^{-1}\frac{t}{3} + C_2$ [7.4 (5) से]

$$= \sin^{-1}\frac{x+2}{3} + C_2 \quad \ldots (3)$$

समीकरणों (2) एवं (3) को (1) में प्रतिस्थापित करने पर हम

$\int \frac{x+3}{\sqrt{5-4x-x^2}} = -\sqrt{5-4x-x^2} + \sin^{-1}\frac{x+2}{3} + C$ प्राप्त करते हैं, जहाँ $C = C_2 - \frac{C_1}{2}$

प्रश्नावली 7.4

प्रश्न 1 से 23 तक के फलनों का समाकलन कीजिए।

1. $\frac{3x^2}{x^6+1}$ **2.** $\frac{1}{\sqrt{1+4x^2}}$ **3.** $\frac{1}{\sqrt{(2-x)^2+1}}$

4. $\frac{1}{\sqrt{9-25x^2}}$ **5.** $\frac{3x}{1+2x^4}$ **6.** $\frac{x^2}{1-x^6}$

7. $\frac{x-1}{\sqrt{x^2-1}}$ **8.** $\frac{x^2}{\sqrt{x^6+a^6}}$ **9.** $\frac{\sec^2 x}{\sqrt{\tan^2 x+4}}$

10. $\frac{1}{\sqrt{x^2+2x+2}}$ **11.** $\frac{1}{9x^2+6x+5}$ **12.** $\frac{1}{\sqrt{7-6x-x^2}}$

13. $\frac{1}{\sqrt{(x-1)(x-2)}}$ **14.** $\frac{1}{\sqrt{8+3x-x^2}}$ **15.** $\frac{1}{\sqrt{(x-a)(x-b)}}$

16. $\frac{4x+1}{\sqrt{2x^2+x-3}}$ **17.** $\frac{x+2}{\sqrt{x^2-1}}$ **18.** $\frac{5x-2}{1+2x+3x^2}$

19. $\frac{6x+7}{\sqrt{(x-5)(x-4)}}$ **20.** $\frac{x+2}{\sqrt{4x-x^2}}$ **21.** $\frac{x+2}{\sqrt{x^2+2x+3}}$

22. $\frac{x+3}{x^2-2x-5}$ **23.** $\frac{5x+3}{\sqrt{x^2+4x+10}}$

प्रश्न 24 एवं 25 में सही उत्तर का चयन कीजिए:

24. $\int \frac{dx}{x^2+2x+2}$ बराबर है :

(A) $x \tan^{-1}(x+1) + C$ (B) $\tan^{-1}(x+1) + C$

(C) $(x+1)\tan^{-1}x + C$ (D) $\tan^{-1}x + C$

25. $\int \frac{dx}{\sqrt{9x-4x^2}}$ बराबर है :

(A) $\frac{1}{9}\sin^{-1}\left(\frac{9x-8}{8}\right)+C$ (B) $\frac{1}{2}\sin^{-1}\left(\frac{8x-9}{9}\right)+C$

(C) $\frac{1}{3}\sin^{-1}\left(\frac{9x-8}{8}\right)+C$ (D) $\frac{1}{2}\sin^{-1}\left(\frac{9x-8}{9}\right)+C$

7.5 आंशिक भिन्नों द्वारा समाकलन (Integration by Partial Fractions)

स्मरण कीजिए कि एक परिमेय फलन $\frac{P(x)}{Q(x)}$, दो बहुपदों के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है जहाँ $P(x)$ एवं $Q(x)$, x में बहुपद हैं तथा $Q(x) \neq 0$. यदि $P(x)$ की घात $Q(x)$ की घात से कम है, तो परिमेय फलन उचित परिमेय फलन कहलाता है अन्यथा विषम परिमेय फलन कहलाता है। विषम परिमेय फलनों को लम्बी भाग विधि द्वारा उचित परिमेय फलन के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है। इस प्रकार यदि $\frac{P(x)}{Q(x)}$ विषम परिमेय फलन है, तो $\frac{P(x)}{Q(x)} = T(x) + \frac{P_1(x)}{Q(x)}$, जहाँ $T(x)$ x में एक बहुपद है और $\frac{P_1(x)}{Q(x)}$ एक उचित परिमेय फलन है। हम जानते हैं कि एक बहुपद का समाकलन कैसे किया जाता है, अत: किसी भी परिमेय फलन का समाकलन किसी उचित परिमेय फलन के समाकलन की समस्या के रूप में परिवर्तित हो जाता है। यहाँ पर हम जिन परिमेय फलनों के समाकलन पर विचार करेंगे, उनके हर रैखिक और द्विघात गुणनखंडों में विघटित होने वाले होंगे।

मान लीजिए कि हम $\int \frac{P(x)}{Q(x)} dx$ का मान ज्ञात करना चाहते हैं जहाँ $\frac{P(x)}{Q(x)}$ एक उचित परिमेय फलन है। एक विधि, जिसे आंशिक भिन्नों में वियोजन के नाम से जाना जाता है, की सहायता से दिए हुए समाकल्य को साधारण परिमेय फलनों के योग के रूप मे लिखा जाना संभव है। इसके पश्चात् पूर्व ज्ञात विधियों की सहायता से समाकलन सरलतापूर्वक किया जा सकता है। निम्नलिखित सारणी 7.2 निर्दिष्ट करती है, कि विभिन्न प्रकार के परिमेय फलनों के साथ किस प्रकार के सरल आंशिक भिन्नों को संबद्ध किया जा सकता है।

सारणी 7.2

क्रमांक	परिमेय फलन का रूप	आंशिक भिन्नों का रूप
1.	$\frac{px+q}{(x-a)(x-b)}$, $a \neq b$	$\frac{A}{x-a}+\frac{B}{x-b}$
2.	$\frac{px+q}{(x-a)^2}$	$\frac{A}{x-a}+\frac{B}{(x-a)^2}$
3.	$\frac{px^2+qx+r}{(x-a)(x-b)(x-c)}$	$\frac{A}{x-a}+\frac{B}{x-b}+\frac{C}{x-c}$
4.	$\frac{px^2+qx+r}{(x-a)^2(x-b)}$	$\frac{A}{x-a}+\frac{B}{(x-a)^2}+\frac{C}{x-b}$
5.	$\frac{px^2+qx+r}{(x-a)(x^2+bx+c)}$	$\frac{A}{x-a}+\frac{Bx+C}{x^2+bx+c}$,
	जहाँ $x^2 + bx + c$ का और आगे गुणनखंड नहीं किया जा सकता।	

उपर्युक्त सारणी में A, B एवं C वास्तविक संख्याएँ हैं जिनको उचित विधि से ज्ञात करते हैं।

उदाहरण 11 $\int \frac{dx}{(x+1)(x+2)}$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ समाकल्य एक उचित परिमेय फलन है इसलिए आंशिक भिन्नों के रूप [सारणी 7.2 (i)], का उपयोग करते हुए, हम

$$\frac{1}{(x+1)(x+2)} = \frac{A}{x+1}+\frac{B}{x+2}, \text{ लिखते हैं} \qquad \ldots (1)$$

जहाँ A और B वास्तविक संख्याएँ हैं जिनको हमें उचित विधि से ज्ञात करना है। हम पाते हैं

$$1 = A(x+2) + B(x+1)$$

x के गुणांकों एवं अचर पदों को समान करने पर हम पाते हैं

$$A + B = 0$$

एवं
$$2A + B = 1$$

इन समीकरणों को हल करने पर हमें $A = 1$ और $B = -1$ प्राप्त होता है।

इस प्रकार समाकल्य निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है $\frac{1}{(x+1)(x+2)} = \frac{1}{x+1}+\frac{-1}{x+2}$

इसलिए
$$\int \frac{dx}{(x+1)(x+2)} = \int \frac{dx}{x+1} - \int \frac{dx}{x+2}$$
$$= \log|x+1| - \log|x+2| + C = \log\left|\frac{x+1}{x+2}\right| + C$$

टिप्पणी उपर्युक्त समीकरण (1) एक सर्वसमिका है अर्थात् एक ऐसा कथन जो x के सभी स्वीकार्य सभी मानों के लिए सत्य है। कुछ लेखक संकेत $\equiv$ का उपयोग यह दर्शाने के लिए करते हैं कि दिया हुआ कथन एक सर्वसमिका है और संकेत $=$ का उपयोग यह दर्शाने के लिए करते हैं कि दिया हुआ कथन एक समीकरण है अर्थात् यह दर्शाने के लिए कि दिया हुआ कथन x के निश्चित मानों के लिए सत्य है।

उदाहरण 12 $\int \frac{x^2+1}{x^2-5x+6} dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल यहाँ समाकल्य $\frac{x^2+1}{x^2-5x+6}$ एक उचित परिमेय फलन नहीं है इसलिए हम $x^2 + 1$ को $x^2 - 5x + 6$ से भाग करते हैं और हम पाते हैं कि

$$\frac{x^2+1}{x^2-5x+6} = 1 + \frac{5x-5}{x^2-5x+6} = 1 + \frac{5x-5}{(x-2)(x-3)}$$

मान लीजिए कि
$$\frac{5x-5}{(x-2)(x-3)} = \frac{A}{x-2} + \frac{B}{x-3}$$

ताकि
$$5x - 5 = A(x-3) + B(x-2)$$

दोनों पक्षों से x के गुणांकों एवं अचर पदों को समान करने पर हम पाते हैं $A + B = 5$ और $3A + 2B = 5$.

इन समीकरणों को हल करने पर हम

$A = -5$ और $B = 10$ प्राप्त करते हैं।

अतः
$$\frac{x^2+1}{x^2-5x+6} = 1 - \frac{5}{x-2} + \frac{10}{x-3}$$

इसलिए
$$\int \frac{x^2+1}{x^2-5x+6} dx = \int dx - 5\int \frac{1}{x-2} dx + 10\int \frac{dx}{x-3}$$
$$= x - 5 \log|x-2| + 10 \log|x-3| + C$$

उदाहरण 13 $\int \frac{3x-2}{(x+1)^2(x+3)}dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ समाकल्य सारणी 7.2(4) में दिए हुए समाकल्य के रूप का है। अत: हम

$$\frac{3x-2}{(x+1)^2(x+3)} = \frac{A}{x+1} + \frac{B}{(x+1)^2} + \frac{C}{x+3}$$ लिखते हैं

ताकि $3x - 2 = A(x+1)(x+3) + B(x+3) + C(x+1)^2$

$= A(x^2 + 4x + 3) + B(x+3) + C(x^2 + 2x + 1)$

दोनों पक्षों से x^2 के गुणांकों, x के गुणांकों एव अचर पदों की तुलना करने पर पाते हैं कि $A + C = 0$, $4A + B + 2C = 3$ और $3A + 3B + C = -2$ इन समीकरणों को हल करने पर हम $A = \frac{11}{4}, B = \frac{-5}{2}$ और $C = \frac{-11}{4}$ पाते हैं। इस प्रकार समाकल्य निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है।

$$\frac{3x-2}{(x+1)^2(x+3)} = \frac{11}{4(x+1)} - \frac{5}{2(x+1)^2} - \frac{11}{4(x+3)}$$

इसलिए
$$\int \frac{3x-2}{(x+1)^2(x+3)} = \frac{11}{4}\int \frac{dx}{x+1} - \frac{5}{2}\int \frac{dx}{(x+1)^2} - \frac{11}{4}\int \frac{dx}{x+3}$$

$$= \frac{11}{4}\log|x+1| + \frac{5}{2(x+1)} - \frac{11}{4}\log|x+3| + C$$

$$= \frac{11}{4}\log\left|\frac{x+1}{x+3}\right| + \frac{5}{2(x+1)} + C$$

उदाहरण 14 $\int \frac{x^2}{(x^2+1)(x^2+4)}dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल $\frac{x^2}{(x^2+1)(x^2+4)}$ को लीजिए और $x^2 = y$ रखिए

तब
$$\frac{x^2}{(x^2+1)(x^2+4)} = \frac{y}{(y+1)(y+4)}$$

$$\frac{y}{(y+1)(y+4)} = \frac{A}{y+1} + \frac{B}{y+4}$$ के रूप में लिखिए

ताकि
$$y = A(y+4) + B(y+1)$$

दोनों पक्षों से y के गुणांकों एवं अचर पदों की तुलना करने पर हम पाते हैं $A + B = 1$ और $4A + B = 0$, जिससे प्राप्त होता है

$$A = -\frac{1}{3} \quad \text{और} \quad B = \frac{4}{3}$$

अतः
$$\frac{x^2}{(x^2+1)(x^2+4)} = -\frac{1}{3(x^2+1)} + \frac{4}{3(x^2+4)}$$

इसलिए
$$\int \frac{x^2 dx}{(x^2+1)(x^2+4)} = -\frac{1}{3}\int \frac{dx}{x^2+1} + \frac{4}{3}\int \frac{dx}{x^2+4}$$

$$= -\frac{1}{3}\tan^{-1}x + \frac{4}{3}\cdot\frac{1}{2}\tan^{-1}\frac{x}{2} + C$$

$$= -\frac{1}{3}\tan^{-1}x + \frac{2}{3}\tan^{-1}\frac{x}{2} + C$$

उपर्युक्त उदाहरण में केवल आंशिक भिन्न वाले भाग के लिए प्रतिस्थापन किया गया था न कि समाकलन वाले भाग के लिए। अब हम एक ऐसे उदाहरण की चर्चा करते हैं जिसमें समाकलन के लिए प्रतिस्थापन विधि एवं आंशिक भिन्न विधि दोनों को संयुक्त रूप से प्रयुक्त किया गया है।

उदाहरण 15 $\displaystyle\int \frac{(3\sin\phi - 2)\cos\phi}{5 - \cos^2\phi - 4\sin\phi}\, d\phi$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए $y = \sin\phi$

तब
$$dy = \cos\phi \, d\phi$$

इसलिए
$$\int \frac{(3\sin\phi - 2)\cos\phi}{5 - \cos^2\phi - 4\sin\phi}\, d\phi = \int \frac{(3y-2)\, dy}{5 - (1-y^2) - 4y}$$

$$= \int \frac{3y-2}{y^2 - 4y + 4}\, dy = \int \frac{3y-2}{(y-2)^2} = I \qquad \text{(मान लीजिए)}$$

अब हम
$$\frac{3y-2}{(y-2)^2} = \frac{A}{y-2} + \frac{B}{(y-2)^2} \text{ लिखते हैं} \qquad \text{[सारणी 7.2 (2) से]}$$

इसलिए $3y - 2 = A(y-2) + B$

दोनों पक्षों से y के गुणांक एवं अचर पदों की तुलना करने पर हम पाते हैं, $A = 3$ एवं $B - 2A = -2$, जिससे हमें $A = 3$ एवं $B = 4$ प्राप्त होता है।

इसलिए अभीष्ट समाकलन निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है।

$$\mathrm{I} = \int [\frac{3}{y-2} + \frac{4}{(y-2)^2}]\, dy = 3\int \frac{dy}{y-2} + 4\int \frac{dy}{(y-2)^2}$$

$$= 3\log|\, y-2\,| + 4\left(-\frac{1}{y-2}\right) + \mathrm{C} = 3\log|\sin\phi - 2\,| + \frac{4}{2-\sin\phi} + \mathrm{C}$$

$$= 3\log(2-\sin\phi) + \frac{4}{2-\sin\phi} + \mathrm{C}$$ (क्योंकि $2 - \sin\phi$ हमेशा धनात्मक है)

उदाहरण 16 $\int \frac{x^2+x+1\, dx}{(x+2)\,(x^2+1)}$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ समाकल्य एक उचित परिमेय फलन है। परिमेय फलन को आंशिक भिन्नों में विघटित करते हैं [सारणी 2.2(5)]।

$$\frac{x^2+x+1}{(x^2+1)\,(x+2)} = \frac{\mathrm{A}}{x+2} + \frac{\mathrm{B}x+\mathrm{C}}{(x^2+1)}$$

इसलिए $x^2 + x + 1 = \mathrm{A}\,(x^2+1) + (\mathrm{B}x + \mathrm{C})\,(x+2)$

दोनों पक्षों से x^2 के गुणांकों, x के गुणांकों एवं अचर पदों की तुलना करने पर हम $\mathrm{A} + \mathrm{B} = 1$, $2\mathrm{B} + \mathrm{C} = 1$ और $\mathrm{A} + 2\mathrm{C} = 1$ प्राप्त करते हैं।

इन समीकरणों को हल करने पर हम $\mathrm{A} = \frac{3}{5}, \mathrm{B} = \frac{2}{5}, \mathrm{C} = \frac{1}{5}$ पाते हैं।

इस प्रकार समाकल्य निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है

$$\frac{x^2+x+1}{(x^2+1)\,(x+2)} = \frac{3}{5\,(x+2)} + \frac{\frac{2}{5}x + \frac{1}{5}}{x^2+1} = \frac{3}{5\,(x+2)} + \frac{1}{5}\left(\frac{2x+1}{x^2+1}\right)$$

इसलिए $$\int \frac{x^2+x+1}{(x^2+1)\,(x+2)}dx = \frac{3}{5}\int \frac{dx}{x+2} + \frac{1}{5}\int \frac{2x}{x^2+1}dx + \frac{1}{5}\int \frac{1}{x^2+1}dx$$

$$= \frac{3}{5}\log|\,x+2\,| + \frac{1}{5}\log|\,x^2+1\,| + \frac{1}{5}\tan^{-1}x + \mathrm{C}$$

प्रश्नावली 7.5

1 से 21 तक के प्रश्नों में परिमेय फलनों का समाकलन कीजिए।

1. $\dfrac{x}{(x+1)(x+2)}$ **2.** $\dfrac{1}{x^2-9}$ **3.** $\dfrac{3x-1}{(x-1)(x-2)(x-3)}$

4. $\dfrac{x}{(x-1)(x-2)(x-3)}$ **5.** $\dfrac{2x}{x^2+3x+2}$

6. $\dfrac{1-x^2}{x(1-2x)}$ **7.** $\dfrac{x}{(x^2+1)(x-1)}$ **8.** $\dfrac{x}{(x-1)^2(x+2)}$

9. $\dfrac{3x+5}{x^3-x^2-x+1}$ **10.** $\dfrac{2x-3}{(x^2-1)(2x+3)}$ **11.** $\dfrac{5x}{(x+1)(x^2-4)}$

12. $\dfrac{x^3+x+1}{x^2-1}$ **13.** $\dfrac{2}{(1-x)(1+x^2)}$ **14.** $\dfrac{3x-1}{(x+2)^2}$

15. $\dfrac{1}{x^4-1}$ **16.** $\dfrac{1}{x(x^n+1)}$ [संकेत: अंश एवं हर को x^{n-1} से गुणा कीजिए और $x^n = t$ रखिए]

17. $\dfrac{\cos x}{(1-\sin x)(2-\sin x)}$ [संकेत: $\sin x = t$ रखिए]

18. $\dfrac{(x^2+1)(x^2+2)}{(x^2+3)(x^2+4)}$ **19.** $\dfrac{2x}{(x^2+1)(x^2+3)}$ **20.** $\dfrac{1}{x(x^4-1)}$

21. $\dfrac{1}{(e^x-1)}$ [संकेत: $e^x = t$ रखिए]

प्रश्न 22 एवं 23 में सही उत्तर का चयन कीजिए।

22. $\displaystyle\int \frac{x\,dx}{(x-1)(x-2)}$ बराबर है :

(A) $\log\left|\dfrac{(x-1)^2}{x-2}\right|+C$ (B) $\log\left|\dfrac{(x-2)^2}{x-1}\right|+C$

(C) $\log\left|\left(\dfrac{x-1}{x-2}\right)^2\right|+C$ (D) $\log\left|(x-1)(x-2)\right|+C$

23. $\int \frac{dx}{x(x^2+1)}$ बराबर है :

(A) $\log|x| - \frac{1}{2}\log(x^2+1) + C$ (B) $\log|x| + \frac{1}{2}\log(x^2+1) + C$

(C) $-\log|x| + \frac{1}{2}\log(x^2+1) + C$ (D) $\frac{1}{2}\log|x| + \log(x^2+1) + C$

7.6 खंडशः समाकलन (Integration by Parts)

इस परिच्छेद में हम समाकलन की एक और विधि की चर्चा करेंगे जो कि दो फलनों के गुणनफल का समाकलन करने में बहुत उपयोगी है।

यदि एकल चर x (मान लीजिए) में u और v दो अवकलनीय फलन है तो अवकलन के गुणनफल नियम के अनुसार हम पाते हैं कि

$$\frac{d}{dx}(uv) = u\frac{dv}{dx} + v\frac{du}{dx}$$

दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम पाते हैं कि

$$uv = \int u\frac{dv}{dx}\,dx + \int v\frac{du}{dx}\,dx$$

अथवा
$$\int u\frac{dv}{dx}\,dx = uv - \int v\frac{du}{dx}\,dx \qquad \dots (1)$$

मान लीजिए कि $u = f(x)$ और $\frac{dv}{dx} = g(x)$ तब

$$\frac{du}{dx} = f'(x) \text{ और } v = \int g(x)\,dx$$

इसलिए समीकरण (1) को निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है

$$\int f(x)\,g(x)\,dx = f(x)\int g(x)\,dx - \int\left[\int g(x)\,dx\; f'(x)\right]dx$$

अर्थात्
$$\int f(x)\,g(x)\,dx = f(x)\int g(x)\,dx - \int\left[f'(x)\int g(x)\,dx\right]dx$$

यदि हम f को प्रथम फलन और g को दूसरा फलन मान लें तो इस सूत्र को निम्नलिखित रूप में व्यक्त किया जा सकता है।

"दो फलनों के गुणनफल का समाकलन = (प्रथम फलन) × (द्वितीय फलन का समाकलन) — [(प्रथम फलन का अवकलन गुणांक) × (द्वितीय फलन का समाकलन)] का समाकलन"

उदाहरण 17 $\int x \cos x\, dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल $f(x) = x$ (प्रथम फलन) और $g(x) = \cos x$ (द्वितीय फलन) रखिए। तब खंडश: समाकलन से प्राप्त होता है कि

$$\int x \cos x\, dx = x \int \cos x\, dx - \int [\frac{d}{dx}(x) \int \cos x\, dx]\, dx$$

$$= x \sin x - \int \sin x\, dx = x \sin x + \cos x + C$$

मान लीजिए कि हम $f(x) = \cos x$ एवं $g(x) = x$ लेते हैं तब

$$\int x \cos x\, dx = \cos x \int x\, dx - \int [\frac{d}{dx}(\cos x) \int x\, dx]\, dx$$

$$= (\cos x)\frac{x^2}{2} + \int \sin x \frac{x^2}{2} dx$$

इस प्रकार हम देखते हैं कि समाकलन $\int x \cos x\, dx$, तुलनात्मक दृष्टि से x की अधिक घात वाले अधिक कठिन समाकलन में परिवर्तित हो जाता है। इसलिए प्रथम फलन एवं द्वितीय फलन का उचित चयन महत्वपूर्ण है।

टिप्पणी

1. यह वर्णनीय हैं, कि खंडश: समाकलन दो फलनों के गुणनफल की सभी स्थितियों में प्रयुक्त नहीं है, उदाहरणतया $\int \sqrt{x} \sin x\, dx$ की स्थिति में यह विधि काम नहीं करती है। इसका कारण यह है कि ऐसा कोई फलन अस्तित्व मे ही नहीं है जिसका अवकलज $\sqrt{x}\ \sin x$ है।
2. ध्यान दीजिए कि द्वितीय फलन का समाकलन ज्ञात करते समय हमने कोई समाकलन अचर नहीं जोड़ा था। यदि हम द्वितीय फलन $\cos x$ के समाकलन को $\sin x + k$, के रूप में लिखते हैं, जहाँ k कोई अचर है, तब

$$\int x \cos x\, dx = x(\sin x + k) - \int (\sin x + k)\, dx$$

$$= x(\sin x + k) - \int \sin x\, dx - \int k\, dx$$

$$= x(\sin x + k) + \cos x - kx + C = x \sin x + \cos x + C$$

   यह दर्शाता है कि खंडश: समाकलन विधि के प्रयोग से अंतिम परिणाम ज्ञात करने के लिए द्वितीय फलन के समाकलन में अचर का जोड़ना व्यर्थ है।
3. सामान्यत: यदि कोई फलन x की घात के रूप में है अथवा x का बहुपद है तो हम इसे प्रथम फलन के रूप मे लेते हैं। तथापि ऐसी स्थिति में जहाँ दूसरा फलन प्रतिलोम त्रिकोणमितीय फलन अथवा लघुगणकीय फलन है, तो हम उनको प्रथम फलन के रूप मे लेते हैं।

उदाहरण 18 $\int \log x \, dx$ ज्ञात कीजिए।

हल प्रारम्भ करने के लिए हम ऐसे फलन का अनुमान लगाने में असमर्थ हैं जिसका अवकलज $\log x$ है। हम $\log x$ को प्रथम फलन एवं अचर फलन 1 को द्वितीय फलन लेते हैं। दूसरे फलन का समाकलन x है।

अतः
$$\int (\log x \cdot 1)\, dx = \log x \int 1\, dx - \int [\frac{d}{dx}(\log x) \int 1\, dx]\, dx$$
$$= \log x \,.\, x - \int \frac{1}{x} x\, dx = x \log x - x + \mathrm{C}$$

उदाहरण 19 $\int x\, e^x dx$ ज्ञात कीजिए।

हल x प्रथम फलन एवं e^x को द्वितीय फलन के रूप में लीजिए

दूसरे फलन का समाकलन $= e^x$

इसलिए $\int x\, e^x dx = x\, e^x - \int 1 \,.\, e^x dx = xe^x - e^x + \mathrm{C}$

उदाहरण 20 $\int \frac{x \sin^{-1} x}{\sqrt{1-x^2}}\, dx$ ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए प्रथम फलन $= \sin^{-1} x$, और द्वितीय फलन $= \frac{x}{\sqrt{1-x^2}}$

अब हम द्वितीय फलन का समाकलन ज्ञात करते हैं अर्थात् $\int \frac{x\, dx}{\sqrt{1-x^2}}$ ज्ञात करते हैं।

$t = 1 - x^2$ रखिए

तब $dt = -2x\, dx$

इसलिए
$$\int \frac{x\, dx}{\sqrt{1-x^2}} = -\frac{1}{2} \int \frac{dt}{\sqrt{t}} = -\sqrt{t} = -\sqrt{1-x^2}$$

अतः
$$\int \frac{x \sin^{-1} x}{\sqrt{1-x^2}} dx = \sin^{-1} x\left(-\sqrt{1-x^2}\right) - \int \frac{1}{\sqrt{1-x^2}} (-\sqrt{1-x^2})\, dx$$
$$= -\sqrt{1-x^2} \sin^{-1} x + x + \mathrm{C} = x - \sqrt{1-x^2} \sin^{-1} x + \mathrm{C}$$

विकल्पतः $\sin^{-1} x = \theta$ प्रतिस्थापित करने पर और तब खंडशः समाकलन का उपयोग करते हुए भी इस समाकलन को हल किया जा सकता है।

उदाहरण 21 $\int e^x \sin x\, dx$ ज्ञात कीजिए।

हल e^x को प्रथम फलन एवं $\sin x$ को द्वितीय फलन के रूप में लीजिए। तब खंडश: समाकलन से हम पाते हैं कि

$$I = \int e^x \sin x\, dx = e^x(-\cos x) + \int e^x \cos x\, dx$$

$$= -e^x \cos x + I_1 \text{ (मान लीजिए)} \qquad \dots (1)$$

I_1 में e^x एवं $\cos x$ को क्रमश: प्रथम एवं द्वितीय फलन मानते हुए हम पाते हैं कि

$$I_1 = e^x \sin x - \int e^x \sin x\, dx$$

I_1 का मान (1) में रखने पर हम पाते हैं कि

$$I = -e^x \cos x + e^x \sin x - I \text{ अथवा } 2I = e^x (\sin x - \cos x)$$

अत:
$$I = \int e^x \sin x\, dx = \frac{e^x}{2}(\sin x - \cos x) + C$$

विकल्पत: $\sin x$ को प्रथम फलन एवं e^x को द्वितीय फलन लेने पर भी उपर्युक्त समाकलन को ज्ञात किया जा सकता है।

7.6.1 $\int e^x [f(x) + f'(x)]\, dx$ के प्रकार का समाकलन

हमें ज्ञात है कि
$$I = \int e^x [f(x) + f'(x)]\, dx = \int e^x f(x)\, dx + \int e^x f'(x)\, dx$$

$$= I_1 + \int e^x f'(x)\, dx, \text{ जहाँ } I_1 = \int e^x f(x)\, dx \qquad \dots (1)$$

I_1 में $f(x)$ एवं e^x को क्रमश: प्रथम एवं द्वितीय फलन लेते हुए एवं खंडश: समाकलन द्वारा हम पाते हैं $I_1 = f(x)\, e^x - \int f'(x)\, e^x dx + C$

I_1 को (1) में प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं

$$I = e^x f(x) - \int f'(x)\, e^x dx + \int e^x f'(x)\, dx + C = e^x f(x) + C$$

अत:
$$\int e^x \left(f(x) + f'(x)\right) dx = e^x f(x) + C$$

उदाहरण 22 ज्ञात कीजिए

(i) $\int e^x (\tan^{-1} x + \frac{1}{1+x^2})\, dx$ (ii) $\int \frac{(x^2+1)\, e^x}{(x+1)^2}\, dx$

हल

(i) यहाँ $I = \int e^x (\tan^{-1} x + \frac{1}{1+x^2})\, dx$

अब $f(x) = \tan^{-1} x$, लीजिए, तब $f'(x) = \frac{1}{1+x^2}$

अतः दिया हुआ समाकल्य $e^x [f(x) + f'(x)]$ के रूप में है।

इसलिए $$I = \int e^x (\tan^{-1} x + \frac{1}{1+x^2})\, dx = e^x \tan^{-1} x + C$$

(ii) मान लीजिए कि $$I = \int \frac{(x^2+1)\, e^x}{(x+1)^2} dx = \int e^x \left[\frac{x^2 - 1 + 1 + 1)}{(x+1)^2}\right] dx$$

$$= \int e^x \left[\frac{x^2-1}{(x+1)^2} + \frac{2}{(x+1)^2}\right] dx = \int e^x \left[\frac{x-1}{x+1} + \frac{2}{(x+1)^2}\right] dx$$

मान लीजिए कि $f(x) = \frac{x-1}{x+1}$ तब $f'(x) = \frac{2}{(x+1)^2}$

अतः दिया हुआ समाकल्य $e^x [f(x) + f'(x)]$ के रूप में है।

इसलिए $$\int \frac{x^2+1}{(x+1)^2} e^x\, dx = \frac{x-1}{x+1} e^x + C$$

प्रश्नावली 7.6

1 से 22 तक के प्रश्नों के फलनों का समाकलन कीजिए।

1. $x \sin x$ **2.** $x \sin 3x$ **3.** $x^2 e^x$ **4.** $x \log x$

5. $x \log 2x$ **6.** $x^2 \log x$ **7.** $x \sin^{-1} x$ **8.** $x \tan^{-1} x$

9. $x \cos^{-1} x$ **10.** $(\sin^{-1} x)^2$ **11.** $\frac{x \cos^{-1} x}{\sqrt{1-x^2}}$ **12.** $x \sec^2 x$

13. $\tan^{-1} x$ **14.** $x (\log x)^2$ **15.** $(x^2 + 1) \log x$

16. $e^x (\sin x + \cos x)$ **17.** $\frac{x\, e^x}{(1+x)^2}$ **18.** $e^x \left(\frac{1+\sin x}{1+\cos x}\right)$

19. $e^x \left(\frac{1}{x} - \frac{1}{x^2}\right)$ **20.** $\frac{(x-3)\, e^x}{(x-1)^3}$ **21.** $e^{2x} \sin x$

22. $\sin^{-1}\left(\frac{2x}{1+x^2}\right)$

प्रश्न 23 एवं 24 में सही उत्तर का चयन कीजिए।

23. $\int x^2 e^{x^3} dx$ बराबर है:

(A) $\frac{1}{3} e^{x^3} + C$ (B) $\frac{1}{3} e^{x^2} + C$

(C) $\frac{1}{2} e^{x^3} + C$ (D) $\frac{1}{2} e^{x^2} + C$

24. $\int e^x \sec x\,(1+\tan x)\,dx$ बराबर है:

(A) $e^x \cos x + C$ (B) $e^x \sec x + C$

(C) $e^x \sin x + C$ (D) $e^x \tan x + C$

7.6.2 कुछ अन्य प्रकार के समाकलन (*Integrals of some more types*)

यहाँ हम खंडशः समाकलन विधि पर आधारित कुछ विशिष्ट प्रकार के प्रामाणिक समाकलनों की चर्चा करेंगे। जैसे कि

(i) $\int \sqrt{x^2-a^2}\,dx$ (ii) $\int \sqrt{x^2+a^2}\,dx$ (iii) $\int \sqrt{a^2-x^2}\,dx$

(i) मान लीजिए कि $I = \int \sqrt{x^2-a^2}\,dx$

अचर फलन 1 को द्वितीय फलन मानते हुए और खंडशः समाकलन द्वारा हम पाते हैं

$$I = x\sqrt{x^2-a^2} - \int \frac{1}{2}\frac{2x}{\sqrt{x^2-a^2}}\,x\,dx$$

$$= x\sqrt{x^2-a^2} - \int \frac{x^2}{\sqrt{x^2-a^2}}\,dx = x\sqrt{x^2-a^2} - \int \frac{x^2-a^2+a^2}{\sqrt{x^2-a^2}}\,dx$$

$$= x\sqrt{x^2-a^2} - \int \sqrt{x^2-a^2}\,dx - a^2\int \frac{dx}{\sqrt{x^2-a^2}}$$

$$= x\sqrt{x^2-a^2} - I - a^2\int \frac{dx}{\sqrt{x^2-a^2}}$$

अथवा $$2I = x\sqrt{x^2-a^2} - a^2\int \frac{dx}{\sqrt{x^2-a^2}}$$

अथवा $$I = \int \sqrt{x^2-a^2}\,dx = \frac{x}{2}\sqrt{x^2-a^2} - \frac{a^2}{2}\log\left|x+\sqrt{x^2-a^2}\right| + C$$

इसी प्रकार दूसरे दो समाकलनों में अचर फलन 1 को द्वितीय फलन लेकर एवं खंडशः समाकलन विधि द्वारा हम पाते हैं

(ii) $$\int \sqrt{x^2+a^2}\,dx = \frac{1}{2}x\sqrt{x^2+a^2} + \frac{a^2}{2}\log\left|x+\sqrt{x^2+a^2}\right| + C$$

(iii) $$\int \sqrt{a^2-x^2}\,dx = \frac{1}{2}x\sqrt{a^2-x^2} + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}\frac{x}{a} + C$$

विकल्पतः समाकलनों (i), (ii) एवं (iii) में क्रमशः $x = a\sec\theta$, $x = a\tan\theta$ और $x = a\sin\theta$, प्रतिस्थापन करने पर भी इन समाकलनों को ज्ञात किया जा सकता है।

उदाहरण 23 $\int \sqrt{x^2+2x+5}\, dx$ ज्ञात कीजिए।

हल ध्यान दीजिए कि $\int \sqrt{x^2+2x+5}\, dx = \int \sqrt{(x+1)^2+4}\, dx$

अब $x + 1 = y$ रखने पर $dx = dy$, तब

$$\int \sqrt{x^2+2x+5}\, dx = \int \sqrt{y^2+2^2}\, dy$$

$$= \frac{1}{2} y \sqrt{y^2+4} + \frac{4}{2} \log \left| y + \sqrt{y^2+4} \right| + C \quad [7.6.2 \text{ (ii)के उपयोग से}]$$

$$= \frac{1}{2}(x+1)\sqrt{x^2+2x+5} + 2\log \left| x+1+\sqrt{x^2+2x+5} \right| + C$$

उदाहरण 24 $\int \sqrt{3-2x-x^2}\, dx$ ज्ञात कीजिए।

हल ध्यान दीजिए कि $\int \sqrt{3-2x-x^2}\, dx = \int \sqrt{4-(x+1)^2}\, dx$

अब $x + 1 = y$ रखने पर $dx = dy$

इस प्रकार $\int \sqrt{3-2x-x^2}\, dx = \int \sqrt{4-y^2}\, dy$

$$= \frac{1}{2} y \sqrt{4-y^2} + \frac{4}{2} \sin^{-1} \frac{y}{2} + C \quad [7.6.2 \text{ (iii)के उपयोग से}]$$

$$= \frac{1}{2}(x+1)\sqrt{3-2x-x^2} + 2\sin^{-1}\left(\frac{x+1}{2}\right) + C$$

प्रश्नावली 7.7

1 से 9 तक के प्रश्नों के फलनों का समाकलन कीजिए।

1. $\sqrt{4-x^2}$ **2.** $\sqrt{1-4x^2}$ **3.** $\sqrt{x^2+4x+6}$

4. $\sqrt{x^2+4x+1}$ **5.** $\sqrt{1-4x-x^2}$ **6.** $\sqrt{x^2+4x-5}$

7. $\sqrt{1+3x-x^2}$ **8.** $\sqrt{x^2+3x}$ **9.** $\sqrt{1+\frac{x^2}{9}}$

प्रश्न 10 एवं 11 में सही उत्तर का चयन कीजिए।

10. $\int \sqrt{1+x^2}\, dx$ बराबर है:

(A) $\frac{x}{2}\sqrt{1+x^2}+\frac{1}{2}\log\left|\left(x+\sqrt{1+x^2}\right)\right|+C$ (B) $\frac{2}{3}(1+x^2)^{\frac{3}{2}}+C$

(C) $\frac{2}{3}x(1+x^2)^{\frac{3}{2}}+C$ (D) $\frac{x^2}{2}\sqrt{1+x^2}+\frac{1}{2}x^2\log\left|x+\sqrt{1+x^2}\right|+C$

11. $\int \sqrt{x^2-8x+7}\, dx$ बराबर है

(A) $\frac{1}{2}(x-4)\sqrt{x^2-8x+7}+9\log\left|x-4+\sqrt{x^2-8x+7}\right|+C$

(B) $\frac{1}{2}(x+4)\sqrt{x^2-8x+7}+9\log\left|x+4+\sqrt{x^2-8x+7}\right|+C$

(C) $\frac{1}{2}(x-4)\sqrt{x^2-8x+7}-3\sqrt{2}\log\left|x-4+\sqrt{x^2-8x+7}\right|+C$

(D) $\frac{1}{2}(x-4)\sqrt{x^2-8x+7}-\frac{9}{2}\log\left|x-4+\sqrt{x^2-8x+7}\right|+C$

7.7 निश्चित समाकलन (Definite Integral)

पिछले परिच्छेदों में हमने अनिश्चित समाकलनों के बारे में अध्ययन किया है और कुछ विशिष्ट फलनों के समाकलनों सहित अनिश्चित समाकलनों को ज्ञात करने की कुछ विधियों पर चर्चा की है। इस परिच्छेद में हम किसी फलन के निश्चित समाकलन का अध्ययन करेंगे। निश्चित समाकलन का एक अद्वितीय मान होता है। एक निश्चित समाकलन को $\int_a^b f(x)\, dx$, से निर्दिष्ट किया जाता है जहाँ b, समाकलन की उच्च सीमा तथा a, समाकलन की निम्न सीमा कहलाती हैं। निश्चित समाकलन का परिचय, या तो योगों की सीमा के रूप में कराया जाता है अथवा यदि अंतराल $[a, b]$ में इसका कोई प्रतिअवकलज F है तो निश्चित समाकलन का मान अंतिम बिंदुओं पर F के मानों के अंतर अर्थात् $F(b) - F(a)$ के बराबर होता है, के रूप में कराया जाता है। निश्चित समाकलन के इन दोनों रूपों की हम अलग-अलग चर्चा करेंगे।

7.7.1 *योगफल की सीमा के रूप में निश्चित समाकलन (Definite integral as the limit of a sum)*

मान लीजिए कि एक बंद अंतराल $[a, b]$ पर एक संतत फलन f परिभाषित है। मान लीजिए कि फलन के सभी मान ऋणेत्तर हैं इसलिए फलन का आलेख x-अक्ष से ऊपर एक वक्र है।

वक्र $y = f(x)$, $x = a$, $x = b$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ही निश्चित समाकलन $\int_a^b f(x)\, dx$ है। इस क्षेत्रफल को ज्ञात करने के लिए, इस वक्र, x-अक्ष एवं कोटियों $x = a$ एवं $x = b$ के बीच घिरे क्षेत्र PRSQP को लीजिए (आकृति 7.2 देखिए)।

अंतराल $[a, b]$ को $[x_0, x_1]$, $[x_1, x_2]$,...., $[x_{r-1}, x_r]$, ... $[x_{n-1}, x_n]$, से निर्दिष्ट n समान उपअंतरालों में विभाजित कीजिए जहाँ $x_0 = a$, $x_1 = a + h$, $x_2 = a + 2h$, ... , $x_r = a + rh$ तथा $x_n = b = a + nh$ अथवा $n = \dfrac{b-a}{h}$ ध्यान दीजिए यदि $n \to \infty$ तो $h \to 0$

चर्चित क्षेत्र PRSQP, n उपक्षेत्रों का योग है जहाँ प्रत्येक उपक्षेत्र उपअंतरालों $[x_{r-1}, x_r]$, $r = 1, 2, 3, \ldots, n$ पर परिभाषित है।

आकृति 7.2 से हम पाते हैं कि

आयत (ABLC) का क्षेत्रफल < क्षेत्र (ABDCA) का क्षेत्रफल < आयत (ABDM) का क्षेत्रफल ... (1)

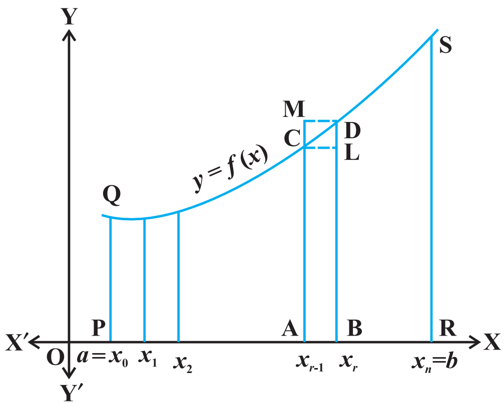

आकृति 7.2

स्पष्टत: यदि $x_r - x_{r-1} \to 0$ अर्थात् $h \to 0$, तो समीकरण (1) मे दर्शाए गए तीनों क्षेत्रफल एक दूसरे के लगभग समान हो जाते हैं। अब हम निम्नलिखित योगफलों का निर्माण करते हैं

$$s_n = h\,[f(x_0) + \ldots + f(x_{n-1})] = h\sum_{r=0}^{n-1} f(x_r) \qquad \ldots (2)$$

और
$$S_n = h\,[f(x_1) + f(x_2) + \ldots + f(x_n)] = h\sum_{r=1}^{n} f(x_r) \qquad \ldots (3)$$

यहाँ s_n एवं S_n उपअंतरालों $[x_{r-1}, x_r]$ r = 1, 2, 3, ..., n, पर बने क्रमश: निम्न आयतों एवं उच्च आयतों के क्षेत्रफलों के योग को निर्दिष्ट करता है। असमिका (1) के संदर्भ में किसी स्वेच्छ उप अंतराल $[x_{r-1}, x_r]$ के लिए हम पाते हैं कि

$$s_n < \text{क्षेत्र PRSQP का क्षेत्रफल} < S_n \qquad \ldots (4)$$

यदि $n \to \infty$, तो पट्टियाँ संकीर्ण से संकीर्ण होती चली जाती हैं और यह मान लिया जाता हैं कि (2) और (3) के सीमित मान एक समान हैं तथा उभयनिष्ठ सीमित मान ही वक्र के अर्न्तगत अभीष्ट क्षेत्रफल है।

सांकेतिक भाषा में हम इसे निम्नलिखित प्रकार लिखते हैं

$$\lim_{n\to\infty} S_n = \lim_{n\to\infty} s_n = \text{क्षेत्र PRSQP का क्षेत्रफल} = \int_a^b f(x)\,dx \qquad \ldots (5)$$

इससे यह पता चलता है कि अभीष्ट क्षेत्रफल वक्र के नीचे के आयतों एवं वक्र के ऊपर के आयतों के बीच के किसी क्षेत्रफल का सीमित मान भी है। सुविधा के लिए हम प्रत्येक उपअंतराल के बायें किनारे पर वक्र की ऊँचाई के बराबर ऊँचाई वाले आयतों को लेंगे। अत: हम (5) को दुबारा निम्नलिखित रूप में लिखते हैं।

$$\int_a^b f(x)dx = \lim_{h\to 0} h\,[f(a) + f(a+h) + \ldots + f(a+(n-1)\,h]$$

अथवा $$\int_a^b f(x)dx = (b-a) \lim_{n\to\infty} \frac{1}{n}[f(a) + f(a+h) + \ldots + f(a+(n-1)\,h] \qquad \ldots (6)$$

जहाँ $$h = \frac{b-a}{n} \to 0 \text{ यदि } n \to \infty$$

उपर्युक्त व्यंजक (6) योगफल की सीमा के रूप में निश्चित समाकलन की परिभाषा कहलाता है।

टिप्पणी किसी विशिष्ट अंतराल पर एक फलन के निश्चित समाकलन का मान फलन एवं अंतराल पर निर्भर करता है परंतु समाकलन के उस चर पर नहीं जिसका चयन हम स्वतंत्र चर को निरूपित करने के लिए करते हैं। यदि x के स्थान पर स्वतंत्र चर को t अथवा u से निर्दिष्ट किया जाता है तो हम समाकलन $\int_a^b f(x)\,dx$ के स्थान पर केवल समाकलन $\int_a^b f(t)\,dt$ अथवा $\int_a^b f(u)\,du$ लिखते हैं। अत: निश्चित समाकलन के लिए समाकलन चर एक मूक चर कहलाता है।

उदाहरण 25 योगफल की सीमा के रूप में $\int_0^2 (x^2+1)\,dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल परिभाषा के अनुसार

$$\int_a^b f(x)\,dx = (b-a) \lim_{n\to\infty} \frac{1}{n}[f(a) + f(a+h) + \ldots + f(a+(n-1)\,h]$$

जहाँ $$h = \frac{b-a}{n}$$

इस उदाहरण में $$a = 0, b = 2, f(x) = x^2 + 1,\ h = \frac{2-0}{n} = \frac{2}{n}$$

इसलिए $$\int_0^2 (x^2+1)\,dx = 2\lim_{n\to\infty}\frac{1}{n}[f(0)+f(\frac{2}{n})+f(\frac{4}{n})+\ldots+f(\frac{2(n-1)}{n})]$$

$$= 2\lim_{n\to\infty}\frac{1}{n}[1+(\frac{2^2}{n^2}+1)+(\frac{4^2}{n^2}+1)+\ldots+\left(\frac{(2n-2)^2}{n^2}+1\right)]$$

$$= 2\lim_{n\to\infty}\frac{1}{n}[(\underbrace{1+1+\ldots+1}_{n \text{ पद}})+\frac{1}{n^2}(2^2+4^2+\ldots+(2n-2)^2]$$

$$= 2\lim_{n\to\infty}\frac{1}{n}[n+\frac{2^2}{n^2}(1^2+2^2+\ldots+(n-1)^2]$$

$$= 2\lim_{n\to\infty}\frac{1}{n}[n+\frac{4}{n^2}\frac{(n-1)\,n\,(2n-1)}{6}]$$

$$= 2\lim_{n\to\infty}\frac{1}{n}[n+\frac{2}{3}\frac{(n-1)\ (2n-1)}{n}]$$

$$= 2\lim_{n\to\infty}\ [1+\frac{2}{3}(1-\frac{1}{n})\ (2-\frac{1}{n})] = 2\ [1+\frac{4}{3}] = \frac{14}{3}$$

उदाहरण 26 योगफल की सीमा के रूप में $\int_0^2 e^x\,dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल परिभाषा के अनुसार

$$\int_0^2 e^x\,dx = (2-0)\lim_{n\to\infty}\frac{1}{n}\left[e^0+e^{\frac{2}{n}}+e^{\frac{4}{n}}+\ldots+e^{\frac{2n-2}{n}}\right]$$

गुणोत्तर श्रेणी के n पदों के योगफल के सूत्र का उपयोग करते हुए जहाँ $a=1,\ r=e^{\frac{2}{n}}$, हम पाते हैं कि

$$\int_0^2 e^x\,dx = 2\lim_{n\to\infty}\frac{1}{n}[\frac{e^{\frac{2n}{n}}-1}{e^{\frac{2}{n}}-1}] = 2\lim_{n\to\infty}\frac{1}{n}\left[\frac{e^2-1}{e^{\frac{2}{n}}-1}\right]$$

$$= \frac{2\,(e^2-1)}{\lim\limits_{n\to\infty}\left[\dfrac{e^{\frac{2}{n}}-1}{\frac{2}{n}}\right]\cdot 2} = e^2-1 \qquad [\lim_{h\to 0}\frac{(e^h-1)}{h}=1 \text{ के उपयोग से}]$$

प्रश्नावली 7.8

योगों की सीमा के रूप में निम्नलिखित निश्चित समाकलनों का मान ज्ञात कीजिए।

1. $\int_a^b x\,dx$
2. $\int_0^5 (x+1)\,dx$
3. $\int_2^3 x^2\,dx$
4. $\int_1^4 (x^2-x)\,dx$
5. $\int_{-1}^1 e^x\,dx$
6. $\int_0^4 (x+e^{2x})\,dx$

7.8 कलन की आधारभूत प्रमेय (Fundamental Theorem of Calculus)

7.8.1 *क्षेत्रफल फलन (Area function)*

हमने $\int_a^b f(x)\,dx$ को वक्र $y = f(x)$, x-अक्ष, एवं कोटियों $x = a$ तथा $x = b$ से घिरे क्षेत्र के क्षेत्रफल के रूप में परिभाषित किया है। मान लीजिए $[a, b]$ में x कोई बिंदु है तब $\int_a^x f(x)\,dx$ आकृति 7.3 में हल्का छायांकित क्षेत्र के क्षेत्रफल को निरूपित करता है [यहाँ यह मान लिया गया है कि $x \in [a, b]$ के लिए $f(x) > 0$ है। निम्नलिखित कथन सामान्यत: अन्य फलनों के लिए भी सत्य है। इस छायांकित क्षेत्र का क्षेत्रफल x के मान पर निर्भर है।

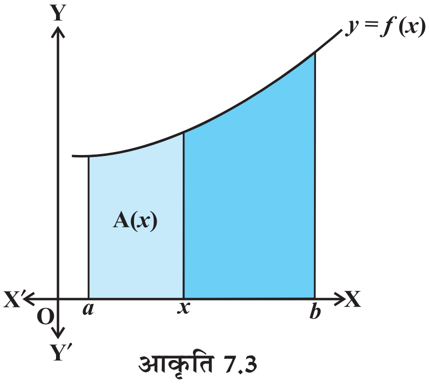

आकृति 7.3

दूसरे शब्दों में इस छायांकित क्षेत्र का क्षेत्रफल x का एक फलन है। हम x के इस फलन को A(x) से निर्दिष्ट करते हैं। इस फलन A(x) को हम क्षेत्रफल फलन कहते हैं और यह हमें निम्नलिखित सूत्र से प्राप्त होता है।

$$\mathbf{A}(x) = \int_a^x f(x)\,dx \qquad \dots (1)$$

इस परिभाषा पर आधारित दो आधारभूत प्रमेय हैं। तथापि हम यहाँ पर केवल इनकी व्याख्या करेंगे क्योंकि इनकी उपपत्ति इस पाठ्यपुस्तक की सीमा के बाहर है।

7.8.2 *प्रमेय 1 समाकलन गणित की प्रथम आधारभूत प्रमेय (First fundamental theorem of integral calculus)*

मान लीजिए कि बंद अंतराल $[a, b]$ पर f एक संतत फलन है और A(x) क्षेत्रफल फलन है। तब सभी $x \in [a, b]$ के लिए $A'(x) = f(x)$

7.8.3 *समाकलन गणित की द्वितीय आधारभूत प्रमेय (Second fundamental theorem of integral calculus)*

हम नीचे एक ऐसे महत्वपूर्ण प्रमेय की व्याख्या करते हैं जिसकी सहायता से हम प्रतिअवकलज का उपयोग करते हुए निश्चित समाकलनों का मान ज्ञात करते हैं।

प्रमेय 2 मान लीजिए कि बंद अंतराल $[a, b]$ पर f एक संतत फलन है और f का प्रतिअवकलज F है। तब $\int_a^b f(x)\,dx = [\mathrm{F}(x)]_a^b = \mathrm{F}(b) - \mathrm{F}(a)$

टिप्पणी

1. शब्दों में हम प्रमेय 2 को इस प्रकार व्यक्त करते हैं कि $\int_a^b f(x)\,dx =$ (f के प्रति अवकलज F का उच्च सीमा b पर मान) – (उसी प्रति अवकलज का निम्न सीमा a पर मान)।
2. यह प्रमेय अत्यंत उपयोगी है क्योंकि यह हमें योगफल की सीमा ज्ञात किए बिना निश्चित समाकलन को ज्ञात करने की आसान विधि प्रदान करती है।
3. एक निश्चित समाकलन ज्ञात करने में जटिल संक्रिया एक ऐसे फलन का प्राप्त करना है जिसका अवकलज दिया गया समाकल्य है। यह अवकलन और समाकलन के बीच संबंध को और मजबूत करता है।
4. $\int_a^b f(x)\,dx$ में, $[a, b]$ पर फलन f का सुपरिभाषित एवं संतत होना आवश्यक है। उदाहरणत: निश्चित समाकलन $\int_{-2}^{3} x(x^2-1)^{\frac{1}{2}}\,dx$ की चर्चा करना भ्रांतिमूलक हैं क्योंकि बंद अंतराल $[-2, 3]$ के भाग $-1 < x < 1$ के लिए $f(x) = x(x^2-1)^{\frac{1}{2}}$ द्वारा अभिव्यक्त फलन f परिभाषित नही है। $\int_a^b f(x)\,dx$ ज्ञात करने के चरण (**Steps for calculating** $\int_a^b f(x)\,dx$)

(i) अनिश्चित समाकलन $\int f(x)\,dx$ ज्ञात कीजिए। मान लीजिए यह $\mathrm{F}(x)$ है। समाकलन अचर C को लेने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यदि हम $\mathrm{F}(x)$ के स्थान पर $\mathrm{F}(x) + \mathrm{C}$ पर विचार करें तो पाते हैं कि

$$\int_a^b f(x)\,dx = [\mathrm{F}(x)+\mathrm{C}]_a^b = [\mathrm{F}(b)+\mathrm{C}] - [\mathrm{F}(a)+\mathrm{C}] = \mathrm{F}(b) - \mathrm{F}(a)$$

इस प्रकार निश्चित समाकलन का मान ज्ञात करने में स्वेच्छ अचर विलुप्त हो जाता है।

(ii) $[\mathrm{F}(x)]_a^b = \mathrm{F}(b) - \mathrm{F}(a)$ ज्ञात कीजिए, जो कि $\int_a^b f(x)\,dx$ का मान है।

अब हम कुछ उदाहरणों पर विचार करते हैं।

उदाहरण 28 निम्नलिखित समाकलनों का मान ज्ञात कीजिए।

(i) $\int_2^3 x^2\,dx$ (ii) $\int_4^9 \frac{\sqrt{x}}{(30 - x^{\frac{3}{2}})^2}\,dx$ (iii) $\int_1^2 \frac{x\,dx}{(x+1)(x+2)}$

(iv) $\int_0^{\frac{\pi}{4}} \sin^3 2t \cos 2t\,dt$

हल

(i) मान लीजिए $I = \int_2^3 x^2\, dx$ है। क्योंकि $\int x^2\, dx = \frac{x^3}{3} = F(x)$

इसलिए द्वितीय आधारभूत प्रमेय से हम पाते हैं कि

$$I = F(3) - F(2) = \frac{27}{3} - \frac{8}{3} = \frac{19}{3}$$

(ii) मान लीजिए कि $I = \int_4^9 \frac{\sqrt{x}}{(30 - x^{\frac{3}{2}})^2}\, dx$ सर्वप्रथम हम समाकल्य का प्रतिअवकलज ज्ञात करते हैं।

$30 - x^{\frac{3}{2}} = t$ रखनेपर $-\frac{3}{2}\sqrt{x}\, dx = dt$ अथवा $\sqrt{x}\, dx = -\frac{2}{3} dt$

इस प्रकार $\int \frac{\sqrt{x}}{(30 - x^{\frac{3}{2}})^2}\, dx = -\frac{2}{3}\int \frac{dt}{t^2} = \frac{2}{3}\left[\frac{1}{t}\right] = \frac{2}{3}\left[\frac{1}{(30 - x^{\frac{3}{2}})}\right] = F(x)$

इसलिए कलन की द्वितीय आधारभूत प्रमेय से हम पाते हैं:

$$I = F(9) - F(4) = \frac{2}{3}\left[\frac{1}{(30 - x^{\frac{3}{2}})}\right]_4^9 = \frac{2}{3}\left[\frac{1}{(30-27)} - \frac{1}{30-8}\right] = \frac{2}{3}\left[\frac{1}{3} - \frac{1}{22}\right] = \frac{19}{99}$$

(iii) मान लीजिए $I = \int_1^2 \frac{x\, dx}{(x+1)(x+2)}$

आंशिक भिन्न का उपयोग करते हुए हम पाते हैं कि

$$\frac{x}{(x+1)(x+2)} = \frac{-1}{x+1} + \frac{2}{x+2}$$

इसलिए $\int \frac{x\, dx}{(x+1)(x+2)} = -\log|x+1| + 2\log|x+2| = F(x)$

अतः कलन की द्वितीय आधारभूत प्रमेय से हम पाते हैं कि

$I = F(2) - F(1) = [-\log 3 + 2\log 4] - [-\log 2 + 2\log 3]$

$$= -3\log 3 + \log 2 + 2\log 4 = \log\left(\frac{32}{27}\right)$$

(iv) मान लीजिए, $I = \int_0^{\frac{\pi}{4}} \sin^3 2t \cos 2t\, dt$. अब $\int \sin^3 2t \cos 2t\, dt$ पर विचार कीजिए

$\sin 2t = u$ रखने पर $2 \cos 2t\, dt = du$ अथवा $\cos 2t\, dt = \frac{1}{2}\, du$

अत: $$\int \sin^3 2t \cos 2t\, dt = \frac{1}{2}\int u^3 du$$

$$= \frac{1}{8}[u^4] = \frac{1}{8}\sin^4 2t = F(t) \text{ मान लीजिए}$$

इसलिए कलन की द्वितीय आधारभूत प्रमेय से

$$I = F\left(\frac{\pi}{4}\right) - F(0) = \frac{1}{8}\left[\sin^4 \frac{\pi}{2} - \sin^4 0\right] = \frac{1}{8}$$

प्रश्नावली 7.9

1 से 20 तक के प्रश्नों में निश्चित समाकलनों का मान ज्ञात कीजिए।

1. $\int_{-1}^{1} (x+1)\, dx$ **2.** $\int_2^3 \frac{1}{x}\, dx$ **3.** $\int_1^2 (4x^3 - 5x^2 + 6x + 9)\, dx$

4. $\int_0^{\frac{\pi}{4}} \sin 2x\, dx$ **5.** $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \cos 2x\, dx$ **6.** $\int_4^5 e^x dx$ **7.** $\int_0^{\frac{\pi}{4}} \tan x\, dx$

8. $\int_{\frac{\pi}{6}}^{\frac{\pi}{4}} \operatorname{cosec} x\, dx$ **9.** $\int_0^1 \frac{dx}{\sqrt{1-x^2}}$ **10.** $\int_0^1 \frac{dx}{1+x^2}$ **11.** $\int_2^3 \frac{dx}{x^2-1}$

12. $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \cos^2 x\, dx$ **13.** $\int_2^3 \frac{x\, dx}{x^2+1}$ **14.** $\int_0^1 \frac{2x+3}{5x^2+1}\, dx$ **15.** $\int_0^1 x\, e^{x^2} dx$

16. $\int_1^2 \frac{5x^2}{x^2+4x+3}$ **17.** $\int_0^{\frac{\pi}{4}} (2\sec^2 x + x^3 + 2)\, dx$

18. $\int_0^{\pi} \left(\sin^2 \frac{x}{2} - \cos^2 \frac{x}{2}\right) dx$ **19.** $\int_0^2 \frac{6x+3}{x^2+4}\, dx$

20. $\int_0^1 \left(x\, e^x + \sin \frac{\pi x}{4}\right) dx$

प्रश्न 21 एवं 22 में सही उत्तर का चयन कीजिए।

21. $\int_1^{\sqrt{3}} \frac{dx}{1+x^2}$ बराबर है:

(A) $\frac{\pi}{3}$ (B) $\frac{2\pi}{3}$ (C) $\frac{\pi}{6}$ (D) $\frac{\pi}{12}$

22. $\int_0^{\frac{2}{3}} \frac{dx}{4+9x^2}$ बराबर है:

(A) $\frac{\pi}{6}$ (B) $\frac{\pi}{12}$ (C) $\frac{\pi}{24}$ (D) $\frac{\pi}{4}$

7.9 प्रतिस्थापन द्वारा निश्चित समाकलनों का मान ज्ञात करना (Evaluation of Definite Integrals by Substitution)

पिछले परिच्छेदों में हमने अनिश्चित समाकलन ज्ञात करने की अनेक विधियों की चर्चा की है। अनिश्चित समाकलन ज्ञात करने की महत्वपूर्ण विधियों में एक विधि प्रतिस्थापन विधि है।

प्रतिस्थापन विधि से $\int_a^b f(x)\,dx$, का मान ज्ञात करने के लिए आवश्यक चरण निम्नलिखित है:

1. समाकलन के बारे में सीमाओं के बिना विचार कीजिए और $y = f(x)$ अथवा $x = g(y)$ प्रतिस्थापित कीजिए ताकि दिया हुआ समाकलन एक ज्ञात रूप में परिवर्तित हो जाए।
2. समाकलन अचर की व्याख्या किए बिना नए समाकल्य का नए चर के सापेक्ष समाकलन कीजिए।
3. नए चर के स्थान पर पुनः प्रतिस्थापन कीजिए और उत्तर को मूल चर के रूप में लिखिए।
4. चरण (3) से प्राप्त उत्तर का समाकलन की दी हुई सीमाओं पर मान ज्ञात कीजिए और उच्च सीमा वाले मान से निम्न सीमा वाले मान का अंतर ज्ञात कीजिए।

टिप्पणी इस विधि को तीव्रतर बनाने के लिए हम निम्नलिखित प्रकार आगे बढ़ सकते हैं। चरण (1) एवं (2) को करने के बाद चरण (3) को करने की आवश्यकता नहीं है। यहाँ समाकलन को नए चर के रूप में रखा जाता है और समाकलन की सीमाओं को नए चर के अनुसार परिवर्तित कर लेते हैं ताकि हम सीधे अंतिम चरण की क्रिया कर सकें।

आइए इसे हम उदाहरणों से समझते हैं।

उदाहरण 29 $\int_{-1}^{1} 5x^4\sqrt{x^5+1}\,dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल $t = x^5 + 1$, रखने पर $dt = 5x^4\,dx$

इसलिए $$\int 5x^4\sqrt{x^5+1}\,dx = \int \sqrt{t}\,dt = \frac{2}{3}t^{\frac{3}{2}} = \frac{2}{3}(x^5+1)^{\frac{3}{2}}$$

अत: $$\int_{-1}^{1} 5x^4\sqrt{x^5+1}\,dx = \frac{2}{3}\left[(x^5+1)^{\frac{3}{2}}\right]_{-1}^{1}$$

$$= \frac{2}{3}\left[(1^5+1)^{\frac{3}{2}} - \left((-1)^5+1\right)^{\frac{3}{2}}\right]$$

$$= \frac{2}{3}\left[2^{\frac{3}{2}} - 0^{\frac{3}{2}}\right] = \frac{2}{3}(2\sqrt{2}) = \frac{4\sqrt{2}}{3}$$

विकल्पत: सर्वप्रथम हम समाकलन का रूपांतरण करते हैं और तब रूपांतरित समाकलन का नयी सीमाओं के अनुसार मान ज्ञात करते हैं।

मान लीजिए $t = x^5 + 1$. तब $dt = 5\,x^4\,dx$ नोट कीजिए कि

जब $x = -1$ तो $t = 0$ और जब $x = 1$ तो $t = 2$

अत: जैसे-जैसे x, -1 से 1 तक परिवर्तित होता है वैसे-वैसे t, 0 से 2 तक परिवर्तित होता है।

इसलिए $$\int_{-1}^{1} 5x^4\sqrt{x^5+1}\,dx = \int_0^2 \sqrt{t}\,dt$$

$$= \frac{2}{3}\left[t^{\frac{3}{2}}\right]_0^2 = \frac{2}{3}\left[2^{\frac{3}{2}} - 0^{\frac{3}{2}}\right] = \frac{2}{3}(2\sqrt{2}) = \frac{4\sqrt{2}}{3}$$

उदाहरण 30 $\int_0^1 \frac{\tan^{-1}x}{1+x^2}\,dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए $t = \tan^{-1}x$, तब $dt = \frac{1}{1+x^2}\,dx$. जब $x = 0$ तो $t = 0$ और जब $x = 1$ तो $t = \frac{\pi}{4}$

अत: जैसे-जैसे x, 0 से 1 तक परिवर्तित होता है वैसे-वैसे t, 0 से $\frac{\pi}{4}$ तक परिवर्तित होता है।

इसलिए $$\int_0^1 \frac{\tan^{-1}x}{1+x^2}\,dx = \int_0^{\frac{\pi}{4}} t\,dt \left[\frac{t^2}{2}\right]_0^{\frac{\pi}{4}} = \frac{1}{2}\left[\frac{\pi^2}{16} - 0\right] = \frac{\pi^2}{32}$$

प्रश्नावली 7.10

1 से 8 तक के प्रश्नों समाकलनों का मान प्रतिस्थापन का उपयोग करते हुए ज्ञात कीजिए।

1. $\int_0^1 \frac{x}{x^2+1}dx$ **2.** $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \sqrt{\sin\phi}\cos^5\phi\, d\phi$ **3.** $\int_0^1 \sin^{-1}\left(\frac{2x}{1+x^2}\right)dx$

4. $\int_0^2 x\sqrt{x+2}\,dx$ $(x + 2 = t^2$ रखिए) **5.** $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\sin x}{1+\cos^2 x}dx$

6. $\int_0^2 \frac{dx}{x+4-x^2}$ **7.** $\int_{-1}^1 \frac{dx}{x^2+2x+5}$ **8.** $\int_1^2 \left(\frac{1}{x}-\frac{1}{2x^2}\right)e^{2x}dx$

प्रश्न 9 एवं 10 में सही उत्तर का चयन कीजिए।

9. समाकलन $\int_{\frac{1}{3}}^1 \frac{(x-x^3)^{\frac{1}{3}}}{x^4}dx$ का मान है:

(A) 6 (B) 0 (C) 3 (D) 4

10. यदि $f(x) = \int_0^x t\sin t\, dt$, तब $f'(x)$ है:

(A) $\cos x + x\sin x$ (B) $x\sin x$ (C) $x\cos x$ (D) $\sin x + x\cos x$

7.10 निश्चित समाकलनों के कुछ गुणधर्म (Some Properties of Definite Integrals)

निश्चित समाकलनों के कुछ महत्वपूर्ण गुणधर्मों को हम नीचे सूचीबद्ध करते हैं। ये गुण धर्म निश्चित समाकलनों का मान आसानी से ज्ञात करने में उपयोगी होंगे।

P$_0$: $\int_a^b f(x)dx = \int_a^b f(t)\,dt$

P$_1$: $\int_a^b f(x)dx = -\int_b^a f(x)dx$, विशिष्टतया $\int_a^a f(x)dx = 0$

P$_2$: $\int_a^b f(x)dx = \int_a^c f(x)dx + \int_c^b f(x)dx$, a, b, c वास्तविक संख्याएँ हैं।

P$_3$: $\int_a^b f(x)dx = \int_a^b f(a+b-x)dx$

P$_4$: $\int_0^a f(x)dx = \int_0^a f(a-x)dx$ (ध्यान दीजिए कि P_4, P_3 की एक विशिष्ट स्थिति है)

P$_5$: $\int_0^{2a} f(x)dx = \int_0^a f(x)dx + \int_0^a f(2a-x)dx$

P_6 : $\int_0^{2a} f(x)\,dx = 2\int_0^{a} f(x)\,dx$, यदि $f(2a-x) = f(x)$

$= 0$, यदि $f(2a-x) = -f(x)$

P_7 : (i) $\int_{-a}^{a} f(x)\,dx = 2\int_0^{a} f(x)\,dx$, यदि f एक सम फलन है अर्थात् यदि $f(-x) = f(x)$

(ii) $\int_{-a}^{a} f(x)\,dx = 0$, यदि f एक विषम फलन है अर्थात् यदि $f(-x) = -f(x)$

एक-एक करके हम इन गुणधर्मों की उपपत्ति करते हैं।

P_0 की उपपत्ति $x = t$ प्रतिस्थापन करने पर सीधे प्राप्त होती है।

P_1 की उपपत्ति मान लीजिए कि f का प्रतिअवकलज F है। तब कलन की द्वितीय आधारभूत प्रमेय से हम पाते हैं कि $\int_a^b f(x)\,dx = F(b) - F(a) = -[F(a) - F(b)] = -\int_b^a f(x)\,dx$,

यहाँ हम प्रेक्षित करते हैं कि यदि $a = b$, तब $\int_a^a f(x)\,dx = 0$

P_2 की उपपत्ति मान लीजिए कि f का प्रतिअवकलज F है, तब

$$\int_a^b f(x)\,dx = F(b) - F(a) \qquad \dots (1)$$

$$\int_a^c f(x)\,dx = F(c) - F(a) \qquad \dots (2)$$

और

$$\int_c^b f(x)\,dx = F(b) - F(c) \qquad \dots (3)$$

(2) और (3) को जोड़ने पर हम पाते हैं कि

$$\int_a^c f(x)\,dx + \int_c^b f(x)\,dx = F(b) - F(a) = \int_a^b f(x)\,dx$$

इससे गुणधर्म P_2 सिद्ध होता है।

P_3 की उपपत्ति मान लीजिए कि $t = a + b - x$. तब $dt = -dx$. जब $x = a$ तब, $t = b$ और जब $x = b$ तब $t = a$. इसलिए

$$\int_a^b f(x)\,dx = -\int_b^a f(a+b-t)\,dt$$

$$= \int_a^b f(a+b-t)\,dt \quad (P_1 \text{ से})$$

$$= \int_a^b f(a+b-x)\,dx \quad (P_0 \text{ से})$$

P_4 की उपपत्ति $t = a - x$ रखिए और P_3 की तरह आगे बढ़िए। अब $dt = -dx$, जब $x = a$, $t = 0$

P_5 की उपपत्ति P_2, का उपयोग करते हुए हम पाते हैं कि

$$\int_0^{2a} f(x)\,dx = \int_0^a f(x)\,dx + \int_a^{2a} f(x)\,dx$$

दाएँ पक्ष के दूसरे समाकलन में $t = 2a - x$ प्रतिस्थापित कीजिए, तब $dt = -\,dx$ और जब $x = a$, तब $t = a$ और जब $x = 2a$, तब $t = 0$ और $x = 2a - t$ भी प्राप्त होता है।
इसलिए दूसरा समाकलन

$$\int_a^{2a} f(x)\,dx = -\int_a^0 f(2a-t)\,dt$$

$$= \int_0^a f(2a-t)\,dt = \int_0^a f(2a-x)\,dx \text{ प्राप्त होता है।}$$

अतः $$\int_0^{2a} f(x)\,dx = \int_0^a f(x)\,dx + \int_0^a f(2a-x)\,dx$$

P_6 की उपपत्ति P_5, का उपयोग करते हुए हम पाते हैं कि

$$\int_0^{2a} f(x)\,dx = \int_0^a f(x)\,dx + \int_0^a f(2a-x)\,dx \qquad \ldots (1)$$

अब यदि $f(2a - x) = f(x)$, तो (1) निम्नलिखित रूप में परिवर्तित हो जाता है

$$\int_0^{2a} f(x)\,dx = \int_0^a f(x)\,dx + \int_0^a f(x)\,dx = 2\int_0^a f(x)\,dx$$

और यदि $f(2a - x) = -f(x)$, तब (1) निम्नलिखित रूप में परिवर्तित हो जाता हैं

$$\int_0^{2a} f(x)\,dx = \int_0^a f(x)\,dx - \int_0^a f(x)\,dx = 0$$

P_7 की उपपत्ति

P_2 का उपयोग करते हुए हम पाते हैं कि $\int_{-a}^a f(x)\,dx = \int_{-a}^0 f(x)\,dx + \int_0^a f(x)\,dx$

दायें पक्ष के प्रथम समाकलन में $t = -\,x$ रखने पर
$dt = -\,dx$ जब $x = -\,a$ तब $t = a$ और जब $x = 0$, तब $t = 0$ और $x = -\,t$ भी प्राप्त होता है।

इसलिए $$\int_{-a}^a f(x)\,dx = \int_{-a}^0 f(x)\,dx + \int_0^a f(x)\,dx$$

$$= \int_0^a f(-x)\,dx + \int_0^a f(x)\,dx \qquad (P_0 \text{ से}) \qquad \ldots (1)$$

(i) अब यदि f एक सम फलन है तब $f(-x) = f(x)$ तो (1) से प्राप्त होता है कि

$$\int_{-a}^a f(x)dx = \int_0^a f(x)dx + \int_0^a f(x)dx = 2\int_0^a f(x)dx$$

(ii) यदि f विषम फलन है तब $f(-x) = -f(x)$ तो (1) से प्राप्त होता है कि

$$\int_{-a}^{a} f(x)\,dx = -\int_{0}^{a} f(x)\,dx + \int_{0}^{a} f(x)\,dx = 0$$

उदाहरण 31 $\int_{-1}^{2} \left| x^3 - x \right| dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल हम देखते हैं कि $[-1, 0]$ पर $x^3 - x \geq 0$ और $[0, 1]$ पर $x^3 - x \leq 0$ और $[1, 2]$ पर $x^3 - x \geq 0$ तब हम लिख सकते हैं कि

$$\int_{-1}^{2} \left| x^3 - x \right| dx = \int_{-1}^{0} (x^3 - x)\,dx + \int_{0}^{1} -(x^3 - x)\,dx + \int_{1}^{2} (x^3 - x)\,dx \qquad (P_2 \text{ से})$$

$$= \int_{-1}^{0} (x^3 - x)\,dx + \int_{0}^{1} (x - x^3)\,dx + \int_{1}^{2} (x^3 - x)\,dx$$

$$= \left[\frac{x^4}{4} - \frac{x^2}{2}\right]_{-1}^{0} + \left[\frac{x^2}{2} - \frac{x^4}{4}\right]_{0}^{1} + \left[\frac{x^4}{4} - \frac{x^2}{2}\right]_{1}^{2}$$

$$= -\left(\frac{1}{4} - \frac{1}{2}\right) + \left(\frac{1}{2} - \frac{1}{4}\right) + (4 - 2) - \left(\frac{1}{4} - \frac{1}{2}\right)$$

$$= -\frac{1}{4} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} - \frac{1}{4} + 2 - \frac{1}{4} + \frac{1}{2} = \frac{3}{2} - \frac{3}{4} + 2 = \frac{11}{4}$$

उदाहरण 32 $\int_{-\frac{\pi}{4}}^{\frac{\pi}{4}} \sin^2 x\,dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल हम प्रेक्षित करते हैं कि $\sin^2 x$ एक सम फलन है।

इसलिए
$$\int_{-\frac{\pi}{4}}^{\frac{\pi}{4}} \sin^2 x\,dx = 2\int_{0}^{\frac{\pi}{4}} \sin^2 x\,dx \qquad [P_7 \text{ (1)से}]$$

$$= 2\int_{0}^{\frac{\pi}{4}} \frac{(1 - \cos 2x)}{2}\,dx = \int_{0}^{\frac{\pi}{4}} (1 - \cos 2x)\,dx$$

$$= \left[x - \frac{1}{2}\sin 2x\right]_{0}^{\frac{\pi}{4}} = \left(\frac{\pi}{4} - \frac{1}{2}\sin\frac{\pi}{2}\right) - 0 = \frac{\pi}{4} - \frac{1}{2}$$

उदाहरण 33 $\int_0^{\pi} \frac{x \sin x}{1+\cos^2 x} dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि $\mathrm{I} = \int_0^{\pi} \frac{x \sin x}{1+\cos^2 x} dx = \int_0^{\pi} \frac{(\pi - x) \sin (\pi - x)\, dx}{1+\cos^2 (\pi - x)}$ (P_4 से)

$$= \int_0^{\pi} \frac{(\pi - x) \sin x\, dx}{1+\cos^2 x} = \pi \int_0^{\pi} \frac{\sin x\, dx}{1+\cos^2 x} - \mathrm{I}$$

अथवा $$2\,\mathrm{I} = \pi \int_0^{\pi} \frac{\sin x\, dx}{1+\cos^2 x}$$

अथवा $$\mathrm{I} = \frac{\pi}{2} \int_0^{\pi} \frac{\sin x\, dx}{1+\cos^2 x}$$

$\cos x = t$ रखने पर $-\sin x\, dx = dt$

जब $x = 0$ तब $t = 1$ और जब $x = \pi$ तब $t = -1$ है। इसलिए हम पाते हैं कि

$$\mathrm{I} = \frac{-\pi}{2} \int_1^{-1} \frac{dt}{1+t^2} = \frac{\pi}{2} \int_{-1}^{1} \frac{dt}{1+t^2} \qquad (P_1 \text{ से})$$

$$= \pi \int_0^1 \frac{dt}{1+t^2} \text{ क्योंकि } \frac{1}{1+t^2} \text{ एक समफलन है} \qquad (P_7 \text{ से})$$

$$= \pi \left[\tan^{-1} t\right]_0^1 = \pi \left[\tan^{-1} 1 - \tan^{-1} 0\right] = \pi \left[\frac{\pi}{4} - 0\right] = \frac{\pi^2}{4}$$

उदाहरण 34 $\int_{-1}^{1} \sin^5 x \cos^4 x\, dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि $\mathrm{I} = \int_{-1}^{1} \sin^5 x \cos^4 x\, dx$ और $f(x) = \sin^5 x \cos^4 x$

तब $f(-x) = \sin^5 (-x) \cos^4 (-x) = -\sin^5 x \cos^4 x = -f(x)$, अर्थात् f एक विषम फलन है इसलिए $\mathrm{I} = 0$ [P_7 (ii) से]

उदाहरण 35 $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\sin^4 x}{\sin^4 x + \cos^4 x} dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि $\mathrm{I} = \int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\sin^4 x}{\sin^4 x + \cos^4 x} dx$ ... (1)

तब $$I = \int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\sin^4 (\frac{\pi}{2} - x)}{\sin^4(\frac{\pi}{2} - x) + \cos^4(\frac{\pi}{2} - x)} dx \quad (P_4 \text{ से})$$

$$= \int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\cos^4 x}{\cos^4 x + \sin^4 x} dx \quad \ldots (2)$$

(1) और (2) को जोड़ने पर हम पाते हैं कि

$$2I = \int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\sin^4 x + \cos^4 x}{\sin^4 x + \cos^4 x} dx = \int_0^{\frac{\pi}{2}} dx = [x]_0^{\frac{\pi}{2}} = \frac{\pi}{2}$$

अत: $$I = \frac{\pi}{4}$$

उदाहरण 36 $\int_{\frac{\pi}{6}}^{\frac{\pi}{3}} \frac{dx}{1 + \sqrt{\tan x}}$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि $I = \int_{\frac{\pi}{6}}^{\frac{\pi}{3}} \frac{dx}{1 + \sqrt{\tan x}} = \int_{\frac{\pi}{6}}^{\frac{\pi}{3}} \frac{\sqrt{\cos x}\, dx}{\sqrt{\cos x} + \sqrt{\sin x}}$ ... (1)

तब $$I = \int_{\frac{\pi}{6}}^{\frac{\pi}{3}} \frac{\sqrt{\cos\left(\frac{\pi}{3} + \frac{\pi}{6} - x\right)}\, dx}{\sqrt{\cos\left(\frac{\pi}{3} + \frac{\pi}{6} - x\right)} + \sqrt{\sin\left(\frac{\pi}{3} + \frac{\pi}{6} - x\right)}} \quad (P_3 \text{ से})$$

$$= \int_{\frac{\pi}{6}}^{\frac{\pi}{3}} \frac{\sqrt{\sin x}}{\sqrt{\sin x} + \sqrt{\cos x}} dx \quad \ldots (2)$$

(1) और (2) को जोड़ने पर हम पाते हैं कि $2I = \int_{\frac{\pi}{6}}^{\frac{\pi}{3}} dx = [x]_{\frac{\pi}{6}}^{\frac{\pi}{3}} = \frac{\pi}{3} - \frac{\pi}{6} = \frac{\pi}{6}$

अत: $$I = \frac{\pi}{12}$$

उदाहरण 37 $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \log \sin x\, dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि $I = \int_0^{\frac{\pi}{2}} \log \sin x\, dx$

तब $$I = \int_0^{\frac{\pi}{2}} \log \sin\left(\frac{\pi}{2} - x\right) dx = \int_0^{\frac{\pi}{2}} \log \cos x\, dx \quad (P_4 \text{ से})$$

I_1 के दोनों मानों को जोड़ने पर हम पाते हैं

$$2I = \int_0^{\frac{\pi}{2}} (\log \sin x + \log \cos x)\, dx$$

$$= \int_0^{\frac{\pi}{2}} (\log \sin x \cos x + \log 2 - \log 2)\, dx \quad (\log 2 \text{ जोड़ने एवं घटाने पर})$$

$$= \int_0^{\frac{\pi}{2}} \log \sin 2x\, dx - \int_0^{\frac{\pi}{2}} \log 2\, dx \qquad (\text{क्यों?})$$

प्रथम समाकलन में $2x = t$ रखने पर $2\,dx = dt$ जब $x = 0$ तो $t = 0$ और जब $x = \frac{\pi}{2}$ तो $t = \pi$

इसलिए
$$2I = \frac{1}{2}\int_0^{\pi} \log \sin t\, dt - \frac{\pi}{2} \log 2$$

$$= \frac{2}{2}\int_0^{\frac{\pi}{2}} \log \sin t\, dt - \frac{\pi}{2} \log 2 \quad [P_6 \text{ से क्योंकि } \sin(\pi - t) = \sin t)$$

$$= \int_0^{\frac{\pi}{2}} \log \sin x\, dx - \frac{\pi}{2} \log 2 \quad (\text{चर } t \text{ को } x \text{ में परिवर्तित करने पर})$$

$$= I - \frac{\pi}{2} \log 2$$

अत: $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \log \sin x\, dx = \frac{-\pi}{2} \log 2$

प्रश्नावली 7.11

निश्चित समाकलनों के गुणधर्मों का उपयोग करते हुए 1 से 19 तक के प्रश्नों में समाकलनों का मान ज्ञात कीजिए।

1. $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \cos^2 x\, dx$ **2.** $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\sqrt{\sin x}}{\sqrt{\sin x} + \sqrt{\cos x}}\, dx$ **3.** $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\sin^{\frac{3}{2}} x\, dx}{\sin^{\frac{3}{2}} x + \cos^{\frac{3}{2}} x}$

4. $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\cos^5 x\, dx}{\sin^5 x + \cos^5 x}$ **5.** $\int_{-5}^{5} |x + 2|\, dx$ **6.** $\int_2^8 |x - 5|\, dx$

7. $\int_0^1 x(1-x)^n\,dx$ **8.** $\int_0^{\frac{\pi}{4}} \log(1+\tan x)\,dx$ **9.** $\int_0^2 x\sqrt{2-x}\,dx$

10. $\int_0^{\frac{\pi}{2}} (2\log\sin x - \log\sin 2x)\,dx$ **11.** $\int_{\frac{-\pi}{2}}^{\frac{\pi}{2}} \sin^2 x\,dx$

12. $\int_0^{\pi} \frac{x\,dx}{1+\sin x}$ **13.** $\int_{\frac{-\pi}{2}}^{\frac{\pi}{2}} \sin^7 x\,dx$ **14.** $\int_0^{2\pi} \cos^5 x\,dx$

15. $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\sin x - \cos x}{1+\sin x\cos x}\,dx$ **16.** $\int_0^{\pi} \log(1+\cos x)\,dx$ **17.** $\int_0^a \frac{\sqrt{x}}{\sqrt{x}+\sqrt{a-x}}\,dx$

18. $\int_0^4 |x-1|\,dx$

19. दर्शाइए कि $\int_0^a f(x)g(x)\,dx = 2\int_0^a f(x)\,dx$, यदि f और g को $f(x) = f(a-x)$ एवं $g(x) + g(a-x) = 4$ के रूप में परिभाषित किया गया है।

प्रश्न 20 एवं 21 में सही उत्तर का चयन कीजिए।

20. $\int_{\frac{-\pi}{2}}^{\frac{\pi}{2}} (x^3 + x\cos x + \tan^5 x + 1)\,dx$ का मान है:

(A) 0 (B) 2 (C) π (D) 1

21. $\int_0^{\frac{\pi}{2}} \log\left(\frac{4+3\sin x}{4+3\cos x}\right)dx$ का मान है:

(A) 2 (B) $\frac{3}{4}$ (C) 0 (D) –2

विविध उदाहरण

उदाहरण 38 $\int \cos 6x\sqrt{1+\sin 6x}\,dx$ ज्ञात कीजिए।

हल $t = 1 + \sin 6x$, रखने पर $dt = 6\cos 6x\,dx$

इसलिए
$$\int \cos 6x\sqrt{1+\sin 6x}\,dx = \frac{1}{6}\int t^{\frac{1}{2}}dt$$
$$= \frac{1}{6}\times\frac{2}{3}(t)^{\frac{3}{2}} + C = \frac{1}{9}(1+\sin 6x)^{\frac{3}{2}} + C$$

उदाहरण 39 $\int \frac{(x^4 - x)^{\frac{1}{4}}}{x^5} dx$ ज्ञात कीजिए।

हल हम प्राप्त करते हैं कि $\int \frac{(x^4 - x)^{\frac{1}{4}}}{x^5} dx = \int \frac{(1 - \frac{1}{x^3})^{\frac{1}{4}}}{x^4} dx$

अब $1 - \frac{1}{x^3} = 1 - x^{-3} = t$, रखने पर $\frac{3}{x^4} dx = dt$

इसलिए $$\int \frac{(x^4 - x)^{\frac{1}{4}}}{x^5} dx = \frac{1}{3} \int t^{\frac{1}{4}} dt$$

$$= \frac{1}{3} \times \frac{4}{5} t^{\frac{5}{4}} + \text{C} = \frac{4}{15}\left(1 - \frac{1}{x^3}\right)^{\frac{5}{4}} + \text{C}$$

उदाहरण 40 $\int \frac{x^4\, dx}{(x-1)(x^2+1)}$ ज्ञात कीजिए।

हल हम प्राप्त करते हैं कि $\frac{x^4}{(x-1)(x^2+1)} = (x+1) + \frac{1}{x^3 - x^2 + x - 1}$

$$= (x+1) + \frac{1}{(x-1)(x^2+1)} \quad \ldots (1)$$

अब $\frac{1}{(x-1)(x^2+1)} = \frac{\text{A}}{(x-1)} + \frac{\text{B}x + \text{C}}{(x^2+1)}$ के रूप में अभिव्यक्त करते हैं ... (2)

इसलिए $1 = \text{A}(x^2 + 1) + (\text{B}x + \text{C})(x - 1)$

$= (\text{A} + \text{B})x^2 + (\text{C} - \text{B})x + \text{A} - \text{C}$

दोनों पक्षों के गुणांकों की तुलना करने पर हम पाते हैं कि $\text{A} + \text{B} = 0, \text{C} - \text{B} = 0$ और

$\text{A} - \text{C} = 1$, जिससे प्राप्त होता है कि $\text{A} = \frac{1}{2}, \text{B} = \text{C} = -\frac{1}{2}$

A, B एवं C का मान (2) में प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं कि

$$\frac{1}{(x-1)(x^2+1)} = \frac{1}{2(x-1)} - \frac{1}{2}\frac{x}{(x^2+1)} - \frac{1}{2(x^2+1)} \quad \ldots (3)$$

(3) को (1) में प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं कि

$$\frac{x^4}{(x-1)(x^2+x+1)} = (x+1) + \frac{1}{2(x-1)} - \frac{1}{2}\frac{x}{(x^2+1)} - \frac{1}{2(x^2+1)}$$

इसलिए

$$\int \frac{x^4}{(x-1)(x^2+x+1)}dx = \frac{x^2}{2} + x + \frac{1}{2}\log|x-1| - \frac{1}{4}\log(x^2+1) - \frac{1}{2}\tan^{-1}x + \text{C}$$

उदाहरण 41 $\int \left[\log(\log x) + \frac{1}{(\log x)^2}\right]dx$ ज्ञात कीजिए

हल मान लीजिए $\text{I} = \int \left[\log(\log x) + \frac{1}{(\log x)^2}\right]dx$

$$= \int \log(\log x)\, dx + \int \frac{1}{(\log x)^2} dx$$

आइए, प्रथम समाकलन में 1 को द्वितीय फलन के रूप में लेते हैं। तब खंडशः समाकलन से हम पाते हैं कि

$$\text{I} = x\log(\log x) - \int \frac{1}{x\log x} x\, dx + \int \frac{dx}{(\log x)^2}$$

$$= x\log(\log x) - \int \frac{dx}{\log x} + \int \frac{dx}{(\log x)^2} \quad \text{... (1)}$$

पुनः $\int \frac{dx}{\log x}$, पर विचार कीजिए, 1 को द्वितीय फलन के रूप में लीजिए और खंडशः विधि द्वारा समाकलन कीजिए, इस प्रकार हम पाते हैं कि

$$\int \frac{dx}{\log x} = \left[\frac{x}{\log x} - \int x\left\{-\frac{1}{(\log x)^2}\left(\frac{1}{x}\right)\right\}dx\right] \quad \text{... (2)}$$

(2) को (1), में रखने पर हम पाते हैं

$$\text{I} = x\log(\log x) - \frac{x}{\log x} - \int \frac{dx}{(\log x)^2} + \int \frac{dx}{(\log x)^2}$$

$$= x\log(\log x) - \frac{x}{\log x} + \text{C}$$

उदाहरण 42 $\int\left[\sqrt{\cot x}+\sqrt{\tan x}\right]dx$ ज्ञात कीजिए।

हल हम पाते हैं कि $I=\int\left[\sqrt{\cot x}+\sqrt{\tan x}\right]dx = \int\sqrt{\tan x}(1+\cot x)\,dx$

अब $\tan x = t^2$, रखने पर $\sec^2 x\, dx = 2t\, dt$

अथवा $$dx = \frac{2t\, dt}{1+t^4}$$

तब $$I = \int t\left(1+\frac{1}{t^2}\right)\frac{2t}{(1+t^4)}dt$$

$$= 2\int\frac{(t^2+1)}{t^4+1}dt = 2\int\frac{\left(1+\frac{1}{t^2}\right)dt}{\left(t^2+\frac{1}{t^2}\right)} = 2\int\frac{\left(1+\frac{1}{t^2}\right)dt}{\left(t-\frac{1}{t}\right)^2+2}$$

पुनः $t-\frac{1}{t} = y$, रखने पर $\left(1+\frac{1}{t^2}\right)dt = dy$

तब $$I = 2\int\frac{dy}{y^2+\left(\sqrt{2}\right)^2} = \sqrt{2}\tan^{-1}\frac{y}{\sqrt{2}}+C = \sqrt{2}\tan^{-1}\frac{\left(t-\frac{1}{t}\right)}{\sqrt{2}}+C$$

$$= \sqrt{2}\tan^{-1}\left(\frac{t^2-1}{\sqrt{2}\,t}\right)+C = \sqrt{2}\tan^{-1}\left(\frac{\tan x-1}{\sqrt{2\tan x}}\right)+C$$

उदाहरण 43 $\int\frac{\sin 2x\cos 2x\, dx}{\sqrt{9-\cos^4(2x)}}$ ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि $I=\int\frac{\sin 2x\cos 2x}{\sqrt{9-\cos^4 2x}}dx$

अब $\cos^2(2x) = t$ रखने पर $4\sin 2x\cos 2x\, dx = -\, dt$

इसलिए $$I = -\frac{1}{4}\int\frac{dt}{\sqrt{9-t^2}} = -\frac{1}{4}\sin^{-1}\left(\frac{t}{3}\right)+C = -\frac{1}{4}\sin^{-1}\left[\frac{1}{3}\cos^2 2x\right]+C$$

उदाहरण 44 $\int_{-1}^{\frac{3}{2}} |x\sin(\pi x)|\,dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल यहाँ $f(x) = |x \sin \pi x| = \begin{cases} x\sin\pi x, -1 \le x \le 1 \text{ के लिए} \\ -x\sin\pi x, 1 \le x \le \frac{3}{2} \text{ के लिए} \end{cases}$

इसलिए
$$\int_{-1}^{\frac{3}{2}} |x\sin\pi x|\,dx = \int_{-1}^{1} x\sin\pi x\,dx + \int_{1}^{\frac{3}{2}} -x\sin\pi x\,dx$$
$$= \int_{-1}^{1} x\sin\pi x\,dx - \int_{1}^{\frac{3}{2}} x\sin\pi x\,dx$$

दायें पक्ष के दोनों समाकलनों का समाकलन करने पर हम पाते हैं कि

$$\int_{-1}^{\frac{3}{2}} |x\sin\pi x|\,dx = \left[\frac{-x\cos\pi x}{\pi} + \frac{\sin\pi x}{\pi^2}\right]_{-1}^{1} - \left[\frac{-x\cos\pi x}{\pi} + \frac{\sin\pi x}{\pi^2}\right]_{1}^{\frac{3}{2}}$$
$$= \frac{2}{\pi} - \left[-\frac{1}{\pi^2} - \frac{1}{\pi}\right] = \frac{3}{\pi} + \frac{1}{\pi^2}$$

उदाहरण 45 $\int_0^{\pi} \frac{x\,dx}{a^2\cos^2 x + b^2\sin^2 x}$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि $I = \int_0^{\pi} \frac{x\,dx}{a^2\cos^2 x + b^2\sin^2 x} = \int_0^{\pi} \frac{(\pi - x)\,dx}{a^2\cos^2(\pi - x) + b^2\sin^2(\pi - x)}$

(P_4 के उपयोग से)

$$= \pi\int_0^{\pi} \frac{dx}{a^2\cos^2 x + b^2\sin^2 x} - \int_0^{\pi} \frac{x\,dx}{a^2\cos^2 x + b^2\sin^2 x}$$
$$= \pi\int_0^{\pi} \frac{dx}{a^2\cos^2 x + b^2\sin^2 x} - I$$

अतः
$$2I = \pi\int_0^{\pi} \frac{dx}{a^2\cos^2 x + b^2\sin^2 x}$$

अथवा $$I = \frac{\pi}{2}\int_0^{\pi} \frac{dx}{a^2\cos^2 x + b^2 \sin^2 x} = \frac{\pi}{2}\cdot 2\int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{dx}{a^2\cos^2 x + b^2\sin^2 x}$$ (P_6 के उपयोग से)

$$= \pi\int_0^{\frac{\pi}{2}} \frac{\sec^2 x\, dx}{a^2 + b^2\tan^2 x}$$ (अंश एवं हर को $\cos^2 x$ से भाग देने पर)

अब $b \tan x = t$, रखने पर $b \sec^2 x\, dx = dt$

जब $x = 0$ तब $t = 0$ और जब $x = \frac{\pi}{2}$ तब $t \to \infty$

इसलिए $$I = \frac{\pi}{b}\int_0^{\infty} \frac{dt}{a^2 + t^2} = \frac{\pi}{b}\cdot\frac{1}{a}\left[\tan^{-1}\frac{t}{a}\right]_0^{\infty} = \frac{\pi}{ab}\left[\frac{\pi}{2} - 0\right] = \frac{\pi^2}{2\,ab}$$

अध्याय 7 पर विविध प्रश्नावली

1 से 24 तक के प्रश्नों के फलनों का समाकलन कीजिए।

1. $\frac{1}{x - x^3}$ **2.** $\frac{1}{\sqrt{x+a} + \sqrt{x+b}}$

3. $\frac{1}{x\sqrt{ax - x^2}}$ [संकेत : $x = \frac{a}{t}$ रखिए] **4.** $\frac{1}{x^2 (x^4 + 1)^{\frac{3}{4}}}$

5. $\frac{1}{x^{\frac{1}{2}} + x^{\frac{1}{3}}}$ [संकेत: $\frac{1}{x^{\frac{1}{2}} + x^{\frac{1}{3}}} = \frac{1}{x^{\frac{1}{3}}\left(1 + x^{\frac{1}{6}}\right)}$, $x = t^6$ रखिए]

6. $\frac{5x}{(x+1)(x^2+9)}$ **7.** $\frac{\sin x}{\sin (x - a)}$ **8.** $\frac{e^{5\log x} - e^{4\log x}}{e^{3\log x} - e^{2\log x}}$

9. $\frac{\cos x}{\sqrt{4 - \sin^2 x}}$ **10.** $\frac{\sin^8 x - \cos^8 x}{1 - 2\sin^2 x\cos^2 x}$ **11.** $\frac{1}{\cos (x+a)\cos (x+b)}$

12. $\frac{x^3}{\sqrt{1 - x^8}}$ **13.** $\frac{e^x}{(1+e^x)(2+e^x)}$ **14.** $\frac{1}{(x^2+1)(x^2+4)}$

15. $\cos^3 x\; e^{\log \sin x}$ **16.** $e^{3\log x}(x^4 + 1)^{-1}$ **17.** $f'(ax + b)\,[f(ax + b)]^n$

18. $\frac{1}{\sqrt{\sin^3 x \sin (x + \alpha)}}$ **19.** $\frac{\sin^{-1}\sqrt{x} - \cos^{-1}\sqrt{x}}{\sin^{-1}\sqrt{x} + \cos^{-1}\sqrt{x}}$, $(x \in [0, 1])$

20. $\sqrt{\dfrac{1-\sqrt{x}}{1+\sqrt{x}}}$ **21.** $\dfrac{2+\sin 2x}{1+\cos 2x}e^x$ **22.** $\dfrac{x^2+x+1}{(x+1)^2\,(x+2)}$

23. $\tan^{-1}\sqrt{\dfrac{1-x}{1+x}}$ **24.** $\dfrac{\sqrt{x^2+1}\left[\log(x^2+1)-2\log x\right]}{x^4}$

25 से 33 तक के प्रश्नों में निश्चित समाकलनों का मान ज्ञात कीजिए।

25. $\int_{\frac{\pi}{2}}^{\pi} e^x\left(\dfrac{1-\sin x}{1-\cos x}\right)dx$ **26.** $\int_0^{\frac{\pi}{4}}\dfrac{\sin x\ \cos x}{\cos^4 x+\sin^4 x}dx$ **27.** $\int_0^{\frac{\pi}{2}}\dfrac{\cos^2 x\,dx}{\cos^2 x+4\sin^2 x}$

28. $\int_{\frac{\pi}{6}}^{\frac{\pi}{3}}\dfrac{\sin x+\cos x}{\sqrt{\sin 2x}}dx$ **29.** $\int_0^1\dfrac{dx}{\sqrt{1+x}-\sqrt{x}}$ **30.** $\int_0^{\frac{\pi}{4}}\dfrac{\sin x+\cos x}{9+16\sin 2x}dx$

31. $\int_0^{\frac{\pi}{2}}\sin 2x\tan^{-1}(\sin x)\,dx$ **32.** $\int_0^{\pi}\dfrac{x\tan x}{\sec x+\tan x}dx$

33. $\int_1^4\left(|x-1|+|x-2|+|x-3|\right)dx$

निम्नलिखित को सिद्ध कीजिए (प्रश्न 34 से 39 तक)।

34. $\int_1^3\dfrac{dx}{x^2(x+1)}=\dfrac{2}{3}+\log\dfrac{2}{3}$ **35.** $\int_0^1 x\,e^x dx=1$

36. $\int_{-1}^1 x^{17}\cos^4 x\,dx=0$ **37.** $\int_0^{\frac{\pi}{2}}\sin^3 x\,dx=\dfrac{2}{3}$

38. $\int_0^{\frac{\pi}{4}}2\tan^3 x\,dx=1-\log 2$ **39.** $\int_0^1\sin^{-1}x\,dx=\dfrac{\pi}{2}-1$

40. योगफल की सीमा के रूप में $\int_0^1 e^{2-3x}dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

41 से 44 तक के प्रश्नों में सही उत्तर का चयन कीजिए।

41. $\int\dfrac{dx}{e^x+e^{-x}}$ बराबर है:

(A) $\tan^{-1}(e^x)+C$ (B) $\tan^{-1}(e^{-x})+C$

(C) $\log(e^x-e^{-x})+C$ (D) $\log(e^x+e^{-x})+C$

42. $\int \frac{\cos 2x}{(\sin x + \cos x)^2} dx$ बराबर है:

(A) $\frac{-1}{\sin x + \cos x} + C$ (B) $\log|\sin x + \cos x| + C$

(C) $\log|\sin x - \cos x| + C$ (D) $\frac{1}{(\sin x + \cos x)^2}$

43. यदि $f(a + b - x) = f(x)$, तो $\int_a^b x f(x)\, dx$ बराबर है:

(A) $\frac{a+b}{2}\int_a^b f(b-x)\, dx$ (B) $\frac{a+b}{2}\int_a^b f(b+x)\, dx$

(C) $\frac{b-a}{2}\int_a^b f(x)\, dx$ (D) $\frac{a+b}{2}\int_a^b f(x)\, dx$

44. $\int_0^1 \tan^{-1}\left(\frac{2x-1}{1+x-x^2}\right) dx$ का मान है:

(A) 1 (B) 0 (C) –1 (D) $\frac{\pi}{4}$

सारांश

- समाकलन, अवकलन का व्युत्क्रम प्रक्रम है। अवकलन गणित में हमें एक फलन दिया हुआ होता है और हमें इस फलन का अवकलज अथवा अवकल ज्ञात करना होता है परंतु समाकलन गणित में हमें एक ऐसा फलन ज्ञात करना होता है जिसका अवकल दिया हुआ होता है। अतः समाकलन एक ऐसा प्रक्रम है जो कि अवकलन का व्युत्क्रम है।

  मान लीजिए कि $\frac{d}{dx}F(x) = f(x)$. तब हम $\int f(x)\, dx = F(x) + C$ लिखते हैं। ये समाकलन अनिश्चित समाकलन अथवा व्यापक समाकलन कहलाते हैं। C समाकलन अचर कहलाता है। इन सभी समाकलनों में एक अचर का अंतर होता है।
- ज्यामिति दृष्टि से अनिश्चित समाकलन वक्रों के परिवार का समूह है जिसमें प्रत्येक सदस्य y-अक्ष के अनुदिश ऊपर की तरफ़ अथवा नीचे की तरफ़ स्वयं के समांतर स्थानांतरित करके प्राप्त किया जा सकता है।

- अनिश्चित समाकलन के कुछ गुणधर्म निम्नलिखित है।

  1. $\int [f(x) + g(x)]\, dx = \int f(x)\, dx + \int g(x)\, dx$

  2. किसी भी वास्तविक संख्या k, के लिए $\int k\, f(x)\, dx = k \int f(x)\, dx$

  अधिक व्यापकत:, यदि $f_1, f_2, f_3, ..., f_n$, फलन हैं तथा $k_1, k_2, ..., k_n$, वास्तविक संख्याएँ हैं तो

  $$\int [k_1\, f_1(x) + k_2 f_2(x) + ... + k_n f_n(x)]\, dx$$

  $$= k_1 \int f_1(x)\, dx + k_2 \int f_2(x)\, dx + ... + k_n \int f_n(x)\, dx$$

- **कुछ प्रामाणिक समाकलन**

  (i) $\int x^n dx = \frac{x^{n+1}}{n+1} + C$, $n \neq -1$. विशिष्टत: $\int dx = x + C$

  (ii) $\int \cos x\, dx = \sin x + C$

  (iii) $\int \sin x\, dx = -\cos x + C$

  (iv) $\int \sec^2 x\, dx = \tan x + C$

  (v) $\int \text{cosec}^2 x\, dx = -\cot x + C$

  (vi) $\int \sec x \tan x\, dx = \sec x + C$

  (vii) $\int \text{cosec}\, x \cot x\, dx = -\text{cosec}\, x + C$

  (viii) $\int \frac{dx}{\sqrt{1-x^2}} = \sin^{-1} x + C$

  (ix) $\int \frac{dx}{\sqrt{1-x^2}} = -\cos^{-1} x + C$

  (x) $\int \frac{dx}{1+x^2} = \tan^{-1} x + C$

  (xi) $\int \frac{dx}{1+x^2} = -\cot^{-1} x + C$

  (xii) $\int \frac{dx}{x\sqrt{x^2-1}} = \sec^{-1} x + C$

  (xiii) $\int \frac{dx}{x\sqrt{x^2-1}} = -\text{cosec}^{-1} x + C$

  (xiv) $\int e^x dx = e^x + C$

  (xv) $\int a^x dx = \frac{a^x}{\log a} + C$

  (xvi) $\int \frac{1}{x} dx = \log|x| + C$

- **आंशिक भिन्नों द्वारा समाकलन**

  स्मरण कीजिए कि एक परिमेय फलन $\frac{P(x)}{Q(x)}$, दो बहुपदों का अनुपात है जिसमें $P(x)$ और $Q(x)$, x के बहुपद हैं और $Q(x) \neq 0$. यदि बहुपद $P(x)$ की घात बहुपद $Q(x)$, की घात से अधिक है तो हम $P(x)$ को $Q(x)$ से विभाजित करते हैं ताकि

$\dfrac{P(x)}{Q(x)} = T(x) + \dfrac{P_1(x)}{Q(x)}$ के रूप में लिखा जा सके जहाँ $T(x)$, एक बहुपद है और $P_1(x)$ की घात $Q(x)$ की घात से कम है। बहुपद होने के कारण $T(x)$ का समाकलन आसानी से ज्ञात किया जा सकता है। $\dfrac{P_1(x)}{Q(x)}$ को निम्नलिखित प्रकार की आंशिक भिन्नों के योगफल के रूप में व्यक्त करते हुए इसका समाकलन ज्ञात किया जा सकता है।

1. $\dfrac{px+q}{(x-a)(x-b)} = \dfrac{A}{x-a} + \dfrac{B}{x-b}, \ a \neq b$

2. $\dfrac{px+q}{(x-a)^2} = \dfrac{A}{x-a} + \dfrac{B}{(x-a)^2}$

3. $\dfrac{px^2+qx+r}{(x-a)(x-b)(x-c)} = \dfrac{A}{x-a} + \dfrac{B}{x-b} + \dfrac{C}{x-c}$

4. $\dfrac{px^2+qx+r}{(x-a)^2(x-b)} = \dfrac{A}{x-a} + \dfrac{B}{(x-a)^2} + \dfrac{C}{x-b}$

5. $\dfrac{px^2+qx+r}{(x-a)(x^2+bx+c)} = \dfrac{A}{x-a} + \dfrac{Bx+C}{x^2+bx+c}$,

   जहाँ $x^2 + bx + c$ के आगे और गुणनखंड नहीं किए जा सकते।

◆ **प्रतिस्थापन द्वारा समाकलन**

समाकलन के चर में परिवर्तन दिए हुए समाकलन को किसी एक आधारभूत समाकलन में परिवर्तित कर देता है। यह विधि जिसमें हम एक चर को किसी दूसरे चर में परिवर्तित करते हैं प्रतिस्थापन विधि कहलाती है। जब समाकल्य में कुछ त्रिकोणमितीय फलन सम्मिलित हों तो हम समाकलन ज्ञात करने के लिए कुछ सुपरिचित सर्व समिकाओं का उपयोग करते हैं। प्रतिस्थापन विधि का उपयोग करते हुए हम निम्नलिखित प्रामाणिक समाकलनों को प्राप्त करते हैं:

(i) $\int \tan x \, dx = \log |\sec x| + C$ (ii) $\int \cot x \, dx = \log |\sin x| + C$

(iii) $\int \sec x \, dx = \log |\sec x + \tan x| + C$

(iv) $\int \operatorname{cosec} x \, dx = \log |\operatorname{cosec} x - \cot x| + C$

◆ **कुछ विशिष्ट फलनों के समाकलन**

(i) $\int \frac{dx}{x^2-a^2} = \frac{1}{2a}\log\left|\frac{x-a}{x+a}\right| + \mathrm{C}$

(ii) $\int \frac{dx}{a^2-x^2} = \frac{1}{2a}\log\left|\frac{a+x}{a-x}\right| + \mathrm{C}$ (iii) $\int \frac{dx}{x^2+a^2} = \frac{1}{a}\tan^{-1}\frac{x}{a} + \mathrm{C}$

(iv) $\int \frac{dx}{\sqrt{x^2-a^2}} = \log\left|x+\sqrt{x^2-a^2}\right| + \mathrm{C}$ (v) $\int \frac{dx}{\sqrt{a^2-x^2}} = \sin^{-1}\frac{x}{a} + \mathrm{C}$

(vi) $\int \frac{dx}{\sqrt{x^2+a^2}} = \log|x+\sqrt{x^2+a^2}| + \mathrm{C}$

◆ **खंडशः समाकलन**

दिए हुए फलनों f_1 तथा f_2, के लिए हम प्राप्त करते हैं कि

$\int f_1(x) . f_2(x)\, dx = f_1(x) \int f_2(x)\, dx - \int \left[\frac{d}{dx} f_1(x) . \int f_2(x)\, dx\right] dx$, अर्थात् दो फलनों के गुणनफल का समाकलन = प्रथम फलन × द्वितीय फलन का समाकलन – {प्रथम फलन का अवकल गुणांक × द्वितीय फलन का समाकलन} का समाकलन . प्रथम फलन एवं द्वितीय फलन के चयन में सावधानी रखनी चाहिए। स्पष्टतया हमें ऐसे फलन को द्वितीय फलन के रूप में लेना चाहिए जिसका समाकलन हमें भलि-भाँति ज्ञात है।

◆ $\int e^x [f(x) + f'(x)]\, dx = \int e^x f(x)\, dx + \mathrm{C}$

◆ **कुछ विशिष्ट प्रकार के समाकलन**

(i) $\int \sqrt{x^2-a^2}\, dx = \frac{x}{2}\sqrt{x^2-a^2} - \frac{a^2}{2}\log\left|x+\sqrt{x^2-a^2}\right| + \mathrm{C}$

(ii) $\int \sqrt{x^2+a^2}\, dx = \frac{x}{2}\sqrt{x^2+a^2} + \frac{a^2}{2}\log\left|x+\sqrt{x^2+a^2}\right| + \mathrm{C}$

(iii) $\int \sqrt{a^2-x^2}\, dx = \frac{x}{2}\sqrt{a^2-x^2} + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}\frac{x}{a} + \mathrm{C}$

(iv) $\int \frac{dx}{ax^2+bx+c}$ अथवा $\int \frac{dx}{\sqrt{ax^2+bx+c}}$ के प्रकार के समाकलनों को प्रामाणिक

रूप में निम्नलिखित विधि द्वारा परिवर्तित किया जा सकता है:

$$ax^2 + bx + c = a\left[x^2 + \frac{b}{a}x + \frac{c}{a}\right] = a\left[\left(x + \frac{b}{2a}\right)^2 + \left(\frac{c}{a} - \frac{b^2}{4a^2}\right)\right]$$

(v) $\int \frac{px + q\,dx}{ax^2 + bx + c}$ अथवा $\int \frac{px + q\,dx}{\sqrt{ax^2 + bx + c}}$ के प्रकार के समाकलनों को प्रामाणिक रूप में परिवर्तित किया जा सकता हैं:

$px + q = \mathrm{A}\frac{d}{dx}(ax^2 + bx + c) + \mathrm{B} = \mathrm{A}\,(2ax + b) + \mathrm{B}$, A तथा B का मान ज्ञात करने के लिए दोनों पक्षों से गुणांकों की तुलना की जाती है।

- हमने $\int_a^b f(x)\,dx$ को, वक्र $y = f(x)$, $a \le x \le b$, x-अक्ष एवं कोटियों $x = a$ और $x = b$ से घिरे क्षेत्र के क्षेत्रफल के रूप में परिभाषित किया है। मान लीजिए $[a, b]$ में x एक बिंदु है तब $\int_a^x f(x)\,dx$ क्षेत्रफल फलन $\mathrm{A}\,(x)$ को निरूपित करता है। क्षेत्रफल फलन की संकल्पना हमें कलन की आधारभूत प्रमेय की ओर निम्नलिखित रूप में प्रेरित करती है।
- **समाकलन गणित की प्रथम आधारभूत प्रमेय** मान लीजिए कि क्षेत्रफल फलन $\mathrm{A}(x) = \int_a^x f(x)\,dx$, $\forall\, x \ge a$, द्वारा परिभाषित है जहाँ फलन f अंतराल $[a, b]$ पर संतत फलन माना गया है। तब $\mathrm{A}'(x) = f(x)\ \forall\ x \in [a, b]$
- **समाकलन गणित की द्वितीय आधारभूत प्रमेय**

  मान लीजिए किसी बंद अंतराल $[a, b]$ पर f, x का संतत फलन है और F एक दूसरा फलन है जहाँ $\frac{d}{dx}\mathrm{F}(x) = f(x)$, f के प्रान्त के सभी x के लिए है, तब

  $$\int_a^b f(x)\,dx = [\mathrm{F}(x) + \mathrm{C}]_a^b = \mathrm{F}\,(b) - \mathrm{F}\,(a)$$

  यह परिसर $[a, b]$ पर f का निश्चित समाकलन कहलाता है जहाँ a तथा b समाकलन की सीमाएँ कहलाती हैं a निम्न सीमा कहलाती है और b को उच्च सीमा कहते हैं।

अध्याय **8**

समाकलनों के अनुप्रयोग (Application of Integrals)

❖ *One should study Mathematics because it is only through Mathematics that nature can be conceived in harmonious form. – BIRKHOFF* ❖

8.1 भूमिका (Introduction)

A.L. Cauchy
(1789-1857)

ज्यामिति में, हमने त्रिभुजों आयतों, समलंब चतुर्भुजों एवं वृत्तों सहित विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों के क्षेत्रफल के परिकलन के लिए सूत्रों का अध्ययन किया है। वास्तविक जीवन की अनेक समस्याओं के लिए गणित के अनुप्रयोग में इस प्रकार के सूत्र मूल होते हैं। प्रारंभिक ज्यामिति के सूत्रों की सहायता से हम अनेक साधारण आकृतियों के क्षेत्रफल का परिकलन कर सकते हैं। यद्यपि ये सूत्र वक्रों द्वारा घिरे क्षेत्रफल के परिकलन के लिए अपर्याप्त हैं इसके लिए हमें समाकलन गणित की कुछ संकल्पनाओं की आवश्यकता होगी।

पिछले अध्याय में हमने योगफल की सीमा के रूप में निश्चित समाकलनों का परिकलन करते समय वक्र $y = f(x)$, कोटियों $x = a, x = b$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्रफल को ज्ञात करने का अध्ययन किया है। इस अध्याय में हम साधारण वक्रों के अंतर्गत, सरल रेखाओं एवं वृत्तों, परवलयों, तथा दीघवृत्तों (केवल मानक रूप) की चापों के बीच घिरे क्षेत्रफल को ज्ञात करने के लिए समाकलनों के एक विशिष्ट अनुप्रयोग का अध्ययन करेंगे। उपरोक्त वक्रों से घिरे क्षेत्रफल को भी ज्ञात करेंगे।

8.2 साधारण वक्रों के अंतर्गत क्षेत्रफल (Area Under Simple Curves)

पिछले अध्याय में हमने, योगफल की सीमा के रूप में निश्चित समाकलन एवं कलन की आधारभूत प्रमेय का उपयोग करते हुए निश्चित समाकलन का परिकलन कैसे किया जाए, का अध्ययन किया है। अब हम वक्र $y = f(x)$, x-अक्ष एवं कोटियाँ $x = a$ तथा $x = b$ से घिरे क्षेत्रफल को ज्ञात करने

की आसान एवं अंतर्ज्ञान से प्राप्त विधि की चर्चा करते हैं। आकृति 8.1 से हम वक्र के अंतर्गत क्षेत्रफल को बहुत सी पतली एवं उर्ध्वाधर बहुत सी पट्टियों से निर्मित मान सकते हैं। y ऊँचाई एवं dx चौड़ाई वाली एक स्वेच्छ पट्टी पर विचार कीजिए, इसमें dA (प्रारंभिक पट्टी का क्षेत्रफल) $= ydx$, जहाँ $y = f(x)$ है।

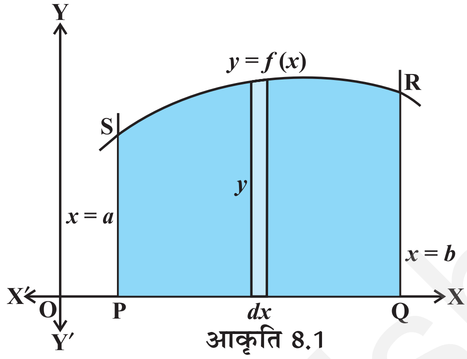

आकृति 8.1

यह क्षेत्रफल प्रारंभिक क्षेत्रफल कहलाता है जो कि क्षेत्र के भीतर किसी स्वेच्छ स्थिति पर स्थापित है एवं a तथा b के मध्य x के किसी मान से विनिर्दिष्ट है। वक्र $y = f(x)$, कोटियों $x = a, x = b$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र के कुल क्षेत्रफल A को, क्षेत्र PQRSP में सभी पतली पट्टियों के क्षेत्रफलों के योगफल के परिणाम के रूप में देख सकते हैं। सांकेतिक भाषा में हम इसे इस प्रकार अभिव्यक्त करते हैं:

$$A = \int_a^b dA = \int_a^b ydx = \int_a^b f(x)\,dx$$

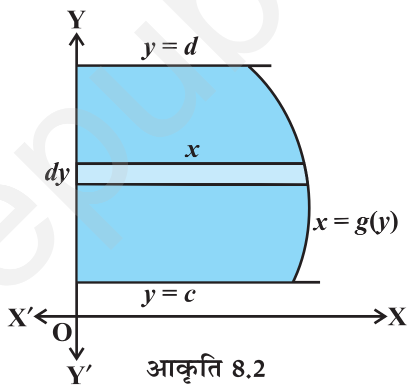

आकृति 8.2

वक्र $x = g(y)$, y-अक्ष एवं रेखाएँ $y = c, y = d$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल निम्नलिखित सूत्र द्वारा प्राप्त किया जाता है।

$$A = \int_c^d xdy = \int_c^d g(y)\,dy$$

यहाँ हम क्षैतिज पट्टियों पर विचार करते हैं जैसा कि आकृति 8.2 में दर्शाया गया है।

टिप्पणी यदि चर्चित वक्र की स्थिति x-अक्ष के नीचे है, तो जैसा कि आकृति 8.3 में दर्शाया गया है, जहाँ $x = a$ से $x = b$ तक $f(x) < 0$ इसलिए दिए हुए वक्र, x-अक्ष एवं कोटियों $x = a, x = b$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ऋणात्मक हो जाता है, परंतु हम क्षेत्रफल के केवल संख्यात्मक मान की ही चर्चा करते हैं। इसलिए यदि क्षेत्रफल ऋणात्मक है तो हम इसके निरपेक्ष मान, अर्थात् $\left|\int_a^b f(x)\,dx\right|$ को लेते हैं।

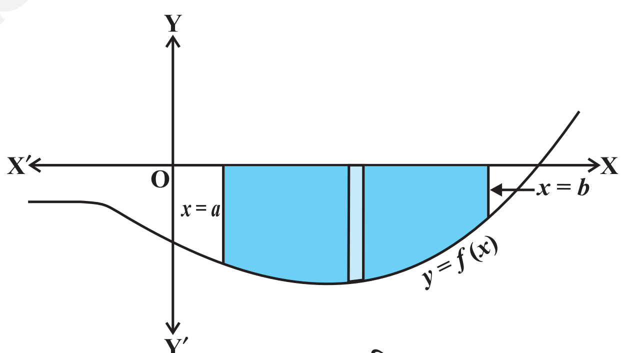

आकृति 8.3

सामान्यत: ऐसा हो सकता है कि वक्र का कुछ भाग x-अक्ष के ऊपर है तथा कुछ भाग x-अक्ष के नीचे है, जैसा कि आकृति 8.4 में दर्शाया गया है। यहाँ $A_1 < 0$ तथा $A_2 > 0$ है, इसलिए वक्र $y = f(x)$, x-अक्ष एवं कोटियों $x = a$ तथा $x = b$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल A सूत्र $A = |A_1| + A_2$ द्वारा प्राप्त किया जाता है।

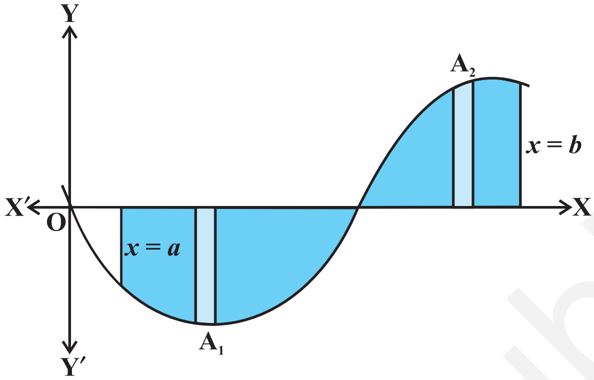

आकृति 8.4

उदाहरण 1 वृत्त $x^2 + y^2 = a^2$ का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल आकृति 8.5 में दिए हुए वृत्त से घिरे हुए क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल

$= 4$ (दिए हुए वक्र, x-अक्ष एवं कोटियों $x = 0$ तथा $x = a$ से घिरे क्षेत्र AOBA का क्षेत्रफल)

[क्योंकि वृत्त x-अक्ष एवं y-अक्ष दोनों के परित: सममित है]

$$= 4\int_0^a y\,dx \text{ (उर्ध्वाधर पट्टियाँ लेते हुए)}$$

$$= 4\int_0^a \sqrt{a^2 - x^2}\; dx ,$$

क्योंकि $x^2 + y^2 = a^2$ से $y \quad \sqrt{a^2 \quad x^2}$ प्राप्त होता है।

जैसा कि क्षेत्र AOBA प्रथम चतुर्थांश में सम्मिलित है इसलिए y को धनात्मक लिया जाता है। समाकलन करने पर दिए हुए वृत्त से घिरा क्षेत्रफल निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

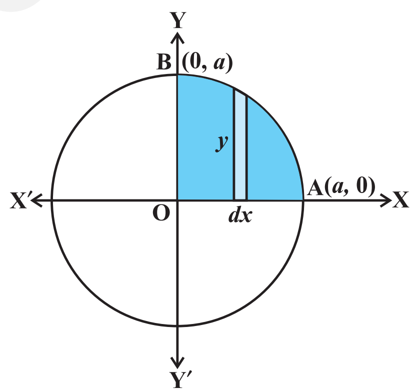

आकृति 8.5

$$= 4\left[\frac{x}{2}\sqrt{a^2 - x^2} + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}\frac{x}{a}\right]_0^a = 4 \quad \frac{a}{2} \quad 0 \quad \frac{a^2}{2}\sin\ {}^{1}1 \quad 0$$

$$= 4\left(\frac{a^2}{2}\right)\left(\frac{\pi}{2}\right) = \pi a^2$$

विकल्पतः जैसा कि आकृति 8.6 में दर्शाया गया है क्षैतिज पट्टियों की चर्चा करते हुए वृत्त द्वारा घिरे क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल

$$= 4\int_0^a x dy = 4\int_0^a \sqrt{a^2 - y^2}\, dy \qquad \text{(क्यों?)}$$

$$= 4\left[\frac{y}{2}\sqrt{a^2 - y^2} + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}\frac{y}{a}\right]_0^a$$

$$= 4 \quad \frac{a}{2} \quad 0 \quad \frac{a^2}{2}\sin\ ^{1}1 \quad 0$$

$$= 4\frac{a^2}{2}\frac{\pi}{2} = \pi a^2$$

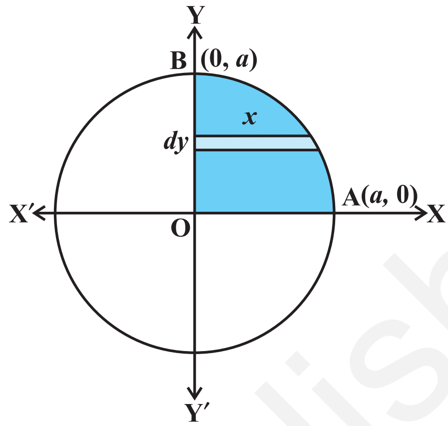

आकृति 8.6

उदाहरण 2 दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{a^2} \quad \frac{y^2}{b^2} \quad 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल का ज्ञात कीजिए।

हल आकृति 8.7 में दीर्घवृत्त से घिरे क्षेत्र ABA′B′A का क्षेत्रफल

$$= 4 \quad \begin{matrix}\text{दिए हुए वक्र, } x \quad \text{अक्ष, कोटियों } x \quad 0, x \quad a \text{ द्वारा प्रथम चतुर्थांश में} \\ \text{घिरे क्षेत्र } AOBA \text{ का क्षेत्रफल}\end{matrix}$$

(क्योंकि दीर्घवृत्त x-अक्ष एवं y-अक्ष दोनों के परितः सममित है)

$$= 4 \quad {}_0^a\, ydx \text{ (उर्ध्वाधर पट्टियाँ लेते हुए)}$$

अब $\frac{x^2}{a^2} \quad \frac{y^2}{b^2} = 1$ से $y \quad \frac{b}{a}\sqrt{a^2 \quad x^2}$ प्राप्त होता है, परंतु क्षेत्र AOBA प्रथम चतुर्थांश में है इसलिए y धनात्मक लिया जाता है, इसलिए अभीष्ट क्षेत्रफल

$$= 4\int_0^a \frac{b}{a}\sqrt{a^2 - x^2}\, dx$$

$$= \frac{4b}{a}\left[\frac{x}{2}\sqrt{a^2 - x^2} + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}\frac{x}{a}\right]_0^a \text{ (क्यों?)}$$

$$= \frac{4b}{a}\left[\left(\frac{a}{2}\times 0 + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}1\right) - 0\right]$$

$$= \frac{4b}{a}\frac{a^2}{2}\frac{\pi}{2} = \pi ab \text{ है।}$$

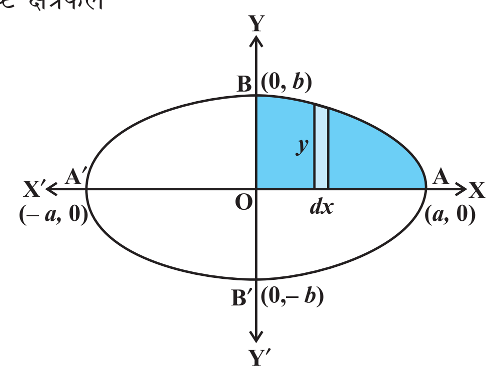

आकृति 8.7

विकल्पत: जैसा कि आकृति 8.8 में दर्शाया गया है क्षैतिज पट्टियों की चर्चा करते हुए दीर्घवृत्त का क्षेत्रफल

$$= 4\int_0^b x\,dy = 4\frac{a}{b}\int_0^b \sqrt{b^2 - y^2}\,dy \text{ (क्यों?)}$$

$$= \frac{4a}{b}\left[\frac{y}{2}\sqrt{b^2 - y^2} + \frac{b^2}{2}\sin^{-1}\frac{y}{b}\right]_0^b$$

$$= \frac{4a}{b}\left[\left(\frac{b}{2} \times 0 + \frac{b^2}{2}\sin^{-1}1\right) - 0\right]$$

$$= \frac{4a}{b}\frac{b^2}{2}\frac{\pi}{2} = \pi ab \text{ है।}$$

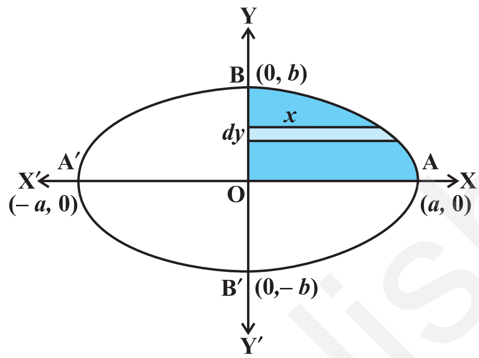

आकृति 8.8

8.2.1 *एक वक्र एवं एक रेखा से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल (The area of the region bounded by a curve and a line)*

इस उपपरिच्छेद में, हम एक रेखा और एक वृत्त, एक रेखा और एक परवलय, तथा एक रेखा और एक दीर्घवृत्त से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात करेंगे उपरोक्त चर्तित वक्रों के समीकरण केवल प्रामाणिक रूप में ही अध्ययन किए जाएँगे क्योंकि अन्य रूपों वाले समीकरण का उपयोग इस पाठ्यपुस्तक के अध्ययन क्षेत्र से बाहर हैं।

उदाहरण 3 वक्र $y = x^2$ एवं रेखा $y = 4$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल क्योंकि दिए हुए समीकरण $y = x^2$ द्वारा निरूपित वक्र y-अक्ष के परित: सममित एक परवलय है। इसलिए आकृति 8.9 से क्षेत्र AOBA का अभीष्ट क्षेत्रफल निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$2\int_0^4 x\,dy = 2$ (दिए हुए वक्र, y –अक्ष एवं रेखाओं $y = 0$ तथा $y = 4$ से घिरे क्षेत्र BOND का क्षेत्रफल)

$$= 2\int_0^4 \sqrt{y}\,dy \text{ (क्यों?)}$$

$$= 2 \times \frac{2}{3}\left[y^{\frac{3}{2}}\right]_0^4 = \frac{4}{3} \times 8 = \frac{32}{3}$$

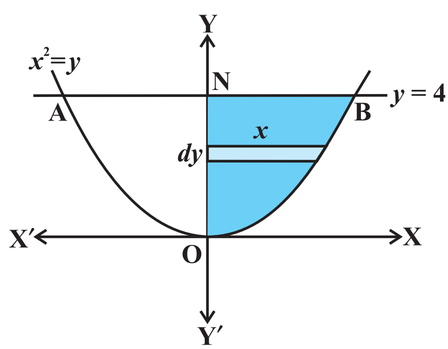

आकृति 8.9

यहाँ हमने क्षैतिज पट्टियाँ ली हैं जैसा कि आकृति 8.9 में दर्शाया गया है।

विकल्पतः क्षेत्र AOBA का क्षेत्रफल प्राप्त करने के लिए हम PQ जैसी ऊर्ध्वाधर पट्टियाँ ले सकते हैं जैसा कि आकृति 8.10 में दर्शाया गया है। इसके लिए हम समीकरणों $x^2 = y$ एवं $y = 4$ को हल करते हैं जिससे $x = -2$ एवं $x = 2$ प्राप्त होता है।

इस प्रकार क्षेत्र AOBA को वक्रों $y = x^2$, $y = 4$ एवं कोटियों $x = -2$ तथा $x = 2$ से घिरा क्षेत्र परिभाषित किया जा सकता है।

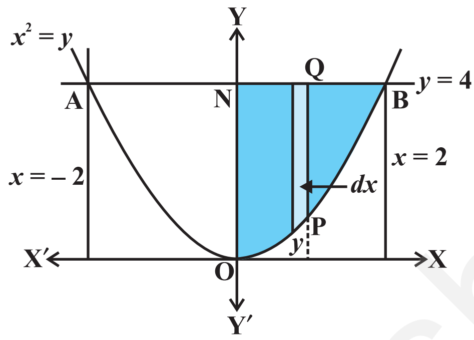

आकृति 8.10

इसलिए क्षेत्र AOBA का क्षेत्रफल

$$= \int_{-2}^{2} y dx \; [y = (\text{बिंदु Q का } y \text{ निर्देशांक } - \text{ बिंदु P का } y \text{ निर्देशांक}) = 4 - x^2]$$

$$= 2\int_0^2 \left(4 - x^2\right) dx \qquad (\text{क्यों?})$$

$$2 \quad 4x \quad \frac{x^3}{3} \Big|_0^2 \quad 2 \quad 4 \quad 2 \quad \frac{8}{3} \quad \frac{32}{3}$$

टिप्पणी उपरोक्त उदाहरणों से यह निष्कर्ष निकलता है कि किसी क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात करने के लिए हम ऊर्ध्वाधर अथवा क्षैतिज पट्टियों में से किसी को भी ले सकते हैं। इससे आगे हम इन दोनों पट्टियों में से किसी एक की चर्चा करेंगे, ऊर्ध्वाधर पट्टियों को सामान्यतः अधिक प्राथमिकता दी जाएगी।

उदाहरण 4 प्रथम चतुर्थांश में वृत्त $x^2 + y^2 = 32$, रेखा $y = x$, एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल दिए हुए समीकरण हैं:

$$y = x \qquad \dots (1)$$

और $$x^2 + y^2 = 32 \qquad \dots (2)$$

समीकरण (1) तथा (2) को हल करने पर हम पाते हैं कि दिया हुआ वृत्त एवं दी हुई रेखा एक दूसरे को प्रथम चतुर्थांश में B(4, 4) पर मिलते हैं (आकृति 8.11)। x-अक्ष के ऊपर BM लम्ब खींचिए।

इसलिए, अभीष्ट क्षेत्रफल = क्षेत्र OBMO का क्षेत्रफल + क्षेत्र BMAB का क्षेत्रफल

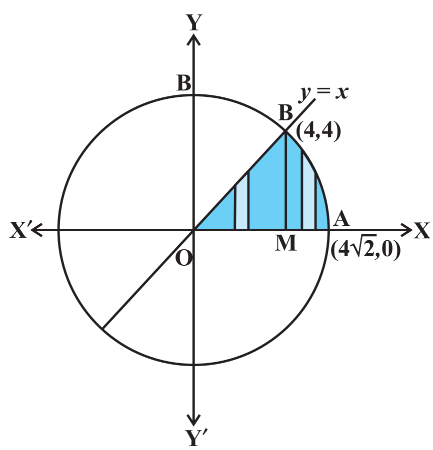

आकृति 8.11

अब, क्षेत्र OBMO का क्षेत्रफल

$$= \int_0^4 y\,dx = \int_0^4 x\,dx = \frac{1}{2}\left[x^2\right]_0^4 = 8 \qquad \ldots (3)$$

पुनः क्षेत्र BMAB का क्षेत्रफल

$$= \int_4^{4\sqrt{2}} y dx = \int_4^{4\sqrt{2}} \sqrt{32 - x^2}\, dx$$

$$= \left[\frac{1}{2} x\sqrt{32 - x^2} + \frac{1}{2} \times 32 \times \sin^{-1}\frac{x}{4\sqrt{2}}\right]_4^{4\sqrt{2}}$$

$$= \left[\frac{1}{2}\, 4\sqrt{2} \cdot 0 + \frac{1}{2} \times 32 \times \sin^{-1}1\right] - \left[\frac{4}{2}\sqrt{32 - 16} + \frac{1}{2} \times 32 \times \sin^{-1}\frac{1}{\sqrt{2}}\right]$$

$$= 8\,\pi - (8 + 4\pi) = 4\pi - 8 \qquad \ldots (4)$$

समीकरण (3) एवं (4) का योगफल ज्ञात करने पर हम अभीष्ट क्षेत्रफल $A = 4\pi$ पाते हैं।

उदाहरण 5 दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{a^2} + \frac{y^2}{b^2} = 1$ एवं कोटियों $x = 0$ और $x = ae$, से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए, जहाँ $b^2 = a^2 (1 - e^2)$ एवं $e < 1$ है।

हल क्षेत्र BOB′RFSB का अभीष्ट क्षेत्रफल दिए हुए दीर्घवृत्त एवं रेखाओं $x = 0$ तथा $x = ae$ से घिरा हुआ है (आकृति 8.12)।

ध्यान दीजिए कि क्षेत्र BOB′RFSB का क्षेत्रफल

$$= 2\int_0^{ae} y dx = 2\frac{b}{a}\int_0^{ae} \sqrt{a^2 - x^2}\, dx$$

$$= \frac{2b}{a}\left[\frac{x}{2}\sqrt{a^2 - x^2} + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}\frac{x}{a}\right]_0^{ae}$$

$$= \frac{2b}{2a}\left[ae\sqrt{a^2 - a^2e^2} + a^2 \sin^{-1} e\right]$$

$$= ab\left[e\sqrt{1 - e^2} + \sin^{-1} e\right]$$

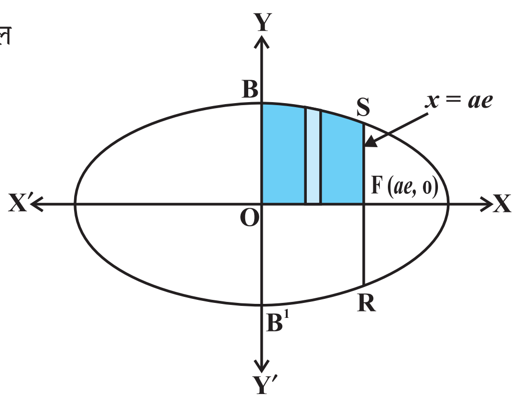

आकृति 8.12

प्रश्नावली 8.1

1. वक्र $y^2 = x$, रेखाओं $x = 1, x = 4$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

2. प्रथम चतुर्थांश में वक्र $y^2 = 9x, x = 2, x = 4$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

3. प्रथम चतुर्थांश में $x^2 = 4y, y = 2, y = 4$ एवं y-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

4. दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{16} \quad \frac{y^2}{9} \quad 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

5. दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{4} \quad \frac{y^2}{9} \quad 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

6. प्रथम चतुर्थांश में वृत्त $x^2 + y^2 = 4$, रेखा $x = \sqrt{3}\, y$ एवं x-अक्ष द्वारा घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

7. छेदक रेखा $x = \frac{a}{\sqrt{2}}$ द्वारा वृत्त $x^2 + y^2 = a^2$ के छोटे भाग का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

8. यदि वक्र $x = y^2$ एवं रेखा $x = 4$ से घिरा हुआ क्षेत्रफल रेखा $x = a$ द्वारा दो बराबर भागों में विभाजित होता है तो a का मान ज्ञात कीजिए।

9. परवलय $y = x^2$ एवं $y = |x|$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

10. वक्र $x^2 = 4y$ एवं रेखा $x = 4y - 2$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

11. वक्र $y^2 = 4x$ एवं रेखा $x = 3$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

प्रश्न 12 एवं 13 में सही उत्तर का चयन कीजिए:

12. प्रथम चतुर्थांश में वृत्त $x^2 + y^2 = 4$ एवं रेखाओं $x = 0, x = 2$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

(A) π (B) $\frac{\pi}{2}$ (C) $\frac{\pi}{3}$ (D) $\frac{\pi}{4}$

13. वक्र $y^2 = 4x$, y-अक्ष एवं रेखा $y = 3$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

(A) 2 (B) $\frac{9}{4}$ (C) $\frac{9}{3}$ (D) $\frac{9}{2}$

8.3 दो वक्रों के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल (Area Between Two Curves)

लैबनिज़ की चेतना एवं अंतर्ज्ञान की सच्चाई के फलस्वरूप किसी क्षेत्र को प्रारंभिक क्षेत्रफल की बृहत् संख्या में पट्टियाँ काटकर और इन प्रारंभिक क्षेत्रफलों का योगफल ज्ञात कर, क्षेत्रफल के परिकलन की क्रिया समाकलन कहलाती है। कल्पना कीजिए, हमें दो वक्र $y = f(x)$ और $y = g(x)$ दिए हुए हैं जहाँ $[a, b]$ में $f(x) \geq g(x)$ जैसा कि आकृति 8.13 में दर्शाया गया है। दिए हुए वक्रों के समीकरण से y का उभयनिष्ठ मान लेते हुए इन दोनों वक्रों के प्रतिच्छेदक बिंदु $x = a$ तथा $x = b$ द्वारा देय हैं।

समाकलन के सूत्र का स्थापन करने के लिए प्रारंभिक क्षेत्रफल को ऊर्ध्वाधर पट्टियों के रूप में लेना सुविधाजनक है। जैसा कि आकृति 8.13 में दर्शाया गया है। प्रारंभिक पट्टी की ऊँचाई $f(x) - g(x)$ एवं चौड़ाई dx है, इसलिए प्रारंभिक क्षेत्रफल

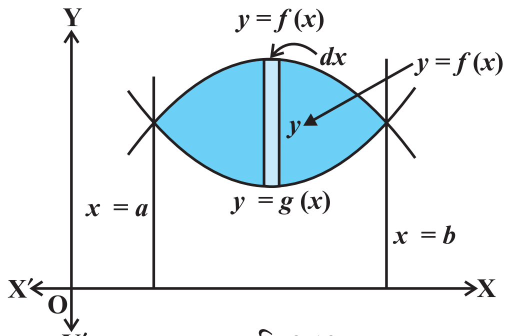

आकृति 8.13

$$dA = [f(x) - g(x)]\, dx, \text{ तथा कुल क्षेत्रफल } A = \int_a^b [f(x) - g(x)]\, dx$$

विकल्पतः

A = [वक्र $y = f(x)$, x-अक्ष तथा रेखाओं $x = a$, $x = b$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल]
– [वक्र $y = g(x)$, x-अक्ष एवं रेखाओं $x = a$, $x = b$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल]

$= \int_a^b f(x)\,dx - \int_a^b g(x)\,dx = \int_a^b f(x) \quad g(x) \; dx$ जहाँ $[a, b]$ में $f(x) \geq g(x)$

यदि $[a, c]$ में $f(x) \geq g(x)$ तथा $[c, b]$ में $f(x) \leq g(x)$ जहाँ $a < c < b$ जैसा कि आकृति 8.14 में दर्शाया गया है, तो वक्रों से घिरे क्षेत्रों का क्षेत्रफल निम्नलिखित प्रकार लिखा जा सकता है :

क्षेत्रफल = क्षेत्र ACBDA का क्षेत्रफल + क्षेत्र BPRQB का क्षेत्रफल

$$= \int_a^c [f(x) - g(x)]\,dx + \int_c^b [g(x) - f(x)]\,dx$$

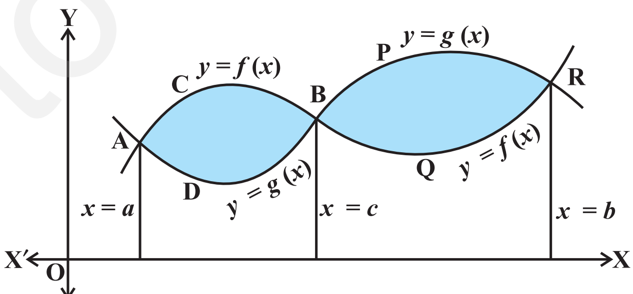

आकृति 8.14

उदाहरण 6 दो परवलयों $y = x^2$ एवं $y^2 = x$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल जैसा कि आकृति 8.15 में दर्शाया गया है, इन दोनों परवलयों के प्रतिच्छेदक बिंदु O (0, 0) एवं A (1, 1) है। यहाँ $y^2 = x$ अथवा $y = \sqrt{x} = f(x)$ और $y = x^2 = g(x)$, जहाँ [0, 1] में $f(x) \geq g(x)$ है।

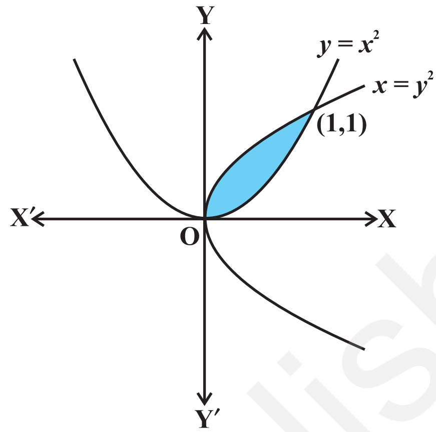

आकृति 8.15

इसलिए छायांकित क्षेत्र का अभीष्ट क्षेत्रफल

$$= \int_0^1 [f(x) - g(x)]\,dx$$

$$= \int_0^1 \left[\sqrt{x} - x^2\right] dx \quad \frac{2}{3}x^{\frac{3}{2}} \quad \frac{x^3}{3}\Bigg|_0^1 = \frac{2}{3} - \frac{1}{3} = \frac{1}{3}$$

उदाहरण 7 x-अक्ष के ऊपर तथा वृत्त $x^2 + y^2 = 8x$ एवं परवलय $y^2 = 4x$ के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल वृत्त का दिया हुआ समीकरण $x^2 + y^2 = 8x$, $(x - 4)^2 + y^2 = 16$ के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। इस वृत्त का केंद्र बिंदु (4, 0) है तथा त्रिज्या 4 इकाई है। परवलय $y^2 = 4x$ के साथ इसके प्रतिच्छेद से प्राप्त होता है :

$$x^2 + 4x = 8x$$

अथवा $\quad x^2 - 4x = 0$

अथवा $\quad x\,(x - 4) = 0$

अथवा $\quad x = 0,\ x = 4$

इस प्रकार इन दो वक्रों के प्रतिच्छेद बिंदु O(0, 0) एवं x-अक्ष से ऊपर P(4,4) हैं।

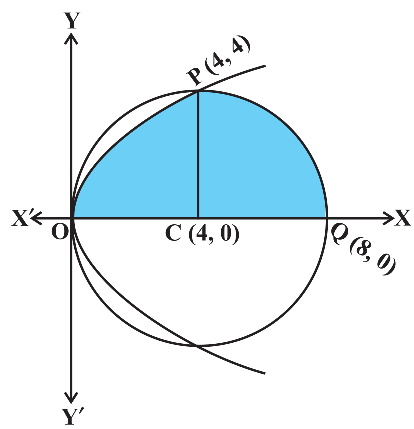

आकृति 8.16

आकृति 8.16 से x-अक्ष से उपर इन दोनों वक्रों के मध्य सम्मिलित क्षेत्र OPQCO का क्षेत्रफल

= (क्षेत्र OCPO का क्षेत्रफल) + (क्षेत्र PCQP का क्षेत्रफल)

$$= \int_0^4 y\,dx + \int_4^8 y\,dx$$

$$= 2\int_0^4 \sqrt{x}\,dx + \int_4^8 \sqrt{4^2 - (x-4)^2}\,dx \quad \text{(क्यों?)}$$

$$= 2\quad \frac{2}{3}\ x^{\frac{3}{2}}\ {}_{0}^{4}\quad {}_{0}^{4}\sqrt{4^2 \quad t^2}\,dt,\ \text{जहाँ}\ x \quad 4 \quad t$$

$$= \frac{32}{3} \quad \frac{t}{2}\sqrt{4^2 \quad t^2} \quad \frac{1}{2} \quad 4^2 \quad \sin^{-1}\frac{t}{4}\ {}_{0}^{4}$$

$$= \frac{32}{3} \quad \frac{4}{2} \quad 0 \quad \frac{1}{2} \quad 4^2 \quad \sin^{-1}1 \quad \frac{32}{3} \quad 0 \quad 8 \quad \frac{}{2} \quad \frac{32}{3} \quad 4 \quad = \frac{4}{3}(8+3\pi)$$

उदाहरण 8 आकृति 8.17 में AOBA प्रथम चतुर्थांश में दीर्घवृत्त $9x^2 + y^2 = 36$ का एक भाग है जिसमें OA = 2 इकाई तथा OB = 6 इकाई है। लघु चाप AB एवं जीवा AB के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल दीर्घवृत्त का दिया हुआ समीकरण $9x^2 + y^2 = 36$, अर्थात् $\frac{x^2}{4} \quad \frac{y^2}{36} \quad 1$ अथवा $\frac{x^2}{2^2} \quad \frac{y^2}{6^2} \quad 1$ के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है और इसलिए इसका आकार आकृति 8.17 में दिए हुए आकार जैसा है।

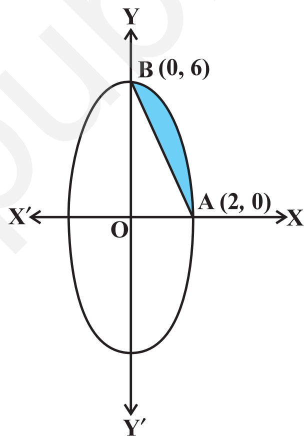

आकृति 8.17

इसके अनुसार, जीवा AB का समीकरण है:

$$y - 0 = \frac{6 \quad 0}{0 \quad 2}(x \quad 2)$$

अथवा $\qquad y = -3\ (x - 2)$

अथवा $\qquad y = -3x + 6$

आकृति 8.17 में दर्शाये छायांकित क्षेत्र का क्षेत्रफल

$$= 3\int_0^2 \sqrt{4 - x^2}\,dx - \int_0^2 (6 - 3x)\,dx \qquad \text{(क्यों?)}$$

$$= 3 \quad \frac{x}{2}\sqrt{4 \quad x^2} \quad \frac{4}{2}\sin^{-1}\frac{x}{2}\ {}_{0}^{2} \quad 6x \quad \frac{3x^2}{2}\ {}_{0}^{2}$$

$$= 3 \quad \frac{2}{2} \quad 0 \quad 2\sin^{-1}(1) \quad 12 \quad \frac{12}{2} \quad 3 \quad 2 \quad \frac{\pi}{2} \quad 6 = 3\pi - 6$$

उदाहरण 9 समाकलन का उपयोग करते हुए एक ऐसे त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसके शीर्ष (1, 0), (2, 2) एवं (3, 1) हैं।

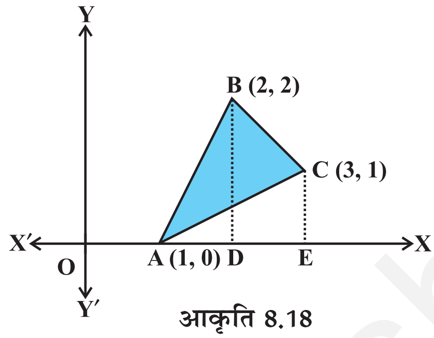

आकृति 8.18

हल मान लीजिए A (1, 0), B (2, 2) एवं C (3, 1) त्रिभुज ABC के शीर्ष हैं (आकृति 8.18)

Δ ABC का क्षेत्रफल = Δ ABD का क्षेत्रफल + समलंब चतुर्भुज BDEC का क्षेत्रफल – Δ AEC का क्षेत्रफल

अब भुजाएँ AB, BC एवं CA के समीकरण क्रमश:

$$y = 2(x-1),\ y = 4 - x,\ y = \frac{1}{2}(x-1) \text{ हैं।}$$

अत: Δ ABC का क्षेत्रफल

$$= \int_1^2 2(x-1)\,dx + \int_2^3 (4-x)\,dx - \int_1^3 \frac{x-1}{2}\,dx$$

$$= 2\left[\frac{x^2}{2} - x\right]_1^2 + \left[4x - \frac{x^2}{2}\right]_2^3 - \frac{1}{2}\left[\frac{x^2}{2} - x\right]_1^3$$

$$= 2\left[\left(\frac{2^2}{2} - 2\right) - \left(\frac{1}{2} - 1\right)\right] + \left[\left(4\times 3 - \frac{3^2}{2}\right) - \left(4 \times 2 - \frac{2^2}{2}\right)\right]$$

$$- \frac{1}{2}\left[\left(\frac{3^2}{2} - 3\right) - \left(\frac{1}{2} - 1\right)\right] = \frac{3}{2}$$

उदाहरण 10 दो वृत्तों $x^2 + y^2 = 4$ एवं $(x-2)^2 + y^2 = 4$ के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल दिए हुए वृत्तों के समीकरण हैं:

$$x^2 + y^2 = 4 \quad \ldots (1)$$

और $$(x-2)^2 + y^2 = 4 \quad \ldots (2)$$

समीकरण (1) ऐसा वृत्त है जिसका केंद्र मूल बिंदु O पर है ओर जिसकी त्रिज्या 2 इकाई है। समीकरण (2) एक ऐसा वृत्त है जिसका केंद्र C(2, O) है और जिसकी त्रिज्या 2 इकाई है। समीकरण (1) और (2) को हल करने पर हम पाते हैं:

$$(x-2)^2 + y^2 = x^2 + y^2$$

अथवा $$x^2 - 4x + 4 + y^2 = x^2 + y^2$$

अथवा $$x = 1 \text{ जिससे } y = \pm\sqrt{3} \text{ प्राप्त होता है।}$$

अतः दिए हुए वृत्तों के प्रतिच्छेदन बिंदु $A(1, \sqrt{3})$ और $A'(1, -\sqrt{3})$ है, जैसा आकृति 8.19 में दर्शाया गया है।

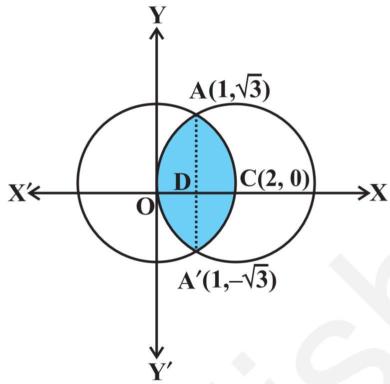

आकृति 8.19

वृत्तों के मध्यवर्ती क्षेत्र OACA′O का अभीष्ट

क्षेत्रफल = 2 [क्षेत्र ODCAO का क्षेत्रफल] (क्यों?)

= 2 [क्षेत्र ODAO का क्षेत्रफल + क्षेत्र DCAD का क्षेत्रफल]

$$= 2\left[\int_0^1 y\,dx + \int_1^2 y\,dx\right]$$

$$= 2\left[\int_0^1 \sqrt{4-(x-2)^2}\,dx + \int_1^2 \sqrt{4-x^2}\,dx\right] \qquad \text{(क्यों?)}$$

$$= 2\left[\frac{1}{2}(x-2)\sqrt{4-(x-2)^2} + \frac{1}{2}\times 4\sin^{-1}\left(\frac{x-2}{2}\right)\right]_0^1 +$$

$$2\left[\frac{1}{2}x\sqrt{4-x^2} + \frac{1}{2}\times 4\sin^{-1}\frac{x}{2}\right]_1^2$$

$$= \left[(x-2)\sqrt{4-(x-2)^2} + 4\sin^{-1}\left(\frac{x-2}{2}\right)\right]_0^1 + \left[x\sqrt{4-x^2} + 4\sin^{-1}\frac{x}{2}\right]_1^2$$

$$= \left[\left(-\sqrt{3} + 4\sin^{-1}\left(\frac{-1}{2}\right)\right) - 4\sin^{-1}(-1)\right] + \left[4\sin^{-1}1 - \sqrt{3} - 4\sin^{-1}\frac{1}{2}\right]$$

$$= \left[\left(-\sqrt{3} - 4\times\frac{\pi}{6}\right) + 4\times\frac{\pi}{2}\right] + \left[4\times\frac{\pi}{2} - \sqrt{3} - 4\times\frac{\pi}{6}\right]$$

$$= \left(-\sqrt{3} - \frac{2\pi}{3} + 2\pi\right) + \left(2\pi - \sqrt{3} - \frac{2\pi}{3}\right)$$

$$= \frac{8}{3} \quad 2\sqrt{3}$$

प्रश्नावली 8.2

1. परवलय $x^2 = 4y$ और वृत्त $4x^2 + 4y^2 = 9$ के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
2. वक्रों $(x-1)^2 + y^2 = 1$ एवं $x^2 + y^2 = 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
3. वक्रों $y = x^2 + 2$, $y = x$, $x = 0$ एवं $x = 3$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
4. समाकलन का उपयोग करते हुए एक ऐसे त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसके शीर्ष $(-1, 0)$, $(1, 3)$ एवं $(3, 2)$ हैं।
5. समाकलन का उपयोग करते हुए एक ऐसे त्रिकोणीय क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसकी भुजाओं के समीकरण $y = 2x + 1$, $y = 3x + 1$ एवं $x = 4$ हैं।

प्रश्न 6 एवं 7 में सही उत्तर का चयन कीजिए:

6. वृत्त $x^2 + y^2 = 4$ एवं रेखा $x + y = 2$ से घिरे छोटे भाग का क्षेत्रफल है:

   (A) $2(\pi - 2)$ (B) $\pi - 2$ (C) $2\pi - 1$ (D) $2(\pi + 2)$

7. वक्रों $y^2 = 4x$ एवं $y = 2x$ के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

   (A) $\frac{2}{3}$ (B) $\frac{1}{3}$ (C) $\frac{1}{4}$ (D) $\frac{3}{4}$

विविध उदाहरण

उदाहरण 11 परवलय $y^2 = 4ax$ और उसके नाभिलंब से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल आकृति 8.20 से, परवलय $y^2 = 4ax$ का शीर्ष मूल बिंदु पर है। नाभिलंब जीवा LSL′ का समीकरण $x = a$ है। दिया हुआ परवलय x-अक्ष के परित: सममित है।

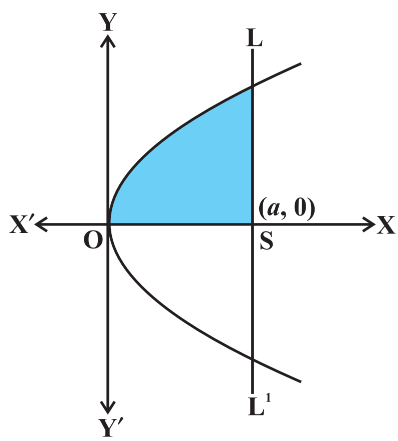

आकृति 8.20

क्षेत्र OLL′O का अभीष्ट क्षेत्रफल = 2 (क्षेत्र OLSO का क्षेत्रफल)

$$= 2\int_0^a y\,dx = 2\int_0^a \sqrt{4ax}\,dx$$

$$= 2 \times 2\sqrt{a}\int_0^a \sqrt{x}\,dx$$

$$= 4\sqrt{a} \times \frac{2}{3}\left[x^{\frac{3}{2}}\right]_0^a = \frac{8}{3}\sqrt{a}\left[a^{\frac{3}{2}}\right] = \frac{8}{3}a^2$$

उदाहरण 12 रेखा $y = 3x + 2$, x-अक्ष एवं कोटियों $x = -1$ एवं $x = 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल जैसा कि आकृति 8.21 में दर्शाया गया है, रेखा $y = 3x + 2$, x-अक्ष को $x = \frac{2}{3}$ पर मिलती है और

$x \quad 1, \frac{2}{3}$ के लिए इसका आलेख x-अक्ष के नीचे है

तथा $x \quad \frac{2}{3}, 1$ के लिए इसका आलेख x-अक्ष से ऊपर है।

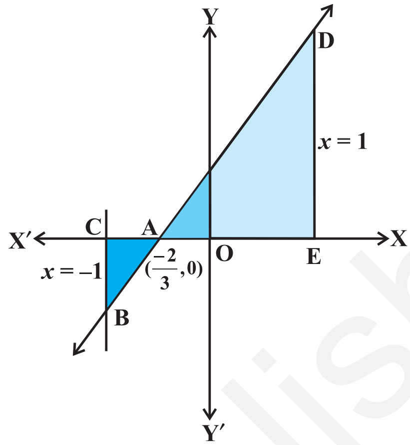

आकृति 8.21

अभीष्ट क्षेत्रफल = क्षेत्र ACBA का क्षेत्रफल + क्षेत्र ADEA का क्षेत्रफल

$$= \left|\int_{-1}^{\frac{-2}{3}} (3x+2)dx\right| + \int_{\frac{-2}{3}}^{1} (3x+2)dx$$

$$= \left|\left[\frac{3x^2}{2} + 2x\right]_{-1}^{\frac{-2}{3}}\right| + \left[\frac{3x^2}{2} + 2x\right]_{\frac{-2}{3}}^{1} = \frac{1}{6} \quad \frac{25}{6} \quad \frac{13}{3}$$

उदाहरण 13 $x = 0$ एवं $x = 2\pi$ के मध्य वक्र $y = \cos x$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल आकृति 8.22 से, अभीष्ट क्षेत्रफल
= क्षेत्र OABO का क्षेत्रफल + क्षेत्र BCDB का क्षेत्रफल + क्षेत्र DEFD का क्षेत्रफल

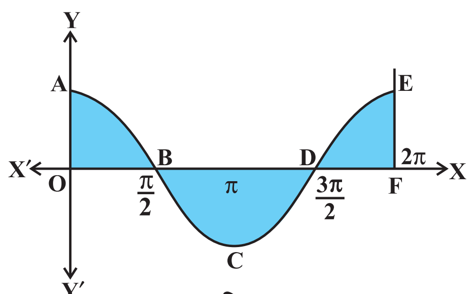

आकृति 8.22

इसलिए अभीष्ट क्षेत्रफल

$$= \int_0^{\frac{\pi}{2}} \cos x\, dx + \left|\int_{\frac{\pi}{2}}^{\frac{3\pi}{2}} \cos x\, dx\right| + \int_{\frac{3\pi}{2}}^{2\pi} \cos x\, dx$$

$$= \sin x \,{}_0^{\frac{}{2}} \quad \left| \sin x \,{}_{\frac{}{2}}^{\frac{3}{2}} \right| \quad \sin x \,{}_{\frac{3}{2}}^{2} = 1 + 2 + 1 = 4$$

उदाहरण 14 सिद्ध कीजिए कि वक्र $y^2 = 4x$ एवं $x^2 = 4y$, रेखाओं $x = 0, x = 4, y = 4$ एवं $y = 0$ से घिरे वर्ग के क्षेत्रफल को तीन बराबर भागों में विभाजित करते हैं।

हल ध्यान दीजिए कि परवलयों $y^2 = 4x$ एवं $x^2 = 4y$ के प्रतिच्छेद बिंदु (0,0) एवं (4,4) हैं जैसा कि आकृति 8.23 में दर्शाया गया है।

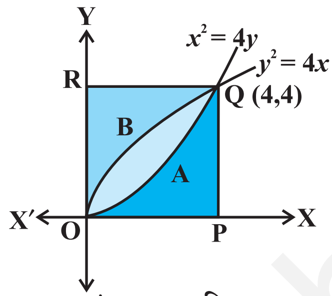

आकृति 8.23

अब वक्रों $y^2 = 4x$ एवं $x^2 = 4y$ से घिरे क्षेत्र OAQBO का क्षेत्रफल

$$= {}_0^4\ 2\sqrt{x}\quad \frac{x^2}{4}\ dx \ = \ 2\quad \frac{2}{3}x^{\frac{3}{2}}\quad \frac{x^3}{12}\ {}_0^4$$

$$= \frac{32}{3}\quad \frac{16}{3}\quad \frac{16}{3} \qquad \text{... (1)}$$

पुनः वक्रों $x^2 = 4y, x = 0, x = 4$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र OPQAO का क्षेत्रफल

$$= {}_0^4 \frac{x^2}{4}\,dx \quad \frac{1}{12}\quad x^3\ {}_0^4 \quad \frac{16}{3} \qquad \text{... (2)}$$

इसी प्रकार वक्र $y^2 = 4x$, y-अक्ष, $y = 0$ एवं $y = 4$ से घिरे क्षेत्र OBQRO का क्षेत्रफल

$$= {}_0^4\ x\,dy \quad {}_0^4 \frac{y^2}{4}\,dy \quad \frac{1}{12}\quad y^3\ {}_0^4 \quad \frac{16}{3} \qquad \text{... (3)}$$

समीकरणों (1), (2) तथा (3) से यह निष्कर्ष निकलता है कि

क्षेत्र OAQBO का क्षेत्रफल = क्षेत्र OPQAO का क्षेत्रफल = क्षेत्र OBQRO का क्षेत्रफल अर्थात्, परवलयों $y^2 = 4x$ एवं $x^2 = 4y$ से घिरा क्षेत्रफल दिए हुए वर्ग के क्षेत्रफल को तीन बराबर भागों में विभाजित करता है।

उदाहरण 15 क्षेत्र $\{(x, y) : 0 \le y \le x^2 + 1, 0 \le y \le x + 1, 0 \le x \le 2\}$ का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल आइए सर्वप्रथम हम उस क्षेत्र का रेखाचित्र तैयार करें जिसका हमें क्षेत्रफल ज्ञात करना है। यह क्षेत्र निम्नलिखित क्षेत्रों का मध्यवर्ती क्षेत्र है:

$$A_1 = \{(x, y) : 0 \le y \le x^2 + 1\}$$

$$A_2 = \{(x, y) : 0 \le y \le x + 1\}$$

और $$A_3 = \{(x, y) : 0 \le x \le 2\}$$

वक्रों $y = x^2 + 1$ एवं $y = x + 1$ के प्रतिच्छेद बिंदु P(0, 1) एवं Q(1, 2) हैं। आकृति 8.24 से, अभीष्ट क्षेत्र, छायांकित क्षेत्र OPQRSTO है जिसका क्षेत्रफल

= क्षेत्र OTQPO का क्षेत्रफल + क्षेत्र TSRQT का क्षेत्रफल

$$= \int_0^1 (x^2+1)\,dx + \int_1^2 (x+1)\,dx \qquad \text{(क्यों?)}$$

$$= \left[\left(\frac{x^3}{3}+x\right)\right]_0^1 + \left[\left(\frac{x^2}{2}+x\right)\right]_1^2$$

$$= \left[\left(\frac{1}{3}+1\right)-0\right] + \left[(2+2)-\left(\frac{1}{2}+1\right)\right] = \frac{23}{6}$$

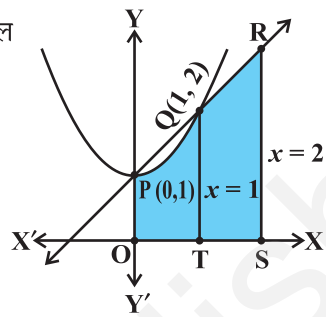

आकृति 8.24

अध्याय 8 पर विविध प्रश्नावली

1. दिए हुए वक्रों एवं रेखाओं से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए:
   (i) $y = x^2$; $x = 1$, $x = 2$ एवं x-अक्ष
   (ii) $y = x^4$; $x = 1$, $x = 5$ एव x-अक्ष
2. वक्रों $y = x$ एवं $y = x^2$ के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
3. प्रथम चतुर्थांश में सम्मिलित एवं $y = 4x^2$, $x = 0$, $y = 1$ तथा $y = 4$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
4. $y = |x \quad 3|$ का ग्राफ़ खींचिए एवं $\int_{-6}^{0} |x+3|\,dx$ का मान ज्ञात कीजिए।
5. $x = 0$ एवं $x = 2\pi$ तथा वक्र $y = \sin x$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
6. परवलय $y^2 = 4ax$ एवं रेखा $y = mx$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
7. परवलय $4y = 3x^2$ एवं रेखा $2y = 3x + 12$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
8. दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{9}+\frac{y^2}{4}=1$ एवं रेखा $\frac{x}{3} \quad \frac{y}{2} \quad 1$ से घिरे लघु क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
9. दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{a^2} \quad \frac{y^2}{b^2} \quad 1$ एवं रेखा $\frac{x}{a} \quad \frac{y}{b} \quad 1$ से घिरे लघु क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
10. परवलय $x^2 = y$, रेखा $y = x + 2$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
11. समाकलन विधि का उपयोग करते हुए वक्र $|x| \quad |y| \quad 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
    [**संकेत** : आवश्यक क्षेत्र, रेखाओं $x + y = 1$, $x - y = 1$, $-x + y = 1$ एवं $-x - y = 1$ से घिरा है]
12. वक्रों $\{(x, y) : y \geq x^2$ तथा $y = |x|\}$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
13. समाकलन विधि का उपयोग करते हुए एक ऐसे त्रिभुज ABC, का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसके शीर्षों के निर्देशांक A(2, 0), B (4, 5) एवं C (6, 3) हैं।

14. समाकलन विधि का उपयोग करते हुए, रेखाओं $2x + y = 4$, $3x - 2y = 6$ एवं $x - 3y + 5 = 0$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

15. क्षेत्र $\{(x, y) : y^2 \le 4x, 4x^2 + 4y^2 \le 9\}$ का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

16 से 20 तक प्रश्नों में सही उत्तर का चयन कीजिए:

16. वक्र $y = x^3$, x-अक्ष एवं कोटियों $x = -2, x = 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

(A) -9 (B) $\dfrac{-15}{4}$ (C) $\dfrac{15}{4}$ (D) $\dfrac{17}{4}$

17. वक्र $y = x|x|$, x-अक्ष एवं कोटियों $x = -1$ तथा $x = 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

(A) 0 (B) $\dfrac{1}{3}$ (C) $\dfrac{2}{3}$ (D) $\dfrac{4}{3}$

[**संकेत** : $y = x^2$ यदि $x > 0$ एवं $y = -x^2$ यदि $x < 0$]

18. क्षेत्र $y^2 \ge 6x$ और वृत्त $x^2 + y^2 = 16$ में सम्मिलित क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

(A) $\dfrac{4}{3}(4\pi - \sqrt{3})$ (B) $\dfrac{4}{3}(4\pi + \sqrt{3})$ (C) $\dfrac{4}{3}(8\pi - \sqrt{3})$ (D) $\dfrac{4}{3}(8\pi + \sqrt{3})$

19. y-अक्ष, $y = \cos x$ एवं $y = \sin x$, $0 \le x \le \dfrac{\pi}{2}$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

(A) $2(\sqrt{2} - 1)$ (B) $\sqrt{2} - 1$ (C) $\sqrt{2} + 1$ (D) $\sqrt{2}$

सारांश

- वक्र $y = f(x)$, x-अक्ष एवं रेखाओं $x = a$ तथा $x = b$ $(b > a)$ से घिरे क्षेत्र के क्षेत्रफल का सूत्र : क्षेत्रफल $= \int_a^b y\,dx = \int_a^b f(x)dx$ है।
- वक्र $x = \phi(y)$, y-अक्ष एवं रेखाओं $y = c, y = d$ से घिरे क्षेत्र के क्षेत्रफल का सूत्र : क्षेत्रफल $= \int_c^d x\,dy = \int_c^d \phi(y)dy$ है।
- दो वक्रों $y = f(x)$, $y = g(x)$ एवं रेखाएँ $x = a, x = b$ के मध्य घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल निम्नलिखित सूत्र द्वारा देय है ?

  क्षेत्रफल $= \int_a^b [f(x) - g(x)]\,dx$, जहाँ $[a, b]$ में $f(x) \ge g(x)$
- यदि $[a, c]$ में $f(x) \ge g(x)$ एवं $[c, b]$ में $f(x) \le g(x)$, $a < c < b$, तो हम क्षेत्रफल को निम्नलिखित प्रकार से लिखते हैं :

  क्षेत्रफल $= \int_a^c [f(x) - g(x)]\,dx + \int_c^b [g(x) - f(x)]\,dx$

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

समाकलन गणित का प्रारंभ गणित के प्रारंभिक विकास काल से ही हुआ है। यह प्राचीन यूनानी गणितज्ञों द्वारा विकसित नि:शेषता विधि पर आधारित है। इस विधि का प्रारंभ समतलीय आकृतियों के क्षेत्रफल और ठोस वस्तुओं के आयतन की गणना से हुआ। इस तरह से नि:शेषता विधि, समाकलन विधि की प्रारंभिक स्थिति के रूप में समझी जा सकती है। नि:शेषता विधि का सर्वोत्कृष्ट विकास प्रारंभिक काल में यूडोक्स (Eudoxus (440 ई. पू.) और आर्किमिडीज (Archimedes (300 ई. पू.) के कार्यों से प्राप्त हुआ है।

कलन के सिद्धांत का क्रमबद्ध विकास ईसा के पश्चात् 17वीं शताब्दी में हुआ। सन् 1665 में न्यूटन ने कलन पर अपना कार्य प्रवाहन सिद्धांत (Theory of fluxion) के रूप में प्रारंभ किया। उन्होंने इस सिद्धांत का प्रयोग वक्र के किसी बिंदु पर स्पर्शी और वक्रता-त्रिज्या ज्ञात करने में किया। न्यूटन ने व्युत्क्रम फलन की धारणा से परिचय कराया और इसको प्रतिअवकलज (अनिश्चित समाकलन) या स्पर्शियों की व्युत्क्रम विधि (Inverse Method of tangents) का नामकरण किया।

1684–86, के बीच में लैवनिज़ (Leibnitz) ने एक प्रपत्र एकटा इरोडिटोरियम (Acta Eruditorum) में प्रकाशित किया और इसे कैलक्यूलस सम्मैटोरियस (Calculous Summatorius) नाम दिया, क्योंकि यह अनंत छोटे क्षेत्रफलों के योगफल से संबंधित था, वहीं पर उन्होंने इसे योगफल के प्रतीक '$\int$' द्वारा व्यक्त किया। सन् 1696 ई. में उन्होंने जे. बरनौली (J.Bernoulli) के सुझाव को मानकर अपने प्रपत्र को कैलक्यूलस इंटेग्राली (Calculus Integrali) नाम में परिवर्तित कर दिया। यह न्यूटन द्वारा स्पर्शियों की व्युत्क्रम विधि के संगत था।

न्यूटन और लैवनिज़ दोनों ने पूर्णत: स्वतंत्र मार्ग अपनाया जो मूलत: भिन्न थे। तथापि उन दोनों के सिद्धांतों के संगत प्रतिफल तत्सम पाए गए। लैवनिज़ ने निश्चित समाकलन की धारणा का प्रयोग किया।
यह निश्चित है कि उन्होंने ही सर्वप्रथम प्रतिअवकलज और निश्चित समाकलन के बीच के संबंध को स्पष्टतया सराहा।

निष्कर्ष यह है कि समाकलन गणित के आधारभूत धारणाओं, सिद्धांतों तथा अवकलन गणित से इसके प्रारंभिक संबंधों का विकास पी.डी. फर्मा, न्यूटन, और लैवनिज़ के कार्यों द्वारा 17वीं शताब्दी के अंत में हुआ। तथापि इसका औचित्य, सीमा की संकल्पना के आधार पर 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में ए.एल.कोशी (A.L.Cauchy) के द्वारा किया गया। अंत में ली सोफी (Lie Sophie) का निम्नलिखित उद्धरण वर्णनीय है। "It may be said that the conceptions of differential quotient and integral which in their origin certainly go back to Archimedes were introduced in Science by the investigations of Kepler, Descartes, Cavalieri, Fermat and Wallis... The discovery that differentiation and integration are inverse operations belongs to Newton and Leibnitz".

अध्याय 9

अवकल समीकरण
Differential Equations

❖ *He who seeks for methods without having a definite problem in mind seeks for the most part in vain – D. HILBERT* ❖

9.1 भूमिका (Introduction)

कक्षा XI एवं इस पुस्तक के अध्याय 5 में हमने चर्चा की थी, कि एक स्वतंत्र चर के सापेक्ष किसी फलन f का अवकलज कैसे ज्ञात किया जाता है अर्थात् किसी फलन f की परिभाषित प्रांत के प्रत्येक x के लिए, $f'(x)$ कैसे ज्ञात किया जाता है। इसके अतिरिक्त समाकल गणित के अध्याय में हमने चर्चा की थी, कि यदि किसी फलन f का अवकलज फलन g है तो फलन f कैसे ज्ञात किया जाए। इसको निम्न रूप में सूत्रबद्ध किया जा सकता है:

Henri Poincare
(1854-1912)

किसी दिए हुए फलन g के लिए फलन f ज्ञात कीजिए ताकि

$$\frac{dy}{dx} = g(x) \text{ जहाँ } y = f(x) \qquad \dots (1)$$

समीकरण (1) के रूप वाले समीकरण को अवकल समीकरण कहते हैं। इसकी औपचारिक परिभाषा बाद में दी जाएगी।

अवकल समीकरणों का उपयोग मुख्य रूप से भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, मानव विज्ञान, भूविज्ञान, अर्थशास्त्र आदि विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। अत: सभी अत्याधुनिक वैज्ञानिक अन्वेषणों के लिए अवकल समीकरणों के गहन अध्ययन की अत्यंत आवश्यकता है। इस अध्याय में, हम अवकल समीकरण की कुछ आधारभूत संकल्पनाओं, अवकल समीकरण के व्यापक एवं विशिष्ट हल, अवकल समीकरण का निर्माण, प्रथम कोटि एवं प्रथम घात के अवकल समीकरण को हल करने की कुछ विधियाँ और विभिन्न क्षेत्रों में अवकल समीकरणों के कुछ उपयोगों के बारे में अध्ययन करेंगे।

9.2 आधारभूत संकल्पनाएँ (Basic Concepts)

हम पहले से ही निम्नलिखित प्रकार के समीकरणों से परिचित हैं

$$x^2 - 3x + 3 = 0 \qquad \dots (1)$$

$$\sin x + \cos x = 0 \qquad \dots (2)$$

$$x + y = 7 \qquad \dots (3)$$

आइए निम्नलिखित समीकरण पर विचार करें

$$x\frac{dy}{dx} \quad y = 0 \qquad \dots (4)$$

हम पाते हैं कि समीकरणों (1), (2) एवं (3) में केवल स्वतंत्र और/अथवा आश्रित चर (एक या अधिक) शामिल हैं जब कि समीकरण (4) में चर के साथ-साथ स्वतंत्र चर (x) के सापेक्ष आश्रित चर (y) का अवकलज भी शामिल है। इस प्रकार का समीकरण अवकल समीकरण कहलाता है।

सामान्यत: एक ऐसा समीकरण, जिसमें स्वतंत्र चर (चरों) के सापेक्ष आश्रित चर के अवकलज सम्मिलित हों, अवकल समीकरण कहलाता है।

एक ऐसा अवकल समीकरण, जिसमें केवल एक स्वतंत्र चर के सापेक्ष, आश्रित चर के अवकलज सम्मिलित हों, सामान्य अवकल समीकरण कहलाता है। उदाहरणतया

$$2\frac{d^2y}{dx^2} \quad \frac{dy}{dx}^{3} = 0 \qquad \dots (5)$$

एक सामान्य अवकल समीकरण है।

नि:सन्देह ऐसे भी अवकल समीकरण होते हैं जिनमें एक से अधिक स्वतंत्र चरों के सापेक्ष अवकलज शामिल होते हैं, इस प्रकार के अवकल समीकरण आंशिक अवकल समीकरण कहलाते हैं। लेकिन इस स्तर पर हम अपने आप को केवल सामान्य अवकल समीकरणों के अध्ययन तक सीमित रखेंगे। इससे आगे हम सामान्य अवकल समीकरण के लिए अवकल समीकरण शब्द का ही उपयोग करेंगे।

टिप्पणी

1. हम अवकलजों के लिए निम्नलिखित संकेतों के उपयोग को वरीयता देंगे

$$\frac{dy}{dx} = y', \frac{d^2y}{dx^2} = y'', \frac{d^3y}{dx^3} = y'''$$

2. उच्च कोटि वाले अवकलजों के लिए, इतने अधिक डैशों (dashes) को उच्च प्रत्यय के रूप में प्रयुक्त करना असुविधाजनक होगा इसलिए nवें कोटि वाले अवकलज $\frac{d^ny}{dx^n}$ के लिए हम संकेत y_n का उपयोग करेंगे।

9.2.1 *अवकल समीकरण की कोटि (Order of a differential equation)*

किसी अवकल समीकरण की कोटि उस अवकल समीकरण में सम्मिलित स्वतंत्र चर के सापेक्ष आश्रित चर के उच्चतम कोटि के अवकलज की कोटि द्वारा परिभाषित होती है।

निम्नलिखित अवकल समीकरणों पर विचार कीजिए:

$$\frac{dy}{dx} = e^x \qquad \text{... (6)}$$

$$\frac{d^2y}{dx^2} + y = 0 \qquad \text{... (7)}$$

$$\frac{d^3y}{dx^3} \quad x^2 \quad {\frac{d^2y}{dx^2}}^{3} \quad 0 \qquad \text{...(8)}$$

समीकरण (6), (7) एवं (8) में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय कोटि के उच्चतम अवकलज उपस्थित हैं इसलिए इन समीकरणों की कोटि क्रमशः 1, 2 एवं 3 है।

9.2.2 *अवकल समीकरण की घात (Degree of a differential equation)*

किसी अवकल समीकरण की घात का अध्ययन करने के लिए मुख्य बिंदु यह है कि वह अवकल समीकरण, अवकलजों y', y'', y''' इत्यादि में बहुपद समीकरण होना चाहिए। निम्नलिखित समीकरणों पर विचार कीजिए:

$$\frac{d^3y}{dx^3} \quad 2 \quad {\frac{d^2y}{dx^2}}^{2} \quad \frac{dy}{dx} \quad y \quad 0 \qquad \text{... (9)}$$

$$ {\frac{dy}{dx}}^{2} \quad \frac{dy}{dx} \quad \sin^2 y \quad 0 \qquad \text{... (10)}$$

$$\frac{dy}{dx} \quad \sin \quad \frac{dy}{dx} \quad 0 \qquad \text{... (11)}$$

हम प्रेक्षित करते हैं कि समीकरण (9) y''', y'' एवं y' में बहुपद समीकरण है। समीकरण (10) y' में बहुपद समीकरण है (यद्यपि यह y में बहुपद नहीं है) इस प्रकार के अवकल समीकरणों की घात को परिभाषित किया जा सकता है। परंतु समीकरण (11) y' में बहुपद समीकरण नहीं है और इस प्रकार के अवकल समीकरण की घात को परिभाषित नहीं किया जा सकता है।

यदि एक अवकल समीकरण अवकलजों का बहुपद समीकरण है तो उस अवकल समीकरण की घात से हमारा तात्पर्य है उस अवकल समीकरण में उपस्थित उच्चतम कोटि के अवकलज की उच्चतम घात (धनात्मक पूर्णांक)

उपरोक्त परिभाषा के संदर्भ में हम प्रेक्षित कर सकते हैं कि समीकरणों (6), (7), (8) एवं (9) में से प्रत्येक की घात 1 है, समीकरण (10) की घात 2 है जब कि अवकल समीकरण (11) की घात परिभाषित नहीं है।

टिप्पणी किसी अवकल समीकरण की कोटि एवं घात (यदि परिभाषित हो) हमेशा धनात्मक पूर्णांक होते हैं।

उदाहरण 1 निम्नलिखित अवकल समीकरणों में से प्रत्येक की कोटि एवं घात (यदि परिभाषित हो) ज्ञात कीजिए:

(i) $\frac{dy}{dx} - \cos x = 0$ (ii) $xy\frac{d^2y}{dx^2} + x\left(\frac{dy}{dx}\right)^2 - y\frac{dy}{dx} = 0$

(iii) $y''' + y^2 + e^{y'} = 0$

हल

(i) इस अवकल समीकरण में उपस्थित उच्चतम कोटि अवकलज $\frac{dy}{dx}$ है। इसलिए इसकी कोटि 1 है। यह y' में बहुपद समीकरण है एवं $\frac{dy}{dx}$ की अधिकतम घातांक 1 है, इसलिए इस अवकल समीकरण की घात 1 है।

(ii) इस अवकल समीकरण में उपस्थित उच्चतम कोटि अवकलज $\frac{d^2y}{dx^2}$ है । इसलिए इसकी कोटि 2 है। यह अवकल समीकरण $\frac{d^2y}{dx^2}$ एवं $\frac{dy}{dx}$ में बहुपद समीकरण है और $\frac{d^2y}{dx^2}$ की अधिकतम घातांक 1 है, इसलिए इस अवकल समीकरण की घात 1 है।

(iii) इस अवकल समीकरण में उपस्थित उच्चतम कोटि अवकलज y''' है। इसलिए इसकी कोटि 3 है। इस समीकरण का बायाँ पक्ष अवकलजों में बहुपद नहीं है इसलिए इसकी घात परिभाषित नहीं है।

प्रश्नावली 9.1

1 से 10 तक के प्रश्नों में प्रत्येक अवकल समीकरण की कोटि एवं घात (यदि परिभाषित हो) ज्ञात कीजिए।

1. $\frac{d^4y}{dx^4} + \sin(y''') = 0$ **2.** $y' + 5y = 0$ **3.** $\left(\frac{ds}{dt}\right)^4 + 3s\frac{d^2s}{dt^2} = 0$

4. $\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right)^2 + \cos\left(\frac{dy}{dx}\right) = 0$

5. $\frac{d^2y}{dx^2} = \cos 3x + \sin 3x$

6. $(y''')^2 + (y'')^3 + (y')^4 + y^5 = 0$

7. $y''' + 2y'' + y' = 0$

8. $y' + y = e^x$

9. $y'' + (y')^2 + 2y = 0$

10. $y'' + 2y' + \sin y = 0$

11. अवकल समीकरण

$\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right)^3 + \left(\frac{dy}{dx}\right)^2 + \sin\left(\frac{dy}{dx}\right) + 1 = 0$ की घात है:

(A) 3 (B) 2 (C) 1 (D) परिभाषित नहीं है

12. अवकल समीकरण $2x^2\frac{d^2y}{dx^2} - 3\frac{dy}{dx} + y = 0$ की कोटि है:

(A) 2 (B) 1 (C) 0 (D) परिभाषित नहीं है

9.3. अवकल समीकरण का व्यापक एवं विशिष्ट हल (General and Particular Solutions of a Differential Equation)

पिछली कक्षाओं में हमने निम्नलिखित प्रकार के समीकरणों को हल किया है:

$$x^2 + 1 = 0 \qquad \text{... (1)}$$

$$\sin^2 x - \cos x = 0 \qquad \text{... (2)}$$

समीकरणों (1) तथा (2) का हल एक ऐसी वास्तविक अथवा सम्मिश्र संख्या है जो दिए हुए समीकरण को संतुष्ट करती है अर्थात् जब इस संख्या को समीकरण में अज्ञात x के स्थान पर प्रतिस्थापित कर दिया जाता है तो दायाँ पक्ष और बायाँ पक्ष आपस में बराबर हो जाते हैं।

अब अवकल समीकरण $$\frac{d^2y}{dx^2} \quad y = 0 \qquad \text{... (3)}$$

पर विचार करते हैं।

प्रथम दो समीकरणों के विपरीत इस अवकल समीकरण का हल एक ऐसा फलन ϕ है जो इस समीकरण को संतुष्ट करेगा अर्थात् जब इस फलन ϕ को अवकल समीकरण में अज्ञात y (आश्रित चर) के स्थान पर प्रतिस्थापित कर दिया जाता है तो बायाँ पक्ष और दायाँ पक्ष बराबर हो जाते हैं।

वक्र $y = \phi(x)$ अवकल समीकरण का हल वक्र (समाकलन वक्र) कहलाता है। निम्नलिखित फलन पर विचार कीजिए

$$y = \phi(x) = a \sin(x + b) \qquad \text{... (4)}$$

जहाँ $a, b \in \mathbf{R}$. यदि इस फलन और इसके अवकलजों को समीकरण (3) में प्रतिस्थापित कर दिया जाए तो बायाँ पक्ष और दायाँ पक्ष बराबर हो जाते हैं। इसलिए यह फलन अवकल समीकरण (3) का हल है।

मान लीजिए कि a और b को कुछ विशिष्ट मान $a = 2$ एवं $b = \frac{\pi}{4}$ दे दिए जाते हैं तो हमें निम्नलिखित फलन प्राप्त होता है:

$$y = \phi_1(x) = 2\sin\left(x + \frac{\pi}{4}\right) \qquad \text{... (5)}$$

यदि इस फलन और इसके अवकलजों को समीकरण (3) में प्रतिस्थापित कर दिया जाए तो पुनः बायाँ पक्ष और दायाँ पक्ष बराबर हो जाते हैं। इसलिए ϕ_1 भी समीकरण (3) का एक हल है।

फलन ϕ में दो स्वेच्छ अचर (प्राचल) a, b सम्मिलित हैं तथा यह फलन दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल कहलाता है। जबकि फलन ϕ_1 में कोई भी स्वेच्छ अचर सम्मिलित नहीं है लेकिन प्राचलों a तथा b के विशिष्ट मान उपस्थित हैं और इसलिए इसको अवकल समीकरण का विशिष्ट हल कहा जाता है।

ऐसा हल, जिसमें स्वेच्छ अचर उपस्थित हो अवकल समीकरण का व्यापक हल कहलाता है।

ऐसा हल, जो स्वेच्छ अचरों से मुक्त है अर्थात् व्यापक हल में स्वेच्छ अचरों को विशिष्ट मान देने पर प्राप्त हल, अवकल समीकरण का विशिष्ट हल कहलाता है।

उदाहरण 2 सत्यापित कीजिए कि फलन $y = e^{-3x}$, अवकल समीकरण $\frac{d^2y}{dx^2} + \frac{dy}{dx} - 6y = 0$ का एक हल है।

हल दिया हुआ फलन $y = e^{-3x}$ है। इसके दोनों पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते है:

$$\frac{dy}{dx} = 3e^{-3x} \qquad \text{... (1)}$$

अब समीकरण (1) का x के सापेक्ष पुनः अवकलन करने पर हम देखते हैं कि

$$\frac{d^2y}{dx^2} = 9e^{-3x}$$

$\frac{d^2y}{dx^2}, \frac{dy}{dx}$ और y का मान, दिए गए अवकल समीकरण में प्रतिस्थापित करने पर पर हम पाते हैं कि

बायाँ पक्ष $= 9e^{-3x} + (-3e^{-3x}) - 6.e^{-3x} = 9\ e^{-3x} - 9\ e^{-3x} = 0 =$ दायाँ पक्ष

इसलिए दिया हुआ फलन दिए हुए अवकल समीकरण का एक हल है।

उदाहरण 3 सत्यापित कीजिए कि फलन $y = a \cos x + b \sin x$, जिसमें $a, b \in \mathbf{R}$, अवकल समीकरण $\frac{d^2y}{dx^2} + y = 0$ का हल है।

हल दिया हुआ फलन है

$$y = a \cos x + b \sin x \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का x, के सापेक्ष उत्तरोत्तर अवकलन करने पर हम देखते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = -a \sin x + b \cos x$$

$$\frac{d^2y}{dx^2} = -a \cos x - b \sin x$$

$\frac{d^2y}{dx^2}$ एवं y का मान दिए हुए अवकल समीकरण में प्रतिस्थापित करने पर प्राप्त करते हैं:

बायाँ पक्ष $= (-a \cos x - b \sin x) + (a \cos x + b \sin x) = 0 =$ दायाँ पक्ष

इसलिए दिया हुआ फलन, दिए हुए अवकल समीकरण का हल है।

प्रश्नावली 9.2

1 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न में सत्यापित कीजिए कि दिया हुआ फलन (स्पष्ट अथवा अस्पष्ट) संगत अवकल समीकरण का हल है:

1. $y = e^x + 1$: $y'' - y' = 0$
2. $y = x^2 + 2x + C$: $y' - 2x - 2 = 0$
3. $y = \cos x + C$: $y' + \sin x = 0$
4. $y = \sqrt{1+x^2}$: $y' = \frac{xy}{1+x^2}$
5. $y = Ax$: $xy' = y \; (x \neq 0)$
6. $y = x \sin x$: $xy' = y + x\sqrt{x^2 - y^2} \; (x \neq 0$ और $x > y$ अथवा $x < -y)$
7. $xy = \log y + C$: $y' = \frac{y^2}{1-xy} \; (xy \neq 1)$
8. $y - \cos y = x$: $(y \sin y + \cos y + x)\, y' = y$

9. $x + y = \tan^{-1}y$: $y^2 y' + y^2 + 1 = 0$

10. $y = \sqrt{a^2 - x^2}\; x \in (-a, a) : x + y \dfrac{dy}{dx} = 0 \; (y \neq 0)$

11. चार कोटि वाले किसी अवकल समीकरण के व्यापक हल में उपस्थित स्वेच्छ अचरों की संख्या है:

(A) 0 (B) 2 (C) 3 (D) 4

12. तीन कोटि वाले किसी अवकल समीकरण के विशिष्ट हल में उपस्थित स्वेच्छ अचरों की संख्या है:

(A) 3 (B) 2 (C) 1 (D) 0

9.4. दिए हुए व्यापक हल वाले अवकल समीकरण का निर्माण (Formation of a Differential Equation whose Solution is Given)

हम जानते हैं कि समीकरण

$$x^2 + y^2 + 2x - 4y + 4 = 0 \quad \dots (1)$$

एक ऐसे वृत को निरूपित करता है जिसका केंद्र (–1, 2) है और त्रिज्या 1 इकाई है।

समीकरण (1) का x, के सापेक्ष अवकलन करने पर प्राप्त करते हैं

$$\frac{dy}{dx} \quad \frac{x \quad 1}{2 \quad y}, (y \neq 2) \quad \dots (2)$$

यह एक अवकल समीकरण है। आप बाद में देखेंगे कि (अनुभाग 9.5.1 का उदाहरण 9 देखिए) कि यह समीकरण वृत्तों के एक कुल को निरूपित करता है और उस कुल का एक सदस्य समीकरण (1) में दिया हुआ वृत है। आइए निम्नलिखित समीकरण पर विचार करें:

$$x^2 + y^2 = r^2 \quad \dots (3)$$

r, को विभिन्न मान देने पर हमें कुल के भिन्न सदस्य प्राप्त होते हैं उदाहरणत: $x^2 + y^2 = 1$, $x^2 + y^2 = 4$, $x^2 + y^2 = 9$ इत्यादि (आकृति 9.1 देखिए)। इस प्रकार समीकरण (3) एक ऐसे संकेंद्री वृत्तों के कुल को निरूपित करता है जिनका केंद्र मूल बिंदु है और जिनकी त्रिज्याएँ भिन्न हैं।

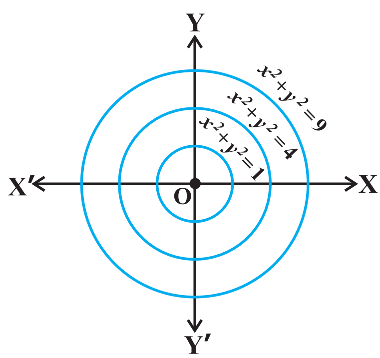

आकृति 9.1

हमारी रुचि इस कुल के प्रत्येक सदस्य द्वारा संतुष्ट किए जाने वाला अवकल समीकरण ज्ञात करने में हैं। यह समीकरण r से मुक्त होना चाहिए क्योंकि कुल के विभिन्न सदस्यों के लिए r का मान भिन्न है। समीकरण (3) का x के सापेक्ष

अवकलन करने पर यह समीकरण प्राप्त किया जाता है। अर्थात्

$$2x + 2y\frac{dy}{dx} \quad 0 \quad \text{अथवा} \quad x + y\frac{dy}{dx} \quad 0 \qquad \dots (4)$$

यह अवकल समीकरण, समीकरण (3) द्वारा निरूपित सकेंद्री वृत्तों के कुल को निरूपित करता है।

आइए फिर से निम्नलिखित समीकरण पर विचार करें:

$$y = mx + c \qquad \dots (5)$$

प्राचलों m तथा c, के विभिन्न मानों से हमें कुल के विभिन्न सदस्य प्राप्त होते हैं उदाहरणतया

$$y = x \qquad (m = 1, \ c = 0)$$

$$y = \sqrt{3}\,x \qquad (m = \sqrt{3}, \ c = 0)$$

$$y = x + 1 \qquad (m = 1, \ c = 1)$$

$$y = -x \qquad (m = -1, \ c = 0)$$

$$y = -x - 1 \qquad (m = -1, \ c = -1)$$

इत्यादि (आकृति 9.2 देखिए)।

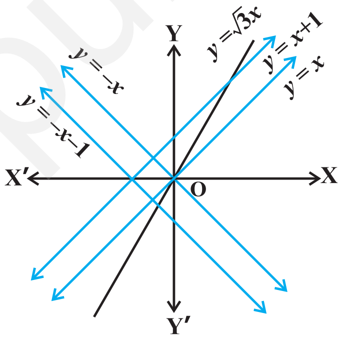

आकृति 9.2

इस प्रकार समीकरण (5) सरल रेखाओं के कुल को निरूपित करता है जिसमें m, c प्राचल है।

अब हमारी रुचि इस कुल के प्रत्येक सदस्य द्वारा संतुष्ट किए जाने वाला अवकल समीकरण ज्ञात करने में है। इसके अतिरिक्त वह समीकरण m तथा c से मुक्त होना चाहिए क्योंकि कुल के विभिन्न सदस्यों के लिए m तथा c का मान भिन्न है। यह अवकल समीकरण, समीकरण (5) का x के सापेक्ष क्रमानुसार दो बार अवकलन करने पर प्राप्त होता है अर्थात्

$$\frac{dy}{dx} = m \ \text{तथा} \ \frac{d^2y}{dx^2} = 0 \qquad \dots (6)$$

समीकरण (6), समीकरण (5) द्वारा दिए हुए सरल रेखाओं के कुल को निरूपित करता है।

टिप्पणी समीकरण (3) तथा (5) क्रमशः समीकरण (4) एवं (6) के व्यापक हल हैं।

9.4.1 *दिए हुए वक्रों के कुल को निरूपित करने वाले अवकल समीकरण के निर्माण की प्रक्रिया (Procedure to form a Differential Equation that will represent a given Family of curves)*

(a) यदि दिए हुए वक्रों का कुल F_1 केवल एक प्राचल पर निर्भर करता है तो इसे निम्नलिखित रूप वाले समीकरण द्वारा निरूपित किया जाता है:

$$F_1(x, y, a) = 0 \qquad \dots (1)$$

उदाहरणतः, परवलयों $y^2 = ax$ का कुल $f(x, y, a) : y^2 = ax$ के रूप वाले समीकरण द्वारा निरूपित किया जा सकता है।

समीकरण (1) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हमें $y', y, x,$ एवं a को सम्मिलित करने वाला एक समीकरण निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$$g\,(x, y, y', a) = 0 \qquad \text{... (2)}$$

समीकरण (1) तथा (2) से a को विलुप्त करने पर हमें आवश्यक अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$$\mathrm{F}\,(x, y, y') = 0 \qquad \text{... (3)}$$

(b) यदि दिए हुए वक्रों का कुल F_2 प्राचलों a, तथा b पर निर्भर करता है तो इसे निम्नलिखित रूप वाले समीकरण द्वारा निरूपित किया जाता है:

$$\mathrm{F}_2\,(x, y, a, b) = 0 \qquad \text{... (4)}$$

समीकरण (4) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हमें $y', x, y,\ a, b$ को सम्मिलित करने वाला एक समीकरण निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$$g\,(x, y, y', a, b) = 0 \qquad \text{... (5)}$$

परंतु दो समीकरणों की सहायता से दो प्राचलों को विलुप्त करना सम्भव नहीं है इसलिए हमें एक तीसरे समीकरण की आवश्यकता है। यह समीकरण, समीकरण (5) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर निम्नलिखित रूप में प्राप्त किया जाता है:

$$h\,(x, y, y', y'', a, b) = 0 \qquad \text{... (6)}$$

समीकरण (4), (5) एवं (6) से a तथा b को विलुप्त करने पर हमें आवश्यक अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$$\mathrm{F}\,(x, y, y', y'') = 0 \qquad \text{... (7)}$$

टिप्पणी किसी वक्र कुल को निरूपित करने वाले अवकल समीकरण की कोटि उतनी ही होती है जितने उस वक्र कुल के संगत समीकरण में स्वेच्छ अचर होते हैं।

उदाहरण 4 वक्रों के कुल $y = mx$ को निरूपित करने वाले अवकल समीकरण को ज्ञात कीजिए जबकि m एक स्वेच्छ अचर है।

हल दिया हुआ है कि

$$y = mx \qquad \text{... (1)}$$

समीकरण (1) के दोनो पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं।

$$\frac{dy}{dx} = m$$

m का मान समीकरण (1) में प्रतिस्थापित करने पर हमें $y \quad \frac{dy}{dx}\, x$ अथवा $x\frac{dy}{dx} - y = 0$ प्राप्त होता है। यह प्राचल m से मुक्त है और इसलिए यह अभीष्ट अवकल समीकरण है।

उदाहरण 5 वक्रों के कुल $y = a \sin(x + b)$, जिसमें a, b स्वेच्छ अचर हैं, को निरूपित करने वाले अवकल समीकरण को ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ है कि $y = a \sin(x + b)$ ... (1)

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का x के सापेक्ष उत्तरोत्तर अवकलन करने पर हम प्राप्त करते है:

$$\frac{dy}{dx} = a\cos(x+b) \quad \text{... (2)}$$

$$\frac{d^2y}{dx^2} = -a\sin(x+b) \quad \text{... (3)}$$

समीकरण (1), (2) तथा (3) से a तथा b को विलुप्त करने पर हम प्राप्त करते हैं।

$$\frac{d^2y}{dx^2} + y = 0 \quad \text{... (4)}$$

समीकरण (4) स्वेच्छ अचरों a तथा b से मुक्त है और इसलिए यह अभीष्ट अवकल समीकरण है।

उदाहरण 6 ऐसे दीर्घवृत्तों के कुल को निरूपित करने वाला अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जिनकी नाभियाँ x-अक्ष पर हैं तथा जिनका केंद्र मूल बिंदु है।

हल हम जानते हैं कि कथित दीर्घवृत्तों के कुल का समीकरण निम्नलिखित प्रकार का होता है (आकृति 9.3 देखिए)

$$\frac{x^2}{a^2} + \frac{y^2}{b^2} = 1 \quad \text{... (1)}$$

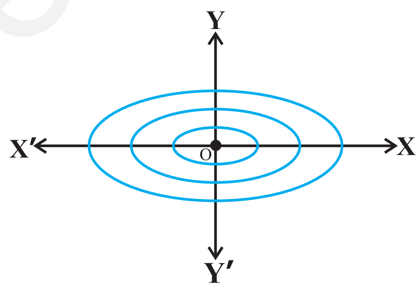

आकृति 9.3

समीकरण (1) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हमें

$\frac{2x}{a^2} + \frac{2y}{b^2}\frac{dy}{dx} = 0$ प्राप्त होता है।

अथवा $$\frac{y}{x}\left(\frac{dy}{dx}\right) = \frac{-b^2}{a^2} \quad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) के दोनों पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हमें प्राप्त होता है:

$$\left(\frac{y}{x}\right)\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right) + \left(\frac{x\frac{dy}{dx} - y}{x^2}\right)\frac{dy}{dx} = 0$$

अथवा $$xy\frac{d^2y}{dx^2} + x\left(\frac{dy}{dx}\right)^2 - y\frac{dy}{dx} = 0 \quad \text{... (3)}$$

समीकरण (3) अभीष्ट अवकल समीकरण है।

उदाहरण 7 x–अक्ष को मूल बिंदु पर स्पर्श करने वाले वृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए।

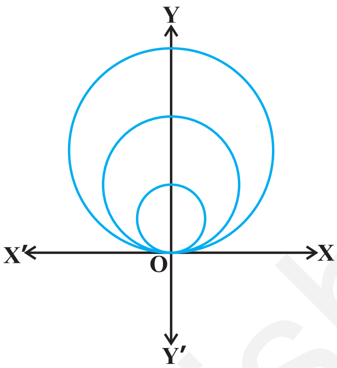

आकृति 9.4

हल मान लीजिए, x–अक्ष को मूल बिंदु पर स्पर्श करने वाले वृत्तों के कुल को C से निर्दिष्ट किया जाता है। $(0, a)$ उस कुल के किसी सदस्य के केंद्र बिंदु के निर्देशांक हैं (आकृति 9.4 देखिए)। इसलिए कुल C का समीकरण है:

$x^2 + (y - a)^2 = a^2$ अथवा $x^2 + y^2 = 2ay$ ... (1)

जिसमें a एक स्वेच्छ अचर है। समीकरण (1) के दोनों पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर प्राप्त करते हैं:

$$2x + 2y\frac{dy}{dx} = 2a\frac{dy}{dx}$$

अथवा
$$x + y\frac{dy}{dx} = a\frac{dy}{dx}$$

अथवा
$$a \quad \frac{x \quad y\frac{dy}{dx}}{\frac{dy}{dx}} \qquad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) से a का मान समीकरण (1) में रखने पर प्राप्त करते हैं:

$$x^2 \quad y^2 \quad 2y\frac{x \quad y\frac{dy}{dx}}{\frac{dy}{dx}}$$

अथवा
$$\frac{dy}{dx}(x^2 \quad y^2) \quad 2xy \quad 2y^2\frac{dy}{dx}$$

अथवा
$$\frac{dy}{dx} \quad \frac{2xy}{x^2 - y^2}$$

यह दिए हुए वृत्तों के कुल का अभीष्ट अवकल समीकरण है।

उदाहरण 8 ऐसे परवलयों के कुल को निरूपित करने वाला अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जिनका शीर्ष मूल बिंदु पर है तथा जिनका अक्ष धनात्मक x-अक्ष की दिशा में है।

हल मान लीजिए कि उपरोक्त चर्चित परवलयों के कुल को P से निर्दिष्ट किया जाता है और उस कुल के किसी सदस्य की नाभि $(a, 0)$ पर है जिसमें a एक धनात्मक स्वेच्छ अचर है

(आकृति 9.5 देखिए)। इसलिए कुल P का समीकरण है:

$$y^2 = 4ax \qquad \text{... (1)}$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम पाते हैं:

$$2y\frac{dy}{dx} = 4a \qquad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) से $4a$ का मान समीकरण (1) में रखने पर हम पाते हैं:

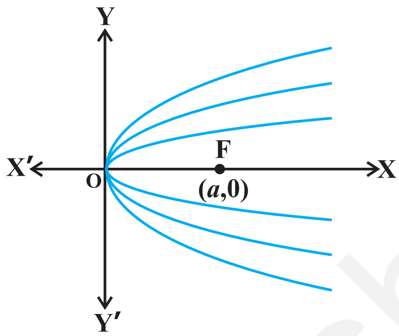

आकृति 9.5

$$y^2 \qquad 2y\frac{dy}{dx} \quad (x)$$

अथवा $$y^2 - 2xy\frac{dy}{dx} = 0 \qquad \text{... (3)}$$

समीकरण (3) दिए हुए परवलयों के कुल का अवकल समीकरण है।

प्रश्नावली 9.3

1 से 5 तक प्रत्येक प्रश्न में, स्वेच्छ अचरों a तथा b को विलुप्त करते हुए दिए हुए वक्रों के कुल को निरूपित करने वाला अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए।

1. $\frac{x}{a} + \frac{y}{b} = 1$ **2.** $y^2 = a(b^2 - x^2)$ **3.** $y = a\,e^{3x} + b\,e^{-2x}$

4. $y = e^{2x}(a + bx)$ **5.** $y = e^x(a\cos x + b\sin x)$

6. y-अक्ष को मूल बिंदु पर स्पर्श करने वाले वृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए।

7. ऐसे परवलयों के कुल का अवकल समीकरण निर्मित कीजिए जिनका शीर्ष मूल बिंदु पर है और जिनका अक्ष धनात्मक y-अक्ष की दिशा में है।

8. ऐसे दीर्घवृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जिनकी नाभियाँ y-अक्ष पर हैं तथा जिनका केंद्र मूल बिंदु है।

9. ऐसे अतिपरवलयों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जिनकी नाभियाँ x-अक्ष पर हैं तथा जिनका केंद्र मूल बिंदु है।

10. ऐसे वृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जिनका केंद्र y-अक्ष पर है और जिनकी त्रिज्या 3 इकाई है।

11. निम्नलिखित अवकल समीकरणों में से किस समीकरण का व्यापक हल $y = c_1 e^x + c_2 e^{-x}$ है?

(A) $\frac{d^2y}{dx^2} + y = 0$ (B) $\frac{d^2y}{dx^2} - y = 0$ (C) $\frac{d^2y}{dx^2} + 1 = 0$ (D) $\frac{d^2y}{dx^2} - 1 = 0$

12. निम्नलिखित समीकरणों में से किस समीकरण का एक विशिष्ट हल $y = x$ है?

(A) $\dfrac{d^2y}{dx^2} - x^2\dfrac{dy}{dx} + xy = x$ (B) $\dfrac{d^2y}{dx^2} + x\dfrac{dy}{dx} + xy = x$

(C) $\dfrac{d^2y}{dx^2} \quad x^2\dfrac{dy}{dx} \quad xy \quad 0$ (D) $\dfrac{d^2y}{dx^2} + x\dfrac{dy}{dx} + xy = 0$

9.5. प्रथम कोटि एवं प्रथम घात के अवकल समीकरणों को हल करने की विधियाँ (Methods of Solving First order, First Degree Differential Equations)

इस परिच्छेद में हम प्रथम कोटि एवं प्रथम घात के अवकल समीकरणों को हल करने की तीन विधियों की चर्चा करेंगे।

9.5.1 पृथक्करणीय चर वाले अवकल समीकरण (Differential equations with variables separable)

प्रथम कोटि एवं प्रथम घात का अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप का होता है:

$$\frac{dy}{dx} = \mathrm{F}\,(x, y) \qquad \ldots (1)$$

यदि $\mathrm{F}\,(x, y)$ को गुणनफल $\mathrm{g}\,(x), h(y)$ के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है जहाँ $g(x)$, x का फलन है और $h(y)$, y का एक फलन है तो समीकरण (1) पृथक्करणीय चर वाला समीकरण कहलाता है। ऐसा होने पर समीकरण (1) को निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dy}{dx} = h\,(y)\,.\,g\,(x) \qquad \ldots (2)$$

यदि $h\,(y) \neq 0$, तो चरों को पृथक् करते हुए समीकरण (2) को

$$\frac{1}{h(y)}\,dy = g\,(x)\,dx \qquad \ldots (3)$$

के रूप में लिखा जा सकता है। समीकरण (3) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{1}{h(y)}\,dy \qquad g(x)\,dx \qquad \ldots (4)$$

इस प्रकार समीकरण (4), दिए हुए अवकल समीकरण का हल निम्नलिखित रूप में प्रदान करता है:

$$\mathrm{H}\,(y) = \mathrm{G}\,(x) + \mathrm{C} \qquad \ldots (5)$$

यहाँ $\mathrm{H}\,(y)$ एवं $\mathrm{G}\,(x)$ क्रमशः $\dfrac{1}{h(y)}$ एवं $g\,(x)$ के प्रतिअवकलज हैं और C स्वेच्छ अचर है।

उदाहरण 9 अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx}=\frac{x+1}{2-y}, (y\neq 2)$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया गया है कि

$$\frac{dy}{dx} = \frac{x+1}{2-y}\quad (y \neq 2) \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) में चरों को पृथक् करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$(2 - y)\, dy = (x + 1)\, dx \qquad \ldots (2)$$

समीकरण (2) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\int (2-y)\,dy = \int (x+1)\,dx$$

अथवा $\quad 2y - \frac{y^2}{2} = \frac{x^2}{2} + x + C_1$

अथवा $\quad x^2 + y^2 + 2x - 4y + 2\,C_1 = 0$

अथवा $\quad x^2 + y^2 + 2x - 4y + C = 0 \qquad \ldots (3)$

जहाँ $\quad C = 2C_1$

समीकरण (3) अवकल समीकरण (1) का व्यापक हल है।

उदाहरण 10 अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx}=\frac{1+y^2}{1+x^2}$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

हल चूँकि $1+y^2\neq 0$, इसलिए चरों को पृथक् करते हुए दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dy}{1+y^2} = \frac{dx}{1+x^2} \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का समाकलन करते हुए हम पाते हैं:

$$\int \frac{dy}{1+y^2} = \int \frac{dx}{1+x^2}$$

अथवा $\quad \tan^{-1} y = \tan^{-1} x + C$

यह समीकरण (1) का व्यापक हल है।

उदाहरण 11 अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx}\quad 4xy^2$ का विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, यदि $y = 1$ जब $x = 0$ हो

हल यदि $y \neq 0$, दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dy}{y^2} = -\,4x\,dx \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम पाते हैं:

$$\int \frac{dy}{y^2} = -4\int x\,dx$$

अथवा $$-\frac{1}{y} = -2x^2 + C$$

अथवा $$y = \frac{1}{2x^2 - C} \qquad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) में $y = 1$ और $x = 0$ प्रतिस्थापित करने पर हमें $C = -1$ प्राप्त होता है।

C का मान समीकरण (2) में प्रतिस्थापित करने पर दिए हुए अवकल समीकरण का विशिष्ट हल $y = \dfrac{1}{2x^2+1}$ प्राप्त होता है।

उदाहरण 12 बिंदु (1, 1) से गुजरने वाले एक ऐसे वक्र का समीकरण कीजिए जिसका अवकल समीकरण $x\,{}^{*}dy = (2x^2 + 1)\,{}^{*}dx \ (x \neq 0)$ है।

हल दिए हुए अवकल समीकरण को निम्नलिखित रूप मे अभिव्यक्त किया जा सकता है:

$$dy = \left(\frac{2x^2+1}{x}\right)dx$$

अथवा $$dy = \left(2x + \frac{1}{x}\right)dx \qquad \text{... (1)}$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$dy \qquad 2x \quad \frac{1}{x} \quad dx$$

अथवा $$y = x^2 + \log|x| + C \qquad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) दिए हुए अवकल समीकरण के हल वक्रों के कुल को निरूपित करता है परंतु हम इस कुल के एक ऐसे विशिष्ट सदस्य का समीकरण ज्ञात करना चाहते हैं जो बिंदु (1, 1) से गुजरता हो।

---

* लैबनीज द्वारा प्रदत्त संकेत $\dfrac{dy}{dx}$ अत्यंत लचीला है, तथा बहुत सी गणना एवं औपचारिक रूपांतरणों में प्रयुक्त होता है, जहाँ हम dx और dy को साधारण संख्याओं की तरह व्यवहार में लाते हैं। dx और dy को पृथक्-पृथक् सत्ता मानकर हम बहुत सी गणनाओं की सुस्पषट व्याख्या कर सकते हैं। संदर्भ: Introduction to calculus and Analysis, volume-I page 172, By Richard Courant, Fritz John Spinger — Verlog New York.

इसलिए समीकरण (2) में $x = 1,\ y = 1$ प्रतिस्थापित करने पर हमें $C = 0$ प्राप्त होता है। C का मान समीकरण (2) में प्रतिस्थापित करने पर हमें अभीष्ट वक्र का समीकरण $y = x^2 + \log|x|$ के रूप में प्राप्त होता है।

उदाहरण 13 बिंदु $(-2, 3)$, से गुजरने वाले ऐसे वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए जिसके किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता $\frac{2x}{y^2}$ है।

हल हम जानते हैं कि किसी वक्र की स्पर्श रेखा की प्रवणता $\frac{dy}{dx}$ के बराबर होती है। इसलिए

$$\frac{dy}{dx} = \frac{2x}{y^2} \qquad \dots (1)$$

चरों को पृथक् करते हुए समीकरण (1) को निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$y^2\, dy = 2x\, dx \qquad \dots (2)$$

समीकरण (2) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\int y^2 dy = \int 2x\, dx$$

अथवा $$\frac{y^3}{3} \quad x^2 \quad C \qquad \dots (3)$$

समीकरण (3) में $x = -2, y = 3$ प्रतिस्थापित करने पर हमें $C = 5$ प्राप्त होता है।
C का मान समीकरण (3) में प्रतिस्थापित करने पर हमें अभीष्ट वक्र का समीकरण

$$\frac{y^3}{3} = x^2 + 5 \quad \text{अथवा} \quad y = (3x^2 + 15)^{\frac{1}{3}}$$

के रूप में प्राप्त होता है।

उदाहरण 14 किसी बैंक में मूलधन की वृद्धि 5% वार्षिक की दर से होती है। कितने वर्षों में Rs 1000 की राशि दुगुनी हो जाएगी?

हल मान लीजिए किसी समय t पर मूलधन P है। दी हुई समस्या के अनुसार

$$\frac{dP}{dt} \quad \frac{5}{100} \quad P$$

अथवा $$\frac{dP}{dt} \quad \frac{P}{20} \qquad \dots (1)$$

समीकरण (1) में चरों को पृथक् करने पर, हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dP}{P} \quad \frac{dt}{20} \qquad \dots (2)$$

समीकरण (2) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं :

$$\log P = \frac{t}{20} + C_1$$

अथवा $\qquad P \quad e^{\frac{t}{20}} \quad e^{C_1}$

अथवा $\qquad P = C\, e^{\frac{t}{20}} \qquad$ (जहाँ $e^{C_1} = C$) ... (3)

अब $\qquad P = 1000, \quad$ जब $\quad t = 0$

P और t का मान समीकरण (3) में रखने पर हम C = 1000 प्राप्त करते हैं।
इसलिए समीकरण (3) से हम प्राप्त करते हैं :

$$P = 1000\, e^{\frac{t}{20}}$$

मान लीजिए t वर्षों में मूलधन दुगुना हो जाता है, तब

$$2000 = 1000\, e^{\frac{t}{20}} \quad \Rightarrow t = 20 \log_e 2$$

प्रश्नावली 9.4

1 से 10 तक के प्रश्नों में, प्रत्येक अवकल समीकरण का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

1. $\dfrac{dy}{dx} = \dfrac{1-\cos x}{1+\cos x}$ $\qquad$ **2.** $\dfrac{dy}{dx} = \sqrt{4-y^2}\ (-2 < y < 2)$

3. $\dfrac{dy}{dx} + y = 1\,(y \neq 1)$ $\qquad$ **4.** $\sec^2 x \tan y\, dx + \sec^2 y \tan x\, dy = 0$

5. $(e^x + e^{-x})\, dy - (e^x - e^{-x})\, dx = 0$ $\qquad$ **6.** $\dfrac{dy}{dx} = (1+x^2)(1+y^2)$

7. $y \log y\, dx - x\, dy = 0$ $\qquad$ **8.** $x^5 \dfrac{dy}{dx} = -\, y^5$

9. $\dfrac{dy}{dx} = \sin^{-1} x$ $\qquad$ **10.** $e^x \tan y\, dx + (1 - e^x) \sec^2 y\, dy = 0$

11 से 14 तक के प्रश्नों में, प्रत्येक अवकल समीकरण के लिए दिए हुए प्रतिबंध को संतुष्ट करने वाला विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए।

11. $(x^3 + x^2 + x + 1)\dfrac{dy}{dx} = 2x^2 + x;\ y = 1$ यदि $x = 0$

12. $x(x^2-1)\frac{dy}{dx}=1$; $y = 0$ यदि $x = 2$

13. $\cos\left(\frac{dy}{dx}\right)=a$ $(a \in \text{R})$; $y = 1$ यदि $x = 0$

14. $\frac{dy}{dx}=y\tan x$; $y = 2$ यदि $x = 0$

15. बिंदु (0, 0) से गुजरने वाले एक ऐसे वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए जिसका अवकल समीकरण $y' = e^x \sin x$ है।

16. अवकल समीकरण $xy\frac{dy}{dx}$ $(x \quad 2)(y \quad 2)$ के लिए बिंदु (1, –1) से गुजरने वाला वक्र ज्ञात कीजिए।

17. बिंदु (0, –2) से गुजरने वाले एक ऐसे वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए जिसके किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता और उस बिंदु के y निर्देशांक का गुणनफल उस बिंदु के x निर्देशांक के बराबर है।

18. एक वक्र के किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता, स्पर्श बिंदु को, बिंदु (– 4, –3). से मिलाने वाले रेखाखंड की प्रवणता की दुगुनी है। यदि यह वक्र बिंदु (–2, 1) से गुज़रता हो तो इस वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए।

19. एक गोलाकार गुब्बारे का आयतन, जिसे हवा भरकर फुलाया जा रहा है, स्थिर गति से बदल रहा है यदि आरंभ में इस गुब्बारे की त्रिज्या 3 ईकाई है और 3 सेकेंड बाद 6 ईकाई है, तो t सेकेंड बाद उस गुब्बारे की त्रिज्या ज्ञात कीजिए।

20. किसी बैंक में मूलधन की वृद्धि r% वार्षिक की दर से होती है। यदि 100 रुपये 10 वर्षों में दुगुने हो जाते हैं, तो r का मान ज्ञात कीजिए। ($\log_e 2 = 0.6931$).

21. किसी बैंक में मूलधन की वृद्धि 5% वार्षिक की दर से होती है। इस बैंक में Rs 1000 जमा कराए जाते हैं। ज्ञात कीजिए कि 10 वर्ष बाद यह राशि कितनी हो जाएगी? ($e^{0.5} = 1.648$)

22. किसी जीवाणु समूह में जीवाणुओं की संख्या 1, 00, 000 है। 2 घंटो में इनकी संख्या में 10% की वृद्धि होती है। कितने घंटों में जीवाणुओं की संख्या 2, 00, 000 हो जाएगी, यदि जीवाणुओं के वृद्धि की दर उनके उपस्थित संख्या के समानुपाती है।

23. अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx}=e^{x+y}$ का व्यापक हल है:

(A) $e^x + e^{-y} = C$ (B) $e^x + e^y = C$

(C) $e^{-x} + e^y = C$ (D) $e^{-x} + e^{-y} = C$

9.5.2 *समघातीय अवकल समीकरण (Homogenous differential equations)*

x एवं y के निम्नलिखित फलनों पर विचार कीजिए

$$F_1(x, y) = y^2 + 2xy, \qquad F_2(x, y) = 2x - 3y,$$

$$F_3(x, y) = \cos\left(\frac{y}{x}\right), \qquad F_4(x, y) = \sin x + \cos y$$

यदि उपरोक्त फलनों में x और y को किसी शून्येतर अचर λ के लिए क्रमशः λx एवं λy से प्रतिस्थापित कर दिया जाए तो हम प्राप्त करते हैं:

$$F_1(\lambda x, \lambda y) = \lambda^2 (y^2 + 2xy) = \lambda^2 F_1(x, y)$$

$$F_2(\lambda x, \lambda y) = \lambda (2x - 3y) = \lambda F_2(x, y)$$

$$F_3(\lambda x, \lambda y) = \cos\left(\frac{\lambda y}{\lambda x}\right) = \cos\left(\frac{y}{x}\right) = \lambda^0 \ F_3(x, y)$$

$F_4(\lambda x, \lambda y) = \sin \lambda x + \cos \lambda y \neq \lambda^n F_4(x, y)$, किसी भी n के लिए

यहाँ हम प्रेक्षित करते हैं कि फलनों F_1, F_2, F_3 को $F(\lambda x, \lambda y) = \lambda^n F(x, y)$ के रूप में लिखा जा सकता है परंतु फलन F_4 को इस रूप में नहीं लिखा जा सकता है। इससे हम निम्नलिखित परिभाषा प्राप्त करते हैं।

फलन $F(x, y)$, n घात वाला समघातीय फलन कहलाता है। यदि किसी शून्येतर अचर λ के लिए $F(\lambda x, \lambda y) = \lambda^n F(x, y)$

हम नोट करते हैं कि उपरोक्त उदाहरणों में F_1, F_2, F_3 क्रमशः 2, 1, 0 घात वाले समघातीय फलन हैं जबकि F_4 समघातीय फलन नहीं है।

हम यह भी प्रेक्षित करते हैं कि

$$F_1(x, y) = x^2\left(\frac{y^2}{x^2} + \frac{2y}{x}\right) = x^2 h_1\left(\frac{y}{x}\right)$$

अथवा
$$F_1(x, y) = y^2\left(1 + \frac{2x}{y}\right) = y^2 h_2\left(\frac{x}{y}\right),$$

$$F_2(x, y) = x^1\left(2 - \frac{3y}{x}\right) = x^1 h_3\left(\frac{y}{x}\right)$$

अथवा
$$F_2(x, y) = y^1\left(2\frac{x}{y} - 3\right) = y^1 h_4\left(\frac{x}{y}\right),$$

$$F_3(x, y) \quad x \ \cos \ \frac{y}{x} \quad x \ h_5 \ \frac{y}{x}$$

$$F_4(x, y) \neq x^n h_6\left(\frac{y}{x}\right), n \in \mathbf{N} \text{ के किसी भी मान के लिए}$$

अथवा $$F_4(x, y) \neq y^n h_7\left(\frac{x}{y}\right), n \in \mathbf{N}$$

इसलिए एक फलन F (x, y), n घात वाला समघातीय फलन कहलाता है यदि

$$F(x, y) = x^n g\left(\frac{y}{x}\right) \quad \text{अथवा} \quad y^n h\left(\frac{x}{y}\right)$$

$\frac{dy}{dx} = F(x, y)$ के रूप वाला अवकल समीकरण समघातीय कहलाता है यदि $F(x, y)$ शून्य घात वाला समघातीय फलन है।

$$\frac{dy}{dx} = F(x, y) = g\left(\frac{y}{x}\right) \qquad \text{... (1)}$$

के रूप वाले समघातीय अवकल समीकरण को हल करने के लिए हम $\frac{y}{x} = v$ अर्थात्

$$y = v\,x \qquad \text{... (2)}$$

प्रतिस्थापित करते हैं

समीकरण (2) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = v + x\frac{dv}{dx} \qquad \text{... (3)}$$

समीकरण (3) से $\frac{dy}{dx}$ का मान समीकरण (1) में प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$v + x\frac{dv}{dx} = g(v)$$

अर्थात् $$x\frac{dv}{dx} = g(v) - v \qquad \text{... (4)}$$

समीकरण (4) में चरों को पृथक् करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dv}{g(v) - v} = \frac{dx}{x} \qquad \text{... (5)}$$

समीकरण (5) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हमें प्राप्त होता है:

$$\int \frac{dv}{g(v) - v} = \int \frac{1}{x}dx + C \qquad \text{... (6)}$$

यदि v को $\frac{y}{x}$ से प्रतिस्थापित कर दिया जाए तो समीकरण (6), अवकल समीकरण (1) का व्यापक हल प्रदान करता है।

> **टिप्पणी** यदि समघातीय अवकल समीकरण $\frac{dx}{dy} = F(x, y)$ के रूप में है। जहाँ $F(x, y)$ शून्य घात वाला समघातीय फलन है तो हम $\frac{x}{y} = v$ अर्थात, $x = vy$ प्रतिस्थापित करते हैं और फिर उपरोक्त चर्चा के अनुसार $\frac{dx}{dy} \quad F(x, y) \quad h \quad \frac{x}{y}$ के रूप में लिखकर व्यापक हल ज्ञात करने के लिए आगे बढ़ते हैं।

उदाहरण 15 दर्शाइए कि अवकल समीकरण $(x - y)\frac{dy}{dx} = x + 2y$ समघातीय है और इसका हल ज्ञात कीजिए।

हल दिए गए अवकल समीकरण को निम्नलिखित रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है :

$$\frac{dy}{dx} = \frac{x + 2y}{x - y} \qquad \text{... (1)}$$

मान लीजिए $$F(x, y) = \frac{x \quad 2y}{x \quad y}$$

अब $$F(\quad x, \quad y) \quad \frac{(x \quad 2y)}{(x \quad y)} \quad {}^{\circ} \quad F(x, y)$$

इसलिए $F(x, y)$ शून्य घात वाला समघातीय फलन है।

अत: दिया हुआ अवकल समीकरण एक समघातीय अवकल समीकरण है।

विकल्पत:

$$\frac{dy}{dx} = \left(\frac{1 + \frac{2y}{x}}{1 - \frac{y}{x}}\right) = g\left(\frac{y}{x}\right) \qquad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) का दायाँ पक्ष $g \quad \frac{y}{x}$ के रूप में है इसलिए यह शून्य घात वाला एक समघातीय फलन है। इसलिए समीकरण (1) एक समघातीय अवकल समीकरण है।

इसको हल करने के लिए हम प्रतिस्थापन करते है:

$$y = vx \qquad \text{... (3)}$$

समीकरण (3) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = v + x\frac{dv}{dx} \qquad \text{... (4)}$$

समीकरण (1) में y एवं $\frac{dy}{dx}$ का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$v + x\frac{dv}{dx} = \frac{1+2v}{1-v}$$

अर्थात् $$x\frac{dv}{dx} = \frac{1+2v}{1-v} - v$$

अर्थात् $$x\frac{dv}{dx} = \frac{v^2+v+1}{1-v}$$

अर्थात् $$\frac{v-1}{v^2+v+1}dv = \frac{-dx}{x} \qquad \text{... (5)}$$

समीकरण (5) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\int \frac{v-1}{v^2+v+1}dv = -\int \frac{dx}{x}$$

अथवा $$\frac{1}{2}\int \frac{2v+1-3}{v^2+v+1}dv = -\log|x| + C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\int \frac{2v+1}{v^2+v+1}dv - \frac{3}{2}\int \frac{1}{v^2+v+1}dv = -\log|x| + C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\log|v^2+v+1| - \frac{3}{2}\int \frac{1}{v^2+v+1}dv = -\log|x| + C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\log|v^2 \quad v \quad 1| \quad \frac{3}{2} \quad \frac{1}{v \quad \frac{1}{2}^{\;2} \quad \frac{\sqrt{3}}{2}^{\;2}}dv \quad \log|x| \quad C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\log|v^2+v+1| - \frac{3}{2}.\frac{2}{\sqrt{3}}\tan^{-1}\left(\frac{2v+1}{\sqrt{3}}\right) = -\log|x| + C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\log\left|v^2+v+1\right|+\frac{1}{2}\log x^2=\sqrt{3}\tan^{-1}\left(\frac{2v+1}{\sqrt{3}}\right)+\text{C}$$

v को $\frac{y}{x}$, से प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं :

अथवा $$\frac{1}{2}\log\left|\frac{y^2}{x^2}+\frac{y}{x}+1\right|+\frac{1}{2}\log x^2=\sqrt{3}\tan^{-1}\left(\frac{2y+x}{\sqrt{3}x}\right)+\text{C}$$

अथवा $$\frac{1}{2}\log\left|\left(\frac{y^2}{x^2}+\frac{y}{x}+1\right)x^2\right|=\sqrt{3}\tan^{-1}\left(\frac{2y+x}{\sqrt{3}x}\right)+\text{C}_1$$

अथवा $$\log\left|(y^2+xy+x^2)\right|=2\sqrt{3}\tan^{-1}\left(\frac{2y+x}{\sqrt{3}x}\right)+2\text{C}_1$$

अथवा $$\log\left|(x^2+xy+y^2)\right|=2\sqrt{3}\tan^{-1}\left(\frac{x+2y}{\sqrt{3}x}\right)+\text{C}$$

यह अवकल समीकरण (1) का व्यापक हल है।

उदाहरण 16 दर्शाइए कि अवकल समीकरण $x\cos\left(\frac{y}{x}\right)\frac{dy}{dx}=y\cos\left(\frac{y}{x}\right)+x$ समघातीय है और इसका हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है :

$$\frac{dy}{dx} \quad \frac{y\cos\frac{y}{x} \quad x}{x\cos\frac{y}{x}} \qquad \text{... (1)}$$

यहाँ $\frac{dy}{dx}=\text{F}(x, y)$ के रूप का अवकल समीकरण है।

यहाँ $\text{F}(x, y)=\dfrac{y\cos\left(\frac{y}{x}\right)+x}{x\cos\left(\frac{y}{x}\right)}$ है।

x को λx से एवं y को λy से प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$F(\lambda x, \lambda y) = \frac{\lambda\left[y\cos\left(\frac{y}{x}\right)+x\right]}{\lambda\left(x\cos\frac{y}{x}\right)} = \lambda^0[F(x,y)]$$

$F(x, y)$ शून्य घात वाला समघातीय फलन है, इसलिए दिया हुआ अवकल समीकरण एक समघातीय अवकल समीकरण है। इसको हल करने के लिए हम प्रतिस्थापन करते हैं:

$$y = vx \qquad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = v + x\frac{dv}{dx} \qquad \text{... (3)}$$

समीकरण (1) में y एवं $\frac{dy}{dx}$ का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$v + x\frac{dv}{dx} = \frac{v\cos v + 1}{\cos v}$$

अथवा $$x\frac{dv}{dx} = \frac{v\cos v + 1}{\cos v} - v$$

अथवा $$x\frac{dv}{dx} = \frac{1}{\cos v}$$

अथवा $$\cos v\, dv = \frac{dx}{x}$$

इसलिए $$\int \cos v\, dv = \int \frac{1}{x}\, dx$$

अथवा $$\sin v = \log|x| + \log|C|$$

अथवा $$\sin v = \log|Cx|$$

v को $\frac{y}{x}$ प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं।

$$\sin\left(\frac{y}{x}\right) = \log|Cx|$$

यह अवकल समीकरण (1) का व्यापक हल है।

उदाहरण 17 दर्शाइए कि अवकल समीकरण $2y\, e^{\frac{x}{y}} dx \quad (y \quad 2x\, e^{\frac{x}{y}})\, dy \quad 0$ समघातीय है और यदि, $x = 0$ जब $y = 1$ दिया हुआ हो तो इस समीकरण का विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dx}{dy} \quad \frac{2x\, e^{\frac{x}{y}} \quad y}{2y\, e^{\frac{x}{y}}} \qquad \text{... (1)}$$

मान लीजिए $\quad F(x, y) = \frac{2xe^{\frac{x}{y}} - y}{2ye^{\frac{x}{y}}}$ तब $F(\lambda x, \lambda y) \quad \frac{2xe^{\frac{x}{y}} \quad y}{2ye^{\frac{x}{y}}} \quad [F(x, y)]$

अतः $F(x, y)$ शून्य घात वाला समघातीय फलन है।

इसलिए, दिया हुआ अवकल समीकरण एक समघातीय अवकल समीकरण है।

इसका हल ज्ञात करने के लिए, हम $x = vy$ प्रतिस्थापन करते हैं।

समीकरण (2) का y के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dx}{dy} = v + y\frac{dv}{dy}$$

समीकरण (1) में x एवं $\frac{dx}{dy}$ का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$v + y\frac{dv}{dy} = \frac{2v\, e^{v} - 1}{2e^{v}}$$

अथवा $\quad y\frac{dv}{dy} = \frac{2v\, e^{v} - 1}{2e^{v}} - v$

अथवा $\quad y\frac{dv}{dy} = -\frac{1}{2e^{v}}$

अथवा $\quad 2e^{v} dv \quad \frac{dy}{y}$

अथवा $\int 2e^v . dv = -\int \frac{dy}{y}$

अथवा $2\, e^v = -\log |y| + C$

v को $\frac{x}{y}$ से प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$2\, e^{\frac{x}{y}} + \log |y| = C \quad \ldots (3)$$

समीकरण (3) में, $x = 0$ एवं $y = 1$ प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$2\, e^0 + \log |1| = C \Rightarrow C = 2$$

C का मान समीकरण (3) में प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$2\, e^{\frac{x}{y}} + \log |y| = 2$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का एक विशिष्ट हल है।

उदाहरण 18 दर्शाइए कि वक्रों का कुल, जिनके किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता $\frac{x^2 + y^2}{2xy}$ है, $x^2 - y^2 = cx$ द्वारा प्रदत्त है।

हल हम जानते हैं कि एक वक्र के किसी बिंदु पर स्पर्श रेखा की प्रवणता $\frac{dy}{dx}$ के बराबर होती है।

इसलिए $$\frac{dy}{dx} = \frac{x^2 + y^2}{2xy} \text{ या } \frac{dy}{dx} = \frac{1 + \frac{y^2}{x^2}}{\frac{2y}{x}} \quad \ldots (1)$$

स्पष्टतः समीकरण (1) समघातीय अवकल समीकरण है।

इसको हल करने के लिए हम $y = vx$ प्रतिस्थापन करते हैं।

$y = vx$ का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम पाते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = v + x\frac{dv}{dx} \quad \text{या} \quad v + x\frac{dv}{dx} = \frac{1 + v^2}{2v}$$

अतः $$x\frac{dv}{dx} = \frac{1 - v^2}{2v} \text{ या } \frac{2v}{1 - v^2}dv = \frac{dx}{x} \quad \text{या} \quad \frac{2v}{v^2 - 1}dv = -\frac{dx}{x}$$

इसलिए $$\int \frac{2v}{v^2-1}dv = -\int \frac{1}{x}dx$$

अथवा $\log|v^2-1| = -\log|x| + \log|C_1|$

अथवा $\log|(v^2-1)(x)| = \log|C_1|$

अथवा $(v^2-1)\,x = \pm\ C_1$

v को $\frac{y}{x}$ से प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\left(\frac{y^2}{x^2}-1\right)x = \pm C_1$$

अथवा $(y^2-x^2) = \pm C_1\, x$ या $x^2 - y^2 = Cx$

प्रश्नावली 9.5

1 से 10 तक के प्रत्येक प्रश्न में दर्शाइए कि दिया हुआ अवकल समीकरण समघातीय है और इनमें से प्रत्येक को हल कीजिए:

1. $(x^2+xy)\,dy = (x^2+y^2)\,dx$

2. $y' = \frac{x+y}{x}$

3. $(x-y)\,dy - (x+y)\,dx = 0$

4. $(x^2-y^2)\,dx + 2xy\,dy = 0$

5. $x^2\frac{dy}{dx} = x^2 - 2y^2 + xy$

6. $x\,dy - y\,dx = \sqrt{x^2+y^2}\,dx$

7. $\left\{x\cos\left(\frac{y}{x}\right) + y\sin\left(\frac{y}{x}\right)\right\}y\,dx = \left\{y\sin\left(\frac{y}{x}\right) - x\cos\left(\frac{y}{x}\right)\right\}x\,dy$

8. $x\frac{dy}{dx} - y + x\sin\left(\frac{y}{x}\right) = 0$

9. $y\,dx + x\log\left(\frac{y}{x}\right)dy - 2x\,dy = 0$

10. $1 \quad e^{\frac{x}{y}} \quad dx \quad e^{\frac{x}{y}} \quad 1 \quad \frac{x}{y} \quad dy \quad 0$

11 से 15 तक के प्रश्नों में प्रत्येक अवकल समीकरण के लिए दिए हुए प्रतिबंध को संतुष्ट करने वाला विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए।

11. $(x+y)\,dy + (x-y)\,dx = 0;\ y = 1$ यदि $x = 1$

12. $x^2\,dy + (xy+y^2)\,dx = 0;\ y = 1$ यदि $x = 1$

13. $\left[x\sin^2\left(\frac{y}{x}\right)-y\right]dx+x\,dy=0;\ y=\frac{\pi}{4}$ यदि $x = 1$

14. $\frac{dy}{dx}-\frac{y}{x}+\operatorname{cosec}\left(\frac{y}{x}\right)=0$; $y = 0$ यदि $x = 1$

15. $2xy+y^2-2x^2\frac{dy}{dx}=0$; $y = 2$ यदि $x = 1$

16. $\frac{dx}{dy}=h\left(\frac{x}{y}\right)$ के रूप वाले समघातीय अवकल समीकरण को हल करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा प्रतिस्थापन किया जाता है:

(A) $y = vx$ (B) $v = yx$ (C) $x = vy$ (D) $x = v$

17. निम्नलिखित में से कौन सा समघातीय अवकल समीकरण है?

(A) $(4x + 6y + 5)\, dy - (3y + 2x + 4)\, dx = 0$

(B) $(xy)\, dx - (x^3 + y^3)\, dy = 0$

(C) $(x^3 + 2y^2)\, dx + 2xy\, dy = 0$

(D) $y^2\, dx + (x^2 - xy - y^2)\, dy = 0$

9.5.3 *रैखिक अवकल समीकरण (Linear differential equations)*

$$\frac{dy}{dx}+\mathrm{P}y=\mathrm{Q},$$

के रूप वाला अवकल समीकरण, जिसमें P एवं Q अचर अथवा केवल x के फलन हैं, प्रथम कोटि का रैखिक अवकल समीकरण कहलाता है। प्रथम कोटि के रैखिक अवकल समीकरण के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं:

$$\frac{dy}{dx}+y=\sin x$$

$$\frac{dy}{dx}+\left(\frac{1}{x}\right)y=e^x$$

$$\frac{dy}{dx}+\left(\frac{y}{x\log x}\right)=\frac{1}{x}$$

प्रथम कोटि के रैखिक अवकल समीकरण का दूसरा रूप सेकेंड $\frac{dx}{dy}+\mathrm{P}_1x=\mathrm{Q}_1$ है, जिसमें P_1 और Q_1 अचर अथवा केवल y के फलन हैं। इस प्रकार के अवकल समीकरण के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं: $\frac{dx}{dy}+x=\cos y$

$$\frac{dx}{dy}+\frac{-2x}{y}=y^2e^{-y}$$

प्रथम कोटि के रैखिक अवकल समीकरण

$$\frac{dy}{dx}+\mathrm{P}\,y=\mathrm{Q} \qquad \ldots (1)$$

को हल करने के लिए समीकरण के दोनों पक्षों को x के फलन $g\,(x)$ से गुणा करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$g\,(x)\,\frac{dy}{dx}+\mathrm{P}.\,g\,(x)\,y=\mathrm{Q}\,.\,g\,(x) \qquad \ldots (2)$$

$g\,(x)$ का चयन इस प्रकार कीजिए ताकि समीकरण का बायाँ पक्ष $y\,.\,g\,(x)$ का अवकलज बन जाए:

अर्थात् $$g\,(x)\,\frac{dy}{dx}+\mathrm{P}.\,g\,(x)\,y=\frac{d}{dx}\,[y\,.\,g\,(x)]$$

अथवा $$g\,(x)\,\frac{dy}{dx}+\mathrm{P}.\,g\,(x)\,y=g\,(x)\,\frac{dy}{dx}+y\,g'\,(x)$$

$\Rightarrow$ $$\mathrm{P}.\,g\,(x)=g'\,(x)$$

अथवा $$\mathrm{P}=\frac{g'(x)}{g\,(x)}$$

दोनों पक्षों का x के सापेक्ष समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\int \mathrm{P}dx=\int \frac{g'(x)}{g\,(x)}\,dx$$

अथवा $$\int \mathrm{P}.dx=\log\left(g\,(x)\right)$$

अथवा $$\mathrm{g}\,(x)=e^{\int \mathrm{P}\,dx}$$

समीकरण (1) को $g(x)=e^{\int p dx}$ से गुणा करने पर उस समीकरण का बायाँ पक्ष x तथा y के किसी फलन का अवकलज बन जाता है। यह फलन $g(x)=e^{\int p dx}$ दिए हुए अवकल समीकरण का **समाकलन गुणक (I.F.)** कहलाता है।

समीकरण (2) में $g\,(x)$ का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$e^{\int p dx}\,\frac{dy}{dx}+\mathrm{P}\,e^{\int p dx}\,y=\mathrm{Q}.\,e^{\int p dx}$$

अथवा $$\frac{d}{dx}\left(y\,e^{\int \mathrm{P}\,dx}\right)=\mathrm{Q}e^{\int \mathrm{P}\,dx}$$

दोनों पक्षों का x, के सापेक्ष समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$y \quad e^{\quad \mathrm{P}dx} \qquad \mathrm{Q} \; e^{\quad \mathrm{P}dx} \; dx$$

अथवा $$y \quad e^{\quad \mathrm{P}dx} \qquad \mathrm{Q} \; e^{\quad \mathrm{P}dx} \; dx \quad \mathrm{C}$$

यह अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

प्रथम कोटि के रैखिक अवकल समीकरण को हल करने के लिए सम्मिलित चरण:

(i) दिए हुए अवकल समीकरण को $\frac{dy}{dx} + \mathrm{P}y = \mathrm{Q}$ के रूप में लिखिए जिसमें P, Q अचर अथवा केवल x के फलन हैं।

(ii) समाकलन गुणक (I.F.) = $e^{\int \mathrm{P}\,dx}$ ज्ञात कीजिए।

(iii) दिए हुए अवकल समीकरण का हल निम्नलिखित रूप में लिखिए:

$$y \,.\, (\text{I.F.}) = \quad \mathrm{Q} \times \text{I.F.} \; dx \quad \mathrm{C}$$

यदि प्रथम कोटि का रैखिक अवकल समीकरण $\frac{dx}{dy} + \mathrm{P}_1 x = \mathrm{Q}_1$ के रूप में है जिसमें P_1 और Q_1 अचर अथवा केवल y के फलन हैं, तब I.F. = $e^{\int \mathrm{P}_1 dy}$ और

$$x \,.\, (\text{I.F.}) = \quad \mathrm{Q}_1 \times \text{I.F.} \; dy \quad \mathrm{C}$$ अवकल समीकरण का हल है।

उदाहरण 19 अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx} - y = \cos x$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण

$$\frac{dy}{dx} + \mathrm{P}y = \mathrm{Q} \text{ है, जहाँ } \mathrm{P} = -1 \text{ और } \mathrm{Q} = \cos x$$

इसलिए I.F. $\quad e^{\quad 1\,dx} \qquad e^{\quad x}$

समीकरण के दोनों पक्षों को I.F. से गुणा करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$e^{-x}\frac{dy}{dx} - e^{-x}y = e^{-x}\cos x$$

अथवा $$\frac{d}{dx}\left(ye^{-x}\right) = e^{-x}\cos x$$

दोनों पक्षों का x के सापेक्ष समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$y\,e^{-x} = \int e^{-x}\cos x\,dx + \mathrm{C} \qquad \dots (1)$$

मान लीजिए कि $\quad \mathrm{I} = \int e^{-x}\cos x\,dx$

$$= \cos x\left(\frac{e^{-x}}{-1}\right) - \int (-\sin x)\,(-e^{-x})\,dx$$

$$= -\cos x\,e^{-x} - \int \sin x\,e^{-x}\,dx$$

$$= -\cos x\,e^{-x} - \left[\sin x(-e^{-x}) - \int \cos x\,(-e^{-x})\,dx\right]$$

$$= -\cos x\,e^{-x} + \sin x\,e^{-x} - \int \cos x\,e^{-x}\,dx$$

अथवा $\quad \mathrm{I} = -\,e^{-x}\cos x + \sin x\,e^{-x} - \mathrm{I}$

अथवा $\quad 2\mathrm{I} = (\sin x - \cos x)\,e^{-x}$

अथवा $\quad \mathrm{I} = \dfrac{(\sin x - \cos x)e^{-x}}{2}$

समीकरण (1) में I का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$y\,e^{-x} = \left(\frac{\sin x - \cos x}{2}\right)e^{-x} + \mathrm{C}$$

अथवा $\quad y \quad \dfrac{\sin x \quad \cos x}{2} \quad \mathrm{C}e^{x}$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

उदाहरण 20 अवकल समीकरण $x\dfrac{dy}{dx} + 2y = x^2\ (x \neq 0)$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण है:

$$x\frac{dy}{dx} + 2y = x^2 \qquad \dots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों को x से भाग देने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dy}{dx} + \frac{2}{x}y = x$$

यह, $\dfrac{dy}{dx} + \mathrm{P}y = \mathrm{Q}$, के रूप का रैखिक अवकल समीकरण है। यहाँ $\mathrm{P} = \dfrac{2}{x}$ एवं $\mathrm{Q} = x$ है।

इसलिए $\quad \text{I.F.} = e^{\int \frac{2}{x}dx} = e^{2\log x} = e^{\log x^2} = x^2 \qquad$ [जैसा कि $e^{\log f(x)} \quad f(x)$]

इसलिए दिए हुए समीकरण का हल है:

$$y \,.\, x^2 = \int (x)\,(x^2)\,dx + \text{C} \;=\; \int x^3 dx + \text{C}$$

अथवा $$y = \frac{x^2}{4} + \text{C}\,x^{-2}$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

उदाहरण 21 अवकल समीकरण $y\,dx - (x + 2y^2)\,dy = 0$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dx}{dy} - \frac{x}{y} = 2y$$

यह, $\frac{dx}{dy} + \text{P}_1 x = \text{Q}_1$, के रूप वाला रैखिक अवकल समीकरण है। यहाँ $\text{P}_1 = -\frac{1}{y}$ एवं $\text{Q}_1 = 2y$ है। इसलिए $\text{I.F} = e^{\int -\frac{1}{y} dy} = e^{-\log y} = e^{\log (y)^{-1}} = \frac{1}{y}$

अत: दिए हुए अवकल समीकरण का हल है:

$$x\frac{1}{y} = \int (2y)\left(\frac{1}{y}\right) dy + \text{C}$$

अथवा $$\frac{x}{y} \quad 2dy \quad \text{C}$$

अथवा $$\frac{x}{y} = 2y + \text{C}$$

अथवा $$x = 2y^2 + \text{C}y$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

उदाहरण 22 अवकल समीकरण

$$\frac{dx}{dy} + y \cot x = 2x + x^2 \cot x \; (x \neq 0)$$

का विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, दिया हुआ है कि $y = 0$ यदि $x = \frac{\pi}{2}$

हल दिया हुआ अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx} + \text{P}y = \text{Q}$, के रूप का रैखिक अवकल समीकरण है। यहाँ

P = cot x और Q = $2x + x^2 \cot x$ है। इसलिए

$$\text{I.F} = e^{\int \cot x \, dx} = e^{\log \sin x} = \sin x$$

अतः अवकल समीकरण का हल है:

$$y \,.\, \sin x = \int (2x + x^2 \cot x) \sin x \, dx + \text{C}$$

अथवा $$y \sin x = \int 2x \sin x \, dx + \int x^2 \cos x \, dx + \text{C}$$

अथवा $$y \sin x = \sin x \left(\frac{2x^2}{2}\right) - \int \cos x \left(\frac{2x^2}{2}\right) dx + \int x^2 \cos x \, dx + \text{C}$$

अथवा $$y \sin x = x^2 \sin x - \int x^2 \cos x \, dx + \int x^2 \cos x \, dx + \text{C}$$

अथवा $$y \sin x = x^2 \sin x + \text{C} \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) में $y = 0$ एवं $x = \frac{\pi}{2}$ प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$0 \qquad \frac{}{2}^{2} \sin \frac{}{2} \qquad \text{C}$$

अथवा $$\text{C} = \frac{-\pi^2}{4}$$

समीकरण (1) में C का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$y \sin x = x^2 \sin x - \frac{\pi^2}{4}$$

अथवा $$y = x^2 - \frac{\pi^2}{4 \sin x} \, (\sin x \neq 0)$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का विशिष्ट हल है।

उदाहरण 23 बिन्दु (0, 1) से गुजरने वाले एक वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए, यदि इस वक्र के किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता, उस बिंदु के x निर्देशांक (भुज) तथा x निर्देशांक और y निर्देशांक (कोटि) के गुणनफल के योग के बराबर है।

हल हम जानते हैं कि वक्र की स्पर्श रेखा की प्रवणता $\frac{dy}{dx}$ के बराबर होती है। इसलिए

$$\frac{dy}{dx} = x + xy$$

अथवा $$\frac{dy}{dx} - xy = x \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1), $\frac{dy}{dx} + Py = Q$ के रूप का रैखिक अवकल समीकरण है। यहाँ $P = -x$ एवं $Q = x$ है। इसलिए

$$\text{I.F.} = e^{\quad x\,dx} \quad e^{\frac{x^2}{2}}$$

अत: दिए हुए समीकरण का हल है:

$$y.e^{\frac{-x^2}{2}} = \int (x)\left(e^{\frac{-x^2}{2}}\right)dx + C \qquad \text{... (2)}$$

मान लीजिए $\qquad I = \int (x)\, e^{\frac{-x^2}{2}}\, dx$

मान लीजिए $\qquad \frac{-x^2}{2} = t$, तब $-x\,dx = dt$ या $x\,dx = -dt$

इसलिए $\qquad I = -\int e^t dt = -e^t = -e^{\frac{-x^2}{2}}$

समीकरण (2) में I का मान प्रतिस्थापित करने पर, हम पाते हैं:

$$y\,e^{\frac{-x^2}{2}} = -e^{\frac{-x^2}{2}} + C$$

अथवा $\qquad y = -1 + C\,e^{\frac{x^2}{2}} \qquad \text{... (3)}$

समीकरण (3) वक्रों के कुल का समीकरण है परंतु हम इस कुल के ऐसे सदस्य का समीकरण ज्ञात करना चाहते हैं जो बिंदु (0,1) से गुजरता हो। समीकरण (3) में $x = 0$ एवं $y = 1$ प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं:

$$1 = -1 + C\,.\,e^0 \quad \text{अथवा} \quad C = 2$$

समीकरण (3) में C का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$y = -1 + 2\,e^{\frac{x^2}{2}}$$

यह वक्र का अभीष्ट समीकरण है।

प्रश्नावली 9.6

1 से 12 तक के प्रश्नों में, प्रत्येक अवकल समीकरण का व्यापक हल ज्ञात कीजिए:

1. $\frac{dy}{dx} + 2y = \sin x$ **2.** $\frac{dy}{dx} + 3y = e^{-2x}$ **3.** $\frac{dy}{dx} + \frac{y}{x} = x^2$

4. $\frac{dy}{dx} + (\sec x)\, y = \tan x \left(0 \le x < \frac{\pi}{2}\right)$ **5.** $\cos^2 x \frac{dy}{dx} + y = \tan x \left(0 \le x < \frac{\pi}{2}\right)$

6. $x\frac{dy}{dx}+2y=x^2\log x$

7. $x\log x\frac{dy}{dx}+y=\frac{2}{x}\log x$

8. $(1 + x^2)\, dy + 2xy\, dx = \cot x\, dx\ (x \neq 0)$

9. $x\frac{dy}{dx}+y-x+xy\cot x=0\ \ (x\neq 0)$

10. $(x+y)\frac{dy}{dx}=1$

11. $y\, dx + (x - y^2)\, dy = 0$

12. $(x+3y^2)\frac{dy}{dx}=y\ \ (y>0)$.

13 से 15 तक के प्रश्नों में प्रत्येक अवकल समीकरण के लिए दिए हुए प्रतिबंध को संतुष्ट करने वाला विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए:

13. $\frac{dy}{dx}\quad 2y\tan x \quad \sin x; y \quad 0$ यदि $x \quad \frac{}{3}$

14. $(1 \quad x^2)\frac{dy}{dx} \quad 2xy \quad \frac{1}{1 \quad x^2}; y \quad 0$ यदि $x \quad 1$

15. $\frac{dy}{dx} \quad 3y\cot x \quad \sin 2x; y \quad 2$ यदि $x \quad \frac{}{2}$

16. मूल बिंदु से गुज़रने वाले एक वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए यदि इस वक्र के किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता उस बिंदु के निर्देशांकों के योग के बराबर है।

17. बिंदु $(0, 2)$ से गुजरने वाले वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए यदि इस वक्र के किसी बिंदु के निर्देशांकों का योग उस बिंदु पर खींची गई स्पर्श रेखा की प्रवणता के परिमाण से 5 अधिक है।

18. अवकल समीकरण $x\frac{dy}{dx}-y=2x^2$ का समाकलन गुणक है:

(A) e^{-x} (B) e^{-y} (C) $\frac{1}{x}$ (D) x

19. अवकल समीकरण $(1-y^2)\frac{dx}{dy}+yx = ay\,(-1<y<1)$ का समाकलन गुणक है:

(A) $\frac{1}{y^2 \quad 1}$ (B) $\frac{1}{\sqrt{y^2-1}}$ (C) $\frac{1}{1-y^2}$ (D) $\frac{1}{\sqrt{1-y^2}}$

विविध उदाहरण

उदाहरण 24 सत्यापित कीजिए कि फलन $y = c_1\, e^{ax} \cos bx + c_2\, e^{ax} \sin bx$, जहाँ c_1, c_2 स्वेच्छ अचर है, अवकल समीकरण

$$\frac{d^2y}{dx^2} - 2a\frac{dy}{dx} + \left(a^2 + b^2\right)y = 0 \text{ का हल है।}$$

हल दिया हुआ फलन है:

$$y = e^{ax}\left[c_1 \cos bx + c_2 \sin bx\right] \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम पाते हैं कि

$$\frac{dy}{dx} = e^{ax}\left[-bc_1 \sin bx + bc_2 \cos bx\right] + \left[c_1 \cos bx + c_2 \sin bx\right]e^{ax}.a$$

अथवा
$$\frac{dy}{dx} = e^{ax}[(bc_2 + ac_1)\cos bx + (ac_2 - bc_1)\sin bx] \qquad \ldots (2)$$

समीकरण (2) के दोनों पक्षों का x, के सापेक्ष अवकलन करने पर हम पाते हैं कि

$$\frac{d^2y}{dx^2} = e^{ax}[(bc_2 + ac_1)(-\sin bx\,.\,b) + (ac_2 - bc_1)(\cos bx\,.\,b)]$$

$$+ [(bc_2 + ac_1)\cos bx + (ac_2 - bc_1)\sin bx]\,e^{ax}.a$$

$$= e^{ax}[(a^2c_2 - 2abc_1 - b^2c_2)\sin bx + (a^2c_1 + 2abc_2 - b^2c_1)\cos bx]$$

दिए गए अवकल समीकरण में $\frac{d^2y}{dx^2}, \frac{dy}{dx}$ एवं y का मान प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं:

बायाँ पक्ष
$$e^{ax}[a^2c_2 \quad 2abc_1 \quad b^2c_2)\sin bx \quad (a^2c_1 \quad 2abc_2 \quad b^2c_1)\cos bx]$$

$$2ae^{ax}[(bc_2 \quad ac_1)\cos bx \quad (ac_2 \quad bc_1)\sin bx]$$

$$(a^2 \quad b^2)e^{ax}[c_1 \cos bx \quad c_2 \sin bx]$$

$$e^{ax} \begin{array}{l} a^2c_2 \quad 2abc_1 \quad b^2c_2 \quad 2a^2c_2 \quad 2abc_1 \quad a^2c_2 \quad b^2c_2 \ \sin bx \\ (a^2c_1 \quad 2abc_2 \quad b^2c_1 \quad 2abc_2 \quad 2a^2c_1 \quad a^2c_1 \quad b^2c_1)\cos bx \end{array}$$

$$= e^{ax}[0 \times \sin bx + 0 \cos bx] = e^{ax} \times 0 = 0 = \text{दायाँ पक्ष}$$

इसलिए दिया हुआ फलन दिए हुए अवकल समीकरण का हल है।

उदाहरण 25 द्वितीय चतुर्थांश में ऐसे वृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जो निर्देशांक अक्षों का स्पर्श करते हैं।

हल मान लीजिए, निर्देशांक अक्षों को स्पर्श करने वाला और द्वितीय चतुर्थांश में बना वृत्तों का कुल C द्वारा निर्दिष्ट किया जाता है। इस कुल के किसी सदस्य के केंद्र बिंदु के निर्देशांक $(-a, a)$ हैं (आकृति 9.6 देखिए)।

कुल C को निरूपित करने वाला समीकरण है:

$$(x + a)^2 + (y - a)^2 = a^2 \qquad \ldots (1)$$

अथवा $$x^2 + y^2 + 2ax - 2ay + a^2 = 0 \qquad \ldots (2)$$

समीकरण (2) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम पाते हैं:

$$2x + 2y\frac{dy}{dx} + 2a - 2a\frac{dy}{dx} = 0$$

अथवा $$x + y\frac{dy}{dx} = a\left(\frac{dy}{dx} - 1\right)$$

अथवा $$a = \frac{x + y\,y'}{y' - 1}$$

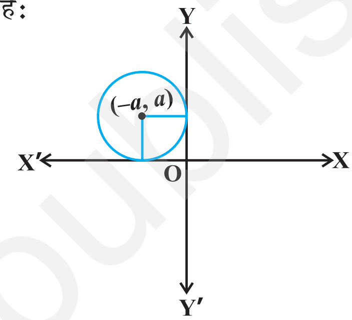

आकृति 9.6

समीकरण (1) में a का मान प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं:

$$\left[x + \frac{x + y\,y'}{y' - 1}\right]^2 + \left[y - \frac{x + y\,y'}{y' - 1}\right]^2 = \left[\frac{x + y\,y'}{y' - 1}\right]^2$$

अथवा $$[x\,y' - x + x + y\,y']^2 + [y\,y' - y - x - y\,y']^2 = [x + y\,y']^2$$

अथवा $$(x + y)^2\; {y'}^2 + [x + y]^2 = [x + y\,y']^2$$

अथवा $$(x + y)^2\,[(y')^2 + 1] = [x + y\,y']^2$$

जो दिए हुए वृत्तों के कुल को निरूपित करने वाला अवकल समीकरण है।

उदाहरण 26 अवकल समीकरण $\log\left(\frac{dy}{dx}\right) = 3x + 4y$ का विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए। दिया हुआ है कि $y = 0$ यदि $x = 0$

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dy}{dx} = e^{(3x+4y)}$$

अथवा $$\frac{dy}{dx} \quad e^{3x} \quad e^{4y} \qquad \ldots (1)$$

चरों को पृथक् करने पर हम पाते हैं,

$$\frac{dy}{e^{4y}} = e^{3x}dx$$

इसलिए $$\int e^{-4y}dy = \int e^{3x}dx$$

अथवा $$\frac{e^{-4y}}{-4} = \frac{e^{3x}}{3} + \text{C}$$

अथवा $$4\,e^{3x} + 3\,e^{-4y} + 12\,\text{C} = 0 \qquad \ldots (2)$$

समीकरण (2) में $x = 0$ एवं $y = 0$ प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं:

$$4 + 3 + 12\,\text{C} = 0 \text{ अथवा } \text{C} = \frac{-7}{12}$$

समीकरण (2) में C का मान प्रतिस्थापित करने पर हम,

$4\,e^{3x} + 3\,e^{-4y} - 7 = 0$, प्राप्त करते हैं

यह दिए हुए अवकल समीकरण का एक विशिष्ट हल है।

उदाहरण 27 अवकल समीकरण

$$(x\,dy - y\,dx)\,y\sin\left(\frac{y}{x}\right) = (y\,dx + x\,dy)\,x\cos\left(\frac{y}{x}\right) \text{ को हल कीजिए।}$$

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है।

$$\left[x\,y\sin\left(\frac{y}{x}\right) - x^2\cos\left(\frac{y}{x}\right)\right]dy = \left[xy\cos\left(\frac{y}{x}\right) + y^2\sin\left(\frac{y}{x}\right)\right]dx$$

अथवा $$\frac{dy}{dx} = \frac{xy\cos\left(\frac{y}{x}\right) + y^2\sin\left(\frac{y}{x}\right)}{xy\sin\left(\frac{y}{x}\right) - x^2\cos\left(\frac{y}{x}\right)}$$

दायें पक्ष पर अंश एवं हर दोनों को x^2 से भाग देने पर हम पाते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = \frac{\frac{y}{x}\cos\left(\frac{y}{x}\right) + \left(\frac{y^2}{x^2}\right)\sin\left(\frac{y}{x}\right)}{\frac{y}{x}\sin\left(\frac{y}{x}\right) - \cos\left(\frac{y}{x}\right)} \qquad \ldots (1)$$

स्पष्टतः समीकरण (1), $\frac{dy}{dx} = g\left(\frac{y}{x}\right)$ के रूप का समघातीय अवकल समीकरण है, इसलिए इस समीकरण को हल करने के लिए हम

$$y = vx \qquad \text{... (2)}$$

प्रतिस्थापित करते हैं।

अथवा $$\frac{dy}{dx} \quad v \quad x\frac{dv}{dx}$$

अथवा $$v + x\frac{dv}{dx} = \frac{v\cos v + v^2 \sin v}{v \sin v - \cos v}$$ [समीकरण (1) और (2) का प्रयोग करने पर]

अथवा $$x\frac{dv}{dx} = \frac{2v\cos v}{v\sin v - \cos v}$$

अथवा $$\frac{v\sin v \quad \cos v}{v\cos v} \quad dv \quad \frac{2\,dx}{x}$$

इसलिए $$\int \left(\frac{v\sin v - \cos v}{v\cos v}\right) dv = 2\int \frac{1}{x}\,dx$$

अथवा $$\int \tan v\,dv - \int \frac{1}{v}\,dv = 2\int \frac{1}{x}\,dx$$

अथवा $$\log|\sec v| - \log|v| = 2\log|x| + \log|C_1|$$

अथवा $$\log\left|\frac{\sec v}{v\,x^2}\right| = \log|C_1|$$

अथवा $$\frac{\sec v}{v\,x^2} = \pm C_1 \qquad \text{... (3)}$$

समीकरण (3) में v को $\frac{y}{x}$ से प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं कि

$$\frac{\sec\left(\frac{y}{x}\right)}{\left(\frac{y}{x}\right)(x^2)} = C, \text{ जहाँ } C = \pm C_1$$

अथवा $$\sec\left(\frac{y}{x}\right) = C\,xy$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

उदाहरण 28 अवकल समीकरण

$(\tan^{-1}y - x)\, dy = (1 + y^2)\, dx$ का हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dx}{dy} + \frac{x}{1+y^2} = \frac{\tan^{-1}y}{1+y^2} \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1), $\frac{dx}{dy} + P_1\, x = Q_1$, के रूप का रैखिक अवकल समीकरण है। यहाँ

$$P_1 = \frac{1}{1+y^2} \text{ एवं } Q_1 = \frac{\tan^{-1}y}{1+y^2} \text{ है। इसलिए}$$

$$\text{I.F.} \quad e^{\frac{1}{1\ \ y^2}dy} \qquad e^{\tan\ ^1 y}$$

इसलिए दिए हुए अवकल समीकरण का हल है:

$$x e^{\tan^{-1}y} = \int \left(\frac{\tan^{-1}y}{1+y^2}\right) e^{\tan^{-1}y}\, dy + C \qquad \ldots (2)$$

मान लीजिए $\quad I = \int \left(\frac{\tan^{-1}y}{1+y^2}\right) e^{\tan^{-1}y}\, dy$

$\tan^{-1} y = t$ प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं कि $\left(\frac{1}{1+y^2}\right) dy = dt$

अत: $\quad I = \int t\, e^t dt$, $I = t\, e^t - \int 1 \,.\, e^t\, et$, $I = t\, e^t - e^t = e^t\,(t - 1)$

अथवा $\quad I = e^{\tan^{-1}y}(\tan^{-1}y - 1)$

समीकरण (2) में I का मान प्रतिस्थापित करने पर हम

$$x \,.\, e^{\tan^{-1}y} = e^{\tan^{-1}y}(\tan^{-1}y - 1) + C \text{ पाते हैं}$$

अथवा $\quad x = (\tan^{-1}y - 1) + C\, e^{-\tan^{-1}y}$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

अध्याय 9 पर विविध प्रश्नावली

1. निम्नलिखित अवकल समीकरणों में से प्रत्येक की कोटि एवं घात (यदि परिभाषित हो) ज्ञात कीजिए।

(i) $\frac{d^2y}{dx^2} + 5x\left(\frac{dy}{dx}\right)^2 - 6y = \log x$ (ii) $\left(\frac{dy}{dx}\right)^3 - 4\left(\frac{dy}{dx}\right)^2 + 7y = \sin x$

(iii) $\frac{d^4y}{dx^4} - \sin\left(\frac{d^3y}{dx^3}\right) = 0$

2. निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक के लिए सत्यापित कीजिए कि दिया हुआ फलन (अस्पष्ट अथवा स्पष्ट) संगत अवकल समीकरण का हल है।

(i) $y = a\,e^x + b\,e^{-x} + x^2$: $x\frac{d^2y}{dx^2} + 2\frac{dy}{dx} - xy + x^2 - 2 = 0$

(ii) $y = e^x\,(a \cos x + b \sin x)$: $\frac{d^2y}{dx^2} - 2\frac{dy}{dx} + 2y = 0$

(iii) $y = x \sin 3x$: $\frac{d^2y}{dx^2} \quad 9\,y \quad 6\cos 3x \quad 0$

(iv) $x^2 = 2y^2 \log y$: $(x^2 + y^2)\frac{dy}{dx} - xy = 0$

3. $(x - a)^2 + 2y^2 = a^2$, द्वारा निरूपित वक्रों के कुल का अवकल समीकरण निर्मित कीजिए जहाँ a एक स्वेच्छ अचर है।

4. सिद्ध कीजिए कि $x^2 - y^2 = c\,(x^2 + y^2)^2$ जहाँ c एक प्राचल है, अवकल समीकरण $(x^3 - 3x\,y^2)\,dx = (y^3 - 3x^2y)\,dy$ का व्यापक हल है।

5. प्रथम चतुर्थांश में ऐसे वृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जो निर्देशांक अक्षों को स्पर्श करते हैं।

6. अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx} + \sqrt{\frac{1-y^2}{1-x^2}} = 0$, जबकि $x \neq 1$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

7. दर्शाइए कि अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx} + \frac{y^2+y+1}{x^2+x+1} = 0$ का व्यापक हल $(x + y + 1) = A\,(1 - x - y - 2xy)$ है, जिसमें A एक प्राचल है।

8. बिंदु $\left(0, \frac{\pi}{4}\right)$ से गुजरने वाले एक ऐसे वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए जिसका अवकल समीकरण $\sin x \cos y\, dx + \cos x \sin y\, dy = 0$ है।

9. अवकल समीकरण $(1 + e^{2x})\, dy + (1 + y^2)\, e^x\, dx = 0$ का एक विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, दिया हुआ है कि $y = 1$ यदि $x = 0$.

10. अवकल समीकरण $y\, e^{\frac{x}{y}} dx = \left(x\, e^{\frac{x}{y}} + y^2 \right) dy\ (y \neq 0)$ का हल ज्ञात कीजिए।

11. अवकल समीकरण $(x - y)\, (dx + dy) = dx - dy$ का एक विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, दिया हुआ है कि $y = -1$, यदि $x = 0$ (संकेत: $x - y = t$ रखें)।

12. अवकल समीकरण $\left[\dfrac{e^{-2\sqrt{x}}}{\sqrt{x}} - \dfrac{y}{\sqrt{x}} \right] \dfrac{dx}{dy} = 1\ (x \neq 0)$ का हल ज्ञात कीजिए।

13. अवकल समीकरण $\dfrac{dy}{dx} + y \cot x = 4x \operatorname{cosec} x\ (x \neq 0)$ का एक विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, दिया हुआ है कि $y = 0$ यदि $x = \dfrac{\pi}{2}$.

14. अवकल समीकरण $(x + 1) \dfrac{dy}{dx} = 2\, e^{-y} - 1$ का एक विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, दिया हुआ है कि $y = 0$ यदि $x = 0$.

15. किसी गाँव की जनसंख्या की वृद्धि की दर किसी भी समय उस गाँव के निवासियों की संख्या के समानुपाती है। यदि सन् 1999 में गाँव की जनसंख्या 20,000 थी और सन् 2004 में 25,000 थी, तो ज्ञात कीजिए कि सन् 2009 में गाँव की जनसंख्या क्या होगी?

16. अवकल समीकरण $\dfrac{y\, dx - x\, dy}{y} = 0$ का व्यापक हल है:

(A) $xy = \mathrm{C}$ (B) $x = \mathrm{C}y^2$ (C) $y = \mathrm{C}x$ (D) $y = \mathrm{C}x^2$

17. $\dfrac{dx}{dy} + \mathrm{P}_1 x = \mathrm{Q}_1$ के रूप वाले अवकल समीकरण का व्यापक हल है:

(A) $y\, e^{\int \mathrm{P}_1 dy} = \int \left(\mathrm{Q}_1 e^{\int \mathrm{P}_1 dy} \right) dy + \mathrm{C}$

(B) $y \,.\, e^{\int \mathrm{P}_1 dx} = \int \left(\mathrm{Q}_1 e^{\int \mathrm{P}_1 dx} \right) dx + \mathrm{C}$

(C) $x\, e^{\int \mathrm{P}_1 dy} = \int \left(\mathrm{Q}_1 e^{\int \mathrm{P}_1 dy} \right) dy + \mathrm{C}$

(D) $x\, e^{\int \mathrm{P}_1 dx} = \int \left(\mathrm{Q}_1 e^{\int \mathrm{P}_1 dx} \right) dx + \mathrm{C}$

18. अवकल समीकरण $e^x\, dy + (y\, e^x + 2x)\, dx = 0$ का व्यापक हल है:

(A) $x\, e^y + x^2 = \mathrm{C}$ (B) $x\, e^y + y^2 = \mathrm{C}$ (C) $y\, e^x + x^2 = \mathrm{C}$ (D) $y\, e^y + x^2 = \mathrm{C}$

सारांश

- एक ऐसा समीकरण जिसमें स्वतंत्र चर (चरों) के सापेक्ष आश्रित चर के अवकलज (अवकलजों) सम्मिलित हों, अवकल समीकरण कहलाता है।
- किसी अवकल समीकरण में सम्मिलित उच्चतम अवकलज की कोटि, उस अवकल समीकरण की कोटि कहलाती है।
- यदि कोई अवकल समीकरण अवकलजों में बहुपद समीकरण हैं तो उस अवकल समीकरण की घात परिभाषित होती है।
- किसी अवकल समीकरण की घात (यदि परिभाषित हो) उस अवकल समीकरण में सम्मिलित उच्चतम कोटि अवकलज की उच्चतम घात (केवल धनात्मक पूर्णांक) होती है।
- एक दिए हुए अवकल समीकरण को संतुष्ट करने वाला फलन उस अवकल समीकरण का हल कहलाता है। एक ऐसा हल जिसमें उतने ही स्वेच्छ अचर हों, जितनी उस अवकल समीकरण की कोटि है, व्यापक हल कहलाता है और स्वेच्छ अचरों से मुक्त हल विशिष्ट हल कहलाता है।
- किसी दिए हुए फलन से अवकल समीकरण बनाने के लिए हम उस फलन का उत्तरोत्तर उतनी ही बार अवकलन करते हैं जितने उस फलन में स्वेच्छ अचर होते हैं और तब स्वेच्छ अचरों को विलुप्त करते हैं।
- चर पृथक्करणीय विधि ऐसे समीकरण को हल करने के लिए उपयोग की जाती है जिसमें चरों को पूरी तरह से पृथक् किया जा सकता है अर्थात् y वाले पद dy के साथ रहने चाहिए और x वाले पद dx के साथ रहने चाहिए।
- एक ऐसा अवकल समीकरण, जिसको $\frac{dy}{dx} \quad f(x, y)$ अथवा $\frac{dx}{dy} \quad g(x, y)$ के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है, जहाँ $f(x, y)$ एवं $g(x, y)$ शून्य घात वाले समघातीय फलन हैं, समघातीय अवकल समीकरण कहलाता है।
- $\frac{dy}{dx} + Py \quad Q$, के रूप वाला अवकल समीकरण, जिसमें P तथा Q अचर अथवा केवल x के फलन हैं, प्रथम कोटि रैखिक अवकल समीकरण कहलाता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

अवकल समीकरण विज्ञान की प्रमुख भाषाओं में से एक है। रोचक तथ्य यह है कि अवकल समीकरणों का अस्तित्व नवंबर 11, 1675 Gottfried Wilthelm Freiherr Leibnitz (1646-1716) ने सर्वप्रथम सर्वसमिका, $\int y\, dy = \frac{1}{2} y^2$, को लिखित रूप में प्रस्तुत किया तथा

उनसे दोनों प्रतीकों $\int$ और dy से परिचित कराया। वस्तुतः Leibnitz ऐसी वक्र को ज्ञात करने की समस्या में मग्न थे जिसकी स्पर्श रेखा निर्दिष्ट हों, इस समस्या ने सन् 1691 में उन्हें 'चरों के पृथक्करणीय विधि' के अन्वेषण का मार्गदर्शन कराया। एक वर्ष पश्चात् उन्होंने 'प्रथम कोटि के समघातीय समीकरणों के हल करने की विधि' का सूत्रीकरण किया। वे आगे बढ़े और अल्प समय में उन्होंने 'प्रथम कोटि के रैखिक अवकल समीकरणों को हल करने की विधि' का अन्वेषण किया। कितना आश्चर्यजनक है कि उपर्युक्त सभी विधियों की खोज अकेले एक व्यक्ति द्वारा अवकल समीकरणों के जन्म के पच्चीस वर्षों के अल्पावधि के अंतर्गत संपन्न हुई।

प्रारंभ में केवल समीकरणों के 'हल' करने की प्रविधि को अवकल समीकरणों के 'समाकलन' के रूप में निर्दिश्ट किया गया था। यह शब्द सन् 1690 में प्रथमतः James Bernoulli, (1654 – 1705) द्वारा प्रचलन में लाया गया। शब्द 'हल' का सर्वप्रथम प्रयोग Joseph Louis Lagrange (1736-1813), द्वारा सन् 1774 में किया गया। यह घटना अवकल समीकरणों के जन्म से लगभग 100 वर्षों बाद घटित हुई। ये Jules Henri Poincare (1854 – 1912), थे, जिन्होंने शब्द 'हल' के प्रयोग के लिए अकाट्य तर्क प्रस्तुत किया, फलतः आधुनिक शब्दावली में शब्द हल को अपना उचित स्थान प्राप्त हुआ। 'चरों के पृथ्क्करणीय विधि का नामकरण John Bernoulli (1667-1748), James Bernoulli के अनुज द्वारा किया गया। मई 20, 1715 को Leibnitz को लिखे अपने पत्र में, उन्होने निम्नलिखित अवकल समीकरण के हल की खोज किए

$$x^2 y'' = 2y$$

के हल तीन प्रकार की वक्रों नामतः परवलय, अतिपरवलय और घनीय वक्रों के एक समूह का मार्गदर्शन कराते हैं। यह दर्शाता है कि ऐसे सरल दिखाई पड़ने वाले अवकल समीकरणों के हल कैसे नाना रूप धारण करते हैं। 20वीं शताब्दी के उतरार्ध में 'अवकल समीकरणों के गुणात्मक विश्लेषण' शीर्षक के अंतर्गत अवकल समीकरणों के हलों की जटिल प्रकृति के आविष्कार हेतु ध्यान आकर्षित किया गया। आजकल इसने लगभग सभी अविष्कारों हेतु अत्यंत प्रविधि के रूप में प्रमुख स्थान प्राप्त कर लिया है।

अध्याय 10

सदिश बीजगणित (Vector Algebra)

❖ *In most sciences one generation tears down what another has built and what one has established another undoes. In Mathematics alone each generation builds a new story to the old structure. – HERMAN HANKEL* ❖

10.1 भूमिका (Introduction)

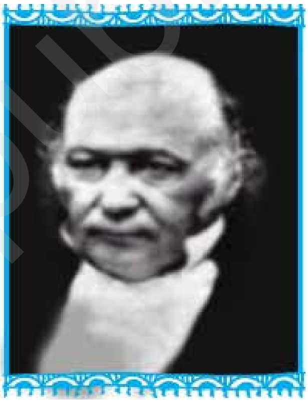

W.R. Hamilton
(1805-1865)

अपने दैनिक जीवन में हमें अनेक प्रश्न मिलते हैं जैसे कि आपकी ऊँचाई क्या है? एक फुटबाल के खिलाड़ी को अपनी ही टीम के दूसरे खिलाड़ी के पास गेंद पहुँचाने के लिए गेंद पर किस प्रकार प्रहार करना चाहिए? अवलोकन कीजिए कि प्रथम प्रश्न का संभावित उत्तर 1.6 मीटर हो सकता है। यह एक ऐसी राशि है जिसमें केवल एक मान परिमाण जो एक वास्तविक संख्या है, सम्मिलित है। ऐसी राशियाँ अदिश कहलाती है। तथापि दूसरे प्रश्न का उत्तर एक ऐसी राशि है (जिसे बल कहते हैं) जिसमें मांसपेशियों की शक्ति परिमाण के साथ-साथ दिशा (जिसमें दूसरा खिलाड़ी स्थित है) भी सम्मिलित है। ऐसी राशियाँ सदिश कहलाती है। गणित, भौतिकी एवं अभियांत्रिकी में ये दोनों प्रकार की राशियाँ नामत: अदिश राशियाँ, जैसे कि लंबाई, द्रव्यमान, समय, दूरी, गति, क्षेत्रफल, आयतन, तापमान, कार्य, धन, वोल्टता, घनत्व, प्रतिरोधक इत्यादि एवं सदिश राशियाँ जैसे कि विस्थापन, वेग, त्वरण, बल, भार, संवेग, विद्युत क्षेत्र की तीव्रता इत्यादि बहुधा मिलती हैं।

इस अध्याय में हम सदिशों की कुछ आधारभूत संकल्पनाएँ, सदिशों की विभिन्न संक्रियाएँ और इनके बीजीय एवं ज्यामितीय गुणधर्मों का अध्ययन करेंगे। इन दोनों प्रकार के गुणधर्मों का सम्मिलित रूप सदिशों की संकल्पना का पूर्ण अनुभूति देता है और उपर्युक्त चर्चित क्षेत्रों में इनकी विशाल उपयोगिता की ओर प्रेरित करता है।

10.2 कुछ आधारभूत संकल्पनाएँ (Some Basic Concepts)

मान लीजिए कि किसी तल अथवा त्रि-विमीय अंतरिक्ष में l कोई सरल रेखा है। तीर के निशानों की सहायता से इस रेखा को दो दिशाएँ प्रदान की जा सकती हैं। इन दोनों में से निश्चित दिशा वाली कोई

भी एक रेखा दिष्ट रेखा कहलाती है [आकृति 10.1 (i), (ii)]।

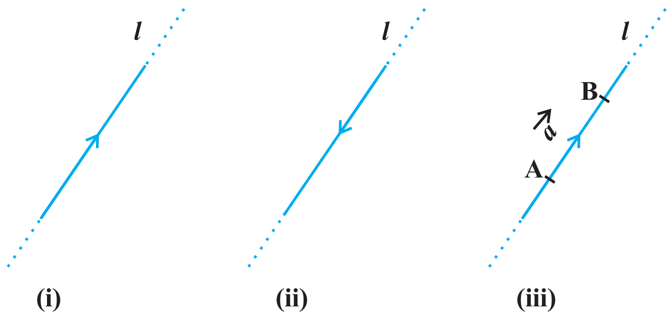

आकृति 10.1

अब प्रेक्षित कीजिए कि यदि हम रेखा '*l*' को रेखाखंड AB तक प्रतिबंधित कर देते हैं तब दोनों मे से किसी एक दिशा वाली रेखा '*l*' पर परिमाण निर्धारित हो जाता है। इस प्रकार हमें एक दिष्ट रेखाखंड प्राप्त होता है (आकृति 10.1(iii))। अतः एक दिष्ट रेखाखंड में परिमाण एवं दिशा दोनों होते हैं।

परिभाषा 1 एक ऐसी राशि जिसमें परिमाण एवं दिशा दोनों होते हैं, सदिश कहलाती है।

ध्यान दीजिए कि एक दिष्ट रेखाखंड सदिश होता है (आकृति 10.1(iii)), जिसे $\overrightarrow{AB}$ अथवा साधारणतः $\vec{a}$, के रूप में निर्दिष्ट करते हैं और इसे सदिश '$\overrightarrow{AB}$' अथवा सदिश '$\vec{a}$' के रूप में पढ़ते हैं।

वह बिंदु A जहाँ से सदिश $\overrightarrow{AB}$ प्रारंभ होता है, प्रारंभिक बिंदु कहलाता है और वह बिंदु B जहाँ पर सदिश $\overrightarrow{AB}$, समाप्त होता है अंतिम बिंदु कहलाता है। किसी सदिश के प्रारंभिक एवं अंतिम बिंदुओं के बीच की दूरी सदिश का परिमाण (अथवा लंबाई) कहलाता है और इसे $|\overrightarrow{AB}|$ अथवा $|\vec{a}|$ के रूप में निर्दिष्ट किया जाता है। तीर का निशान सदिश की दिशा को निर्दिष्ट करता है।

> **टिप्पणी** क्योंकि लंबाई कभी भी ऋणात्मक नहीं होती है इसलिए संकेतन $|\vec{a}| < 0$ का कोई अर्थ नहीं है।

स्थिति सदिश (Position Vector)

कक्षा XI से, त्रि-विमीय दक्षिणावर्ती समकोणिक निर्देशांक पद्धति को स्मरण कीजिए (आकृति 10.2 (i))। अंतरिक्ष में मूल बिंदु O(0, 0, 0) के सापेक्ष एक ऐसा बिंदु P लीजिए जिसके निर्देशांक (x, y, z) है। तब सदिश $\overrightarrow{OP}$ जिसमें O और P क्रमशः प्रारंभिक एवं अंतिम बिंदु हैं, O के

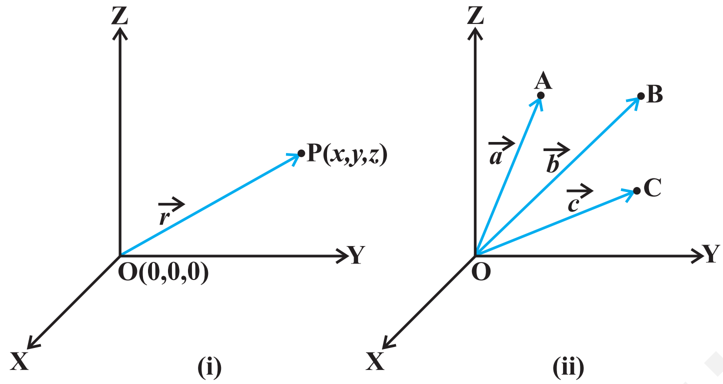

आकृति 10.2

सापेक्ष बिंदु P का स्थिति सदिश कहलाता है। दूरी सूत्र (कक्षा XI से) का उपयोग करते हुए $\overrightarrow{OP}$ (अथवा $\vec{r}$) का परिमाण निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$$|\overrightarrow{OP}| = \sqrt{x^2 + y^2 + z^2}$$

व्यवहार में मूल बिंदु O के सापेक्ष, बिंदुओं A, B, C इत्यादि के स्थिति सदिश क्रमशः $\vec{a}, \vec{b}, \vec{c}$ से निर्दिष्ट किए जाते हैं [आकृति 10.2(ii)]।

दिक्-कोसाइन (Direction Cosines)

एक बिंदु $P(x, y, z)$ का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP}$ अथवा $\vec{r}$ लीजिए जैसा कि आकृति 10.3 में दर्शाया गया है। सदिश $\vec{r}$ द्वारा x, y एवं z-अक्ष की धनात्मक दिशाओं के साथ बनाए गए क्रमशः कोण

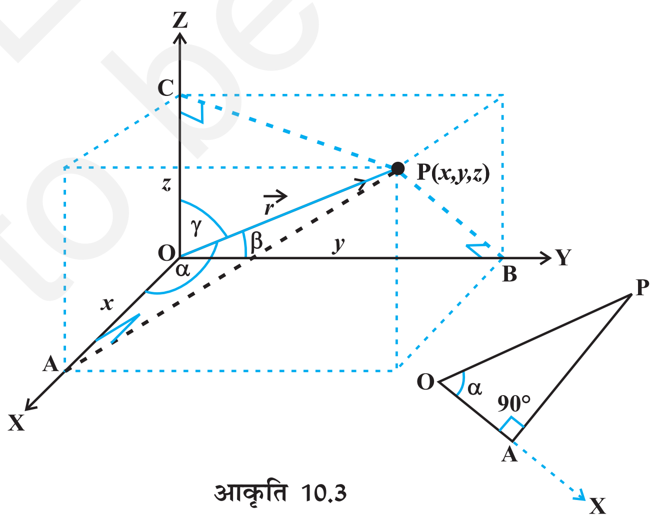

आकृति 10.3

$\alpha, \beta,$ एवं γ दिशा कोण कहलाते हैं। इन कोणों के कोसाइन मान अर्थात् $\cos\alpha, \cos\beta$ एवं $\cos\gamma$ सदिश $\vec{r}$ के दिक्-कोसाइन कहलाते हैं और सामान्यत: इनको क्रमश: l, m एवं n से निर्दिष्ट किया जाता है।

आकृति 10.3, से हम देखते हैं कि त्रिभुज OAP एक समकोण त्रिभुज है और इस त्रिभुज से हम $\cos \frac{x}{r}$ r को $|\vec{r}|$ के लिए प्रयोग किया गया है प्राप्त करते हैं। इसी प्रकार समकोण त्रिभुजों OBP एवं OCP से हम $\cos \frac{y}{r}$ एवं $\cos \frac{z}{r}$ लिख सकते हैं। इस प्रकार बिंदु P के निर्देशांकों को (lr, mr, nr) के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। दिक्-कोसाइन के समानुपाती संख्याएँ lr, mr एवं nr सदिश $\vec{r}$ के दिक्-अनुपात कहलाते हैं और इनको क्रमश: a, b तथा c से निर्दिष्ट किया जाता है।

टिप्पणी हम नोट कर सकते हैं कि $l^2 + m^2 + n^2 = 1$ परंतु सामान्यत: $a^2 + b^2 + c^2 \neq 1$

10.3 सदिशों के प्रकार (Types of Vectors)

शून्य सदिश [Zero (null) Vector] एक सदिश जिसके प्रारंभिक एवं अंतिम बिंदु संपाती होते हैं, शून्य सदिश कहलाता है और इसे $\vec{0}$ के रूप में निर्दिष्ट किया जाता है। शून्य सदिश को कोई निश्चित दिशा प्रदान नहीं की जा सकती क्योंकि इसका परिमाण शून्य होता है अथवा विकल्पत: इसको कोई भी दिशा धारण किए हुए माना जा सकता है। सदिश $\overrightarrow{AA}, \overrightarrow{BB}$ शून्य सदिश को निरूपित करते हैं।

मात्रक सदिश (Unit Vector) एक सदिश जिसका परिमाण एक (अथवा 1 इकाई) है मात्रक सदिश कहलाता है। किसी दिए हुए सदिश $\vec{a}$ की दिशा में मात्रक सदिश को $\hat{a}$ से निर्दिष्ट किया जाता है।

सह-आदिम सदिश (Co-initial Vectors) दो अथवा अधिक सदिश जिनका एक ही प्रारंभिक बिंदु है, सह आदिम सदिश कहलाते हैं।

संरेख सदिश (Collinear Vectors) दो अथवा अधिक सदिश यदि एक ही रेखा के समांतर है तो वे संरेख सदिश कहलाते हैं।

समान सदिश (Equal Vectors) दो सदिश $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ समान सदिश कहलाते हैं यदि उनके परिमाण एवं दिशा समान हैं। इनको $\vec{a} = \vec{b}$ के रूप में लिखा जाता है।

ऋणात्मक सदिश (Negative of a Vector) एक सदिश जिसका परिमाण दिए हुए सदिश (मान लीजिए $\overrightarrow{AB}$) के समान है परंतु जिसकी दिशा दिए हुए सदिश की दिशा के विपरीत है, दिए हुए सदिश का ऋणात्मक कहलाता है। उदाहरणत: सदिश $\overrightarrow{BA}$, सदिश $\overrightarrow{AB}$ का ऋणात्मक है और इसे $\overrightarrow{BA} = -\overrightarrow{AB}$ के रूप में लिखा जाता है।

टिप्पणी उपर्युक्त परिभाषित सदिश इस प्रकार है कि उनमें से किसी को भी उसके परिमाण एवं दिशा को परिवर्तित किए बिना स्वयं के समांतर विस्थापित किया जा सकता है। इस प्रकार के सदिश स्वतंत्र सदिश कहलाते हैं। इस पूरे अध्याय में हम स्वतंत्र सदिशों की ही चर्चा करेंगे।

उदाहरण 1 दक्षिण से 30° पश्चिम में, 40 km के विस्थापन का आलेखीय निरूपण कीजिए।

हल सदिश $\overrightarrow{OP}$ अभीष्ट विस्थापन को निरूपित करता है (आकृति 10.4 देखिए)।

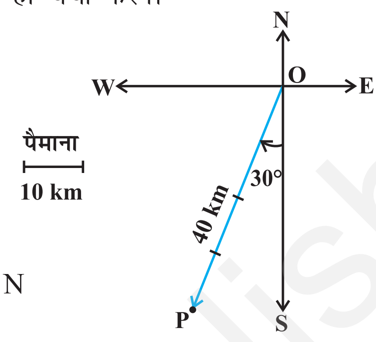

आकृति 10.4

उदाहरण 2 निम्नलिखित मापों को अदिश एवं सदिश के रूप में श्रेणीबद्ध कीजिए।

(i) 5 s (ii) 1000 cm³ (iii) 10 N

(iv) 30 km/h (v) 10 g/cm³

(vi) 20 m/s उत्तर की ओर

हल

(i) समय-अदिश (ii) आयतन-अदिश (iii) बल-सदिश

(iv) गति-अदिश (v) घनत्व-अदिश (vi) वेग-सदिश

उदाहरण 3 आकृति 10.5 में कौन से सदिश

(i) संरेख हैं

(ii) समान हैं

(iii) सह-आदिम हैं

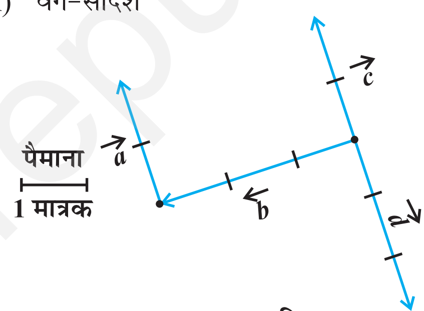

आकृति 10.5

हल

(i) संरेख सदिश : $\vec{a}, \vec{c}$ तथा $\vec{d}$

(ii) समान सदिश : $\vec{a}$ तथा $\vec{c}$

(iii) सह-आदिम सदिश : $\vec{b}, \vec{c}$ तथा $\vec{d}$

प्रश्नावली 10.1

1. उत्तर से 30° पूर्व में 40 km के विस्थापन का आलेखीय निरूपण कीजिए।
2. निम्नलिखित मापों को अदिश एवं सदिश के रूप में श्रेणीबद्ध कीजिए।

   (i) 10 kg (ii) 2 मीटर उत्तर-पश्चिम (iii) 40°

   (iv) 40 वाट (v) 10^{-19} कूलंब (vi) 20 m/s²
3. निम्नलिखित को अदिश एवं सदिश राशियों के रूप में श्रेणीबद्ध कीजिए।

   (i) समय कालांश (ii) दूरी (iii) बल

   (iv) वेग (v) कार्य

4. आकृति 10.6 (एक वर्ग) में निम्नलिखित सदिशों को पहचानिए।

(i) सह-आदिम (ii) समान

(iii) संरेख परंतु असमान

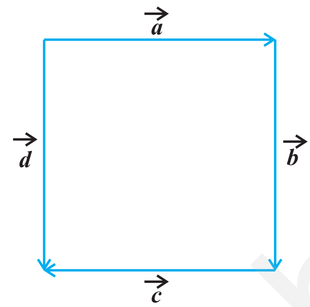

आकृति 10.6

5. निम्नलिखित का उत्तर सत्य अथवा असत्य के रूप में दीजिए।

(i) $\vec{a}$ तथा $-\vec{a}$ संरेख हैं।

(ii) दो संरेख सदिशों का परिमाण सदैव समान होता है।

(iii) समान परिमाण वाले दो सदिश संरेख होते हैं।

(iv) समान परिमाण वाले दो संरेख सदिश समान होते हैं।

10.4 सदिशों का योगफल (Addition of Vectors)

सदिश $\overrightarrow{AB}$ से साधारणतः हमारा तात्पर्य है बिंदु A से बिंदु B तक विस्थापन। अब एक ऐसी स्थिति की चर्चा कीजिए जिसमें एक लड़की बिंदु A से बिंदु B तक चलती है और उसके बाद बिंदु B से बिंदु C तक चलती है (आकृति 10.7)। बिंदु A से बिंदु C तक लड़की द्वारा किया गया कुल विस्थापन सदिश, $\overrightarrow{AC}$ से प्राप्त होता है और इसे $\overrightarrow{AC} = \overrightarrow{AB} + \overrightarrow{BC}$ के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है।

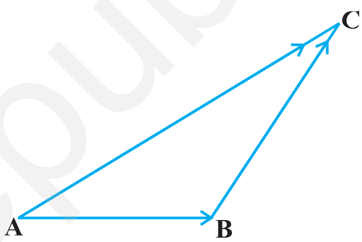

आकृति 10.7

यह सदिश योग का त्रिभुज नियम कहलाता है।

सामान्यतः, यदि हमारे पास दो सदिश $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ हैं [आकृति 10.8 (i)], तो उनका योग ज्ञात करने के लिए उन्हें इस स्थिति में लाया जाता है, ताकि एक का प्रारंभिक बिंदु दूसरे के अंतिम बिंदु के संपाती हो जाए [आकृति 10.8(ii)]।

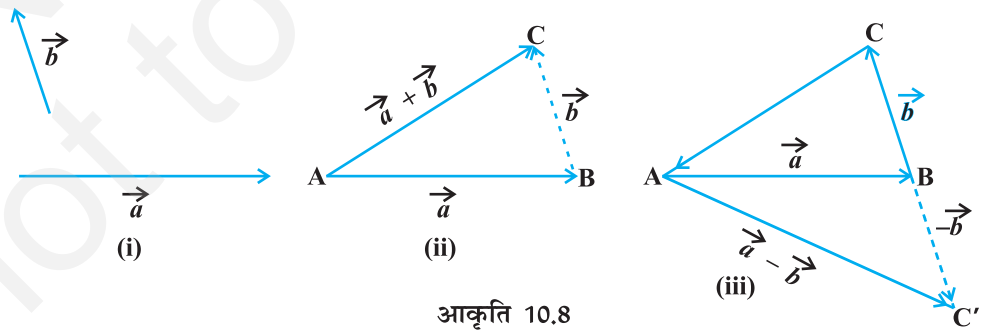

आकृति 10.8

उदाहरणतः आकृति 10.8 (ii) में, हमने सदिश $\vec{b}$ के परिमाण एवं दिशा को परिवर्तित किए बिना इस प्रकार स्थानांतरित किया है ताकि इसका प्रारंभिक बिंदु, $\vec{a}$ के अंतिम बिंदु के संपाती है तब त्रिभुज ABC की तीसरी भुजा AC द्वारा निरूपित सदिश $\vec{a}+\vec{b}$ हमें सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ का योग (अथवा परिणामी) प्रदान करता है, अर्थात् त्रिभुज ABC में हम पाते हैं कि $\overrightarrow{AB}+\overrightarrow{BC} = \overrightarrow{AC}$ [आकृति 10.8 (ii)]।

अब पुनः क्योंकि $\overrightarrow{AC} = -\overrightarrow{CA}$, इसलिए उपर्युक्त समीकरण से हम पाते हैं कि

$$\overrightarrow{AB}+\overrightarrow{BC}+\overrightarrow{CA} = \overrightarrow{AA} = \vec{0}$$

इसका तात्पर्य यह है कि किसी त्रिभुज की भुजाओं को यदि एक क्रम में लिया जाए तो यह शून्य परिणामी की ओर प्रेरित करता है क्योंकि प्रारंभिक एवं अंतिम बिंदु संपाती हो जाते हैं [आकृति 10.8(iii)]।

अब एक सदिश $\overrightarrow{BC'}$ की रचना इस प्रकार कीजिए ताकि इसका परिमाण सदिश $\overrightarrow{BC}$, के परिमाण के समान हो, परंतु इसकी दिशा $\overrightarrow{BC}$ की दिशा के विपरीत हो आकृति 10.8(iii) अर्थात् $\overrightarrow{BC'} = -\overrightarrow{BC}$ तब त्रिभुज नियम का अनुप्रयोग करते हुए [आकृति 10.8(iii)] से हम पाते हैं कि

$\overrightarrow{AC'} = \overrightarrow{AB}+\overrightarrow{BC'} = \overrightarrow{AB}+(-\overrightarrow{BC}) = \vec{a}-\vec{b}$

सदिश $\overrightarrow{AC'}$, $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के अंतर को निरूपित करता है।

अब किसी नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक पानी के बहाव की दिशा के लंबवत् जाने वाली एक नाव की चर्चा करते हैं। तब इस नाव पर दो वेग सदिश कार्य कर रहे हैं, एक इंजन द्वारा नाव को दिया गया वेग और दूसरा नदी के पानी के बहाव का वेग। इन दो वेगों के युगपत प्रभाव से नाव वास्तव में एक भिन्न वेग से चलना शुरू करती है। इस नाव की प्रभावी गति एवं दिशा (अर्थात् परिणामी वेग) के बारे में यथार्थ विचार लाने के लिए हमारे पास सदिश योगफल का निम्नलिखित नियम है।

यदि हमारे पास एक समांतर चतुर्भुज की दो संलग्न भुजाओं से निरूपित किए जाने वाले (परिमाण एवं दिशा सहित) दो सदिश $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ है (आकृति 10.9) तब समांतर चतुर्भुज की इन दोनों भुजाओं के उभयनिष्ठ बिंदु से गुजरने वाला विकर्ण इन दोनों सदिशों के योग $\vec{a}+\vec{b}$ को परिमाण एवं दिशा सहित निरूपित करता है। यह सदिश योग का समांतर चतुर्भुज नियम कहलाता है।

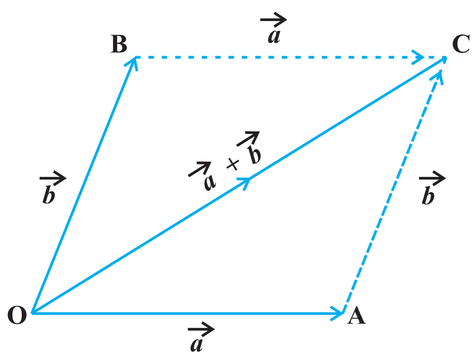

आकृति 10.9

टिप्पणी त्रिभुज नियम का उपयोग करते हुए आकृति 10.9 से हम नोट कर सकते हैं कि $\overrightarrow{OA}+\overrightarrow{AC}=\overrightarrow{OC}$ या $\overrightarrow{OA}+\overrightarrow{OB}=\overrightarrow{OC}$ (क्योंकि $\overrightarrow{AC}=\overrightarrow{OB}$) जो कि समांतर चतुर्भुज नियम है। अतः हम कह सकते हैं कि सदिश योग के दो नियम एक दूसरे के समतुल्य हैं।

सदिश योगफल के गुणधर्म (Properties of vector addition)

गुणधर्म 1 दो सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के लिए

$$\vec{a}+\vec{b}=\vec{b}\quad\vec{a} \qquad \text{(क्रमविनिमयता)}$$

उपपत्ति समांतर चतुर्भुज ABCD को लीजिए (आकृति 10.10) मान लीजिए $\overrightarrow{AB}\quad\vec{a}$ और $\overrightarrow{BC}\quad\vec{b}$, तब त्रिभुज ABC में त्रिभुज नियम का उपयोग करते हुए हम पाते हैं कि $\overrightarrow{AC}=\vec{a}+\vec{b}$

अब, क्योंकि समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजाएँ समान एवं समांतर है, इसलिए आकृति 10.10 में $\overrightarrow{AD}=\overrightarrow{BC}=\vec{b}$ और $\overrightarrow{DC}=\overrightarrow{AB}=\vec{a}$ है। पुनः त्रिभुज ADC में त्रिभुज नियम के प्रयोग से $\overrightarrow{AC}=\overrightarrow{AD}+\overrightarrow{DC}$

$=\vec{b}+\vec{a}$

अतः $\vec{a}+\vec{b}=\vec{b}+\vec{a}$

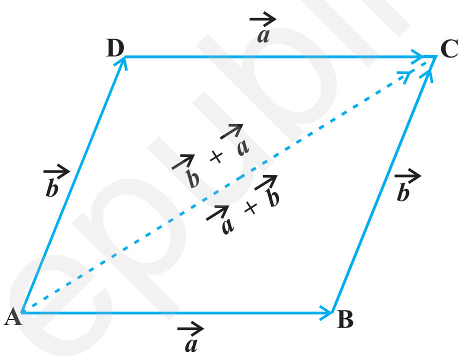

आकृति 10.10

गुणधर्म 2 तीन सदिशों $\vec{a},\vec{b}$ और $\vec{c}$ के लिए

$$(\vec{a}+\vec{b})+\vec{c}=\vec{a}+(\vec{b}+\vec{c}) \qquad \text{(साहचर्य गुण)}$$

उपपत्ति मान लीजिए, सदिशों $\vec{a},\vec{b}$ तथा $\vec{c}$ को क्रमशः $\overrightarrow{PQ}$, $\overrightarrow{QR}$ एवं $\overrightarrow{RS}$ से निरूपित किया गया है जैसा कि आकृति 10.11(i) और (ii) में दर्शाया गया है।

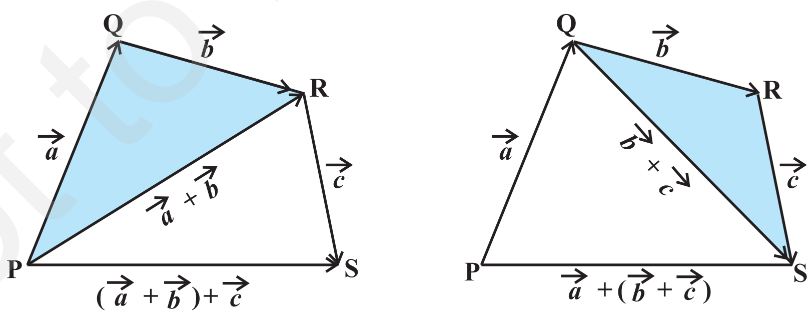

(i) आकृति 10.11 (ii)

तब $\qquad \vec{a}+\vec{b} = \overrightarrow{PQ}+\overrightarrow{QR}=\overrightarrow{PR}$

और $\qquad \vec{b}+\vec{c} = \overrightarrow{QR}+\overrightarrow{RS}=\overrightarrow{QS}$

इसलिए $\qquad (\vec{a}+\vec{b})+\vec{c} = \overrightarrow{PR}+\overrightarrow{RS}=\overrightarrow{PS}$

और $\qquad \vec{a}+(\vec{b}+\vec{c}) = \overrightarrow{PQ}+\overrightarrow{QS}=\overrightarrow{PS}$

अतः $\qquad (\vec{a}+\vec{b})+\vec{c} = \vec{a}+(\vec{b}+\vec{c})$

टिप्पणी सदिश योगफल के साहचर्य गुणधर्म की सहायता से हम तीन सदिशों $\vec{a}, \vec{b}$ तथा $\vec{c}$ का योगफल कोष्ठकों का उपयोग किए बिना $\vec{a} \quad \vec{b} \quad \vec{c}$ के रूप में लिखते हैं।

नोट कीजिए कि किसी सदिश $\vec{a}$ के लिए हम पाते हैं:

$$\vec{a}+\vec{0} = \vec{0}+\vec{a}=\vec{a}$$

यहाँ शून्य सदिश $\vec{0}$ सदिश योगफल के लिए योज्य सर्वसमिका कहलाता है।

10.5 एक अदिश से सदिश का गुणन (Multiplication of a Vector by a Scalar)

मान लीजिए कि $\vec{a}$ एक दिया हुआ सदिश है और λ एक अदिश है। तब सदिश $\vec{a}$ का अदिश λ, से गुणनफल जिसे $\lambda\vec{a}$ के रूप में निर्दिष्ट किया जाता है, सदिश $\vec{a}$ का अदिश λ से गुणन कहलाता है। नोट कीजिए कि $\lambda\vec{a}$ भी सदिश $\vec{a}$ के संरेख एक सदिश है। λ के मान धनात्मक अथवा ऋणात्मक होने के अनुसार $\lambda\vec{a}$ की दिशा, $\vec{a}$ के समान अथवा विपरीत होती है। $\lambda\vec{a}$ का परिमाण $\vec{a}$ के परिमाण का $|\lambda|$ गुणा होता है, अर्थात्

$$|\lambda\vec{a}| = |\lambda||\vec{a}|$$

एक अदिश से सदिश के गुणन का ज्यामितीय चाक्षुषीकरण [रूप की कल्पना (visualisation)] आकृति 10.12 में दी गई है।

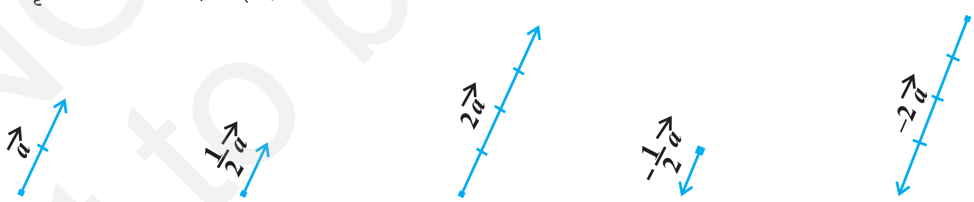

आकृति 10.12

जब $\lambda=-1$, तब $\lambda\vec{a}=-\vec{a}$ जो एक ऐसा सदिश है जिसका परिमाण $\vec{a}$ के समान है और दिशा $\vec{a}$ की दिशा के विपरीत है। सदिश $-\vec{a}$ सदिश $\vec{a}$ का ऋणात्मक (अथवा योज्य प्रतिलोम) कहलाता है और हम हमेशा $\vec{a}+(-\vec{a}) = (-\vec{a})+\vec{a}=\vec{0}$ पाते हैं।

और यदि $\lambda = \frac{1}{|\vec{a}|}$, दिया हुआ है कि $\vec{a}$ 0, अर्थात् $\vec{a}$ एक शून्य सदिश नहीं है तब

$$|\ \vec{a}|\quad|\quad||\vec{a}| = \frac{1}{|\vec{a}|}|\vec{a}|\quad 1$$

इस प्रकार $\lambda\vec{a}$, $\vec{a}$ की दिशा में मात्रक सदिश को निरूपित करता है। हम इसे

$$\hat{a} = \frac{1}{|\vec{a}|}\vec{a} \text{ के रूप में लिखते हैं।}$$

टिप्पणी किसी भी अदिश k के लिए $k\vec{0} = \vec{0}$

10.5.1 *एक सदिश के घटक (Components of a vector)*

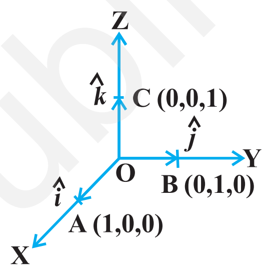

आकृति 10.13

आईए बिंदुओं A(1, 0, 0), B(0, 1, 0) और C(0,0, 1) को क्रमशः x-अक्ष, y-अक्ष एवं z-अक्ष पर लेते हैं। तब स्पष्टतः

$$|\overrightarrow{OA}|\quad 1, |\overrightarrow{OB}| = 1 \text{ और } |\overrightarrow{OC}|\quad 1$$

सदिश $\overrightarrow{OA}$, $\overrightarrow{OB}$ और $\overrightarrow{OC}$ जिनमें से प्रत्येक का परिमाण 1 हैं क्रमशः OX, OY और OZ अक्षों के अनुदिश मात्रक सदिश कहलाते हैं और इनको क्रमशः $\hat{i}$, $\hat{j}$ और $\hat{k}$ द्वारा निर्दिष्ट किया जाता है (आकृति 10.13)।

अब एक बिंदु P(x, y, z) का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP}$ लीजिए जैसा कि आकृति 10.14 में दर्शाया गया है। मान लीजिए कि बिंदु P_1 से तल XOY पर खींचे गए लंब का पाद बिंदु P_1 है। इस प्रकार हम देखते हैं कि P_1P, z-अक्ष के समांतर है। क्योंकि $\hat{i}$, $\hat{j}$ एवं $\hat{k}$ क्रमशः x, y एवं z-अक्ष के अनुदिश मात्रक सदिश है और P के निर्देशांकों की परिभाषा के अनुसार हम पाते हैं कि $\overrightarrow{P_1P} = \overrightarrow{OR} = z\hat{k}$. इसी प्रकार $\overrightarrow{QP_1} = \overrightarrow{OS} = y\hat{j}$ और $\overrightarrow{OQ} = x\hat{i}$. इस प्रकार हम पाते हैं कि

$$\overrightarrow{OP_1} = \overrightarrow{OQ} + \overrightarrow{QP_1} = x\hat{i} + y\hat{j}$$

और

$$\overrightarrow{OP} = \overrightarrow{OP_1} + \overrightarrow{P_1P} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}$$

इस प्रकार O के सापेक्ष P का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP}$ (अथवा $\vec{r}$) = $x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}$ के रूप में प्राप्त होता है।

किसी भी सदिश का यह रूप घटक रूप कहलाता है। यहाँ x, y एवं z, $\vec{r}$ के अदिश घटक कहलाते हैं और $x\hat{i}$, $y\hat{j}$ एवं $z\hat{k}$ क्रमागत अक्षों के अनुदिश $\vec{r}$ के सदिश घटक कहलाते हैं। कभी-कभी x, y एवं z को समकोणिक घटक भी कहा जाता है।

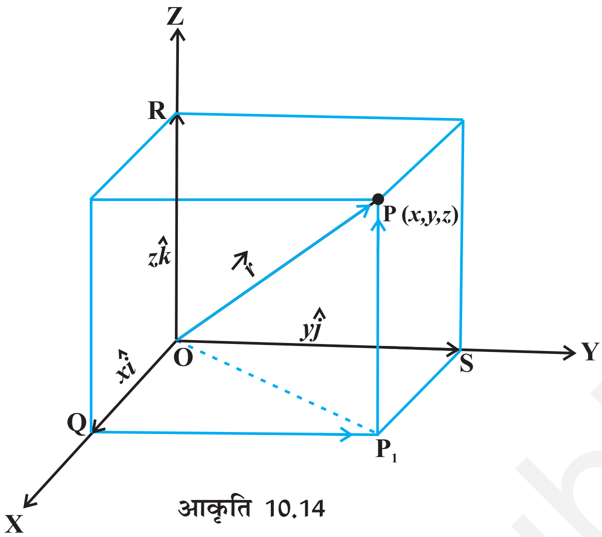

आकृति 10.14

किसी सदिश $\vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}$, की लंबाई पाइथागोरस प्रमेय का दो बार प्रयोग करके तुरंत ज्ञात की जा सकती है। हम नोट करते हैं कि समकोण त्रिभुज OQP_1 में (आकृति 10.14)

$$|\overrightarrow{OP_1}| = \sqrt{|\overrightarrow{OQ}|^2 + |\overrightarrow{QP_1}|^2} = \sqrt{x^2 + y^2}$$

और समकोण त्रिभुज OP_1P, में हम पाते हैं कि

$$|\overrightarrow{OP}| = \sqrt{|\overrightarrow{OP_1}|^2 + |\overrightarrow{P_1P}|^2} = \sqrt{(x^2 + y^2) + z^2}$$

अतः किसी सदिश $\vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}$ की लंबाई $|\vec{r}| = |x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}| = \sqrt{x^2 + y^2 + z^2}$ के रूप में प्राप्त होती है।

यदि दो सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ घटक रूप में क्रमशः $a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$ और $b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k}$ द्वारा दिए गए हैं तो

(i) सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ को योग

$\vec{a} + \vec{b} = (a_1 + b_1)\hat{i} + (a_2 + b_2)\hat{j} + (a_3 + b_3)\hat{k}$ के रूप में प्राप्त होता है।

(ii) सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ का अंतर

$\vec{a} - \vec{b} = (a_1 - b_1)\hat{i} + (a_2 - b_2)\hat{j} + (a_3 - b_3)\hat{k}$ के रूप में प्राप्त होता है।

(iii) सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ समान होते हैं यदि और केवल यदि

$a_1 = b_1$, $a_2 = b_2$ और $a_3 = b_3$

(iv) किसी अदिश λ से सदिश $\vec{a}$ का गुणन

$\lambda\vec{a} = (\lambda a_1)\hat{i} + (\lambda a_2)\hat{j} + (\lambda a_3)\hat{k}$ द्वारा प्रदत्त है।

सदिशों का योगफल और किसी अदिश से सदिश का गुणन सम्मिलित रूप में निम्नलिखित वितरण-नियम से मिलता है

मान लीजिए कि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ कोई दो सदिश हैं और k एवं m दो अदिश हैं तब

(i) $k\vec{a} + m\vec{a} = (k+m)\vec{a}$ (ii) $k(m\vec{a}) = (km)\vec{a}$ (iii) $k(\vec{a} \quad \vec{b}) \quad k\vec{a} \quad k\vec{b}$

टिप्पणी

1. आप प्रेक्षित कर सकते हैं कि λ के किसी भी मान के लिए सदिश $\lambda\vec{a}$ हमेशा सदिश $\vec{a}$ के संरेख है। वास्तव में दो सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ संरेख तभी होते हैं यदि और केवल यदि एक ऐसे शून्येतर अदिश λ का अस्तित्व हैं ताकि $\vec{b} = \lambda\vec{a}$ हो। यदि सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ घटक रूप में दिए हुए हैं, अर्थात् $\vec{a} = a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$ और $\vec{b} = b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k}$, तब दो सदिश संरेख होते हैं यदि और केवल यदि

$$b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k} = \lambda(a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k})$$

$$\Leftrightarrow \quad b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k} = (\lambda a_1)\hat{i} + (\lambda a_2)\hat{j} + (\lambda a_3)\hat{k}$$

$$\Leftrightarrow \quad b_1 = \lambda a_1,\ b_2 = \lambda a_2,\ b_3 = \lambda a_3$$

$$\Leftrightarrow \quad \frac{b_1}{a_1} = \frac{b_2}{a_2} \quad \frac{b_3}{a_3}$$

2. यदि $\vec{a} = a_1\hat{i} \quad a_2\hat{j} \quad a_3\hat{k}$ तब a_1, a_2, a_3 सदिश $\vec{a}$ के दिक्-अनुपात कहलाते हैं।
3. यदि l, m, n किसी सदिश के दिक्-कोसाइन हैं तब

$$l\hat{i} \quad m\hat{j} \quad n\hat{k} = (\cos \quad)\hat{i} \quad (\cos \quad)\hat{j} \quad (\cos \quad)\hat{k}$$

दिए हुए सदिश की दिशा में मात्रक सदिश है जहाँ α, β एवं γ दिए हुए सदिश द्वारा क्रमशः x, y एवं z अक्ष के साथ बनाए गए कोण हैं।

उदाहरण 4 x, y और z के मान ज्ञात कीजिए ताकि सदिश $\vec{a} = x\hat{i} + 2\hat{j} + z\hat{k}$ और $\vec{b} = 2\hat{i} + y\hat{j} + \hat{k}$ समान हैं।

हल ध्यान दीजिए कि दो सदिश समान होते हैं यदि और केवल यदि उनके संगत घटक समान है। अतः दिए हुए सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ समान होंगे यदि और केवल यदि $x = 2, y = 2, z = 1$

उदाहरण 5 मान लीजिए $\vec{a} = \hat{i} + 2\hat{j}$ और $\vec{b} = 2\hat{i} + \hat{j}$ तब क्या $|\vec{a}| = |\vec{b}|$ है? क्या सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ समान हैं?

हल यहाँ $|\vec{a}| = \sqrt{1^2 + 2^2} = \sqrt{5}$ और $|\vec{b}| = \sqrt{2^2 + 1^2} = \sqrt{5}$

इसलिए $|\vec{a}| = |\vec{b}|$ परंतु दिए हुए सदिश समान नहीं हैं क्योंकि इनके संगत घटक भिन्न हैं।

उदाहरण 6 सदिश $\vec{a} = 2\hat{i} + 3\hat{j} + \hat{k}$ के अनुदिश मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए।

हल सदिश $\vec{a}$ के अनुदिश मात्रक सदिश $\hat{a} = \dfrac{1}{|\vec{a}|}\vec{a}$ द्वारा प्राप्त होता है।

अब $$|\vec{a}| = \sqrt{2^2 + 3^2 + 1^2} = \sqrt{14}$$

इसलिए $$\hat{a} = \frac{1}{\sqrt{14}}(2\hat{i} + 3\hat{j} + \hat{k}) = \frac{2}{\sqrt{14}}\hat{i} + \frac{3}{\sqrt{14}}\hat{j} + \frac{1}{\sqrt{14}}\hat{k}$$

उदाहरण 7 सदिश $\vec{a} = \hat{i} - 2\hat{j}$ के अनुदिश एक ऐसा सदिश ज्ञात कीजिए जिसका परिमाण 7 इकाई है।

हल दिए हुए सदिश $\vec{a}$ के अनुदिश मात्रक सदिश $\hat{a} = \dfrac{1}{|\vec{a}|}\vec{a} = \dfrac{1}{\sqrt{5}}(\hat{i} - 2\hat{j}) = \dfrac{1}{\sqrt{5}}\hat{i} - \dfrac{2}{\sqrt{5}}\hat{j}$ है।

इसलिए $\vec{a}$ के अनुदिश और 7 परिमाण वाला सदिश $7\hat{a} = 7\left(\dfrac{1}{\sqrt{5}}\hat{i} - \dfrac{2}{\sqrt{5}}\hat{j}\right) = \dfrac{7}{\sqrt{5}}\hat{i} - \dfrac{14}{\sqrt{5}}\hat{j}$ **है।**

उदाहरण 8 सदिशों $\vec{a} = 2\hat{i} + 2\hat{j} - 5\hat{k}$ और $\vec{b} = 2\hat{i} + \hat{j} + 3\hat{k}$ के योगफल के अनुदिश मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए।

हल दिए हुए सदिशों का योगफल

$$\vec{a} \quad \vec{b} \quad \vec{c}, \text{ जहाँ } \vec{c} = 4\hat{i} \quad 3\hat{j} \quad 2\hat{k} \text{ है।}$$

और $$|\vec{c}| = \sqrt{4^2 + 3^2 + (-2)^2} = \sqrt{29}$$

अतः अभीष्ट मात्रक सदिश

$$\hat{c} = \frac{1}{|\vec{c}|}\vec{c} = \frac{1}{\sqrt{29}}(4\hat{i} + 3\hat{j} - 2\hat{k}) = \frac{4}{\sqrt{29}}\hat{i} + \frac{3}{\sqrt{29}}\hat{j} - \frac{2}{\sqrt{29}}\hat{k} \text{ है।}$$

उदाहरण 9 सदिश $\vec{a} = \hat{i} + \hat{j} - 2\hat{k}$ के दिक्-अनुपात लिखिए और इसकी सहायता से दिक्-कोसाइन ज्ञात कीजिए।

हल ध्यान दीजिए कि सदिश $\vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}$ के दिक्-अनुपात a, b, c सदिश के, क्रमागत घटक x, y, z होते हैं। इसलिए दिए हुए सदिश के लिए हम पाते हैं कि $a = 1, b = 1$ और $c = -2$ है। पुनः यदि l, m और n दिए हुए सदिश के दिक्-कोसाइन हैं तो:

$$l \quad \frac{a}{|\vec{r}|} \quad \frac{1}{\sqrt{6}}, \quad m \quad \frac{b}{|\vec{r}|} \quad \frac{1}{\sqrt{6}}, \quad n \quad \frac{c}{|\vec{r}|} \quad \frac{2}{\sqrt{6}} \text{ (क्योंकि } |\vec{r}| \quad \sqrt{6})$$

अतः दिक्-कोसाइन $\left(\dfrac{1}{\sqrt{6}}, \dfrac{1}{\sqrt{6}}, -\dfrac{2}{\sqrt{6}}\right)$ हैं।

10.5.2 दो बिंदुओं को मिलाने वाला सदिश (Vector joining two points)

यदि $P_1(x_1, y_1, z_1)$ और $P_2(x_2, y_2, z_2)$ दो बिंदु हैं तब P_1 को P_2 से मिलाने वाला सदिश $\overrightarrow{P_1P_2}$ है (आकृति 10.15)। P_1 और P_2 को मूल बिंदु O से मिलाने पर और त्रिभुज नियम का प्रयोग करने पर हम त्रिभुज OP_1P_2 से पाते हैं कि $\overrightarrow{OP_1} + \overrightarrow{P_1P_2} = \overrightarrow{OP_2}$

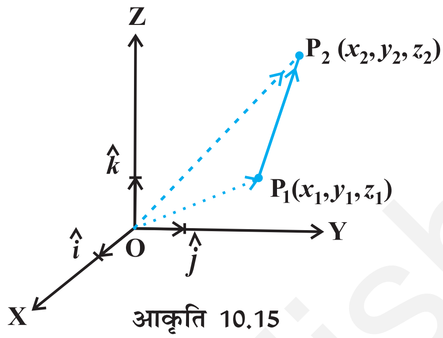

आकृति 10.15

सदिश योगफल के गुणधर्मों का उपयोग करते हुए उपर्युक्त समीकरण निम्नलिखित रूप से लिखा जाता है।

$$\overrightarrow{P_1P_2} = \overrightarrow{OP_2} - \overrightarrow{OP_1}$$

अर्थात्
$$\overrightarrow{P_1P_2} = (x_2\hat{i} + y_2\hat{j} + z_2\hat{k}) - (x_1\hat{i} + y_1\hat{j} + z_1\hat{k})$$
$$= (x_2 - x_1)\hat{i} + (y_2 - y_1)\hat{j} + (z_2 - z_1)\hat{k}$$

सदिश $\overrightarrow{P_1P_2}$ का परिमाण $\left|\overrightarrow{P_1P_2}\right| = \sqrt{(x_2 - x_1)^2 + (y_2 - y_1)^2 + (z_2 - z_1)^2}$ के रूप में प्राप्त होता है।

उदाहरण10 बिंदुओं P(2, 3, 0) एवं Q(– 1, – 2, – 4) को मिलाने वाला एवं P से Q की तरफ दिष्ट सदिश ज्ञात कीजिए।

हल क्योंकि सदिश P से Q की तरफ दिष्ट है, स्पष्टतः P प्रारंभिक बिंदु है और Q अंतिम बिंदु है, इसलिए P और Q को मिलाने वाला अभीष्ट सदिश $\overrightarrow{PQ}$, निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है।

$$\overrightarrow{PQ} = (-1-2)\hat{i} + (-2-3)\hat{j} + (-4-0)\hat{k}$$

अर्थात्
$$\overrightarrow{PQ} = \quad 3\hat{i} \quad 5\hat{j} \quad 4\hat{k}$$

10.5.3 खंड सूत्र (Section Formula)

मान लीजिए मूल बिंदु O के सापेक्ष P और Q दो बिंदु हैं जिनको स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP}$ और $\overrightarrow{OQ}$ से निरूपित किया गया है। बिंदुओं P एवं Q को मिलाने वाला रेखा खंड किसी तीसरे बिंदु R द्वारा दो प्रकार से विभाजित किया जा सकता है। अंतः (आकृति 10.16) एवं बाह्य (आकृति 10.17)। यहाँ हमारा उद्देश्य मूल बिंदु O के सापेक्ष बिंदु R का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OR}$ ज्ञात करना है। हम दोनों स्थितियों को एक-एक करके लेते हैं।

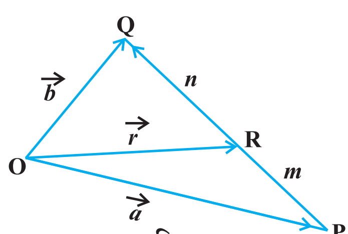

आकृति 10.16

स्थिति 1 जब R, PQ को अंतः विभाजित करता है (आकृति 10.16)। यदि R, $\overrightarrow{PQ}$ को इस प्रकार विभाजित करता है कि $m\,\overrightarrow{RQ} = n\,\overrightarrow{PR}$, जहाँ m और n धनात्मक अदिश हैं तो हम कहते हैं

कि बिंदु R, $\overrightarrow{PQ}$ को $m : n$ के अनुपात में अंतः विभाजित करता है। अब त्रिभुजों ORQ एवं OPR से

$$\overrightarrow{RQ} = \overrightarrow{OQ} - \overrightarrow{OR} = \vec{b} - \vec{r}$$

और
$$\overrightarrow{PR} = \overrightarrow{OR} - \overrightarrow{OP} = \vec{r} - \vec{a}$$

इसलिए
$$m(\vec{b} - \vec{r}) = n(\vec{r} - \vec{a}) \quad \text{(क्यों?)}$$

अथवा
$$\vec{r} = \frac{m\vec{b} + n\vec{a}}{m+n} \quad \text{(सरल करने पर)}$$

अतः बिंदु R जो कि P और Q को $m : n$ के अनुपात में अंतः विभाजित करता है का स्थिति सदिश

$$\overrightarrow{OR} = \frac{m\vec{b} + n\vec{a}}{m+n}$$ के रूप में प्राप्त होता है।

स्थिति II जब R, PQ को बाह्य विभाजित करता है (आकृति 10.17)। यह सत्यापन करना हम पाठक के लिए एक प्रश्न के रूप में छोड़ते हैं कि रेखाखंड PQ को $m : n$ के अनुपात में बाह्य विभाजित करने वाले बिंदु R $\left(\text{i.e., } \dfrac{PR}{QR} = \dfrac{m}{n}\right)$ का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OR} = \dfrac{m\vec{b} - n\vec{a}}{m-n}$ के रूप में प्राप्त होता है।

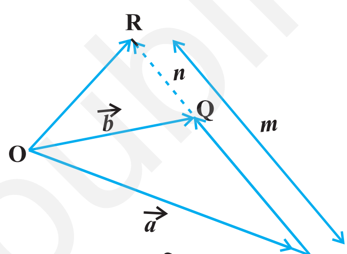

आकृति 10.17

टिप्पणी यदि R, PQ का मध्य बिंदु है तो $m = n$ और इसलिए स्थिति I से $\overline{PQ}$ के मध्य बिंदु R का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OR} = \dfrac{\vec{a} + \vec{b}}{2}$ के रूप में होगा।

उदाहरण 11 दो बिंदु P और Q लीजिए जिनके स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP} = 3\vec{a} - 2\vec{b}$ और $\overrightarrow{OQ} = \vec{a} + \vec{b}$ हैं। एक ऐसे बिंदु R का स्थिति सदिश ज्ञात कीजिए जो P एवं Q को मिलाने वाली रेखा को 2:1 के अनुपात में (i) अंतः (ii) बाह्य विभाजित करता है।

हल

(i) P और Q को मिलाने वाली रेखा को 2:1 के अनुपात में अंतः विभाजित करने वाले बिंदु R का स्थिति सदिश है:

$$\overrightarrow{OR} = \frac{2(\vec{a} + \vec{b}) + (3\vec{a} - 2\vec{b})}{3} = \frac{5\vec{a}}{3}$$

(ii) P और Q को मिलाने वाली रेखा को 2:1 के अनुपात में बाह्य विभाजित करने वाले बिंदु R का स्थिति सदिश है:

$$\overrightarrow{OR} = \frac{2(\vec{a} + \vec{b}) - (3\vec{a} - 2\vec{b})}{2-1} = 4\vec{b} - \vec{a}$$

उदाहरण 12 दर्शाइए कि बिंदु $A(2\hat{i} \quad \hat{j} \quad \hat{k})$, $B(\hat{i} \quad 3\hat{j} \quad 5\hat{k})$, $C(3\hat{i} \quad 4j \quad 4\hat{k})$ एक समकोण त्रिभुज के शीर्ष हैं।

हल हम पाते हैं कि

$$\overrightarrow{AB} = (1-2)\hat{i} + (-3+1)\hat{j} + (-5-1)\hat{k} \quad \hat{i} \quad 2\hat{j} \quad 6\hat{k}$$

$$\overrightarrow{BC} = (3-1)\hat{i} + (-4+3)\hat{j} + (-4+5)\hat{k} = 2\hat{i} - \hat{j} + \hat{k}$$

और

$$\overrightarrow{CA} = (2-3)\hat{i} + (-1+4)\hat{j} + (1+4)\hat{k} = -\hat{i} + 3\hat{j} + 5\hat{k}$$

इसके अतिरिक्त ध्यान दीजिए कि

$$|\overrightarrow{AB}|^2 = 41 = 6 + 35 = |\overrightarrow{BC}|^2 + |\overrightarrow{CA}|^2$$

अत: दिया हुआ त्रिभुज एक समकोण त्रिभुज है।

प्रश्नावली 10.2

1. निम्नलिखित सदिशों के परिमाण का परिकलन कीजिए:

$$\vec{a} = \hat{i} + \hat{j} + \hat{k}; \quad \vec{b} = 2\hat{i} - 7\hat{j} - 3\hat{k}; \quad \vec{c} = \frac{1}{\sqrt{3}}\hat{i} + \frac{1}{\sqrt{3}}\hat{j} - \frac{1}{\sqrt{3}}\hat{k}$$

2. समान परिमाण वाले दो विभिन्न सदिश लिखिए।
3. समान दिशा वाले दो विभिन्न सदिश लिखिए।
4. x और y के मान ज्ञात कीजिए ताकि सदिश $2\hat{i} \quad 3\hat{j}$ और $x\hat{i} \quad y\hat{j}$ समान हों।
5. एक सदिश का प्रारंभिक बिंदु (2, 1) है और अंतिम बिंदु (–5, 7) है। इस सदिश के अदिश एवं सदिश घटक ज्ञात कीजिए।
6. सदिश $\vec{a} = \hat{i} - 2\hat{j} + \hat{k}$, $\vec{b} = -2\hat{i} + 4\hat{j} + 5\hat{k}$ और $\vec{c} = \hat{i} - 6\hat{j} - 7\hat{k}$ का योगफल ज्ञात कीजिए।
7. सदिश $\vec{a} = \hat{i} + \hat{j} + 2\hat{k}$ के अनुदिश एक मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए।
8. सदिश $\overrightarrow{PQ}$, के अनुदिश मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए जहाँ बिंदु P और Q क्रमश: (1, 2, 3) और (4, 5, 6) हैं।
9. दिए हुए सदिशों $\vec{a} \quad 2\hat{i} \quad \hat{j} \quad 2\hat{k}$ और $\vec{b} \quad \hat{i} \quad \hat{j} \quad \hat{k}$, के लिए, सदिश $\vec{a} + \vec{b}$ के अनुदिश मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए।
10. सदिश $5\hat{i} - \hat{j} + 2\hat{k}$ के अनुदिश एक ऐसा सदिश ज्ञात कीजिए जिसका परिमाण 8 इकाई है।
11. दर्शाइए कि सदिश $2\hat{i} \quad 3\hat{j} \quad 4\hat{k}$ और $4\hat{i} \quad 6\hat{j} \quad 8\hat{k}$ संरेख हैं।
12. सदिश $\hat{i} + 2\hat{j} + 3\hat{k}$ की दिक् cosine ज्ञात कीजिए।

13. बिंदुओं A (1, 2, –3) एवं B(–1, –2, 1) को मिलाने वाले एवं A से B की तरफ़ दिष्ट सदिश की दिक् cosine ज्ञात कीजिए।

14. दर्शाइए कि सदिश $\hat{i}+\hat{j}+\hat{k}$ अक्षों OX, OY एवं OZ के साथ बराबर झुका हुआ है।

15. बिंदुओं P $(\hat{i} \quad 2\hat{j} \quad \hat{k})$ और Q $(-\hat{i} \quad \hat{j} \quad \hat{k})$ को मिलाने वाली रेखा को 2:1 के अनुपात में (i) अंतः (ii) बाह्य, विभाजित करने वाले बिंदु R का स्थिति सदिश ज्ञात कीजिए।

16. दो बिंदुओं P(2, 3, 4) और Q(4, 1, –2) को मिलाने वाले सदिश का मध्य बिंदु ज्ञात कीजिए।

17. दर्शाइए कि बिंदु A, B और C, जिनके स्थिति सदिश क्रमशः $\vec{a}=3\hat{i}-4\hat{j}-4\hat{k}$, $\vec{b}=2\hat{i}-\hat{j}+\hat{k}$ और $\vec{c}=\hat{i}-3\hat{j}-5\hat{k}$ हैं, एक समकोण त्रिभुज के शीर्षों का निर्माण करते हैं।

18. त्रिभुज ABC (आकृति 10.18), के लिए निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है।

(A) $\overrightarrow{AB}+\overrightarrow{BC}+\overrightarrow{CA}=\vec{0}$

(B) $\overrightarrow{AB}+\overrightarrow{BC}-\overrightarrow{AC}=\vec{0}$

(C) $\overrightarrow{AB}+\overrightarrow{BC}-\overrightarrow{CA}=\vec{0}$

(D) $\overrightarrow{AB}-\overrightarrow{CB}+\overrightarrow{CA}=\vec{0}$

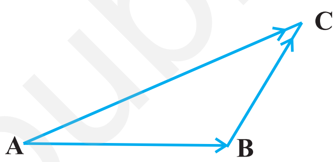

आकृति 10.18

19. यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दो संरेख सदिश हैं तो निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है:

(A) $\vec{b} \quad \vec{a}$, किसी अदिश के लिए

(B) $\vec{a}=\pm\vec{b}$

(C) $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के क्रमागत घटक समानुपाती नहीं हैं।

(D) दोनों सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ की दिशा समान है परंतु परिमाण विभिन्न हैं।

10.6 दो सदिशों का गुणनफल (Product of Two Vectors)

अभी तक हमने सदिशों के योगफल एवं व्यवकलन के बारे में अध्ययन किया है। अब हमारा उद्देश्य सदिशों का गुणनफल नामक एक दूसरी बीजीय संक्रिया की चर्चा करना है। हम स्मरण कर सकते हैं कि दो संख्याओं का गुणनफल एक संख्या होती है, दो आव्यूहों का गुणनफल एक आव्यूह होता है परंतु फलनों की स्थिति में हम उन्हें दो प्रकार से गुणा कर सकते हैं नामतः दो फलनों का बिंदुवार गुणन एवं दो फलनों का संयोजन। इसी प्रकार सदिशों का गुणन भी दो तरीके से परिभाषित किया जाता है। नामतः अदिश गुणनफल जहाँ परिणाम एक अदिश होता है और सदिश गुणनफल जहाँ परिणाम एक सदिश होता है। सदिशों के इन दो प्रकार के गुणनफलों के आधार पर ज्यामिती, यांत्रिकी एवं अभियांत्रिकी में इनके विभिन्न अनुप्रयोग हैं। इस परिच्छेद में हम इन दो प्रकार के गुणनफलों की चर्चा करेंगे।

10.6.1 *दो सदिशों का अदिश गुणनफल [Scalar (or dot) product of two vectors]*

परिभाषा 2 दो शून्येतर सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ का अदिश गुणनफल $\vec{a}\cdot\vec{b}$ द्वारा निर्दिष्ट किया जाता है और इसे $\vec{a}\cdot\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|\cos$ के रूप मे परिभाषित किया जाता है।

जहाँ θ, $\vec{a}$ और $\vec{b}$, के बीच का कोण है और 0 (आकृति 10.19)।

यदि $\vec{a}$ $\vec{0}$ अथवा $\vec{b}$ $\vec{0}$, तो θ परिभाषित नहीं है और इस स्थिति में हम $\vec{a}$ $\vec{b}$ 0 परिभाषित करते हैं।

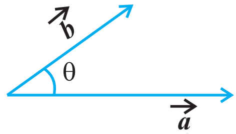

आकृति 10.19

प्रेक्षण

1. $\vec{a}\cdot\vec{b}$ एक वास्तविक संख्या है।
2. मान लीजिए कि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दो शून्येतर सदिश हैं तब $\vec{a}\cdot\vec{b}=0$ यदि और केवल यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ परस्पर लंबवत् हैं अर्थात् $\vec{a}\cdot\vec{b}=0 \Leftrightarrow \vec{a}\perp\vec{b}$
3. यदि $\theta = 0$, तब $\vec{a}\cdot\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|$

   विशिष्टत: $\vec{a}\cdot\vec{a} = |\vec{a}|^2$, क्योंकि इस स्थिति में $\theta = 0$ है।
4. यदि $\theta = \pi$, तब $\vec{a}\cdot\vec{b} = -|\vec{a}||\vec{b}|$

   विशिष्टत: $\vec{a}$ ($\vec{a}$) $|\vec{a}|^2$, जैसा कि इस स्थिति में θ, π के बराबर है।
5. प्रेक्षण 2 एवं 3 के संदर्भ में परस्पर लंबवत् मात्रक सदिशों $\hat{i}$, $\hat{j}$ एवं $\hat{k}$, के लिए हम पाते हैं कि

$$\hat{i}\cdot\hat{i} = \hat{j}\cdot\hat{j} = \hat{k}\ \ \hat{k}\quad 1$$

तथा
$$\hat{i}\cdot\hat{j} = \hat{j}\cdot\hat{k} = \hat{k}\ \ \hat{i}\quad 0$$

6. दो शून्येतर सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ,

$$\cos\quad \frac{\vec{a}.\vec{b}}{|\vec{a}||\vec{b}|} \text{ अथवा } \theta = \cos^{-1}\left(\frac{\vec{a}.\vec{b}}{|\vec{a}||\vec{b}|}\right) \text{द्वारा दिया जाता है।}$$

7. अदिश गुणनफल क्रम विनिमेय है अर्थात्

$$\vec{a}\cdot\vec{b} = \vec{b}\cdot\vec{a} \qquad \text{(क्यों?)}$$

अदिश गुणनफल के दो महत्वपूर्ण गुणधर्म (Two important properties of scalar product)

गुणधर्म 1 (अदिश गुणनफल की योगफल पर वितरण नियम) मान लीजिए $\vec{a}$, $\vec{b}$ और $\vec{c}$ तीन सदिश हैं तब $\vec{a}\cdot(\vec{b}+\vec{c}) = \vec{a}\cdot\vec{b} + \vec{a}\cdot\vec{c}$

गुणधर्म 2 मान लीजिए $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दो सदिश हैं और λ एक अदिश है, तो

$$(\lambda\vec{a})\cdot\vec{b} = \lambda(\vec{a}\cdot\vec{b}) = \vec{a}\cdot(\lambda\vec{b})$$

यदि दो सदिश घटक रूप में $a_1\hat{i}+a_2\hat{j}+a_3\hat{k}$ एवं $b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k}$, दिए हुए हैं तब उनका अदिश गुणनफल निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है

$$\begin{aligned}\vec{a}\cdot\vec{b} &= (a_1\hat{i}+a_2\hat{j}+a_3\hat{k})\cdot(b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k})\\ &= a_1\hat{i}\cdot(b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k})+a_2\hat{j}\cdot(b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k})+a_3\hat{k}\cdot(b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k})\\ &= a_1b_1(\hat{i}\cdot\hat{i})+a_1b_2(\hat{i}\cdot\hat{j})+a_1b_3(\hat{i}\cdot\hat{k})+a_2b_1(\hat{j}\cdot\hat{i})+a_2b_2(\hat{j}\cdot\hat{j})+a_2b_3(\hat{j}\cdot\hat{k})\\ &\quad + a_3b_1(\hat{k}\cdot\hat{i})+a_3b_2(\hat{k}\cdot\hat{j})+a_3b_3(\hat{k}\cdot\hat{k})\end{aligned}$$

(उपर्युक्त गुणधर्म 1 और 2 का उपयोग करने पर)

$$= a_1b_1 + a_2b_2 + a_3b_3$$ (प्रक्षेण 5 का उपयोग करने पर)

इस प्रकार $\vec{a}\cdot\vec{b} = a_1b_1+a_2b_2+a_3b_3$

10.6.2 *एक सदिश का किसी रेखा पर साथ प्रक्षेप (Projection of a vector on a line)*

मान लीजिए कि एक सदिश $\overrightarrow{AB}$ किसी दिष्ट रेखा l (मान लीजिए) के साथ वामावर्त दिशा में θ कोण बनाता है। (आकृति 10.20 देखिए) तब $\overrightarrow{AB}$ का l पर प्रक्षेप एक सदिश $\vec{p}$ (मान लीजिए) है जिसका परिमाण $|\overrightarrow{AB}|\cos\theta$ है और जिसकी दिशा का l की दिशा के समान अथवा विपरीत होना इस बात पर निर्भर है कि $\cos\theta$ धनात्मक है अथवा ऋणात्मक। सदिश $\vec{p}$ को प्रक्षेप सदिश कहते हैं और इसका परिमाण $|\vec{p}|$, निर्दिष्ट रेखा l पर सदिश $\overrightarrow{AB}$ का प्रक्षेप कहलाता है। उदाहरणत: निम्नलिखित में से प्रत्येक आकृति में सदिश $\overrightarrow{AB}$ का रेखा l पर प्रक्षेप सदिश $\overrightarrow{AC}$ है। [आकृति 10.20 (i) से (iv) तक]

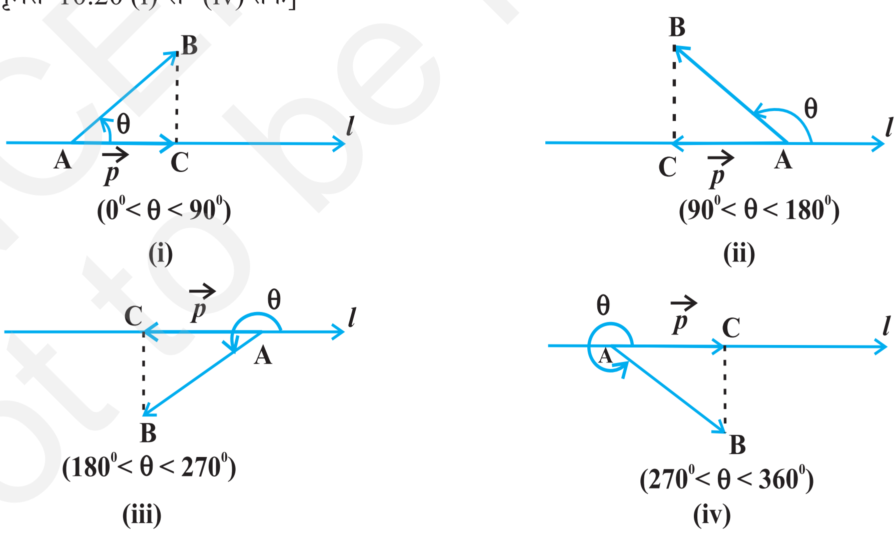

आकृति 10.20

प्रेक्षण

1. रेखा l के अनुदिश यदि $\hat{p}$ मात्रक सदिश है तो रेखा l पर सदिश $\vec{a}$ का प्रक्षेप $\vec{a}.\hat{p}$ से प्राप्त होता है।
2. एक सदिश $\vec{a}$ का दूसरे सदिश $\vec{b}$, पर प्रक्षेप $\vec{a}\cdot\hat{b}$, अथवा $\vec{a}$ $\frac{\vec{b}}{|\vec{b}|}$, अथवा $\frac{1}{|\vec{b}|}(\vec{a}\ \ \vec{b})$ से प्राप्त होता है।
3. यदि $\theta = 0$, तो $\overline{AB}$ का प्रक्षेप सदिश स्वयं $\overline{AB}$ होगा और यदि $\theta = \pi$ तो $\overline{AB}$ का प्रक्षेप सदिश $\overline{BA}$ होगा।
4. यदि $\theta = \frac{\pi}{2}$ अथवा $\theta = \frac{3\pi}{2}$ तो $\overline{AB}$ का प्रक्षेप सदिश शून्य सदिश होगा।

टिप्पणी यदि α, β और γ सदिश $\vec{a} = a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$ के दिक्-कोण हैं तो इसकी दिक्-कोसाइन निम्नलिखित रूप में प्राप्त की जा सकती है।

$$\cos\alpha = \frac{\vec{a}.\hat{i}}{|\vec{a}||\hat{i}|} = \frac{a_1}{|\vec{a}|},\quad \cos\beta = \frac{a_2}{|\vec{a}|},\quad \text{and}\quad \cos\gamma = \frac{a_3}{|\vec{a}|}$$

यह भी ध्यान दीजिए कि $|\vec{a}|\cos$, $|\vec{a}|\cos$ और $|\vec{a}|\cos$ क्रमशः OX, OY तथा OZ के अनुदिश $\vec{a}$ के प्रक्षेप हैं अर्थात् सदिश $\vec{a}$ के अदिश घटक a_1, a_2 और a_3 क्रमशः $x, y,$ एवं z अक्ष के अनुदिश $\vec{a}$ के प्रक्षेप है। इसके अतिरिक्त यदि $\vec{a}$ एक मात्रक सदिश है तब इसको दिक्-कोसाइन की सहायता से

$$\vec{a} = \cos\alpha\hat{i} + \cos\beta\hat{j} + \cos\gamma\hat{k}$$

के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है।

उदाहरण 13 दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के परिमाण क्रमशः 1 और 2 है तथा $\vec{a}\cdot\vec{b} = 1$, इन सदिशों के बीच का कोण ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ है $\vec{a}\ \ \vec{b}\ \ 1, |\vec{a}|\ \ 1$ और $|\vec{b}|\ \ 2$. अतः

$$\theta = \cos^{-1}\left(\frac{\vec{a}.\vec{b}}{|\vec{a}||\vec{b}|}\right) = \cos^{-1}\left(\frac{1}{2}\right) = \frac{\pi}{3}$$

उदाहरण 14 सदिश $\vec{a}\ \ \hat{i}\ \ \hat{j}\ \ \hat{k}$ तथा $\vec{b}\ \ \hat{i}\ \ \hat{j}\ \ \hat{k}$ के बीच का कोण ज्ञात कीजिए।

हल दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ निम्न द्वारा प्रदत्त है

$$\cos\theta = \frac{\vec{a}\cdot\vec{b}}{|\vec{a}||\vec{b}|}$$ से प्राप्त होता है।

अब $\quad \vec{a}\cdot\vec{b} = (\hat{i}+\hat{j}-\hat{k})\cdot(\hat{i}-\hat{j}+\hat{k}) = 1-1-1 = -1$

इसलिए, हम पाते हैं कि $\quad \cos\theta = \dfrac{-1}{3}$

अत: अभीष्ट कोण $\quad \theta = \cos^{\ 1}\ \ \dfrac{1}{3}$ है।

उदाहरण 15 यदि $\vec{a} \quad 5\hat{i} \quad \hat{j} \quad 3\hat{k}$ और $\vec{b} \quad \hat{i} \quad 3\hat{j} \quad 5\hat{k}$, तो दर्शाइए कि सदिश $\vec{a} \quad \vec{b}$ और $\vec{a} \quad \vec{b}$ लंबवत् है।

हल हम जानते हैं कि दो शून्येतर सदिश लंबवत् होते हैं यदि उनका अदिश गुणनफल शून्य है।

यहाँ $\quad \vec{a}+\vec{b} = (5\hat{i}-\hat{j}-3\hat{k})+(\hat{i}+3\hat{j}-5\hat{k}) = 6\hat{i}+2\hat{j}-8\hat{k}$

और $\quad \vec{a}-\vec{b} = (5\hat{i}-\hat{j}-3\hat{k})-(\hat{i}+3\hat{j}-5\hat{k}) = 4\hat{i}-4\hat{j}+2\hat{k}$

इसलिए $\quad (\vec{a} \quad \vec{b})\ (\vec{a} \quad \vec{b}) = (6\hat{i} \quad 2\hat{j} \quad 8\hat{k})\ (4\hat{i} \quad 4\hat{j} \quad 2\hat{k}) \quad 24 \quad 8 \quad 16 \quad 0$

अत: $\quad \vec{a} \quad \vec{b}$ और $\vec{a} \quad \vec{b}$ लंबवत् सदिश हैं।

उदाहरण 16 सदिश $\vec{a} = 2\hat{i}+3\hat{j}+2\hat{k}$ का, सदिश $\vec{b} = \hat{i}+2\hat{j}+\hat{k}$ पर प्रक्षेप ज्ञात कीजिए।

हल सदिश $\vec{a}$ का सदिश $\vec{b}$ पर प्रक्षेप

$$\frac{1}{|\vec{b}|}(\vec{a}\cdot\vec{b}) = \frac{1}{\sqrt{(1)^2+(2)^2+(1)^2}}(2\,.\,1+3\,.\,2+2\,.\,1) = \frac{10}{\sqrt{6}} = \frac{5}{3}\sqrt{6} \text{ है।}$$

उदाहरण 17 यदि दो सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ इस प्रकार हैं कि $|\vec{a}| = 2$, $|\vec{b}| = 3$ और $\vec{a}\cdot\vec{b} = 4$ तो $|\vec{a}-\vec{b}|$ ज्ञात कीजिए।

हल हम पाते हैं कि

$$\begin{aligned}
\left|\vec{a} \quad \vec{b}\right|^2 &= (\vec{a}-\vec{b})\cdot(\vec{a}-\vec{b})\\
&= \vec{a}.\vec{a}-\vec{a}\cdot\vec{b}-\vec{b}\cdot\vec{a}+\vec{b}\cdot\vec{b}\\
&= |\vec{a}|^2 - 2(\vec{a}\cdot\vec{b}) + |\vec{b}|^2\\
&= (2)^2 - 2(4) + (3)^2
\end{aligned}$$

इसलिए $\quad |\vec{a}-\vec{b}| = \sqrt{5}$

उदाहरण 18 यदि $\vec{a}$ एक मात्रक सदिश है और $(\vec{x}-\vec{a})\cdot(\vec{x}+\vec{a}) = 8$, तो $|\vec{x}|$ ज्ञात कीजिए।

हल क्योंकि $\vec{a}$ एक मात्रक सदिश है, इसलिए $|\vec{a}| = 1$. यह भी दिया हुआ है कि

$$(\vec{x}-\vec{a})\cdot(\vec{x}+\vec{a}) = 8$$

अथवा $\quad \vec{x}\cdot\vec{x}+\vec{x}\cdot\vec{a}-\vec{a}\cdot\vec{x}-\vec{a}\cdot\vec{a} = 8$

अथवा $\quad |\vec{x}|^2 - 1 = 8$ अर्थात् $|\vec{x}|^2 \quad 9$

इसलिए $\quad |\vec{x}| = 3$ (क्योंकि सदिश का परिमाण सदैव शून्येतर होता है)

उदाहरण 19 दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$, के लिए सदैव $|\vec{a}\cdot\vec{b}|\leq|\vec{a}||\vec{b}|$ (Cauchy-Schwartz असमिका)।

हल दी हुई असमिका सहज रूप में स्पष्ट है यदि $\vec{a} \quad \vec{0}$ अथवा $\vec{b} \quad \vec{0}$. वास्तव में इस स्थिति में हम पाते हैं कि $|\vec{a}\cdot\vec{b}|=0=|\vec{a}||\vec{b}|$. इसलिए हम कल्पना करते हैं कि $|\vec{a}|\neq 0\neq|\vec{b}|$ तब हमें

$$\frac{|\vec{a}\cdot\vec{b}|}{|\vec{a}||\vec{b}|} = |\cos\theta|\leq 1$$ मिलता है।

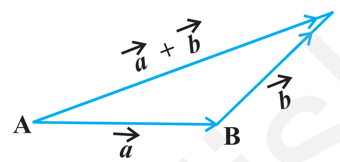

आकृति 10.21

इसलिए $\quad |\vec{a}\cdot\vec{b}| \leq |\vec{a}||\vec{b}|$

उदाहरण 20 दो सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के लिए सदैव $|\vec{a}+\vec{b}|\leq|\vec{a}|+|\vec{b}|$ (त्रिभुज-असमिका)

हल दी हुई असमिका, दोनों स्थितियों $\vec{a} \quad 0$ या $\vec{b} \quad 0$ में सहज रूप से स्पष्ट है (क्यों ?)। इसलिए मान लीजिए कि $|\vec{a}| \quad \vec{0} \quad |\vec{b}|$ तब

$$|\vec{a}+\vec{b}|^2 = (\vec{a}+\vec{b})^2 = (\vec{a}+\vec{b})\cdot(\vec{a}+\vec{b})$$

$$= \vec{a}\cdot\vec{a}+\vec{a}\cdot\vec{b}+\vec{b}\cdot\vec{a}+\vec{b}\cdot\vec{b}$$

$$= |\vec{a}|^2 + 2\vec{a}\cdot\vec{b}+|\vec{b}|^2$$ (अदिश गुणनफल क्रम विनिमय है)

$$\leq |\vec{a}|^2 + 2|\vec{a}\cdot\vec{b}|+|\vec{b}|^2$$ (क्योंकि $x\leq|x|\ \forall x\in\mathbf{R}$)

$$\leq |\vec{a}|^2 + 2|\vec{a}||\vec{b}|+|\vec{b}|^2$$ (उदाहरण 19 से)

$$= (|\vec{a}| \quad |\vec{b}|)^2$$

अत: $$|\vec{a}+\vec{b}|\leq|\vec{a}|+|\vec{b}|$$

टिप्पणी यदि त्रिभुज-असमिका में समिका धारण होती है (उपर्युक्त उदाहरण 20 में) अर्थात्

$$|\vec{a}+\vec{b}| = |\vec{a}|+|\vec{b}|,$$ तब

$$|\overrightarrow{AC}| = |\overrightarrow{AB}|+|\overrightarrow{BC}|$$

बिंदु A, B और C संरेख दर्शाता है।

उदाहरण 21 दर्शाइए कि बिंदु $A(-2\hat{i}+3\hat{j}+5\hat{k})$, $B(\hat{i}+2\hat{j}+3\hat{k})$ और $C(7\hat{i}-\hat{k})$ संरेख है।

हल हम प्राप्त करते हैं:

$$\overrightarrow{AB} = (1+2)\hat{i}+(2-3)\hat{j}+(3-5)\hat{k} = 3\hat{i}-\hat{j}-2\hat{k}$$

$$\overrightarrow{BC} = (7-1)\hat{i} + (0-2)\hat{j} + (-1-3)\hat{k} = 6\hat{i} - 2\hat{j} - 4\hat{k}$$

$$\overrightarrow{AC} = (7+2)\hat{i} + (0-3)\hat{j} + (-1-5)\hat{k} = 9\hat{i} - 3\hat{j} - 6\hat{k}$$

$$|\overrightarrow{AB}| = \sqrt{14},\ |\overrightarrow{BC}| \quad 2\sqrt{14} \text{ और } |\overrightarrow{AC}| \quad 3\sqrt{14}$$

इसलिए $$|\overrightarrow{AC}| = |\overrightarrow{AB}| + |\overrightarrow{BC}|$$

अत: बिंदु A, B और C संरेख हैं।

टिप्पणी उदाहरण 21 में ध्यान दीजिए कि $\overrightarrow{AB} + \overrightarrow{BC} + \overrightarrow{CA} = \vec{0}$ परंतु फिर भी बिंदु A, B और C त्रिभुज के शीर्षों का निर्माण नहीं करते हैं।

प्रश्नावली 10.3

1. दो सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के परिमाण क्रमश: $\sqrt{3}$ एवं 2 हैं और $\vec{a}\cdot\vec{b} = \sqrt{6}$ है तो $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के बीच का कोण ज्ञात कीजिए।

2. सदिशों $\hat{i} \quad 2\hat{j} \quad 3\hat{k}$ और $3\hat{i} \quad 2\hat{j} \quad \hat{k}$ के बीच का कोण ज्ञात कीजिए।

3. सदिश $\hat{i} + \hat{j}$ पर सदिश $\hat{i} - \hat{j}$ का प्रक्षेप ज्ञात कीजिए।

4. सदिश $\hat{i} + 3\hat{j} + 7\hat{k}$ का, सदिश $7\hat{i} - \hat{j} + 8\hat{k}$ पर प्रक्षेप ज्ञात कीजिए।

5. दर्शाइए कि दिए हुए निम्नलिखित तीन सदिशों में से प्रत्येक मात्रक सदिश है,

$$\frac{1}{7}(2\hat{i} + 3\hat{j} + 6\hat{k}),\ \frac{1}{7}(3\hat{i} - 6\hat{j} + 2\hat{k}),\ \frac{1}{7}(6\hat{i} + 2\hat{j} - 3\hat{k})$$

यह भी दर्शाइए कि ये सदिश परस्पर एक दूसरे के लंबवत् हैं।

6. यदि $(\vec{a} \quad \vec{b})\ (\vec{a} \quad \vec{b}) \quad 8$ और $|\vec{a}| \quad 8|\vec{b}|$ हो तो $|\vec{a}|$ एवं $|\vec{b}|$ ज्ञात कीजिए।

7. $(3\vec{a} - 5\vec{b})\cdot(2\vec{a} + 7\vec{b})$ का मान ज्ञात कीजिए।

8. दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के परिमाण ज्ञात कीजिए, यदि इनके परिमाण समान है और इन के बीच का कोण 60° है तथा इनका अदिश गुणनफल $\frac{1}{2}$ है।

9. यदि एक मात्रक सदिश $\vec{a}$, के लिए $(\vec{x} - \vec{a})\cdot(\vec{x} + \vec{a}) = 12$ हो तो $|\vec{x}|$ ज्ञात कीजिए।

10. यदि $\vec{a} \quad 2\hat{i} \quad 2\hat{j} \quad 3\hat{k},\ \vec{b} \quad \hat{i} \quad 2\hat{j} \quad \hat{k}$ और $\vec{c} \quad 3\hat{i} \quad \hat{j}$ इस प्रकार है कि $\vec{a} + \lambda\vec{b}$, $\vec{c}$ पर लंब है, तो λ का मान ज्ञात कीजिए।

11. दर्शाइए कि दो शून्येतर सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के लिए $|\vec{a}|\vec{b}+|\vec{b}|\vec{a}$, $|\vec{a}|\vec{b}-|\vec{b}|\vec{a}$ पर लंब है।

12. यदि $\vec{a} \quad \vec{a} \quad 0$ और $\vec{a} \quad \vec{b} \quad 0$, तो सदिश $\vec{b}$ के बारे में क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

13. यदि $\vec{a}, \vec{b}, \vec{c}$ मात्रक सदिश इस प्रकार है कि $\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}=\vec{0}$ तो $\vec{a}\cdot\vec{b}+\vec{b}\cdot\vec{c}+\vec{c}\cdot\vec{a}$ का मान ज्ञात कीजिए।

14. यदि $\vec{a} \quad \vec{0}$ अथवा $\vec{b} \quad \vec{0}$, तब $\vec{a} \quad \vec{b} \quad 0$ परंतु विलोम का सत्य होना आवश्यक नहीं है। एक उदाहरण द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

15. यदि किसी त्रिभुज ABC के शीर्ष A, B, C क्रमशः (1, 2, 3), (–1, 0, 0), (0, 1, 2) हैं तो $\angle$ABC ज्ञात कीजिए। [$\angle$ABC, सदिशों $\overrightarrow{BA}$ एवं $\overrightarrow{BC}$ के बीच का कोण है]

16. दर्शाइए कि बिंदु A(1, 2, 7), B(2, 6, 3) और C(3, 10, –1) संरेख हैं।

17. दर्शाइए कि सदिश $2\hat{i} \quad \hat{j} \quad \hat{k}$, $\hat{i} \quad 3\hat{j} \quad 5\hat{k}$ और $3\hat{i} \quad 4\hat{j} \quad 4\hat{k}$ एक समकोण त्रिभुज के शीर्षों की रचना करते हैं।

18. यदि शून्येतर सदिश $\vec{a}$ का परिमाण 'a' है और λ एक शून्येतर अदिश है तो $\lambda\vec{a}$ एक मात्रक सदिश है यदि

(A) $\lambda = 1$ (B) $\lambda = -1$ (C) $a = |\lambda|$ (D) $a = 1/|\lambda|$

10.6.3 *दो सदिशों का सदिश गुणनफल [Vector (or cross) product of two vectors]*

परिच्छेद 10.2 में हमने त्रि-विमीय दक्षिणावर्ती समकोणिक निर्देशांक पद्धति की चर्चा की थी। इस पद्धति में धनात्मक x-अक्ष को वामावर्त घुमाकर धनात्मक y-अक्ष पर लाया जाता है तो धनात्मक z-अक्ष की दिशा में एक दक्षिणावर्ती (प्रामाणिक) पेंच अग्रगत हो जाती है [आकृति 10.22(i)]।

एक दक्षिणावर्ती निर्देशांक पद्धति में जब दाएँ हाथ की उँगलियों को धनात्मक x-अक्ष की दिशा से दूर धनात्मक y-अक्ष की तरफ़ कुंतल किया जाता है तो अँगूठा धनात्मक z-अक्ष की ओर संकेत करता [आकृति 10.22 (ii)] है।

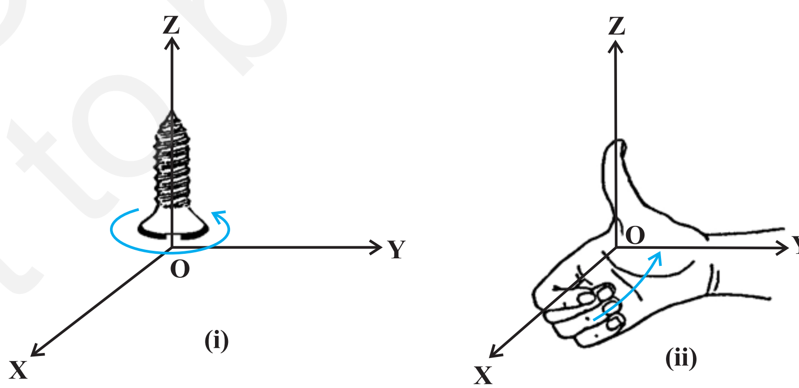

आकृति 10.22

परिभाषा 3 दो शून्येतर सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$, का सदिश गुणनफल $\vec{a} \times \vec{b}$ से निर्दिष्ट किया जाता है और $\vec{a} \times \vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}| \sin\theta\, \hat{n}$ के रूप में परिभाषित किया जाता है जहाँ θ, $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण है और $0 \leq \theta \leq \pi$ है। यहाँ $\hat{n}$ एक मात्रक सदिश है जो कि सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$, दोनों पर लंब है। इस प्रकार $\vec{a}, \vec{b}$ तथा $\hat{n}$ एक दक्षिणावर्ती पद्धति को निर्मित करते हैं (आकृति 10.23) अर्थात् दक्षिणावर्ती पद्धति को $\vec{a}$ से $\vec{b}$ की तरफ़ घुमाने पर यह $\hat{n}$ की दिशा में चलती है।

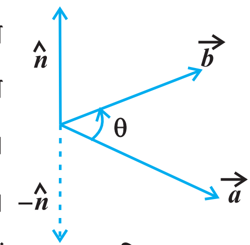

आकृति 10.23

यदि $\vec{a} \quad \vec{0}$ अथवा $\vec{b} \quad \vec{0}$, तब θ परिभाषित नहीं है और इस स्थिति में हम $\vec{a} \times \vec{b} = \vec{0}$ परिभाषित करते हैं।

प्रेक्षण:

1. $\vec{a} \quad \vec{b}$ एक सदिश है।
2. मान लीजिए $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दो शून्येतर सदिश हैं तब $\vec{a} \times \vec{b} = \vec{0}$ यदि और केवल यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ एक दूसरे के समांतर (अथवा संरेख) हैं अर्थात्
$$\vec{a} \times \vec{b} = \vec{0} \Leftrightarrow \vec{a} \,\square\, \vec{b}$$
विशिष्टत: $\vec{a} \times \vec{a} = \vec{0}$ और $\vec{a} \times (-\vec{a}) = \vec{0}$, क्योंकि प्रथम स्थिति में $\theta = 0$ तथा द्वितीय स्थिति में $\theta = \pi$, जिससे दोनों ही स्थितियों में $\sin\theta$ का मान शून्य हो जाता है।
3. यदि $\theta = \dfrac{\pi}{2}$ तो $\vec{a} \times \vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|$
4. प्रेक्षण 2 और 3 के संदर्भ में परस्पर लंबवत् मात्रक सदिशों $\hat{i}$, $\hat{j}$ और $\hat{k}$ के लिए (आकृति 10.24), हम पाते हैं कि
$$\hat{i} \times \hat{i} = \hat{j} \times \hat{j} = \hat{k} \times \hat{k} = \vec{0}$$
$$\hat{i} \times \hat{j} = \hat{k}, \quad \hat{j} \times \hat{k} = \hat{i}, \quad \hat{k} \times \hat{i} = \hat{j}$$

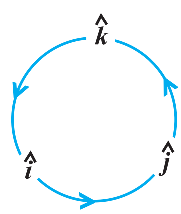

आकृति 10.24

5. सदिश गुणनफल की सहायता से दो सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के बीच का कोण θ निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है
$$\sin\theta = \frac{|\vec{a} \times \vec{b}|}{|\vec{a}||\vec{b}|}$$
6. यह सर्वदा सत्य है कि सदिश गुणनफल क्रम विनिमय नहीं होता है क्योंकि $\vec{a} \times \vec{b} = -\vec{b} \times \vec{a}$ वास्तव में $\vec{a} \times \vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}| \sin\theta\, \hat{n}$, जहाँ $\vec{a}, \vec{b}$ और $\hat{n}$ एक दक्षिणावर्ती पद्धति को निर्मित करते

हैं अर्थात् θ , $\vec{a}$ से $\vec{b}$ की तरफ चक्रीय क्रम होता है। आकृति 10.25(i) जबकि $\vec{b}\times\vec{a} = |\vec{a}||\vec{b}|\sin\theta\,\hat{n}_1$, जहाँ $\vec{b}$, $\vec{a}$ और $\hat{n}_1$ एक दक्षिणावर्ती पद्धति को निर्मित करते हैं अर्थात् $\theta, \vec{b}$ से $\vec{a}$ की ओर चक्रीय क्रम होता है आकृति 10.25(ii)।

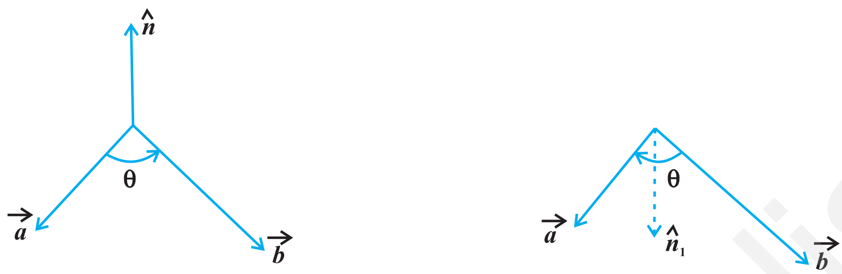

(i) **आकृति 10.25** **(ii)**

अतः यदि हम यह मान लेते हैं कि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दोनों एक ही कागज़ के तल में हैं तो $\hat{n}$ और $\hat{n}_1$ दोनों कागज़ के तल पर लंब होंगे परंतु $\hat{n}$ कागज़ से ऊपर की तरफ़ दिष्ट होगा और $\hat{n}_1$ कागज़ से नीचे की तरफ़ दिष्ट होगा अर्थात् $\hat{n}_1 = -\hat{n}$

इस प्रकार $\quad \vec{a}\times\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|\sin\theta\,\hat{n}$

$$= -|\vec{a}||\vec{b}|\sin\theta\,\hat{n}_1 = -\vec{b}\times\vec{a}$$

7. प्रेक्षण 4 और 6 के संदर्भ में

$$\hat{j}\quad \hat{i}\qquad \hat{k},\ \hat{k}\quad \hat{j}\qquad \hat{i} \text{ और } \hat{i}\quad \hat{k}\qquad \hat{j} \text{ है।}$$

8. यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ त्रिभुज की संलग्न भुजाओं को निरूपित करते हैं तो त्रिभुज का क्षेत्रफल $\frac{1}{2}|\vec{a}\times\vec{b}|$ के रूप में प्राप्त होता है।

त्रिभुज के क्षेत्रफल की परिभाषा के अनुसार हम आकृति 10.26 से पाते हैं कि त्रिभुज ABC का क्षेत्रफल $= \frac{1}{2}\text{AB}\ \ \text{CD}$.

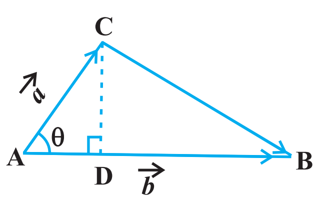

आकृति 10.26

परंतु $\text{AB} = |\vec{b}|$ (दिया हुआ है) और $\text{CD} = |\vec{a}|\sin\theta$

अतः त्रिभुज ABC का क्षेत्रफल $= \frac{1}{2}|\vec{b}||\vec{a}|\sin\theta \qquad \frac{1}{2}|\vec{a}\quad\vec{b}|$

9. यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ समांतर चतुर्भुज की संलग्न भुजाओं को निरूपित करते हैं तो समांतर चतुर्भुज का क्षेत्रफल $|\vec{a}\times\vec{b}|$ के रूप में प्राप्त होता है।

आकृति 10.27 से हम पाते हैं कि समांतर चतुर्भज ABCD का क्षेत्रफल = AB . DE.

परंतु $AB = |\vec{b}|$ (दिया हुआ है), और $DE = |\vec{a}| \sin\theta$ अत:

समांतर चतुर्भुज ABCD का क्षेत्रफल = $|\vec{b}||\vec{a}|\sin\theta \quad |\vec{a} \quad \vec{b}|$

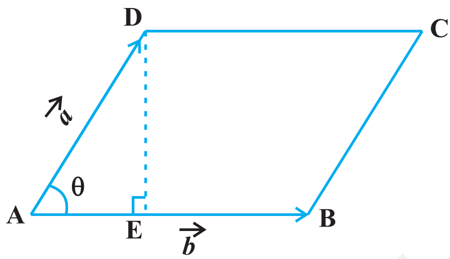

आकृति 10.27

अब हम सदिश गुणनफल के दो महत्वपूर्ण गुणों को अभिव्यक्त करेंगे।

गुणधर्म सदिश गुणनफल का योगफल पर वितरण नियम (Distributivity of vector product over addition) यदि $\vec{a}, \vec{b}$ और $\vec{c}$ तीन सदिश हैं और λ एक अदिश है तो

(i) $\vec{a} \times (\vec{b} + \vec{c}) = \vec{a} \quad \vec{b} \quad \vec{a} \quad \vec{c}$

(ii) $(\vec{a} \quad \vec{b}) = (\quad \vec{a}) \quad \vec{b} \quad \vec{a} \quad (\quad \vec{b})$

मान लीजिए दो सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ घटक रूप में क्रमश: $a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$ और $b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k}$

दिए हुए हैं तब उनका सदिश गुणनफल $\vec{a} \times \vec{b} = \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ a_1 & a_2 & a_3 \\ b_1 & b_2 & b_3 \end{vmatrix}$ द्वारा दिया जा सकता है।

व्याख्या हम पाते हैं

$$\begin{aligned} \vec{a} \times \vec{b} &= (a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}) \times (b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k}) \\ &= a_1b_1(\hat{i} \times \hat{i}) + a_1b_2(\hat{i} \times \hat{j}) + a_1b_3(\hat{i} \times \hat{k}) + a_2b_1(\hat{j} \times \hat{i}) \\ &\quad + a_2b_2(\hat{j} \times \hat{j}) + a_2b_3(\hat{j} \times \hat{k}) \\ &\quad + a_3b_1(\hat{k} \times \hat{i}) + a_3b_2(\hat{k} \times \hat{j}) + a_3b_3(\hat{k} \times \hat{k}) \qquad \text{(गुणधर्म 1 से)} \\ &= a_1b_2(\hat{i} \times \hat{j}) - a_1b_3(\hat{k} \times \hat{i}) - a_2b_1(\hat{i} \times \hat{j}) \\ &\quad + a_2b_3(\hat{j} \times \hat{k}) + a_3b_1(\hat{k} \times \hat{i}) - a_3b_2(\hat{j} \times \hat{k}) \end{aligned}$$

(क्योंकि $\hat{i} \quad \hat{i} \quad \hat{j} \quad \hat{j} \quad \hat{k} \quad \hat{k} \quad 0$ और $\hat{i} \quad \hat{k} \quad\quad \hat{k} \quad \hat{i}, \hat{j} \quad \hat{i} \quad\quad \hat{i} \quad \hat{j}$ और $\hat{k} \quad \hat{j} \quad\quad \hat{j} \quad \hat{k}$)

$$= a_1b_2\hat{k} - a_1b_3\hat{j} - a_2b_1\hat{k} + a_2b_3\hat{i} + a_3b_1\hat{j} - a_3b_2\hat{i}$$

(क्योंकि $\hat{i} \quad \hat{j} \quad \hat{k}, \hat{j} \quad \hat{k} \quad \hat{i}$ और $\hat{k} \quad \hat{i} \quad \hat{j}$)

$$= (a_2b_3 - a_3b_2)\hat{i} - (a_1b_3 - a_3b_1)\hat{j} + (a_1b_2 - a_2b_1)\hat{k}$$

$$= \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ a_1 & a_2 & a_3 \\ b_1 & b_2 & b_3 \end{vmatrix}$$

उदाहरण 22 यदि $\vec{a} \quad 2\hat{i} \quad \hat{j} \quad 3\hat{k}$ और $\vec{b} \quad 3\hat{i} \quad 5\hat{j} \quad 2\hat{k}$, तो $|\vec{a} \quad \vec{b}|$ ज्ञात कीजिए।

हल यहाँ

$$\vec{a} \times \vec{b} = \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ 2 & 1 & 3 \\ 3 & 5 & -2 \end{vmatrix}$$

$$= \hat{i}(-2-15) - (-4-9)\hat{j} + (10-3)\hat{k} = -17\hat{i} + 13\hat{j} + 7\hat{k}$$

अतः $\quad \left|\vec{a} \quad \vec{b}\right| = \sqrt{(-17)^2 + (13)^2 + (7)^2} = \sqrt{507}$

उदाहरण 23 सदिश $(\vec{a} + \vec{b})$ और $(\vec{a} \quad \vec{b})$ में से प्रत्येक के लंबवत् मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए जहाँ $\vec{a} = \hat{i} + \hat{j} + \hat{k}$, $\vec{b} = \hat{i} + 2\hat{j} + 3\hat{k}$ हैं।

हल हम पाते हैं कि $\vec{a} \quad \vec{b} \quad 2\hat{i} \quad 3\hat{j} \quad 4\hat{k}$ और $\vec{a} \quad \vec{b} \quad\quad \hat{j} \quad 2\hat{k}$

एक सदिश, जो $\vec{a} \quad \vec{b}$ और $\vec{a} \quad \vec{b}$ दोनो पर लंब है, निम्नलिखित द्वारा प्रदत्त है

$$(\vec{a} + \vec{b}) \times (\vec{a} - \vec{b}) = \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ 2 & 3 & 4 \\ 0 & 1 & 2 \end{vmatrix} \quad 2\hat{i} \quad 4\hat{j} \quad 2\hat{k} \ (\quad \vec{c}, \text{ मान लीजिए})$$

अब $\qquad |\vec{c}| = \sqrt{4+16+4} = \sqrt{24} = 2\sqrt{6}$

अतः अभीष्ट मात्रक सदिश

$$\frac{\vec{c}}{|\vec{c}|} = \frac{-1}{\sqrt{6}}\hat{i} + \frac{2}{\sqrt{6}}\hat{j} - \frac{1}{\sqrt{6}}\hat{k} \text{ है।}$$

टिप्पणी किसी तल पर दो लंबवत् दिशाएँ होती हैं। अतः $\vec{a} \quad \vec{b}$ और $\vec{a} \quad \vec{b}$ पर दूसरा लंबवत् मात्रक सदिश $\frac{1}{\sqrt{6}}\hat{i} \quad \frac{2}{\sqrt{6}}\hat{j} \quad \frac{1}{\sqrt{6}}\hat{k}$ होगा। परंतु यह $(\vec{a}-\vec{b})\times(\vec{a}+\vec{b})$ का एक परिणाम है।

उदाहरण 24 एक त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसके शीर्ष बिंदु A(1, 1, 1), B(1, 2, 3) और C(2, 3, 1) हैं।

हल हम पाते हैं कि $\overline{\text{AB}} \quad \hat{j} \quad 2\hat{k}$ और $\overline{\text{AC}} \quad \hat{i} \quad 2\hat{j}$. दिए हुए त्रिभुज का क्षेत्रफल $\frac{1}{2}|\overrightarrow{\text{AB}}\times\overrightarrow{\text{AC}}|$ है।

अब
$$\overline{\text{AB}}\times\overline{\text{AC}} = \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ 0 & 1 & 2 \\ 1 & 2 & 0 \end{vmatrix} = -4\hat{i}+2\hat{j}-\hat{k}$$

इसलिए
$$|\overline{\text{AB}}\times\overline{\text{AC}}| = \sqrt{16+4+1} = \sqrt{21}$$

अतः अभीष्ट क्षेत्रफल $\frac{1}{2}\sqrt{21}$ है।

उदाहरण 25 उस समांतर चतुर्भुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसकी संलग्न भुजाएँ $\vec{a} \quad 3\hat{i} \quad \hat{j} \quad 4\hat{k}$ और $\vec{b} \quad \hat{i} \quad \hat{j} \quad \hat{k}$ द्वारा दी गई हैं।

हल किसी समांतर चतुर्भुज की संलग्न भुजाएँ $\vec{a}$ और $\vec{b}$ हैं तो उसका क्षेत्रफल $|\vec{a}\times\vec{b}|$ द्वारा प्राप्त होता है।

अब
$$\vec{a}\times\vec{b} = \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ 3 & 1 & 4 \\ 1 & -1 & 1 \end{vmatrix} = 5\hat{i}+\hat{j}-4\hat{k}$$

इसलिए
$$|\vec{a}\times\vec{b}| = \sqrt{25+1+16} = \sqrt{42}$$

इस प्रकार आवश्यक क्षेत्रफल $\sqrt{42}$ है।

प्रश्नावली 10.4

1. यदि $\vec{a} \quad \hat{i} \quad 7\hat{j} \quad 7\hat{k}$ और $\vec{b} \quad 3\hat{i} \quad 2\hat{j} \quad 2\hat{k}$ तो $|\vec{a} \quad \vec{b}|$ ज्ञात कीजिए।

2. सदिश $\vec{a} \quad \vec{b}$ और $\vec{a} \quad \vec{b}$ की लंब दिशा में मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए जहाँ $\vec{a} \quad 3\hat{i} \quad 2\hat{j} \quad 2\hat{k}$ और $\vec{b} \quad \hat{i} \quad 2\hat{j} \quad 2\hat{k}$ है।

3. यदि एक मात्रक सदिश $\vec{a}$, $\hat{i}$ के साथ $\frac{\;}{3}$, $\hat{j}$ के साथ $\frac{\;}{4}$ और $\hat{k}$ के साथ एक न्यून कोण θ बनाता है तो θ का मान ज्ञात कीजिए और इसकी सहायता से $\vec{a}$ के घटक भी ज्ञात कीजिए।

4. दर्शाइए कि $(\vec{a}-\vec{b})\times(\vec{a}+\vec{b}) = 2(\vec{a}\times\vec{b})$

5. λ और μ ज्ञात कीजिए, यदि $(2\hat{i}+6\hat{j}+27\hat{k})\times(\hat{i}+\lambda\hat{j}+\mu\hat{k})=\vec{0}$

6. दिया हुआ है कि $\vec{a} \quad \vec{b} \quad 0$ और $\vec{a}\times\vec{b}=\vec{0}$. सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बारे में आप क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?

7. मान लीजिए सदिश $\vec{a}, \vec{b}, \vec{c}$ क्रमशः $a_1\hat{i}+a_2\hat{j}+a_3\hat{k},\ b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k},\ c_1\hat{i}+c_2\hat{j}+c_3\hat{k}$ के रूप में दिए हुए हैं तब दर्शाइए कि $\vec{a}\times(\vec{b}+\vec{c})=\vec{a}\times\vec{b}+\vec{a}\times\vec{c}$

8. यदि $\vec{a} \quad \vec{0}$ अथवा $\vec{b} \quad \vec{0}$ तब $\vec{a}\times\vec{b}=\vec{0}$ होता है। क्या विलोम सत्य है? उदाहरण सहित अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

9. एक त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसके शीर्ष A(1, 1, 2), B(2, 3, 5) और C(1, 5, 5) हैं।

10. एक समांतर चतुर्भुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसकी संलग्न भुजाएँ सदिश $\vec{a}=\hat{i}-\hat{j}+3\hat{k}$ और $\vec{b}=2\hat{i}-7\hat{j}+\hat{k}$ द्वारा निर्धारित हैं।

11. मान लीजिए सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ इस प्रकार हैं कि $|\vec{a}| \quad 3$ और $|\vec{b}| \quad \frac{\sqrt{2}}{3}$, तब $\vec{a}\times\vec{b}$ एक मात्रक सदिश है यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण है:

(A) $\pi/6$ (B) $\pi/4$ (C) $\pi/3$ (D) $\pi/2$

12. एक आयत के शीर्षों A, B, C और D जिनके स्थिति सदिश क्रमशः

$$-\hat{i}+\frac{1}{2}\hat{j}+4\hat{k},\ \hat{i}+\frac{1}{2}\hat{j}+4\hat{k},\ \hat{i}-\frac{1}{2}\hat{j}+4\hat{k} \text{ और } -\hat{i}-\frac{1}{2}\hat{j}+4\hat{k},$$ हैं का क्षेत्रफल है:

(A) $\frac{1}{2}$ (B) 1

(C) 2 (D) 4

विविध उदाहरण

उदाहरण 26 XY-तल में सभी मात्रक सदिश लिखिए।

हल मान लीजिए कि $\vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j}$, XY-तल में एक मात्रक सदिश है (आकृति 10.28)। तब आकृति के अनुसार हम पाते हैं कि $x = \cos\theta$ और $y = \sin\theta$ (क्योंकि $|\vec{r}| = 1$). इसलिए हम सदिश $\vec{r}$ को ,

$$\vec{r}\left(=\overrightarrow{OP}\right) = \cos\theta\hat{i} + \sin\theta\hat{j} \qquad \ldots (1)$$

के रूप में लिख सकते हैं।

स्पष्टत: $\qquad |\vec{r}| = \sqrt{\cos^2\theta + \sin^2\theta} = 1$

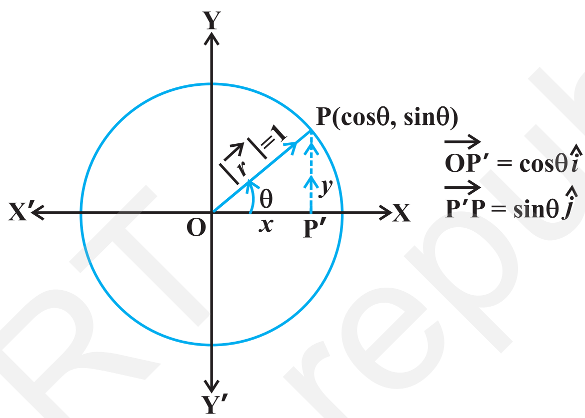

आकृति 10.28

जैसे–जैसे θ, 0 से 2π, तक परिवर्तित होता है बिंदु P (आकृति 10.28) वामावर्त दिशा में वृत $x^2 + y^2 = 1$ का अनुरेखण करता है और इसमें सभी संभावित दिशाएँ सम्मिलित हैं। अत: (1) से XY-तल में प्रत्येक मात्रक सदिश प्राप्त होता है।

उदाहरण 27 यदि बिंदुओं A, B, C और D, के स्थिति सदिश क्रमशः $\hat{i} \quad \hat{j} \quad \hat{k}$, $2\hat{i} \quad 5\hat{j}$, $3\hat{i} \quad 2\hat{j} \quad 3\hat{k}$ और $\hat{i} \quad 6\hat{j} \quad \hat{k}$ है, तो सरल रेखाओं AB तथा CD के बीच का कोण ज्ञात कीजिए। निगमन कीजिए कि AB और CD संरेख हैं।

हल नोट कीजिए कि यदि θ, AB और CD, के बीच का कोण है तो θ, $\overrightarrow{AB}$ और $\overrightarrow{CD}$ के बीच का भी कोण है।

अब $\qquad \overrightarrow{AB}$ = B का स्थिति सदिश – A का स्थिति सदिश

$$= (2\hat{i} + 5\hat{j}) - (\hat{i} + \hat{j} + \hat{k}) = \hat{i} + 4\hat{j} - \hat{k}$$

इसलिए $$|\overrightarrow{AB}| = \sqrt{(1)^2+(4)^2+(-1)^2} = 3\sqrt{2}$$

इसी प्रकार $\overrightarrow{CD} = \quad 2\hat{i} \quad 8\hat{j} \quad 2\hat{k}$ और $|\overrightarrow{CD}| \quad 6\sqrt{2}$

अतः $$\cos\theta = \frac{\overrightarrow{AB}\,.\,\overrightarrow{CD}}{|\overrightarrow{AB}||\overrightarrow{CD}|}$$

$$= \frac{1(-2)+4(-8)+(-1)(2)}{(3\sqrt{2})(6\sqrt{2})} = \frac{-36}{36} = -1$$

क्योंकि $0 \le \theta \le \pi$, इससे प्राप्त होता है कि $\theta = \pi$. यह दर्शाता है कि AB तथा CD एक दूसरे के संरेख हैं।

विकल्पतः $\overrightarrow{AB} \quad \frac{1}{2}\overrightarrow{CD}$, इससे कह सकते कि $\overrightarrow{AB}$ और $\overrightarrow{CD}$ संरेख सदिश हैं।

उदाहरण 28 मान लीजिए $\vec{a}, \vec{b}$ और $\vec{c}$ तीन सदिश इस प्रकार हैं कि $|\vec{a}| = 3, |\vec{b}| = 4, |\vec{c}| = 5$ और इनमें से प्रत्येक, अन्य दो सदिशों के योगफल पर लंबवत् हैं तो, $|\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}|$ ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ है कि $\vec{a}\cdot(\vec{b}+\vec{c}) = 0, \vec{b} \quad (\vec{c} \quad \vec{a}) \quad 0, \vec{c} \quad (\vec{a} \quad \vec{b}) \quad 0$

अब $$|\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}|^2 = (\vec{a} \quad \vec{b} \quad \vec{c}) \quad (\vec{a} \quad \vec{b} \quad \vec{c})$$

$$= \vec{a}\cdot\vec{a} + \vec{a}\cdot(\vec{b}+\vec{c}) + \vec{b}\cdot\vec{b} + \vec{b}\cdot(\vec{a}+\vec{c})$$

$$+ \ \vec{c}.(\vec{a}+\vec{b}) + \vec{c}.\vec{c}$$

$$= |\vec{a}|^2 + |\vec{b}|^2 + |\vec{c}|^2$$

$$= 9 + 16 + 25 = 50$$

इसलिए $$|\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}| = \sqrt{50} = 5\sqrt{2}$$

उदाहरण 29 तीन सदिश $\vec{a}, \vec{b}$ और $\vec{c}$ प्रतिबंध $\vec{a}+\vec{b}+\vec{c} = \vec{0}$ को संतुष्ट करते हैं। यदि $|\vec{a}| \quad 1, |\vec{b}| \quad 4$ और $|\vec{c}| \quad 2$ तो राशि $\quad \vec{a} \quad \vec{b} \quad \vec{b} \quad \vec{c} \quad \vec{c} \quad \vec{a}$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल क्योंकि $\vec{a}+\vec{b}+\vec{c} = \vec{0}$, इसलिए हम पाते हैं कि

$$\vec{a}\cdot(\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}) = 0$$

अथवा $$\vec{a}\cdot\vec{a} + \vec{a}\cdot\vec{b} + \vec{a}\cdot\vec{c} = 0$$

इसलिए $$\vec{a}\cdot\vec{b} + \vec{a}\cdot\vec{c} = -|\vec{a}|^2 = -1 \qquad \ldots (1)$$

पुनः $$\vec{b}\cdot(\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}) = 0$$

अथवा $$\vec{a}\cdot\vec{b}+\vec{b}\cdot\vec{c} = -|\vec{b}|^2 = -16 \qquad \text{... (2)}$$

इसी प्रकार $$\vec{a}\cdot\vec{c}+\vec{b}\cdot\vec{c} = -4 \qquad \text{... (3)}$$

(1), (2) और (3) को जोड़ने पर हम पाते हैं कि

$$2\,(\vec{a}\cdot\vec{b}+\vec{b}\cdot\vec{c}+\vec{a}\cdot\vec{c}) = -21$$

या $$2\mu = -21, \text{ i.e., } \mu = \frac{-21}{2}$$

उदाहरण 30 यदि परस्पर लंबवत् मात्रक सदिशों $\hat{i}$, $\hat{j}$ और $\hat{k}$, की दक्षिणावर्ती पद्धति के सापेक्ष $\vec{\ }\ \ 3\hat{i}\ \ \ \hat{j}$, $\vec{\ }\ \ 2\hat{i}\ \ \ \hat{j}-3\hat{k}$, तो β को $\vec{\ }\ \ \vec{\ }_1\ \ \vec{\ }_2$ के रूप में अभिव्यक्त कीजिए जहाँ $\vec{\ }_1$, $\vec{\ }$ के समांतर है और $\vec{\ }_2$, $\vec{\ }$ के लंबवत् है।

हल मान लीजिए कि $\vec{\ }_1\ \ \ \vec{\ }$, एक अदिश है अर्थात् $\vec{\beta}_1 = 3\lambda\hat{i}-\lambda\hat{j}$

अब $$\vec{\beta}_2 = \vec{\beta}-\vec{\beta}_1 = (2-3\lambda)\hat{i}+(1+\lambda)\hat{j}-3\hat{k}$$

क्योंकि $\vec{\ }_2$, $\vec{\ }$ पर लंब है इसलिए $\vec{\alpha}\cdot\vec{\beta}_2 = 0$

अर्थात् $$3(2-3\lambda)-(1+\lambda) = 0$$

अथवा $$\lambda = \frac{1}{2}$$

इसलिए $$\vec{\beta}_1 = \frac{3}{2}\hat{i}-\frac{1}{2}\hat{j} \quad \text{और} \quad \vec{\beta}_2 = \frac{1}{2}\hat{i}+\frac{3}{2}\hat{j}-3\hat{k}$$

अध्याय 10 पर विविध प्रश्नावली

1. XY-तल में, x-अक्ष की धनात्मक दिशा के साथ वामावर्त दिशा में 30° का कोण बनाने वाला मात्रक सदिश लिखिए।
2. बिंदु $P(x_1, y_1, z_1)$ और $Q(x_2, y_2, z_2)$ को मिलाने वाले सदिश के अदिश घटक और परिमाण ज्ञात कीजिए।
3. एक लड़की पश्चिम दिशा में 4 km चलती है। उसके पश्चात् वह उत्तर से 30° पश्चिम की दिशा में 3 km चलती है और रूक जाती है। प्रस्थान के प्रारंभिक बिंदु से लड़की का विस्थापन ज्ञात कीजिए।
4. यदि $\vec{a}=\vec{b}+\vec{c}$, तब क्या यह सत्य है कि $|\vec{a}|\ \ |\vec{b}|\ \ |\vec{c}|$? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।
5. x का वह मान ज्ञात कीजिए जिसके लिए $x(\hat{i}+\hat{j}+\hat{k})$ एक मात्रक सदिश है।
6. सदिशों $\vec{a}\ \ 2\hat{i}\ \ 3\hat{j}\ \ \hat{k}$ और $\vec{b}\ \ \hat{i}\ \ 2\hat{j}\ \ \hat{k}$ के परिणामी के समांतर एक ऐसा सदिश ज्ञात कीजिए जिसका परिमाण 5 इकाई है।

7. यदि $\vec{a} \quad \hat{i} \quad \hat{j} \quad \hat{k},\ \vec{b} \quad 2\hat{i} \quad \hat{j} \quad 3\hat{k}$ और $\vec{c} \quad \hat{i} \quad 2\hat{j} \quad \hat{k}$, तो सदिश $2\vec{a} - \vec{b} + 3\vec{c}$ के समांतर एक मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए।

8. दर्शाइए कि बिंदु A(1, – 2, – 8), B(5, 0, –2) और C(11, 3, 7) संरेख है और B द्वारा AC को विभाजित करने वाला अनुपात ज्ञात कीजिए।

9. दो बिंदुओं P $(2\vec{a} \quad \vec{b})$ और Q$(\vec{a} - 3\vec{b})$ को मिलाने वाली रेखा को 1:2 के अनुपात मे बाह्य विभाजित करने वाले बिंदु R का स्थिति सदिश ज्ञात कीजिए। यह भी दर्शाइए कि बिंदु P रेखाखंड RQ का मध्य बिंदु है।

10. एक समांतर चतुर्भुज की संलग्न भुजाएँ $2\hat{i} \quad 4\hat{j} \quad 5\hat{k}$ और $\hat{i} \quad 2\hat{j} \quad 3\hat{k}$ हैं। इसके विकर्ण के समांतर एक मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए। इसका क्षेत्रफल भी ज्ञात कीजिए।

11. दर्शाइए कि OX, OY एवं OZ अक्षों के साथ बराबर झुके हुए सदिश की दिक्-कोसाइन कोज्याएँ $\frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}$ है।

12. मान लीजिए $\vec{a} \quad \hat{i} \quad 4\hat{j} \quad 2\hat{k},\ \vec{b} \quad 3\hat{i} \quad 2\hat{j} \quad 7\hat{k}$ और $\vec{c} \quad 2\hat{i} \quad \hat{j} \quad 4\hat{k}$. एक ऐसा सदिश $\vec{d}$ ज्ञात कीजिए जो $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दोनों पर लंब है और $\vec{c} \cdot \vec{d} = 15$

13. सदिश $\hat{i} + \hat{j} + \hat{k}$ का, सदिशों $2\hat{i} + 4\hat{j} - 5\hat{k}$ और $\lambda\hat{i} + 2\hat{j} + 3\hat{k}$ के योगफल की दिशा में मात्रक सदिश के साथ अदिश गुणनफल 1 के बराबर है तो   का मान ज्ञात कीजिए।

14. यदि $\vec{a},\ \vec{b},\ \vec{c}$ समान परिमाणों वाले परस्पर लंबवत् सदिश हैं तो दर्शाइए कि सदिश $\vec{a} + \vec{b} + \vec{c}$ सदिशों $\vec{a},\ \vec{b}$ तथा $\vec{c}$ के साथ बराबर झुका हुआ है।

15. सिद्ध कीजिए कि $(\vec{a} + \vec{b}) \cdot (\vec{a} + \vec{b}) = |\vec{a}|^2 + |\vec{b}|^2$, यदि और केवल यदि $\vec{a}, \vec{b}$ लंबवत् हैं। यह दिया हुआ है कि $\vec{a} \neq \vec{0}, \vec{b} \neq \vec{0}$

16 से 19 तक के प्रश्नों में सही उत्तर का चयन कीजिए।

16. यदि दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ है तो $\vec{a} \cdot \vec{b} \geq 0$ होगा यदि:

(A) $0 < \theta < \frac{\pi}{2}$ (B) $0 \leq \theta \leq \frac{\pi}{2}$

(C) $0 < \theta < \pi$ (D) $0 \leq \theta \leq \pi$

17. मान लीजिए $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दो मात्रक सदिश हैं और उनके बीच का कोण θ है तो $\vec{a} + \vec{b}$ एक मात्रक सदिश है यदि:

(A) $\theta = \frac{\pi}{4}$ (B) $\theta = \frac{\pi}{3}$ (C) $\theta = \frac{\pi}{2}$ (D) $\theta = \frac{2\pi}{3}$

18. $\hat{i}.(\hat{j}\times\hat{k})+\hat{j}.(\hat{i}\times\hat{k})+\hat{k}.(\hat{i}\times\hat{j})$ का मान है

(A) 0 (B) –1 (C) 1 (D) 3

19. यदि दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ है तो $|\vec{a}\cdot\vec{b}|=|\vec{a}\times\vec{b}|$ जब θ बराबर है:

(A) 0 (B) $\frac{\pi}{4}$ (C) $\frac{\pi}{2}$ (D) π

सारांश

- एक बिंदु P(*x*, *y*, *z*) की स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP}(=\vec{r})=x\hat{i}+y\hat{j}+z\hat{k}$ है और परिमाण $\sqrt{x^2+y^2+z^2}$ है।
- एक सदिश के अदिश घटक इसके दिक्-अनुपात कहलाते हैं और क्रमागत अक्षों के साथ इसके प्रक्षेप को निरूपित करते हैं।
- एक सदिश का परिमाण (*r*), दिक्-अनुपात *a*, *b*, *c* और दिक्-कोसाइन (*l*, *m*, *n*) निम्नलिखित रूप में संबंधित हैं:

$$l=\frac{a}{r},\quad m=\frac{b}{r},\quad n=\frac{c}{r}$$

- त्रिभुज की तीनों भुजाओं को क्रम में लेने पर उनका सदिश योग $\vec{0}$ है।
- दो सह-आदिम सदिशों का योग एक ऐसे समांतर चतुर्भुज के विकर्ण से प्राप्त होता है जिसकी संलग्न भुजाएँ दिए हुए सदिश हैं।
- एक सदिश का अदिश λ से गुणन इसके परिमाण को |λ| के गुणज में परिवर्तित कर देता है और λ का मान धनात्मक अथवा ऋणात्मक होने के अनुसार इसकी दिशा को समान अथवा विपरीत रखता है।
- दिए हुए सदिश $\vec{a}$ के लिए सदिश $\hat{a}=\frac{\vec{a}}{|\vec{a}|}$, $\vec{a}$ की दिशा में मात्रक सदिश है।
- बिदुओं P और Q जिनके स्थिति सदिश क्रमशः $\vec{a}$ और $\vec{b}$ हैं, को मिलाने वाली रेखा को $m:n$ के अनुपात में विभाजित करने वाले बिंदु R का स्थिति सदिश (i) $\frac{n\vec{a}+m\vec{b}}{m+n}$ अंतः विभाजन पर (ii) $\frac{m\vec{b}-n\vec{a}}{m-n}$ बाह्य विभाजन पर, के रूप में प्राप्त होता है।

- दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ है तो उनका अदिश गुणनफल $\vec{a}\cdot\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|\cos\theta$ के रूप में प्राप्त होता है। यदि $\vec{a}\cdot\vec{b}$ दिया हुआ है तो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण 'θ', $\cos\theta = \dfrac{\vec{a}\cdot\vec{b}}{|\vec{a}||\vec{b}|}$ से प्राप्त होता है।
- यदि दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ है तो उनका सदिश गुणनफल $\vec{a}\times\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|\sin\theta\,\hat{n}$ के रूप में प्राप्त होता है। जहाँ $\hat{n}$ एक ऐसा मात्रक सदिश है जो $\vec{a}$ और $\vec{b}$ को सम्मिलित करने वाले तल के लंबवत् है तथा $\vec{a}, \vec{b}$ और $\hat{n}$ दक्षिणावर्ती समकोणिक निर्देशांक पद्धति को निर्मित करते हैं।
- यदि $\vec{a} = a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$ तथा $\vec{b} = b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k}$ और एक अदिश है तो

$$\vec{a}+\vec{b} = (a_1+b_1)\hat{i} + (a_2+b_2)\hat{j} + (a_3+b_3)\hat{k}$$

$$\lambda\vec{a} = (\lambda a_1)\hat{i} + (\lambda a_2)\hat{j} + (\lambda a_3)\hat{k}$$

$$\vec{a}.\vec{b} = a_1b_1 + a_2b_2 + a_3b_3$$

और $$\vec{a}\times\vec{b} = \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ a_1 & b_1 & c_1 \\ a_2 & b_2 & c_2 \end{vmatrix}$$

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सदिश शब्द का व्युत्पन्न लैटिन भाषा के एक शब्द वेक्टस (vectus) से हुआ है जिसका अर्थ है हस्तगत करना। आधुनिक सदिश सिद्धांत के भ्रूणीय विचार की तिथि सन् 1800 के आसपास मानी जाती है, जब Caspar Wessel (1745–1818 ई.) और Jean Robert Argand (1768-1822ई.) ने इस बात का वर्णन किया कि एक निर्देशांक तल में किसी दिष्ट रेखाखंड की सहायता से एक सम्मिश्र संख्या $a + ib$ का ज्यामितीय अर्थ निर्वचन कैसे किया जा सकता है। एक आयरिश गणितज्ञ, William Rowen Hamilton (1805-1865 ई.) ने अपनी पुस्तक, "*Lectures on Quaternions*" (1853 ई.) में दिष्ट रेखाखंड के लिए सदिश शब्द का प्रयोग सबसे पहले किया था। चतुष्टयीयों (quaternians) [कुछ निश्चित बीजीय नियमों का पालन करते हुए $a \quad b\hat{i} \quad c\hat{j} \quad d\hat{k}, \hat{i}, \hat{j}, \hat{k}$ के रूप वाले चार वास्तविक संख्याओं का

समुच्चय] की हैमिल्टन विधि सदिशों को त्रि-विमीय अंतरिक्ष में गुणा करने की समस्या का एक हल था। तथापि हम यहाँ इस बात का जिक्र अवश्य करेंगे कि सदिश की संकल्पना और उनके योगफल का विचार बहुत- दिनों पहले से Plato (384-322 ईसा पूर्व) के एक शिष्य एवं यूनानी दार्शानिक और वैज्ञानिक Aristotle (427-348 ईसा पूर्व) के काल से ही था। उस समय इस जानकारी की कल्पना थी कि दो अथवा अधिक बलों की संयुक्त क्रिया उनको समांतर चतुर्भुज के नियमानुसार योग करने पर प्राप्त की जा सकती है। बलों के संयोजन का सही नियम, कि बलों का योग सदिश रूप में किया जा सकता है, की खोज Sterin Simon(1548-1620ई.) द्वारा लंबवत् बलों की स्थिति में की गई। सन् 1586 में उन्होंने अपनी शोधपुस्तक, "*DeBeghinselen der Weeghconst*" (वजन करने की कला के सिद्धांत) में बलों के योगफल के ज्यामितीय सिद्धांत का विश्लेषण किया था जिसके कारण यांत्रिकी के विकास में एक मुख्य परिवर्तन हुआ। परंतु इसके बाद भी सदिशों की व्यापक संकल्पना के निर्माण में 200 वर्ष लग गए।

सन् 1880 में एक अमेरिकी भौतिक शास्त्री एवं गणितज्ञ Josaih Willard Gibbs (1839-1903 ई.) और एक अंग्रेज अभियंता Oliver Heaviside (1850-1925 ई.) ने एक चतुष्टयी के वास्तविक (अदिश) भाग को काल्पनिक (सदिश) भाग से पृथक् करते हुए सदिश विश्लेषण का सृजन किया था। सन् 1881 और 1884 में Gibbs ने "*Entitled Element of Vector Analysis*" नामक एक शोध पुस्तिका छपवाई। इस पुस्तक में सदिशों का एक क्रमबद्ध एवं संक्षिप्त विवरण दिया हुआ था। तथापि सदिशों के अनुप्रयोग का निरूपण करने की कीर्ति D. Heaviside और P.G. Tait (1831-1901 ई.) को प्राप्त है जिन्होंने इस विषय के लिए सार्थक योगदान दिया है।

vè;k; 11

f=k&foeh; T;kfefr
(Three Dimensional Geometry)

❖ *The moving power of mathematical invention is not reasoning but imagination. – A.DEMORGAN* ❖

11.1 Hkfedk (Introduction)

Leonhard Euler
(1707-1783)

d{kk XI e] o'yf"kd T;kfefr dk vè;;u djr le; f}&foeh; vkj f=k&foeh; fo"k;k oQ ifjp; e geu Lo;a dk oQoy dkrh; fof/ rd lhfer j[kk gA bl iLrd oQ fiNy vè;k; e geu lfn'kk dh ey ldYiukvk dk vè;;u fd;k gA vc ge lfn'k oQ chtxf.kr dk f=k&foeh; T;kfefr e mi;kx djxA f=k&foeh; T;kfefr e bl mikxe dk mn~n';g fd ;g blo vè;;u dk vR;r ljy ,o l#fpi.k (lxkg;) cuk nrk gA*

bl vè;k; e ge nks ¯cnvk dk feykus okyh j[kk oQ fnd&dkT;k o fnoQ&vuikr dk vè;;u djx vkj fofHkUu fLFkfr;k e vrfj{k e j[kkvk vkj ryk oQ lehdj.kk] nks j[kkvk] nks ryk o ,d j[kk vkj ,d ry oQ chp dk dk.k] nks fo"keryh; j[kkvk oQ chp U;ure njh o ,d ry dh ,d ¯cn l njh oQ fo'k; e Hkh fopkj foe'k djxA mijkDr ifj.kkek e l vf/dka'k ifj.kkek dk lfn'kk oQ :i e ikIr djr gA rFkkfi ge budk dkrh; :i e Hkh vuokn djx tk dkykrj e fLFkfr dk Li"V T;kferh; vkj fo'y"k.kkRed fp=k.k iLrr dj lo\xkA

11.2 j[kk oQ fnoQ&dkl kbu vkj fnoQ&vuikr (Direction Cosines and Direction Ratios of a Line)

vè;k; 10 e] Lej.k dhft,] fd ey ¯cn l xtjus okyh lfn'k j[kk L }kjk x, y vkj z-v{kk oQ lkFk Øe'k α] β vkj γ cuk, x, dk.k fnoQ&dk.k dgykrs g rc bu dk.kk dh dkl kbu uker% $\cos\alpha$, $\cos\beta$ vkj $\cos\gamma$ j[kk L oQ fnoQ&dkl kbu (direction cosines or dc's) dgykrh gA

---

* For various activities in three dimensional geometry, one may refer to the Book *"A Hand Book for designing Mathematics Laboratory in Schools"*, NCERT, 2005

;fn geL dh fn'kk foijhr dj nr g rk fnoQ&dk.k] viu lijdk e vFkkr π-α, π-β vkj π-γ l cny tkr gA bl idkj] fnoQ&dklkbu oQ fpÉ cny tkr gA

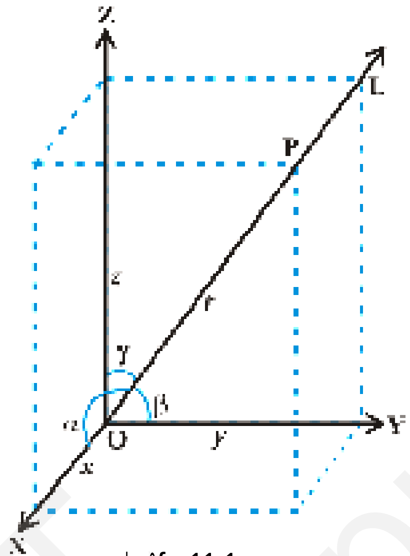

vkoQfr 11-1

è;ku nhft,] vrfj{k e nh xb j[kk dk nk foijhr fn'kvk e c<k ldr g vkj blfy, blo fnoQ&dklkbu oQ nk leg gA blfy, vrfj{k e Kkr j[kk oQ fy, fnoQ&dklkbu oQ vf}rh; leg oQ fy,] ge Kkr j[kk dk ,d lfn'k j[kk yuk pkfg,A bu vf}rh; fnoQ&dklkbu dk l, m vkj n oQ }kjk fufn"V fd, tkr gA

fVIi.kh vrfj{k e nh xb j[kk ;fn ey ¯cn l ugh xtjrh g rk bldh fnoQ&dklkbu dk Kkr dju oQ fy,] ge ey ¯cn l nh xb j[kk oQ lekrj ,d j[kk [khpr gA vc ey ¯cn l bue l ,d lfn'k j[kk oQ fnoQ&vuikr Kkr djr g D;kfd nk lekrj j[kkvk oQ fnoQ&vuikrk oQ leg leku (ogh) gkr gA

,d j[kk oQ fnoQ&dklkbu oQ lekuikrh l[;kvk dk j[kk oQ fnoQ&vuikr (direction ratios or *dr's*) dgr gA ;fn ,d j[kk oQ fnoQ&dklkbu l, m, n o fnoQ&vuikr a, b, c gk rc fdlh 'kU;rj $\lambda \in \mathbf{R}$ oQ fy, $a = \lambda l$, $b=\lambda m$ vkj $c = \lambda n$

fVIi.kh oQN y[kd fnoQ&vuikrk dk fnoQ&l[;k, Hkh dgr gA

eku yhft, ,d j[kk oQ fnoQ&vuikr a, b, c vkj j[kk dh fnoQ&dklkbu l, m, n gA rc

$$\frac{l}{a} = \frac{m}{b} = \frac{n}{c} = k \text{ (eku yhft,)}, k \text{ ,d vpj gA}$$

blfy, $l = ak,\ m = bk,\ n = ck$ ... (1)

ijr $l^2 + m^2 + n^2 = 1$

blfy, $k^2\,(a^2 + b^2 + c^2) = 1$

;k $k = \pm\dfrac{1}{\sqrt{a^2+b^2+c^2}}$

vr% (1) l] j[kk dh fnoQ&dklkbu (*d.c.'s*)

$$l = \pm\frac{a}{\sqrt{a^2+b^2+c^2}},\ m = \pm\frac{b}{\sqrt{a^2+b^2+c^2}},\ n = \pm\frac{c}{\sqrt{a^2+b^2+c^2}}$$

fdlh j[kk oQ fy, ;fn j[kk oQ fnoQ&vuikr Øe'k% a, b, c g] rk $ka, kb, kc;\ k \neq 0$ Hkh fnoQ&vuikrk dk ,d leg gA blfy, ,d j[kk oQ fnoQ&vuikrk oQ nk leg Hkh lekuikrh gkxA vr% fdlh ,d j[kk oQ fnoQ&vuikrk oQ vl[; leg gkr gA

11.2.1 j[kk dh fnoQ&dklkbu e lca/ *(Relation between the direction cosines of a line)*

eku yhft, fd ,d j[kk RS dh fnoQ&dklkbu l, m, n gA ey ¯cn l nh xb j[kk oQ lekrj ,d j[kk [khp, vkj bl ij ,d ¯cn $P(x, y, z)$ yhft,A P l x-v{k ij yc PA [khp, (vkoQfr 11-2)A

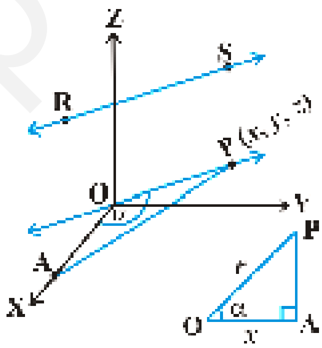

vkoQfr 11-2

;fn $OP = r$. rk $\cos\alpha = \dfrac{OA}{OP} = \dfrac{x}{r}$. ftlls $x = lr$ iklr gkrk gA

blh idkj $y = mr$ vkj $z = nr$.

blfy, $x^2 + y^2 + z^2 = r^2\,(l^2 + m^2 + n^2)$

ijr $x^2 + y^2 + z^2 = r^2$

vr% $\mathbf{l^2 + m^2 + n^2 = 1}$

11.2.2 nk ¯cnvk dk feyku okyh j[kk dh fnoQ&dklkbu *(Direction cosines of a line passing through two points)*

D;kfd nk fn, ¯cnvk l gkdj tku okyh j[kk vf}rh; gkrh gA blfy, nk fn, x, ¯cnvk $P(x_1, y_1, z_1)$ vkj $Q(x_2, y_2, z_2)$ l xtju okyh j[kk dh fnoQ&dklkbu dk fuEu idkj l Kkr dj ldr g (vkoQfr 11-3 (a))A

eku yhft, fd j[kk PQ dh fnoQ&dklkbu l, m, n g vkj ;g x, y vkj z-v{k oQ lkFk dk.k Øe'k% α, β, γ cukrh gA eku yhft, P vkj Q ls yc [khfp, tks XY-ry dks R rFkk S ij feyrs gSaA P ls ,d vU; yc [khfp, tks QS dks N ij feyrk gSA vc ledks.k f=kHkqt PNQ esa, $\angle PQN = \gamma$ (vkd`fr 11.3 (b)) blfy,

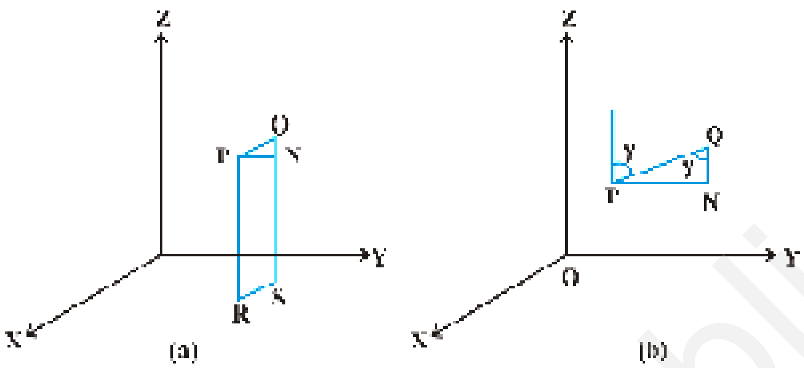

vkd`fr 11-3

$$\cos\gamma = \frac{NQ}{PQ} = \frac{z_2 - z_1}{PQ}$$

blh izdkj $\cos\alpha = \dfrac{x_2 - x_1}{PQ}$ vkj $\cos\beta = \dfrac{y_2 - y_1}{PQ}$

vr% ¯cnvksa $P(x_1, y_1, z_1)$ rFkk $Q(x_2, y_2, z_2)$ dks tksMu okyh js[kk[kaM PQ fd fnd~&dkslkbu

$$\frac{x_2 - x_1}{PQ}, \frac{y_2 - y_1}{PQ}, \frac{z_2 - z_1}{PQ} \text{ gSa}$$

tgk $PQ = \sqrt{(x_2 - x_1)^2 + (y_2 - y_1)^2 + \left(z_2 - z_1\right)^2}$

fVIi.kh ¯cnvksa $P(x_1, y_1, z_1)$ rFkk $Q(x_2, y_2, z_2)$ dks tksMu okyh js[kk[kaM oQs fnd~&vuikr fuEu idkj Hkh fy, tk ldrs gSa

$$x_2 - x_1,\ y_2 - y_1,\ z_2 - z_1;\ \text{;k}\ x_1 - x_2,\ y_1 - y_2,\ z_1 - z_2$$

mnkgj.k 1 ;fn ,d js[kk x, y rFkk z-v{kksa dh /ukRed fn'kk oQs lkFk Øe'k% 90°, 60° rFkk 30° dk dks.k cukrh gS rks fnd~&dkslkbu Kkr dhft,A

gy eku yhft, js[kk dh fnd~&dkslkbu l, m, n gSa rc $l = \cos 90° = 0$, $m = \cos 60° = \dfrac{1}{2}$,

$$n = \cos 30° = \frac{\sqrt{3}}{2}$$

mnkgj.k 2 ;fn ,d j[kk oQ fnoQ&vuikr 2] &1] &2 g rk bl dh fnoQ&dkIkbu Kkr dhft,A

gy fnoQ&dkIkbu fuEuor g

$$\frac{2}{\sqrt{2^2+(-1)^2+(-2)^2}},\ \frac{-1}{\sqrt{2^2+(-1)^2+(-2)^2}},\ \frac{-2}{\sqrt{2^2+(-1)^2+(-2)^2}}$$

vFkkr $$\frac{2}{3}, \frac{-1}{3}, \frac{-2}{3}$$

mnkgj.k 3 nk¯cnvk $(-2, 4, -5)$ vkj $(1, 2, 3)$ dk feyku okyh j[kk dh fnoQ&dkIkbu Kkr dhft,A

gy ge tkur g fd nk ¯cnvk $P(x_1, y_1, z_1)$ vkj $Q(x_2, y_2, z_2)$ dk feyku okyh j[kk dh fnoQ&dkIkbu

$$\frac{x_2-x_1}{PQ}, \frac{y_2-y_1}{PQ}, \frac{z_2-z_1}{PQ}$$

g] tgk $$PQ = \sqrt{(x_2-x_1)^2+(y_2-y_1)^2+(z_2-z_1)^2}$$

;gk P vkj Q Øe'k% $(-2, 4, -5)$ vkj $(1, 2, 3)$ gA

bIfy, $$PQ = \sqrt{(1-(-2))^2+(2-4)^2+(3-(-5))^2} = \sqrt{77}$$

bIfy, nk ¯cnvk dk feyku okyh j[kk dh fnoQ&dkIkbu g%

$$\frac{3}{\sqrt{77}}, \frac{-2}{\sqrt{77}}, \frac{8}{\sqrt{77}}$$

mnkgj.k 4 x, y vkj z-v{kk dh fnoQ&dkIkbu Kkr dhft,A

gy x-v{k Øe'k% x, y vkj z-v{k oQ IkFk $0°, 90°$ vkj $90°$ oQ dk.k cukrk gA bIfy, x-v{k dh fnoQ&dkIkbu $\cos 0°, \cos 90°, \cos 90°$ vFkkr $1,0,0$ gA
bIh idkj y-v{k vkj z-v{k dh fnoQ&dkIkbu Øe'k% $0, 1, 0$ vkj $0, 0, 1$ gA

mnkgj.k 5 n'kkb, fd ¯cn $A(2, 3, -4)$, $B(1, -2, 3)$ vkj $C(3, 8, -11)$ Ij[k gA

gy A vkj B dk feyku okyh j[kk oQ fnoQ&vuikr

$1-2, -2-3, 3+4$ vFkkr $-1, -5, 7$ gA

B vkj C dk feyku okyh j[kk oQ fnoQ&vuikr $3-1, 8+2, -11-3$, vFkkr, $2, 10, -14$ gA

Li"V g fd AB vkj BC oQ fnoQ&vuikr lekuikrh gA vr% AB vkj BC lekrj gA ijr AB vkj BC nkuk e B mHk;fu"B gA vr% A, B, vkj C Ij[k ¯cn gA

i'ukoyh 11-1

1. ;fn ,d js[kk x, y vkSj z-v{kksa osQ lkFk Øe'k% $90°, 135°, 45°$ osQ dks.k cukrh gS rks bldh fnoQ&dkslkbu Kkr dhft,A
2. ,d js[kk dh fnoQ&dkslkbu Kkr dhft, tks funsZ'kk{kksa osQ lkFk leku dks.k cukrh gSA
3. ;fn ,d js[kk osQ fnoQ&vuqikr $-18, 12, -4$, gSa rks bldh fnoQ&dkslkbu D;k gSa\
4. n'kkZb, fd ¯cnq $(2, 3, 4), (-1, -2, 1), (5, 8, 7)$ lajs[k gSaA
5. ,d f=kHkqt dh Hkqtkvksa dh fnoQ&dkslkbu Kkr dhft, ;fn f=kHkqt osQ 'kh"kZ ¯cnq $(3, 5, -4), (-1, 1, 2)$ vkSj $(-5, -5, -2)$ gSaA

11.3 varfj{k esa js[kk dk lehdj.k (Equation of a Line in Space)

d{kk XI esa f}&foeh; ry esa js[kkvksa dk vè;;u djus osQ i'pkr vc ge varfj{k esa ,d js[kk osQ lfn'k rFkk dkrh; lehdj.kksa dks Kkr djsaxsA

,d js[kk vf}rh;r% fu/kZfjr gksrh gS] ;fn

(i) ;g fn, ¯cnq ls nh xbZ fn'kk ls gksdj tkrh gS] ;k
(ii) ;g nks fn, x, ¯cnqvksa ls gksdj tkrh gSA

11.3.1 fn, x, ¯cnq A ls tkus okyh rFkk fn, x, lfn'k $\vec{b}$ osQ lekarj js[kk dk lehdj.k *(Equation of a line through a given point A and parallel to a given vector $\vec{b}$)*

ledksf.kd funsZ'kk{k fudk; osQ ey ¯cnq O osQ lkis{k eku yhft, fd ¯cnq A dk lfn'k $\vec{a}$ gSA eku yhft, fd ¯cnq A ls tkus okyh rFkk fn, x, lfn'k $\vec{b}$ osQ lekarj js[kk l gSA eku yhft, fd l ij fLFkr fdlh LoSPN ¯cnq P dk fLFkfr lfn'k $\vec{r}$ gS (vkoQfr 11-4)A

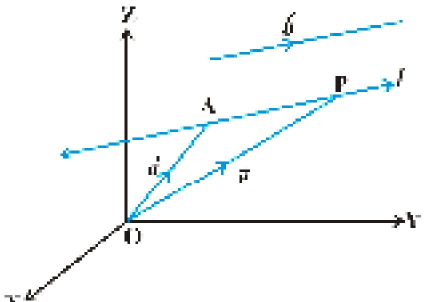

vkoQfr 11-4

rc $\overrightarrow{AP}$ lfn'k $\vec{b}$ osQ lekarj gS vFkkZr $\overrightarrow{AP} = \lambda\vec{b}$, tgk¡ λ ,d okLrfod la[;k gSA

ijarq $\overrightarrow{AP} = \overrightarrow{OP} - \overrightarrow{OA}$

vFkkZr $\lambda\vec{b} = \vec{r} - \vec{a}$

foykser% iqy λ osQ izR;sd eku osQ fy, ;g lehdj.k js[kk osQ fdlh ¯cnq P dh fLFkfr iznku djrk gSA vr% js[kk dk lfn'k lehdj.k gS%

$$\vec{r} = \vec{a} + \lambda\vec{b} \quad \dots (1)$$

fVIi.kh ;fn $\vec{b} = a\hat{i} + b\hat{j} + c\hat{k}$ g rk j[kk oQ fnoQ&vuikr a, b, c g vkj foykser% ;fn ,d j[kk oQ fnoQ&vuikr a, b, c gk rk $\vec{b} = a\hat{i} + b\hat{j} + c\hat{k}$ j[kk oQ lekrj gkxkA ;gk b dk $|\vec{b}|$ u le>k tk,A

lfn'k :i l dkrh; :i 0;RiUu djuk (Derivation of Cartesian Form from Vector Form)

eku yhft, fd fn, ¯cn A oQ fun'kkd (x_1, y_1, z_1) g vkj j[kk dh fnoQ&dkslkbu a, b, c g eku yhft, fdlh ¯cn P oQ fun'kkd (x, y, z) gA rc

$$\vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k};\ \vec{a} = x_1\hat{i} + y_1\hat{j} + z_1\hat{k}$$

vkj $$\vec{b} = a\hat{i} + b\hat{j} + c\hat{k}$$

bu ekuk dk (1) e ifrLFkfir djoQ $\hat{i}, \hat{j}$ vkj $\hat{k}$, oQ x.kkdk dh ryuk dju ij ge ikr g fd

$$x = x_1 + \lambda a;\quad y = y_1 + \lambda b;\quad z = z_1 + \lambda c \qquad \text{... (2)}$$

; j[kk oQ ikpy lehdj.k gA (2) l ikpy λ dk foyksiu dju ij] ge ikr g%

$$\frac{x - x_1}{a} = \frac{y - y_1}{b} = \frac{z - z_1}{c} \qquad \text{... (3)}$$

;g j[kk dk dkrh; lehdj.k gA

fVIi.kh ;fn j[kk dh fnoQ&dkslkbu l, m, n g] rk j[kk dk lehdj.k

$$\frac{x - x_1}{l} = \frac{y - y_1}{m} = \frac{z - z_1}{n}$$ gA

mnkgj.k 6 ¯cn $(5, 2, -4)$ l tku okyh rFkk lfn'k $3\hat{i} + 2\hat{j} - 8\hat{k}$ oQ lekrj j[kk dk lfn'k rFkk dkrh; lehdj.kk dk Kkr dhft,A

gy ge Kkr g] fd

$$\vec{a} = 5\hat{i} + 2\hat{j} - 4\hat{k} \text{ vkj } \vec{b} = 3\hat{i} + 2\hat{j} - 8\hat{k}$$

blfy,] j[kk dk lfn'k lehdj.k g%

$$\vec{r} = 5\hat{i} + 2\hat{j} - 4\hat{k} + \lambda(3\hat{i} + 2\hat{j} - 8\hat{k}) \quad [(1)\ l]$$

pfd j[kk ij fLFkr fdlh ¯cn P(x, y, z) dh fLFkfr lfn'k $\vec{r}$ g] blfy,

$$x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k} = 5\hat{i} + 2\hat{j} - 4\hat{k} + \lambda(3\hat{i} + 2\hat{j} - 8\hat{k})$$

$$= (5 + 3\lambda)\hat{i} + (2 + 2\lambda)\hat{j} + (-4 - 8\lambda)\hat{k}$$

λ dk foyksiu djus ij ge ikrs gSa fd

$$\frac{x-5}{3} = \frac{y-2}{2} = \frac{z+4}{-8}$$

tks js[kk osQ lehdj.k dk dkrhZ; :i gSA

11.3.2 nks fn, x, ¯cnqvksa ls tkus okyh js[kk dk lehdj.k *(Equation of a line passing through two given points)*

eku yhft, ,d js[kk ij fLFkr nks ¯cnqvksa $A(x_1, y_1, z_1)$ vkSj $B(x_2, y_2, z_2)$, osQ fLFkfr lfn'k Øe'k% $\vec{a}$ vkSj $\vec{b}$ gSa (vkoQfr 11.5)A

eku yhft, $\vec{r}$,d LoSPN ¯cnq P dk fLFkfr lfn'k gSA rc P js[kk ij gS ;fn vkSj osQoy ;fn $\vec{AP} = \vec{r} - \vec{a}$ rFkk $\vec{AB} = \vec{b} - \vec{a}$ lajs[k lfn'k gSa blfy, P js[kk ij fLFkr gS ;fn vkSj osQoy ;fn

$$\vec{r} - \vec{a} = \lambda(\vec{b} - \vec{a})$$

;k $$\vec{r} = \vec{a} + \lambda(\vec{b} - \vec{a}),\ \lambda \in \mathbf{R} \quad \ldots (1)$$

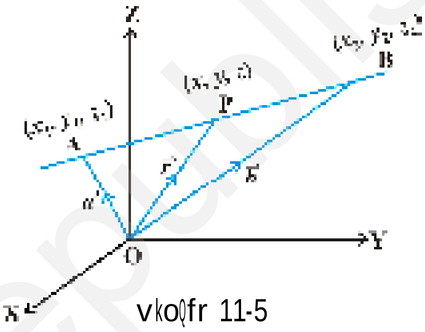

vkoQfr 11-5

tks js[kk dk lfn'k lehdj.k gSA

lfn'k :i ls dkrhZ; :i O;qRiUu djuk

ge ikrs gSa fd

$$\vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k},\ \vec{a} = x_1\hat{i} + y_1\hat{j} + z_1\hat{k}, \text{ vkSj } \vec{b} = x_2\hat{i} + y_2\hat{j} + z_2\hat{k}$$

bu ekuksa dks (1) esa ifrLFkkfir djus ij ge ikrs gSa fd

$$x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k} = x_1\hat{i} + y_1\hat{j} + z_1\hat{k} + \lambda[(x_2 - x_1)\hat{i} + (y_2 - y_1)\hat{j} + (z_2 - z_1)\hat{k}]$$

$\hat{i}, \hat{j}, \hat{k}$ osQ x.kkadksa dh rqyuk djus ij ge ikrs gSa fd

$$x = x_1 + \lambda(x_2 - x_1);\ y = y_1 + \lambda(y_2 - y_1);\ z = z_1 + \lambda(z_2 - z_1)$$

λ dk foyksiu djus ij ge ikrs gSa fd

$$\frac{x - x_1}{x_2 - x_1} = \frac{y - y_1}{y_2 - y_1} = \frac{z - z_1}{z_2 - z_1}$$

tks js[kk osQ lehdj.k dk dkrhZ; :i gSA

mnkgj.k 7 ¯cnqvksa $(-1, 0, 2)$ vkSj $(3, 4, 6)$ ls gksdj tkus okyh js[kk dk lfn'k lehdj.k Kkr dhft,A

gy eku yhft, $\vec{a}$ vkSj $\vec{b}$ ¯cnqvksa $A(-1, 0, 2)$ vkSj $B(3, 4, 6)$ osQ fLFkfr lfn'k gSaA rc $\vec{a} = -\hat{i} + 2\hat{k}$

vkj $\vec{b} = 3\hat{i} + 4\hat{j} + 6\hat{k}$

blfy, $\vec{b} - \vec{a} = 4\hat{i} + 4\hat{j} + 4\hat{k}$

eku yhft, fd j[kk ij fLFkr fdlh LoPN ¯cnq P dk fLFkfr lfn'k $\vec{r}$ gA vr% j[kk dk lfn'k lehdj.k

$$\vec{r} = -\hat{i} + 2\hat{k} + \lambda(4\hat{i} + 4\hat{j} + 4\hat{k})$$

mnkgj.k **8** ,d j[kk dk dkrh; lehdj.k $\dfrac{x+3}{2} = \dfrac{y-5}{4} = \dfrac{z+6}{2}$ gA bl j[kk dk lfn'k lehdj.k Kkr dhft,A

gy fn, x, lehdj.k dk ekud :i

$$\frac{x-x_1}{a} = \frac{y-y_1}{b} = \frac{z-z_1}{c}$$

l ryuk dju ij ge ikr g fd $x_1 = -3, y_1 = 5, z_1 = -6; a = 2, b = 4, c = 2$

bl idkj vHkh"V j[kk ¯cn (– 3, 5, – 6) l gkdj tkrh g rFkk lfn'k $2\hat{i} + 4\hat{j} + 2\hat{k}$ o lekrj gA eku yhft, fd j[kk ij fLFkr fdlh ¯cn dh fLFkfr lfn'k $\vec{r}$ g rk j[kk dk lfn'k lehdj.k

$$\vec{r} = (-3\hat{i} + 5\hat{j} - 6\hat{k}) + \lambda(2\hat{i} + 4\hat{j} + 2\hat{k})$$

}kjk inÙk gA

11.4 nk j[kkvk o eè; dk.k (Angle between two lines)

eku yhft, fd L_1 vkj L_2 ey ¯cn l xtju okyh nk j[kk, g ftuo fnop&vuikr Øe'k% a_1, b_1, c_1 vkj a_2, b_2, c_2 gA iu% eku yhft, fd L_1 ij ,d ¯cn P rFkk L_2 ij ,d ¯cn Q gA vkofr 11-6 e fn, x, lfn'k OP vkj OQ ij fopkj dhft,A eku yhft, fd OP vkj OQ o chp U;u dk.k θ gA vc Lej.k dhft, fd lfn'kk OP vkj OQ o ?kVd Øe'k% a_1, b_1, c_1 vkj a_2, b_2, c_2 gA blfy, muo chp dk dk.k θ

$$\cos\theta = \left| \frac{a_1a_2 + b_1b_2 + c_1c_2}{\sqrt{a_1^2+b_1^2+c_1^2}\sqrt{a_2^2+b_2^2+c_2^2}} \right|$$ }kjk inÙk gA

iu% sin θ o :i e] j[kkvk o chp dk dk.k

$$\sin\theta = \sqrt{1-\cos^2\theta}$$ l inÙk g

$$= \sqrt{1 - \frac{(a_1a_2+b_1b_2+c_1c_2)^2}{\left(a_1^2+b_1^2+c_1^2\right)\left(a_2^2+b_2^2+c_2^2\right)}}$$

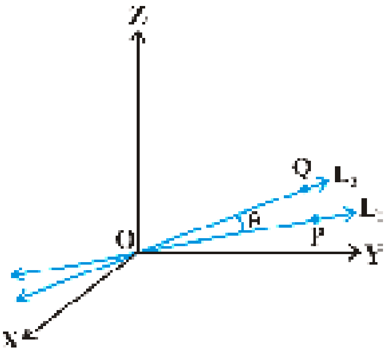

vkofr 11-6

$$= \frac{\sqrt{\left(a_1^2+b_1^2+c_1^2\right)\left(a_2^2+b_2^2+c_2^2\right)-\left(a_1a_2+b_1b_2+c_1c_2\right)^2}}{\sqrt{\left(a_1^2+b_1^2+c_1^2\right)}\sqrt{\left(a_2^2+b_2^2+c_2^2\right)}}$$

$$= \frac{\sqrt{(a_1\ b_2 - a_2\ b_1)^2 + (b_1\ c_2 - b_2\ c_1\ )^2 + (c_1\ a_2 - c_2\ a_1\ )^2}}{\sqrt{(a_1^2\ +\ b_1^2\ +\ c_1^2}\ \sqrt{a_2^2\ +\ b_2^2\ +c_2^2}} \qquad \dots (2)$$

> **fVIi.kh** mI fLFkfr e tc j[kk, L_1 vkj L_2 ey ¯cn I ugh xtjrh g rk ge L_1 vkj L_2 oQ lekrj ey ¯cn I xtju okyh j[kk, Øe'k% L'_1 o L'_2 yr gA ;fn j[kkvk L_1 vkj L_2 oQ fnoQ&vuikrk oQ ctk; fnoQ&dkIkbu nh xb gk tI L_1 oQ fy, l_1, m_1, n_1 vkj L_2 oQ fy, l_2, m_2, n_2 rk (1) vkj (2) fuEufyf[kr i:i yxA

$$\cos\theta = |l_1 l_2 + m_1 m_2 + n_1 n_2| \text{ (D;kfd } l_1^2+m_1^2+n_1^2=1=l_2^2+m_2^2+n_2^2) \qquad \dots (3)$$

vkj $$\sin\theta = \sqrt{(l_1\ m_2 - l_2\ m_1)^2 - (m_1\ n_2 - m_2\ n_1)^2 + (n_1\ l_2 - n_2\ l_1)^2} \qquad \dots (4)$$

fnoQ&vuikr a_1, b_1, c_1 vkj a_2, b_2, c_2 okyh j[kk,

(i) ycor g] ;fn $\theta = 90°$, vFkkr (1) I $\boldsymbol{a_1a_2 + b_1b_2 + c_1c_2 = 0}$

(ii) I ekrj g] ;fn $\theta = 0$, vFkkr (2) I $\dfrac{\boldsymbol{a_1}}{\boldsymbol{a_2}} = \dfrac{\boldsymbol{b_1}}{\boldsymbol{b_2}} = \dfrac{\boldsymbol{c_1}}{\boldsymbol{c_2}}$

vc ge nk j[kkvk oQ chp dk dk.k Kkr djx ftuoQ lehdj.k fn, x, gA ;fn mu j[kkvk $\vec{r} = \vec{a}_1 + \lambda\vec{b}_1$ vkj $\vec{r} = \vec{a}_2 + \mu\vec{b}_2$ oQ chp U;u dk.k θ g

rc $$\cos\theta = \left|\frac{\vec{b}_1 \cdot \vec{b}_2}{|\vec{b}_1||\vec{b}_2|}\right|$$

dkrh; :i e ;fn j[kkv‚ $$\frac{x-x_1}{a_1} = \frac{y-y_1}{b_1} = \frac{z-z_1}{c_1} \qquad \dots (1)$$

vkj $$\frac{x-x_2}{a_2} = \frac{y-y_2}{b_2} = \frac{z-z_2}{c_2} \qquad \dots (2)$$

oQ chp dk dk.k θ g tgk j[kk, (1) o (2) oQ fnoQ&vuikr Øe'k% a_1, b_1, c_1 rFkk a_2, b_2, c_2 g rc

$$\cos\theta = \left|\frac{a_1a_2+b_1b_2+c_1c_2}{\sqrt{a_1^2+b_1^2+c_1^2}\sqrt{a_2^2+b_2^2+c_2^2}}\right|$$

mnkgj.k 9 fn, x, j[kk&;Xe

$$\vec{r} = 3\hat{i} + 2\hat{j} - 4\hat{k} + \lambda(\hat{i} + 2\hat{j} + 2\hat{k})$$

vkj $$\vec{r} = 5\hat{i} - 2\hat{j} + \mu(3\hat{i} + 2\hat{j} + 6\hat{k})$$

oQ eè; dk.k Kkr dhft,

gy eku yhft, $\vec{b}_1 = \hat{i} + 2\hat{j} + 2\hat{k}$ vkj $\vec{b}_2 = 3\hat{i} + 2\hat{j} + 6\hat{k}$

nkuk j[kkvk oQ eè; dk.k θ g] blfy,

$$\cos\theta = \left|\frac{\vec{b}_1 \cdot \vec{b}_2}{|\vec{b}_1||\vec{b}_2|}\right| = \left|\frac{(\hat{i}+2\hat{j}+2\hat{k})\cdot(3\hat{i}+2\hat{j}+6\hat{k})}{\sqrt{1+4+4}\sqrt{9+4+36}}\right|$$

$$= \left|\frac{3+4+12}{3\times 7}\right| = \frac{19}{21}$$

vr% $$\theta = \cos^{-1}\left(\frac{19}{21}\right)$$

mnkgj.k 10 j[kk&;Xe%

$$\frac{x+3}{3} = \frac{y-1}{5} = \frac{z+3}{4}$$

vkj $$\frac{x+1}{1} = \frac{y-4}{1} = \frac{z-5}{2}$$

oQ eè; dk.k Kkr dhft,A

gy igyh j[kk oQ fnoQ&vuikr 3] 5] 4 vkj nljh j[kk oQ fnoQ&vuikr 1] 1] 2 gA ;fn muoQ chp dk dk.k θ gk rc

$$\cos\theta = \left|\frac{3.1+5.1+4.2}{\sqrt{3^2+5^2+4^2}\sqrt{1^2+1^2+2^2}}\right| = \frac{16}{\sqrt{50}\sqrt{6}} = \frac{16}{5\sqrt{2}\sqrt{6}} = \frac{8\sqrt{3}}{15}$$

vr% vHkh"V dk.k $\cos^{-1}\left(\frac{8\sqrt{3}}{15}\right)$ gA

11.5 nk j[kkvk oQ eè; U;ure njh (Shortest Distance between two lines)

vrfj{k e ;fn nk j[kk, ijLij ifrPNn djrh g rk muoQ chp dh U;ure njh 'kU; gA vkj vrfj{k e ;fn nk j[kk, lekrj g rk muoQ chp dh U;ure njh] muoQ chp ycor njh gkxh vFkkr ,d j[kk oQ ,d ¯cn l nljh j[kk ij [khpk x;k ycA blo0 vfrfjDr vrfj{k e] ,lh Hkh j[kk, gkrh g tk u rk ifrPNnh vkj u gh lekrj gkrh gA okLro e ,lh j[kkvk o0 ;Xe vleryh; gkr g vkj bUg fo"keryh; j[kk, (skew lines) dgr gA mnkgj.kr;k ge vko0fr 11-7 e x, y vkj z-v{k o0 vufn'k Øe'k% 1] 3] 2 bdkb o0 vkdkj oky dej ij fopkj djr gA

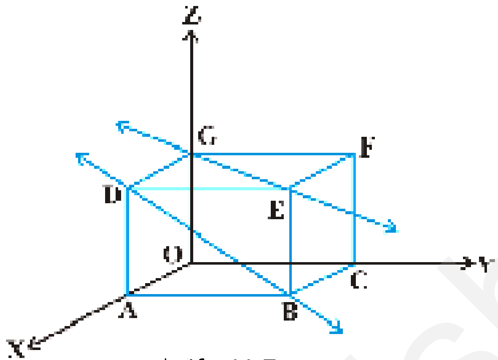

vko0fr 11-7

j[kk GE Nr o0 fod.k o0 vufn'k g vkj j[kk DB, A o0 Bhd Åij Nr o0 dku l xtjrh gb nhokj o0 fod.k o0 vufn'k gA ; j[kk, fo"keryh; g D;kfd o lekrj ugh g vkj dHkh feyrh Hkh ugh gA

nk j[kkvk o0 chp U;ure njh l gekjk vfHkik; ,d ,l j[kk[kM l g tk ,d j[kk ij fLFkr ,d ¯cn dk nljh j[kk ij fLFkr vU; ¯cn dk feyku l iklr gk rkfd bldh yckb U;ure gkA U;ure njh j[kk[kM nkuk fo"keryh; j[kkvk ij yc gkxkA

11.5.1 nk fo"keryh; j[kkvk o0 chp dh njh (*Distance between two skew lines*)

vc ge j[kkvk o0 chp dh U;ure njh fuEufyf[kr fof/ l Kkr djr gA eku yhft, l_1 vkj l_2 nk fo"keryh; j[kk, g ftuo0 lehdj.k (vko0fr 11.8) fuEufyf[kr g%

$$\vec{r} = \vec{a}_1 + \lambda \vec{b}_1 \quad \text{... (1)}$$

vkj

$$\vec{r} = \vec{a}_2 + \mu \vec{b}_2 \quad \text{... (2)}$$

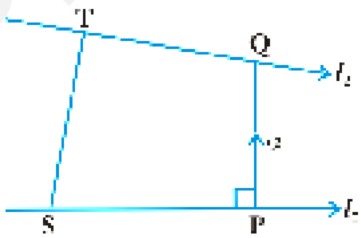

vko0fr 11-8

j[kk l_1 ij dkb ¯cn S ftldh fLFkfr lfn'k $\vec{a}_1$ vkj l_2 ij dkb ¯cn T ftldh fLFkfr lfn'k $\vec{a}_2$ g] yhft,A rc U;ure njh lfn'k dk ifjek.k] ST dk U;ure njh dh fn'kk e i{ki dh eki o0 leku gkxk (vuPNn 10.6.2)A

;fn l_1 vkj l_2 o0 chp dh U;ure njh lfn'k $\overrightarrow{PQ}$ g rk ;g nkuk $\vec{b}_1$ vkj $\vec{b}_2$ ij yc gkxhA $\overrightarrow{PQ}$ dh fn'kk e bdkb lfn'k $\hat{n}$ bl idkj gkxh fd

$$\hat{n} = \frac{\vec{b}_1 \times \vec{b}_2}{|\vec{b}_1 \times \vec{b}_2|} \quad \text{... (3)}$$

rc $$\overrightarrow{PQ} = d\,\hat{n}$$

tgk d, U;ure njh lfn'k dk ifjek.k gA eku yhft, $\overrightarrow{ST}$ vkj $\overrightarrow{PQ}$ oQ chp dk dk.k θ g] rc

$$PQ = ST\,|\cos\theta|$$

ijr $$\cos\theta = \left|\frac{\overrightarrow{PQ}\cdot\overrightarrow{ST}}{|\overrightarrow{PQ}|\,|\overrightarrow{ST}|}\right|$$

$$= \left|\frac{d\,\hat{n}\cdot(\vec{a}_2 - \vec{a}_1)}{d\ ST}\right| \quad (D;kfd\ \overrightarrow{ST} = \vec{a}_2 - \vec{a}_1)$$

$$= \left|\frac{(\vec{b}_1 \times \vec{b}_2)\cdot(\vec{a}_2 - \vec{a}_1)}{ST\,\left|\vec{b}_1 \times \vec{b}_2\right|}\right| \quad ((3)\ oQ\ }kjk)$$

blfy, vHkh"V U;ure njh

$$d = PQ = ST\,|\cos\theta|$$

;k $$d = \left|\frac{(\vec{b}_1 \times \vec{b}_2)\cdot(\vec{a}_2 - \vec{a}_1)}{|\vec{b}_1 \times \vec{b}_2|}\right| \ gA$$

dkrh; :i **(Cartesian Form)**

j[kkvk%

$$l_1 : \frac{x - x_1}{a_1} = \frac{y - y_1}{b_1} = \frac{z - z_1}{c_1}$$

vkj $$l_2 : \frac{x - x_2}{a_2} = \frac{y - y_2}{b_2} = \frac{z - z_2}{c_2}$$

oQ chp dh U;ure njh g%

$$\frac{\begin{vmatrix} x_2 - x_1 & y_2 - y_1 & z_2 - z_1 \\ a_1 & b_1 & c_1 \\ a_2 & b_2 & c_2 \end{vmatrix}}{\sqrt{(b_1c_2 - b_2c_1)^2 + (c_1a_2 - c_2a_1)^2 + (a_1b_2 - a_2b_1)^2}}$$

11.5.2 lekrj js[kkvksa osQ chp dh njh *(Distance between parallel lines)*

;fn nks js[kk,¡ l_1 ;fn l_2 lekrj gSa rks os lery h; gksrh gSa ekuk nh xbZ js[kk,¡ Øe'k%

$$\vec{r} = \vec{a}_1 + \lambda \vec{b} \qquad \ldots (1)$$

vkSj

$$\vec{r} = \vec{a}_2 + \mu \vec{b} \qquad \text{é} \quad (2)$$

gS] tgk¡ l_1 ij ¯cnq S dk fLFkfr lfn'k $\vec{a}_1$ vkSj l_2 ij ¯cnq T dk fLFkfr lfn'k $\vec{a}_2$ gS (vkoQfr 11.9)

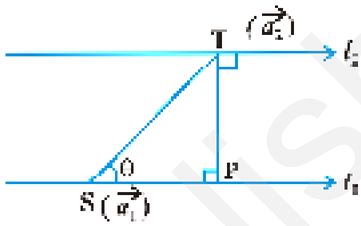

vkoQfr 11-9

D;ksafd l_1, vkSj l_2 lery h; gSa ;fn ¯cnq T ls l_1 ij Mky x, yc dk ikn P gS rc js[kkvksa l_1 vkSj l_2 osQ chp dh njh = |TP|

eku yhft, fd lfn'kksa $\overrightarrow{ST}$ vkSj $\vec{b}$ osQ chp dk dks.k θ gS rc]

$$\vec{b} \times \overrightarrow{ST} = (|\vec{b}||\overrightarrow{ST}|\sin\theta)\,\hat{n} \qquad \ldots (3)$$

tgk¡ js[kkvksa l_1 vkSj l_2 osQ ry ij yc bdkbZ lfn'k $\hat{n}$ gSA

ijar $\overrightarrow{ST} = \vec{a}_2 - \vec{a}_1$

blfy, (3) ls ge ikrs gSa fd

$$\vec{b} \times (\vec{a}_2 - \vec{a}_1) = |\vec{b}|\,\mathrm{PT}\,\hat{n} \qquad (\text{D;ksafd } \mathrm{PT} = \mathrm{ST}\sin\theta)$$

vFkkZr

$$|\vec{b} \times (\vec{a}_2 - \vec{a}_1)| = |\vec{b}|\,\mathrm{PT}\cdot 1 \qquad (\text{as } |\hat{n}| = 1)$$

blfy, Kkr js[kkvksa osQ chp U;wure njh

$$d = |\overrightarrow{\mathrm{PT}}| = \left|\frac{\vec{b} \times (\vec{a}_2 - \vec{a}_1)}{|\vec{b}|}\right| \text{ gSA}$$

mnkgj.k 11 js[kkvksa l_1 vkSj l_2 osQ chp dh U;wure njh Kkr dhft, ftuosQ lfn'k lehdj.k gS%

$$\vec{r} = \hat{i} + \hat{j} + \lambda\,(2\hat{i} - \hat{j} + \hat{k}) \qquad \ldots (1)$$

vkSj

$$\vec{r} = 2\hat{i} + \hat{j} - \hat{k} + \mu\,(3\hat{i} - 5\hat{j} + 2\hat{k}) \qquad \ldots (2)$$

gy lehdj.k (1) o (2) dh $\vec{r} = \vec{a}_1 + \lambda \vec{b}_1$ vkSj $\vec{r} = \vec{a}_2 + \mu \vec{b}_2$, ls rqyuk djus ij ge ikrs gSa fd

$$\vec{a}_1 = \hat{i} + \hat{j},\quad \vec{b}_1 = 2\hat{i} - \hat{j} + \hat{k}$$

$$\vec{a}_2 = 2\hat{i} + \hat{j} - \hat{k} \text{ vkSj } \vec{b}_2 = 3\hat{i} - 5\hat{j} + 2\hat{k}$$

bl fy, $\vec{a}_2 - \vec{a}_1 = \hat{i} - \hat{k}$

vkSj $\vec{b}_1 \times \vec{b}_2 = (2\hat{i} - \hat{j} + \hat{k}) \times (3\hat{i} - 5\hat{j} + 2\hat{k})$

$$= \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ 2 & -1 & 1 \\ 3 & -5 & 2 \end{vmatrix} = 3\hat{i} - \hat{j} - 7\hat{k}$$

bl izdkj $|\vec{b}_1 \times \vec{b}_2| = \sqrt{9 + 1 + 49} = \sqrt{59}$

bl fy, nh xbZ js[kkvksa ds chp dh U;wure nwjh

$$d = \left| \frac{(\vec{b}_1 \times \vec{b}_2) \cdot (\vec{a}_2 - \vec{a}_1)}{|\vec{b}_1 \times \vec{b}_2|} \right| = \frac{|3 - 0 + 7|}{\sqrt{59}} = \frac{10}{\sqrt{59}}$$

mnkgj.k 12 fuEufyf[kr nh xbZ js[kkvksa l_1 vkSj l_2:

$$\vec{r} = \hat{i} + 2\hat{j} - 4\hat{k} + \lambda(2\hat{i} + 3\hat{j} + 6\hat{k})$$

vkSj $\vec{r} = 3\hat{i} + 3\hat{j} - 5\hat{k} + \mu(2\hat{i} + 3\hat{j} + 6\hat{k})$ ds chp U;wure nwjh Kkr dhft,A

gy nksuksa js[kk, lekarj gSa (D;ksa\) ge ikrs gSa fd

$$\vec{a}_1 = \hat{i} + 2\hat{j} - 4\hat{k},\ \vec{a}_2 = 3\hat{i} + 3\hat{j} - 5\hat{k} \text{ vkSj } \vec{b} = 2\hat{i} + 3\hat{j} + 6\hat{k}$$

bl fy, js[kkvksa ds chp dh nwjh

$$d = \left| \frac{\vec{b} \times (\vec{a}_2 - \vec{a}_1)}{|\vec{b}|} \right| = \left| \frac{\begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ 2 & 3 & 6 \\ 2 & 1 & -1 \end{vmatrix}}{\sqrt{4 + 9 + 36}} \right|$$

$$= \frac{|-9\hat{i} + 14\hat{j} - 4\hat{k}|}{\sqrt{49}} = \frac{\sqrt{293}}{\sqrt{49}} = \frac{\sqrt{293}}{7} \text{ gSA}$$

iz'ukoyh 11-2

1. n'kkZb, fd fno\&dkslkbu $\frac{12}{13}, \frac{-3}{13}, \frac{-4}{13};\ \frac{4}{13}, \frac{12}{13}, \frac{3}{13};\ \frac{3}{13}, \frac{-4}{13}, \frac{12}{13}$ okyh rhu js[kk, ijLij yacor gSaA

2. n'kkZb, fd ¯cnqvksa $(1, -1, 2), (3, 4, -2)$ ls gksdj tkus okyh js[kk ¯cnqvksa $(0, 3, 2)$ vkSj $(3, 5, 6)$ ls tkus okyh js[kk ij yac gSA

3. n'kkb, fd ¯cnvk (4, 7, 8), (2, 3, 4) ls gksdj tkus okyh j[kk] ¯cnvk (ï 1, ï 2, 1), (1, 2, 5) ls tkus okyh j[kk oQ lekrj gA

4. ¯cn (1, 2, 3) ls x $3\hat{i}+2\hat{j}-2\hat{k}$ oQ lekrj gA

5. ¯cn ftldh fLFkfr lfn'k $2\hat{i}-\hat{j}+4\hat{k}$ ls x $\hat{i}+2\hat{j}-\hat{k}$ dh fn'kk e tku okyh j[kk dk lfn'k vkj dkrh; :ik e lehdj.k Kkr dhft,A

6. mI j[kk dk dkrh; lehdj.k Kkr dhft, tk ¯cn (ï 2, 4, ï 5) l tkrh g vkj $\frac{x+3}{3}=\frac{y-4}{5}=\frac{z+8}{6}$ oQ lekrj gA

7. ,d j[kk dk dkrh; lehdj.k $\frac{x-5}{3}=\frac{y+4}{7}=\frac{z-6}{2}$ gA bldk lfn'k lehdj.k Kkr dhft,A

8. ey ¯cn vkj (5, ï 2, 3) l tku okyh j[kk dk lfn'k rFkk dkrh; :ik e lehdj.k Kkr dhft,A

9. ¯cnvk (3, ï 2, ï 5), vkj (3, ï 2, 6) l x e lehdj.k dk Kkr dhft,A

10. fuEufyf[kr j[kk&;Xek oQ chp dk dk.k Kkr dhft,%

(i) $\vec{r} = 2\hat{i} - 5\hat{j} + \hat{k} + \lambda(3\hat{i} + 2\hat{j} + 6\hat{k})$ vkj

$\vec{r} = 7\hat{i} - 6\hat{k} + \mu(\hat{i} + 2\hat{j} + 2\hat{k})$

(ii) $\vec{r} = 3\hat{i} + \hat{j} - 2\hat{k} + \lambda(\hat{i} - \hat{j} - 2\hat{k})$ vkj

$\vec{r} = 2\hat{i} - \hat{j} - 56\hat{k} + \mu(3\hat{i} - 5\hat{j} - 4\hat{k})$

11. fuEufyf[kr j[kk&;Xek oQ chp dk dk.k Kkr dhft,%

(i) $\frac{x-2}{2}=\frac{y-1}{5}=\frac{z+3}{-3}$ vkj $\frac{x+2}{-1}=\frac{y-4}{8}=\frac{z-5}{4}$

(ii) $\frac{x}{2}=\frac{y}{2}=\frac{z}{1}$ vkj $\frac{x-5}{4}=\frac{y-2}{1}=\frac{z-3}{8}$

12. p dk eku Kkr dhft, rkfd j[kk, $\frac{1-x}{3}=\frac{7y-14}{2p}=\frac{z-3}{2}$ vkj $\frac{7-7x}{3p}=\frac{y-5}{1}=\frac{6-z}{5}$ ijLij yc gkA

13. fn[kkb, fd j[kk,¡ $\frac{x-5}{7}=\frac{y+2}{-5}=\frac{z}{1}$ vkj $\frac{x}{1}=\frac{y}{2}=\frac{z}{3}$ ijLij yc gA

14. j[kkvk $\vec{r}=(\hat{i}+2\hat{j}+\hat{k})+\lambda(\hat{i}-\hat{j}+\hat{k})$ vkj $\vec{r}=2\hat{i}-\hat{j}-\hat{k}+\mu(2\hat{i}+\hat{j}+2\hat{k})$ o chp dh U;ure njh Kkr dhft,%

15. j[kkvk $\frac{x+1}{7}=\frac{y+1}{-6}=\frac{z+1}{1}$ vkj $\frac{x-3}{1}=\frac{y-5}{-2}=\frac{z-7}{1}$ o chp dh U;ure njh Kkr dhft,A

16. j[kk,] ftuo lfn'k lehdj.k fuEufyf[kr g] o chp dh U;ure njh Kkr dhft,%

$\vec{r}=(\hat{i}+2\hat{j}+3\hat{k})+\lambda(\hat{i}-3\hat{j}+2\hat{k})$ vkj $\vec{r}=4\hat{i}+5\hat{j}+6\hat{k}+\mu(2\hat{i}+3\hat{j}+\hat{k})$

17. j[kk,] ftudh lfn'k lehdj.k fuEufyf[kr g] o chp dh U;ure Kkr dhft,%

$\vec{r}=(1-t)\hat{i}+(t-2)\hat{j}+(3-2t)\hat{k}$ vkj $\vec{r}=(s+1)\hat{i}+(2s-1)\hat{j}-(2s+1)\hat{k}$

11.6 lery (Plane)

,d lery dk vf}rh; :i l Kkr fd;k tk ldrk g ;fn fuEufyf[kr e l dkb ,d 'kr Kkr g%

(i) lery dk vfHkyc vkj ey ¯cn l lery dh njh Kkr g] vFkkr vfHkyc :i e lery dk lehdj.k

(ii) ;g ,d ¯cn l x

(iii) ;g fn, x, rhu vlj[k ¯cnvk l x

vc ge lerykk o lfn'k vkj dkrh; lehdj.kk dk ikIr djxA

11.6.1 vfHkyc :i e lery dk lehdj.k *(Equation of a Plane in normal form)*

,d lery ij fopkj dhft, ftldh ey ¯cn l ycor njh $d\ (d\neq 0)$ g (vkd̀fr 11-10)A

;fn $\overrightarrow{ON}$ ey ¯cn l ry ij yc g rFkk $\overrightarrow{ON}$ o vufn'k $\hat{n}$ ek=kd vfHkyc lfn'k g rc $\overrightarrow{ON}=d\,\hat{n}$ gA eku yhft, fd lery ij dkb ¯cn P gA blfy,] $\overrightarrow{NP}$, $\overrightarrow{ON}$ ij yc gA

vr% $\overrightarrow{NP}\cdot\overrightarrow{ON}=0$ ... (1)

eku yhft, P dh fLFkfr lfn'k $\vec{r}$ g rk

$\overrightarrow{NP}=\vec{r}-d\,\hat{n}$ (D;kfd $\overrightarrow{ON}+\overrightarrow{NP}=\overrightarrow{OP}$)

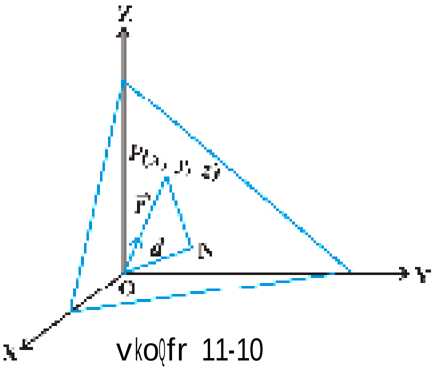

vkd̀fr 11-10

bl idkj (1) dk :i fuEufyf[kr g%

$$(\vec{r} - d\,\hat{n})\cdot d\,\hat{n} = 0$$

;k $$(\vec{r} - d\,\hat{n})\cdot \hat{n} = 0 \quad (d \neq 0)$$

;k $$\vec{r}\cdot\hat{n} - d\,\hat{n}\cdot\hat{n} = 0$$

vFkkr $$\vec{r}\cdot\hat{n} = d \quad (D;kfd\ \hat{n}\cdot\hat{n} = 1)$$

é (2)

;g lery dk lfn'k lehdj.k gA

dkrh; :i **(Cartesian Form)**

lery dk lfn'k lehdj.k g tgk $\hat{n}$ lery o vfHkyc bdkb lfn'k gA eku yhft, lery ij dkb ¯cn P(x, y, z) gA rc

$$\overrightarrow{OP} = \vec{r} = x\,\hat{i} + y\,\hat{j} + z\,\hat{k}$$

eku yhft, $\hat{n}$ dh fno&dkslkbu l, m, n gA rc

$$\hat{n} = l\,\hat{i} + m\,\hat{j} + n\,\hat{k}$$

$\vec{r}\cdot\hat{n}$ o ekuk dk (2) e ifrLFkfir dju ij ge ikr g]

$$(x\,\hat{i} + y\,\hat{j} + z\,\hat{k})\cdot(l\,\hat{i} + m\,\hat{j} + n\,\hat{k}) = d$$

vFkkr $$\boldsymbol{lx + my + nz = d} \quad \text{... (3)}$$

;g lery dk dkrh; lehdj.k gA

> **fVIi.kh** lehdj.k (3) inf'kr djrk g fd ;fn $\vec{r}\cdot(a\,\hat{i} + b\,\hat{j} + c\,\hat{k}) = d$,d lery dk lfn'k lehdj.k g rk $ax + by + cz = d$ lery dk dkrh; lehdj.k g tgk a, b vkj c lery o vfHkyc o fno&vuikr gA

mnkgj.k 13 ml lery dk lfn'k lehdj.k Kkr dhft, tk ey ¯cn l $\frac{6}{\sqrt{29}}$ dh njh ij g vkj ey ¯cn l bldk vfHkyc lfn'k $2\,\hat{i} - 3\,\hat{j} + 4\,\hat{k}$ gA

gy eku yhft, $\vec{n} = 2\,\hat{i} - 3\,\hat{j} + 4\,\hat{k}$ gA rc

$$\hat{n} = \frac{\vec{n}}{|\vec{n}|} = \frac{2\,\hat{i} - 3\,\hat{j} + 4\,\hat{k}}{\sqrt{4 + 9 + 16}} = \frac{2\,\hat{i} - 3\,\hat{j} + 4\,\hat{k}}{\sqrt{29}}$$

bl fy, lery dk vHkh"V lehdj.k

$$\vec{r}\cdot\left(\frac{2}{\sqrt{29}}\hat{i}+\frac{-3}{\sqrt{29}}\hat{j}+\frac{4}{\sqrt{29}}\hat{k}\right)=\frac{6}{\sqrt{29}} \text{ gS}$$

mnkgj.k 14 lery $\vec{r}\cdot(6\hat{i}-3\hat{j}-2\hat{k})+1=0$ ij ey¯cn l Mky x, yc bdkb lfn'k dh fno~&dkslkbu Kkr dhft,A

gy lery oQ Kkr lehdj.k dk bl idkj 0;Dr fd;k tk ldrk g%

$$\vec{r}\cdot(-6\hat{i}+3\hat{j}+2\hat{k})=1 \qquad \ldots(1)$$

vc $|-6\hat{i}+3\hat{j}+2\hat{k}|=\sqrt{36+9+4}=7$

bl fy, (1) oQ nkuk i{kk dk 7 l Hkkx dju ij ge ikr g fd

$$\vec{r}\cdot\left(-\frac{6}{7}\hat{i}+\frac{3}{7}\hat{j}+\frac{2}{7}\hat{k}\right)=\frac{1}{7}$$

tk fd lery dk lehdj.k $\vec{r}\,.\,\hat{n}=d$ oQ :i dk gA

blls Li"V g fd $\hat{n}=-\frac{6}{7}\hat{i}+\frac{3}{7}\hat{j}+\frac{2}{7}\hat{k}$ lery oQ yc bdkb lfn'k g tk ey¯cn l xtjrk gA bl idkj $\hat{n}$ dh fno~&dkslkbu $\frac{-6}{7},\frac{3}{7},\frac{2}{7}$ gA

mnkgj.k 15 lery $2x-3y+4z-6=0$ dh ey¯cn l njh Kkr dhft,A

gy D;kfd ry oQ vfHkyc oQ fno~&vuikr $2, -3, 4$ g bl fy, bldh fno~&dkslkbu g%

$$\frac{2}{\sqrt{2^2+(-3)^2+4^2}},\frac{-3}{\sqrt{2^2+(-3)^2+4^2}},\frac{4}{\sqrt{2^2+(-3)^2+4^2}}, \text{ vFkkr } \frac{2}{\sqrt{29}},\frac{-3}{\sqrt{29}},\frac{4}{\sqrt{29}}$$

bl fy, lehdj.k $2x-3y+4z-6=0$ vFkkr $2x-3y+4z=6$ dk $\sqrt{29}$ l Hkkx dju ij ge ikIr djr g%

$$\frac{2}{\sqrt{29}}x+\frac{-3}{\sqrt{29}}y+\frac{4}{\sqrt{29}}z=\frac{6}{\sqrt{29}}$$

vkj ;g $lx+my+nz=d$, oQ :i e g tgk ey¯cn l lery dh njh d gA bl fy, lery dh ey¯cn l njh $\frac{6}{\sqrt{29}}$ gA mnkgj.k 16 ey ¯cn l s lery $2x - 3y + 4z - 6 = 0$ ij Mky x, yac oQ ikn oQ fun'kkZad Kkr dhft,A

gy eku yhft, ey ¯cn l s lery ij Mky x, yac oQ ikn P oQ fun'kkZad (x_1, y_1, z_1) gS (vkoQfr 11.11)A

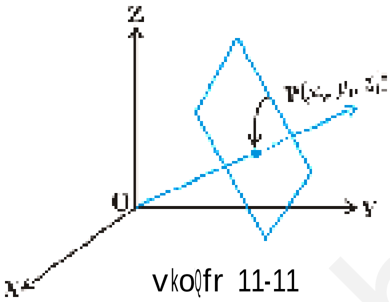

vkoQfr 11-11

rc js[kk OP oQ fnd~&vuqikr x_1, y_1, z_1 gSaA

lery dh lehdj.k dks vfHkyac oQ : i esa fy[kus ij ge ikrs gSa fd

$$\frac{2}{\sqrt{29}}x - \frac{3}{\sqrt{29}}y + \frac{4}{\sqrt{29}}z = \frac{6}{\sqrt{29}}$$

tgk¡ OP oQ fnd~&vuqikr $\frac{2}{\sqrt{29}}, \frac{-3}{\sqrt{29}}, \frac{4}{\sqrt{29}}$ gSaA

D;ksafd ,d js[kk oQ fnd~&dksT;k vkSj fnd~&vuqikr lekuqikrh gksrs gSaA vr%

$$\frac{x_1}{\frac{2}{\sqrt{29}}} = \frac{y_1}{\frac{-3}{\sqrt{29}}} = \frac{z_1}{\frac{4}{\sqrt{29}}} = k$$

vFkkZr $$x_1 = \frac{2k}{\sqrt{29}}, y_1 = \frac{-3k}{\sqrt{29}}, z_1 = \frac{4k}{\sqrt{29}}$$

bu ekuksa dks lery oQ lehdj.k esa ifrLFkkfir djus ij ge ikrs gSa fd $k = \frac{6}{\sqrt{29}}$

vr% yac oQ ikn oQ fun'kkZad $\left(\frac{12}{29}, \frac{-18}{29}, \frac{24}{29}\right)$ gSaA

fVIi.kh ;fn ey ¯cn l s lery dh nwjh d gks vkSj lery oQ vfHkyac dh fnd~&dksT;k,¡ l, m, n gks rc yac dk ikn (ld, md, nd) gksrk gSA

11.6.2 ,d fn, lfn'k oQ vuqyac rFkk fn, ¯cnq ls gksdj tkus okys lery dk lehdj.k (*Equation of a plane perpendicular to a given vector and passing through a given point*)

vrfj{k esa ,d fn, x, lfn'k oQ vuqyac vusd lery gks ldrs gSa ijarq ,d fn, x, ¯cnq $P(x_1, y_1, z_1)$ ls bl izdkj dk osQoy ,d lery dk vfLrRo gksrk gS (nsf[k, vkoQfr 11-12)A

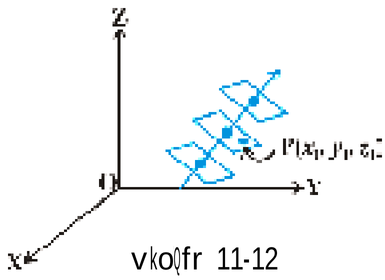

vkoQfr 11-12

eku yhft, fd lery ,d ¯cn A, ftldh fLFkfr lfn'k $\vec{a}$ g] ls tkrk g vkj lfn'k $\vec{N}$ oQ vuyc gA eku yhft, fd lery ij fdlh ¯cn P dk fLFkfr lfn'k $\vec{r}$ g (vko̧fr 11-13)A

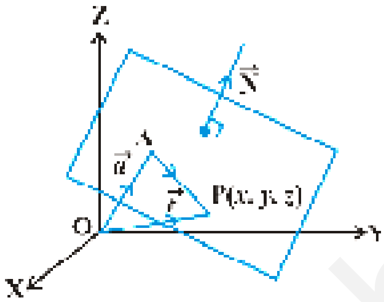

vko̧fr 11-13

rc ¯cn P lery e fLFkr gkrk g] ;fn vkj oQoy ;fn $\overrightarrow{AP}$, $\vec{N}$ ij yc g] vFkkr $\overrightarrow{AP}\cdot\vec{N} = 0$. ijr $\overrightarrow{AP} = \vec{r} - \vec{a}$. blfy,

$$(\vec{r} - \vec{a})\cdot\vec{N} = 0 \qquad \text{é} \quad (1)$$

;g lery dk lfn'k lehdj.k gA

dkrh; :i **(Cartesian Form)**

eku yhft, fd fn;k ¯cn $A(x_1, y_1, z_1)$ vkj lery ij dkb ¯cn $P(x, y, z)$ g rFkk $\vec{N}$ oQ fnoQ&vuikr A, B rFkk C g] rc

$$\vec{a} = x_1\hat{i} + y_1\hat{j} + z_1\hat{k},\ \vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k} \text{ vkj } \vec{N} = A\hat{i} + B\hat{j} + C\hat{k}$$

vc $$(\vec{r} - \vec{a})\cdot\vec{N} = 0$$

blfy, $$\left[(x - x_1)\hat{i} + (y - y_1)\hat{j} + (z - z_1)\hat{k}\right]\cdot(A\hat{i} + B\hat{j} + C\hat{k}) = 0$$

vFkkr $$\mathbf{A(x - x_1) + B(y - y_1) + C(z - z_1) = 0}$$

mnkgj.k 17 ml lery dk lfn'k vkj dkrh; lehdj.kKkr dhft,] tks ¯cn $(5, 2, -4)$ ls tkrk g vkj $2, 3, -1$ fnoQ&vuikr okyh j[kk ij yc gA

gy ge tkur g fd ¯cn $(5, 2, -4)$ dk fLFkfr lfn'k $\vec{a} = 5\hat{i} + 2\hat{j} - 4\hat{k}$ g vkj lery oQ yc dk vfHkyc lfn'k $\vec{N} = 2\hat{i} + 3\hat{j} - \hat{k}$ gA

blfy, lery dk lfn'k lehdj.k $(\vec{r} - \vec{a})\cdot\vec{N} = 0$ ls inÙk gA

;k $$[\vec{r} - (5\hat{i} + 2\hat{j} - 4\hat{k})]\cdot(2\hat{i} + 3\hat{j} - \hat{k}) = 0 \qquad \dots (1)$$

(1) dk dkrh; :i e :ikrj.k dju ij ge ikr g] fd

$$[(x - 5)\hat{i} + (y - 2)\hat{j} + (z + 4)\hat{k}]\cdot(2\hat{i} + 3\hat{j} - \hat{k}) = 0$$

;k $$2(x - 5) + 3(y - 2) - 1(z + 4) = 0$$

vFkkr $$2x + 3y - z = 20$$

tks lery dk dkrh; lehdj.k gA

11.6.3 rhu vlj[kh; ¯cnvk ls gksdj tkus okys lery dk lehdj.k *(Equation of a plane passing through three non-collinear points)*

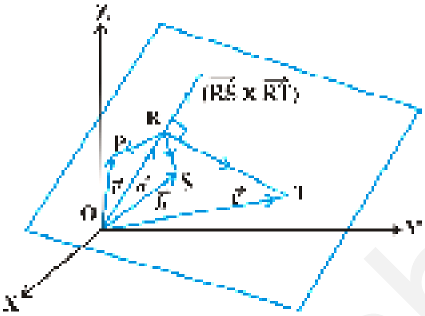

vkoQfr 11-14

eku yhft, lery ij fLFkr rhu vlj[k ¯cnvk R, S vkSj T osQ fLFkfr lfn'k Øe'k% $\vec{a}, \vec{b}$ vkSj $\vec{c}$ g (vkoQfr 11.14)A

lfn'k $\overrightarrow{RS}$ vkSj $\overrightarrow{RT}$ fn, lery esa gSa blfy, lfn'k $\overrightarrow{RS} \times \overrightarrow{RT}$ ¯cnvk R, S vkSj T dks vUrfoZ"V djus okys lery ij yc gksxkA eku yhft, lery es dksbZ ¯cnq P dk fLFkfr lfn'k $\vec{r}$ gSA blfy, R ls tkus okys rFkk lfn'k $\overrightarrow{RS} \times \overrightarrow{RT}$ ij yc] lery dk lehdj.k $(\vec{r}-\vec{a})\cdot(\overrightarrow{RS}\times \overrightarrow{RT}) = 0$ gSA

;k $$(\vec{r}-\vec{a}) . [(\vec{b}-\vec{a})\times(\vec{c}-\vec{a})] = 0 \quad \ldots (1)$$

;g rhu vlj[k ¯cnvksa ls xqtjus okys lery osQ lehdj.k dk lfn'k ik:i gSA

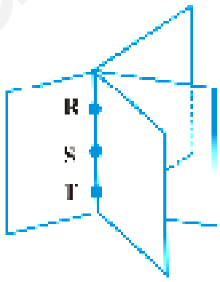

vkoQfr 11-15

fVIi.kh mijksDr izfØ;k esa rhu vlj[k ¯cn dguk D;k vko';d g\ ;fn ¯cn ,d gh js[kk ij fLFkr gSa rc muls xqtjus okys dbZ lery gksaxs (vkoQfr 11-15)A

;s lery ,d iLrd osQ i"Bksa dh Hkkfr gksaxs tgk ¯cnvk R, S vkSj T dks vrfo"V djus okyh js[kk iLrd osQ i"Bksa osQ c/u okys LFkku dk lnL; gSA

dkrh; :i (Cartesian Form)

eku yhft, ¯cnvk R, S vkSj T osQ funsZ'kkad Øe'k% $(x_1, y_1, z_1), (x_2, y_2, z_2)$ vkSj (x_3, y_3, z_3) gSA eku yhft, fd lery ij fdlh ¯cn P osQ funsZ'kkad (x, y, z) o bldk fLFkfr lfn'k $\vec{r}$ gSA rc

$$\overrightarrow{RP} = (x - x_1)\hat{i} + (y - y_1)\hat{j} + (z - z_1)\hat{k}$$
$$\overrightarrow{RS} = (x_2 - x_1)\hat{i} + (y_2 - y_1)\hat{j} + (z_2 - z_1)\hat{k}$$
$$\overrightarrow{RT} = (x_3 - x_1)\hat{i} + (y_3 - y_1)\hat{j} + (z_3 - z_1)\hat{k}$$

bu ekuksa dk lfn'k ik:i osQ lehdj.k (1) esa ifrLFkkiu djus ij ge ikrs g fd

$$\begin{vmatrix} x-x_1 & y-y_1 & z-z_1 \\ x_2-x_1 & y_2-y_1 & z_2-z_1 \\ x_3-x_1 & y_3-y_1 & z_3-z_1 \end{vmatrix} = 0$$

tks rhu ¯cnvk $(x_1, y_1, z_1), (x_2, y_2, z_2)$ vkSj (x_3, y_3, z_3) ls x dkrh; ik:i gSA

mngkj.k 18 ¯cnvk R(2, 5, – 3), S(– 2, – 3, 5) vkj T(5, 3, – 3) l tkus oky lery dk lfn'k lehdj.k Kkr dhft,A

gy eku yhft, $\vec{a}=2\hat{i}+5\hat{j}-3\hat{k}$, $\vec{b}=-2\hat{i}-3\hat{j}+5\hat{k}$, $\vec{c}=5\hat{i}+3\hat{j}-3\hat{k}$

rc $\vec{a}$, $\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ l tkus oky lery dk lfn'k lehdj.k fuEufyf[kr g%

$$(\vec{r}-\vec{a})\cdot(\overrightarrow{RS}\times\overrightarrow{RT}) = 0 \quad \text{(D;kas)}$$

;k $$(\vec{r}-\vec{a})\cdot[(\vec{b}-\vec{a})\times(\vec{c}-\vec{a})] = 0$$

vFkkr $$[\vec{r}-(2\hat{i}+5\hat{j}-3\hat{k})]\cdot[(-4\hat{i}-8\hat{j}+8\hat{k})\times(3\hat{i}-2\hat{j})]=0$$

11.6.4 lery oQ lehdj.k dk vr% [kaM&:i *(Intercept form of the equation of a plane)*

bl vuPNn e] ge lery oQ lehdj.k dk] mloQ }kjk funs'kk{kk ij dV vr% [kaM oQ :i e Kkr djxA eku yhft, lery dk lehdj.k

$$Ax + By + Cz + D = 0 \ (D \neq 0) \text{ gA} \qquad \dots (1)$$

eku yhft, lery }kjk x, y, vkj z-v{kk ij dV vr% [kaM Øe'k% a, b vkj c (vkoQfr 11.16) gA Li"Vr% lery x, y vkj z-v{kk l Øe'k% ¯cnvk $(a, 0, 0)$, $(0, b, 0)$, vkj $(0, 0, c)$ ij feyrk gA

blfy, $$Aa + D = 0 \text{ ;k } A = \frac{-D}{a}$$

$$Bb + D = 0 \text{ ;k } B = \frac{-D}{b}$$

$$Cc + D = 0 \text{ ;k } C = \frac{-D}{c}$$

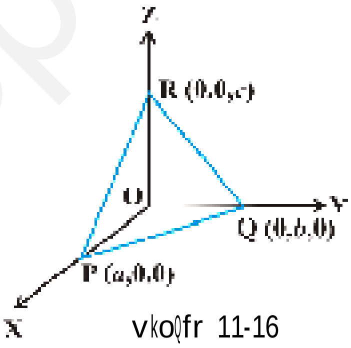

vkoQfr 11-16

bu ekuk dk lery oQ lehdj.k (1) e ifrLFkkfir dju vkj ljy dju ij ge ikr g fd

$$\frac{x}{a}+\frac{y}{b}+\frac{z}{c}=1 \qquad \dots (2)$$

tk vr% [kaM :i e lery dk vHkh"V lehdj.k gA

mngkj.k 19 ml lery dk lehdj.k Kkr dhft, tks x, y vkj z-v{kk ij Øe'k% 2] 3 vkj 4 vr% [kaM dkVrk gA

gy eku yhft,] lery dk lehdj.k gA

$$\frac{x}{a}+\frac{y}{b}+\frac{z}{c}=1 \qquad \dots (1)$$

;gk $a = 2$, $b = 3$, $c = 4$ Kkr gA

a, b vkj c oQ bu ekuk dk (1) e ifrLFkkfir dju ij ge lery dk vHkh"V lehdj.k

$\frac{x}{2}+\frac{y}{3}+\frac{z}{4}=1$;k $6x + 4y + 3z = 12$ iklr djr gA

11.6.5 nk fn, leryk oQ ifrPNnu l gkdj tku okyk lery *(Plane passing through the intersection of two given planes)*

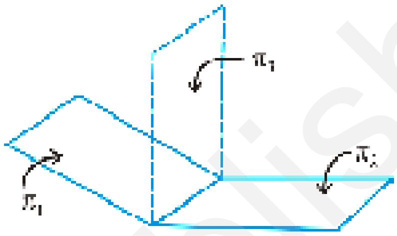

vko`fr 11-17

eku yhft, π_1 vkj π_2 nk lery] ftuoQ lehdj.k Øe'k% $\vec{r}\cdot\hat{n}_1 = d_1$ vkj $\vec{r}\cdot\hat{n}_2 = d_2$ g buoQ ifrPNnu j[kk ij fLFkr fdlh ¯cn dk fLFkfr lfn'k bu nkuk lehdj.kk dk lr"V djxk (vko`fr 11.17)A

;fn bl j[kk ij fLFkr fdlh ¯cn dh fLFkfr lfn'k $\vec{t}$ g] rk

$$\vec{t}\cdot\vec{n}_1 = d_1 \text{ vkj } \vec{t}\cdot\vec{n}_2 = d_2$$

blhfy, λ oQ lHkh okLrfod eku oQ fy, ge ikr g fd

$$\vec{t}\cdot(\vec{n}_1+\lambda\vec{n}_2) = d_1+\lambda d_2$$

D;kfd $\vec{t}$ LoPN g blfy, ;g j[kk oQ fdlh ¯cn dk lr"V djrk gA

bl idkj lehdj.k $\vec{r}\cdot(\vec{n}_1+\lambda\vec{n}_2)=d_1+\lambda d_2$ lery π_3 dk fu:fir djrk g tk ,lk g fd ;fn dkb lfn'k $\vec{r}$, π_1 vkj π_2, oQ lehdj.kk dk lr"V djrk g rk og π_3 dk vo'; lr"V djxkA

vr% leryk $\vec{r}\cdot\vec{n}_1 = d_1$ vkj $\vec{r}\cdot\vec{n}_2 = d_2$ oQ ifrPNnu j[kk l tku oky fdlh lery dk lehdj.k $\boldsymbol{\vec{r}\cdot(\vec{n}_1+\lambda\vec{n}_2) = d_1 + \lambda d_2}$ gA ... (1)

dkrh; :i **(Cartesian Form)**

dkrh; :i oQ fy, eku

$$\vec{n}_1 = A_1\hat{i}+B_2\hat{j}+C_1\hat{k}$$

$$\vec{n}_2 = A_2\hat{i}+B_2\hat{j}+C_2\hat{k}$$

vkj $$\vec{r} = x\hat{i}+y\hat{j}+z\hat{k}$$

rk (1) dk ifjofrr :i g%

$$x\,(A_1 + \lambda A_2) + y\,(B_1 + \lambda B_2) + z\,(C_1 + \lambda C_2) = d_1 + \lambda d_2$$

;k $$\mathbf{(A_1}x + \mathbf{B_1}y + \mathbf{C_1}z - d_1) + \lambda(\mathbf{A_2}x + \mathbf{B_2}y + \mathbf{C_2}z - d_2) = 0 \quad \text{... (2)}$$

tk iR;sd λ oQ fy, fn, leryk oQ ifrPNnu j[kk l gkdj tku okys fdlh lery dk dkrh; lehdj.k gA mnkgj.k 20 lery $\vec{r}\cdot(\hat{i}+\hat{j}+\hat{k})=6$ vkSj $\vec{r}\cdot(2\hat{i}+3\hat{j}+4\hat{k})=-5$, oQ ifrPNnu rFkk ¯cn (1,1,1) l tkus okys lery dk lfn'k lehdj.k Kkr dhft,A

gy ;gk $\vec{n}_1=\hat{i}+\hat{j}+\hat{k}$ vkSj $\vec{n}_2 = 2\hat{i}+3\hat{j}+4\hat{k}$ vkSj $d_1 = 6$ vkSj $d_2 = -5$ gSA

blfy, l=k $\vec{r}\cdot(\vec{n}_1+\lambda\vec{n}_2)=d_1+\lambda d_2$ dk i;kx dju ij]

$$\vec{r}\cdot[\hat{i}+\hat{j}+\hat{k}+\lambda(2\hat{i}+3\hat{j}+4\hat{k})] = 6-5\lambda$$

;k $$\vec{r}\cdot[(1+2\lambda)\hat{i}+(1+3\lambda)\hat{j}+(1+4\lambda)\hat{k}] = 6-5\lambda \qquad \text{é (1)}$$

tgk λ ,d okLrfod l[;k gSA

$\vec{r}=x\hat{i}+y\hat{j}+z\hat{k}$, j[ku ij ge ikr g] fd

$$(x\hat{i}+y\hat{j}+z\hat{k})\cdot[(1+2\lambda)\hat{i}+(1+3\lambda)\hat{j}+(1+4\lambda)\hat{k}]=6-5\lambda$$

;k $$(1+2\lambda)x+(1+3\lambda)y+(1+4\lambda)z=6-5\lambda$$

;k $$(x+y+z-6)+\lambda(2x+3y+4z+5)=0 \qquad \ldots(2)$$

vc i'ukuqlkj vHkh"V lery ¯cn (1]1]1) l tkrk g] vr% ;g ¯cn] (2) dk lr"V djxk vFkkr

$$(1+1+1-6)+\lambda(2+3+4+5)=0$$

;k $$\lambda=\frac{3}{14}$$

λ oQ bl eku dk (1) e ifrLFkkfir dju ij ge ikr g] fd

$$\vec{r}\cdot\left[\left(1+\frac{3}{7}\right)\hat{i}+\left(1+\frac{9}{14}\right)\hat{j}+\left(1+\frac{6}{7}\right)\hat{k}\right] = 6-\frac{15}{14}$$

;k $$\vec{r}\cdot\left(\frac{10}{7}\hat{i}+\frac{23}{14}\hat{j}+\frac{13}{7}\hat{k}\right) = \frac{69}{14}$$

;k $$\vec{r}\cdot(20\hat{i}+23\hat{j}+26\hat{k}) = 69$$

tks lery dk vHkh"V lfn'k lehdj.k gSA

11.7 nks j[kkvk dk lg&ryh; gkuk (Coplanarity of two lines)

eku yhft, fd nks Kkr j[kk,¡

$$\vec{r} = \vec{a}_1+\lambda\vec{b}_1 \qquad \ldots(1)$$

rFkk $\vec{r} = \vec{a}_2 + \mu\vec{b}_2$ g| ... (2)

j[kk (1) ¯cnq A, ftldh fLFkfr lfn'k $\vec{a}_1$ g] l gkdj tkrh g rFkk $\vec{b}_1$ oQ lekrj gA j[kk (2) ¯cnq B ftldh fLFkfr lfn'k $\vec{a}_2$ g] l gkdj tkrh g rFkk $\vec{b}_2$ oQ lekrj gA rc

$$\overrightarrow{AB} = \vec{a}_2 - \vec{a}_1$$

Kkr j[kk, lg&ryh; g] ;fn vkj oQoy ;fn $\overrightarrow{AB}, \vec{b}_1$ vkj $\vec{b}_2$ lg&ryh; gA vFkkr

$$\overrightarrow{AB}.(\vec{b}_1\times\vec{b}_2) = 0 \text{ ;k } (\vec{a}_2-\vec{a}_1)\cdot(\vec{b}_1\times\vec{b}_2) = 0$$

dkrh; : i **(Cartesian Form)**

eku yhft, fd ¯cnvk A vkj B oQ fun'kkd Øe'kk (x_1, y_1, z_1) vkj (x_2, y_2, z_2) gA eku yhft, fd $\vec{b}_1$ vkj $\vec{b}_2$ oQ fnoQ&vuikr Øe'kk a_1, b_1, c_1 rFkk a_2, b_2, c_2 gA rc

$$\overrightarrow{AB} = (x_2-x_1)\hat{i} + (y_2-y_1)\hat{j} + (z_2-z_1)\hat{k}$$

$$\vec{b}_1 = a_1\hat{i} + b_1\hat{j} + c_1\hat{k} \text{ vkj } \vec{b}_2 = a_2\hat{i} + b_2\hat{j} + c_2\hat{k}$$

Kkr j[kk, lg&ryh; g] ;fn vkj oQoy ;fn $\overrightarrow{AB}\cdot(\vec{b}_1\times\vec{b}_2)=0$ ftl fuEufyf[kr dkrh; : i e 0;Dr dj ldr gA

$$\begin{vmatrix} x_2-x_1 & y_2-y_1 & z_2-z_1 \\ a_1 & b_1 & c_1 \\ a_2 & b_2 & c_2 \end{vmatrix} = 0 \qquad \text{... (4)}$$

mnkgj.k **21** n'kkb, fd j[kk,

$$\frac{x+3}{-3} = \frac{y-1}{1} = \frac{z-5}{5} \text{ rFkk } \frac{x+1}{-1} = \frac{y-2}{2} = \frac{z-5}{5} \text{ lg&ryh; gA}$$

gy ;gk ge Kkr g fd $x_1 = -3, y_1 = 1, z_1 = 5, a_1 = -3, b_1 = 1, c_1 = 5$

$$x_2 = -1, y_2 = 2, z_2 = 5, a_2 = -1, b_2 = 2, c_2 = 5$$

vc fuEufyf[kr lkjf.kd yu ij ge ikr g fd

$$\begin{vmatrix} x_2-x_1 & y_2-y_1 & z_2-z_1 \\ a_1 & b_1 & c_1 \\ a_2 & b_2 & c_2 \end{vmatrix} = \begin{vmatrix} 2 & 1 & 0 \\ -3 & 1 & 5 \\ -1 & 2 & 5 \end{vmatrix} = 0$$

blfy, j[kk, le&ryh; gA

11.8 nk lery k oQ chp dk dk.k (Angle between two planes)

ifjHkk"kk 2 nk lery k oQ chp dk dk.k muoQ vfHkyck oQ eè;LFk dk.k }kjk ifjHkkf"kr g (vkoQfr 11.18 (a))A è;ku nhft, fd ;fn nk lery k oQ chp dk dk.k θ g rk 180 ï θ (vkoQfr 11.18 (b)) Hkh muoQ chp dk dk.k gA ge U;u dk.k dk gh lery k oQ chp dk dk.k yxA

eku yhft, fd lery] $\vec{r}\cdot\vec{n}_1 = d_1$ vkj $\vec{r}\cdot\vec{n}_2 = d_2$ oQ chp dk dk.k θ gA rc fdlh lko ¯cn l lery k ij [khp x, vfHkyck oQ chp dk dk.k θ gA

rc
$$\cos\theta = \left|\frac{\vec{n}_1\cdot\vec{n}_2}{|\vec{n}_1|\,|\vec{n}_2|}\right|$$

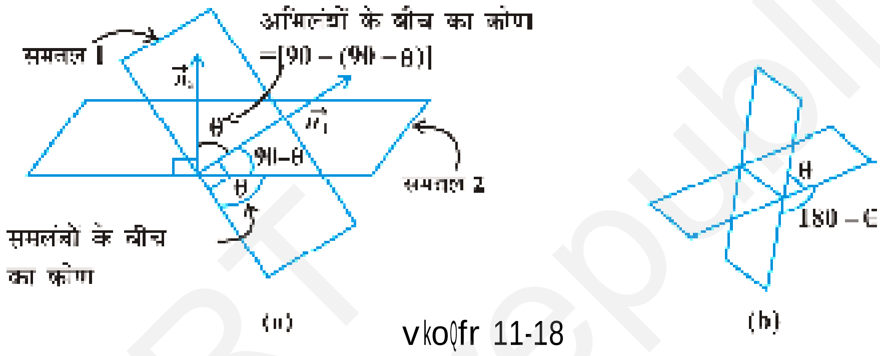

vkoQfr 11-18

fVIi.kh nkuk lery ijLij ycor g ;fn $\vec{n}_1.\vec{n}_2 = 0$ vkj lekrj g ;fn $\vec{n}_1$ vkj $\vec{n}_2$ lekrj gA

dkrh; : i (Cartesian Form)

eku yhft, lery%

$$A_1 x + B_1 y + C_1 z + D_1 = 0 \text{ vkj } A_2 x + B_2 y + C_2 z + D_2 = 0$$

oQ chp dk dk.k θ gA

rk lery k oQ vfHkyc oQ fnoQ&vuikr Øe'k% A_1, B_1, C_1 vkj A_2, B_2, C_2 gA blfy,

$$\cos\theta = \left|\frac{A_1 A_2 + B_1 B_2 + C_1 C_2}{\sqrt{A_1^2 + B_1^2 + C_1^2}\,\sqrt{A_2^2 + B_2^2 + C_2^2}}\right|$$

fVIi.kh

1. ;fn nkuk lery ijLij yc g rc θ = 90° vkj blfy, rjg cos θ = 0. vr% $\cos\theta = A_1A_2 + B_1B_2 + C_1C_2 = 0$

2. ;fn nkuk lery lekrj g rk $\frac{A_1}{A_2} = \frac{B_1}{B_2} = \frac{C_1}{C_2}$

mnkgj.k 22 nk lery $2x + y - 2z = 5$ vkj $3x - 6y - 2z = 7$ oQ chp dk dk.k lfn'k fof/ }kjk Kkr dhft,A

gy nk lery oQ chp dk dk.k ogh g tk muoQ vfHkyck oQ chp dk dk.k gA lery oQ fn, x, lehdj.kk l lery oQ lfn'k vfHkyc

$$\vec{N}_1 = 2\hat{i} + \hat{j} - 2\hat{k} \text{ vkj } \vec{N}_2 = 3\hat{i} - 6\hat{j} - 2\hat{k} \text{ gA}$$

blfy,
$$\cos\theta = \left|\frac{\vec{N}_1 \cdot \vec{N}_2}{|\vec{N}_1|\,|\vec{N}_2|}\right| = \left|\frac{(2\hat{i} + \hat{j} - 2\hat{k}) \cdot (3\hat{i} - 6\hat{j} - 2\hat{k})}{\sqrt{4+1+4}\,\sqrt{9+36+4}}\right| = \left(\frac{4}{21}\right)$$

vr%
$$\theta = \cos^{-1}\left(\frac{4}{21}\right)$$

mnkgj.k 23 nk lery $3x - 6y + 2z = 7$ vkj $2x + 2y - 2z = 5$ oQ chp dk dk.k Kkr dhft,A

gy lery dh Kkr lehdj.k dh ryuk lehdj.k

$$A_1 x + B_1 y + C_1 z + D_1 = 0 \text{ vkj } A_2 x + B_2 y + C_2 z + D_2 = 0$$

l dju ij ge ikr g fd%
$$A_1 = 3,\ B_1 = -6,\ C_1 = 2$$
$$A_2 = 2,\ B_2 = 2,\ C_2 = -2$$

iu%
$$\cos\theta = \left|\frac{3 \times 2 + (-6)(2) + (2)(-2)}{\sqrt{(3^2 + (-6)^2 + (-2)^2)}\,\sqrt{(2^2 + 2^2 + (-2)^2)}}\right|$$

$$= \left|\frac{-10}{7 \times 2\sqrt{3}}\right| = \frac{5}{7\sqrt{3}} = \frac{5\sqrt{3}}{21}$$

blfy,
$$\theta = \cos^{-1}\left(\frac{5\sqrt{3}}{21}\right)$$

11.9 lery ls fn, x, ¯cnq dh njh (Distance of a point from a plane)

lfn'k :i (Vector Form)

,d ¯cnq P ftldk fLFkfr lfn'k $\vec{a}$ vkSj ,d lery π_1 ftldk lehdj.k $\vec{r}\cdot\hat{n} = d$ (vkd`fr 11.19) ij fopkj dhft,A

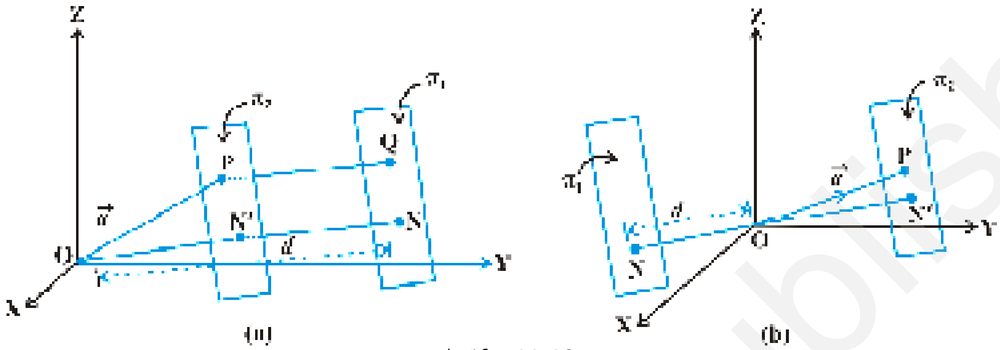

vkd`fr 11-19

iqu% ¯cnq P ls lery π_1 oQ lekarj lery π_2 ij fopkj dhft,A lery π_2 oQ vfHkyc bdkbZ lfn'k $\hat{n}$ gSA vr% bldk lehdj.k $(\vec{r} - \vec{a})\cdot\hat{n} = 0$ gSA

vFkkZr $\vec{r}\cdot\hat{n} = \vec{a}\cdot\hat{n}$

vr%] ew¯cnq ls bl lery dh njh $ON' = |\vec{a}\cdot\hat{n}|$ gSA blfy, P ls lery π_1 ls njh (vkd`fr 11.21 (a))

$$PQ = ON - ON' = |d - \vec{a}\cdot\hat{n}|$$

gS] tks ,d ¯cnq ls Kkr lery ij yac dh yackbZ gSA vkd`fr 11.19 (b) oQ fy, ge blh izdkj dk ifj.kke LFkkfir dj ldrs gSaA

fVIi.kh

1. ;fn lery π_2 dk lehdj.k $\vec{r}\cdot\vec{N} = d$, oQ :i dk gS] tgk¡ $\vec{N}$ lery ij vfHkyc gS rks yacd njh $\dfrac{|\vec{a}\cdot\vec{N} - d|}{|\vec{N}|}$ gSA

2. ew¯cnq O ls lery $\vec{r}\cdot\vec{N} = d$ dh njh $\dfrac{|d|}{|\vec{N}|}$ gS (D;ksafd $\vec{a} = 0$)A

dkrh; :i (Cartesian Form)

eku yhft, fd $P(x_1, y_1, z_1)$,d fn;k ¯cnq gS ftldk fLFkfr lfn'k $\vec{a}$ gS rFkk fn, lery dk dkrh; lehdj.k

$$Ax + By + Cz = D \text{ gS}$$

rc
$$\vec{a} = x_1\hat{i} + y_1\hat{j} + z_1\hat{k}$$

$$\vec{N} = A\hat{i} + B\hat{j} + C\hat{k}$$

vr% (1) o (3) }kjk P ls lery ij yac dh yackbZ

$$\left| \frac{(x_1\hat{i} + y_1\hat{j} + z_1\hat{k})\cdot(A\hat{i} + B\hat{j} + C\hat{k}) - D}{\sqrt{A^2 + B^2 + C^2}} \right|$$

$$= \left| \frac{A x_1 + B y_1 + C z_1 - D}{\sqrt{A^2 + B^2 + C^2}} \right|$$

mnkgj.k 24 ¯cnq (2, 5, – 3) dh lery $\vec{r}\cdot(6\hat{i} - 3\hat{j} + 2\hat{k}) = 4$ ls njh Kkr dhft,A

gy ;gk¡ $\vec{a} = 2\hat{i} + 5\hat{j} - 3\hat{k}$, $\vec{N} = 6\hat{i} - 3\hat{j} + 2\hat{k}$ vkSj $d = 4$.

blfy, ¯cnq (2, 5, – 3) dh fn, lery ls njh gS

$$\frac{|(2\hat{i} + 5\hat{j} - 3\hat{k})\cdot(6\hat{i} - 3\hat{j} + 2\hat{k}) - 4|}{|6\hat{i} - 3\hat{j} + 2\hat{k}|}$$

$$= \frac{|12 - 15 - 6 - 4|}{\sqrt{36 + 9 + 4}} = \frac{13}{7}$$

11.10 ,d js[kk vkSj ,d lery osQ chp dk dks.k (Angle between a line and a plane)

ifjHkk"kk 2 ,d js[kk vkSj ,d lery osQ chp dk dks.k] js[kk vkSj lery osQ vfHkyac osQ chp osQ dks.k dk dks.k (complementary angle) ifjHkkf"kr gS (vkÑfr 11.20)A

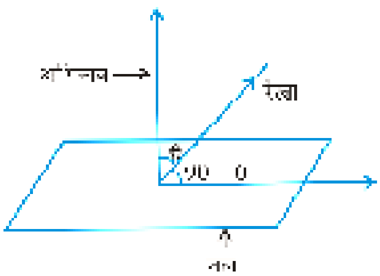

vkÑfr 11-20

lfn'k :i (Vector Form)

eku yhft, fd js[kk dk lehdj.k $\vec{r} = \vec{a} + \lambda\vec{b}$ gS rFkk lery dk lehdj.k $\vec{r}\cdot\vec{n} = d$ gSA rc js[kk vkSj lery osQ vfHkyc oQ chp dk dk.k θ, fuEufyf[kr l=k }kjk 0;Dr fd;k tk ldrk gA

$$\cos\theta = \left|\frac{\vec{b}\cdot\vec{n}}{|\vec{b}|\cdot|\vec{n}|}\right|$$

vkj bl idkj j[kk vkj lery oQ chp dk dk.k ϕ, $90° - \theta$, }kjk inÙk g vFkkr

$$\sin(90° - \theta) = \cos\theta$$

vFkkr] $$\sin\phi = \left|\frac{\vec{b}\cdot\vec{n}}{|\vec{b}|\ |\vec{n}|}\right| \quad ;k \quad \phi = \sin^{-1}\left|\frac{\vec{b}\cdot\vec{n}}{|\vec{b}||\vec{n}|}\right|$$

mnkgj.k 25 j[kk $\frac{x+1}{2} = \frac{y}{3} = \frac{z-3}{6}$ vkj lery $10x + 2y - 11z = 3$ oQ chp dk dk.k Kkr dhft,A

gy eku yhft, fd j[kk vkj lery oQ vfHkyc oQ chp dk dk.k θ gA fn, x, j[kk rFkk lery oQ lehdj.kk dk lfn'k :i e 0;Dr dju ij ge

$$\vec{r} = (-\hat{i} + 3\hat{k}) + \lambda(2\hat{i} + 3\hat{j} + 6\hat{k})$$

vkj $\vec{r}\cdot(10\hat{i} + 2\hat{j} - 11\hat{k}) = 3$ ikIr djr gA

;gk $\vec{b} = 2\hat{i} + 3\hat{j} + 6\hat{k}$ vkj $\vec{n} = 10\hat{i} + 2\hat{j} - 11\hat{k}$

vr% $$\sin\phi = \left|\frac{(2\hat{i}+3\hat{j}+6\hat{k})\cdot(10\hat{i}+2\hat{j}-11\hat{k})}{\sqrt{2^2+3^2+6^2}\ \sqrt{10^2+2^2+11^2}}\right|$$

$$= \left|\frac{-40}{7\times 15}\right| = \left|\frac{-8}{21}\right| = \frac{8}{21} \quad ;k \quad \phi = \sin^{-1}\left(\frac{8}{21}\right)$$

i'ukoyh 11-3

1. fuEufyf[kr i'uk e l iR;d e lery oQ vfHkyc dh fnod&dkl kbu vkj ey ¯cn l njh Kkr dhft,%

(a) $z = 2$ (b) $x + y + z = 1$

(c) $2x + 3y - z = 5$ (d) $5y + 8 = 0$

2. ml lery dk lfn'k lehdj.k Kkr dhft,] tk ey ¯cn l 7 ek=kd njh ij g] vkj lfn'k $3\hat{i} + 5\hat{j} - 6\hat{k}$ ij vfHkyc gA

3. fuEufyf[kr lery dk dkrh; lehdj.k Kkr dhft,%

(a) $\vec{r}\cdot(\hat{i}+\hat{j}-\hat{k}) = 2$ (b) $\vec{r}\cdot(2\hat{i}+3\hat{j}-4\hat{k}) = 1$

(c) $\vec{r}\cdot[(s-2t)\hat{i}+(3-t)\hat{j}+(2s+t)\hat{k}] = 15$

4. fuEufyf[kr fLFkfr;ksa esa ewy ¯cnq ls [khaps x, yac ds ikn ds funsZ'kkad Kkr dhft,A

(a) $2x + 3y + 4z - 12 = 0$ (b) $3y + 4z - 6 = 0$

(c) $x + y + z = 1$ (d) $5y + 8 = 0$

5. fuEufyf[kr ifrca/kksa ds varxZr lery dk lfn'k ,oa dkrh; lehdj.k Kkr dhft, tks%

(a) ¯cnq $(1, 0, -2)$ ls tkrk gks vkSj $\hat{i}+\hat{j}-\hat{k}$ lery ij vfHkyac gSA

(b) ¯cnq $(1,4, 6)$ ls tkrk gks vkSj $\hat{i}-2\hat{j}+\hat{k}$ lery ij vfHkyac lfn'k gSA

6. mu leryksa dk lehdj.k Kkr dhft, tks fuEufyf[kr rhu ¯cnqvksa ls xqtjrk gSA

(a) $(1, 1, -1), (6, 4, -5), (-4, -2, 3)$

(b) $(1, 1, 0), (1, 2, 1), (-2, 2, -1)$

7. lery $2x + y - z = 5$ }kjk dkVs x, vr% [kaMksa dks Kkr dhft,A

8. ml lery dk lehdj.k Kkr dhft, ftldk y&v{k ij vr%[kaM 3 vkSj tks ry Z OX ds lekarj gSA

9. ml lery dk lehdj.k Kkr dhft, tks leryksa $3x - y + 2z - 4 = 0$ vkSj $x + y + z - 2 = 0$ ds ifrPNsnu rFkk ¯cnq $(2, 2, 1)$ ls gksdj tkrk gSA

10. ml lery dk lfn'k lehdj.k Kkr dhft, tks leryksa $\vec{r}.(2\hat{i}+2\hat{j}-3\hat{k}) = 7$, $\vec{r}.(2\hat{i}+5\hat{j}+3\hat{k}) = 9$ ds ifrPNsnu js[kk vkSj $(2, 1, 3)$ ls gksdj tkrk gSA

11. ryksa $x + y + z = 1$ vkSj $2x + 3y + 4z = 5$ ds ifrPNsnu js[kk ls gksdj tkus okys rFkk ry $x - y + z = 0$ ij yacor ry dk lehdj.k Kkr dhft,A

12. leryksa] ftuds lfn'k lehdj.k $\vec{r}\cdot(2\hat{i}+2\hat{j}-3\hat{k}) = 5$ vkSj $\vec{r}\cdot(3\hat{i}-3\hat{j}+5\hat{k}) = 3$ gSa] ds chp dk dks.k Kkr dhft,A

13. fuEufyf[kr iz'uksa esa Kkr dhft, fd D;k fn, x, leryksa ds ;qXe lekarj gSa vFkok yacor gSa] vkSj ml fLFkfr esa tc ;s u rks lekarj gSa vkSj u gh yacor rks muds chp dk dks.k Kkr dhft,A

(a) $7x + 5y + 6z + 30 = 0$ vkSj $3x - y - 10z + 4 = 0$

(b) $2x + y + 3z - 2 = 0$ vkSj $x - 2y + 5 = 0$

(c) $2x - 2y + 4z + 5 = 0$ vkSj $3x - 3y + 6z - 1 = 0$

(d) $2x - y + 3z - 1 = 0$ vkSj $2x - y + 3z + 3 = 0$

(e) $4x + 8y + z - 8 = 0$ vkSj $y + z - 4 = 0$

14. fuEufyf[kr i'uksa esa iR;sd fn, x, ¯cnq ls fn, x, lery rd lerykas dh njh Kkr dhft,A

¯cn	lery
(a) $(0,0,0)$	$3x ï 4y + 12z = 3$
(b) $(3, ï 2, 1)$	$2x ï y + 2z + 3 = 0$
(c) $(2, 3, ï 5)$	$x + 2y ï 2z = 9$
(d) $(ï 6, 0, 0)$	$2x ï 3y + 6z ï 2 = 0$

fofo/ mnkgj.k

mnkgj.k **26** ,d j[kk] ,d ?ku os fod.kks os lkFk $\alpha, \beta, \gamma, \delta,$ dks.k cukrh gS rks fl¼ dhft, fd

$$\cos^2\alpha + \cos^2\beta + \cos^2\gamma + \cos^2\delta = \frac{4}{3}$$

gy ,d ?ku] ,d ledks.kh; "kV~iQyd gS ftldh yackbZ] pkSMkbZ vkSj ÅapkbZ leku gksrh gSA

eku yhft, fd OADBEFCG ,d ?ku ftldh iR;sd Hkqtk a yackbZ dh gS (vkoQfr 11.21)A

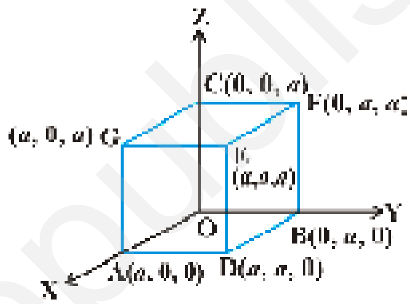

vkoQfr 11-21

OE, AF, BG vkSj CD pkj fod.kZ gSaA

nks ¯cnqvksa O rFkk E dks feykus okyh js[kk OE vFkkZr fod.kZ OE osQ fnd~&dkslkbu

$$\frac{a-0}{\sqrt{a^2+a^2+a^2}}, \frac{a-0}{\sqrt{a^2+a^2+a^2}}, \frac{a-0}{\sqrt{a^2+a^2+a^2}}$$

vFkkZr $\quad \frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}$

gSa blh idkj AF, BG vkSj CD dh fnd~&dkslkbu Øe'k%

$$ï\frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}; \frac{1}{\sqrt{3}}, ï\frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}} \text{ vkSj } \frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}, ï\frac{1}{\sqrt{3}}, \text{gSA}$$

eku yhft, nh xbZ j[kk tks OE, AF, BG, vkSj CD, osQ lkFk Øe'k% $\alpha, \beta, \gamma,$ vkSj δ dks.k cukrh gS] dh fnd~&dkslkbu l, m, n gSA

rc $\quad \cos\alpha = \frac{1}{\sqrt{3}}(l + m + n); \cos\beta = \frac{1}{\sqrt{3}}(ï l + m + n)$

$\cos\gamma = \frac{1}{\sqrt{3}}(l ï m + n); \cos\delta = \frac{1}{\sqrt{3}}(l + m ï n)$

ox djo{ tkMu ij ge ikr g fd

$$\cos^2\alpha + \cos^2\beta + \cos^2\gamma + \cos^2\delta$$

$$= \frac{1}{3}\ [\,(l+m+n)^2 + (-l+m+n)^2\,] + (l-m+n)^2 + (l+m-n)^2]$$

$$= \frac{1}{3}\ [\,4\,(l^2+m^2+n^2)\,] = \frac{4}{3} \quad (D;kfd\ l^2+m^2+n^2=1)$$

mnkgj.k 27 ml ry dk lehdj.k Kkr dhft, ftlle ¯cn $(1, -1, 2)$ vrfoZ"V g vkj tk lerykа $2x+3y-2z=5$ vkj $x+2y-3z=8$ e l iR;d ij yc gA

gy fn, x, ¯cn dk vrfoZ"V dju oky lery dk lehdj.k

$$A(x-1) + B(y+1) + C(z-2) = 0 \text{ gA} \qquad \ldots (1)$$

lerykа $2x+3y-2z=5$ vkj $x+2y-3z=8$, o{ lkFk (1) }kjk inÙk lery ij yc gku o{ ifrc/ dk i;kx dju ij ge ikr g fd

$$2A + 3B - 2C = 0 \text{ vkj } A + 2B - 3C = 0$$

bu lehdj.kk dk gy dju ij ge ikr g fd $A = -5C$ vkj $B = 4C$

vr% vHkh"V lehdj.k g%

$$-5C(x-1) + 4C(y+1) + C(z-2) = 0$$

vFkkr $\quad 5x - 4y - z = 7$

mnkgj.k 28 ¯cn $P(6, 5, 9)$ l ¯cnvk $A(3, -1, 2)$, $B(5, 2, 4)$ vkj $C(-1, -1, 6)$ }kjk fu/kfjr lery dh njh Kkr dhft,A

gy eku yhft, fd lery e rhu ¯cn A, B, rFkk C gA ¯cn P l lery ij yc dk ikn D gA ge vHkh"V njh PD Kkr djuh g tgk PD, $\overrightarrow{AP}$ dk $\overrightarrow{AB} \times \overrightarrow{AC}$ ij i{ki gA

vr% $\quad$ PD = $\overrightarrow{AB} \times \overrightarrow{AC}$ o{ vufn'k bdkb lfn'k rFkk $\overrightarrow{AP}$ dk vfn'k x.kuQy gA

iu% $\quad \overrightarrow{AP} = 3\hat{i} + 6\hat{j} + 7\hat{k}$

vkj $\quad \overrightarrow{AB} \times \overrightarrow{AC} = \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ 2 & 3 & 2 \\ -4 & 0 & 4 \end{vmatrix} = 12\hat{i} - 16\hat{j} + 12\hat{k}$

$\overrightarrow{AB} \times \overrightarrow{AC}$ o{ vufn'k bdkb lfn'k $= \dfrac{3\hat{i} - 4\hat{j} + 3\hat{k}}{\sqrt{34}}$

vr%
$$\overrightarrow{PD} = (3\hat{i}+6\hat{j}+7\hat{k}) \cdot \frac{3\hat{i}-4\hat{j}+3\hat{k}}{\sqrt{34}}$$
$$= \frac{3\sqrt{34}}{17}$$

fodYir% ¯cn A, B vkj C l x P
dh lery l njh Kkr dhft,A

mnkgj.k 29 n'kkb, fd j[kk,

$$\frac{x-a+d}{\alpha-\delta} = \frac{y-a}{\alpha} = \frac{z-a-d}{\alpha+\delta}$$

vkj $$\frac{x-b+c}{\beta-\gamma} = \frac{y-b}{\beta} = \frac{z-b-c}{\beta+\gamma}$$ lg&ryh; gA

gy ;gk Kkr g fd

$x_1 = a \text{ ï } d$ vkj $x_2 = b \text{ ï } c$

$y_1 = a$ $y_2 = b$

$z_1 = a + d$ $z_2 = b + c$

vkj $a_1 = \alpha \text{ ï } \delta$ $a_2 = \beta \text{ ï } \gamma$

$b_1 = \alpha$ $b_2 = \beta$

$c_1 = \alpha + \delta$ $c_2 = \beta + \gamma$

vc lkjf.kd

$$\begin{vmatrix} x_2-x_1 & y_2-y_1 & z_2-z_1 \\ a_1 & b_1 & c_1 \\ a_2 & b_2 & c_2 \end{vmatrix} = \begin{vmatrix} b-c-a+d & b-a & b+c-a-d \\ \alpha-\delta & \alpha & \alpha+\delta \\ \beta-\gamma & \beta & \beta+\gamma \end{vmatrix}$$

ij fopkj dhft,A
rhljs LrHk dks igys LrHk e tkMu ij ge ikr gA

$$2\begin{vmatrix} b-a & b-a & b+c-a-d \\ \alpha & \alpha & \alpha+\delta \\ \beta & \beta & \beta+\gamma \end{vmatrix} = 0$$

D;kfd iFke vkj f}rh; LrHk leku gA vr% nkuk j[kk, lg&ryh; gA

mnkgj.k 30 mI ¯cn oQ fun'kkd Kkr dhft, tgk ¯cnvk $A(3, 4, 1)$ vkj $B(5, 1, 6)$ dk feykus okyh j[kk XY-ry dk dkVrh gA

gy ¯cnvk A vkj B l tku okyh j[kk dk lfn'k lehdj.k

$$\vec{r} = 3\hat{i} + 4\hat{j} + \hat{k} + \lambda\,[\,(5-3)\hat{i} + (1-4)\hat{j} + (6-1)\hat{k}]$$

vFkkr $$\vec{r} = 3\hat{i} + 4\hat{j} + \hat{k} + \lambda\,(2\hat{i} - 3\hat{j} + 5\hat{k}) \qquad \ldots (1)$$

eku yhft, P og ¯cn g tgk j[kk AB, XY-ry dk ifrPNn djrh gA rc ¯cn P dk fLFkfr lfn'k $x\hat{i} + y\hat{j}$ oQ :i e gA

;g ¯cn vo'; gh lehdj.k (1) dk lr"V djrk gA (D;k?)

vFkkr $$x\hat{i} + y\hat{j} = (3 + 2\lambda)\hat{i} + (4 - 3\lambda)\hat{j} + (1 + 5\lambda)\hat{k}$$

$\hat{i}$, $\hat{j}$ vkj $\hat{k}$, oQ x.kkdk dh ryuk dju ij ge ikr g

$$x = 3 + 2\lambda$$
$$y = 4 - 3\lambda$$
$$0 = 1 + 5\lambda$$

mijkDr lehdj.kk dk gy dju ij ge ikr g fd

$$x = \frac{13}{5} \text{ vkj } y = \frac{23}{5}$$

vr% vHkh"V ¯cn oQ fun'kkd $\left(\frac{13}{5}, \frac{23}{5}, 0\right)$ gA

vè;k; 11 ij fofo/ i'ukoyh

1. fn[kkb, fd ey ¯cn l (2, 1, 1) feykus okyh j[kk] ¯cnvk (3, 5, &1) vkj (4, 3, &1) l fu/kfjr j[kk ij yc gA
2. ;fn nk ijLij yc j[kkvk dh fnoQ&dkslkbu l_1, m_1, n_1 vkj l_2, m_2, n_2 gk rk fn[kkb, fd bu nkuk ij yc j[kk dh fnoQ&dkslkbu $m_1 n_2 - m_2 n_1,\ n_1 l_2 - n_2 l_1,\ l_1 m_2 - l_2 m_1$ gA
3. mu j[kkvk oQ eè; dk.k Kkr dhft,] ftuoQ fnoQ&vuikr a, b, c vkj $b - c, c - a, a - b$ gA
4. x-v{k oQ lekrj rFkk ey&¯cn l tku okyh j[kk dk lehdj.k Kkr dhft,A
5. ;fn ¯cnvk A, B, C, vkj D oQ fun'kkd Øe'k% $(1, 2, 3), (4, 5, 7), (-4, 3, -6)$ vkj $(2, 9, 2)$ g rk AB vkj CD j[kkvk oQ chp dk dk.k Kkr dhft,A

6. ;fn j[kk, $\frac{x-1}{-3}=\frac{y-2}{2k}=\frac{z-3}{2}$ vkj $\frac{x-1}{3k}=\frac{y-1}{1}=\frac{z-6}{-5}$ ijLij yc gk rk k dk eku Kkr dhft,A

7. ¯cn (1, 2, 3) l tku okyh rFkk ry $\vec{r}\,.\,(\hat{i}+2\hat{j}-5\hat{k})+9=0$ ij ycor j[kk dk lfn'k lehdj.k Kkr dhft,A

8. ¯cn (a, b, c) l tku oky rFkk ry $\vec{r}\cdot(\hat{i}+\hat{j}+\hat{k})=2$ oQ lekrj ry dk lehdj.k Kkr dhft,A

9. j[kkvk $\vec{r}=6\hat{i}+2\hat{j}+2\hat{k}+\lambda(\hat{i}-2\hat{j}+2\hat{k})$ vkj $\vec{r}=-4\hat{i}-\hat{k}+\mu(3\hat{i}-2\hat{j}-2\hat{k})$ oQ chp dh U;ure njh Kkr dhft,A

10. ml ¯cn oQ fun'kkd Kkr dhft, tgk ¯cnvk (5, 1, 6) vkj (3, 4,1) dk feykus okyh j[kk YZ-ry dk dkVrh gA

11. ml ¯cn oQ fun'kkd Kkr dhft, tgk ¯cnvk (5, 1, 6) vkj (3, 4, 1) dk feykus okyh j[kk ZX-ry dk dkVrh gA

12. ml ¯cn oQ fun'kkd Kkr dhft, tgk ¯cnvk (3, ï 4, ï 5) vkj (2, ï 3, 1) l x j[kk] lery $2x+y+z=7$ oQ ikj tkrh gA

13. ¯cn (ï 1, 3, 2) l tku oky rFkk lerykk $x+2y+3z=5$ vkj $3x+3y+z=0$ e l iR;d ij yc lery dk lehdj.k Kkr dhft,A

14. ;fn ¯cn $(1, 1, p)$ vkj (ï 3, 0, 1) lery $\vec{r}\cdot(3\hat{i}+4\hat{j}-12\hat{k})+13=0$ l leku njh ij fLFkr gk] rk p dk eku Kkr dhft,A

15. lerykk $\vec{r}\cdot(\hat{i}+\hat{j}+\hat{k})=1$ vkj $\vec{r}\cdot(2\hat{i}+3\hat{j}-\hat{k})+4=0$ oQ ifrPNnu j[kk l tku oky rFkk x-v{k oQ lekrj ry dk lehdj.k Kkr dhft,A

16. ;fn O ey ¯cn rFkk ¯cn P oQ fun'kkd (1, 2, ï 3), g rk ¯cn P l tku oky rFkk OP oQ ycor ry dk lehdj.k Kkr dhft,A .

17. lerykk $\vec{r}\cdot(\hat{i}+2\hat{j}+3\hat{k})-4=0$ vkj $\vec{r}\cdot(2\hat{i}+\hat{j}-\hat{k})+5=0$ oQ ifrPNnu j[kk dk vrfo"V dju oky rFkk ry $\vec{r}\cdot(5\hat{i}+3\hat{j}-6\hat{k})+8=0$ oQ ycor ry dk lehdj.k Kkr dhft,A

18. ¯cn (ï 1, ï 5, ï 10) l j[kk $\vec{r}=2\hat{i}-\hat{j}+2\hat{k}+\lambda(3\hat{i}+4\hat{j}+2\hat{k})$ vkj lery $\vec{r}\cdot(\hat{i}-\hat{j}+\hat{k})=5$ oQ ifrPNnu ¯cn oQ eè; dh njh Kkr dhft,A

19. ¯cn (1, 2, 3) ls tkus okyh rFkk leryksa $\vec{r}\cdot(\hat{i}-\hat{j}+2\hat{k})=5$ vkSj $\vec{r}\cdot(3\hat{i}+\hat{j}+\hat{k})=6$ oQ lekrj j[kk dk lfn'k lehdj.k Kkr dhft,A

20. ¯cn (1, 2, -4) ls tkus okyh vkSj nkuk j[kkvk $\dfrac{x-8}{3}=\dfrac{y+19}{-16}=\dfrac{z-10}{7}$ vkSj $\dfrac{x-15}{3}=\dfrac{y-29}{8}=\dfrac{z-5}{-5}$ ij yc j[kk dk lfn'k lehdj.k Kkr dhft,A

21. ;fn ,d lery oQ vr%[kM a, b, c g vkSj bldh ey ¯cn ls njh p bdkb g rks fl¼ dhft, fd $\dfrac{1}{a^2}+\dfrac{1}{b^2}+\dfrac{1}{c^2}=\dfrac{1}{p^2}$

i'uk 22 vkSj 23 e lgh mÙkj dk puko dhft,A

22. nk lerykssa $2x+3y+4z=4$ vkSj $4x+6y+8z=12$ oQ chp dh njh g%

(A) 2 bdkb (B) 4 bdkb (C) 8 bdkb (D) $\dfrac{2}{\sqrt{29}}$ bdkb

23. lery $2x-y+4z=5$ vkSj $5x-2.5y+10z=6$ g%

(A) ijLij yc (B) lekrj

(C) y-v{k ij ifrPNnu djr gA (D) ¯cn $\left(0,0,\dfrac{5}{4}\right)$ l xtjr gA

lkjk'k

- ,d j[kk dh fnoQ&dkslkbu j[kk }kjk fun'kk{kk dh /u fn'kk oQ lkFk cuk, dks.kk dh dkslkbu gkrh gA
- ;fn ,d j[kk dh fnoQ&dkslkbu l, m, n g rks $l^2+m^2+n^2=1$
- nks ¯cnvksa P (x_1, y_1, z_1) vkSj Q (x_2, y_2, z_2) dks feykus okyh j[kk dh fnoQ&dkslkbu $\dfrac{x_2-x_1}{PQ}, \dfrac{y_2-y_1}{PQ}, \dfrac{z_2-z_1}{PQ}$ g

  tgk $PQ=\sqrt{(x_2-x_1)^2+(y_2-y_1)^2+(z_2-z_1)^2}$
- ,d j[kk dk fnoQ&vuikr o la[;k, g tks j[kk dh fnoQ&dkslkbu oQ lekuikrh gkrh gA

- ;fn ,d j[kk dh fnoQ&dklkbu l, m, n vkj fnoQ&vuikr a, b, c g rk

$$l = \frac{a}{\sqrt{a^2+b^2+c^2}}\,;\ m = \frac{b}{\sqrt{a^2+b^2+c^2}}\,;\ n = \frac{c}{\sqrt{a^2+b^2+c^2}}$$

- fo"keryh; j[kk, vrfj{k dh o j[kk, tk u rk lekrj g vkj u gh ifrPNnh gA ;g j[kk, fofHkUu ryk e gkrh gA
- fo"keryh; j[kkvk oQ chp dk dk.k og dk.k g tk ,d fdlh ¯cn (ojh;rk ey ¯cn dh) l fo"keryh; j[kkvk e l iR;d oQ lekrj [khph xb nk ifrPNnh j[kkvk oQ chp e gA
- ;fn l_1, m_1, n_1 vkj l_2, m_2, n_2 fnoQ&dklkbu okyh nk j[kkvk oQ chp U;udk.k θ g rc

$$\cos\theta = |l_1 l_2 + m_1 m_2 + n_1 n_2|$$

- ;fn a_1, b_1, c_1 vkj a_2, b_2, c_2 fnoQ&vuikrk okyh nk j[kkvk oQ chp dk U;u dk.k θ g rc

$$\cos\theta = \left|\frac{a_1 a_2 + b_1 b_2 + c_1 c_2}{\sqrt{a_1^2+b_1^2+c_1^2}\,\sqrt{a_2^2+b_2^2+c_2^2}}\right|$$

- ,d Kkr ¯cn ftldh fLFkfr lfn'k $\vec{a}$ g l x $\vec{b}$ oQ lekrj j[kk dk lfn'k lehdj.k $\vec{r} = \vec{a} + \lambda\vec{b}$ gA
- ¯cn (x_1, y_1, z_1) l tku okyh j[kk ftldh fnoQ&dklkbu l, m, n g] dk lehdj.k

$$\frac{x - x_1}{l} = \frac{y - y_1}{m} = \frac{z - z_1}{n}$$ gA

- nk ¯cnvk ftuoQ fLFkfr lfn'k $\vec{a}$ vkj $\vec{b}$ g l tku okyh j[kk oQ lehdj.k dk lfn'k lehdj.k $\vec{r} = \vec{a} + \lambda(\vec{b} - \vec{a})$ gA
- nk ¯cnvk (x_1, y_1, z_1) vkj (x_2, y_2, z_2) l tku okyh j[kk dk dkrh; lehdj.k

$$\frac{x - x_1}{x_2 - x_1} = \frac{y - y_1}{y_2 - y_1} = \frac{z - z_1}{z_2 - z_1}$$ gA

- ;fn nk j[kkvk $\vec{r} = \vec{a}_1 + \lambda\vec{b}_1$ vkj $\vec{r} = \vec{a}_2 + \lambda\vec{b}_2$, oQ chp dk U;udk.k θ g rk

$$\cos\theta = \left|\frac{\vec{b}_1 \cdot \vec{b}_2}{|\vec{b}_1|\,|\vec{b}_2|}\right|$$

- ;fn nk j[kkvk $\frac{x-x_1}{l_1} = \frac{y-y_1}{m_1} = \frac{z-z_1}{n_1}$ vkj

  $\frac{x-x_2}{l_2} = \frac{y-y_2}{m_2} = \frac{z-z_2}{n_2}$ oQ chp dk dk.k θ g rc

  $\cos\theta = |l_1 l_2 + m_1 m_2 + n_1 n_2|$.
- nk fo"keryh; j[kkvk oQ chp dh U;ure njh og j[kk[kM g tk nkuk j[kkvk ij yc gA
- nk j[kkvk $\vec{r} = \vec{a}_1 + \lambda \vec{b}_1$ vkj $\vec{r} = \vec{a}_2 + \mu \vec{b}_2$ oQ chp U;ure njh

$$\left|\frac{(\vec{b}_1 \times \vec{b}_2)\cdot(\vec{a}_2 - \vec{a}_1)}{|\vec{b}_1 \times \vec{b}_2|}\right| \text{ gA}$$

- nk j[kkvk $\frac{x-x_1}{a_1} = \frac{y-y_1}{b_1} = \frac{z-z_1}{c_1}$ vkj $\frac{x-x_2}{a_2} = \frac{y-y_2}{b_2} = \frac{z-z_2}{c_2}$ oQ chp U;ure njh

$$\frac{\begin{vmatrix} x_2-x_1 & y_2-y_1 & z_2-z_1 \\ a_1 & b_1 & c_1 \\ a_2 & b_2 & c_2 \end{vmatrix}}{\sqrt{(b_1c_2-b_2c_1)^2+(c_1a_2-c_2a_1)^2+(a_1b_2-a_2b_1)^2}} \text{ gA}$$

- nk lekrj j[kkvk $\vec{r} = \vec{a}_1 + \lambda \vec{b}$ vkj $\vec{r} = \vec{a}_2 + \mu \vec{b}$ oQ chp dh njh

$$\left|\frac{\vec{b} \times (\vec{a}_2 - \vec{a}_1)}{|\vec{b}|}\right| \text{ gA}$$

- ,d lery] ftldh ey ¯cn l njh d rFkk lery ij ey ¯cn l vfHkyc bdkb lfn'k $\hat{n}$ g] dk lfn'k :i e lehdj.k $\vec{r}\cdot\hat{n} = d$ gA
- ,d lery] ftldh ey ¯cn l njh d rFkk lery oQ vfHkyc dh fnoQ&dkIkbu l, m, n g] dk lehdj.k $lx + my + nz = d$ gA
- ,d ¯cn ftldk fLFkfr lfn'k $\vec{a}$ l tku okyk vkj lfn'k $\vec{N}$ ij yc lery dk lehdj.k $(\vec{r} - \vec{a}) . \vec{N} = 0$ gA

- ,d fn, x, ¯cn (x_1, y_1, z_1) tku oky vkj ,d nh xbi j[kk ftloQ fnoQ&vuikr A, B, C g] ij yc lery dk lehdj.k $A(x ï x_1) + B(y ï y_1) + C(z ï z_1) = 0$ gA
- rhu vlj[k ¯cnvk (x_1, y_1, z_1), (x_2, y_2, z_2) vkj (x_3, y_3, z_3) l tku oky lery dk lehdj.k g%

$$\begin{vmatrix} x-x_1 & y-y_1 & z-z_1 \\ x_2-x_1 & y_2-y_1 & z_2-z_1 \\ x_3-x_1 & y_3-y_1 & z_3-z_1 \end{vmatrix} = 0$$

- rhu ¯cnvk ftuoQ fLFkfr lfn'k $\vec{a}, \vec{b}$ vkj $\vec{c}$ dk vrfo"V dju oky lery dk lfn'k lehdj.k $(\vec{r}-\vec{a}).[(\vec{b}-\vec{a})\times(\vec{c}-\vec{a})] = 0$
- ,d lery tk fun'kk{kk dk $(a, 0, 0)$, $(0, b, 0)$ vkj $(0, 0, c)$ ij dkVrk g] dk lehdj.k $\dfrac{x}{a}+\dfrac{y}{b}+\dfrac{z}{c} = 1$ gA
- lerykr $\vec{r}\cdot\vec{n}_1 = d_1$ vkj $\vec{r}\cdot\vec{n}_2 = d_2$ oQ ifrPNnu l xtju oky lery dk lfn'k lehdj.k $\vec{r}\cdot(\vec{n}_1+\lambda\vec{n}_2) = d_1+\lambda d_2$ g, tgk λ ,d ikpy gA
- lerykr
  $A_1 x + B_1 y + C_1 z + D_1 = 0$
  vkj $A_2 x + B_2 y + C_2 z + D_2 = 0$
  oQ ifrPNnu l xtju oky lery dk lehdj.k
  $(A_1 x + B_1 y + C_1 z + D_1) + \lambda(A_2 x + B_2 y + C_2 z + D_2) = 0$ gA
- nk j[kk, $\vec{r} = \vec{a}_1 + \lambda\vec{b}_1$ vkj $\vec{r} = \vec{a}_2 + \mu\vec{b}_2$ lg&ryh; g ;fn

$$(\vec{a}_2-\vec{a}_1)\cdot(\vec{b}_1\times\vec{b}_2) = 0$$

- ;fn mijkDr j[kk, fcnvk $A(x_1, y_1, z_1)$ rFkk $B(x_2, y_2, z_2)$ l x

g ;fn $\begin{vmatrix} x_2-x_1 & y_2-y_1 & z_2-z_1 \\ a_1 & b_1 & c_1 \\ a_2 & b_2 & c_2 \end{vmatrix} = 0$

- nk ry ftloQ lfn'k :i $\vec{r}\cdot\vec{n}_1 = d_1$ vkj $\vec{r}\cdot\vec{n}_2 = d_2$ g rFkk buoQ chp dk U;u dk.k θ g rc $\theta = \cos^{-1}\dfrac{|\vec{n}_1\cdot\vec{n}_2|}{|\vec{n}_1||\vec{n}_2|}$

- j[kk $\vec{r} = \vec{a} + \lambda \vec{b}$ vkj ry $\vec{r} \cdot \hat{n} = d$ oQ chp dk U;u dk.k ϕ g rc

$$\sin \phi = \left| \frac{\vec{b} \cdot \hat{n}}{|\vec{b}|\,|\hat{n}|} \right|$$

- ryk $A_1 x + B_1 y + C_1 z + D_1 = 0$ rFkk $A_2 x + B_2 y + C_2 z + D_2 = 0$ oQ chp dk U;u dk.k θ g rc

$$\theta = \cos^{-1} \left| \frac{A_1 A_2 + B_1 B_2 + C_1 C_2}{\sqrt{A_1^2 + B_1^2 + C_1^2}\,\sqrt{A_2^2 + B_2^2 + C_2^2}} \right|$$

- lfn'k : i e] ,d ¯cn ftldk fLFkfr lfn'k $\vec{a}$ g] l ry $\vec{r} \cdot \hat{n} = d$ l njh $|d - \vec{a} \cdot \hat{n}|$ gA
- ,d ¯cn (x_1, y_1, z_1) dh ry $Ax + By + Cz + D = 0$ l njh

$$\left| \frac{Ax_1 + By_1 + Cz_1 + D}{\sqrt{A^2 + B^2 + C^2}} \right| \text{ gA}$$

अध्याय 12

रैखिक प्रोग्रामन Linear Programming

❖ *The mathematical experience of the student is incomplete if he never had the opportunity to solve a problem invented by himself. — G POLYA* ❖

12.1 भूमिका (Introduction)

पिछली कक्षाओं में हम रैखिक समीकरणों और दिन प्रति दिन की समस्याओं में उनके अनुप्रयोग पर विचार-विमर्श कर चुके हैं। कक्षा XI में हमने दो चर राशियों वाले रैखिक असमिकाओं और रैखिक असमिकाओं के निकायों के आलेखीय निरूपण से हल निकालने के विषय में अध्ययन कर चुके हैं। गणित में कई अनुप्रयोगों में असमिकाओं/समीकरणों के निकाय सम्मिलित हैं। इस अध्याय में हम रैखिक असमिकाओं/समीकरणों के निकायों का नीचे दी गई कुछ वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने में उपयोग करेंगे।

L. Kantorovich

एक फर्नीचर व्यापारी दो वस्तुओं जैसे मेज़ और कुर्सियों का व्यवसाय करता है। निवेश के लिए उसके पास Rs 50,000 और रखने के लिए केवल 60 वस्तुओं के लिए स्थान है। एक मेज़ पर Rs 2500 और एक कुर्सी पर Rs 500 की लागत आती है। वह अनुमान लगाता है कि एक मेज़ को बेचकर वह Rs 250 और एक कुर्सी को बेचने से Rs 75 का लाभ कमा सकता है। मान लीजिए कि वह सभी वस्तुओं को बेच सकता है जिनको कि वह खरीदता है तब वह जानना चाहता है कि कितनी मेज़ों एवं कुर्सियों को खरीदना चाहिए ताकि उपलब्ध निवेश राशि पर उसका सकल लाभ अधिकतम हो।

इस प्रकार की समस्याओं जिनमें सामान्य प्रकार की समस्याओं में लाभ का अधिकतमीकरण और लागत का न्यूनतमीकरण खोजने का प्रयास किया जाता है, इष्टतमकारी समस्याएँ कहलाती हैं। अतः इष्टतमकारी समस्या में अधिकतम लाभ, न्यूनतम लागत या संसाधनों का न्यूनतम उपयोग सम्मिलित है।

रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ एक विशेष लेकिन एक महत्त्वपूर्ण प्रकार की इष्टतमकारी समस्या है और उपरोक्त उल्लिखित इष्टतमकारी समस्या भी एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या है। उद्योग, वाणिज्य, प्रबंधन विज्ञान आदि में विस्तृत सुसंगतता के कारण रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ अत्यधिक महत्त्व की हैं।

इस अध्याय में, हम कुछ रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ और उनका आलेखी विधि द्वारा हल निकालने का अध्ययन करेंगे। यद्यपि इस प्रकार समस्याओं का हल निकालने के लिए अन्य विधियाँ भी हैं।

12.2 रैखिक प्रोग्रामन समस्या और उसका गणितीय सूत्रीकरण (Linear Programming Problem and its Mathematical Formulation)

हम अपना विचार विमर्श उपरोक्त उदाहरण के साथ प्रारंभ करते हैं जो कि दो चर राशियों वाली समस्या के गणितीय सूत्रीकरण अथवा गणितीय प्रतिरूप का मार्गदर्शन करेगा। इस उदाहरण में हमने ध्यानपूर्वक देखा कि

(i) व्यापारी अपनी धन राशि को मेज़ों या कुर्सियों या दोनों के संयोजनों में निवेश कर सकता है। इसके अतिरिक्त वह निवेश के विभिन्न योजनात्मक विधियों से विभिन्न लाभ कमा सकेगा।

(ii) कुछ अधिक महत्त्वपूर्ण स्थितियाँ या व्यवरोधों का भी समावेश है जैसे उसका निवेश अधिकतम Rs 50,000 तक सीमित है तथा उसके पास अधिकतम 60 वस्तुओं को रखने के लिए स्थान उपलब्ध है।

मान लीजिए कि वह कोई कुर्सी नहीं खरीदता केवल मेज़ों के खरीदने का निश्चय करता है, इसलिए वह 50,000 ÷ 2500, या 20 मेज़ों को खरीद सकता है। इस स्थिति में उसका सकल लाभ Rs (250 × 20) या **Rs 5000** होगा।

मान लीजिए कि वह कोई मेज़ न खरीदकर केवल कुर्सियाँ ही खरीदने का चयन करता है। तब वह अपनी उपलब्ध Rs 50,000 की राशि में 50,000 ÷ 500, अर्थात् 100 कुर्सियाँ ही खरीद सकता है। परंतु वह केवल 60 नगों को ही रख सकता है। अतः वह 60 कुर्सियाँ मात्र खरीदने के लिए बाध्य होगा। जिससे उसे सकल लाभ Rs 60 × 75 अर्थात् **Rs 4500** ही होगा।

ऐसी और भी बहुत सारी संभावनाएँ हैं। उदाहरण के लिए वह 10 मेज़ों और 50 कुर्सियाँ खरीदने का चयन कर सकता है, क्योंकि उसके पास 60 वस्तुओं को रखने का स्थान उपलब्ध है। इस स्थिति में उसका सकल लाभ Rs (10 × 250 + 50 × 75), अर्थात् **Rs 6250** इत्यादि।

अतः हम ज्ञात करते हैं कि फर्नीचर व्यापारी विभिन्न चयन विधियों के द्वारा अपनी धन राशि का निवेश कर सकता है और विभिन्न निवेश योजनाओं को अपनाकर विभिन्न लाभ कमा सकेगा।

अब समस्या यह है कि उसे अपनी धन राशि को अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए किस प्रकार निवेश करना चाहिए? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए हमें समस्या का गणितीय सूत्रीकरण करने का प्रयास करना चाहिए।

12.2.1 *समस्या का गणितीय सूत्रीकरण (Mathematical Formulation of the Problem)*

मान लीजिए कि मेज़ों की संख्या x और कुर्सियों की संख्या y है जिन्हें फर्नीचर व्यापारी खरीदता है। स्पष्टतः x और y ऋणेतर हैं, अर्थात्

$x \quad 0$ (ऋणेतर व्यवरोध) ... (1)

$y \quad 0$ ... (2)

क्योंकि मेज़ों और कुर्सियों की संख्या ऋणात्मक नहीं हो सकती है।

व्यापारी (व्यवसायी) पर अधिकतम धन राशि (यहाँ यह Rs 50,000 है) का निवेश करने का व्यवरोध है और व्यवसायी के पास केवल अधिकतम वस्तुओं (यहाँ यह 60 है) को रखने के लिए स्थान का भी व्यवरोध है।

गणितीय रूप में व्यक्त करने पर

$$2500x + 500y \leq 50,000 \quad \text{(निवेश व्यवरोध)}$$

या $$5x + y \leq 100 \qquad \dots (3)$$

और $$x + y \leq 60 \quad \text{(संग्रहण व्यवरोध)} \qquad \dots (4)$$

व्यवसायी इस प्रकार से निवेश करना चाहता है उसका लाभ Z (माना) अधिकतम हो और जिसे x और y के फलन के रूप में निम्नलिखित प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है:

$Z = 250x + 75y$ (उद्देशीय फलन कहलाता है)

प्रदत्त समस्या का अब गणितीय रूप में परिवर्तित हो जाती है:

$Z = 250x + 75y$ का अधिकतमीकरण कीजिए

जहाँ व्यवरोध निम्नलिखित है

$$5x + y \leq 100$$

$$x + y \leq 60$$

$$x \geq 0, \ y \geq 0$$

इसलिए हमें रैखिक फलन Z का अधिकतमीकरण करना है जबकि ऋणेतर चरों वाली रैखिक असमिकाओं के रूप कुछ विशेष स्थितियों के व्यवरोध व्यक्त किए गए हैं। कुछ अन्य समस्याएँ भी हैं जिनमें रैखिक फलन का न्यूनतमीकरण किया जाता है जबकि ऋणेतर चर वाली रैखिक असमिकाओं के रूप में कुछ विशेष स्थितियों के व्यवरोध व्यक्त किए जाते है। ऐसी समस्याओं को रैखिक प्रोग्रामन समस्या कहते हैं।

अत: एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या वह समस्या है जो कि x और y जैसे कुछ अनेक चरों के एक रैखिक फलन Z (जो कि उद्देश्य फलन कहलाता है) का इष्टतम सुसंगत/अनुकूलतम सुसंगत मान (अधिकतम या न्यूनतम मान) ज्ञात करने से संबंधित है। प्रतिबंध यह है कि चर ऋणेतर पूर्णांक हैं और ये रैखिक असमिकाओं के समुच्चय रैखिक व्यवरोधों को संतुष्ट करते हैं। रैखिक पद से तात्पर्य है कि समस्या में सभी गणितीय संबंध रैखिक हैं जबकि प्रोग्रामन से तात्पर्य है कि विशेष प्रोग्राम या विशेष क्रिया योजना ज्ञात करना।

आगे बढ़ने से पूर्व हम अब कुछ पदों (जिनका प्रयोग ऊपर हो चुका है) को औपचारिक रूप से परिभाषित करेंगे जिनका कि प्रयोग हम रैखिक प्रोग्राम समस्याओं में करेंगे:

उद्देश्य फलन रैखिक फलन $Z = ax + by$, जबकि a, b अचर है जिनका अधिकतमीकरण या न्यूनतमीकरण होना है एक रैखिक उद्देश्य फलन कहलाता है।

उपरोक्त उदाहरण में $Z = 250x + 75y$ एक रैखिक उद्देश्य फलन है। चर x और y निर्णायक चर कहलाते हैं।

व्यवरोध एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के चरों पर रैखिक असमिकाओं या समीकरण या प्रतिबंध व्यवरोध कहलाते हैं। प्रतिबंध $x \geq 0, y \geq 0$ ऋणेतर व्यवरोध कहलाते हैं। उपरोक्त उदाहरण में (1) से (4) तक असमिकाओं का समुच्चय व्यवरोध कहलाते हैं।

इष्टतम सुसंगत समस्याएँ निश्चित व्यवरोधों के अधीन असमिकाओं के समुच्चय द्वारा निर्धारित समस्या जो चरों (यथा दो चर x और y) में रैखिक फलन को अधिकतम या न्यूनतम करे, इष्टतम सुसंगत समस्या कहलाती है। रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ एक विशिष्ट प्रकार की इष्टतम सुसंगत समस्या है। सुसंगत समस्या व्यापारी द्वारा मेज़ों तथा कुर्सियों की खरीद में प्रयुक्त एक इष्टतम सुसंगत समस्या तथा रैखिक प्रोग्रामन की समस्या का एक उदाहरण है।

अब हम विवेचना करेंगे कि एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या को किस प्रकार हल किया जाता है। इस अध्याय में हम केवल आलेखीय विधि से ही संबंधित रहेंगे।

12.2.2 *रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को हल करने की आलेखीय विधि (Graphical Method of Solving Linear Programming Problems)*

कक्षा XI, में हम सीख चुके है कि किस प्रकार दो चरों x और y से संबंधित रैखिक असमीकरण निकायों का आरेख खींचते हैं तथा आरेखीय विधि द्वारा हल ज्ञात करते हैं। अब हमें अनुच्छेद 12.2 में विवेचन की हुई मेज़ों और कुर्सियों में निवेश की समस्या का उल्लेख करेंगे। अब हम इस समस्या को आरेख द्वारा हल करेंगे। अब हमें रैखिक असमीकरणों के रूप प्रदत्त व्यवरोधों का आरेख खींचें:

$$5x + y \leq 100 \quad \ldots (1)$$
$$x + y \leq 60 \quad \ldots (2)$$
$$x \geq 0 \quad \ldots (3)$$
$$y \geq 0 \quad \ldots (4)$$

इस निकाय का आरेख (छायांकित क्षेत्र) में असमीकरणों (1) से (4) तक के द्वारा नियत सभी अर्धतलों के उभयनिष्ठ बिंदुओं से निर्मित हैं। इस क्षेत्र में प्रत्येक बिंदु व्यापारी (व्यवसायी) को मेज़ों और कुर्सियों में निवेश करने के लिए सुसंगत विकल्प प्रस्तुत करता है। इसलिए यह क्षेत्र समस्या का सुसंगत क्षेत्र कहलाता है (आकृति 12.1)। इस क्षेत्र का प्रत्येक बिंदु समस्या का सुसंगत हल कहलाता है।

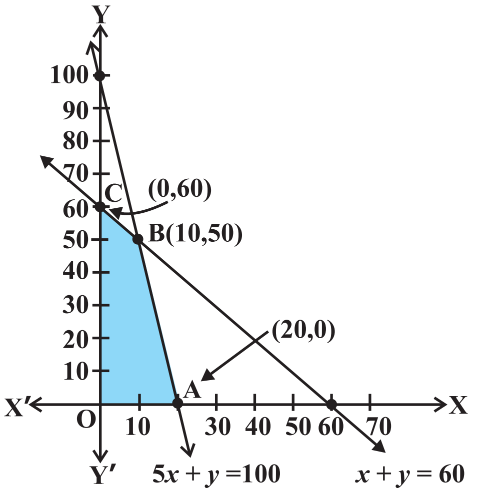

आकृति 12.1

अत: हम निम्न को परिभाषित करते हैं:

सुसंगत क्षेत्र प्रदत्त समस्या के लिए एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के ऋणेतर व्यवरोध $x, y \geq 0$ सहित सभी व्यवरोधों द्वारा नियत उभयनिष्ठ क्षेत्र सुसंगत क्षेत्र (या हल क्षेत्र) कहलाता है आकृति 12.1 में क्षेत्र OABC (छायांकित) समस्या के लिए सुसंगत क्षेत्र है। सुसंगत क्षेत्र के अतिरिक्त जो क्षेत्र है उसे असुसंगत क्षेत्र कहते हैं।

सुसंगत हल समूह सुसंगत क्षेत्र के अंत: भाग तथा सीमा के सभी बिंदु व्यवरोधों के सुसंगत हल कहलाते हैं। आकृति 12.1 में सुसंगत क्षेत्र OABC के अंत: भाग तथा सीमा के सभी बिंदु समस्या के सुसंगत हल प्रदर्शित कहते हैं। उदाहरण के लिए बिंदु (10, 50) समस्या का एक सुसंगत हल है और इसी प्रकार बिंदु (0, 60), (20, 0) इत्यादि भी हल हैं।

सुसंगत हल के बाहर का कोई भी बिंदु असुसंगत हल कहलाता हैं उदाहरण के लिए बिंदु (25, 40) समस्या का असुसंगत हल है।

इष्टतम/अनुकूलतम (सुसंगत) हल: सुसंगत क्षेत्र में कोई बिंदु जो उद्देश्य फलन का इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) दे, एक इष्टतम हल कहलाता है।

अब हम देखते हैं कि सुसंगत क्षेत्र OABC में प्रत्येक बिंदु (1) से (4) तक में प्रदत्त सभी व्यवरोधों को संतुष्ट करता है और ऐसे अनंत बिंदु हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि हम उद्देश्य फलन $Z = 250x + 75y$ के अधिकतम मान वाले बिंदु को किस प्रकार ज्ञात करने का प्रयास करें। इस स्थिति को हल करने के लिए हम निम्न प्रमेयों का उपयोग करेंगे जो कि रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को हल करने में मूल सिद्धांत (आधारभूत) है। इन प्रमेयों की उपपति इस पुस्तक के विषय-वस्तु से बाहर है।

प्रमेय 1 माना कि एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के लिए R सुसंगत क्षेत्र* (उत्तल बहुभुज) है और माना कि $Z = ax + by$ उद्देश्य फलन है। जब Z का एक इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) हो जहाँ व्यवरोधों से संबंधित चर x और y रैखिक असमीकरणों द्वारा व्यक्त हो तब यह इष्टतम मान सुसंगत क्षेत्र के कोने (शीर्ष) पर अवस्थित होने चाहिए।

प्रमेय 2 माना कि एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के लिए R सुसंगत क्षेत्र है तथा $Z = ax + by$ उद्देश्य फलन है। यदि R परिबद्ध क्षेत्र हो तब उद्देश्य फलन Z, R में दोनों अधिकतम और न्यूनतम मान रखता है और इनमें से प्रत्येक R के कोनीय (corner) बिंदु (शीर्ष) पर स्थित होता है।

टिप्पणी यदि R अपरिबद्ध है तब उद्देश्य फलन का अधिकतम या न्यूनतम मान का अस्तित्व नहीं भी हो सकता है। फिर भी यदि यह विद्यमान है तो R के कोनीय बिंदु पर होना चाहिए, (प्रमेय 1 के अनुसार)

उपरोक्त उदाहरण में परिबद्ध (सुसंगत) क्षेत्र के कोनीय बिंदु O, A, B और C हैं और बिंदुओं के निर्देशांक ज्ञात करना सरल है यथा (0, 0), (20, 0), (10, 50) और (0, 60) क्रमश: कोनीय बिंदु हैं। अब हमें इन बिंदुओं पर, Z का मान ज्ञात करना है।

वह इस प्रकार है:

सुसंगत क्षेत्र के शीर्ष	Z के संगत मान	
O (0,0)	0	
A (0,60)	4500	
B (10,50)	**6250** ⟵	अधिकतम
C (20,0)	5000	

हम निरीक्षण करते हैं कि व्यवसायी को निवेश योजना (10, 50) अर्थात् 10 मेज़ों और 50 कुर्सियों के खरीदने में अधिकतम लाभ होगा।

इस विधि में निम्न पदों का समाविष्ट हैं:

1. रैखिक प्रोग्रामन समस्या का सुसंगत क्षेत्र ज्ञात कीजिए और उसके कोनीय बिंदुओं (शीर्ष) को या तो निरीक्षण से अथवा दो रेखाओं के प्रतिच्छेद बिंदु को दो रेखाओं की समीकरणों को हल करके उस बिंदु को ज्ञात कीजिए।
2. उद्देश्य फलन $Z = ax + by$ का मान प्रत्येक कोनीय बिंदु पर ज्ञात कीजिए। माना कि M और m, क्रमशः इन बिंदुओं पर अधिकतम तथा न्यूनतम मान प्रदर्शित करते हैं।
3. (i) जब सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है, M और m, Z के अधिकतम और न्यूनतम मान हैं।

   (ii) ऐसी स्थिति में जब सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध हो तो हम निम्नलिखित विधि का उपयोग करते हैं।
4. (a) M को Z का अधिकतम मान लेते हैं यदि $ax + by > M$ द्वारा प्राप्त अर्ध-तल का कोई बिंदु सुसंगत क्षेत्र में न पड़े अन्यथा Z कोई अधिकतम मान नहीं है।

   (b) इसी प्रकार, m, को Z का न्यूनतम मान लेते हैं यदि $ax + by < m$ द्वारा प्राप्त खुले अर्धतल और सुसंगत क्षेत्र में कोई बिंदु उभयनिष्ठ नहीं है। अन्यथा Z का कोई न्यूनतम मान नहीं है।

हम अब कुछ उदाहरणों के द्वारा कोनीय विधि के पदों को स्पष्ट करेंगे:

उदाहरण 1 आलेख द्वारा निम्न रैखिक प्रोग्रामन समस्या को हल कीजिए:

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$x + y \le 50 \qquad \dots (1)$$

* सुसंगत क्षेत्र का कोनीय बिंदु क्षेत्र का ही कोई बिंदु होता है जो दो रेखाओं का प्रतिच्छेदन बिंदु है।

** एक रैखिक समीकरण निकाय का सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध कहा जाता है यदि यह एक वृत के अंतर्गत परिबद्ध किया जा सकता है अन्यथा इसे अपरिबद्ध कहते हैं। अपरिबद्ध से तात्पर्य है कि सुसंगत क्षेत्र किसी भी दिशा में असीमित रूप से बढ़ाया जा सकता है।

$$3x + y \le 90 \qquad \ldots (2)$$

$$x \ge 0, y \ge 0 \qquad \ldots (3)$$

$Z = 4x + y$ का अधिकतम मान ज्ञात कीजिए:

हल आकृति 12.2 में छायांकित क्षेत्र (1) से (3) के व्यवरोधों के निकाय के द्वारा निर्धारित सुसंगत क्षेत्र है। हम निरीक्षण करते है कि सुसंगत क्षेत्र OABC परिबद्ध है। इसलिए हम Z का अधिकतम मान ज्ञात करने के लिए कोनीय बिंदु विधि का उपयोग करेंगे।

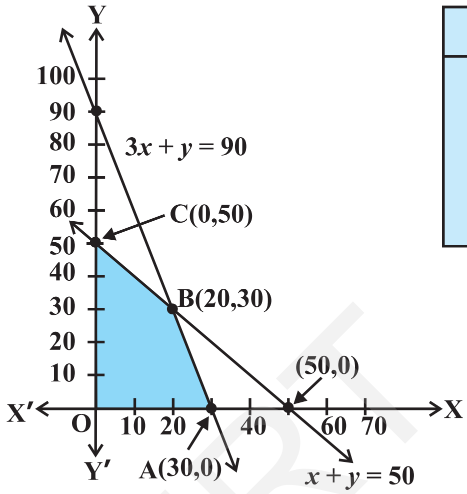

कोनीय बिंदु	Z के संगत मान	
(0, 0)	0	
(30, 0)	**120** ←	अधिकतम
(20, 30)	110	
(0, 50)	50	

आकृति 12. 2

कोनीय बिंदुओं O, A, B और C के निर्देशांक क्रमशः (0, 0), (30, 0), (20, 30) और (0, 50) हैं। अब प्रत्येक कोनीय बिंदु पर Z का मान ज्ञात करते हैं।

अतः बिंदु (30, 0) पर Z का अधिकतम मान 120 है।

उदाहरण 2 आलेखीय विधि द्वारा निम्न रैखिक प्रोग्रामन समस्या को हल कीजिए।

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$x + 2y \ge 10 \qquad \ldots (1)$$

$$3x + 4y \le 24 \qquad \ldots (2)$$

$$x \ge 0, y \ge 0 \qquad \ldots (3)$$

$Z = 200\,x + 500\,y$ का न्यूनतम मान ज्ञात कीजिए

हल आकृति 12.3 में छायांकित क्षेत्र, (1) से (3) के व्यवरोधों के निकाय द्वारा निर्धारित सुसंगत क्षेत्र ABC है जो परिबद्ध है। कोनीय बिंदुओं A, B और C के निर्देशांक क्रमशः (0, 5), (4, 3) और (0, 6) हैं। हम इन बिंदुओं पर $Z = 200x + 500y$ का मान ज्ञात करते हैं

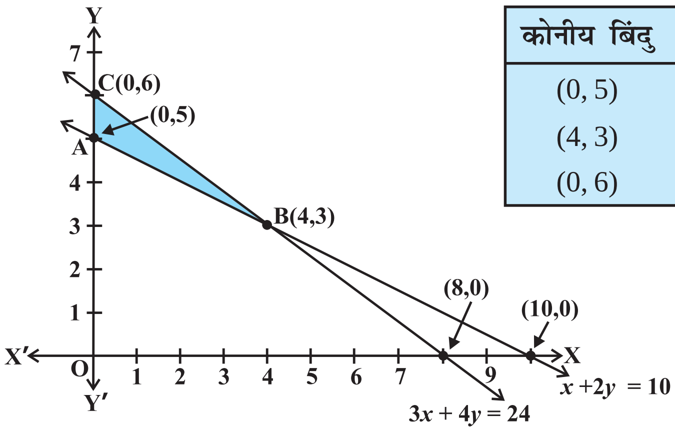

कोनीय बिंदु	Z के संगत मान
(0, 5)	2500
(4, 3)	**2300** ← न्यूनतम
(0, 6)	3000

आकृति 12.3

अत: बिंदु (4, 3) पर Z का न्यूनतम मान Rs 2300 प्राप्त होता है।

उदाहरण 3 आलेखीय विधि से निम्न समस्या को हल कीजिए:
निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$x + 3y \le 60 \quad \dots (1)$$
$$x + y \ge 10 \quad \dots (2)$$
$$x \le y \quad \dots (3)$$
$$x \ge 0,\ y \ge 0 \quad \dots (4)$$

$Z = 3x + 9y$ का न्यूनतम और अधिकतम मान ज्ञात कीजिए।

हल सबसे पहले हम (1) से (4) तक की रैखिक असमिकाओं के निकाय के सुसंगत क्षेत्र का आलेख खींचते हैं। सुसंगत क्षेत्र ABCD को आकृति 12.4 में दिखाया गया है। क्षेत्र परिबद्ध है। कोनीय

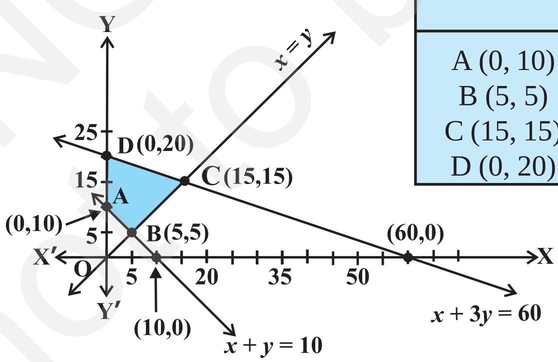

कोनीय बिंदु	Z के संगत मान $Z = 3x + 9y$
A (0, 10)	90
B (5, 5)	**60** ← न्यूनतम
C (15, 15)	**180** } ← अधिकतम (बहु इष्टतम हल)
D (0, 20)	**180**

आकृति 12.4

बिंदुओं A, B, C और D के निर्देशांक क्रमशः (0, 10), (5, 5), (15,15) और (0, 20) हैं। अब हम Z के न्यूनतम और अधिकतम मान ज्ञात करने के लिए कोनीय बिंदु विधि का उपयोग करते हैं।

सारणी से हम सुसंगत क्षेत्र बिंदु B (5, 5) पर Z का न्यूनतम मान 60 प्राप्त करते हैं।

Z का अधिकतम मान सुसंगत क्षेत्र के दो कोनीय बिंदुओं प्रत्येक C (15, 15) और D (0, 20) पर 120 प्राप्त होता है।

टिप्पणी निरीक्षण कीजिए कि उपरोक्त उदाहरण में, समस्या कोनीय बिंदुओं C और D, पर समान इष्टतम हल रखती है, अर्थात् दोनों बिंदु वही अधिकतम मान 180 उत्पन्न करते हैं। ऐसी स्थितियों में दो कोनीय बिंदुओं को मिलाने वाले रेखाखंड CD पर प्रत्येक बिंदु तथा C और D भी एक ही अधिकतम मान देते हैं। वही उस स्थिति में भी सत्य है यदि दो बिंदु वही न्यूनतम मान उत्पन्न करते हैं।

उदाहरण 4 आलेखीय विधि द्वारा उद्देश्य फलन $Z = -50x + 20y$ का न्यूनतम मान निम्नलिखित व्यवरोधों के अंतर्गत ज्ञात कीजिए:

$$2x - y \geq -5 \qquad \text{... (1)}$$

$$3x + y \geq 3 \qquad \text{... (2)}$$

$$2x - 3y \leq 12 \qquad \text{... (3)}$$

$$x \geq 0, y \geq 0 \qquad \text{... (4)}$$

हल सबसे पहले हम (1) से (4) तक के असमीकरण निकाय द्वारा सुसंगत क्षेत्र का आलेख खींचते है। आकृति 12.5 में सुसंगत क्षेत्र (छायांकित) दिखाया गया है। निरीक्षण कीजिए कि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है।

अब हम कोनीय बिंदुओं पर Z का मान भी ज्ञात करेंगे:

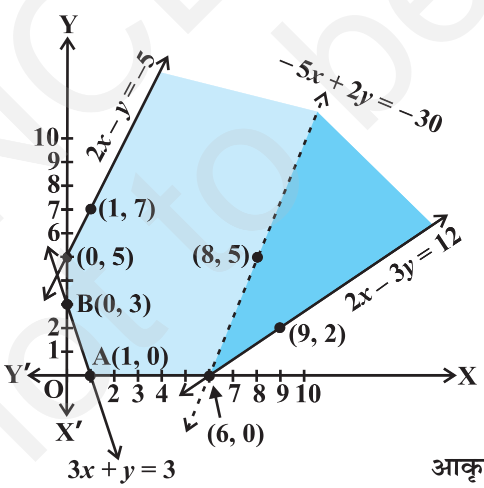

कोनीय बिंदु	$Z = -50x + 20y$
(0, 5)	100
(0, 3)	**60**
(1, 0)	**–50**
(6, 0)	**–300** ← सबसे कम

आकृति 12. 5

इस सारणी से हम ज्ञात करते हैं कि कोनीय बिंदु (6, 0) पर Z का सबसे कम मान –300 है। क्या हम कह सकते हैं कि Z का न्यूनतम मान –300 है? ध्यान दीजिए कि यदि क्षेत्र परिबद्ध होता तो यह Z का सबसे कम मान (प्रमेय 2 से) होता। लेकिन हम यहाँ देखते हैं कि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है। इसलिए –300, Z का न्यूनतम मान हो भी सकता है और नहीं भी। इस समस्या का निष्कर्ष ज्ञात करने के लिए हम निम्नलिखित असमीकरण का आलेख खींचते हैं:

$$-50x + 20y < -300$$

अर्थात्

$$-5x + 2y < -30$$

और जाँच कीजिए कि आलेख द्वारा प्राप्त खुले अर्धतल व सुसंगत क्षेत्र में उभयनिष्ठ बिंदु हैं या नहीं है। यदि इसमें उभयनिष्ठ बिंदु हैं, तब Z का न्यूनतम मान –300 नहीं होगा। अन्यथा, Z का न्यूनतम मान –300 होगा।

जैसा कि आकृति 12.5 में दिखाया गया है। इसलिए, $Z = -50x + 20y$, का प्रदत्त व्यवरोधों के परिप्रेक्ष्य में न्यूनतम मान नहीं है।

उपरोक्त उदाहरण मे क्या आप जाँच कर सकते हैं कि $Z = -50x + 20y$, (0, 5) पर अधिकतम मान 100 रखता है? इसके लिए, जाँच कीजिए कि क्या $-50x + 20y > 100$ का आरेख सुसंगत क्षेत्र के साथ उभयनिष्ठ बिंदु रखता है।

उदाहरण 5 निम्नलिखित व्यवरोधों के अंतर्गत, $Z = 3x + 2y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए:

$$x + y \geq 8 \quad \ldots (1)$$

$$3x + 5y \leq 15 \quad \ldots (2)$$

$$x \geq 0,\ y \geq 0 \quad \ldots (3)$$

हल असमिकाओं (1) से (3) का आलेख खींचिए (आकृति 12.6)। क्या कोई सुसंगत क्षेत्र है? यह ऐसा क्यों है?

आकृति 12.6 से आप ज्ञात कर सकते है कि ऐसा कोई बिंदु नहीं है जो सभी व्यवरोधों को एक साथ संतुष्ट कर सके। अतः, समस्या का सुसंगत हल नहीं है।

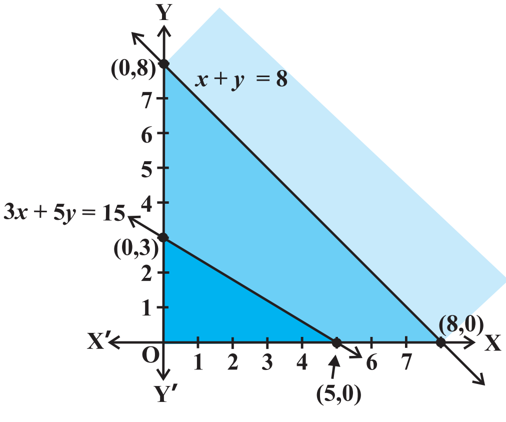

आकृति 12.6

टिप्पणी उदाहरणों से जिनका विवेचन हम अब तक कर चुके हैं जिसके आधार पर हम कुछ रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख करते हैं।

(1) सुसंगत क्षेत्र सदैव उत्तल बहुभुज होता है।

(2) उद्देश्य फलन का अधिकतम (या न्यूनतम) हल सुसंगत क्षेत्र के शीर्ष पर

(कोने पर) स्थित होता है। यदि उद्देश्य फलन के दो कोनीय बिंदु (शीर्ष) एक ही अधिकतम (या न्यूनतम) मान प्रदान करते हैं तो इन बिंदुओं के मिलाने वाली रेखाखंड का प्रत्येक बिंदु भी समान अधिकतम (या न्यूनतम) मान देगा।

प्रश्नावली 12.1

ग्राफ़ीय विधि से निम्न रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को हल कीजिए:

1. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = 3x + 4y$ का अधिकतमीकरण कीजिए:
   $x + y \leq 4,\ x \geq 0,\ y \geq 0$
2. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = -3x + 4y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए:
   $x + 2y \leq 8,\ 3x + 2y \leq 12,\ x \geq 0,\ y \geq 0$
3. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = 5x + 3y$ का अधिकतमीकरण कीजिए:
   $3x + 5y \leq 15,\ 5x + 2y \leq 10,\ x \geq 0,\ y \geq 0$
4. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = 3x + 5y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए;
   $x + 3y \geq 3,\ x + y \geq 2,\ x, y \geq 0$
5. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = 3x + 2y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए:
   $x + 2y \leq 10,\ 3x + y \leq 15,\ x, y \geq 0$
6. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = x + 2y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए:
   $2x + y \geq 3,\ x + 2y \geq 6,\ x, y \geq 0$

दिखाइए कि Z का न्यूनतम मान दो बिंदुओं से अधिक बिंदुओं पर घटित होता है।

7. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = 5x + 10y$ का न्यूनतमीकरण तथा अधिकतमीकरण कीजिए:
   $x + 2y \leq 120,\ x + y \geq 60,\ x - 2y \geq 0,\ x, y \geq 0$
8. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = x + 2y$ का न्यूनतमीकरण तथा अधिकतमीकरण कीजिए:
   $x + 2y \geq 100,\ 2x - y \leq 0,\ 2x + y \leq 200;\ x, y \geq 0$
9. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = -x + 2y$ का अधिकतमीकरण कीजिए:
   $x \geq 3,\ x + y \geq 5,\ x + 2y \geq 6,\ y \geq 0$
10. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = x + y$ का अधिकतमीकरण कीजिए:
    $x - y \leq -1,\ -x + y \leq 0,\ x, y \geq 0$

12.3 रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं के भिन्न प्रकार (Different Types of Linear Programming Problems)

कुछ महत्त्वपूर्ण रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ नीचे सूचीबद्ध हैं:

1. **उत्पादन संबंधी समस्याएँ** इस प्रकार की समस्याओं में हम ज्ञात करते हैं कि विभिन्न उत्पादनों के कितने नग बनाने में एक निश्चित जनशक्ति, मशीन के घंटे, प्रत्येक नग के निर्माण में व्यय, श्रम के घंटे, माल भंडारण गोदाम में प्रत्येक उत्पादन को रखने के लिए स्थान आदि को दृष्टि में रखते हुए अधिकतम लाभ कमाया जा सके।

2. **आहार संबंधी समस्याएँ** इस प्रकार की समस्याओं में हम ज्ञात करते हैं कि विभिन्न प्रकार के घटक/पोषक तत्व आहार में कितनी मात्रा में प्रयोग किए जाएँ जिससे उसमें सभी पोषक तत्वों की न्यूनतम आवश्यक मात्रा कम से कम लागत पर प्राप्त हो।

3. **परिवहन संबंधी समस्याएँ** इस प्रकार की समस्याओं में हम परिवहन प्रणाली को तय करते हैं जिससे संयंत्रों / कारखाने से विभिन्न स्थानों पर स्थित विभिन्न बाजारों में उत्पादनों को भेजने में परिवहन व्यय न्यूनतम हो।

अब हमें इस प्रकार की कुछ रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को हल करना चाहिए

उदाहरण 6 (आहार संबंधी समस्या): एक आहार विज्ञानी दो प्रकार के भोज्यों को इस प्रकार मिलाना चाहता है कि मिश्रण में विटामिन A का घटक कम से कम 8 मात्रक और विटामिन C का घटक कम से कम 10 मात्रक हो। भोज्य I में 2 मात्रक विटामिन A प्रति kg और 1 मात्रक विटामिन C प्रति kg है। जबकि भोज्य II में 1 मात्रक विटामिन A प्रति kg और 2 मात्रक विटामिन C प्रति kg है। दिया है कि प्रति kg भोज्य I को खरीदने में Rs 50 और प्रति kg भोज्य II को खरीदने में Rs 70 लगते हैं। इस प्रकार के भोज्य मिश्रण का न्यूनतम मूल्य ज्ञात कीजिए।

हल माना कि मिश्रण में भोज्य I का x kg और भोज्य II का y kg है। स्पष्टत: $x \geq 0$ $y \geq 0$. हम प्रदत्त आँकड़ों से निम्न सारणी बनाते हैं।

स्रोत	भोज्य पदार्थ I (x)	भोज्य पदार्थ II (y)	आवश्यकता (मात्रकों में)
विटामिन A (मात्रक/kg)	2	1	8
विटामिन C (मात्रक/kg)	1	2	10
लागत (Rs/kg)	50	70	

चूँकि मिश्रण में विटामिन A की कम से कम 8 मात्रक और विटामिन C के 10 मात्रक होने चाहिए, अत: निम्नलिखित व्यवरोध प्राप्त होते हैं

$$2x + y \geq 8$$
$$x + 2y \geq 10$$

भोज्य I के x kg और भोज्य II के y kg खरीदने का कुल मूल्य Z है जहाँ

$$Z = 50x + 70y$$

अत: समस्या का गणितीय सूत्रीकरण निम्नलिखित है:

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$2x + y \geq 8 \quad \ldots (1)$$

$$x + 2y \geq 10 \quad \ldots (2)$$
$$x, y \geq 0 \quad \ldots (3)$$

$Z = 50x + 70y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए

असमीकरणों (1) से (3) तक के आलेखों द्वारा निर्धारित सुसंगत क्षेत्र को आकृति 12.7 में दिखाया गया है।

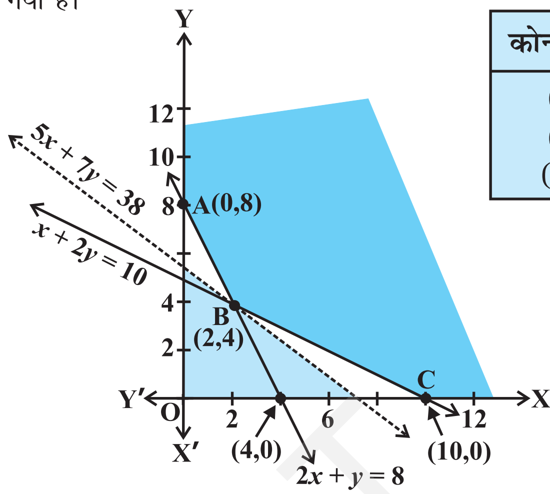

कोनीय बिंदु	Z = 50x + 70y	
(0,8)	560	
(2,4)	**380** ⟵	न्यूनतम
(10,0)	500	

आकृति 12.7

यहाँ हम देखते हैं कि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है।

हमें कोनीय बिंदुओं A(0,8), B(2,4) और C(10,0) पर Z का मान ज्ञात करना है।

सारणी में, बिंदु (2, 4) पर Z का सबसे कम मान 380 है, क्या हम कह सकते हैं कि Z का न्यूनतम मान 380 है (क्यों?) याद कीजिए कि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है। इसलिए हमें निम्नलिखित असमीकरण का आलेख खींचना पड़ेगा।

$$50x + 70y < 380$$

अर्थात्
$$5x + 7y < 38$$

जाँच करने के लिए कि क्या असमीकरण द्वारा निर्धारित परिणामी खुला अर्धतल, सुसंगत क्षेत्र के साथ कोई उभयनिष्ठ बिंदु रखता है। आकृति 12.7 में हम देखते हैं कि यहाँ कोई उभयनिष्ठ बिंदु नहीं है।

अत:, बिंदु (2, 4) पर Z का प्राप्त न्यूनतम मान 380 है। इसलिए आहार विज्ञानी की इष्टतम मिश्रण योजना भोज्य 'I' की 2 kg और भोज्य 'II' के 4 kg के मिश्रण बनाने की हो सकती है और इस योजना के अंतर्गत मिश्रण का न्यूनतम मूल्य Rs 380 होगा।

उदाहरण 7 (आबंटन समस्या) किसानों की एक सहकारी समिति के पास दो फ़सलों X और Y को उगाने के लिए 50 हेक्टेयर भूमि है। फसलों X और Y से प्रति हेक्टेयर लाभ का क्रमश: Rs 10,500

और Rs 9,000 का अनुमान लगाया गया है। फसलों X और Y के लिए अपतृण नियंत्रण के लिए शाक-नाशी द्रव का क्रमशः 20 लिटर तथा 10 लिटर प्रति हेक्टेयर प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रयुक्त भूमि से जुड़ी नालियों से संबद्ध तालाब पर निर्भर जीवधारियों एवं मछलियों की जीवन-सुरक्षा हेतु शाकनाशी की मात्रा 800 लिटर से अधिक न हो। प्रत्येक फ़सल के लिए कितनी भूमि का आबंटन होना चाहिए ताकि समिति के सकल लाभ का अधिकतमीकरण किया जा सके?

हल माना कि X फसल के लिए x हेक्टेयर भूमि तथा Y फसल के y हेक्टेयर भूमि का आबंटन होता है। स्पष्टतः $x \geq 0, y \geq 0$

X फसल पर प्रति हेक्टेयर लाभ = Rs 10500

Y फसल पर प्रति हेक्टेयर लाभ = Rs 9000

इसलिए कुल लाभ = Rs $(10500x + 9000y)$

समस्या का गणितीय सूत्रीकरण निम्न है:

निम्न अवरोधों के अंतर्गत

$x + y \leq 50$ (भूमि संबंधी व्यवरोध) ... (1)

$20x + 10y \leq 800$ (शाकनाशी का उपयोग संबंधी व्यवरोध)

अर्थात् $2x + y \leq 80$ ... (2)

$x \geq 0, y \geq 0$ ... (3)

$Z = 10500\,x + 9000\,y$ का अधिकतमीकरण कीजिए

अब हम (1) से (3) तक असमीकरण निकाय का आलेख खीचते हैं। आकृति 12.8 में सुसंगत क्षेत्र OABC को छायांकित दिखाया गया है। निरीक्षण कीजिए कि सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है।

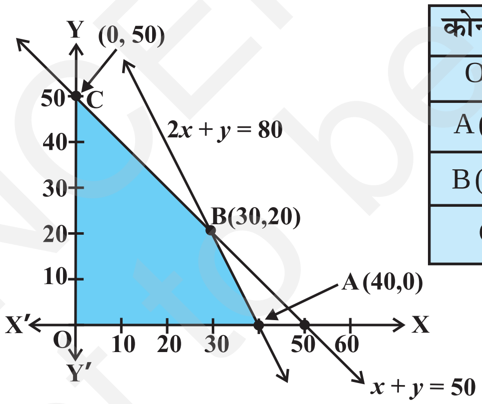

कोनीय बिंदु	$Z = 10500x + 9000y$	
O (0, 0)	0	
A (40, 0)	420000	
B (30, 20)	**495000** ←	अधिकतम
C (0,50)	450000	

आकृति 12.8

कोनीय बिंदुओं के निर्देशांक क्रमशः (0, 0), (40, 0), (30, 20) और (0, 50) हैं। उद्देश्य फलन $Z = 10500\,x + 9000y$ का मान इन शीर्षों पर निकालना चाहिए ताकि उस शीर्ष को ज्ञात किया जा सके जिस पर अधिकतम लाभ होता है।

अतः समिति को X फसल के लिए 30 हेक्टयर और Y फसल के 20 हेक्टयर का आबंटन होगा ताकि अधिकतम लाभ Rs 4,95,000 का हो सके।

उदाहरण 8 उत्पादन संबंधी समस्या (Manufacturing Problem) एक निर्माणकर्ता कंपनी एक उत्पाद के दो नमूने (प्रतिमान) A और B बनाती है। नमूना A के प्रत्येक नग बनाने के लिए 9 श्रम घंटे और 1 घंटा पॉलिश करने के लिए लगता है जबकि नमूना B के प्रत्येक नग के बनाने में 12 श्रम घंटे तथा पॉलिश करने में 3 श्रम घटों की आवश्यकता होती है। बनाने तथा पॉलिश करने के लिए उपलब्ध अधिकतम श्रम घंटे क्रमशः 180 तथा 30 हैं। कंपनी नमूना A के प्रत्येक नग पर Rs 8000 तथा नमूना B के प्रत्येक नग पर Rs12000 का लाभ कमाती है। नमूना A और नमूना B के कितने नगों का अधिकतम लाभ कमाने के लिए प्रति सप्ताह निर्माण करना चाहिए? प्रति सप्ताह अधिकतम लाभ क्या है?

हल मान लीजिए कि नमूना A के नगों की संख्या x है तथा नमूना B के नगों की संख्या y है।

इसलिए कुल लाभ = (Rs $8000\,x + 12000\,y$)

अतः $Z = 8000\,x + 12000\,y$

अब हमारे पास प्रदत्त समस्या का गणितीय सूत्रीकरण निम्नलिखित है:

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$9x + 12y \le 180$$

अर्थात् $3x + 4y \le 60$ (गढ़ने का व्यवरोध) ... (1)

$x + 3y \le 30$ (पॉलिश का व्यवरोध) ... (2)

$x \ge 0, y \ge 0$ (ऋणेतर व्यवरोध) ... (3)

$Z = 8000\,x + 12000\,y$ का अधिकतमीकरण कीजिए।

रैखिक असमीकरण (1) से (3) द्वारा निर्धारित सुसंगत क्षेत्र OABC (छायांकित) आकृति 12.9 में दिखाया गया है। ध्यान दीजिए कि सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है।

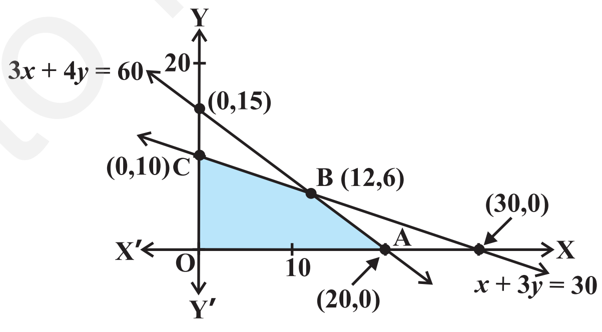

आकृति 12.9

प्रत्येक कोनीय बिंदु पर उद्देश्य फलन Z का मान की गणना की गई है जैसा कि निम्न सारणी में दिखाया गया है:

कोनीय बिंदु	**Z = 8000 x + 12000 y**	
0 (0, 0)	0	
A (20, 0)	160000	
B (12, 6)	**168000** ←	अधिकतम
C (0, 10)	120000	

हम शीर्ष B (12, 6) पर Z का अधिकतम मान Rs 1,68,000 पाते हैं। अत: कंपनी को नमूना A के 12 नग तथा नमूना B के 6 नगों के उत्पादन पर अधिकतम लाभ कमाने के लिए करना चाहिए और अधिकतम लाभ Rs 1,68,000 होगा।

प्रश्नावली 12.2

1. रेशमा दो प्रकार के भोज्य P और Q को इस प्रकार मिलाना चाहती है कि मिश्रण में विटामिन अवयवों में 8 मात्रक विटामिन A तथा 11 मात्रक विटामिन B हों। भोज्य P की लागत Rs 60/kg और भोज्य Q की लागत Rs 80/kg है। भोज्य P में 3 मात्रक/kg विटामिन A और 5 मात्रक/kg विटामिन B है जबकि भोज्य Q में 4 मात्रक/kg विटामिन A और 2 मात्रक/kg विटामिन है। मिश्रण की न्यूनतम लागत ज्ञात कीजिए।

2. एक प्रकार के केक को 200 g आटा तथा 25 g वसा (fat)की आवश्यकता होती है तथा दूसरी प्रकार के केक के लिए 100 g आटा तथा 50 g वसा की आवश्यकता होती है। केकों की अधिकतम संख्या बताओ जो 5 किलो आटे तथा 1 किलो वसा से बन सकते हैं, यह मान लिया गया है कि केकों को बनाने के लिए अन्य पदार्थों की कमी नहीं रहेगी।

3. एक कारखाने में टेनिस के रैकेट तथा क्रिकेट के बल्ले बनते हैं। एक टेनिस रैकेट बनाने के लिए 1.5 घंटा यांत्रिक समय तथा 3 घंटे शिल्पकार का समय लगता है। एक क्रिकेट बल्ले को तैयार करने में 3 घंटे यांत्रिक समय तथा 1 घंटा शिल्पकार का समय लगता है। एक दिन में कारखाने में विभिन्न यंत्रों पर उपलब्ध यांत्रिक समय के 42 घंटे और शिल्पकार समय के 24 घंटे से अधिक नहीं हैं।

(i) रैकेटों और बल्लों को कितनी संख्या में बनाया जाए ताकि कारखाना पूरी क्षमता से कार्य करे?

(ii) यदि रैकेट और बल्ले पर लाभ क्रमश: Rs 20 तथा Rs 10 हों तो कारखाने का अधिकतम लाभ ज्ञात कीजिए यदि कारखाना पूरी क्षमता से कार्य करे।

4. एक निर्माणकर्ता नट और बोल्ट का निर्माण करता है। एक पैकेट नटों के निर्माण में मशीन A पर एक घंटा और मशीन B पर 3 घंटे काम करना पड़ता है, जबकि एक पैकेट बोल्ट के निर्माण

में 3 घंटे मशीन A पर और 1 घंटा मशीन B पर काम करना पड़ता है। वह नटों से Rs 17.50 प्रति पैकेट और बोल्टों पर Rs 7.00 प्रति पैकेट लाभ कमाता है। यदि प्रतिदिन मशीनों का अधिकतम उपयोग 12 घंटे किया जाए तो प्रत्येक (नट और बोल्ट) के कितने पैकेट उत्पादित किए जाएँ ताकि अधिकतम लाभ कमाया जा सके।

5. एक कारखाने में दो प्रकार के पेंच A और B बनते हैं। प्रत्येक के निर्माण में दो मशीनों के प्रयोग की आवश्यकता होती है, जिसमें एक स्वचालित और दूसरी हस्तचालित है। एक पैकेट पेंच A के निर्माण में 4 मिनट स्वचालित और 6 मिनट हस्तचालित मशीन, तथा एक पैकेट पेंच B के निर्माण में 6 मिनट स्वचालित और 3 मिनट हस्तचालित मशीन का कार्य होता है। प्रत्येक मशीन किसी भी दिन के लिए अधिकतम 4 घंटे काम के लिए उपलब्ध है। निर्माता पेंच A के प्रत्येक पैकेट पर Rs 7 और पेंच B के प्रत्येक पैकेट पर Rs 10 का लाभ कमाता है। यह मानते हुए कि कारखाने में निर्मित सभी पेंचों के पैकेट बिक जाते हैं, ज्ञात कीजिए कि प्रतिदिन कितने पैकेट विभिन्न पेंचों के बनाए जाएँ जिससे लाभ अधिकतम हो तथा अधिकतम लाभ ज्ञात कीजिए।

6. एक कुटीर उद्योग निर्माता पैडेस्टल लैंप और लकड़ी के शेड बनाता है। प्रत्येक के निर्माण में एक रगड़ने / काटने और एक स्प्रेयर की आवश्यकता पड़ती है। एक लैंप के निर्माण में 2 घंटे रगड़ने/काटने और 3 घंटे स्प्रेयर की आवश्यकता होती है, जबकि एक शेड के निर्माण में 1 घंटा रगड़ने/काटने और 2 घंटे स्प्रेयर की आवश्यकता होती है। स्प्रेयर की मशीन प्रतिदिन अधिकतम 20 घंटे और रगड़ने/काटने की मशीन प्रतिदिन अधिकतम 12 घंटे के लिए उपलब्ध है। एक लैंप की बिक्री पर Rs 5 और एक शेड की बिक्री पर Rs 3 का लाभ होता है। यह मानते हुए कि सभी निर्मित लैंप और शेड बिक जाते है, तो बताइए वह निर्माण की प्रतिदिन कैसी योजना बनाए कि लाभ अधिकतम हो?

7. एक कंपनी प्लाईवुड के अनूठे स्मृति चिह्न का निर्माण करती है। A प्रकार के प्रति स्मृति चिह्न के निर्माण में 5 मिनट काटने और 10 मिनट जोड़ने में लगते हैं। B प्रकार के प्रति स्मृति चिह्न के लिए 8 मिनट काटने और 8 मिनट जोड़ने में लगते हैं। दिया गया है कि काटने के लिए कुल समय 3 घंटे 20 मिनट तथा जोड़ने के लिए 4 घंटे उपलब्ध हैं। प्रत्येक A प्रकार के स्मृति चिह्न पर Rs 5 और प्रत्येक B प्रकार के स्मृति चिह्न पर Rs 6 का लाभ होना है। ज्ञात कीजिए कि लाभ के अधिकतमीकरण के लिए प्रत्येक प्रकार के कितने-कितने स्मृति चिह्नों का कंपनी द्वारा निर्माण होना चाहिए?

8. एक सौदागर दो प्रकार के निजी कंप्यूटर-एक डेस्कटॉप नमूना और दूसरा पोर्टेबल नमूना, जिनकी कीमतें क्रमश: Rs 25,000 और Rs 40,000 होगी, बेचने की योजना बनाता है। वह अनुमान

लगाता है कि कंप्यूटरों की कुल मासिक माँग 250 नगों से अधिक नहीं होगी। प्रत्येक प्रकार के कंप्यूटरों के नगों की संख्या ज्ञात कीजिए जिसे सौदागार अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए संग्रह करें यदि उसके पास निवेश के लिए Rs 70 लाख से अधिक नहीं है और यदि डेस्कटॉप नमूने पर उसका लाभ Rs 4500 और पोर्टेबल नमूने पर Rs 5000 लाभ हो।

9. एक भोज्य पदार्थ में कम से कम 80 मात्रक विटामिन A और 100 मात्रक खनिज होना चाहिए। दो प्रकार के भोज्य F_1 और F_2 उपलब्ध हैं। भोज्य F_1 की लागत Rs 4 प्रति मात्रक और F_2 की लागत Rs 5 प्रति मात्रक है। भोज्य F_1 की एक इकाई में कम से कम 3 मात्रक विटामिन A और 4 मात्रक खनिज है। F_2 की प्रति इकाई में कम से कम 6 मात्रक विटामिन A और 3 मात्रक खनिज हैं। इसको एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के रूप में सूत्रबद्ध कीजिए। उस आहार का न्यूनतम मूल्य ज्ञात कीजिए, जिसमें इन दो भोज्यों का मिश्रण है और उसमें न्यूनतम पोषक तत्व हैं।

10. दो प्रकार के उर्वरक F_1 और F_2 है। F_1 में 10% नाइट्रोजन और 6% फास्फोरिक अम्ल है। तथा F_2 में 5% नाइट्रोजन तथा 10% फास्फोरिक अम्ल है। मिट्टी की स्थितिओं का परीक्षण करने के पश्चात् एक किसान पाता है कि उसे अपनी फसल के लिए 14 kg नाइट्रोजन और 14 kg फास्फोरिक अम्ल की आवश्यकता है। यदि F_1 की कीमत Rs 6/kg और F_2 की कीमत Rs 5/kg है, प्रत्येक प्रकार का कितना उर्वरक उपयोग के लिए चाहिए ताकि न्यूनतम मूल्य पर वांछित पोषक तत्व मिल सके। न्यूनतम लागत क्या है।

11. निम्नलिखित असमीकरण निकायः $2x + y \le 10$, $x + 3y \le 15$, $x, y \ge 0$ से निर्धारित सुसंगत क्षेत्र के कोनीय बिंदुः (0, 0), (5,0), (3, 4) और (0, 5) है। मानाकि $Z = px + qy$, जहाँ $p, q > 0$, p तथा q के लिए निम्नलिखित में कौन प्रतिबंध उचित है ताकि Z का अधिकतम (3, 4) और (0, 5) दोनों पर घटित होता है

(A) $p = q$ (B) $p = 2q$ (C) $p = 3q$ (D) $q = 3p$

विविध उदाहरण

उदाहरण 9 (आहार समस्या) एक आहारविद् दो भोज्यों P और Q का उपयोग करते हुए एक विशेष आहार तैयार करता है। भोज्य P का प्रत्येक पैकेट (जिसमें 30 ग्राम अंतर्विष्ट है) में कैल्शियम के 12 मात्रक लौह तत्व के 4 मात्रक, कोलेस्ट्रोल के 6 मात्रक और विटामिन A के 6 मात्रक अंतर्विष्ट हैं जबकि उसी मात्र के भोज्य Q के पैकेट में कैल्शियम तत्व के 3 मात्रक, लौह तत्व के 20 मात्रक, कोलेस्ट्रोल के 4 मात्रक और विटामिन A के 3 मात्रक अंतर्विष्ट है। आहार में कम से कम 240 मात्रक कैल्शियम, लौह तत्व के कम से कम 460 मात्रक, और कोलेस्ट्रोल के अधिक से अधिक 300 मात्रक अपेक्षित हैं। प्रत्येक भोज्य के कितने पैकेटों का उपयोग किया जाए ताकि आहार में विटामिन A की मात्रा का न्यूनतम किया जा सके।

हल माना कि भोज्यों P और Q के पैकेटों की संख्या क्रमशः x और y है। स्पष्टतः $x \geq 0, y \geq 0$. प्रदत्त समस्या का गणितीय सूत्रीकरण निम्न है

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$12x + 3y \geq 240$ (कैल्शियम का व्यवरोध) अर्थात् $4x + y \geq 80$ ... (1)

$4x + 20y \geq 460$ (लौह तत्व का व्यवरोध) अर्थात् $x + 5y \geq 115$ ... (2)

$6x + 4y \leq 300$ (कोलेस्ट्रोल का व्यवरोध) अर्थात् $3x + 2y \leq 150$ ... (3)

$x \geq 0, y \geq 0$ $x \geq 0, y \geq 0$ ... (4)

$Z = 6x + 3y$ (विटामिन A) का न्यूनतमीकरण कीजिए।

असमीकरणों (1) से (4) तक का आलेखन व्यवरोधों (1) से (4) तक के अंतर्गत आकृति 12.10 में दर्शाया गया है। उसमें सुनिश्चित सुंसगत क्षेत्र (छायांकित) पर ध्यान दीजिए जो परिबद्ध है।

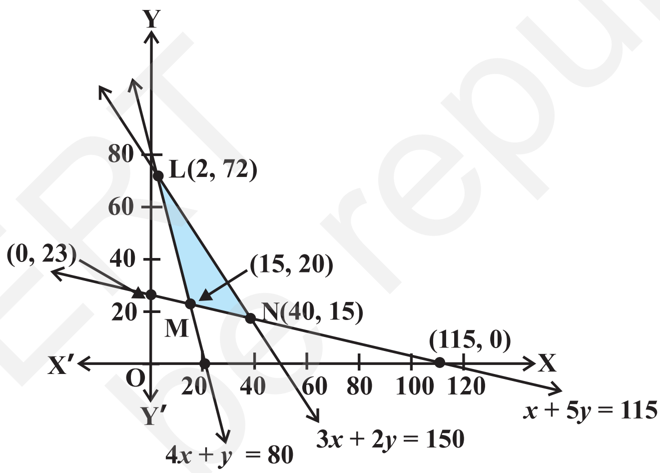

आकृति 12. 10

कोनीय बिंदुओं L, M और N के निर्देशांक क्रमशः (2, 72), (15, 20) और (40, 15) हैं। इन बिंदुओं पर Z का मान निम्नलिखित सारणी में दिया गया है।

कोनीय बिंदु (शीर्ष)	$Z = 6x + 3y$	
(2, 72)	228	
(15, 20)	**150** ←	न्यूनतम
(40, 15)	285	

सारणी से, हम Z का मान बिंदु (15, 20) पर न्यूनतम पाते हैं। अतः समस्या में प्रदत्त व्यवरोधों के आधीन विटामिन A का मान न्यूनतम तब होगा जबकि भोज्य P के 15 पैकेट और भोज्य Q के 20 पैकेट का उपयोग विशेष आहार के प्रबंध में किया जाय। विटामिन A का न्यूनतम मान 150 मात्र का होगा।

उदाहरण 10 **उत्पादन संबंधी समस्या (Manufacturing problem)** एक उत्पादन के कारखाने में तीन मशीनें I, II और III लगी हैं। मशीनें I और II अधिकतम 12 घंटे तक चलाए जाने की क्षमता रखती है। जबकि मशीन III प्रतिदिन कम से कम 5 घंटे चलना चाहिए। निर्माणकर्ता केवल दो प्रकार के सामान M और N का उत्पादन करता है, जिनमें प्रत्येक के उत्पादन में तीनों मशीनों की आवश्यकता होती है। M और N के प्रत्येक उत्पाद के एक नग उत्पादन में तीनों मशीनों के संगत लगे समय (घंटों में) निम्न लिखित सारणी में दिए हैं।

उत्पाद	मशीन पर लगा समय (घंटों में)		
	I	II	III
M	1	2	1
N	2	1	1.25

वह उत्पाद M पर Rs 600 प्रति नग और उत्पाद N पर Rs 400 प्रति नग की दर से लाभ कमाती है। मानते हुए कि उसके सभी उत्पाद बिक जाते हैं, जिनका उत्पादन किया गया है, तब ज्ञात कीजिए कि प्रत्येक उत्पाद के कितने नगों का उत्पादन किया जाए, जिससे लाभ का अधिकतमीकरण हो? अधिकतम लाभ क्या होगा?

हल माना कि उत्पाद M और N के नगों की संख्या क्रमशः x और y है।

उत्पादन पर कुल लाभ = Rs $(600\,x + 400\,y)$

प्रदत्त समस्या का गणितीय सूत्रबद्ध रूप निम्नलिखित है:

Z = $600\,x + 400\,y$ का अधिकतमीकरण कीजिए

जहाँ व्यवरोध निम्नलिखित हैं।

$x + 2y \le 12$ (मशीन I पर व्यवरोध) ... (1)

$2x + y \le 12$ (मशीन II पर व्यवरोध) ... (2)

$x + \frac{5}{4}\,y \ge 5$ (मशीन III पर व्यवरोध) ... (3)

$x \ge 0,\ y \ge 0$ ... (4)

हम व्यवरोधों (1) से (4) का आलेखन करते हैं। आकृति 12.11 में दिखाया गया सुसंगत क्षेत्र ABCDE (छायांकित) है जिसको व्यवरोधों (1) से (4) तक द्वारा निर्धारित किया गया है। अवलोकन कीजिए कि सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है, कोनीय बिंदुओं A, B, C, D और E के निर्देशांक क्रमशः (5, 0) (6, 0), (4, 4), (0, 6) और (0, 4) हैं।

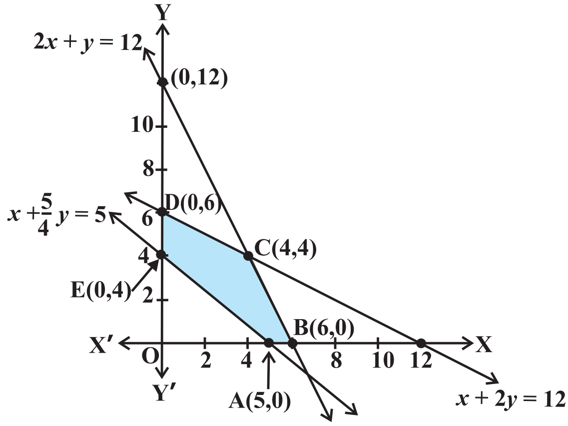

आकृति 12.11

इन कोनीय बिंदुओं (शीर्षों) पर $Z = 600x + 400y$ का मान निम्नलिखित सारणी में दिया गया है।

कोनीय बिंदु	$Z = 600x + 400y$ का मान	
(5, 0)	3000	
(6, 0)	3600	
(4, 4)	**4000** ←	अधिकतम
(0, 6)	2400	
(0, 4)	1600	

हम देखते हैं कि बिंदु (4, 4) Z का अधिकतम मान है। अत: उत्पादक को अधिकतम Rs 4000 लाभ कमाने के लिए प्रत्येक उत्पाद के 4 नगों का उत्पादन करना चाहिए।

उदाहरण 11 परिवहन संबंधी समस्या (Transportation Problem) P और Q दो स्थानों पर दो कारखाने स्थापित हैं। इन स्थानों से सामान A, B और C पर स्थित तीन डिपो में भेजे जाते हैं। इन डिपो की साप्ताहिक आवश्यकता क्रमश: 5, 5 और 4 सामान की नग हैं, जब कि P और Q की स्थापित कारखानों की उत्पादन क्षमता 8 और 6 नग हैं।

प्रति नग परिवहन व्यय निम्न सारणीबद्ध है:

से/को	मूल्य (Rs में)		
	A	B	C
P	160	100	150
Q	100	120	100

प्रत्येक कारखाने से कितने नग सामान प्रत्येक डिपो को भेजा जाए जिससे परिवहन व्यय न्यूनतम हो? न्यूनतम परिवहन व्यय क्या होगा।

हल आकृति 12.12 द्वारा इस समस्या को निम्नलिखित रूप में व्यक्त किया जा सकता है।

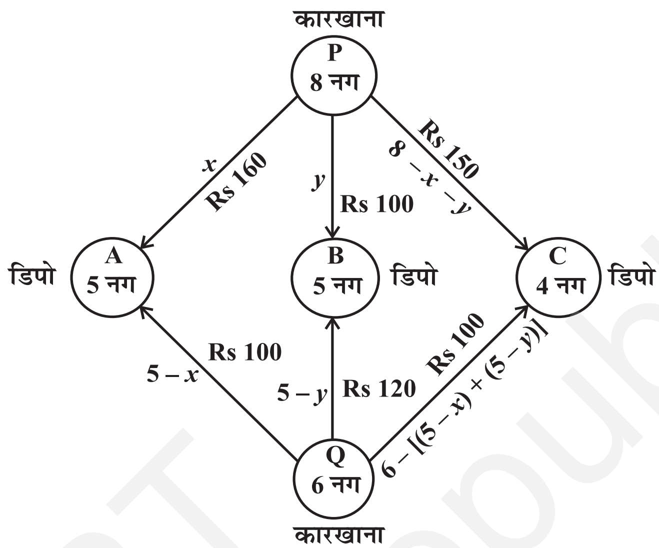

आकृति 12.12

माना कि माल के x नगों और y नगों को कारखाना P से क्रमशः A और B डिपो को भेजा गया। तब $(8 - x - y)$ नगों को C डिपो तक भेजा जाएगा (क्यों?)

अतः $\qquad x \geq 0, y \geq 0 \quad$ और $\quad 8 - x - y \geq 0$

अर्थात् $\qquad x \geq 0, y \geq 0 \quad$ और $\quad x + y \leq 8$

अब डिपो A पर सामान की साप्ताहिक आवश्यकता 5 नग है। क्योंकि P कारखाने से x नग डिपो A को भेजे जा चुके हैं इसलिए कारखाने Q से $(5 - x)$ नग, डिपो A को भेजे जाएँगे। स्पष्टतः $5 - x \geq 0$, अर्थात् $x \leq 5$ है।

इसी प्रकार $(5 - y)$ और $6 - (5 - x + 5 - y) = x + y - 4$ नग कारखाने Q से क्रमशः डिपो B और C को भेजे जाएँगे। अतः

$$5 - y \geq 0, \qquad x + y - 4 \geq 0$$

अर्थात् $\qquad y \leq 5, \qquad x + y \geq 4$

संपूर्ण परिवहन व्यय, जो Z द्वारा दिया गया है निम्न है:

$$Z = 160\,x + 100\,y + 100\,(5 - x) + 120\,(5 - y) + 100\,(x + y - 4) + 150\,(8 - x - y)$$
$$= 10\,(x - 7\,y + 190)$$

इसलिए समस्या गणितीय रूप में निम्नलिखित रूप से व्यक्त की जा सकती है:

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$x \geq 0, y \geq 0 \qquad \ldots (1)$$

$$x + y \leq 8 \qquad \ldots (2)$$

$$x \leq 5 \qquad \ldots (3)$$

$$y \leq 5 \qquad \ldots (4)$$

$$x + y \geq 4 \qquad \ldots (5)$$

Z = 10 (x – 7y + 190) का न्यूनतमीकरण कीजिए

व्यवरोधों (1) से (5) द्वारा निर्धारित छायांकित क्षेत्र ABCDEF सुसंगत क्षेत्र है (आकृति 12.13)

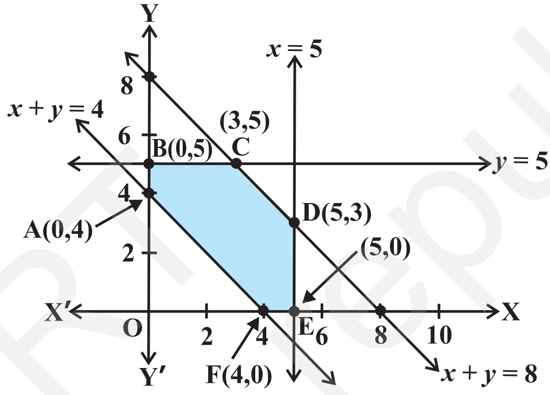

आकृति 12.13

अवलोकन कीजिए कि सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है। सुसंगत क्षेत्र के कोनीय बिंदुओं के निर्देशांक (0, 4), (0, 5), (3, 5), (5, 3), (5, 0) और (4, 0) हैं। हम इन बिंदुओं पर Z का मान ज्ञात करते हैं:

कोनीय बिंदु	Z = 10 (x – 7 y + 190)	
(0, 4)	1620	
(0, 5)	**1550** ←	न्यूनतम
(3, 5)	1580	
(5, 3)	1740	
(5, 0)	1950	
(4, 0)	1940	

सारणी से ज्ञात होता है कि बिंदु (0, 5) पर Z का न्यूनतम मान 1550 है।

अत: इष्टतम परिवहन स्थिति के अनुसार कारखाना P से 5, 0 और 3 नग और कारखाने Q से क्रमश: डिपो A, B और C तक 5, 0 और 1 नग भेजा जाएगा। इसी स्थिति के संगत न्यूनतम परिवहन व्यय Rs 1550 होगा।

अध्याय 12 पर विविध प्रश्नावली

1. उदाहरण 9 पर ध्यान कीजिए। आहार में विटामिन A की मात्रा का अधिकतमीकरण करने के लिए प्रत्येक भोज्य के कितने पैकेटों का उपयोग होना चाहिए? आहार में विटामिन A की अधिकतम मात्रा क्या है?

2. एक किसान दो प्रकार के चारे P और Q को मिलाता (मिश्रण) है। P प्रकार के चारे, जिसका मूल्य Rs 250 प्रति थैला जोकि पोषक तत्व A के 3 मात्रक, तत्व B के 2.5 मात्रक और तत्व C के 2 मात्रक रखता है जबकि Q प्रकार का चारा जिसका मूल्य Rs 200 प्रति थैला है, पोषक तत्व A का 1.5 मात्रक, तत्व B का 11.25 मात्रक और तत्व C के तीन मात्रक रखता है। पोषक तत्वों A, B, और C की न्यूनतम आवश्यकताएँ क्रमश: 18 मात्रक, 45 मात्रक और 24 मात्रक हैं। प्रत्येक प्रकार के थैलों की संख्या ज्ञात कीजिए ताकि मिश्रण के प्रत्येक थैले का मूल्य न्यूनतम हो? मिश्रण के प्रत्येक थैले का न्यूनतम मूल्य क्या है?

3. एक आहारविद् दो प्रकार के भोज्यों X और Y को इस प्रकार मिलाना चाहता है कि मिश्रण में विटामिन A, की कम से कम 10 मात्रक, विटामिन B की कम से कम 12 मात्रक और विटामिन C की 8 मात्रक हों 1 kg भोज्यों में विटामिनों की मात्रा निम्नलिखित सारणी में दी गई है।

भोज्य	विटामिन A	विटामिन B	विटामिन C
X	1	2	3
Y	2	2	1

भोज्य X के 1 kg का मूल्य Rs 16 और भोज्य y के 1 kg का मूल्य Rs 20 है। वांछित आहार के लिए मिश्रण का न्यूनतम मूल्य ज्ञात कीजिए।

4. एक निर्माता दो प्रकार के खिलौने A और B बनाता है। इस उद्देश्य के लिए निर्माण में तीन मशीनों की आवश्यकता पड़ती है और प्रत्येक प्रकार के खिलौने के निर्माण के लिए लगा समय (मिनटों में) निम्नलिखित है।

खिलौने के प्रकार	मशीन		
	I	II	III
A	12	18	6
B	6	0	9

प्रत्येक मशीन अधिकतम 6 घंटे प्रतिदिन के लिए उपलब्ध है। यदि A प्रकार के खिलौने की बिक्री पर Rs 7.50 लाभ और B प्रकार के खिलौने पर Rs 5 का लाभ हो तो दर्शाइए कि अधिकतम लाभ कमाने के लिए प्रतिदिन A प्रकार के 15 खिलौने और B प्रकार 30 खिलौने निर्मित होने चाहिए।

5. एक हवाई जहाज अधिकतम 200 यात्रियों को यात्रा करा सकता है। प्रत्येक प्रथम श्रेणी के टिकट पर Rs 1000 और सस्ते श्रेणी के टिकट पर Rs 600 का लाभ कमाया जा सकता है। एयरलाइन कम से कम 20 सीटें प्रथम श्रेणी के लिए आरक्षित करती है। तथापि प्रथम श्रेणी की अपेक्षा कम से कम 4 गुने यात्री सस्ती श्रेणी के टिकट से यात्रा करने को वरीयता देते हैं। ज्ञात कीजिए कि प्रत्येक प्रकार के कितने-कितने टिकट बेचे जाएँ ताकि लाभ का अधिकतमीकरण हो? अधिकतम लाभ कितना है?

6. दो अन्न भंडारों A और B की भंडारण क्षमता क्रमशः 100 क्विंटल और 50 क्विंटल है। उन्हें तीन राशन की दुकानों D, E और F पर अन्न उपलब्ध कराना पड़ता है, जिनकी आवश्यकताएँ क्रमशः 60, 50, और 40 क्विंटल हैं।

भंडारों से दुकानों को प्रति क्विंटल परिवहन व्यय निम्न सारणी के अनुसार है:

प्रति क्विंटल परिवहन व्यय (रुपयों में)		
को / से	**A**	**B**
D	6	4
E	3	2
F	2.50	3

परिवहन व्यय के न्यूनतमीकरण के लिए आपूर्ति का परिवहन कैसे किया जाए? न्यूनतम परिवहन मूल्य क्या है?

7. एक तेल कारखाने में दो डिपो A तथा B हैं, जिनकी क्षमताएँ क्रमशः 7000 लिटर और 4000 लिटर की हैं। कारखाने द्वारा तीन पेट्रोल पंपों D, E और F के लिए आपूर्ति करनी है, जिनकी आवश्यकताएँ क्रमशः 4500 लिटर, 3000 लिटर और 3500 लिटर की है। डिपो से पेट्रोल पंपों की दूरियाँ (km में) निम्नांकित सारणी के अनुसार है:

दूरियाँ (km में)		
को / से	**A**	**B**
D	7	3
E	6	4
F	3	2

यह मानते हुए कि परिवहन व्यय प्रति 10 लिटर पर प्रति किलोमीटर 1 रुपया है, ज्ञात कीजिए कि कैसी आपूर्ति योजना अपनाई जाए, जिससे परिवहन व्यय का न्यूनतमीकरण हो जाए? न्यूनतम व्यय क्या है?

8. एक फल उत्पादक अपने बाग में दो प्रकार के खादों P ब्रांड और Q ब्रांड का उपयोग कर सकता है। मिश्रण के प्रत्येक थैले में नाइट्रोजन, फास्फोरिक अम्ल, पोटाश और क्लोरीन की मात्रा (kg में) सारणी में दिया गया है। परीक्षण संकेत देते है कि बाग को कम से कम 250 kg फास्फोरिक अम्ल, कम से कम 270 kg पोटाश और क्लोरीन की अधिक से अधिक 310 kg की आवश्यकता है।

यदि उत्पादक बाग के लिए मिलाई जाने वाली नाइट्रोजन की मात्रा का न्यूनतमीकरण करना चाहता है तथा, प्रत्येक मिश्रण के कितने थैलों का उपयोग होना चाहिए? मिलाई जाने वाली नाइट्रोजन की निम्नतम मात्रा क्या है?

kg प्रति थैला		
	ब्राँड P	**ब्राँड Q**
नाइट्रोजन	3	3.5
फास्फोरिक अम्ल	1	2
पोटाश	3	1.5
क्लोरीन	1.5	2

9. उपरोक्त प्रश्न 8 पर ध्यान दीजिए। यदि उत्पादक बाग में मिलाई जाने वाली नाइट्रोजन की मात्रा का अधिकतमीकरण चाहता है तो मिश्रण के कितने थैलों को मिलाया जाना चाहिए? मिलाई जाने वाली नाइट्रोजन की अधिकतम मात्रा क्या है?

10. एक खिलौना कंपनी, A और B दो प्रकार की गुड़ियों का निर्माण करती है। मार्किट परीक्षणों तथा उपलब्ध संसाधनों से संकेत मिलता है कि सम्मिलित उत्पादन स्तर प्रति सप्ताह 1200 गुड़ियों से अधिक नहीं होना चाहिए और B प्रकार की गुड़ियों की अधिक से अधिक माँग A प्रकार की गुड़ियों की आधी है। इसके अतिरिक्त A प्रकार की गुड़ियों का उत्पादन स्तर दूसरे प्रकार की गुड़ियों के उत्पादन स्तर के तीन गुने से 600 नग अधिक है। यदि कंपनी A और B प्रत्येक गुड़िया पर क्रमशः Rs 12 और Rs 16 का लाभ कमाती है, लाभ का अधिकतमीकरण करने के लिए प्रत्येक के कितने नगों का साप्ताहिक उत्पादन करना चाहिए।

सारांश

- एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या वह समस्या है जो कई चरों के रैखिक फलन के इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) को ज्ञात करने से संबंधित फलन को उद्देश्य फलन कहते हैं। जब प्रतिबंध यह हो कि चर ऋणेतर हों और रैखिक असमीकरणों (जिनको रैखिक व्यवरोध कहते हैं) को संतुष्ट करते हों। चरों को कभी-कभी निर्णायक चर कहते हैं और ऋणेतर हैं।
- कुछ महत्त्वपूर्ण रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ निम्नलिखित हैं:
  (i) आहार संबंधी समस्या
  (ii) उत्पादन संबंधी समस्या
  (iii) परिवहन संबंधी समस्या
- सभी व्यवरोधों और ऋणेतर व्यवरोधों $x \geq 0, y \geq 0$ द्वारा निर्धारित उभयनिष्ठ क्षेत्र, एक रेखीय प्रोग्रामन समस्या का सुसंगत क्षेत्र (या हल समुच्चय) कहलाता है।
- सुसंगत क्षेत्र के अंतः भाग के तथा सीमांत बिंदु व्यवरोधों के सुसंगत हलों को प्रदर्शित करते हैं। सुसंगत क्षेत्र के बाह्य भाग के किसी भी बिंदु को असंगत हल कहते हैं।
- सुसंगत क्षेत्र में कोई बिंदु जो उद्देश्य फलन का इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) एक देता है तो इसे इष्टतम हल कहते हैं।
- निम्नलिखित प्रमेय रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को हल करने के लिए आधारभूत महत्त्व के हैं:

  प्रमेय 1: माना कि R एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के लिए सुसंगत क्षेत्र (उत्तल बहुभुज) है और माना कि $Z = ax + by$ उद्देश्य फलन है। जब Z एक इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) देता है जहाँ रैखिक असमीकरण चरों x और y द्वारा व्यवरोधों के रूप में वर्णित है तो यह इष्टतम मान सुसंगत क्षेत्र के एक कोनीय बिंदु (शीर्ष) पर होना ही चाहिए।

  प्रमेय 2: माना कि R एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के लिए सुसंगत क्षेत्र (उत्तल बहुभुज) है और माना कि $Z = ax + by$ उद्देश्य फलन है। जब यदि R परिबद्ध है तब उद्देश्य फलन, R में एक अधिकतम और एक न्यूनतम दोनों ही देता है और इनमें से प्रत्येक बिंदु R के कोनीय बिंदु (शीर्ष) पर स्थित होता है।
- यदि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है तब अधिकतम या न्यूनतम अस्तित्व में नहीं भी हो सकता है। तथापि यदि यह अस्तित्व में होता है तो R के कोनीय बिंदु पर स्थित होना चाहिए।
- **कोनीय बिंदु विधि:** एक रैखिक समस्या को हल करने के लिए यह विधि निम्न पदों में क्रियान्वित होती है:
  (1) रैखिक प्रोग्रामन समस्या के सुसंगत क्षेत्र को ज्ञात कीजिए तथा इसके कोनीय बिंदु (शीर्षों) को ज्ञात कीजिए।

(2) प्रत्येक कोनीय बिंदु पर उद्देश्य फलन $Z = ax + by$ का मान ज्ञात कीजिए। मान लीजिए इन बिंदुओं पर अधिकतम और न्यूनतम मान क्रमशः M तथा m हैं।

(3) यदि सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है, तो M और m क्रमशः उद्देश्य फलन के अधिकतम तथा न्यूनतम मान हैं।

यदि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है तब

(i) उद्देश्य फलन का M अधिकतम मान है यदि $ax + by > M$ के द्वारा निर्धारित खुला अर्धतल सुसंगत क्षेत्र के साथ कोई उभयनिष्ठ बिंदु नहीं रखता है। अन्यथा उद्देश्य फलन का अधिकतम मान नहीं है।

(ii) उद्देश्य फलन का न्यूनतम मान m है यदि $ax + by < m$ द्वारा निर्धारित खुला अर्धतल और सुसंगत क्षेत्र में कोई बिंदु उभयनिष्ठ नहीं है। अन्यथा उद्देश्य फलन का कोई न्यूनतम मान नहीं है।

- यदि सुसंगत क्षेत्र के दो कोनीय बिंदुओं का इष्टतम मान एक ही प्रकार का है अर्थात् दोनों वही अधिकतम या न्यूनतम मान प्रदान करते है तब इन दोनों बिंदुओं को मिलाने वाले रेखाखंड के किसी भी बिंदु पर भी उसी प्रकार का इष्टतम हल है।

ऐतिहासिक टिप्पणी

द्वितीय विश्व युद्ध में, जब युद्ध संचालन की योजना बनी, जिससे कि शत्रुओं को न्यूनतम व्यय पर अधिकतम हानि पहुँचे, रैखिक प्रोग्रामन विधि अस्तित्व में आई।

रैखिक प्रोग्रामन के क्षेत्र में प्रथम प्रोग्रामन का सूत्रपात रूसी गणितज्ञ L.Kantoro Vich तथा अमेरिकी अर्थशास्त्री F.L.Hitch Cock ने 1941 में किए। दोनों ने स्वतंत्र रूप से कार्य किया। इस प्रोग्रामन को परिवहन-समस्या के नाम से जाना गया। सन् 1945 में अंग्रेज अर्थशास्त्री G.Stigler ने रैखिक प्रोग्रामन समस्या, के अंतर्गत इष्टतम आहार संबंधी समस्या का वर्णन किया। सन् 1947 में G.B. Dantzig ने एक दक्षता पूर्ण विधि जो सिंपलेक्स विधि के नाम से प्रसिद्ध है, का सुझाव दिया जो रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को सीमित प्रक्रमों में हल करने की सशक्त विधि है।

रैखिक प्रोग्रामन विधि पर प्रारंभिक कार्य करने के कारण सन् 1975 में L.Katorovich और अमेरिकी गणितय अर्थशास्त्री T.C.Koopmans को अर्थ शास्त्र में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। परिकलन तथा आवश्यक सॉफ्टवेयर के आगमन के साथ कई क्षेत्रों की जटिल समस्याओं में रैखिक प्रोग्रामन प्रविधि के अनुप्रयोग में उत्तरोतर वृद्धि हो रही है।

अध्याय 13

प्रायिकता Probability

❖ *The Theory of probabilities is simply the science of logic quantitatively treated – C.S. PEIRCE* ❖

13.1 भूमिका (Introduction)

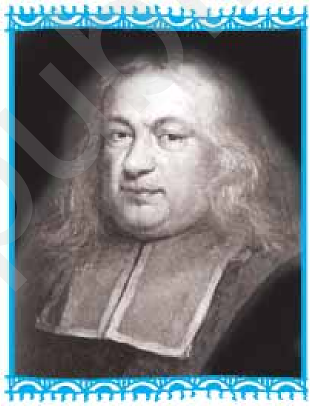

Pierre de Fermat (1601-1665)

पहले की कक्षाओं में हमने प्रायिकता को किसी यादृच्छिक परीक्षण की घटनाओं के घटित होने की अनिश्चितता की माप के रूप में पढ़ा था। हमने रूसी गणितज्ञ ए.एन. कौल्मोग्रोब (1903-1987) द्वारा प्रतिपादित अभिगृहितीय दृष्टिकोण का उपयोग किया था और प्रायिकता को परीक्षण के परिणामों पर परिभाषित फलन के रूप में निरूपित किया था। हमने समसंभाव्य परिणामों की दशा में प्रायिकता के अभिगृहितीय दृष्टिकोण और क्लासिकल सिद्धांत (classical theory) में समकक्षता भी स्थापित की थी। इस समकक्षता के आधार पर हमने असंतत प्रतिदर्श समष्टि की घटनाओं की प्रायिकता ज्ञात की थी। हमने प्रायिकता के योग नियम का भी अध्ययन किया है। इस अध्याय में हम किसी घटना की सप्रतिबंध प्रायिकता (conditional probability) के बारे में विचार करेंगे, जबकि किसी अन्य घटना के घटित होने की सूचना हमारे पास हो, तथा इस महत्त्वपूर्ण अवधारणा की सहायता से बेज-प्रमेय (Bayes' theorem), प्रायिकता का गुणन नियम तथा स्वतंत्र घटनाओं के बारे में समझेंगे। हम यादृच्छिक चर (random variable) और इसके प्रायिकता बंटन की महत्त्वपूर्ण अवधारणा को भी समझेंगे तथा किसी प्रायिकता बंटन के माध्य (mean) व प्रसरण के बारे में भी पढ़ेंगे। अध्याय के अंतिम अनुभाग में हम एक महत्त्वपूर्ण असंतत प्रायिकता बंटन (discrete probability distribution) के बारे में पढ़ेंगे जिसे द्विपद बंटन कहा जाता है। इस अध्याय में हम ऐसे परीक्षण लेंगे जिनके परिणाम समसंभाव्य होते हैं, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो।

13.2 सप्रतिबंध प्रायिकता (Conditional Probability)

अभी तक हमने किसी घटना की प्रायिकता ज्ञात करने पर चर्चा की है। यदि हमें किसी प्रतिदर्श समष्टि की दो घटनाएँ दी गई हों, तो क्या किसी एक घटना के घटित होने की सूचना का प्रभाव दूसरी घटना

की प्रायिकता पर पड़ता है? आइए इस प्रश्न के उत्तर के लिए एक यादृच्छिक परीक्षण पर विचार करें जिसके परिणाम समसंभाव्य हैं।

आइए अब तीन न्याय्य (fair) सिक्कों को उछालने के परीक्षण पर विचार कीजिए। इस परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है:

$$S = \{HHH, HHT, HTH, THH, HTT, THT, TTH, TTT\}$$

क्योंकि सिक्के न्याय्य हैं, इसलिए हम प्रतिदर्श समष्टि के प्रत्येक प्रतिदर्श बिंदु की प्रायिकता $\frac{1}{8}$ निर्दिष्ट कर सकते हैं। मान लीजिए E घटना "न्यूनतम दो चित प्रकट होना" और F घटना "पहले सिक्के पर पट प्रदर्शित होना" को निरूपित करते हैं।

तब $\quad E = \{HHH, HHT, HTH, THH\}$

और $\quad F = \{THH, THT, TTH, TTT\}$

इसलिए $\quad P(E) = P(\{HHH\}) + P(\{HHT\}) + P(\{HTH\}) + P(\{THH\})$

$$= \frac{1}{8} \quad \frac{1}{8} \quad \frac{1}{8} \quad \frac{1}{8} \quad \frac{1}{2} \text{ (क्यों ?)}$$

और $\quad P(F) = P(\{THH\}) + P(\{THT\}) + P(\{TTH\}) + P(\{TTT\})$

$$= \frac{1}{8} \quad \frac{1}{8} \quad \frac{1}{8} \quad \frac{1}{8} \quad \frac{1}{2}$$

साथ ही $\quad E \cap F = \{THH\}$

इसलिए $\quad P(E \cap F) = P(\{THH\}) = \frac{1}{8}$

अब मान लीजिए हमें दिया गया है कि पहले सिक्के पर पट प्रकट होता है अर्थात् घटना F घटित हुई है, तब घटना E की प्रायिकता क्या है? F के घटित होने की सूचना पर यह निश्चित है कि E की प्रायिकता ज्ञात करने के लिए उन प्रतिदर्श बिंदुओं पर विचार नहीं किया जाएगा जिनमें पहले सिक्के पर पट नहीं है। घटना E के लिए इस सूचना से प्रतिदर्श समष्टि S से घटकर इसका उपसमुच्चय F बन गया है। अन्य शब्दों में, इस अतिरिक्त सूचना ने हमें वास्तव में यह बताया है कि हालात को एक ऐसे नए यादृच्छिक परीक्षण के रूप में समझना चाहिए जिसका प्रतिदर्श समष्टि केवल उन परिणामों का समुच्चय है जो कि घटना F के अनुकूल है।

अब $\quad$ F का वह प्रतिदर्श बिंदु जो E के भी अनुकूल है; THH है। अत:

F को प्रतिदर्श समष्टि मानते हुए घटना E की प्रायिकता $= \frac{1}{4}$

या $\quad$ F का घटित होना दिया गया होने पर E की प्रायिकता $= \frac{1}{4}$

घटना E की इस प्रायिकता को सप्रतिबंध प्रायिकता कहते हैं, जबकि ज्ञात है कि घटना F घटित हो चुकी है, और इसे P (E|F) द्वारा दर्शाते हैं।

अर्थात् $P(E|F) = \dfrac{1}{4}$

नोट कीजिए कि F के वो अवयव जो घटना E के भी अनुकूल हैं, E तथा F के साझे अवयव होते हैं, अर्थात् $E \cap F$ के प्रतिदर्श बिंदु हैं।

अत: हम घटना E की सप्रतिबंध प्रायिकता, जबकि ज्ञात है कि घटना F घटित हो चुकी है को निम्न प्रकार से ज्ञात कर सकते हैं।

$$P(E|F) = \frac{(E \quad F) \text{ के अनुकूल प्रतिदर्श बिंदुओं की संख्या}}{F \text{ के अनुकूल प्रतिदर्श बिंदुओं की संख्या}}$$

$$= \frac{n(E \quad F)}{n(F)}$$

अब अंश व हर को प्रतिदर्श समष्टि के अवयवों की कुल संख्या से विभाजित करने पर हम देखते हैं कि P (E|F) को निम्न प्रकार से लिखा जा सकता है:

$$P(E|F) = \frac{\frac{n(E \quad F)}{n(S)}}{\frac{n(F)}{n(S)}} \quad \frac{P(E \quad F)}{P(F)} \qquad \ldots (1)$$

नोट कीजिए कि (1) तभी मान्य है जब $P(F) \neq 0$ अर्थात् $F \neq \phi$ (क्यों?)

अत: हम सप्रतिबंध प्रायिकता को निम्न प्रकार से परिभाषित कर सकते हैं:

परिभाषा 1 यदि E तथा F किसी यादृच्छिक परीक्षण के प्रतिदर्श समष्टि से सबंधित दो घटनाएँ हैं, तो F के घटित होने की सूचना पर, E की प्रायिकता निम्नलिखित सूत्र से प्राप्त होती है:

$$P(E|F) = \frac{P(E \quad F)}{P(F)}, \text{ जबकि } P(F) \neq 0$$

13.2.1 *सप्रतिबंध प्रायिकता के गुण (Properties of conditional probability)*

मान लें कि E तथा F किसी प्रतिदर्श समष्टि S की दो घटनाएँ हैं

गुण 1 P (S|F) = P (F|F) = 1

हमें ज्ञात है कि $$P(S|F) = \frac{P(S \quad F)}{P(F)} \quad \frac{P(F)}{P(F)} \quad 1$$

साथ ही $$P(F|F) = \frac{P(F \quad F)}{P(F)} \quad \frac{P(F)}{P(F)} \quad 1$$

अतः $$P(S|F) = P(F|F) = 1$$

गुण 2 यदि A और B प्रतिदर्श समष्टि S की कोई दो घटनाएँ हैं और F एक अन्य घटना इस प्रकार है कि $P(F) \neq 0$, तब

$$P[(A \cup B)|F)] = P(A|F) + P(B|F) - P[(A \cap B)|F]$$

विशेष रूप से, यदि A और B परस्पर अपवर्जी घटनाएँ हों, तो

$$P[(A \cup B)|F)] = P(A|F) + P(B|F)$$

हम जानते हैं कि

$$P[(A \cup B)|F)] = \frac{P[(A \cup B) \cap F]}{P(F)}$$

$$= \frac{P[(A \cap F) \cup (B \cap F)]}{P(F)}$$

(समुच्चयों के सर्वनिष्ठ पर सम्मिलन के बंटन नियम द्वारा)

$$= \frac{P(A \cap F) + P(B \cap F) - P(A \cap B \cap F)}{P(F)}$$

$$= \frac{P(A \cap F)}{P(F)} + \frac{P(B \cap F)}{P(F)} - \frac{P[(A \cap B) \cap F]}{P(F)}$$

$$= P(A|F) + P(B|F) - P(A \cap B|F)$$

जब A तथा B परस्पर अपवर्जी हों तो

$$P[(A \cap B)|F)] = 0$$

$$\Rightarrow \quad P[(A \cup B)|F)] = P(A|F) + P(B|F)$$

अतः जब A तथा B परस्पर अपवर्जी घटनाएँ हों तो $P(A \cup B) = P(A|F) + P(B|F)$

गुण 3 $P(E'|F) = 1 - P(E|F)$

गुण 1 से हमें ज्ञात है कि $P(S|F) = 1$

$\Rightarrow \quad P[(E \cup E')|F)] = 1$ क्योंकि $S = E \cup E'$

$\Rightarrow \quad P(E|F) + P(E'|F) = 1$ क्योंकि E तथा E′ परस्पर अपवर्जी घटनाएँ हैं

अतः $$P(E'|F) = 1 - P(E|F)$$

आइए अब कुछ उदाहरण लें।

उदाहरण 1 यदि $P(A) = \frac{7}{13}$, $P(B) = \frac{9}{13}$ और $P(A \cap B) = \frac{4}{13}$, तो $P(A|B)$ ज्ञात कीजिए।

हल हम जानते हैं कि $P(A|B) = \frac{P(A \cap B)}{P(B)} = \frac{\frac{4}{13}}{\frac{9}{13}} = \frac{4}{9}$

उदाहरण 2 एक परिवार में दो बच्चे हैं। यदि यह ज्ञात हो कि बच्चों में से कम से कम एक बच्चा लड़का है, तो दोनों बच्चों के लड़का होने की क्या प्रायिकता है?

हल मान लीजिए b लड़के को व g लड़की को निरूपित करते हैं। परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है:

$$S = \{(b,b), (g,b), (b,g), (g,g)\}$$

मान लीजिए E तथा F क्रमशः निम्नलिखित घटनाओं को दर्शाते हैं:

E : 'दोनों बच्चे लड़के हैं'

F : 'बच्चों में से कम से कम एक लड़का है'

तब $E = \{(b,b)\}$ और $F = \{(b,b), (g,b), (b,g)\}$

अब $E \cap F = \{(b,b)\}$

अतः $P(F) = \frac{3}{4}$ और $P(E \cap F) = \frac{1}{4}$

इसलिए $P(E|F) = \frac{P(E \cap F)}{P(F)} = \frac{\frac{1}{4}}{\frac{3}{4}} = \frac{1}{3}$

उदाहरण 3 एक बक्से में दस कार्ड 1 से 10 तक पूर्णांक लिख कर रखे गए और उन्हें अच्छी तरह मिलाया गया। इस बक्से से एक कार्ड यादृच्छया निकाला गया। यदि यह ज्ञात हो कि निकाले गए कार्ड पर संख्या 3 से अधिक है, तो इस संख्या के सम होने की क्या प्रायिकता है?

हल मान लीजिए कि A घटना 'निकाले गए कार्ड पर सम संख्या है' और B घटना 'निकाले गए कार्ड पर संख्या 3 से बड़ी है' को निरूपित करते हैं। हमें $P(A|B)$ ज्ञात करना है।

इस परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है: $S = \{1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10\}$

तब $A = \{2, 4, 6, 8, 10\}$, $B = \{4, 5, 6, 7, 8, 9, 10\}$

और $A \cap B = \{4, 6, 8, 10\}$

अब $$P(A) = \frac{5}{10},\ P(B) = \frac{7}{10} \text{ और } P(A \quad B) \quad \frac{4}{10}$$

तब $$P(A|B) = \frac{P(A \quad B)}{P(B)} \quad \frac{\frac{4}{10}}{\frac{7}{10}} \quad \frac{4}{7}$$

उदाहरण 4 एक पाठशाला में 1000 विद्यार्थी हैं, जिनमें से 430 लड़कियाँ हैं। यह ज्ञात है कि 430 में से 10% लड़कियाँ कक्षा XII में पढ़ती हैं। क्या प्रायिकता है कि एक यादृच्छया चुना गया विद्यार्थी कक्षा XII में पढ़ता है यदि यह ज्ञात है कि चुना गया विद्यार्थी लड़की है?

हल मान लीजिए E घटना 'यादृच्छया चुना गया विद्यार्थी कक्षा XII में पढ़ता है' और F घटना 'यादृच्छया चुना गया विद्यार्थी लड़की है', को व्यक्त करते हैं। हमें P (E|F) ज्ञात करना है।

अब $$P(F) = \frac{430}{1000} \quad 0.43 \text{ और } P(E \quad F) = \frac{43}{1000} \quad 0.043 \text{ (क्यों?)}$$

तब $$P(E|F) = \frac{P(E \quad F)}{P(F)} \quad \frac{0.043}{0.43} \quad 0.1$$

उदाहरण 5 एक पासे को तीन बार उछालने के परीक्षण में घटना A तथा B को निम्न प्रकार से परिभाषित किया गया है:

A : 'तीसरी उछाल पर संख्या 4 प्रकट होना'

B : 'पहली उछाल पर संख्या 6 और दूसरी उछाल पर संख्या 5 प्रकट होना'

यदि B का घटित होना दिया गया है, तो घटना A की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल प्रतिदर्श समष्टि में 216 परिणाम हैं।

अब, $$B = \{(6,5,1), (6,5,2), (6,5,3), (6,5,4), (6,5,5), (6,5,6)\}$$

$$A = \begin{matrix} (1,1,4) & (1,2,4) \ldots (1,6,4) & (2,1,4) & (2,2,4) & \ldots (2,6,4) \\ (3,1,4) & (3,2,4) \ldots (3,6,4) & (4,1,4) & (4,2,4) & \ldots (4,6,4) \\ (5,1,4) & (5,2,4) \ldots (5,6,4) & (6,1,4) & (6,2,4) & \ldots (6,6,4) \end{matrix}$$

और $$A \cap B = \{(6,5,4)\}$$

अब $$P(B) = \frac{6}{216} \text{ और } P(A \cap B) = \frac{1}{216}$$

तब $$P(A|B) = \frac{P(A \quad B)}{P(B)} \quad \frac{\frac{1}{216}}{\frac{6}{216}} \quad \frac{1}{6}$$

उदाहरण 6 एक पासे को दो बार उछाला गया और प्रकट हुई संख्याओं का योग 6 पाया गया। संख्या 4 के न्यूनतम एक बार प्रकट होने की सप्रतिबंध प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए E घटना 'संख्या 4 का न्यूनतम एक बार प्रकट होना' और F घटना 'दोनों पासों पर प्रकट संख्याओं का योग 6 होने' को दर्शाते हैं।

तब $E = \{(4,1), (4,2), (4,3), (4,4), (4,5), (4,6), (1,4), (2,4), (3,4), (5,4), (6,4)\}$

और $F = \{(1,5), (2,4), (3,3), (4,2), (5,1)\}$

हम जानते हैं कि $P(E) = \frac{11}{36}$, $P(F) = \frac{5}{36}$

तथा $E \cap F = \{(2,4), (4,2)\}$

अब $P(E \cap F) = \frac{2}{36}$

अतः वांछित प्रायिकता

$$P(E|F) = \frac{P(E \cap F)}{P(F)} = \frac{\frac{2}{36}}{\frac{5}{36}} = \frac{2}{5}$$

अभी तक हमने उन परीक्षणों पर विचार किया है जिनके सभी परिणाम समसंभाव्य थे। इन परीक्षणों के लिए हमनें सप्रतिबंध प्रायिकता को परिभाषित किया है। तथापि सप्रतिबंध प्रायिकता की यही परिभाषा, व्यापक रूप से, उस स्थिति मे भी प्रयोग की जा सकती है, जब मौलिक घटनाएँ समसंभाव्य न हों। प्रायिकताओं $P(E \cap F)$ तथा $P(F)$ का परिकलन तदनुसार किया जाता है।
आइए निम्नलिखित उदाहरण से इसे समझें।

उदाहरण 7 एक सिक्के को उछालने के परीक्षण पर विचार कीजिए। यदि सिक्के पर चित प्रकट हो तो सिक्के को पुनः उछालें परंतु यदि सिक्के पर पट प्रकट हो तो एक पासे को फेंकें। यदि घटना 'कम से कम एक पट प्रकट होना' का घटित होना दिया गया है तो घटना 'पासे पर 4 से बड़ी संख्या प्रकट होना' की सप्रतिबंध प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

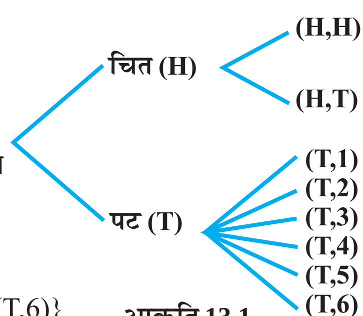

आकृति 13.1

हल परीक्षण के परिणामों को चित्र 13.1 से व्यक्त किया जा सकता है। इस प्रकार के चित्र को वृक्षारेख कहते हैं।

परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है:

$S = \{(H,H), (H,T), (T,1), (T,2), (T,3), (T,4), (T,5), (T,6)\}$

जहाँ (H,H) दर्शाता है कि दोनों उछालों पर चित प्रकट हुआ है, तथा (T, i) दर्शाता है कि पहली उछाल पर पट प्रकट हुआ और पासे को फेंकने पर संख्या i प्रकट हुई।

अत: 8 मौलिक घटनाओं (H,H), (H,T), (T,1), (T,2), (T,3) (T,4), (T,5), (T,6) की क्रमश: $\frac{1}{4}, \frac{1}{4}, \frac{1}{12}, \frac{1}{12}, \frac{1}{12}, \frac{1}{12}, \frac{1}{12}, \frac{1}{12}$ प्रायिकता निर्धारित की जा सकती है, जैसा कि चित्र 13.2 से स्पष्ट है।

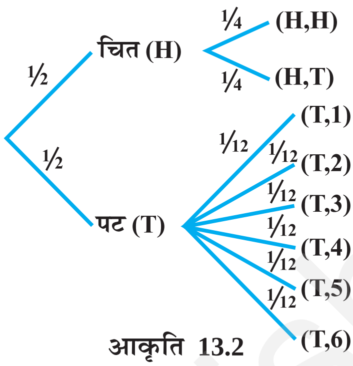

आकृति 13.2

मान लें F घटना 'न्यूनतम एक पट प्रकट होना' और E घटना 'पासे पर 4 से बड़ी संख्या प्रकट होना' को दर्शाते हैं।

तब $$F = \{(H,T), (T,1), (T,2), (T,3), (T,4), (T,5), (T,6)\}$$

$$E = \{(T,5), T,6)\} \text{ और } E \cap F = \{(T,5), (T,6)\}$$

अब $$P(F) = P(\{(H,T)\}) + P(\{(T,1)\}) + P(\{(T,2)\}) + P(\{(T,3)\}) + P(\{(T,4)\}) + P(\{(T,5)\}) + P(\{(T,6)\})$$

$$= \frac{1}{4} \quad \frac{1}{12} \quad \frac{1}{12} \quad \frac{1}{12} \quad \frac{1}{12} \quad \frac{1}{12} \quad \frac{1}{12} \quad \frac{3}{4}$$

और $$P(E \cap F) = P(\{(T,5)\}) + P(\{(T,6)\}) = \frac{1}{12} \quad \frac{1}{12} \quad \frac{1}{6}$$

अत: $$P(E|F) = \frac{P(E \quad F)}{P(F)} \quad \frac{\frac{1}{6}}{\frac{3}{4}} \quad \frac{2}{9}$$

प्रश्नावली 13.1

1. यदि E और F इस प्रकार की घटनाएँ हैं कि P (E) = 0.6, P (F) = 0.3 और P (E $\cap$ F) = 0.2, तो P (E|F) और P (F|E) ज्ञात कीजिए।

2. P(A|B) ज्ञात कीजिए, यदि P(B) = 0.5 और P (A $\cap$ B) = 0.32

3. यदि P(A) = 0.8, P(B) = 0.5 और P (B|A) = 0.4 ज्ञात कीजिए

(i) P(A $\cap$ B) (ii) P(A|B) (iii) P(A $\cup$ B)

4. P(A $\cup$ B) ज्ञात कीजिए यदि 2 P(A) = P(B) = $\frac{5}{13}$ और P A|B $= \frac{2}{5}$

5. यदि $P(A) = \frac{6}{11}$, $P(B) = \frac{5}{11}$ और $P(A \cup B)$ $\frac{7}{11}$ तो ज्ञात कीजिए

(i) $P(A \cap B)$ (ii) $P(A|B)$ (iii) $P(B|A)$

निम्नलिखित प्रश्न 6 से 9 तक $P(E|F)$ ज्ञात कीजिए।

6. एक सिक्के को तीन बार उछाला गया है:

(i) E : तीसरी उछाल पर चित F : पहली दोनों उछालों पर चित

(ii) E : न्यूनतम दो चित F : अधिकतम एक चित

(iii) E : अधिकतम दो पट F : न्यूनतम दो पट

7. दो सिक्कों को एक बार उछाला गया है:

(i) E : एक सिक्के पर पट प्रकट होता है F : एक सिक्के पर चित प्रकट होता है

(ii) E : कोई पट प्रकट नहीं होता है F कोई चित प्रकट नहीं होता है

8. एक पासे को तीन बार उछाला गया है:

E : तीसरी उछाल पर संख्या 4 प्रकट होना

F : पहली दो उछालों पर क्रमश: 6 तथा 5 प्रकट होना

9. एक पारिवारिक चित्र में माता, पिता व पुत्र यादृच्छया खड़े हैं:

E : पुत्र एक सिरे पर खड़ा है F : पिता मध्य में खड़े हैं

10. एक काले और एक लाल पासे को उछाला गया है:

(a) पासों पर प्राप्त संख्याओं का योग 9 होने की सप्रतिबंध प्रायिकता ज्ञात कीजिए यदि यह ज्ञात हो कि काले पासे पर 5 प्रकट हुआ है।

(b) पासों पर प्राप्त संख्याओं का योग 8 होने की सप्रतिबंध प्रायिकता ज्ञात कीजिए यदि यह ज्ञात हो कि लाल पासे पर प्रकट संख्या 4 से कम है।

11. एक न्याय्य पासे को उछाला गया है। घटनाओं $E = \{1,3,5\}$, $F = \{2,3\}$, और $G = \{2,3,4,5\}$ के लिए निम्नलिखित ज्ञात कीजिए:

(i) $P(E|F)$ और $P(F|E)$ (ii) $P(E|G)$ और $P(G|E)$

(iii) $P(E \cup F|G)$ और $P(E \cap F|G)$

12. मान लें कि जन्म लेने वाले बच्चे का लड़का या लड़की होना समसंभाव्य है। यदि किसी परिवार में दो बच्चे हैं, तो दोनों बच्चों के लड़की होने की सप्रतिबंध प्रायिकता क्या है, यदि यह दिया गया है कि (*i*) सबसे छोटा बच्चा लड़की है (*ii*) न्यूनतम एक बच्चा लड़की है।

13. एक प्रशिक्षक के पास 300 सत्य/असत्य प्रकार के आसान प्रश्न 200 सत्य/असत्य प्रकार के कठिन प्रश्न, 500 बहु-विकल्पीय प्रकार के आसान प्रश्न और 400 बहु-विकल्पीय प्रकार के

कठिन प्रश्नों का संग्रह है। यदि प्रश्नों के संग्रह से एक प्रश्न यादृच्छया चुना जाता है, तो एक आसान प्रश्न की बहु-विकल्पीय होने की प्रायिकता क्या होगी?

14. यह दिया गया है कि दो पासों को फेंकने पर प्राप्त संख्याएँ भिन्न-भिन्न हैं। दोनों संख्याओं का योग 4 होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

15. एक पासे को फेंकने के परीक्षण पर विचार कीजिए। यदि पासे पर प्रकट संख्या 3 का गुणज है तो पासे को पुनः फेंकें और यदि कोई अन्य संख्या प्रकट हो तो एक सिक्के को उछालें। घटना 'न्यूनतम एक पासे पर संख्या 3 प्रकट होना' दिया गया है तो घटना 'सिक्के पर पट प्रकट होने' की सप्रतिबंध प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक में सही उत्तर चुनें।

16. यदि $P(A) = \frac{1}{2}$, $P(B) = 0$ तब $P(A|B)$ है:

(A) 0 (B) $\frac{1}{2}$ (C) परिभाषित नहीं (D) 1

17. यदि A और B दो घटनाएँ इस प्रकार हैं कि $P(A|B) = P(B|A) \neq 0$ तब

(A) $A \subset B$ (B) $A = B$ (C) $A \cap B = \phi$

(D) $P(A) = P(B)$

13.3 प्रायिकता का गुणन नियम (Multiplication Theorem on Probability)

मान लीजिए कि E तथा F एक प्रतिदर्श समष्टि S की दो घटनाएँ हैं। स्पष्टतया समुच्चय $E \cap F$ दोनों घटनाओं E तथा F के घटित होने को दर्शाता है। अन्य शब्दों में $E \cap F$ घटनाओं E तथा F के युगपत् घटित होने को दर्शाता है। घटना $E \cap F$ को EF भी लिखा जाता है।

प्रायः हमें सयुंक्त घटना EF की प्रायिकता ज्ञात करने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, एक के बाद दूसरा पत्ता निकालने के परीक्षण में हम मिश्र घटना 'एक बादशाह और एक रानी' की प्रायिकता ज्ञात करने में इच्छुक हो सकते हैं। घटना EF की प्रायिकता ज्ञात करने के लिए हम सप्रतिबंध प्रायिकता का उपयोग करते हैं जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

हम जानते हैं कि घटना F के दिए जाने पर घटना E की सप्रतिबंध प्रायिकता को $P(E|F)$ द्वारा दर्शाते हैं और इसे निम्नलिखित प्रकार से ज्ञात करते हैं।

$$P(E|F) = \frac{P(E \quad F)}{P(F)}, P(F) \quad 0$$

उपरोक्त परिणाम से हम लिख सकते हैं कि

$$P(E \cap F) = P(F) \,.\, P(E|F) \qquad \ldots (1)$$

हम यह भी जानते हैं कि

$$P(F|E) = \frac{P(F \quad E)}{P(E)}, P(E) \quad 0$$

या $$P(F|E) = \frac{P(E \quad F)}{P(E)}$$ (क्योंकि $E \cap F = F \cup E$)

अतः $$P(E \cap F) = P(E) \,.\, P(F|E) \qquad \text{... (2)}$$

(1) और (2) को मिलाने से हमें प्राप्त होता है कि

$P(E \cap F) = P(E)\ P(F|E) = P(F).\ P(E|F)$ जब कि $P(E) \neq 0$ और $P(F) \neq 0$

उपरोक्त परिणाम को 'प्रायिकता का गुणन नियम' कहते हैं। आइए एक उदाहरण लें।

उदाहरण 8 एक कलश में 10 काली और 5 सफ़ेद गेंदें हैं। दो गेंद एक के बाद एक निकाली जाती हैं और पहली गेंद दूसरे के निकालने से पहले वापस नहीं रखी जाती हैं। मान लीजिए कि कलश में से प्रत्येक गेंद का निकालना समसंभाव्य है, तो दोनों काले गेंद निकलने की क्या प्रायिकता है?

हल माना कि E 'पहली काली गेंद के निकलने' की घटना है और F 'दूसरी काली गेंद के निकलने' की घटना है। हमें $P(E \cap F)$ या $P(EF)$ ज्ञात करना है।

अब $P(E) = P$ (पहली निकाल में काली गेंद निकालना) $= \frac{10}{15}$

साथ ही दिया गया है कि पहली निकाल में काली गेंद निकली है अर्थात् घटना E घटित हुई है, अब कलश में 9 काली गेंद और 5 सफ़ेद गेंद रह गई हैं। इसलिए, दूसरी गेंद काली होने की प्रायिकता जब कि पहली गेंद का काला होना हमें ज्ञात है, कुछ और नहीं केवल F का सप्रतिबंध प्रायिकता है जब E का घटित होना ज्ञात है।

अर्थात् $$P(F|E) = \frac{9}{14}$$

अब प्रायिकता के गुणन नियम द्वारा हमें प्राप्त होता है

$$P(E \cap F) = P(E)\ P(F|E) = P(E) \,.\, P(F|E) \,.\, P(G|EF)$$

$$= \frac{10}{15} \quad \frac{9}{14} \quad \frac{3}{7}$$

दो से अधिक घटनाओं के लिए प्रायिकता का गुणन नियम यदि E, F और G एक प्रतिदर्श समष्टि की घटनाएँ हैं तो

$$P(E \cap F \cap G) = P(E)\ P(F|E)\ P(G|E \cap F) = P(E)\ P(F|E)\ P(G|EF)$$

इसी प्रकार प्रायिकता के गुणन नियम का विस्तार चार या अधिक घटनाओं के लिए भी किया जा सकता है। निम्नलिखित उदाहरण तीन घटनाओं के लिए प्रायिकता के गुणन नियम का दृष्टांत प्रस्तुत करता है।

उदाहरण 9 52 पत्तों की अच्छी तरह फेंटी गई गड्डी में से एक के बाद एक तीन पत्ते बिना प्रतिस्थापित किए निकाले गए। पहले दो पत्तों का बादशाह और तीसरे का इक्का होने की क्या प्रायिकता है?

हल मान लें कि K घटना 'निकाला गया पत्ता बादशाह है' को और A घटना 'निकाला गया पत्ता इक्का है' को व्यक्त करते हैं। स्पष्टतया हमें P (KKA) ज्ञात करना है।

अब $$P(K) = \frac{4}{52}$$

साथ ही P(K|K) यह ज्ञात होने पर कि 'पहले निकाला गया पत्ता बादशाह है' पर दूसरे पत्ते का बादशाह होने की प्रायिकता को दर्शाता है। अब गड्डी में (52 – 1) = 51 पत्ते हैं जिनमें तीन बादशाह है

इसलिए $$P(K|K) = \frac{3}{51}$$

अंततः P(A|KK) तीसरे निकाले गए पत्ते का इक्का होने की सप्रतिबंध प्रायिकता है जब कि हमें ज्ञात है कि दो बादशाह पहले ही निकाले जा चुके हैं। अब गड्डी में 50 पत्ते रह गए हैं

इसलिए $$P(A|KK) = P(A|KK) \quad \frac{4}{50}$$

प्रायिकता के गुणन नियम द्वारा हमें प्राप्त होता है कि

$$P(KKA) = P(K) \; P(K|K) \; P(A|KK)$$

$$= \frac{4}{52} \quad \frac{3}{51} \quad \frac{4}{50} \quad \frac{2}{5525}$$

13.4 स्वतंत्र घटनाएँ (Independent Events)

52 पत्तों की गड्डी में से एक पत्ता निकालने के परीक्षण पर विचार कीजिए जिसमें प्रत्येक मौलिक घटना को समसंभाव्य माना गया है। यदि E तथा F क्रमशः घटनाओं 'निकाला गया पत्ता चिड़ी का है' और 'निकाला गया पत्ता एक इक्का है' को व्यक्त करते हैं, तो

$$P(E) = \frac{13}{52} \quad \frac{1}{4} \text{ तथा } P(F) \quad \frac{4}{52} \quad \frac{1}{13}$$

साथ ही 'E और F' घटना 'निकाला गया पत्ता चिड़ी का इक्का है' को व्यक्त करती है, इसलिए

$$P(E \cap F) = \frac{1}{52}$$

अतः $$P(E|F) = \frac{P(E \quad F)}{P(F)} \quad \frac{\frac{1}{52}}{\frac{1}{13}} \quad \frac{1}{4}$$

क्योंकि $P(E) = \frac{1}{4} = P(E|F)$, हम कह सकते हैं कि घटना F के घटित होने की सूचना ने घटना E की प्रायिकता पर कोई प्रभाव नहीं डाला है।

हमें यह भी प्राप्त है कि

$$P(F|E) = \frac{P(E \quad F)}{P(E)} \quad \frac{\frac{1}{52}}{\frac{1}{4}} \quad \frac{1}{13} \quad P(F)$$

पुनः $P(F) = \frac{1}{13} = P(F|E)$ दर्शाता है कि घटना E के घटित होने की सूचना ने घटना F की प्रायिकता पर कोई प्रभाव नहीं डाला है।

अतः E तथा F इस प्रकार की घटनाएँ है कि किसी एक घटना के घटित होने की सूचना दूसरी घटना की प्रायिकता पर कोई प्रभाव नहीं डालती है।

इस प्रकार की घटनाओं को '***स्वतंत्र घटनाएँ***' कहते हैं।

परिभाषा 2 दो घटनाओं E तथा F को स्वतंत्र घटनाएँ कहते हैं यदि

$$P(F|\, E) = P(F) \text{ जबकी } P(E) \neq 0$$

$$P(E|\, F) = P(E) \text{ जबकी } P(F) \neq 0$$

अतः इस परिभाषा में P(E) और P(F) का शून्येत्तर होना आवश्यक है।

अब प्रायिकता के गुणन नियम से

$$P(E \cap F) = P(E) \,.\, P(F|E) \qquad \dots (1)$$

यदि E और F स्वतंत्र घटनाएँ हों तो (1) से हमें प्राप्त होता है कि

$$P(E \cap F) = P(E).\, P(F) \qquad \dots (2)$$

अतः (2) के उपयोग से हम दो घटनाओं की स्वतंत्रता को निम्नलिखित तरह से भी परिभाषित कर सकते हैं।

परिभाषा 3 मान लें E और F किसी यादृच्छिक परीक्षण के प्रतिदर्श समष्टि की दो घटनाएँ हैं, तो E और F स्वतंत्र घटनाएँ होती हैं यदि

$$P(E \cap F) = P(E) \quad P(F)$$

टिप्पणी

1. दो घटनाओं E तथा F को पराश्रित (dependent) कहते हैं, यदि वे स्वतंत्र न हों अर्थात् यदि $P(E \cap F) \neq P(E)\,.\,P(F)$
2. कभी-कभी स्वतंत्र घटनाओं और परस्पर अपवर्जी घटनाओं के बीच भ्रम पैदा हो जाता है। 'स्वतंत्र घटनाओं' की परिभाषा 'घटनाओं की प्रायिकता' के रूप में की गई है जब कि 'परस्पर अपवर्जी घटनाओं' की परिभाषा 'घटनाओं' के रूप में की गई है। इसके अतिरिक्त, परस्पर अपवर्जी घटनाओं में कोई भी परिणाम सार्व कदापि नहीं हो सकता है किंतु स्वतंत्र घटनाओं में

परिणाम सार्व भी हो सकते हैं, यदि प्रत्येक घटना अरिक्त है। स्पष्टतया 'स्वतंत्र घटनाएँ' और 'परस्पर अपवर्जी घटनाएँ' समानार्थी नहीं हैं।

दूसरे शब्दों में, यदि दो ऐसी स्वतंत्र घटनाएँ घटती हैं जिनकी प्रयिकता शून्येतर है, तो वह परस्पर अपवर्जी नहीं हो सकती हैं। विलोमत: यदि दो शून्येतर प्रायिकता वाली परस्पर अपवर्जी घटनाएँ घटती हैं, तो वह स्वतंत्र नहीं हो सकती हैं।

3. दो यादृच्छिक परीक्षण स्वतंत्र कहलाते हैं, यदि प्रत्येक घटना युग्म E और F के लिए, जहाँ E पहले परीक्षण से तथा F दूसरे परीक्षण से संबंधित हैं, घटनाओं E तथा F के एक साथ घटित होने की प्रायिकता, जब दोनों परीक्षण संपन्न किए जाएँ, प्रायिकता P(E) और P(F) के गुणनफल के बराबर होती हैं, जिनका परिकलन दोनों परीक्षणों के आधार पर अलग-अलग किया जाता है। अर्थात् $P(E \cap F) = P(E) \cdot P(F)$

4. तीन घटनाओं A, B और C को स्वतंत्र कहा जाता है यदि और केवल यदि

$$P(A \cap B) = P(A)\ P(B)$$
$$P(A \cap C) = P(A)\ P(C)$$
$$P(B \cap C) = P(B)\ P(C)$$

और $$P(A \cap B \cap C) = P(A)\ P(B)\ \ P(C)$$

यदि उपरोक्त में से कम से कम एक भी शर्त सत्य नहीं होती है तो दी गई घटनाओं को स्वतंत्र नहीं कहा जाता है।

उदाहरण 10 एक पासे को एक बार उछाला जाता है। घटना 'पासे पर प्राप्त संख्या 3 का अपवर्त्य है', को E से और 'पासे पर प्राप्त संख्या सम है', को F से निरूपित किया जाए तो बताएँ क्या घटनाएँ E और F स्वतंत्र हैं?

हल हम जानते हैं कि इस परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है: $S = \{1, 2, 3, 4, 5, 6\}$

अब $E = \{3, 6\}, F = \{2, 4, 6\}$ और $E \cap F = \{6\}$

तब $P(E) = \frac{2}{6}\ \ \frac{1}{3}, P(F)\ \ \frac{3}{6}\ \ \frac{1}{2}$ और $P(E\ \ \ F)\ \ \frac{1}{6}$

स्पष्टतया $P(E \cap F) = P(E) \cdot P(F)$

अत: E और F स्वतंत्र घटनाएँ हैं।

उदाहरण 11 एक अनभिनत (unbiased) पासे को दो बार उछाला गया। मान लें A घटना 'पहली उछाल पर विषम संख्या प्राप्त होना' और B घटना 'द्वितीय उछाल पर विषम संख्या प्राप्त होना' दर्शाते हैं। घटनाओं A और B के स्वातंत्र्य का परीक्षण कीजिए।

हल यदि सभी 36 मौलिक घटनाओं को समसंभाव्य मान लें तो

$$P(A)\ \ \frac{18}{36}\ \ \frac{1}{2} \text{ और } P(B)\ \ \frac{18}{36}\ \ \frac{1}{2}$$

साथ ही $\qquad P(A \cap B) = P$ (दोनों उछालों में विषम संख्या प्राप्त होना)

$$= \frac{9}{36} \quad \frac{1}{4}$$

अब $\qquad P(A) \,.\, P(B) = \frac{1}{2} \;\frac{1}{2} \quad \frac{1}{4}$

स्पष्टतया $\qquad P(A \cap B) = P(A) \,.\, P(B)$

अत: A और B स्वतंत्र घटनाएँ हैं।

उदाहरण 12 तीन सिक्कों को उछाला गया है। मान लें E घटना 'तीन चित या तीन पट प्राप्त होना' और F घटना 'न्यूनतम दो चित प्राप्त होना' और G घटना 'अधिकतम दो पट प्राप्त होना' को निरूपित करते हैं। युग्म (E,F), (E,G) और (F,G) में कौन-कौन से स्वतंत्र हैं? कौन-कौन से पराश्रित हैं?

हल परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है :

$$S = \{HHH, HHT, HTH, THH, HTT, THT, TTH, TTT\}$$

स्पष्टतया $\qquad E = \{HHH, TTT\}, \quad F = \{HHH, HHT, HTH, THH\}$

और $\qquad G = \{HHT, HTH, THH, HTT, THT, TTH, TTT\}$

साथ ही $\qquad E \cap F = \{HHH\}, \quad E \cap G = \{TTT\}, \quad F \cap \; G = \{ HHT, HTH, THH\}$

इसलिए $\qquad P(E) = \frac{2}{8} \quad \frac{1}{4}, P(F) \quad \frac{4}{8} \quad \frac{1}{2}, P(G) \quad \frac{7}{8}$

$$P(E \cap F) = \frac{1}{8}, P(E \quad G) \quad \frac{1}{8}, P(F \quad G) \quad \frac{3}{8}$$

साथ ही $P(E) \,.\, P(F) = \frac{1}{4} \quad \frac{1}{2} \quad \frac{1}{8}, P(E) \;\; P(G) \quad \frac{1}{4} \quad \frac{7}{8} \quad \frac{7}{32}$ और $P(F) \;\; P(G) \quad \frac{1}{2} \quad \frac{7}{8} \quad \frac{7}{16}$

अत: $\qquad P(E \cap \; F) = P(E) \,.\, P(F)$

$\qquad P(E \cap \; G) \neq P(E) \,.\, P(G)$

और $\qquad P(F \cap \; G) \neq P(F) \,.\, P(G)$

इसलिए घटनाएँ (E और F) स्वतंत्र हैं जबकी घटनाएँ (F और G) और (E और G) पराश्रित हैं।

उदाहरण 13 सिद्ध कीजिए कि यदि E और F दो स्वतंत्र घटनाएँ हैं तो E और F′ भी स्वतंत्र होंगी।

हल क्योंकि E तथा F स्वतंत्र है, इसलिए

$$P(E \cap F) = P(E) \,.\, P(F) \qquad \text{... (1)}$$

चित्र 13.3, के वेन-आरेख से यह स्पष्ट है कि $E \cap F$ और $E \cap F'$ परस्पर अपवर्जी हैं और साथ ही

$$E = (E \cap F) \cup (E \cap F')$$

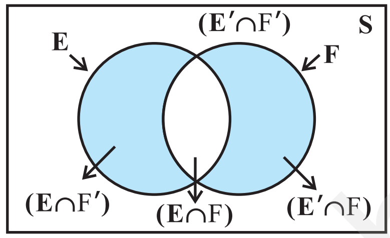

आकृति 13.3

क्योंकि $E \cap F$ और $E \cap F'$ परस्पर अपवर्जी हैं,

इसलिए $\quad P(E) = P(E \cap F) + P(E \cap F')$

या $\quad P(E \cap F') = P(E) - P(E \cap F)$

$= P(E) - P(E) \,.\, P(F)$ (1) से

$= P(E)\, [1 - P(F]$

$= P(E) \,.\, P(F')$

अत: E और F' स्वतंत्र घटनाएँ हैं।

टिप्पणी इसी प्रकार यह दर्शाया जा सकता है कि यदि

(a) E' तथा F स्वतंत्र हैं

(b) E' तथा F' स्वतंत्र हैं।

उदाहरण 14 यदि A और B स्वतंत्र घटनाएँ हैं तो A या B में से न्यूनतम एक के होने की प्रायिकता $= 1 - P(A') \; P(B')$

हल P(A या B में से न्यूनतम एक का होना) $= P(A \cup B)$

$= P(A) + P(B) - P(A \cap B)$

$= P(A) + P(B) - P(A)\, P(B)$

$= P(A) + P(B)\, [1 - P(A)]$

$= P(A) + P(B) \,.\, P(A')$

$= 1 - P(A') + P(B)\, P(A')$

$= 1 - P(A')\;\; [1 - P(B)]$

$= 1 - P(A')\, P\,(B')$

प्रश्नावली 13.2

1. यदि $P(A) \; \frac{3}{5}$, $P(B) \; \frac{1}{5}$ और A तथा B स्वतंत्र घटनाएँ हैं तो $P(A \cap B)$ ज्ञात कीजिए।
2. 52 पत्तों की एक गड्डी में से यादृच्छया बिना प्रतिस्थापित किए गए दो पत्ते निकाले गए। दोनों पत्तों के काले रंग का होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।
3. संतरों के एक डिब्बे का निरीक्षण उसमें से तीन संतरों को यादृच्छया बिना प्रतिस्थापित किए हुए निकाल कर किया जाता है। यदि तीनों निकाले गए संतरे अच्छे हों तो डिब्बे को बिक्री के

लिए स्वीकृत किया जाता है अन्यथा अस्वीकृत कर देते हैं। एक डिब्बा जिसमें 15 संतरे हैं जिनमें से 12 अच्छे व 3 खराब संतरे हैं, के बिक्री के लिए स्वीकृत होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

4. एक न्याय्य सिक्का और एक अभिनत पासे को उछाला गया। मान लें A घटना 'सिक्के पर चित प्रकट होता है' और B घटना 'पासे पर संख्या 3 प्रकट होती है' को निरूपित करते हैं। निरीक्षण कीजिए कि घटनाएँ A और B स्वतंत्र हैं या नहीं?

5. एक पासे पर 1, 2, 3 लाल रंग से और 4, 5, 6 हरे रंग से लिखे गए हैं। इस पासे को उछाला गया। मान लें A घटना 'संख्या सम है' और B घटना 'संख्या लाल रंग से लिखी गई है', को निरूपित करते हैं। क्या A और B स्वतंत्र हैं?

6. मान लें E तथा F दो घटनाएँ इस प्रकार हैं कि $P(E)\ \frac{3}{5}, P(F)\ \frac{3}{10}$ और $P(E \cap F) = \frac{1}{5}$ तब क्या E तथा F स्वतंत्र हैं?

7. A और B ऐसी घटनाएँ दी गई हैं जहाँ $P\ A\ = \frac{1}{2}, P(A \cup B) = \frac{3}{5}$ तथा $P(B) = p$. p का मान ज्ञात कीजिए यदि (i) घटनाएँ परस्पर अपवर्जी हैं। (ii) घटनाएँ स्वतंत्र हैं।

8. मान लें A और B स्वतंत्र घटनाएँ हैं तथा P(A) = 0.3 और P(B) = 0.4. तब

(i) $P(A \cap B)$ (ii) $P(A \cup B)$

(iii) $P(A|B)$ (iv) $P\ B\,|\,A$ ज्ञात कीजिए।

9. दी गई घटनाएँ A और B ऐसी हैं, जहाँ $P(A)\ \frac{1}{4}, P(B) = \frac{1}{2}$ और $P(A \cap B) = \frac{1}{8}$ तब P(A-नहीं और B-नहीं) ज्ञात कीजिए।

10. मान लें A तथा B स्वतंत्र घटनाएँ हैं और $P(A) = \frac{1}{2}$ तथा $P(B) = \frac{7}{12}$ और P(A-नहीं और B-नहीं) $\frac{1}{4}$. क्या A और B स्वतंत्र घटनाएँ हैं?

11. A और B स्वतंत्र घटनाएँ दी गई हैं जहाँ P(A) = 0.3, P(B) = 0.6 तो

(i) P(A और B) (ii) P(A और B-नहीं)

(iii) P(A या B) (iv) P(A और B में कोई भी नहीं) का मान ज्ञात कीजिए।

12. एक पासे को तीन बार उछाला जाता है तो कम से कम एक बार विषम संख्या प्राप्त होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

13. दो गेंद एक बॉक्स से बिना प्रतिस्थापित किए निकाली जाती है। बॉक्स में 10 काली और 8 लाल गेंदें हैं तो प्रायिकता ज्ञात कीजिए (i) दोनों गेंदें लाल हों (ii) प्रथम काली एवं दूसरी लाल हो (iii) एक काली तथा दूसरी लाल हो।

14. एक विशेष समस्या को A और B द्वारा स्वतंत्र रूप से हल करने की प्रायिकताएँ क्रमशः $\frac{1}{2}$ और $\frac{1}{3}$ हैं। यदि दोनों, स्वतंत्र रूप से, समस्या हल करने का प्रयास करते हैं, तो प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि

(i) समस्या हल हो जाती है

(ii) उनमें से तथ्यतः कोई एक समस्या हल कर लेता है।

15. ताश के 52 पत्तों की एक सुमिश्रित गड्डी से एक पत्ता यादृच्छया निकाला जाता है। निम्नलिखित में से किन दशाओं में घटनाएँ E और F स्वतंत्र हैं?

(i) E : 'निकाला गया पत्ता हुकुम का है'
F : 'निकाला गया पत्ता इक्का है'

(ii) E : 'निकाला गया पत्ता काले रंग का है'
F : 'निकाला गया पत्ता एक बादशाह है'

(iii) E : 'निकाला गया पत्ता एक बादशाह या एक बेगम है'
F : 'निकाला गया पत्ता एक बेगम या एक गुलाम है'

16. एक छात्रावास में 60% विद्यार्थी हिंदी का, 40% अंग्रेज़ी का और 20% दोनों अखबार पढ़ते हैं। एक छात्रा को यादृच्छया चुना जाता है।

(a) प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि वह न तो हिंदी और न ही अंग्रेज़ी का अखबार पढ़ती है।

(b) यदि वह हिंदी का अखबार पढ़ती है तो उसके अंग्रेज़ी का अखबार भी पढ़ने वाली होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

(c) यदि वह अंग्रेज़ी का अखबार पढ़ती है तो उसके हिंदी का अखबार भी पढ़ने वाली होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

17. यदि पासों का एक जोड़ा उछाला जाता है तो प्रत्येक पासे पर सम अभाज्य संख्या प्राप्त करने की प्रायिकता निम्नलिखित में से क्या है?

(A) 0 (B) $\frac{1}{3}$ (C) $\frac{1}{12}$ (D) $\frac{1}{36}$

18. दो घटनाओं A और B को परस्पर स्वतंत्र कहते हैं, यदि

(A) A और B परस्पर अपवर्जी हैं (B) $P(A'B') = [1-P(A)][1-P(B)]$

(C) $P(A) = P(B)$ (D) $P(A) + P(B) = 1$

13.5 बेज़-प्रमेय (Bayes' Theorem)

मान लीजिए कि दो थैले I और II दिए गए हैं। थैला I में 2 सफ़ेद और 3 लाल गेंदें हैं। और थैला II में 4 सफ़ेद और 5 लाल गेंदें हैं। किसी एक थैले में से एक गेंद यादृच्छया निकाली जाती है। हम किसी एक थैले को चुनने की प्रायिकता $\frac{1}{2}$ ज्ञात कर सकते हैं या किसी विशेष थैले (मान लें थैला I) में से एक विशेष रंग (मान लें सफ़ेद) गेंद को निकालने की प्रायिकता भी ज्ञात कर सकते हैं। अन्य शब्दों में हम किसी विशेष रंग की गेंद निकालने की प्रायिकता ज्ञात कर सकते हैं, यदि हमें यह दिया गया हो कि गेंद कौन-से थैले से निकाली गई है। लेकिन क्या हम इस बात की प्रायिकता ज्ञात कर सकते हैं कि गेंद किसी विशेष थैले (मान लें थैला-II) से निकाली गई है यदि हमें निकाली गई गेंद का रंग पता है? यहाँ हमें थैला-II के चुनने की प्रतिलोम (reverse)प्रायिकता ज्ञात करनी है जबकि इसके बाद होने वाली घटना का हमें ज्ञान है। प्रसिद्ध गणितज्ञ जॉन बेज़ ने प्रतिलोम प्रायिकता ज्ञात करने की समस्या का समाधान सप्रतिबंध प्रायिकता के उपयोग द्वारा किया है। उनके द्वारा बनाया गया सूत्र 'बेज़-प्रमेय' के नाम से जाना जाता है जो उनकी मृत्योपरांत 1763 में प्रकाशित हुआ था। बेज़-प्रमेय के कथन व प्रमाण से पूर्व आइए एक परिभाषा और कुछ प्रारंभिक परिणामों पर विचार कीजिए।

13.5.1 *एक प्रतिदर्श समष्टि का विभाजन (Partition of a sample space)*

घटनाओं $E_1, E_2 \ldots E_n$ के समुच्चय को प्रतिदर्श समष्टि S के विभाजन को निरूपित करता है यदि

(a) $E_i \cap E_j = \phi,\ i \neq j,\ i, j = 1, 2, 3, \ldots n$

(b) $E_1 \cup E_2 \cup \ldots \cup E_n = S$ तथा

(c) $P(E_i) > 0$, प्रत्येक $i = 1, 2, \ldots, n$ के लिए

दूसरे शब्दों में, घटनाएँ $E_1, E_2, \ldots E_n$ प्रतिदर्श समष्टि S के विभाजन को निरूपित करती हैं यदि वे युग्मत: असंयुक्त हैं, समग्र है तथा उनकी प्रायिकता शून्येतर है।

उदाहरणत: हम देखते हैं कि कोई घटना E और उसकी पूरक घटना E′ प्रतिदर्श समष्टि S का विभाजन है क्योंकि $E \cap E' = \phi$ और $E \cup E' = S$.

वेन-आरेख चित्र 13.3, से हम आसानी से प्रेक्षण कर सकते हैं कि यदि E और F किसी प्रतिदर्श समष्टि S, के संगत कोई दो घटनाएँ हैं, तो $\{E \cap F, E \cap F'\}$ समुच्चय E का एक विभाजन है।

समुच्चय $\{E' \cap F, E \cap F, E \cap F'\}$ समुच्चय $E \cup F$ का एक विभाजन है और समुच्चय $\{E \cap F', E \cap F, E' \cap F, E' \cap F'\}$ संपूर्ण प्रतिदर्श S का एक विभाजन है।

अब हम संपूर्ण प्रायिकता की प्रमेय को सिद्ध करेंगे।

13.5.2 *संपूर्ण प्रायिकता की प्रमेय (Theorem of Total Probability)*

मान लें $\{E_1, E_2, \ldots, E_n\}$ प्रतिदर्श समष्टि S, का एक विभाजन है और मान लें कि प्रत्येक घटना $E_1, E_2, \ldots, E_n$ की प्रायिकता शून्येत्तर है। मान लीजिए A प्रतिदर्श समष्टि के संगत एक

घटना है, तब,

$$P(A) = P(E_1)\ P(A|E_1) + P(E_2)\ P(A|E_2) + ... + P(E_n)\ P(A|E_n)$$

$$= \sum_{j=1}^{n} P(E_j)P(A|E_j)$$

उपपत्ति दिया गया है कि $E_1, E_2, ..., E_n$ प्रतिदर्श समष्टि S का एक विभाजन है (चित्र 13.4) इसलिए,

$$S = E_1 \cup E_2 \cup ... \cup E_n \quad ... (1)$$

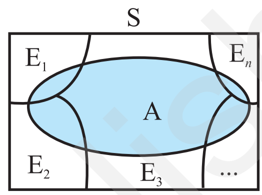

आकृति 13.4

और $\qquad E_i \cap E_j = \phi\ \forall\ i \neq j,\ i, j = 1, 2, ..., n$

हमें ज्ञात है कि किसी घटना A, के लिए

$$A = A \cap S$$

$$= A \cap (E_1 \cup E_2 ... E_n)$$

$$= (A \cap E_1) \cup (A \cap E_2) \cup ... \cup (A \cap E_n)$$

साथ ही $A \cap E_i$, और $A \cap E_j$, क्रमशः समुच्चयो E_i और E_j के उपसमुच्चय हैं जो $i \neq j$, के लिए असंयुक्त है इसलिए $i \neq j,\ i, j = 1, 2 ..., n$ के लिए $A \cap E_i$ और $A \cap E_j$ भी असंयुक्त हैं।

इसलिए $\qquad P(A) = P[(A \cap E_1) \cup (A \cap E_2) \cup .....\cup (A \cap E_n)]$

$$= P(A \cap E_1) + P(A \cap E_2) + ... + P(A \cap E_n)$$

अब $\qquad P(A \cap E_i) = P(E_i)\ P(A|E_i)$ क्योंकि $P(E_i) \neq 0 \forall i = 1,2,..., n$

प्रायिकता के गुणन नियम द्वारा हम जानते हैं कि

इसलिए $\qquad P(A) = P(E_1)\ P(A|E_1) + P(E_2)\ P(A|E_2) + ... + P(E_n)\ P(A|E_n)$

या $\qquad P(A) = \sum_{j=1}^{n} P(E_j)P(A|E_j)$

उदाहरण 15 किसी व्यक्ति ने एक निर्माण कार्य का ठेका लिया है। हड़ताल होने की प्रायिकता 0.65 है। हड़ताल न होने की तथा हड़ताल होने की स्थितियों में निर्माण कार्य के समयानुसार पूर्ण होने की प्रायिकताएँ क्रमशः 0.80 तथा 0.32 हैं। निर्माण कार्य के समयानुसार पूर्ण होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि 'निर्माण कार्य के समयानुसार पूर्ण होने' की घटना को A और 'हड़ताल होने' की घटना को B द्वारा निरूपित किया जाता है। हमें P(A) ज्ञात करना है। हमें ज्ञात है कि

$$P(B) = 0.65, P(\text{हड़ताल नहीं}) = P(B') = 1 - P(B) = 1 - 0.65 = 0.35$$

$$P(A | B) = 0.32, P(A | B') = 0.80$$

क्योंकि घटनाएँ B और B′ समष्टि समुच्चय के विभाजन हैं इसलिए संपूर्ण प्रायिकता प्रमेय द्वारा

$$= P(B)\ .\ P(A | B) + P(B')\ P(A | B')$$

$$= 0.65 \times 0.32 + 0.35 \times 0.8$$
$$= 0.208 + 0.28 = 0.488$$

अतः निर्माण कार्य समयानुसार पूर्ण होने की प्रायिकता 0.488 है।

अब हम बेज़-प्रमेय का प्रकथन करेंगे तथा इसे सिद्ध करेंगे।

बेज़-प्रमेय (Bayes' Theorem) यदि $E_1, E_2, ..., E_n$ अरिक्त घटनाएँ हैं जो कि प्रतिदर्श समष्टि S के विभाजन का निर्माण करती हैं अर्थात् $E_1, E_2, ..., E_n$ युग्मतः असंयुक्त हैं और $E_1 \cup E_2 \cup ,..., \cup E_n = S$ और A कोई ऐसी घटना है जिसकी प्रायिकता शून्येतर है, तो

$$P(E_i|A) = \frac{P(E_i)P(A|E_i)}{\sum_{j=1}^{n} P(E_j)P(A|E_j)}, \quad i = 1, 2, 3, ..., n$$

उपपत्ति हमें ज्ञात है कि

$$P(E_i|A) = \frac{P(A \cap E_i)}{P(A)}$$

$$= \frac{P(E_i)P(A|E_i)}{P(A)} \qquad \text{(प्रायिकता के गुणन नियम से)}$$

$$= \frac{P(E_i)P(A|E_i)}{\sum_{j=1}^{n} P(E_j)P(A|E_j)} \qquad \text{(संपूर्ण प्रायिकता के नियम से)}$$

टिप्पणी बेज़-प्रमेय के अनुप्रयोग में निम्नलिखित शब्दावली का उपयोग करते हैं

घटनाओं $E_1, E_2, ... E_n$ को परिकल्पनाएँ (hypotheses) कहते हैं।

$P(E_i)$ को परिकल्पना E_i की पूर्वकालीन (a priori) प्रायिकता कहते हैं। सप्रतिबंध प्रायिकता $P(E_i|A)$ को परिकल्पना E_i की उत्तरकालीन (a posteriori) प्रायिकता कहते हैं।

बेज़ प्रमेय को 'कारणों' की प्रायिकता का सूत्र भी कहा जाता है। क्योंकि E_i प्रतिदर्श समष्टि S के एक विभाजन का निर्माण करते हैं इसलिए घटनाओं E_i में से एक समय में एक और केवल एक ही घटित होती है (अर्थात् E_i में से केवल एक ही घटना घटती है और एक से अधिक नहीं घट सकती है) अतः उपरोक्त सूत्र हमें किसी विशेष E_i (अर्थात् एक कारण) की प्रायिकता देता है जबकि घटना A का घटित होना दिया गया है।

बेज़-प्रमेय की विविध परिस्थितियों में उपयोगिता है। इनमें से कुछ को निम्नलिखित उदाहरणों में स्पष्ट किया गया है।

उदाहरण 16 दो थैले I और II दिए हैं। थैले I में 3 लाल और 4 काली गेंदें हैं जब कि थैले II में 5 लाल और 6 काली गेंदें हैं। किसी एक थैले में से यादृच्छया एक गेंद निकाली गई है जो कि लाल रंग की है। इस बात की क्या प्रायिकता है कि यह गेंद थैले II से निकाली गई है?

हल थैले I का चयन होना को E_1 से और थैले II के चयन को E_2 मान लीजिए। मान लीजिए कि लाल रंग की गेंद निकलने की घटना को A से निरूपित करते हैं।

तब $$P(E_1) = P(E_2) = \frac{1}{2}$$

साथ ही $$P(A|E_1) = P(\text{थैले I में से लाल रंग की गेंद निकालना}) = \frac{3}{7}$$

और $$P(A|E_2) = P(\text{थैले II में से लाल रंग की गेंद निकालना}) = \frac{5}{11}$$

अब थैले II में से गेंद निकालने की प्रायिकता, जब कि यह ज्ञात है कि वह लाल रंग की है $= P(E_2|A)$, बेज़-प्रमेय द्वारा

$$P(E_2|A) = \frac{P(E_2)P(A|E_2)}{P(E_1)P(A|E_1)+P(E_2)P(A|E_2)} \quad \frac{\frac{1}{2}\ \frac{5}{11}}{\frac{1}{2}\ \frac{3}{7}\ \frac{1}{2}\ \frac{5}{11}} \quad \frac{35}{68}$$

उदाहरण 17 तीन अभिन्न डिब्बे I, II और III दिए गए हैं जहाँ प्रत्येक में दो सिक्के हैं। डिब्बे I में दोनों सिक्के सोने के है, डिब्बे II में दोनों सिक्के चाँदी के हैं और डिब्बे III में एक सोने और एक चाँदी का सिक्का है। एक व्यक्ति यादृच्छया एक डिब्बा चुनता है और उसमें से यादृच्छया एक सिक्का निकालता है। यदि सिक्का सोने का है, तो इस बात की क्या प्रायिकता है कि डिब्बे में दूसरा सिक्का भी सोने का ही है?

हल मान लें E_1, E_2 और E_3 क्रमशः डिब्बे I, II और III के चयन को निरूपित करते हैं

तब $$P(E_1) = P(E_2) = P(E_3) = \frac{1}{3}$$

साथ ही मान लें A घटना 'निकाला गया सिक्का सोने का है' को दर्शाता है।

तब $$P(A|E_1) = P(\text{डिब्बे I से सोने का सिक्का निकलना}) = \frac{2}{2} = 1$$

$$P(A|E_2) = P(\text{डिब्बे II से सोने का एक सिक्का निकलना}) = 0$$

$$P(A|E_3) = P(\text{डिब्बे III से सोने का सिक्का निकलना}) = \frac{1}{2}$$

अब डिब्बे में दूसरा सिक्का भी सोने का होने की प्रायिकता

= निकाला गया सोने का सिक्का डिब्बे I से होने की प्रायिकता

$= P(E_1|A)$

अब बेज़-प्रमेय द्वारा

$$P(E_1|A) = \frac{P(E_1)P(A|E_1)}{P(E_1)PA|E_1)+P(E_2)P(A|E_2)+P(E_3)P(A|E_3)}$$

$$= \frac{\frac{1}{3} \quad 1}{\frac{1}{3} \quad 1 \quad \frac{1}{3} \quad 0 \quad \frac{1}{3} \quad \frac{1}{2}} \quad \frac{2}{3}$$

उदाहरण 18 मान लें कि एक एच.आई.वी. परीक्षण की विश्वसनीयता निम्नलिखित प्रकार से निर्दिष्ट की गई है।

एच.आई.वी. पोजीटिव व्यक्तियों के लिए परीक्षण 90% पता लगाने में और 10% पता न लगाने में सक्षम है। एच.आई.वी. से स्वतंत्र व्यक्तियों के लिए परीक्षण, 99% सही पता लगाता है यानी एच. आई.वी नेगेटिव बताता है जबकि 1% परीक्षित व्यक्तियों के लिए एच.आई.वी. पोजीटिव बताता है। एक बड़ी जनसंख्या, जिसमें 0.1% व्यक्ति एच.आई.वी. ग्रस्त है, में से एक व्यक्ति यादृच्छया चुना जाता है और उस का परीक्षण किया जाने पर रोगविज्ञानी एच.आई.वी. की उपस्थिति बताता है। क्या प्रायिकता है कि वह व्यक्ति वास्तव में एच.आई.वी. (पोजीटिव) है?

हल मान लें E चुने गए व्यक्ति के वास्तव में एच.आई.वी. पोजीटिव होने की घटना और A व्यक्ति के एच.आई.वी. परीक्षण में पोजीटिव होने की घटना को दर्शाते हैं। हमें $P(E|A)$ ज्ञात करना है।

साथ ही E' चुने गए व्यक्ति के एच.आई.वी. पोजीटिव न होने की घटना को दर्शाता है।

स्पष्टतया $\{E, E'\}$ जनसंख्या में सभी व्यक्तियों के प्रतिदर्श समष्टि का एक विभाजन है। हमें ज्ञात है

$$P(E) = 0.1\% \quad \frac{0.1}{100} \quad 0.001$$

$$P(E') = 1 - P(E) = 0.999$$

$P(A|E) = P$ (व्यक्ति का परीक्षण में एच.आई.वी. पोजीटिव दर्शाना जबकि दिया गया है कि वह वास्तव में एच.आई.वी. पोजीटिव है) $= 90\% = \frac{9}{10} \quad 0.9$

और $P(A|E') = P$ (व्यक्ति का परीक्षण में एच.आई.वी. पोजीटिव दर्शाना जब कि दिया गया है कि वह वास्तव में एच.आई.वी. पोजीटिव नहीं है) $= 1\% = 0.01$

अब बेज़-प्रमेय द्वारा

$$P(E|A) = \frac{P(E)P(A|E)}{P(E)P(A|E)+P(E\ )P(A\,|\,E\ )}$$

$$= \frac{0.001 \quad 0.9}{0.001 \quad 0.9 \quad 0.999 \quad 0.01} \quad \frac{90}{1089} = 0.083 \text{ (लगभग)}$$

अत: एक यादृच्छया चुने गए व्यक्ति के वास्तव में एच.आई.वी. पोजीटिव होने की प्रायिकता जब कि ज्ञात है कि उसका एच.आई.वी. परीक्षण पोजीटिव है, 0.083 है।

उदाहरण 19 एक बोल्ट बनाने के कारख़ाने में मशीनें (यंत्र) A, B और C कुल उत्पादन का क्रमश: 25%, 35% और 40% बोल्ट बनाती हैं। इन मशीनों के उत्पादन का क्रमश: 5, 4, और 2 प्रतिशत भाग खराब (त्रुटिपूर्ण) हैं। बोल्टों के कुल उत्पादन में से एक बोल्ट यादृच्छया निकाला जाता है और वह खराब पाया जाता है। इसकी क्या प्रायिकता है कि यह बोल्ट मशीन B द्वारा बनाया गया है?

हल मान लिया कि घटनाएँ B_1, B_2, B_3 निम्न प्रकार है:

B_1 : बोल्ट मशीन A द्वारा बनाया गया है

B_2 : बोल्ट मशीन B द्वारा बनाया गया है

B_3 : बोल्ट मशीन C द्वारा बनाया गया है

स्पष्ट है कि घटनाएँ B_1, B_2, B_3 परस्पर अपवर्जी और परिपूर्ण है। मान लिया कि घटना E निम्न प्रकार है: E बोल्ट खराब है।

घटना E, घटनाओं B_1 या B_2 या B_3 के साथ घटित होती है। दिया है:

$$P(B_1) = 25\% = 0.25,\ \ P(B_2) = 0.35 \text{ और } P(B_3) = 0.40$$

पुन: $P(E|B_1)$ = बोल्ट के खराब होने की प्रायिकता जब कि दिया हो कि वह मशीन B द्वारा निर्मित है

$$= 5\% = 0.05$$

इसी प्रकार $P(E|B_2) = 0.04,\ \ P(E|B_3) = 0.02$

बेज़-प्रमेय द्वारा हमें ज्ञात है कि

$$P(B_2|E) = \frac{P(B_2)P(E|B_2)}{P(B_1)P(E|B_1)+P(B_2)P(E|B_2)+P(B_3)P(E+|B_3)}$$

$$= \frac{0.35 \quad 0.04}{0.25 \quad 0.05 \quad 0.35 \quad 0.04 \quad 0.40 \quad 0.02} \quad \frac{0.0140}{0.0345} \quad \frac{28}{69}$$

उदाहरण 20 एक डॉक्टर को एक रोगी को देखने आना है। पहले के अनुभवों से यह ज्ञात है कि उसके ट्रेन, बस, स्कूटर या किसी अन्य वाहन से आने की प्रायिकताएँ क्रमशः $\frac{3}{10}, \frac{1}{5}, \frac{1}{10}$ या $\frac{2}{5}$ है यदि वह ट्रेन, बस या स्कूटर से आता है तो उसके देर से आने की प्रायिकताएँ क्रमशः $\frac{1}{4}, \frac{1}{3},$ या $\frac{1}{12}$ है, परंतु किसी अन्य वाहन से आने पर उसे देर नहीं होती है। यदि वह देर से आया, तो उसके ट्रेन से आने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि 'डॉक्टर के रोगी के यहाँ देर से आने' की घटना E है। यदि डॉक्टर के ट्रेन, बस, स्कूटर या किसी अन्य वाहन द्वारा आने की घटनाएँ क्रमशः T_1, T_2, T_3, और T_4 हो, तो

$$P(T_1) = \frac{3}{10}, P(T_2) \ \frac{1}{5}, P(T_3) \ \frac{1}{10} \text{ और } P(T_4) \ \frac{2}{5} \qquad \text{(दिया है)}$$

$$P(E|T_1) = \text{डॉक्टर के ट्रेन द्वारा आने पर देर से पहुँचने की प्रायिकता} = \frac{1}{4}$$

इसी प्रकार, $P(E|T_2) = \frac{1}{3}$, $P(E|T_3) = \frac{1}{12}$, $P(E|T_4) = 0$, क्योंकि अन्य वाहन द्वारा आने पर उसे देरी नहीं होती।

अब बेज़-प्रमेय द्वारा

$P(T_1|E)$ = डॉक्टर द्वारा देर से आने पर ट्रेन द्वारा आने की प्रायिकता

$$= \frac{P(T_1)P(E|T_1)}{P(T_1)P(E|T_1)+P(T_2)P(E|T_2)+P(T_3)P(E|T_3)+P(T_4)P(E|T_4)}$$

$$= \frac{\frac{3}{10} \ \frac{1}{4}}{\frac{3}{10} \ \frac{1}{4} \ \frac{1}{5} \ \frac{1}{3} \ \frac{1}{10} \ \frac{1}{12} \ \frac{2}{5} \ 0} \quad \frac{3}{40} \ \frac{120}{18} \ \frac{1}{2}$$

अतः अभीष्ट प्रायिकता $\frac{1}{2}$ है।

उदाहरण 21 एक व्यक्ति के बारे में ज्ञात है कि वह 4 में से 3 बार सत्य बोलता है। वह एक पासे को उछालता है और बतलाता है कि उस पर आने वाली संख्या 6 है। इस की प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि पासे पर आने वाली संख्या वास्तव में 6 है।

हल मान लीजिए कि E, 'व्यक्ति द्वारा पासे को उछाल कर यह बताने की कि उस पर आने वाली संख्या 6 है' की घटना है। मान लीजिए कि S_1, पासे पर संख्या 6 आने की घटना और S_2 पासे पर संख्या 6 नहीं आने की घटना हैं। तब

$$P(S_1) = \text{संख्या 6 आने की घटना की प्रायिकता} = \frac{1}{6}$$

$$P(S_2) = \text{संख्या 6 नहीं आने की घटना की प्रायिकता} = \frac{5}{6}$$

$P(E|S_1)$ = व्यक्ति द्वारा यह बताने पर कि पासे कि संख्या 6 आई है जबकि पासे पर आने वाली संख्या वास्तव में 6 है, की प्रायिकता

$$= \text{व्यक्ति द्वारा सत्य बोलने की प्रायिकता} = \frac{3}{4}$$

$P(E|S_2)$ = व्यक्ति द्वारा यह बताने पर कि पासे पर संख्या 6 आई है जबकि पासे पर आने वाली संख्या वास्तव में 6 नहीं है, की प्रायिकता

$$= \text{व्यक्ति द्वारा सत्य नहीं बोलने की प्रायिकता} \quad 1 \quad \frac{3}{4} \quad \frac{1}{4}$$

अब बेज़-प्रमेय द्वारा

$P(S_1|E)$ = व्यक्ति द्वारा यह बताने की प्रायिकता कि संख्या 6 प्रकट हुई है, जब वास्तव में संख्या 6 है

$$= \frac{P(S_1)P(E|S_1)}{P(S_1)P(E|S_1)+P(S_2)P(E|S_2)} = \frac{\frac{1}{6} \quad \frac{3}{4}}{\frac{1}{6} \quad \frac{3}{4} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{1}{4}} \quad \frac{1}{8} \quad \frac{24}{8} \quad \frac{3}{8}$$

अतः अभीष्ट प्रायिकता $\frac{3}{8}$ है।

प्रश्नावली 13.3

1. एक कलश में 5 लाल और 5 काली गेंदें हैं। यादृच्छया एक गेंद निकाली जाती है, इसका रंग नोट करने के बाद पुनः कलश में रख दी जाती है। पुनः निकाले गए रंग की 2 अतिरिक्त गेंदें कलश में रख दी जाती है तथा कलश में से एक गेंद निकाली जाती है। दूसरी गेंदें की लाल होने की प्रायिकता क्या है?
2. एक थैले में 4 लाल और 4 काली गेंदें हैं और एक अन्य थैले में 2 लाल और 6 काली गेंदें हैं। दोनों थैलों में से एक को यादृच्छया चुना जाता है और उसमें एक गेंद निकाली जाती है जो कि लाल है। इस बात की क्या प्रायिकता है कि गेंद पहले थैले से निकाली गई है?
3. यह ज्ञात है कि एक महाविद्यालय के छात्रों में से 60% छात्रावास में रहते हैं और 40% छात्रावास में नहीं रहते हैं। पूर्ववर्ती वर्ष के परिणाम सूचित करते हैं कि छात्रावास में रहने वाले छात्रों में से 30% और छात्रावास में न रहने वाले छात्रों में से 20% छात्रों ने A-ग्रेड लिया। वर्ष के अंत में महाविद्यालय के एक छात्र को यादृच्छया चुना गया और यह पाया गया कि उसे A-ग्रेड मिला है। इस बात की क्या प्रायिकता है कि वह छात्र छात्रावास मे रहने वाला है?

4. एक बहुविकल्पी प्रश्न का उत्तर देने में एक विद्यार्थी या तो प्रश्न का उत्तर जानता है या वह अनुमान लगाता है। मान लें कि उसके उत्तर जानने की प्रायिकता $\frac{3}{4}$ है और अनुमान लगाने की प्रायिकता $\frac{1}{4}$ है। मान लें कि छात्र के प्रश्न के उत्तर का अनुमान लगाने पर सही उत्तर देने की प्रायिकता $\frac{1}{4}$ है तो इस बात की क्या प्रायिकता है कि कोई छात्र प्रश्न का उत्तर जानता है यदि यह ज्ञात है कि उसने सही उत्तर दिया है?

5. किसी विशेष रोग के सही निदान के लिए रक्त की जाँच 99% असरदार है, जब वास्तव में रोगी उस रोग से ग्रस्त होता है। किंतु 0.5% बार किसी स्वस्थ व्यक्ति की रक्त जाँच करने पर निदान गलत रिपोर्ट देता है यानी व्यक्ति को रोग से ग्रस्त बतलाता है। यदि किसी जनसमुदाय में 0.1% लोग उस रोग से ग्रस्त है तो क्या प्रायिकता है कि कोई यादृच्छया चुना गया व्यक्ति उस रोग से ग्रस्त होगा यदि उसके रक्त की जाँच में यह बताया जाता है कि उसे यह रोग है?

6. तीन सिक्के दिए गए हैं। एक सिक्के के दोनों ओर चित ही है। दूसरा सिक्का अभिनत है जिसमें चित 75% बार प्रकट होता है और तीसरा अनभितन सिक्का है। तीनों में से एक सिक्के को यादृच्छया चुना गया और उसे उछाला गया है। यदि सिक्के पर चित प्रकट हो, तो क्या प्रायिकता है कि वह दोनों चित वाला सिक्का है?

7. एक बीमा कंपनी 2000 स्कूटर चालकों, 4000 कार चालकों और 6000 ट्रक चालकों का बीमा करती है। दुर्घटनाओं की प्रायिकताएँ क्रमशः 0.01, 0.03 और 0.15 है। बीमाकृत व्यक्तियों (चालकों) में से एक दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। उस व्यक्ति के स्कूटर चालक होने की प्रायिकता क्या है?

8. एक कारखाने में A और B दो मशीने लगी हैं। पूर्व विवरण से पता चलता है कि कुल उत्पादन का 60% मशीन A और 40% मशीन B द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त मशीन A का 2% और मशीन B का 1% उत्पादन खराब है। यदि कुल उत्पादन का एक ढेर बना लिया जाता है और उस ढेर से यादृच्छया निकाली गई वस्तु खराब हो, तो इस वस्तु के 'मशीन A' द्वारा बने होने की प्रायिकता क्या होगी?

9. दो दल एक निगम के निदेशक मंडल में स्थान पाने की प्रतिस्पर्धा में हैं। पहले तथा दूसरे दल के जीतने की प्रायिकताएँ क्रमशः 0.6 तथा 0.4 हैं। इसके अतिरिक्त यदि पहला दल जीतता है तो एक नए उत्पाद के प्रारम्भ होने की प्रायिकता 0.7 है और यदि दूसरा दल जीतता है तो इस बात की संगत प्रायिकता 0.3 है। इसकी प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि नया उत्पादन दूसरे दल द्वारा प्रारम्भ किया गया था।

10. मान लीजिए कि कोई लड़की एक पासा उछालती है। यदि उसे 5 या 6 की संख्या प्राप्त होती है तो वह एक सिक्के को तीन बार उछालती है और 'चितों' की संख्या नोट करती है। यदि

उसे 1, 2, 3 या 4 की संख्या प्राप्त होती है तो वह एक सिक्के को एक बार उछालती है और यह नोट करती है कि उस पर 'चित' या 'पट' प्राप्त हुआ। यदि उसे ठीक एक चित प्राप्त होता है, तो उसके द्वारा उछाले गए पासे पर 1, 2, 3 या 4 प्राप्त होने की प्रायिकता क्या है?

11. एक व्यावसायिक निर्माता के पास A, B तथा C मशीन ऑपरेटर हैं। प्रथम ऑपरेटर A 1% खराब सामग्री उत्पादित करता हैं तथा ऑपरेटर B और C क्रमश: 5% और 7% खराब सामग्री उत्पादित करता है। कार्य पर A कुल समय का 50% लगाता है, B कुल समय का 30% तथा C कुल समय का 20% लगाता है। यदि एक खराब सामग्री उत्पादित है तो इसे A द्वारा उत्पादित किए जाने की प्रायिकता क्या है?

12. 52 ताशों की गड्डी से एक पत्ता खो जाता है। शेष पत्तों से दो पत्ते निकाले जाते हैं जो ईंट के पत्ते हैं। खो गए पत्ते की ईंट होने की प्रायिकता क्या है?

13. A द्वारा सत्य बोलने की प्रायिकता $\frac{4}{5}$ है। एक सिक्का उछाला जाता है तथा A बताता है कि चित प्रदर्शित हुआ। वास्तविक रूप में चित प्रकट होने की प्रायिकता है:

(A) $\frac{4}{5}$ (B) $\frac{1}{2}$ (C) $\frac{1}{5}$ (D) $\frac{2}{5}$

14. यदि A और B ऐसी घटनाएँ हैं कि $A \subset B$ तथा $P(B) \neq 0$ तो निम्न में से कौन ठीक है:

(A) $P(A \mid B) \; \frac{P(B)}{P(A)}$ (B) $P(A|B) < P(A)$

(C) $P(A|B) \geq P(A)$ (D) इनमें से कोई नहीं

13.6 यादृच्छिक चर और इसके प्रायिकता बंटन (Random Variables and its Probability Distribution)

हम, यादृच्छिक परीक्षणों और उनके प्रतिदर्श निर्माण के बारे में पहले ही सीख चुके हैं इन परीक्षणों में से अधिकतर में हम विशेष परिणाम के इच्छुक नहीं थे किंतु इन परिणामों से संबंधित किसी संख्या में इच्छुक थे।

आइए कुछ परीक्षणों और उनके परिणामों पर विचार करें।

(i) दो पासों को फेंकने के परीक्षण में हम दोनों पासों पर प्रकट संख्याओं के योग में इच्छुक हो सकते हैं।

(ii) एक सिक्के को 50 बार उछालने में हमारी रुचि चितों की संख्या में हो सकती है।

(iii) 20 वस्तुओं के एक ढेर से, जिसमें 6 खराब है, 4 वस्तुओं को (एक के बाद एक) निकालने के परीक्षण में हमारी रुचि 4 वस्तुओं के प्रतिदर्श में खराब वस्तुओं की संख्या में हो सकती है न की खराब और ठीक वस्तुओं के किसी विशेष अनुक्रम में।

उपर्युक्त में से प्रत्येक परीक्षण में हमारे पास एक नियम है जो प्रत्येक परिणाम के संगत एक वास्तविक संख्या निर्दिष्ट करता है। परीक्षण के प्रत्येक परिणाम के लिए यह वास्तविक संख्या अलग-अलग भी हो सकती है। इसलिए यह एक चर है। साथ ही इसका मान किसी यादृच्छिक परीक्षण के परिणामों पर निर्भर करता है इसलिए इसे यादृच्छिक चर कहते हैं। एक यादृच्छिक चर को सामान्यत: X से व्यक्त करते हैं।

यदि आप एक फलन की परिभाषा का स्मरण कीजिए तो पाएँगे कि वास्तव में एक यादृच्छिक चर X, फलन होता है जिसका प्रांत (domain) यादृच्छिक परीक्षण के परिणामों का समुच्चय (या प्रतिदर्श समष्टि) होता है। एक यादृच्छिक चर कोई भी वास्तविक मान ले सकता है, इसलिए इसका सहप्रांत (codomain) वास्तविक संख्याओं का समुच्चय होता है। अत: एक यादृच्छिक चर को निम्न प्रकार से परिभाषित कर सकते हैं।

परिभाषा 4 एक यादृच्छिक चर वह फलन होता है जिसका प्रांत किसी यादृच्छिक परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि होता है।

उदाहरण के लिए, आइए एक सिक्के को दो बार अनुक्रम में उछाले जाने के परीक्षण पर विचार कीजिए। इस परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है:

$$S = \{HH, HT, TH, TT\}$$

यदि X, प्राप्त चितों की संख्या को व्यक्त करता है तो X एक यादृच्छिक चर है और प्रत्येक परिणाम के लिए इसका मान निम्न प्रकार से दिया गया है:

$$X (HH) = 2, X (HT) = 1, X (TH) = 1, X (TT) = 0.$$

एक ही प्रतिदर्श समष्टि पर एक से अधिक यादृच्छिक चर परिभाषित किए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए मान लें कि Y, प्रतिदर्श समष्टि S के प्रत्येक परिणाम के लिए चितों की संख्या से पटों की संख्या के घटाव को व्यक्त करता है। तब

$$Y (HH) =2, Y (HT) = 0, Y (TH) = 0, Y (TT) = -2.$$

अत: एक प्रतिदर्श समष्टि S में X और Y दो भिन्न यादृच्छिक चर परिभाषित किए गए हैं।

उदाहरण 22 एक व्यक्ति एक सिक्के को तीन बार उछालने का खेल खेलता है। खेल के आयोजक द्वारा उस व्यक्ति को प्रत्येक चित के लिए Rs 2 देता है और प्रत्येक पट के लिए वह व्यक्ति आयोजक को Rs 1.50 देता है। मान लें X व्यक्ति द्वारा जीती गई या हारी गई राशि को व्यक्त करता है। दर्शाएँ कि X एक यादृच्छिक चर है और इसे परीक्षण के प्रतिदर्श समष्टि के फलन के रूप में प्रदर्शित कीजिए।

हल X ऐसी संख्या है जिसका मान किसी यादृच्छिक परीक्षण के परिणामों पर परिभाषित है। इसलिए X एक यादृच्छिक चर है।

अब परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है:

$$S = \{HHH, HHT, HTH, THH, HTT, THT, TTH, TTT\}$$

तब

$$X\,(HHH) = Rs\,(2 \times 3) = Rs\ 6$$
$$X\,(HHT) = X\,(HTH) = X\,(THH) = Rs\,(2 \times 2 - 1 \times 1.50) = Rs\ 2.50$$
$$X\,(HTT) = X\,(THT) = X\,(TTH) = Rs\,(1 \times 2 - 2 \times 1.50) = -Re\ 1$$

और $X\,(TTT) = -Rs\,(3 \times 1.50) = -Rs\ 4.50$

यहाँ ऋण चिह्न, खिलाड़ी की हानि को दर्शा रहा है। अत: प्रतिदर्श समष्टि के प्रत्येक अवयव के लिए X का एक अद्वितीय मान है, इसलिए X प्रतिदर्श समष्टि पर एक फलन है जिसका परिसर है: $\{-1,\ 2.50,\ -4.50,\ 6\}$

उदाहरण 23 एक थैले में 2 सफ़ेद और 1 लाल गेंद हैं। यादृच्छया एक गेंद निकाली गई और उसका रंग नोट करने के बाद उसे पुन: थैले में डाला गया। इस प्रक्रिया को पुन: किया गया। यदि X दो निकालों में सफलता की संख्या को दर्शाता है तो, X का विवरण दें, जहाँ एक लाल गेंद का निकलना सफलता माना गया है।

हल मान लें कि थैले में रखी गेंदों को w_1, w_2, r से व्यक्त करते हैं।

तब प्रतिदर्श समष्टि है:

$$S = \{w_1\,w_1,\ w_1\,w_2,\ w_2\,w_2,\ w_2\,w_1,\ w_1\,r,\ w_2\,r,\ r\,w_1,\ r\,w_2,\ r\,r\}$$

अब X = लाल गेंदों की संख्या = सफलता की संख्या

इसलिए $X\,(\{w_1, w_1\}) = X\,(\{w_1\,w_2\}) = X\,(\{w_2\,w_2\}) = X\,(\{w_2\,w_1\}) = 0$

$X\,(\{w_1, r\}) = X\,(\{w_2\,r\}) = X\,(\{rw_1\}) = X\,(\{rw_2\}) = 1$ और $X\,(\{rr\}) = 2$

अत: X एक यादृच्छिक चर है जो 0, 1 या 2 मान ले सकता है।

13.6.1 एक यादृच्छिक चर की प्रायिकता बंटन (Probability distribution of a random variable)

आइए दस परिवारों $f_1,\ f_2 \ldots f_{10}$ से एक परिवार को इस प्रकार चुनने के परीक्षण पर विचार करें कि प्रत्येक परिवार का चुनाव समसंभाव्य हो। मान लें कि परिवारों $f_1,\ f_2 \ldots f_{10}$ में क्रमश: 3, 4, 3, 2, 5, 4, 3, 6, 4, 5 सदस्य हैं।

आइए एक परिवार को चुने व उसके सदस्यों की संख्या को नोट कर, X से व्यक्त कीजिए। स्पष्टतया X एक यादृच्छिक चर है जिसे निम्न प्रकार से परिभाषित किया गया है:

$$X(f_1) = 3,\ X(f_2) = 4,\ X(f_3) = 3,\ X(f_4) = 2,\ X(f_5) = 5,$$
$$X(f_6) = 4,\ X(f_7) = 3,\ X(f_8) = 6,\ X(f_9) = 4,\ X(f_{10}) = 5$$

अत: 2, 3, 4, 5, 6 में से X कोई भी मान ले सकता है

अब X का मान 2 होगा जबकि परिवार f_4 को चुना गया हो। X का मान 3 हो सकता है जब f_1, f_3, f_7 में से किसी परिवार को चुना जाए। इसी प्रकार

$$X = 4, \text{ जब परिवार } f_2, f_6 \text{ या } f_9 \text{ को चुना जाएगा}$$

$X = 5$, जब परिवार f_5 या f_{10} को चुना जाएगा

और $X = 6$, जब परिवार f_8 को चुना जाएगा

चूँकि हमने माना है कि प्रत्येक परिवार का चुना जाना समसंभाव्य है, इसलिए परिवार f_4 के चुने जाने की प्रायिकता $\frac{1}{10}$ है।

अत: X का मान 2 होने की प्रायिकता $\frac{1}{10}$ है।

हम लिखते हैं $P(X = 2) = \frac{1}{10}$

साथ ही f_1, f_2, या f_7 से किसी भी एक परिवार को चुनने की प्रायिकता

$P(\{f_1, f_2, f_3\}) = \frac{3}{10}$ है।

अत: X का मान 3 होने की प्रायिकता $= \frac{3}{10}$

हम लिखते हैं $P(X = 3) = \frac{3}{10}$

इसी प्रकार हम पाते हैं कि

$P(X = 4) = P(\{f_2, f_6, f_9\}) = \frac{3}{10}$, $P(X = 5) = P(\{f_5, f_{10}\}) = \frac{2}{10}$

और $P(X = 6) = P(\{f_8\}) = \frac{1}{10}$

इस प्रकार का विवरण जिसमें यादृच्छिक चर के साथ उसकी संगत प्रायिकताओं को लिखा जाता है, को यादृच्छिक चर X की प्रायिकता बंटन कहते हैं।

व्यापकत: एक यादृच्छिक चर X की प्रायिकता बंटन को निम्न प्रकार से परिभाषित किया जाता है।

परिभाषा 5 किसी यादृच्छिक चर X की प्रायिकता बंटन संख्याओं की निम्नलिखित प्रणाली (निकाय) होता है

X	:	x_1	x_2	...	x_n
P(X)	:	p_1	p_2	...	p_n

जहाँ $p_i \geq 0, \sum_{i=1}^{n} p_i = 1, i = 1, 2, ..., n$

वास्तविक संख्याएँ $x_1, x_2, ... x_n$ यादृच्छिक चर X के संभव मान (मूल्य) है और p_i $(i = 1,2, ... n)$ यादृच्छिक चर X का मान x_i होने की प्रायिकता है अर्थात् $P(X=x_i) = p_i$

टिप्पणी यदि x_i यादृच्छिक चर X, का कोई संभव मूल्य है तो कथन $X = x_i$ प्रतिदर्श समष्टि के कुछ बिंदु (ओं) के लिए ही सत्य होता है। अत: X का x_i मूल्य लेने की प्रायिकता सदैव शून्येत्तर होती है अर्थात् $P(X = x_i) \neq 0$।

साथ ही X के सभी संभावित मानों के लिए प्रतिदर्श समष्टि के सभी बिंदुओं का समावेश हो जाता है। इसलिए किसी प्रायिकता बंटन के लिए सभी प्रायिकताओं का योग एक होना चाहिए।

उदाहरण 24 ताश के 52 पत्तों की एक सुमिश्रित गड्डी से दो पत्ते उत्तरोत्तर प्रतिस्थापना के साथ निकाले जाते हैं। इक्कों की संख्या का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए।

हल इक्कों की संख्या एक यादृच्छिक चर है। इसको हम X से निरूपित करते हैं। स्पष्टतया X का मान 0, 1, या 2 है। क्योंकि पत्तों को प्रतिस्थापना के साथ निकाला गया है इसलिए दोनों पत्तों का निकालना स्वतंत्र परीक्षण हैं।

इसलिए P(X = 0) = P(इक्का नहीं और इक्का नहीं)

= P(इक्का नहीं) × P (इक्का नहीं)

$= \frac{48}{52} \quad \frac{48}{52} \quad \frac{144}{169}$

और P(X = 1) = P(इक्का और इक्का नहीं अथवा इक्का नहीं और इक्का)

= P(इक्का) . P(इक्का नहीं) + P (इक्का नहीं) . P (इक्का)

$= \frac{4}{52} \quad \frac{48}{52} \quad \frac{48}{52} \quad \frac{4}{52} \quad \frac{24}{169}$

और P(X = 2) = P(इक्का और इक्का) = P(इक्का) % P(इक्का)

$= \frac{4}{52} \quad \frac{4}{52} \quad \frac{1}{169}$

अत: अभीष्ट प्रायिकता बंटन है:

X	0	1	2
P(X)	$\frac{144}{169}$	$\frac{24}{169}$	$\frac{1}{169}$

उदाहरण 25 पासों के एक जोड़े को तीन बार उछालने पर द्विकों (doublets) की संख्या का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि X द्विकों की संख्या निरूपित करता है।

(1,1) , (2,2), (3,3), (4,4), (5,5), और (6,6) संभव द्विक हैं।

स्पष्ट है कि X का मान 0, 1, 2, या 3 है।

एक द्विक प्राप्त होने की प्रायिकता $\frac{6}{36} \quad \frac{1}{6}$

एक द्विक प्राप्त न होने की प्रायिकता $1 \quad \frac{1}{6} \quad \frac{5}{6}$

अब

$$P(X = 0) = P(\text{एक भी द्विक नहीं}) = \frac{5}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{125}{216}$$

$$P(X = 1) = P(\text{एक द्विक और दो द्विक नहीं})$$

$$= \frac{1}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{1}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{1}{6} \qquad 3 \quad \frac{1}{6} \quad \frac{5^2}{6^2} \qquad \frac{75}{216}$$

$$P(X = 2) = P\ (\text{दो द्विक और एक द्विक नहीं})$$

$$= \frac{1}{6} \quad \frac{1}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{1}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{1}{6} \quad \frac{5}{6} \quad \frac{1}{6} \quad \frac{1}{6}$$

$$= 3 \quad \frac{1}{6^2} \quad \frac{5}{6} \qquad \frac{15}{216}$$

$$P(X = 3) = P\ (\text{तीन द्विक}) \quad \frac{1}{6} \quad \frac{1}{6} \quad \frac{1}{6} \qquad \frac{1}{216}$$

अतः X का अभीष्ट प्रायिकता बंटन निम्नलिखित हैं:

X	0	1	2	3
P(X)	$\frac{125}{216}$	$\frac{75}{216}$	$\frac{15}{216}$	$\frac{1}{216}$

सत्यापन प्रायिकताओं का योग

$$\sum_{i \ 1}^{n} p_i = \frac{125}{216} \quad \frac{75}{216} \quad \frac{15}{216} \quad \frac{1}{216}$$

$$= \frac{125 \quad 75 \quad 15 \quad 1}{216} \quad \frac{216}{216} \quad 1$$

अतः उपरोक्त प्रायिकता बंटन सही है।

उदाहरण 26 मान लें किसी यादृच्छिक चुने गए विद्यालयी दिवस में पढ़ाई के घंटों को X से दर्शाया जाता है। X के मान x लेने की प्रायिकता निम्नलिखित तरह से है, जहाँ k एक वास्तविक संख्या है:

$$P(X = x) = \begin{matrix} 0.1 & \text{यदि } x \quad 0 \\ kx & \text{यदि } x \quad 1 \text{ या } 2 \\ k(5 \quad x) & \text{यदि } x \quad 3 \text{ या } 4 \\ 0 & \text{अन्यथा} \end{matrix}$$

(a) k का मान ज्ञात कीजिए

(b) इस बात की क्या प्रायिकता है कि आप
न्यूनतम दो घंटे पढ़ते हैं? तथ्यत: दो घंटे पढ़ते हैं? अधिकतम दो घंटे पढ़ते हैं?

हल X का प्रायिकता बंटन नीचे दिया गया है:

X	0	1	2	3	4
P(X)	0.1	k	$2k$	$2k$	k

(a) हमें ज्ञात है कि $\sum_{i=1}^{n} p_i = 1$

इसलिए $0.1 + k + 2k + 2k + k = 1$

$\Rightarrow$ $k = 0.15$

(b) P(आप न्यूनतम दो घंटे पढ़ते हैं) $= P(X \geq 2)$
$= P(X = 2) + P(X = 3) + P(X = 4)$
$= 2k + 2k + k = 5k = 5 \times 0.15 = 0.75$

P(आप तथ्यत: दो घंटे पढ़ते हैं) $= P(X = 2)$
$= 2k = 2 \times 0.15 = 0.3$

P(आप अधिकतम दो घंटे पढ़ते हैं) $= P(X \leq 2)$
$= P(X = 0) + P(X = 1) + P(X = 2)$
$= 0.1 + k + 2k = 0.1 + 3k = 0.1 + 3 \times 0.15 = 0.55$

13.6.2 *यादृच्छिक चर का माध्य (Mean of a random variable)*

बहुत सी समस्याओं में किसी यादृच्छिक चर के किसी लक्षण को एकल संख्या से दर्शाना वांछनीय होता है, जिसे चर की प्रायिकता बंटन से ज्ञात कर सकते हैं ऐसी ही कुछ संख्याएँ माध्य, माध्यक व बहुलक होते हैं। इस कक्षा में हम माध्य पर चर्चा करेंगे। माध्य अवस्थिति या केंद्रीय प्रवृति की माप इन अर्थों में है कि यह किसी यादृच्छिक चर के मध्यमान या औसत मान को इंगित करता है।

परिभाषा 6 मान लें X एक यादृच्छिक चर है जिसके संभावित मान $x_1, x_2, x_3, ..., x_n$ की क्रमश: प्रायिकता $p_1, p_2, p_3, ..., p_n$ है। X का माध्य, जिसे μ, से व्यक्त करते हैं, संख्या $\sum_{i=1}^{n} x_i p_i$ होती है। अर्थात् x का माध्य, चर X, के संभावित मानों का भारित औसत होता है, जब प्रत्येक मान को उसकी संगत प्रायिकता से भारित किया गया हो।

यादृच्छिक चर X के माध्य को X की प्रत्याशा (Expectation) भी कहते हैं, जिसे E (X) से व्यक्त करते हैं। अत:

$$E(X) = \mu = \sum_{i=1}^{n} x_i p_i = x_1 p_1 + x_2 p_2 + ... + x_n p_n$$

अन्य शब्दों में

यादृच्छिक चर X का माध्य या प्रत्याशा X के सभी संभावित मानों का उनकी संगत प्रायिकताओं के गुणन का योग होता है।

उदाहरण 27 मान लें कि पासों के एक जोड़े को उछाला जाता है और यादृच्छिक चर X, पासों पर प्राप्त संख्याओं का योग लिया जाता है। X का माध्य या प्रत्याशा ज्ञात कीजिए।

हल इस परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि 36 मौलिक घटनाओं से निर्मित हुआ है, जिन्हें क्रमित युग्म (x_i, y_i) के रूप में लिखा जा सकता है जहाँ $x_i = 1, 2, 3, 4, 5, 6$ और $y_i = 1, 2, 3, 4, 5, 6$.

यादृच्छिक चर X के मान अर्थात् पासों पर प्राप्त संख्याओं का योग 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11 या 12 हो सकता है

अब $$P(X = 2) = P(\{(1, 1)\}) \quad \frac{1}{36}$$

$$P(X = 3) = P(\{(1, 2), (2, 1)\}) \quad \frac{2}{36}$$

$$P(X = 4) = P(\{(1, 3), (2, 2), (3, 1)\}) \quad \frac{3}{36}$$

$$P(X = 5) = P(\{(1, 4), (2, 3), (3, 2), (4, 1)\}) \quad \frac{4}{36}$$

$$P(X = 6) = P(\{(1, 5), (2, 4), (3, 3), (4, 2), (5, 1)\}) \quad \frac{5}{36}$$

$$P(X = 7) = P(\{(1, 6), (2, 5), (3, 4), (4, 3), (5, 2), (6, 1)\}) \quad \frac{6}{36}$$

$$P(X = 8) = P(\{(2, 6), (3, 5), (4, 4), (5, 3), (6, 2)\}) \quad \frac{5}{36}$$

$$P(X = 9) = P(\{(3, 6), (4,5), (5,4), (6,3)\}) \quad \frac{4}{36}$$

$$P(X = 10) = P(\{(4, 6), (5, 5), (6, 4)\}) \quad \frac{3}{36}$$

$$P(X = 11) = P(\{(5, 6), (6, 5)\}) \quad \frac{2}{36}$$

$$P(X = 12) = P(\{(6, 6) \quad \frac{1}{36}$$

X का प्रायिकता बंटन है:

X या x_i	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
P(X) या p_i	$\frac{1}{36}$	$\frac{2}{36}$	$\frac{3}{36}$	$\frac{4}{36}$	$\frac{5}{36}$	$\frac{6}{36}$	$\frac{5}{36}$	$\frac{4}{36}$	$\frac{3}{36}$	$\frac{2}{36}$	$\frac{1}{36}$

इसलिए $\quad \mu = E(X) = \sum_{i=1}^{n} x_i p_i = 2\times\frac{1}{36}+3\times\frac{2}{36}+4\times\frac{3}{36}+5\times\frac{4}{36}$

$$6 \quad \frac{5}{36} \quad 7 \quad \frac{6}{36} \quad 8 \quad \frac{5}{36} \quad 9 \quad \frac{4}{36} \quad 10 \quad \frac{3}{36} \quad 11 \quad \frac{2}{36} \quad 12 \quad \frac{1}{36}$$

$$= \frac{2 \quad 6 \quad 12 \quad 20 \quad 30 \quad 42 \quad 40 \quad 36 \quad 30 \quad 22 \quad 12}{36} = 7$$

अतः दो पासों के फेंकने पर प्रकट संख्याओं के योग का माध्य 7 है।

13.6.3 *यादृच्छिक चर का प्रसरण (Variance of a random variable)*

यादृच्छिक चर का माध्य उस चर के मानों में विचरण के बारे में कोई सूचना नहीं देता है। साथ ही विभिन्न प्रायिकता बंटन वाले यादृच्छिक चरों के माध्य समान हो सकते हैं, जैसा कि X और Y के निम्नलिखित बंटनों में दिखाया गया है।

X	1	2	3	4
P(X)	$\frac{1}{8}$	$\frac{2}{8}$	$\frac{3}{8}$	$\frac{2}{8}$

Y	–1	0	4	5	6
P(Y)	$\frac{1}{8}$	$\frac{2}{8}$	$\frac{3}{8}$	$\frac{1}{8}$	$\frac{1}{8}$

स्पष्टतया $\qquad E(X) \quad 1 \quad \frac{1}{8} \quad 2 \quad \frac{2}{8} \quad 3 \quad \frac{3}{8} \quad 4 \quad \frac{2}{8} \quad \frac{22}{8} \quad 2.75$

और $\qquad E(Y) \quad 1 \quad \frac{1}{8} \quad 0 \quad \frac{2}{8} \quad 3 \quad \frac{4}{8} \quad 5 \quad \frac{1}{8} \quad 6 \quad \frac{1}{8} \quad \frac{22}{8} \quad 2.75$

चर X और Y अलग-अलग हैं यद्यपि उनके माध्य समान हैं यह इन चरों के चित्रात्मक निरूपण से भी आसानी से प्रेक्षित किया जा सकता है (आकृति 13.5)।

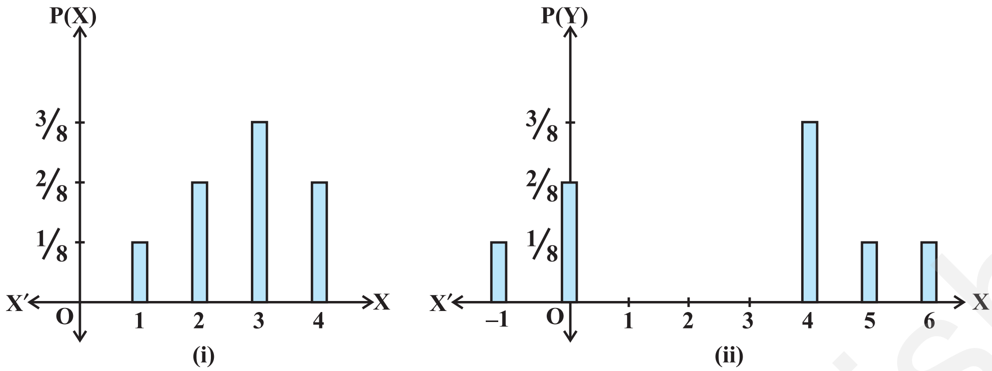

आकृति 13.5

X को Y से अलग करने के लिए हमें यादृच्छिक चर के मान में बिखराव की सीमा तक के माप की आवश्यकता है। हमने सांख्यिकी में पढ़ा है कि आँकड़ों में विचरण या बिखराव की माप ही प्रसरण है। इसी प्रकार यादृच्छिक चर के मूल्यों में बिखराव को प्रसरण से मापा जा सकता है।

परिभाषा 7 मान लीजिए X एक यादृच्छिक चर है जिसके संभावित मूल्य $x_1, x_2 \ldots x_n$ संगत प्रायिकताओं $p(x_1), p(x_2), \ldots, p(x_n)$ के साथ विद्यमान हैं।

मान लें $\mu = E(X)$, X का माध्य है। X का प्रसरण var (X) या σ_x^2 द्वारा निरूपित, को निम्न प्रकार से परिभाषित किया जाता है;

$$\sigma_x^2 = \text{Var}(X) = \sum_{i=1}^{n} (x_i - \mu)^2 \, p(x_i)$$

या समतुल्यत:

$$\sigma_x^2 = E(X - \mu)^2$$

ऋणेत्तर संख्या

$$\sigma_x = \sqrt{\text{Var}(X)} = \sqrt{\sum_{i=1}^{n} (x_i - \mu)^2 \, p(x_i)}$$

को यादृच्छिक चर X का मानक विचलन (standard deviation) कहते हैं।

यादृच्छिक चर का प्रसरण ज्ञात करने का अन्य सूत्र

हम जानते हैं कि

$$\text{Var}(X) = \sum_{i=1}^{n} (x_i - \mu)^2 \, p(x_i)$$

$$= \sum_{i=1}^{n} (x_i^2 + \mu^2 - 2\mu\, x_i)\, p(x_i)$$

$$= \sum_{i=1}^{n} x_i^2 \, p(x_i) + \sum_{i=1}^{n} \mu^2 \, p(x_i) - \sum_{i=1}^{n} 2\mu x_i \, p(x_i)$$

$$= \sum_{i=1}^{n} (x_i^2\, p(x_i)) + \mu^2 \sum_{i=1}^{n} p(x_i) - 2\mu \sum_{i=1}^{n} x_i\, p(x_i)$$

$$= \sum_{i=1}^{n} x_i^2\, p(x_i) + \mu^2 - 2\mu^2 \quad \text{क्योंकि} \sum_{i=1}^{n} p(x_i) = 1 \text{ और } \mu = \sum_{i=1}^{n} x_i\, P(x_i)$$

$$= \sum_{i=1}^{n} (x_i^2\, p(x_i)) - \mu^2$$

या $\qquad \text{Var}(X) = \sum_{i=1}^{n} (x_i^2\, p(x_i)) - \left(\sum_{i=1}^{n} x_i\, p(x_i)\right)^2$

या $\qquad \text{Var}(X) = E(X^2) - [E(X)]^2$, जहाँ $E(X^2) = \sum_{i=1}^{n} x_i^2\, p(x_i)$

उदहारण 28 एक अनभिनत पासे को फेंकने पर प्राप्त संख्याओं का प्रसरण ज्ञात कीजिए।

हल परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है $S = \{1, 2, 3, 4, 5, 6\}$

मान लें X, पासे पर प्रकट संख्या को व्यक्त करता है। तब X एक यादृच्छिक चर है जो 1, 2, 3, 4, 5, या 6 मान ले सकता है।

साथ ही $P(1) = P(2) = P(3) = P(4) = P(5) = P(6) = \frac{1}{6}$

इसलिए X का प्रायिकता बंटन है:

X	1	2	3	4	5	6
P(X)	$\frac{1}{6}$	$\frac{1}{6}$	$\frac{1}{6}$	$\frac{1}{6}$	$\frac{1}{6}$	$\frac{1}{6}$

अब $\qquad E(X) = \sum_{i=1}^{n} x_i\, p(x_i)$

$$= 1 \times \frac{1}{6} + 2 \times \frac{1}{6} + 3 \times \frac{1}{6} + 4 \times \frac{1}{6} + 5 \times \frac{1}{6} + 6 \times \frac{1}{6} = \frac{21}{6}$$

साथ ही $\qquad E(X^2) = 1^2 \times \frac{1}{6} + 2^2 \times \frac{1}{6} + 3^2 \times \frac{1}{6} + 4^2 \times \frac{1}{6} + 5^2 \times \frac{1}{6} + 6^2 \times \frac{1}{6} = \frac{91}{6}$

अतः $\qquad \text{Var}(X) = E(X^2) - (E(X))^2$

$$= \frac{91}{6} - \left(\frac{21}{6}\right)^2 = \frac{91}{6} - \frac{441}{36} = \frac{35}{12}$$

उदाहरण 29 ताश के 52 पत्तों की एक भली-भाँति फेंटी गई गड्डी में से दो पत्ते उत्तरोत्तर बिना प्रतिस्थापना के (या एक साथ) निकाले जाते हैं। बादशाहों की संख्या का माध्य, प्रसरण व मानक-विचलन ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि दो पत्ते निकालने में बादशाहों की संख्या को X से व्यक्त करते हैं। X एक यादृच्छिक चर है जो 0 , 1 या 2 मान ले सकता है।

अब $\quad P(X = 0) = P(\text{कोई बादशाह नहीं}) = \dfrac{{}^{48}C_2}{{}^{52}C_2} = \dfrac{\dfrac{48!}{2!(48-2)!}}{\dfrac{52!}{2!(52-2)!}} = \dfrac{48 \times 47}{52 \times 51} = \dfrac{188}{221}$

$P(X = 1) = P(\text{एक बादशाह और एक बादशाह नहीं}) = \dfrac{{}^{4}C_1\,{}^{48}C_1}{{}^{52}C_2}$

$= \dfrac{4 \times 48 \times 2}{52 \times 51} = \dfrac{32}{221}$

और $\quad P(X = 2) = P\,(\text{दोनों बादशाह}) = \dfrac{{}^{4}C_2}{{}^{52}C_2} = \dfrac{4 \times 3}{52 \times 51} = \dfrac{1}{221}$

अत: X का प्रायिकता बंटन है:

X	0	1	2
P(X)	$\frac{188}{221}$	$\frac{32}{221}$	$\frac{1}{221}$

अब माध्य $\quad \bar{X} = E(X) = \sum_{i=1}^{n} x_i\, p(x_i)$

$= 0 \times \dfrac{188}{221} + 1 \times \dfrac{32}{221} + 2 \times \dfrac{1}{221} = \dfrac{34}{221}$

साथ ही $\quad E(X^2) = \sum_{i=1}^{n} x_i^2\, p(x_i) = 0^2 \times \dfrac{188}{221} + 1^2 \times \dfrac{32}{221} + 2^2 \times \dfrac{1}{221} = \dfrac{36}{221}$

अब $\quad Var(X) = E(X^2) - [E(X)]^2$

$= \dfrac{36}{221} - \left(\dfrac{34}{221}\right)^2 = \dfrac{6800}{(221)^2}$

इसलिए $\quad \sigma_x = \sqrt{Var(X)} = \dfrac{\sqrt{6800}}{(221)} = 0.37$ (लगभग)

प्रश्नावली 13.4

1. बताइए कि निम्नलिखित प्रायिकता बंटनों में कौन से एक यादृच्छिक चर के लिए संभव नहीं है। अपना उत्तर कारण सहित लिखिए।

(i)

X	0	1	2
P(X)	0.4	0.4	0.2

(ii)

X	0	1	2	3	4
P(X)	0.1	0.5	0.2	– 0.1	0.3

(iii)

Y	– 1	0	1
P(Y)	0.6	0.1	0.2

(iv)

Z	3	2	1	0	–1
P(Z)	0.3	0.2	0.4	0.1	0.05

2. एक कलश में 5 लाल और 2 काली गेंद हैं। दो गेंद यादृच्छया निकाली गई। मान लीजिए X काली गेंदों की संख्या को व्यक्त करता है। X के संभावित मान क्या है? क्या X यादृच्छिक चर है?
3. मान लीजिए X चितों की संख्या और पटों की संख्या में अंतर को व्यक्त करता है, जब एक सिक्के को 6 बार उछाला जाता है। X के संभावित मूल्य क्या है?
4. निम्नलिखित के प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए:
   (i) एक सिक्के की दो उछालों में चितों की संख्या का
   (ii) तीन सिक्कों को एक साथ एक बार उछालने पर पटों की संख्या का
   (iii) एक सिक्के की चार उछालों में चितों की संख्या का
5. एक पासा दो बार उछालने पर सफलता की संख्या का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए जहाँ
   (i) '4 से बड़ी संख्या' को एक सफलता माना गया है।
   (ii) 'पासे पर संख्या 6 प्रकट होना' को एक सफलता माना गया है।
6. 30 बल्बों के एक ढेर से, जिसमे 6 बल्ब खराब हैं 4 बल्बों का एक नमूना (प्रतिदर्श) यादृच्छया बिना प्रतिस्थापना के निकाला जाता है। खराब बल्बों की संख्या का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए।
7. एक सिक्का समसर्वय संतुलित नहीं है जिसमें चित प्रकट होने की संभावना पट प्रकट होने की संभावना की तीन गुनी है। यदि सिक्का दो बार उछाला जाता है तो पटों की संख्या का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए।

8. एक यादृच्छिक चर X का प्रायिकता बंटन नीचे दिया गया है।

X	0	1	2	3	4	5	6	7
P(X)	0	k	$2k$	$2k$	$3k$	k^2	$2k^2$	$7k^2+k$

ज्ञात कीजिए

(i) k (ii) $P(X < 3)$ (iii) $P(X > 6)$ (iv) $P(0 < X < 3)$

9. एक यादृच्छिक चर X का प्रायिकता फलन $P(x)$ निम्न प्रकार से है, जहाँ k कोई संख्या है

$$P(x) \quad \begin{array}{l} k \text{ यदि } x \quad 0 \\ 2k \text{ यदि } x \quad 1 \\ 3k \text{ यदि } x \quad 2 \\ 0 \quad \text{अन्यथा} \end{array}$$

(a) k का मान ज्ञात कीजिए

(b) $P(X < 2)$, $P(X \leq 2)$, $P(X \geq 2)$ ज्ञात कीजिए।

10. एक न्याय्य सिक्के की तीन उछालों पर प्राप्त चितों की संख्या का माध्य ज्ञात कीजिए।

11. दो पासों को युग्मत् उछाला गया। यदि X, छक्कों की संख्या को व्यक्त करता है, तो X की प्रत्याशा ज्ञात कीजिए।

12. प्रथम छः धन पूर्णांकों में से दो संख्याएँ यादृच्छया (बिना प्रतिस्थापन) चुनी गई। मान लें X दोनों संख्याओं में से बड़ी संख्या को व्यक्त करता है। E(X) ज्ञात कीजिए।

13. मान लीजिए दो पासों को फेंकने पर प्राप्त संख्याओं के योग को X से व्यक्त किया गया है। X का प्रसारण और मानक विचलन ज्ञात कीजिए।

14. एक कक्षा में 15 छात्र हैं जिनकी आयु 14, 17, 15, 14, 21, 17, 19, 20, 16, 18, 20, 17, 16, 19 और 20 वर्ष हैं। एक छात्र को इस प्रकार चुना गया कि प्रत्येक छात्र के चुने जाने की संभावना समान है और चुने गए छात्र की आयु (X) को लिखा गया। यादृच्छिक चर X का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए। X का माध्य, प्रसरण व मानक विचलन भी ज्ञात कीजिए।

15. एक बैठक में 70% सदस्यों ने किसी प्रस्ताव का अनुमोदन किया और 30% सदस्यों ने विरोध किया। एक सदस्य को यादृच्छया चुना गया और, यदि उस सदस्य ने प्रस्ताव का विरोध किया हो तो $X = 0$ लिया गया, जब कि यदि उसने प्रस्ताव का अनुमोदन किया हो तो $X = 1$ लिया गया। E(X) और var (X) ज्ञात कीजिए।

निम्नलिखित में से प्रत्येक में सही उत्तर चुनें।

16. ऐसे पासे, जिसके तीन फलकों पर 1 अन्य तीन पर 2 और एक फलक पर 5 लिखा गया है, को उछालने पर प्राप्त संख्याओं का माध्य है:

(A) 1 (B) 2 (C) 5 (D) $\frac{8}{3}$

17. मान लीजिए ताश की एक गड्डी से यादृच्छया दो पत्ते निकाले जाते हैं। मान लीजिए X इक्कों की संख्या प्रकट करता है। तब E(X) का मान है:

(A) $\frac{37}{221}$ (B) $\frac{5}{13}$ (C) $\frac{1}{13}$ (D) $\frac{2}{13}$

13.7 बरनौली परीक्षण और द्विपद बंटन (Bernoulli Trails and Binomial Distribution)

13.7.1 *बरनौली परीक्षण*

अनेक प्रयोगों की प्रकृति द्विपरिणामी होती है। उदाहरणार्थ उछाला गया सिक्का एक 'चित' या एक 'पट' दर्शाता है, किसी प्रश्न का उत्तर 'हाँ' या 'नहीं' हो सकता है, एक अंडे से बच्चा 'निकल चुका है' या 'नहीं निकला है, एक निर्णय 'हाँ' या 'नहीं' है आदि। इस प्रकार की स्थितियों में ऐसा प्रचलन है कि प्राप्त परिणामों में से एक को 'सफलता' और दूसरे को 'असफलता' कहा जाता है। उदाहरण के लिए, एक सिक्के को उछालने पर 'चित' आने को सफलता माना जाए तो 'पट' आने को असफलता कहा जाएगा।

प्रत्येक बार, जब हम एक सिक्का उछालते हैं या एक पासा उछालते हैं या कोई अन्य प्रयोग करते हैं, तब हम इसे एक परीक्षण (trial) कहते हैं। यदि एक सिक्का मान लीजिए, चार बार उछाला जाए तो परीक्षणों की संख्या 4 होगी और इनमें से प्रत्येक के परिणाम तथ्यत: दो होंगे अर्थात् सफलता या असफलता। किसी एक परीक्षण का परिणाम किसी दूसरे परीक्षण के परिणाम से स्वतंत्र होता है। इस प्रकार के प्रत्येक परीक्षण में सफलता (या असफलता) की प्रायिकताएँ अचर होती है। इस प्रकार के स्वतंत्र परीक्षण, जिनके केवल दो परिणाम होते हैं जो प्राय: 'सफलता' या 'असफलता' कहलाते हैं, बरनौली परीक्षण कहलाते हैं।

परिभाषा 8 एक यादृच्छिक प्रयोग के परीक्षणों को बरनौली परीक्षण कहते हैं यदि वे निम्नलिखित शर्तों को संतुष्ट करते हैं:

(i) परीक्षणों की संख्या निश्चित (परिमित) होनी चाहिए

(ii) परीक्षण स्वतंत्र होने चाहिए

(iii) प्रत्येक परीक्षण के तथ्यत: दो ही परिणाम होने चाहिए, सफलता या असफलता

(iv) किसी परिणाम की प्रायिकता प्रत्येक परीक्षण में समान रहनी चाहिए

उदाहरण के लिए एक पासे को 50 बार उछालना, 50 बरनौली परीक्षणों की स्थिति है, जिसमें प्रत्येक परीक्षण का परिणाम सफलता (मान लें सम संख्या प्रकट होना) या असफलता (विषम संख्या प्रकट होना) है और सभी 50 उछालो में सफलता की प्रायिकता (p) एक समान है। नि:सन्देह पासे की उत्तरोत्तर उछालें स्वतंत्र प्रयोग होते हैं। यदि पासा न्याय्य है और इसके छ: फलकों पर छ: संख्याएँ 1 से 6 तक लिखी गई है तो $p = \frac{1}{2}$ सफलता की और $q = 1 - p = \frac{1}{2}$ असफलता की प्रायिकता है।

उदाहरण 30 7 लाल और 9 काली गेंदों वाले एक कलश में से उत्तरोत्तर छ: गेंद निकाली गई। बताइए कि गेंद निकालने के परीक्षण बरनौली परीक्षण हैं या नहीं यदि प्रत्येक निकाल के बाद गेंद को

(i) प्रतिस्थापित किया गया हो।

(ii) प्रतिस्थापित न किया गया हो।

हल

(i) परीक्षणों की संख्या परिमित (निश्चित) है। जब गेंद को निकालने के बाद कलश में पुन: प्रतिस्थापित किया गया हो तो सफलता (मान लें लाल गेंद निकलना) की प्रायिकता $p = \frac{7}{16}$ है जो कि सभी छ: परीक्षणों में समान है अत: गेंदों को प्रतिस्थापना के साथ निकालना बरनौली परीक्षण हैं।

(ii) जब गेंदों को बिना प्रतिस्थापना के निकाला गया तो पहले परीक्षण में सफलता (अर्थात् लाल गेंद का निकलना) की प्रायिकता $\frac{7}{16}$ है, दूसरे परीक्षण में $\frac{6}{15}$ है और इस तरह स्पष्टतया सभी परीक्षणों में सफलता की प्रायिकता समान नहीं है, अत: यह परीक्षण बरनौली परीक्षण नहीं हैं।

13.7.2 द्विपद बंटन *(Binomial Distribution)*

एक सिक्के के उछालने के प्रयोग पर विचार कीजिए जिसमें प्रत्येक परीक्षण का परिणाम सफलता (मान लें चित) या असफलता (पट) होते हैं। प्रत्येक परीक्षण में सफलता और असफलता को क्रमश: S और F मान लीजिए।

कल्पना कीजिए कि हम छ: परीक्षणों में एक सफलता के विभिन्न तरीकों को ज्ञात करने में इच्छुक हैं। स्पष्टतया छ: विभिन्न तरीके हैं जैसा कि नीचे सूचीबद्ध किया गया है:

SFFFFF, FSFFFF, FFSFFF, FFFSFF, FFFFSF, FFFFFS

इसी प्रकार, दो सफलताएँ और चार असफलताएँ $\frac{6!}{4!\ \ 2!}$ क्रमचय में हो सकती हैं। इन सभी क्रमचयों की सूची बनाना काफ़ी लंबा कार्य होगा। इसलिए, $0, 1, 2, ..., n$ सफलताओं की प्रायिकता ज्ञात करना लंबा और समय लेने वाला कार्य हो सकता है। n बरनौली परीक्षणों में से सफलताओं की संख्या की प्रायिकता ज्ञात करने के लिए एक सूत्र का निर्माण किया गया है, जिससे गणना में लगने वाले समय और संभव परिणामों की सूची बनाने से बचा जा सकता है। इस उद्देश्य के लिए तीन बरनौली परीक्षणों से बने यादृच्छिक प्रयोग को लेते हैं जिसमें प्रत्येक परीक्षण में सफलता और असफलता की प्रायिकताएँ क्रमश: p तथा q हैं। इस प्रयोग (परीक्षण) का प्रतिदर्श समष्टि कार्तीय गुणन

$$S = \{SSS, SSF, SFS, FSS, SFF, FSF, FFS, FFF\}$$ है

सफलताओं की संख्या एक यादृच्छिक चर X है और $0, 1, 2,$ या 3 मान ले सकता है। सफलताओं की संख्या का प्रायिकता बंटन निम्नलिखित प्रकार से प्राप्त किया गया है।

$$\begin{aligned}
P(X=0) &= P(\text{कोई सफलता नहीं}) \\
&= P(\{FFF\}) = P(F)\ P(F)\ P(F) \\
&= q\ .\ q\ .\ q = q^3 \qquad (\text{क्योंकि परीक्षण स्वतंत्र हैं}) \\
P(X=1) &= P(\text{एक सफलता}) \\
&= P(\{SFF, FSF, FFS\}) \\
&= P(\{SFF\}) + P(\{FSF\}) + P(\{FFS\}) \\
&= P(S)\ P(F)\ P(F) + P(F)\ P(S)\ P(F) + P(F)\ P(F)\ P(S) \\
&= p.q.q + q.p.q + q.q.p = 3qp^2 \\
P(X=2) &= P\ (\text{दो सफलताएँ}) \\
&= P(\{SSF, SFS, FSS\}) \\
&= P(\{SSF\}) + P(\{SFS\}) + P(\{FSS\}) \\
&= P(S)\ P(S)\ P(F) + P(S)\ P(F)\ P(S) + P(F)\ P(S)\ P(S) \\
&= p.p.q. + p.q.p + q.p.p = 3qp^2
\end{aligned}$$

और $$\begin{aligned}
P(X=3) &= P(\text{तीन सफलताएँ}) = P\ (\{SSS\}) \\
&= P(S)\ .\ P(S)\ .\ P(S) = p^3
\end{aligned}$$

अत: X का प्रायिकता बंटन है

X	0	1	2	3
P(X)	q^3	$3q^2p$	$3qp^2$	p^3

साथ ही $(q+p)^3$ का द्विपद विस्तार निम्नलिखित है

$$q^3 + 3q^2p + 3qp^2 + p^3$$

नोट कीजिए कि 0, 1, 2, या 3 सफलताओं की प्रायिकताएँ क्रमश: $(q+p)^3$ के विस्तार की पहली, दूसरी, तीसरी और चतुर्थ पद हैं।

साथ ही क्योंकि $q+p=1$ है जिससे यह अर्थ निकलता है कि सभी प्रायिकताओं का योग 1 है जैसा कि आपेक्षित था।

अत: हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि n-बरनौली परीक्षणों वाले प्रयोग में 0, 1, 2 ...., n सफलताओं की प्रायिकताएँ $(q+p)^n$ के विस्तार की प्रथम, द्वितीय, तृतीय, ...nवीं पद से प्राप्त की जा सकती हैं। इस परिणाम को सिद्ध करने के लिए हम n –बरनौली परीक्षणों वाले प्रयोग में x–सफलताओं की प्रायिकता ज्ञात करते हैं।

स्पष्टतया x सफलताओं (S) की दशा में $(n–x)$ असफलताएँ (F) होंगी।

अब x सफलताएँ (S) और $(n–x)$ असफलताएँ (F), $\dfrac{n!}{x!(n-x)!}$ तरीकों से क्रमचय होती हैं।

इनमें से प्रत्येक तरीके में x सफलताओं और $(n - x)$ असफलताओं की प्रायिकता

$$= \text{P}(x \text{ सफलताएँ}) . \text{ P}[(n - x) \text{ असफलताएँ}]$$

$$= \underbrace{\text{P(S).P(S)...P(S)}}_{x \text{ बार}} . \underbrace{\text{P(F).P(F)...P(F)}}_{(n-x) \text{ बार}} = p^x q^{n-x}$$

अत: n-बरनौली परीक्षणों में x सफलताओं की प्रायिकता $\dfrac{n!}{x!(n-x)!} p^x q^{n-x}$ या ${}^nC_x p^x q^{n-x}$ है।

अत: $\text{P}(x \text{ सफलताएँ}) = {}^nC_x p^x q^{n-x}, x = 0, 1, 2, ..., n, (q = 1 - p)$

स्पष्टतया P (x सफलताएँ) अर्थात् ${}^nC_x p^x q^{n-x}$, $(q + p)^n$ के विस्तार की $(x + 1)$वीं पद है।

इस प्रकार, n–बरनौली परीक्षणों वाले एक प्रयोग में सफलताओं की संख्या की प्रायिकता बंटन $(q + p)^n$ के द्विपद–विस्तार द्वारा प्राप्त की जा सकती है। अत:, सफलताओं की संख्या X का बंटन निम्नलिखित प्रकार से लिखा जा सकता है।

X	0	1	2	...	x	...	n
P (X)	${}^nC_0\, q^n$	${}^nC_1\, q^{n-1}p^1$	${}^nC_2\, q^{n-2}p^2$		${}^nC_x\, q^{n-x}p^x$		${}^nC_n\, p^n$

उपर्युक्त प्रायिकता बंटन को **द्विपद बंटन** कहते हैं जिसमें n तथा p, प्राचल हैं, क्योंकि n तथा p के मान दिए होने पर हम संपूर्ण प्रायिकता बंटन ज्ञात कर सकते हैं।

x सफलताओं की प्रायिकता P $(\text{X} = x)$ को $\text{P}(x)$ से भी व्यक्त करते हैं और इसे
$\text{P}(x) = {}^n\text{C}_x q^{n-x}p^x, x = 0, 1, ..., n\ (q = 1 - p)$ से प्राप्त करते हैं।

इस $\text{P}(x)$ को द्विपद बंटन का **प्रायिकता फलन** कहते हैं।

एक n-बरनौली परीक्षणों और प्रत्येक परीक्षण में सफलता की प्रायिकता p, वाले द्विपद बंटन को $\text{B}(n, p)$ से व्यक्त करते हैं।

आइए अब कुछ उदाहरण लें।

उदाहरण 31 यदि एक न्याय्य सिक्के को 10 बार उछाला गया तो निम्न की प्रायिकताएँ ज्ञात कीजिए:

(i) ठीक छः चित

(ii) न्यूनतम छः चित

(iii) अधिकतम छः चित

हल एक सिक्के को बारबार उछालना बरनौली परीक्षण होते हैं। 10 परीक्षणों में चितों की संख्या को X मान लीजिए।

स्पष्टतया X बंटन $n = 10$ और $p = \dfrac{1}{2}$ वाला द्विपद बंटन है।

इसलिए $\quad P(X = x) = {}^{n}C_{x} q^{n-x} p^{x}$

यहाँ $\quad n = 10,\ p \ \frac{1}{2},\ \ q = 1 - p = \frac{1}{2}$

इसलिए $\quad P(X = x) = {}^{10}C_{x} \ \frac{1}{2}^{10\ \ x} \ \frac{1}{2}^{x} \ \ {}^{10}C_{x} \ \frac{1}{2}^{10}$

अब

(i) $P(\text{ठीक छः चित}) \ P(X=6) \ \ {}^{10}C_{6} \ \frac{1}{2}^{10} \ \ \frac{10!}{6! \ \ 4!} \frac{1}{2^{10}} \ \frac{105}{512}$

(ii) $P(\text{न्यूनतम छः चित}) = P(X \geq 6)$

$= P(X = 6) + P(X = 7) + P(X = 8) + P(X = 9) + P(X = 10)$

$= {}^{10}C_{6} \ \frac{1}{2}^{10} \ \ {}^{10}C_{7} \ \frac{1}{2}^{10} \ \ {}^{10}C_{8} \ \frac{1}{2}^{10} \ \ {}^{10}C_{9} \ \frac{1}{2}^{10} \ \ {}^{10}C_{10} \ \frac{1}{2}^{10}$

$= \ \frac{10!}{6! \ \ 4!} \ \ \frac{10!}{7! \ \ 3!} \ \ \frac{10!}{8! \ \ 2!} \ \ \frac{10!}{9! \ \ 1!} \ \ \frac{10!}{10!} \ \frac{1}{2^{10}} \ \ \frac{193}{512}$

(iii) $P\,(\text{अधिकतम छः चित}) \ = P\,(X \ \leq 6)$

$= P\,(X = 0) + P\,(X = 1) + P\,(X = 2) + P\,(X = 3)$

$+ P\,(X = 4) + P\,(X = 5) + P\,(X = 6)$

$= \ \frac{1}{2}^{10} \ \ {}^{10}C_{1} \ \frac{1}{2}^{10} \ \ {}^{10}C_{2} \ \frac{1}{2}^{10} \ \ {}^{10}C_{3} \ \frac{1}{2}^{10} \ \ {}^{10}C_{4} \ \frac{1}{2}^{10}$

$+ \ {}^{10}C_{5} \ \frac{1}{2}^{10} \ \ {}^{10}C_{6} \ \frac{1}{2}^{10}$

$= \frac{848}{1024} \ \ \frac{53}{64}$

उदाहरण 32 10% खराब अंडों वाले एक ढेर से 10 अंडे उत्तरोत्तर प्रतिस्थापना के साथ निकाले गए। इस बात की प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि 10 अंडों के प्रतिदर्श में कम से कम एक खराब अंडा है।

हल मान लीजिए X खराब अंडों की संख्या को व्यक्त करता है। क्योंकि अंडों को प्रतिस्थापना के साथ निकाला गया है इसलिए यह बरनौली परीक्षण हैं। स्पष्टतया X का बंटन $n = 10$ और $p \ \ 10\% \ \ \frac{10}{100} \ \ \frac{1}{10}$ वाला द्विपद बंटन है।

इसलिए $$q = 1 - p = 1 - \frac{1}{10} \quad \frac{9}{10}$$

अब P(न्यूनतम एक खराब अंडा) = $P(X \geq 1) = 1 - P(X = 0)$

$$= 1 \quad {}^{10}C_0 \quad \frac{9}{10}^{10} \quad 1 \quad \frac{9^{10}}{10^{10}}$$

प्रश्नावली 13.5

1. एक पासे को 6 बार उछाला जाता है। यदि 'पासे पर सम संख्या प्राप्त होना' एक सफलता है तो निम्नलिखित की प्रायिकताएँ क्या होंगी?

(i) तथ्यत: 5 सफलताएँ? (ii) न्यूनतम 5 सफलताएँ ? (iii) अधिकतम 5 सफलताएँ?

2. पासों के एक जोड़े को 4 बार उछाला जाता है। यदि 'पासों पर प्राप्त अंकों का द्विक होना' एक सफलता मानी जाती है, तो 2 सफलताओं की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

3. वस्तुओं के एक ढेर में 5% त्रुटियुक्त वस्तुएँ है। इसकी क्या प्रायिकता है कि 10 वस्तुओं के एक प्रतिदर्श में एक से अधिक त्रुटियुक्त वस्तुएँ नहीं होंगी?

4. 52 ताश के पत्तों की एक भली-भाँति फेंटी गई गड्डी में से 5 पत्ते उत्तरोतर प्रतिस्थापना सहित निकाले जाते हैं। इसकी क्या प्रायिकता है कि

(i) सभी 5 पत्ते हुकुम के हों ?

(ii) केवल 3 पत्ते हुकुम के हों?

(iii) एक भी पत्ता हुकुम का नहीं हो ?

5. किसी फ़ैक्ट्री में बने एक बल्ब की 150 दिनों के उपयोग के बाद फ्यूज़ होने की प्रायिकता 0.05 है। इसकी प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि इस प्रकार के 5 बल्बों में से

(i) एक भी नहीं (ii) एक से अधिक नहीं

(iii) एक से अधिक (iv) कम से कम एक, 150 दिनों के उपयोग के बाद फ्यूज़ हो जाएँगे।

6. एक थैले में 10 गेंदें है जिनमें से प्रत्येक पर 0 से 9 तक के अंकों में से एक अंक लिखा है। यदि थैले से 4 गेंदें उत्तरोतर पुन: वापस रखते हुए निकाली जाती है, तो इसकी क्या प्रायिकता है कि उनमें से किसी भी गेंद पर अंक 0 न लिखा हो?

7. एक सत्य-असत्य प्रकार के 20-प्रश्नों वाली परीक्षा में मान लें कि एक विद्यार्थी एक न्याय्य सिक्के को उछाल कर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर निर्धारित करता है। यदि पासे पर चित प्रकट हो तो वह प्रश्न का उत्तर 'सत्य' देता है और यदि पट प्रकट हो तो 'असत्य' लिखता है। इस की प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि वह कम से कम दो प्रश्नों का सही उत्तर देता है।

8. मान लीजिए कि X का बंटन $B\ 6, \frac{1}{2}$ द्विपद बंटन है। दर्शाएँ कि X=3 अधिकतम प्रायिकता वाला परिणाम है।

(संकेत : $P(X = 3)$ सभी $P(x_i)$, $x_i = 0,1,2,3,4,5,6$ में से अधिकतम है)

9. एक बहु-विकल्पीय परीक्षा में 5 प्रश्न है जिनमें प्रत्येक के तीन संभावित उत्तर हैं। इसकी क्या प्रायिकता है कि एक विद्यार्थी केवल अनुमान लगा कर चार या अधिक प्रश्नों के सही उत्तर दे देगा ?

10. एक व्यक्ति एक लॉटरी के 50 टिकट खरीदता है, जिसमें उसके प्रत्येक में जीतने की प्रायिकता $\frac{1}{100}$ है। इसकी क्या प्रायिकता है कि वह (a) न्यूनतम एक बार (b) तथ्यत: एक बार (c) न्यूनतम दो बार, इनाम जीत लेगा।

11. एक पासे को 7 बार उछालने पर तथ्यत: दो बार 5 आने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

12. एक पासे को छ: बार उछालने पर अधिकतम 2 बार छ: आने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

13. यह ज्ञात है कि किसी विशेष प्रकार की निर्मित वस्तुओं की संख्या में 10% खराब है। इसकी क्या प्रायिकता है कि इस प्रकार की 12 वस्तुओं के यादृच्छिक प्रतिदर्श में से 9 खराब हों?

14. एक बॉक्स में 100 बल्ब हैं। जिसमें 10 त्रुटियुक्त हैं। 5 बल्ब के नमूने में से, किसी भी बल्ब के त्रुटियुक्त न होने की प्रायिकता है:

(A) 10^{-1} (B) $\left(\frac{1}{2}\right)^5$ (C) $\left(\frac{9}{10}\right)^5$ (D) $\frac{9}{10}$

15. एक छात्र की तैराक न होने की प्रायिकता $\frac{1}{5}$ है। तब 5 छात्रों में से 4 छात्रों की तैराक होने की प्रायिकता है:

(A) ${}^5C_4\left(\frac{4}{5}\right)^4\frac{1}{5}$ (B) $\left(\frac{4}{5}\right)^4\frac{1}{5}$

(C) ${}^5C_1\frac{1}{5}\left(\frac{4}{5}\right)^4$ (D) इनमें से कोई नहीं

विविध उदाहरण

उदाहरण 33 चार डिब्बों में रगींन गेंदें निम्न सारणी में दर्शाए गए तरह से आंबटित की गई है:

डिब्बा	रंग			
	काला	सफेद	लाल	नीला
I	3	4	5	6
II	2	2	2	2
III	1	2	3	1
IV	4	3	1	5

एक डिब्बे को यादृच्छया चुना गया और फिर उसमें से एक गेंद निकाली गई। यदि गेंद का रंग काला है तो इसकी क्या प्रायिकता है कि गेंद को डिब्बा- III से निकाला गया है?

हल मान लीजिए A, E_1, E_2, E_3 और E_4 निम्न प्रकार से परिभाषित घटनाएँ हैं:

A : एक काली गेंद का निकलना $\qquad$ E_1 : डिब्बा-I का चुनाव

E_2 : डिब्बा-II का चुनाव $\qquad$ E_3 : डिब्बा-III का चुनाव

E_4 : डिब्बा-IV का चुनाव

क्योंकि डिब्बों को यादृच्छया चुना गया है,

इसलिए $\qquad P(E_1) = P(E_2) = P(E_3) = P(E_4) \quad \frac{1}{4}$

साथ ही $\qquad P(A|E_1) = \frac{3}{18}$, $P(A|E_2) = \frac{2}{8}$, $P(A|E_3) = \frac{1}{7}$ और $P(A|E_4) = \frac{4}{13}$

P(डिब्बा - III का चुनाव, जब यह ज्ञात है कि काली गेंद निकाली गई है)

$= P(E_3|A)$ बेज़-प्रमेय से

$$P(E_3|A) = \frac{P(E_3).P(A|E_3)}{P(E_1)P(A|E_1) \quad P(E_2)P(A|E_2)+P(E_3)P(A|E_3) \quad P(E_4)P(A|E_4)}$$

$$= \frac{\frac{1}{4} \quad \frac{1}{7}}{\frac{1}{4} \quad \frac{3}{18} \quad \frac{1}{4} \quad \frac{1}{4} \quad \frac{1}{4} \quad \frac{1}{7} \quad \frac{1}{4} \quad \frac{4}{13}} \quad 0.165$$

उदाहरण 34 द्विपद बंटन $B\left(4, \frac{1}{3}\right)$ का माध्य ज्ञात कीजिए।

हल मान लें X वह यादृच्छिक चर है जिसका प्रायिकता बंटन $B\left(4, \frac{1}{3}\right)$ है।

यहाँ $n = 4,\ p = \frac{1}{3}$ और $q = 1 - \frac{1}{3} = \frac{2}{3}$

हम जानते हैं कि $P(X = x) = {}^4C_x \left(\frac{2}{3}\right)^{4-x} \left(\frac{1}{3}\right)^{x},\ x = 0, 1, 2, 3, 4$

अर्थात् X का बंटन निम्नलिखित है is

x_i	$P(x_i)$	$x_i\, P(x_i)$
0	${}^4C_0 \left(\frac{2}{3}\right)^4$	0
1	${}^4C_1 \left(\frac{2}{3}\right)^3 \left(\frac{1}{3}\right)$	${}^4C_1 \left(\frac{2}{3}\right)^3 \left(\frac{1}{3}\right)$
2	${}^4C_2 \left(\frac{2}{3}\right)^2 \left(\frac{1}{3}\right)^2$	$2\ {}^4C_2 \left(\frac{2}{3}\right)^2 \left(\frac{1}{3}\right)^2$
3	${}^4C_3 \left(\frac{2}{3}\right) \left(\frac{1}{3}\right)^3$	$3\ {}^4C_3 \left(\frac{2}{3}\right) \left(\frac{1}{3}\right)^3$
4	${}^4C_4 \left(\frac{1}{3}\right)^4$	$4\ {}^4C_4 \left(\frac{1}{3}\right)^4$

अब माध्य $(\mu) = \sum_{i=1}^{n} x_i\, p(x_i)$

$$= 0 + {}^4C_1 \left(\frac{2}{3}\right)^3 \left(\frac{1}{3}\right) + 2.{}^4C_2 \left(\frac{2}{3}\right)^2 \left(\frac{1}{3}\right)^2 + 3.{}^4C_3 \left(\frac{2}{3}\right) \left(\frac{1}{3}\right)^3 + 4.{}^4C_4 \left(\frac{1}{3}\right)^4$$

$$= 4 \times \frac{2^3}{3^4} + 2 \times 6 \times \frac{2^2}{3^4} + 3 \times 4 \times \frac{2}{3^4} + 4 \times \frac{1}{3^4}$$

$$= \frac{32 + 48 + 24 + 4}{3^4} = \frac{108}{81} = \frac{4}{3}$$

उदाहरण 35 एक निशानेबाज के लक्ष्य-भेदन की प्रायिकता $\frac{3}{4}$ है। वह कम से कम कितनी बार गोली चलाए कि लक्ष्य को कम से कम एक बार भेदने की प्रायिकता 0.99 से अधिक हो?

हल मान लीजिए कि निशानेबाज n बार गोली चलाता है। निस्संदेह n बार गोली चलाना n बरनौली परीक्षण हैं।

p = प्रत्येक परीक्षण में लक्ष्य भेदन की प्रायिकता = $\frac{3}{4}$ और q = लक्ष्य को न भेदने की प्रायिकता = $\frac{1}{4}$

तब $P(X \quad x) \quad {}^nC_x q^{n \; x} p^x \quad {}^nC_x \left(\frac{1}{4}\right)^{n \; x} \left(\frac{3}{4}\right)^{x} \quad {}^nC_x \frac{3^x}{4^n}$

अब दिया है

P(न्यूनतम एक बार लक्ष्य भेदन) > 0.99

अर्थात् $\quad P(x \geq 1) > 0.99$

इसलिए $\quad 1 - P(x = 0) > 0.99$

या $\quad 1 \quad {}^nC_0 \frac{1}{4^n} \quad 0.99$

या $\quad {}^4C_0 \frac{1}{4^n} \quad 0.01$ अर्थात् $\frac{1}{4^n} \quad 0.01$

या $\quad 4^n > \frac{1}{0.01} \quad 100 \qquad \ldots (1)$

असमिका (1) को संतुष्ट करने वाली n की न्यूनतम मान 4 है।

अतः निशानेबाज को कम से कम 4 गोली चलानी होगी।

उदाहरण 36 A और B बारी-बारी से एक पासे को उछालते हैं जब तक कि उनमें से कोई एक पासे पर छः प्राप्त कर खेल को जीत नहीं लेता। यदि A खेल को शुरू करें तो उनके जीतने की क्रमशः प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए S सफलता (पासे पर 6 प्रकट होना) को और F असफलता (पासे पर 6 प्रकट न होना) को व्यक्त करते हैं।

अतः $\quad P(S) \quad \frac{1}{6}, P(F) \quad \frac{5}{6}$

P(A के पहली उछाल में जीतना) = $P(S) = \frac{1}{6}$

A को तीसरी उछाल का अवसर तब मिलता है जब A पहली उछाल में और B दूसरी उछाल में असफल होते हैं। इसलिए

$$P(A \text{ का तीसरी उछाल में जीतना }) = P(FFS) = P(F)P(F)P(S) = \frac{5}{6}\ \frac{5}{6}\ \frac{1}{6} \quad \frac{5}{6}^{2}\ \frac{1}{6}$$

$$\text{इसी प्रकार } P(A \text{ का पाँचवीं उछाल में जीतना}) = P\ (FFFFS) \quad \frac{5}{6}^{4}\ \frac{1}{6}$$

$$\text{और इसी प्रकार अन्य अतः} \quad P(A \text{ जीतना}) = \frac{1}{6} \quad \frac{5}{6}^{2}\ \frac{1}{6} \quad \frac{5}{6}^{4}\ \frac{1}{6} \quad \ldots$$

$$= \frac{\frac{1}{6}}{\frac{1 \quad 25}{36}} = \frac{6}{11}$$

$$P(B \text{ जीतना}) = 1 - P(A \text{ जीतना}) = 1 \quad \frac{6}{11} \quad \frac{5}{11}$$

टिप्पणी यदि $a + ar + ar^2 + ... + ar^{n-1} + ...$, जहाँ $r| < 1$, तब इस अनंत श्रेणी का योग $\frac{a}{1-r}\cdot$ (देखिए कक्षा XI की पाठ्यपुस्तक का A.1.3)

उदाहरण 37 यदि एक मशीन समुचित ढंग से स्थापित की जाती है तो यह 90% स्वीकार्य वस्तु उत्पादित करती है। यदि यह समुचित ढंग से स्थापित नहीं की जाती है तो यह मात्र 40% स्वीकार्य वस्तु बनाती है। पूर्व अनुभव यह दर्शाता है कि मशीन स्थापन 80% समुचित है। यदि एक निश्चित स्थापन के बाद मशीन 2 स्वीकार्य वस्तु उत्पादित करती है तो मशीन की समुचित ढंग से स्थापित होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए A एक घटना है जिसमें एक मशीन दो स्वीकार्य वस्तुओं का उत्पादन करती है। साथ ही मान लीजिए B_1 सही कार्य प्रणाली की घटना को प्रदर्शित करता है और B_2 गलत कार्य प्रणाली की घटना को प्रदर्शित करता है।

अब $\quad P(B_1) = 0.8,\ P(B_2) = 0.2$

$\quad P(A|B_1) = 0.9 \times 0.9$ और $P(A|B_2) = 0.4 \times 0.4$

इसलिए $\quad P(B_1|A) = \dfrac{P(B_1)\,P(A|B_1)}{P(B_1)\,P(A|B_1) + P(B_2)\,P(A|B_2)}$

$$= \frac{0.8 \times 0.9 \times 0.9}{0.8 \times 0.9 \times 0.9 + 0.2 \times 0.4 \times 0.4} = \frac{648}{680} = 0.95$$

अध्याय 13 पर आधारित विविध प्रश्नावली

1. A और B इस प्रकार घटनाएँ हैं कि $P(A) \neq 0$. $P(B|A)$ ज्ञात कीजिए यदि

(i) A, समुच्चय B का उपसमुच्चय है (ii) $A \cap B = \phi$

2. एक दंपति के दो बच्चे हैं

(i) दोनों बच्चों के लड़का होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए यदि यह ज्ञात हैं कि दोनों बच्चों में से कम से कम एक बच्चा लड़का है।

(ii) दोनों बच्चों के लड़की होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए यदि यह ज्ञात है कि बड़ा बच्चा लड़की है।

3. कल्पना कीजिए कि 5% पुरुषों और 0.25% महिलाओं के बाल सफ़ेद हैं। एक सफ़ेद बालों वाले व्यक्ति को यादृच्छिक चुना गया है। इस व्यक्ति के पुरुष होने की प्रायिकता क्या है? यह मान लें कि पुरुषों और महिलाओं की संख्या समान है।

4. मान लीजिए कि 90% लोग दाहिने हाथ से काम करने वाले हैं। इसकी प्रायिकता क्या है कि 10 लोगों में से यादृच्छया चुने गए अधिक से अधिक 6 लोग दाहिने हाथ से काम करने वाले हों?

5. एक कलश (पात्र) में 25 गेंदें हैं, जिनमें से 10 गेंदों पर चिह्न 'X' अंकित है और शेष 15 पर चिह्न 'Y'. अंकित है। कलश में से एक गेंद यादृच्छया निकाली जाती है और उस पर अंकित चिह्न को नोट (लिख) करके उसे कलश में प्रतिस्थापित कर दिया जाता हे। यदि इस प्रकार से 6 गेंदें निकाली जाती हों, तो अग्रलिखित प्रायिकताएँ ज्ञात कीजिए।

(i) सभी पर चिह्न 'X' अंकित हो।

(ii) 2 से अधिक पर चिह्न 'Y' नहीं अंकित हो।

(iii) कम से कम 1 गेंद पर चिह्न 'Y' अंकित हो।

(iv) 'X' तथा 'Y' चिह्नों से अंकित गेंदों की संख्याएँ समान हों।

'X' चिह्न से अंकित गेंदों की संख्या का माध्य भी ज्ञात कीजिए।

6. एक बाधा दौड़ में एक प्रतियोगी को 10 बाधाएँ पार करनी है इसकी प्रायिकता कि वह प्रत्येक बाधा को पार कर लेगा $\frac{5}{6}$ है। इसकी क्या प्रायिकता है कि वह 2 से कम बाधाओं को गिरा देगा (नहीं पार कर पाएगा)?

7. एक पासे को बार-बार तब तक उछाला जाता है जब तक कि उस पर 6 का अंक तीन बार प्राप्त नहीं हो जाता। इसकी प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि पासे पर तीसरा 6 का अंक उसे छठी बार उछालने पर प्राप्त होता है।

8. यदि एक लीप वर्ष को यादृच्छया चुना गया हो तो इसकी क्या प्रायिकता है कि उस वर्ष में 53 मंगलवार होंगे?

9. एक प्रयोग के सफल होने का संयोग उसके असफल होने से दो गुना है। प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि अगले छः परीक्षणों में कम से कम 4 सफल होंगे।

10. एक व्यक्ति एक न्याय्य सिक्के को कितनी बार उछाले कि कम से कम एक चित की प्रायिकता 90% से अधिक हो?

11. एक खेल में किसी व्यक्ति को एक न्याय्य पासे को उछालने के बाद छः प्रकट होने पर एक रुपया मिलता है और अन्य कोई संख्या प्रकट होने पर वह एक रुपया हार जाता है। एक व्यक्ति यह निर्णय लेता है, कि वह पासे को तीन बार फेंकेगा लेकिन जब भी छः प्राप्त होगा वह खेलना छोड़ देगा। उसके द्वारा जीती/हारी गई राशि की प्रत्याशा ज्ञात कीजिए।

12. मान लीजिए हमारे पास A, B, C और D बक्से हैं जिसमें रखी संगमरमर की लाल, सफेद और काली टुकड़ियों का विवरण निम्न तरीके से है यादृच्छया एक बॉक्स चुना जाता है तथा इससे एक टुकड़ा निकाला जाता है। यदि टुकड़ा लाल हो तो इसे बॉक्स A; बॉक्स B, बॉक्स C से निकाले जाने की क्या प्रायिकता है?

बॉक्स	संगमरमर की टुकड़ियों का रंग		
	लाल	सफ़ेद	काला
A	1	6	3
B	6	2	2
C	8	1	1
D	0	6	4

13. मान लीजिए किसी रोगी को दिल का दौरा पड़ने का संयोग 40% है। यह मान लिया जाता है कि ध्यान ओर योग विधि दिल का दौरा पड़ने के खतरे को 30% कम कर देता है और दवा द्वारा खतरे को 25% कम किया जा सकता है। किसी भी समय रोगी इन दोनों में से किसी एक विकल्प का चयन करता है। यह दिया गया है कि उपरोक्त विकल्पों से किसी एक का चुनाव करने वाले रोगियों से यादृच्छया चुना गया रोगी दिल के दौरे से ग्रसित हो जाता है। रोगी द्वारा ध्यान और योग विधि का उपयोग किए जाने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

14. यदि 2 कोटि के एक सारणिक के सभी अवयव शून्य या एक हो तो सारणिक का धनात्मक मान होने की क्या प्रायिकता हैं। (मान लीजिए की सारणिक के प्रत्येक अवयव स्वतंत्र रूप से चुने जा सकते हैं तथा प्रत्येक की चुने जाने की प्रायिकता $\frac{1}{2}$ है।)

15. एक इलेक्ट्रॉनिक एसेंबली के दो सहायक निकाय A और B हैं। पूर्ववर्ती निरीक्षण द्वारा निम्न प्रायिकताएँ ज्ञात है:

P(A के असफल होने की) = 0.2

P(B के अकेले असफल होने की) = 0.15

P(A और B के असफल होने की) = 0.15

तो, निम्न प्रायिकताएँ ज्ञात कीजिए:

(i) P(A असफल/B असफल हो चुकी हो)

(ii) P(A के अकेले असफल होने की)

16. थैला 1 में 3 लाल तथा 4 काली गेंदें है तथा थैला II में 4 लाल और 5 काली गेंदें हैं। एक गेंद को थैला 1 से थैला 2 में स्थानांतरित किया जाता है और तब एक गेंद थैला 2 से निकाली जाती है। निकाली गई गेंद लाल रंग की है। स्थानांतरित गेंद की काली होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों में सही उत्तर का चुनाव कीजिए:

17. यदि A और B दो ऐसी घटनाएँ है कि $P(A) \neq 0$ और $P(B/A) = 1$, तब

(A) $A \subset B$ (B) $B \subset A$ (C) $B = \phi$ (D) $A = \phi$

18. यदि $P(A/B) > P(A)$, तब निम्न में से कौन सही है।

(A) $P(B|A) < P(B)$ (B) $P(A \cap B) < P(A) . P(B)$

(C) $P(B|A) > P(B)$ (D) $P(B|A) = P(B)$

19. यदि A और B ऐसी दो घटनाएँ हैं कि

$P(A) + P(B) – P(A$ और $B) = P(A)$, तब

(A) $P(B|A) = 1$ (B) $P(A|B) = 1$

(C) $P(B|A) = 0$ (D) $P(A|B) = 0$

सारांश

इस अध्याय के मुख्य बिंदु निम्न प्रकार से हैं

- घटना E की सप्रतिबंध प्रायिकता जब कि घटना F दी गई है, निम्न प्रकार से ज्ञात की जाती है

$$P(E|F) \quad \frac{P(E \quad F)}{P(F)}, P(F) \neq 0$$

- $0 \leq P(E|F) \leq 1$, $P(E'|F) = 1 – P(E|F)$

  $P(E \cup F|G) = P(E|G) + P(F|G) – P(E \cap F|G)$

- $P(E \cap F) = P(E) P(F|E), P(E) \neq 0$

  या $P(E \cap F) = P(F) (E|F), P(F) \neq 0$

- यदि E और F स्वतंत्र घटनाएँ हैं तो

  $P(E \cap F) = P(E) P(F)$

  और $P(E|F) = P(E), P(F) \neq 0$

  $P(F|E) = P(F), P(E) \neq 0$

- **संपूर्ण प्रायिकता की प्रमेय:**
  मान लें $\{E_1, E_2, ...E_n\}$ प्रतिदर्श समष्टि S का एक विभाजन है और $E_1, E_2, ...E_n$, में प्रत्येक की प्रायिकता शून्येत्तर है। साथ ही A प्रतिदर्श समष्टि से संबधित एक घटना है, तब
  $P(A) = P(E_1)\,P(A|E_1) + P(E_2)\,P(A|E_2) + ... + P(E_n)\,P(A|E_n)$
- **बेज़-प्रमेय:** यदि $E_1, E_2, ...E_n$ प्रतिदर्श समष्टि S के विभाजन का निर्माण करती हैं अर्थात् $E_1, E_2, ..., E_n$ युग्मत: असंयुक्त हैं और $E_1 \cup E_2 \cup ... \cup E_n = S$ और A एक शून्येतर प्रायिकता की घटना है तब

$$P(E_i|A) = \frac{P(E_i)P(A|E_i)}{\sum_{j=1}^{n} P(E_j)P(A|E_j)}$$

- एक यादृच्छिक चर किसी यादृच्छिक परीक्षण के प्रतिदर्श समष्टि पर परिभाषित वास्तविक मान फलन होता है।
- यादृच्छिक चर X की प्रायिकता बंटन संख्याओं की निम्नलिखित प्रणाली है

X	:	x_1	x_2	...	x_n
P(X)	:	p_1	p_2	...	p_n

जहाँ $\quad p_i \geq 0, \quad \sum_{i=1}^{n} p_i = 1, i = 1, 2, ..., n$

- मान लें X एक यादृच्छिक चर है जिसके संभावित मूल्य $x_1, x_2, x_3, ..., x_n$ हैं जिनकी क्रमश: प्रायिकताएँ $p_1, p_2, p_3, ..., p_n$ हैं। X का माध्य, μ से व्यक्त, संख्या $\sum_{i=1}^{n} x_i p_i$ है। यादृच्छिक चर X के माध्य को X, की प्रत्याशा भी कहते हैं जिसे E (X) से व्यक्त करते हैं।
- मान लें X एक यादृच्छिक चर है जिसके संभावित मूल्य $x_1, x_2, ..., x_n$ हैं जिनकी क्रमश: प्रायिकताएँ $p_1, p_2, ..., p_n$ हैं। मान लीजिए $\mu = E(X)$, X का माध्य है। X, का प्रसरण, var (X) या σ_x^2 से व्यक्त, को निम्न प्रकार से परिभाषित किया जाता है

$$\sigma_x^2 = \text{Var}(X) = \sum_{i=1}^{n} (x_i - \mu)^2 p(x_i)$$

या समतुल्यत: $\sigma_x^2 = E(X - \mu)^2$

ऋणेतर संख्या $\sigma_x = \sqrt{\text{var}(X)} = \sqrt{\sum_{i=1}^{n} (x_i - \mu)^2 p(x_i)}$

को यादृच्छिक चर X की मानक विचलन कहते हैं।

- $\text{var}(X) = E(X^2) - [E(X)]^2$
- किसी यादृच्छिक प्रयोग के परीक्षणों को बरनौली परीक्षण कहते हैं यदि वे निम्नलिखित शर्तों को संतुष्ट करते हैं:
  (i) परीक्षणों की संख्या निश्चित (परिमित) होनी चाहिए
  (ii) परीक्षण स्वतंत्र होने चाहिए
  (iii) प्रत्येक परीक्षण के तथ्यत: दो ही परिणाम होने चाहिए : सफलता या असफलता
  (iv) किसी परिणाम की प्रायिकता प्रत्येक परीक्षण में एक ही (समान) रहनी चाहिए।
- द्विपद बंटन B (n, p), के लिए $P(X = x) = {}^nC_x\, q^{n-x} p^x$

ऐतिहासिक नोट

एक पासे पर आधारित खेल में प्रायिकता (अवसर) के माप का पहला संदर्भ दाँते के दैवी प्रहसन पर एक व्याख्या में मिलता है। जेरनीमोंकॉरडन (1501-1576) ने जुए के खेल पर एक विस्तृत निबंध जिसका नाम 'लिबर डे लूडो अलकाए' लिखा था जो उनके मृत्योपरांत 1663 में प्रकाशित हुआ था। इस निबंध में उन्होंने दो पासों को उछालने पर प्रत्येक घटना के अनुकूल परिणामों की संख्या के बारे में बताया है। गैलिलियो (1564-1642) ने तीन पासों के एक खेल में संयोग के माप के संबंध में आकस्मिक टिप्पणी की है। गैलिलियो ने विश्लेषण किया था कि जब तीन पासों को उछाला जाता है तो प्रकट संख्याओं के योग का 10 होना योग 9 से अधिक संभाव्य है क्योंकि योग को दस होने के अनुकूल परिणामों की संख्या योग 9 के अनुकूल परिणामों की संख्या से अधिक है।

इस प्रारंभिक योगदान के अतिरिक्त यह सामान्यत: माना जाता है कि प्रायिकता के विज्ञान का प्रमाणिक उद्गम सत्रहवीं शताब्दी के दो महान गणितज्ञों पॉस्कल (1623-1662) और पीअरे द् फ़र्मा (1601-1665) के मध्य हुए पत्र व्यवहार से हुआ है। एक फ्रांसिसी जुआरी शेवेलियर डे मेरे ने सैद्धातिक तर्क और जुए में एकत्रित प्रेक्षणों में अंतर्विरोध की व्याख्या के लिए पॉस्कल से पूछा। इस प्रश्न के हल के लिए 1654 के इर्द-गिर्द पॉस्कल और फ़र्मा के बीच हुए पत्र व्यवहार की शृंखला में प्रायिकता के विज्ञान की प्रथम नींव रखी गई। पॉस्कल ने समस्या को बीजगणितीय रूप में हल किया जबकि फ़र्मा ने संचय की विधियों का उपयोग किया।

महान हालैंड निवासी वैज्ञानिक ह्यजेन (1629-1695) को पॉस्कल और फ़र्मा के मध्य हुए पत्र व्यवहार के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने प्रायिकता की प्रथम पुस्तक 'डे रेशियोसिनिस इन लूडो अलाय' को प्रकाशित किया जिसमें संयोग के खेल में प्रायिकता पर बहुत सारी रोचक लेकिन कठिन समस्याओं के हल प्रस्तुत किए। प्रायिकता सिद्धांत पर अगला महान कार्य जैकब बरनौली (1654-1705) ने एक पुस्तक 'आर्स कंजेकटेंडी' के रूप में किया जो उनके

मृत्योपरांत उनके भतीजे निकॉलस बरनौली ने 1713 में प्रकाशित की थी। उन्हें एक महत्त्वपूर्ण प्रायिकता बंटन 'द्विपद बंटन' की खोज का श्रेय भी जाता है। प्रायिकता पर अगला आकर्षक कार्य 'अब्राहम डे मोवियर (1667 – 1754) की पुस्तक 'द डॉक्ट्रिन ऑफ चांस' में विद्यमान है जिसे 1718 में प्रकाशित किया गया था। थॉमस बेज़ (1702–1761) ने उनके नाम पर प्रसिद्ध प्रमेय 'बेज़-प्रमेय' को व्युत्पन्न करने के लिए सप्रतिबंध प्रायिकता का उपयोग किया। प्रसिद्ध खगोलशास्त्री 'पियरे साइमन डे लॉपलास (1749–1827) ने भी प्रायिकता सिद्धांत पर कार्य किया और 1812 में एक पुस्तक 'थियोरी एनॉलिटिक डेस प्रोबेबिलिटिज़' प्रकाशित की। इसके बाद रूसी गणितज्ञों शेबीशेव (1821–1894), मॉरकोव (1856–1922), ए. लियापोनोव (1821–1918) और ए.एन. कॉल्मोग्रोव (1903–1987) ने प्रायिकता सिद्धांत पर सार्थक योगदान दिया। कॉल्मोग्रोव ने प्रायिकता का समुच्चय फलन के रूप में सूत्रपात किया। जिसे 1933 में प्रकाशित पुस्तक 'प्रायिकता का आधारभूत सिद्धांत' में प्रायिकता के अभिगृहितीय दृष्टिकोण के नाम से जाना जाता है।

अध्याय **8**

समाकलनों के अनुप्रयोग (Application of Integrals)

❖ *One should study Mathematics because it is only through Mathematics that nature can be conceived in harmonious form. – BIRKHOFF* ❖

8.1 भूमिका (Introduction)

ज्यामिति में, हमने त्रिभुजों आयतों, समलंब चतुर्भुजों एवं वृत्तों सहित विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों के क्षेत्रफल के परिकलन के लिए सूत्रों का अध्ययन किया है। वास्तविक जीवन की अनेक समस्याओं के लिए गणित के अनुप्रयोग में इस प्रकार के सूत्र मूल होते हैं। प्रारंभिक ज्यामिति के सूत्रों की सहायता से हम अनेक साधारण आकृतियों के क्षेत्रफल का परिकलन कर सकते हैं। यद्यपि ये सूत्र वक्रों द्वारा घिरे क्षेत्रफल के परिकलन के लिए अपर्याप्त हैं इसके लिए हमें समाकलन गणित की कुछ संकल्पनाओं की आवश्यकता होगी।

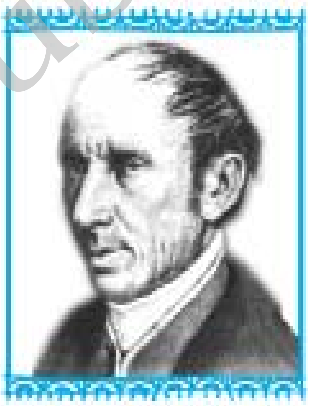

A.L. Cauchy (1789-1857)

पिछले अध्याय में हमने योगफल की सीमा के रूप में निश्चित समाकलनों का परिकलन करते समय वक्र $y = f(x)$, कोटियों $x = a, x = b$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्रफल को ज्ञात करने का अध्ययन किया है। इस अध्याय में हम साधारण वक्रों के अंतर्गत, सरल रेखाओं एवं वृत्तों, परवलयों, तथा दीघवृत्तों (केवल मानक रूप) की चापों के बीच घिरे क्षेत्रफल को ज्ञात करने के लिए समाकलनों के एक विशिष्ट अनुप्रयोग का अध्ययन करेंगे। उपरोक्त वक्रों से घिरे क्षेत्रफल को भी ज्ञात करेंगे।

8.2 साधारण वक्रों के अंतर्गत क्षेत्रफल (Area Under Simple Curves)

पिछले अध्याय में हमने, योगफल की सीमा के रूप में निश्चित समाकलन एवं कलन की आधारभूत प्रमेय का उपयोग करते हुए निश्चित समाकलन का परिकलन कैसे किया जाए, का अध्ययन किया है। अब हम वक्र $y = f(x)$, x-अक्ष एवं कोटियाँ $x = a$ तथा $x = b$ से घिरे क्षेत्रफल को ज्ञात करने

की आसान एवं अंतर्ज्ञान से प्राप्त विधि की चर्चा करते हैं। आकृति 8.1 से हम वक्र के अंतर्गत क्षेत्रफल को बहुत सी पतली एवं उर्ध्वाधर बहुत सी पट्टियों से निर्मित मान सकते हैं। y उँचाई एवं dx चौड़ाई वाली एक स्वेच्छ पट्टी पर विचार कीजिए, इसमें dA (प्रारंभिक पट्टी का क्षेत्रफल) $= ydx$, जहाँ $y = f(x)$ है।

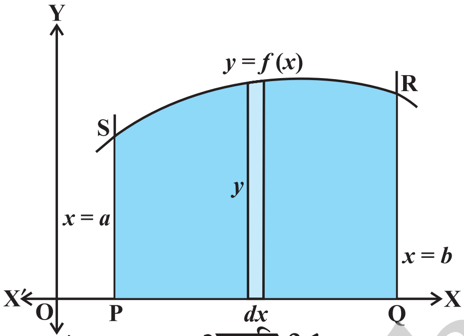

आकृति 8.1

यह क्षेत्रफल प्रारंभिक क्षेत्रफल कहलाता है जो कि क्षेत्र के भीतर किसी स्वेच्छ स्थिति पर स्थापित है एवं a तथा b के मध्य x के किसी मान से विनिर्दिष्ट है। वक्र $y = f(x)$, कोटियों $x = a$, $x = b$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र के कुल क्षेत्रफल A को, क्षेत्र PQRSP में सभी पतली पट्टियों के क्षेत्रफलों के योगफल के परिणाम के रूप में देख सकते हैं। सांकेतिक भाषा में हम इसे इस प्रकार अभिव्यक्त करते हैं:

$$A = \int_a^b dA = \int_a^b ydx = \int_a^b f(x)\,dx$$

वक्र $x = g(y)$, y-अक्ष एवं रेखाएँ $y = c$, $y = d$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल निम्नलिखित सूत्र द्वारा प्राप्त किया जाता है।

$$A = \int_c^d xdy = \int_c^d g(y)\,dy$$

यहाँ हम क्षैतिज पट्टियों पर विचार करते हैं जैसा कि आकृति 8.2 में दर्शाया गया है।

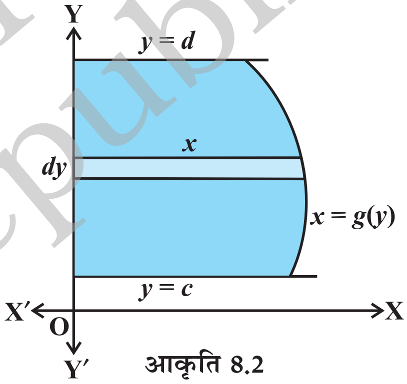

आकृति 8.2

टिप्पणी यदि चर्चित वक्र की स्थिति x-अक्ष के नीचे है, तो जैसा कि आकृति 8.3 में दर्शाया गया है, जहाँ $x = a$ से $x = b$ तक $f(x) < 0$ इसलिए दिए हुए वक्र, x-अक्ष एवं कोटियों $x = a$, $x = b$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ऋणात्मक हो जाता है, परंतु हम क्षेत्रफल के केवल संख्यात्मक मान की ही चर्चा करते हैं। इसलिए यदि क्षेत्रफल ऋणात्मक है तो हम इसके निरपेक्ष मान, अर्थात् $\left|\int_a^b f(x)\,dx\right|$ को लेते हैं।

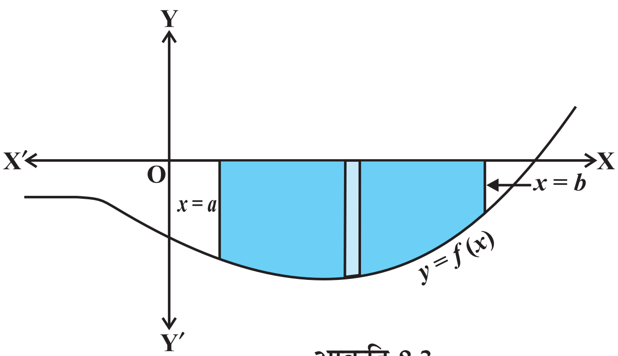

आकृति 8.3

सामान्यत: ऐसा हो सकता है कि वक्र का कुछ भाग x-अक्ष के ऊपर है तथा कुछ भाग x-अक्ष के नीचे है, जैसा कि आकृति 8.4 में दर्शाया गया है। यहाँ $A_1 < 0$ तथा $A_2 > 0$ है, इसलिए वक्र $y = f(x)$, x-अक्ष एवं कोटियों $x = a$ तथा $x = b$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल A सूत्र $A = |A_1| + A_2$ द्वारा प्राप्त किया जाता है।

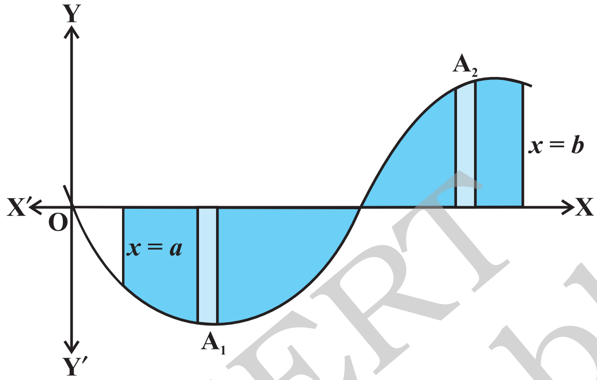

आकृति 8.4

उदाहरण 1 वृत्त $x^2 + y^2 = a^2$ का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल आकृति 8.5 में दिए हुए वृत्त से घिरे हुए क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल

= 4 (दिए हुए वक्र, x-अक्ष एवं कोटियों $x = 0$ तथा $x = a$ से घिरे क्षेत्र AOBA का क्षेत्रफल)

[क्योंकि वृत्त x-अक्ष एवं y-अक्ष दोनों के परित: सममित है]

$$= 4\int_0^a y\,dx \text{ (उर्ध्वाधर पट्टियाँ लेते हुए)}$$

$$= 4\int_0^a \sqrt{a^2 - x^2}\,dx,$$

क्योंकि $x^2 + y^2 = a^2$ से $y = \pm\sqrt{a^2 - x^2}$ प्राप्त होता है।

जैसा कि क्षेत्र AOBA प्रथम चतुर्थांश में सम्मिलित है इसलिए y को धनात्मक लिया जाता है। समाकलन करने पर दिए हुए वृत्त से घिरा क्षेत्रफल निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

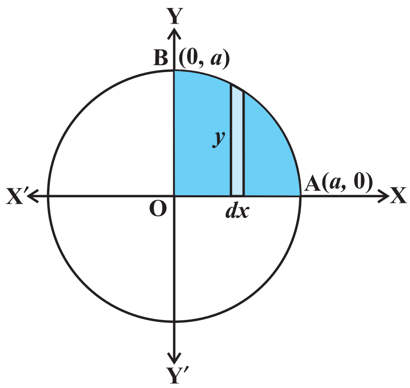

आकृति 8.5

$$= 4\left[\frac{x}{2}\sqrt{a^2 - x^2} + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}\frac{x}{a}\right]_0^a = 4\left[\left(\frac{a}{2}\times 0 + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}1\right) - 0\right]$$

$$= 4\left(\frac{a^2}{2}\right)\left(\frac{\pi}{2}\right) = \pi a^2$$

विकल्पत: जैसा कि आकृति 8.6 में दर्शाया गया है क्षैतिज पट्टियों की चर्चा करते हुए वृत्त द्वारा घिरे क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल

$$= 4\int_0^a x\,dy = 4\int_0^a \sqrt{a^2 - y^2}\, dy \qquad \text{(क्यों?)}$$

$$= 4\left[\frac{y}{2}\sqrt{a^2 - y^2} + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}\frac{y}{a}\right]_0^a$$

$$= 4\left[\left(\frac{a}{2}\times 0 + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}1\right) - 0\right]$$

$$= 4\frac{a^2}{2}\frac{\pi}{2} = \pi a^2$$

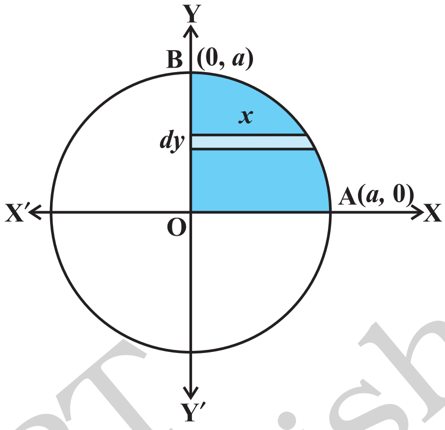

आकृति 8.6

उदाहरण 2 दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{a^2} + \frac{y^2}{b^2} = 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल का ज्ञात कीजिए।

हल आकृति 8.7 में दीर्घवृत्त से घिरे क्षेत्र ABA′B′A का क्षेत्रफल

$$= 4\left(\begin{array}{l}\text{दिए हुए वक्र, } x-\text{अक्ष, कोटियों } x=0, x=a \text{ द्वारा प्रथम चतुर्थांश में}\\ \text{घिरे क्षेत्र AOBA का क्षेत्रफल}\end{array}\right)$$

(क्योंकि दीर्घवृत्त x-अक्ष एवं y-अक्ष दोनों के परित: सममित है)

$$= 4\int_0^a y\,dx \text{ (उर्ध्वाधर पट्टियाँ लेते हुए)}$$

अब $\frac{x^2}{a^2} + \frac{y^2}{b^2} = 1$ से $y = \pm\frac{b}{a}\sqrt{a^2 - x^2}$ प्राप्त होता है, परंतु क्षेत्र AOBA प्रथम चतुर्थांश में है इसलिए y धनात्मक लिया जाता है, इसलिए अभीष्ट क्षेत्रफल

$$= 4\int_0^a \frac{b}{a}\sqrt{a^2 - x^2}\, dx$$

$$= \frac{4b}{a}\left[\frac{x}{2}\sqrt{a^2 - x^2} + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}\frac{x}{a}\right]_0^a \qquad \text{(क्यों?)}$$

$$= \frac{4b}{a}\left[\left(\frac{a}{2}\times 0 + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}1\right) - 0\right]$$

$$= \frac{4b}{a}\frac{a^2}{2}\frac{\pi}{2} = \pi ab \text{ है।}$$

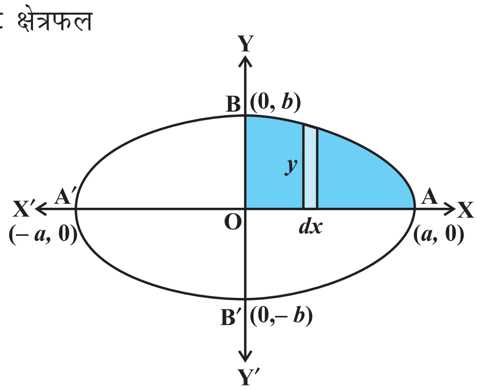

आकृति 8.7

विकल्पत: जैसा कि आकृति 8.8 में दर्शाया गया है क्षैतिज पट्टियों की चर्चा करते हुए दीर्घवृत्त का क्षेत्रफल

$$= 4\int_0^b x\,dy = 4\frac{a}{b}\int_0^b \sqrt{b^2-y^2}\,dy \quad \text{(क्यों?)}$$

$$= \frac{4a}{b}\left[\frac{y}{2}\sqrt{b^2-y^2}+\frac{b^2}{2}\sin^{-1}\frac{y}{b}\right]_0^b$$

$$= \frac{4a}{b}\left[\left(\frac{b}{2}\times 0+\frac{b^2}{2}\sin^{-1}1\right)-0\right]$$

$$= \frac{4a}{b}\cdot\frac{b^2}{2}\cdot\frac{\pi}{2} = \pi ab \text{ है।}$$

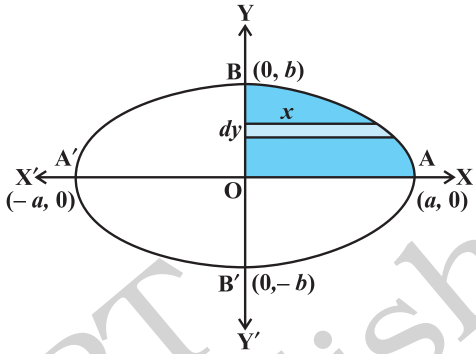

आकृति 8.8

8.2.1 एक वक्र एवं एक रेखा से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल (The area of the region bounded by a curve and a line)

इस उपपरिच्छेद में, हम एक रेखा और एक वृत्त, एक रेखा और एक परवलय, तथा एक रेखा और एक दीर्घवृत्त से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात करेंगे उपरोक्त चर्तित वक्रों के समीकरण केवल प्रामाणिक रूप में ही अध्ययन किए जाएँगे क्योंकि अन्य रूपों वाले समीकरण का उपयोग इस पाठ्यपुस्तक के अध्ययन क्षेत्र से बाहर हैं।

उदाहरण 3 वक्र $y = x^2$ एवं रेखा $y = 4$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल क्योंकि दिए हुए समीकरण $y = x^2$ द्वारा निरूपित वक्र y-अक्ष के परित: सममित एक परवलय है। इसलिए आकृति 8.9 से क्षेत्र AOBA का अभीष्ट क्षेत्रफल निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$2\int_0^4 x\,dy =$ 2 (दिए हुए वक्र, y –अक्ष एवं रेखाओं $y = 0$ तथा $y = 4$ से घिरे क्षेत्र BOND का क्षेत्रफल)

$$= 2\int_0^4 \sqrt{y}\,dy \quad \text{(क्यों?)}$$

$$= 2\times\frac{2}{3}\left[y^{\frac{3}{2}}\right]_0^4 = \frac{4}{3}\times 8 = \frac{32}{3}$$

यहाँ हमने क्षैतिज पट्टियाँ ली हैं जैसा कि आकृति 8.9 में दर्शाया गया है।

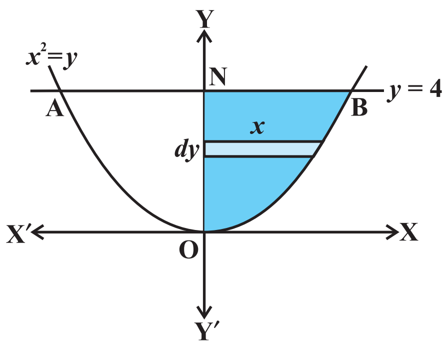

आकृति 8.9

विकल्पतः क्षेत्र AOBA का क्षेत्रफल प्राप्त करने के लिए हम PQ जैसी ऊर्ध्वाधर पट्टियाँ ले सकते हैं जैसा कि आकृति 8.10 में दर्शाया गया है। इसके लिए हम समीकरणों $x^2 = y$ एवं $y = 4$ को हल करते हैं जिससे $x = -2$ एवं $x = 2$ प्राप्त होता है।

इस प्रकार क्षेत्र AOBA को वक्रों $y = x^2, y = 4$ एवं कोटियों $x = -2$ तथा $x = 2$ से घिरा क्षेत्र परिभाषित किया जा सकता है।

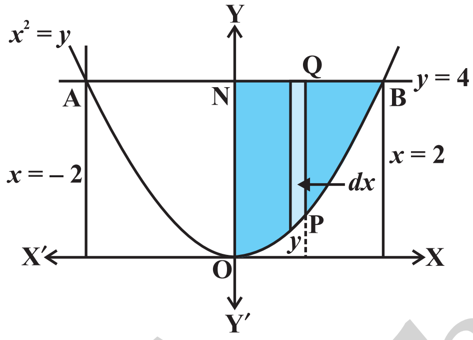

आकृति 8.10

इसलिए क्षेत्र AOBA का क्षेत्रफल

$$= \int_{-2}^{2} y\,dx \; [y = (\text{बिंदु Q का } y \text{ निर्देशांक} - \text{बिंदु P का } y \text{ निर्देशांक}) = 4 - x^2]$$

$$= 2\int_{0}^{2}\left(4 - x^2\right)dx \qquad \text{(क्यों?)}$$

$$= 2\left[4x - \frac{x^3}{3}\right]_0^2 = 2\left[4\times 2 - \frac{8}{3}\right] = \frac{32}{3}$$

टिप्पणी उपरोक्त उदाहरणों से यह निष्कर्ष निकलता है कि किसी क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात करने के लिए हम ऊर्ध्वाधर अथवा क्षैतिज पट्टियों में से किसी को भी ले सकते हैं। इससे आगे हम इन दोनों पट्टियों में से किसी एक की चर्चा करेंगे, ऊर्ध्वाधर पट्टियों को सामान्यतः अधिक प्राथमिकता दी जाएगी।

उदाहरण 4 प्रथम चतुर्थांश में वृत्त $x^2 + y^2 = 32$, रेखा $y = x$, एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल दिए हुए समीकरण हैं:

$$y = x \qquad \ldots (1)$$

और $$x^2 + y^2 = 32 \qquad \ldots (2)$$

समीकरण (1) तथा (2) को हल करने पर हम पाते हैं कि दिया हुआ वृत्त एवं दी हुई रेखा एक दूसरे को प्रथम चतुर्थांश में B(4, 4) पर मिलते हैं (आकृति 8.11)। x-अक्ष के ऊपर BM लम्ब खींचिए।

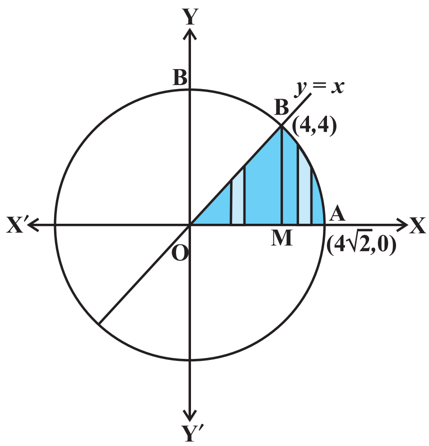

आकृति 8.11

इसलिए, अभीष्ट क्षेत्रफल = क्षेत्र OBMO का क्षेत्रफल + क्षेत्र BMAB का क्षेत्रफल

अब, क्षेत्र OBMO का क्षेत्रफल

$$= \int_0^4 y\,dx = \int_0^4 x\,dx = \frac{1}{2}\left[x^2\right]_0^4 = 8 \qquad \ldots (3)$$

पुन: क्षेत्र BMAB का क्षेत्रफल

$$= \int_4^{4\sqrt{2}} ydx = \int_4^{4\sqrt{2}} \sqrt{32-x^2}\,dx$$

$$= \left[\frac{1}{2}x\sqrt{32-x^2} + \frac{1}{2}\times 32\times \sin^{-1}\frac{x}{4\sqrt{2}}\right]_4^{4\sqrt{2}}$$

$$= \left(\frac{1}{2}4\sqrt{2}\times 0 + \frac{1}{2}\times 32\times \sin^{-1}1\right) - \left(\frac{4}{2}\sqrt{32-16} + \frac{1}{2}\times 32\times \sin^{-1}\frac{1}{\sqrt{2}}\right)$$

$$= 8\,\pi - (8 + 4\pi) = 4\pi - 8 \qquad \ldots (4)$$

समीकरण (3) एवं (4) का योगफल ज्ञात करने पर हम अभीष्ट क्षेत्रफल $A = 4\pi$ पाते हैं।

उदाहरण 5 दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{a^2}+\frac{y^2}{b^2}=1$ एवं कोटियों $x = 0$ और $x = ae$, से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए, जहाँ $b^2 = a^2\,(1 - e^2)$ एवं $e < 1$ है।

हल क्षेत्र BOB′RFSB का अभीष्ट क्षेत्रफल दिए हुए दीर्घवृत्त एवं रेखाओं $x = 0$ तथा $x = ae$ से घिरा हुआ है (आकृति 8.12)।

ध्यान दीजिए कि क्षेत्र BOB′RFSB का क्षेत्रफल

$$= 2\int_0^{ae} ydx = 2\frac{b}{a}\int_0^{ae}\sqrt{a^2-x^2}\,dx$$

$$= \frac{2b}{a}\left[\frac{x}{2}\sqrt{a^2-x^2} + \frac{a^2}{2}\sin^{-1}\frac{x}{a}\right]_0^{ae}$$

$$= \frac{2b}{2a}\left[ae\sqrt{a^2-a^2e^2} + a^2\sin^{-1}e\right]$$

$$= ab\left[e\sqrt{1-e^2} + \sin^{-1}e\right]$$

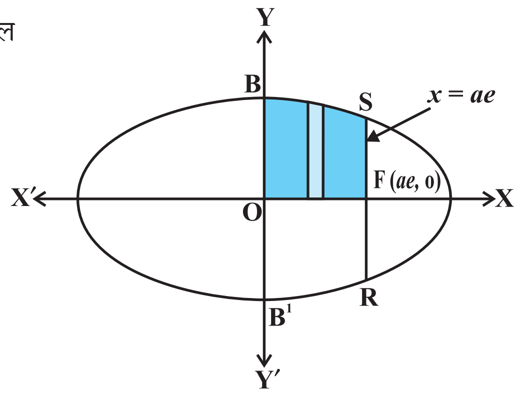

आकृति 8.12

प्रश्नावली 8.1

1. वक्र $y^2 = x$, रेखाओं $x = 1, x = 4$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
2. प्रथम चतुर्थांश में वक्र $y^2 = 9x, x = 2, x = 4$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
3. प्रथम चतुर्थांश में $x^2 = 4y, y = 2, y = 4$ एवं y-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
4. दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{16}+\frac{y^2}{9}=1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
5. दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{4}+\frac{y^2}{9}=1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
6. प्रथम चतुर्थांश में वृत्त $x^2 + y^2 = 4$, रेखा $x = \sqrt{3}\,y$ एवं x-अक्ष द्वारा घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
7. छेदक रेखा $x=\frac{a}{\sqrt{2}}$ द्वारा वृत्त $x^2 + y^2 = a^2$ के छोटे भाग का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
8. यदि वक्र $x = y^2$ एवं रेखा $x = 4$ से घिरा हुआ क्षेत्रफल रेखा $x = a$ द्वारा दो बराबर भागों में विभाजित होता है तो a का मान ज्ञात कीजिए।
9. परवलय $y = x^2$ एवं $y = |x|$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
10. वक्र $x^2 = 4y$ एवं रेखा $x = 4y - 2$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
11. वक्र $y^2 = 4x$ एवं रेखा $x = 3$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

प्रश्न 12 एवं 13 में सही उत्तर का चयन कीजिए:

12. प्रथम चतुर्थांश में वृत्त $x^2 + y^2 = 4$ एवं रेखाओं $x = 0, x = 2$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

    (A) π (B) $\frac{\pi}{2}$ (C) $\frac{\pi}{3}$ (D) $\frac{\pi}{4}$

13. वक्र $y^2 = 4x$, y-अक्ष एवं रेखा $y = 3$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

    (A) 2 (B) $\frac{9}{4}$ (C) $\frac{9}{3}$ (D) $\frac{9}{2}$

8.3 दो वक्रों के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल (Area Between Two Curves)

लैबनिज़ की चेतना एवं अंतर्ज्ञान की सच्चाई के फलस्वरूप किसी क्षेत्र को प्रारंभिक क्षेत्रफल की बृहत् संख्या में पट्टियाँ काटकर और इन प्रारंभिक क्षेत्रफलों का योगफल ज्ञात कर, क्षेत्रफल के परिकलन की क्रिया समाकलन कहलाती है। कल्पना कीजिए, हमें दो वक्र $y = f(x)$ और $y = g(x)$ दिए हुए हैं जहाँ $[a, b]$में $f(x) \geq g(x)$ जैसा कि आकृति 8.13 में दर्शाया गया है। दिए हुए वक्रों के समीकरण से y का उभयनिष्ठ मान लेते हुए इन दोनों वक्रों के प्रतिच्छेदक बिंदु $x = a$ तथा $x = b$ द्वारा देय हैं।

समाकलन के सूत्र का स्थापन करने के लिए प्रारंभिक क्षेत्रफल को ऊर्ध्वाधर पट्टियों के रूप में लेना सुविधाजनक है। जैसा कि आकृति 8.13 में दर्शाया गया है। प्रारंभिक पट्टी की ऊँचाई $f(x) - g(x)$ एवं चौड़ाई dx है, इसलिए प्रारंभिक क्षेत्रफल

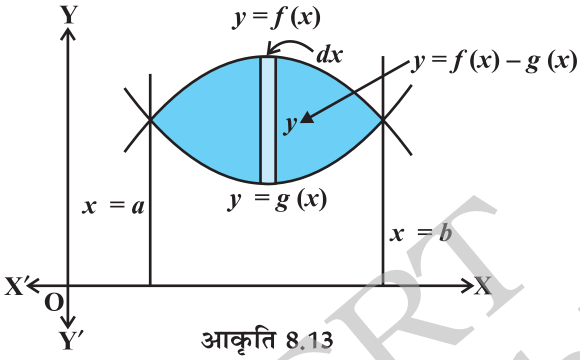

आकृति 8.13

$$dA = [f(x) - g(x)]\, dx, \text{ तथा कुल क्षेत्रफल } A = \int_a^b [f(x) - g(x)]\, dx$$

विकल्पतः

A = [वक्र $y = f(x)$, x-अक्ष तथा रेखाओं $x = a$, $x = b$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल]
– [वक्र $y = g(x)$, x-अक्ष एवं रेखाओं $x = a$, $x = b$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल]

$= \int_a^b f(x)\,dx - \int_a^b g(x)\,dx = \int_a^b [f(x) - g(x)]\,dx$ जहाँ $[a, b]$ में $f(x) \geq g(x)$

यदि $[a, c]$ में $f(x) \geq g(x)$ तथा $[c, b]$ में $f(x) \leq g(x)$ जहाँ $a < c < b$ जैसा कि आकृति 8.14 में दर्शाया गया है, तो वक्रों से घिरे क्षेत्रों का क्षेत्रफल निम्नलिखित प्रकार लिखा जा सकता है :

क्षेत्रफल = क्षेत्र ACBDA का क्षेत्रफल + क्षेत्र BPRQB का क्षेत्रफल

$$= \int_a^c [f(x) - g(x)]\,dx + \int_c^b [g(x) - f(x)]\,dx$$

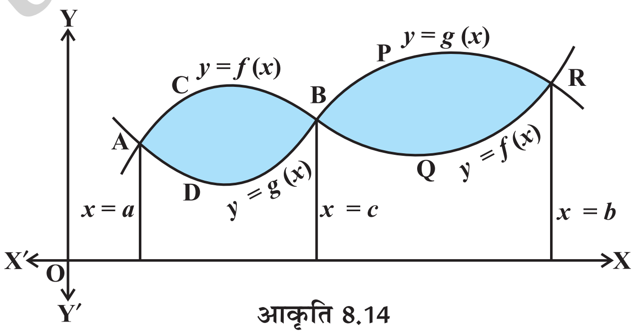

आकृति 8.14

उदाहरण 6 दो परवलयों $y = x^2$ एवं $y^2 = x$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल जैसा कि आकृति 8.15 में दर्शाया गया है, इन दोनों परवलयों के प्रतिच्छेदक बिंदु O (0, 0) एवं A (1, 1) है। यहाँ $y^2 = x$ अथवा $y = \sqrt{x} = f(x)$ और $y = x^2 = g(x)$, जहाँ [0, 1] में $f(x) \geq g(x)$ है।

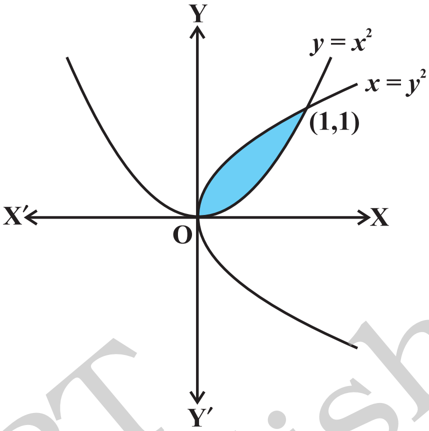

आकृति 8.15

इसलिए छायांकित क्षेत्र का अभीष्ट क्षेत्रफल

$$= \int_0^1 [f(x) - g(x)]\,dx$$

$$= \int_0^1 \left[\sqrt{x} - x^2\right] dx = \left[\frac{2}{3}x^{\frac{3}{2}} - \frac{x^3}{3}\right]_0^1 = \frac{2}{3} - \frac{1}{3} = \frac{1}{3}$$

उदाहरण 7 x-अक्ष के ऊपर तथा वृत्त $x^2 + y^2 = 8x$ एवं परवलय $y^2 = 4x$ के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल वृत्त का दिया हुआ समीकरण $x^2 + y^2 = 8x$, $(x-4)^2 + y^2 = 16$ के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। इस वृत्त का केंद्र बिंदु (4, 0) है तथा त्रिज्या 4 इकाई है। परवलय $y^2 = 4x$ के साथ इसके प्रतिच्छेद से प्राप्त होता है :

$$x^2 + 4x = 8x$$

अथवा $x^2 - 4x = 0$

अथवा $x(x-4) = 0$

अथवा $x = 0,\ x = 4$

इस प्रकार इन दो वक्रों के प्रतिच्छेद बिंदु O(0, 0) एवं x-अक्ष से ऊपर P(4,4) हैं।

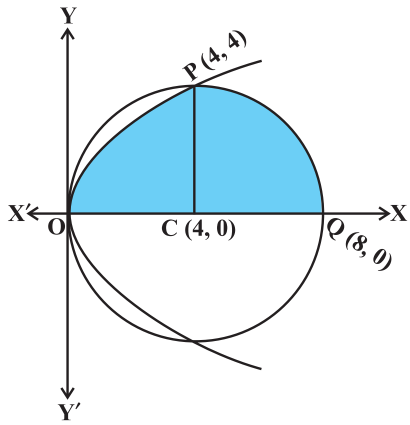

आकृति 8.16

आकृति 8.16 से x-अक्ष से उपर इन दोनों वक्रों के मध्य सम्मिलित क्षेत्र OPQCO का क्षेत्रफल

= (क्षेत्र OCPO का क्षेत्रफल) + (क्षेत्र PCQP का क्षेत्रफल)

$$= \int_0^4 y\,dx + \int_4^8 y\,dx$$

$$= 2\int_0^4 \sqrt{x}\,dx + \int_4^8 \sqrt{4^2 - (x-4)^2}\,dx \quad \text{(क्यों?)}$$

$$= 2\times\frac{2}{3}\left[x^{\frac{3}{2}}\right]_0^4 + \int_0^4 \sqrt{4^2-t^2}\,dt, \text{ जहाँ } x-4=t$$

$$= \frac{32}{3} + \left[\frac{t}{2}\sqrt{4^2-t^2} + \frac{1}{2}\times 4^2 \times \sin^{-1}\frac{t}{4}\right]_0^4$$

$$= \frac{32}{3} + \left[\frac{4}{2}\times 0 + \frac{1}{2}\times 4^2\times\sin^{-1}1\right] = \frac{32}{3} + \left[0 + 8\times\frac{\pi}{2}\right] = \frac{32}{3} + 4\pi = \frac{4}{3}(8+3\pi)$$

उदाहरण 8 आकृति 8.17 में AOBA प्रथम चतुर्थांश में दीर्घवृत्त $9x^2 + y^2 = 36$ का एक भाग है जिसमें OA = 2 इकाई तथा OB = 6 इकाई है। लघु चाप AB एवं जीवा AB के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल दीर्घवृत्त का दिया हुआ समीकरण $9x^2 + y^2 = 36$, अर्थात् $\frac{x^2}{4}+\frac{y^2}{36}=1$ अथवा $\frac{x^2}{2^2}+\frac{y^2}{6^2}=1$ के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है और इसलिए इसका आकार आकृति 8.17 में दिए हुए आकार जैसा है।

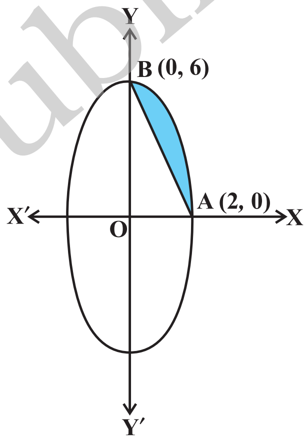

आकृति 8.17

इसके अनुसार, जीवा AB का समीकरण है:

$$y - 0 = \frac{6-0}{0-2}(x-2)$$

अथवा $\quad y = -3(x-2)$

अथवा $\quad y = -3x + 6$

आकृति 8.17 में दर्शाये छायांकित क्षेत्र का क्षेत्रफल

$$= 3\int_0^2 \sqrt{4-x^2}\,dx - \int_0^2 (6-3x)\,dx \qquad \text{(क्यों?)}$$

$$= 3\left[\frac{x}{2}\sqrt{4-x^2} + \frac{4}{2}\sin^{-1}\frac{x}{2}\right]_0^2 - \left[6x - \frac{3x^2}{2}\right]_0^2$$

$$= 3\left[\frac{2}{2}\times 0 + 2\sin^{-1}(1)\right] - \left[12 - \frac{12}{2}\right] = 3\times 2\times\frac{\pi}{2} - 6 = 3\pi - 6$$

उदाहरण 9 समाकलन का उपयोग करते हुए एक ऐसे त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसके शीर्ष (1, 0), (2, 2) एवं (3, 1) हैं।

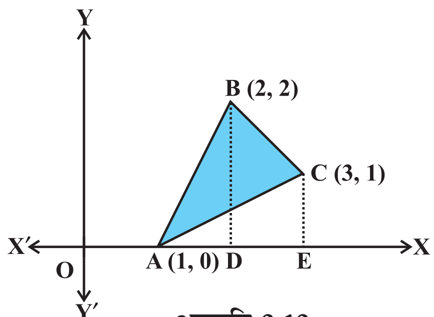

आकृति 8.18

हल मान लीजिए A (1, 0), B (2, 2) एवं C (3, 1) त्रिभुज ABC के शीर्ष हैं (आकृति 8.18)

Δ ABC का क्षेत्रफल = Δ ABD का क्षेत्रफल + समलंब चतुर्भुज BDEC का क्षेत्रफल – Δ AEC का क्षेत्रफल

अब भुजाएँ AB, BC एवं CA के समीकरण क्रमशः

$$y = 2(x-1),\ y = 4 - x,\ y = \frac{1}{2}(x-1) \text{ हैं।}$$

अतः Δ ABC का क्षेत्रफल

$$= \int_1^2 2(x-1)\,dx + \int_2^3 (4-x)\,dx - \int_1^3 \frac{x-1}{2}\,dx$$

$$= 2\left[\frac{x^2}{2} - x\right]_1^2 + \left[4x - \frac{x^2}{2}\right]_2^3 - \frac{1}{2}\left[\frac{x^2}{2} - x\right]_1^3$$

$$= 2\left[\left(\frac{2^2}{2} - 2\right) - \left(\frac{1}{2} - 1\right)\right] + \left[\left(4\times 3 - \frac{3^2}{2}\right) - \left(4\times 2 - \frac{2^2}{2}\right)\right]$$

$$- \frac{1}{2}\left[\left(\frac{3^2}{2} - 3\right) - \left(\frac{1}{2} - 1\right)\right] = \frac{3}{2}$$

उदाहरण 10 दो वृत्तों $x^2 + y^2 = 4$ एवं $(x-2)^2 + y^2 = 4$ के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल दिए हुए वृत्तों के समीकरण हैं:

$$x^2 + y^2 = 4 \qquad \text{... (1)}$$

और $$(x-2)^2 + y^2 = 4 \qquad \text{... (2)}$$

समीकरण (1) ऐसा वृत्त है जिसका केंद्र मूल बिंदु O पर है ओर जिसकी त्रिज्या 2 इकाई है। समीकरण (2) एक ऐसा वृत्त है जिसका केंद्र C(2, O) है और जिसकी त्रिज्या 2 इकाई है। समीकरण (1) और (2) को हल करने पर हम पाते हैं:

$$(x-2)^2 + y^2 = x^2 + y^2$$

अथवा $$x^2 - 4x + 4 + y^2 = x^2 + y^2$$

अथवा $x = 1$ जिससे $y = \pm\sqrt{3}$ प्राप्त होता है।

अत: दिए हुए वृत्तों के प्रतिच्छेदन बिंदु A(1, $\sqrt{3}$) और A′(1, – $\sqrt{3}$) है, जैसा आकृति 8.19 में दर्शाया गया है।

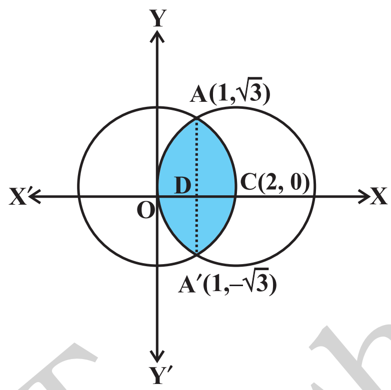

आकृति 8.19

वृत्तों के मध्यवर्ती क्षेत्र OACA′O का अभीष्ट

क्षेत्रफल = 2 [क्षेत्र ODCAO का क्षेत्रफल] (क्यों?)

= 2 [क्षेत्र ODAO का क्षेत्रफल + क्षेत्र DCAD का क्षेत्रफल]

$$= 2\left[\int_0^1 y\,dx + \int_1^2 y\,dx\right]$$

$$= 2\left[\int_0^1 \sqrt{4-(x-2)^2}\,dx + \int_1^2 \sqrt{4-x^2}\,dx\right] \qquad \text{(क्यों?)}$$

$$= 2\left[\frac{1}{2}(x-2)\sqrt{4-(x-2)^2} + \frac{1}{2}\times 4\sin^{-1}\left(\frac{x-2}{2}\right)\right]_0^1 +$$

$$2\left[\frac{1}{2}x\sqrt{4-x^2} + \frac{1}{2}\times 4\sin^{-1}\frac{x}{2}\right]_1^2$$

$$= \left[(x-2)\sqrt{4-(x-2)^2} + 4\sin^{-1}\left(\frac{x-2}{2}\right)\right]_0^1 + \left[x\sqrt{4-x^2} + 4\sin^{-1}\frac{x}{2}\right]_1^2$$

$$= \left[\left(-\sqrt{3} + 4\sin^{-1}\left(\frac{-1}{2}\right)\right) - 4\sin^{-1}(-1)\right] + \left[4\sin^{-1}1 - \sqrt{3} - 4\sin^{-1}\frac{1}{2}\right]$$

$$= \left[\left(-\sqrt{3} - 4\times\frac{\pi}{6}\right) + 4\times\frac{\pi}{2}\right] + \left[4\times\frac{\pi}{2} - \sqrt{3} - 4\times\frac{\pi}{6}\right]$$

$$= \left(-\sqrt{3} - \frac{2\pi}{3} + 2\pi\right) + \left(2\pi - \sqrt{3} - \frac{2\pi}{3}\right)$$

$$= \frac{8\pi}{3} - 2\sqrt{3}$$

प्रश्नावली 8.2

1. परवलय $x^2 = 4y$ और वृत्त $4x^2 + 4y^2 = 9$ के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
2. वक्रों $(x-1)^2 + y^2 = 1$ एवं $x^2 + y^2 = 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
3. वक्रों $y = x^2 + 2$, $y = x$, $x = 0$ एवं $x = 3$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।
4. समाकलन का उपयोग करते हुए एक ऐसे त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसके शीर्ष $(-1, 0), (1, 3)$ एवं $(3, 2)$ हैं।
5. समाकलन का उपयोग करते हुए एक ऐसे त्रिकोणीय क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसकी भुजाओं के समीकरण $y = 2x + 1$, $y = 3x + 1$ एवं $x = 4$ हैं।

प्रश्न 6 एवं 7 में सही उत्तर का चयन कीजिए:

6. वृत्त $x^2 + y^2 = 4$ एवं रेखा $x + y = 2$ से घिरे छोटे भाग का क्षेत्रफल है:

   (A) $2(\pi - 2)$ (B) $\pi - 2$ (C) $2\pi - 1$ (D) $2(\pi + 2)$

7. वक्रों $y^2 = 4x$ एवं $y = 2x$ के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

   (A) $\frac{2}{3}$ (B) $\frac{1}{3}$ (C) $\frac{1}{4}$ (D) $\frac{3}{4}$

विविध उदाहरण

उदाहरण 11 परवलय $y^2 = 4ax$ और उसके नाभिलंब से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल आकृति 8.20 से, परवलय $y^2 = 4ax$ का शीर्ष मूल बिंदु पर है। नाभिलंब जीवा LSL′ का समीकरण $x = a$ है। दिया हुआ परवलय x-अक्ष के परित: सममित है।

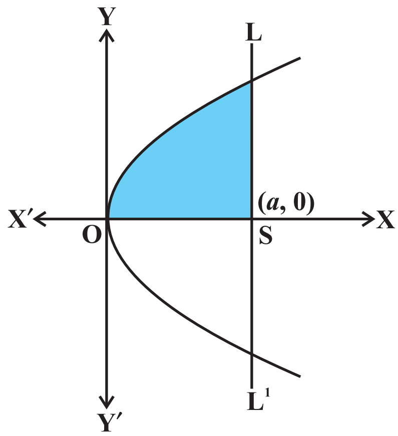

आकृति 8.20

क्षेत्र OLL′O का अभीष्ट क्षेत्रफल = 2 (क्षेत्र OLSO का क्षेत्रफल)

$$= 2\int_0^a y\,dx = 2\int_0^a \sqrt{4ax}\,dx$$

$$= 2 \times 2\sqrt{a}\int_0^a \sqrt{x}\,dx$$

$$= 4\sqrt{a} \times \frac{2}{3}\left[x^{\frac{3}{2}}\right]_0^a = \frac{8}{3}\sqrt{a}\left[a^{\frac{3}{2}}\right] = \frac{8}{3}a^2$$

उदाहरण 12 रेखा $y = 3x + 2$, x-अक्ष एवं कोटियों $x = -1$ एवं $x = 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल जैसा कि आकृति 8.21 में दर्शाया गया है, रेखा $y = 3x + 2$, x-अक्ष को $x = \frac{-2}{3}$ पर मिलती है और $x \in \left(-1, \frac{-2}{3}\right)$ के लिए इसका आलेख x-अक्ष के नीचे है तथा $x \in \left(\frac{-2}{3}, 1\right)$ के लिए इसका आलेख x-अक्ष से ऊपर है।

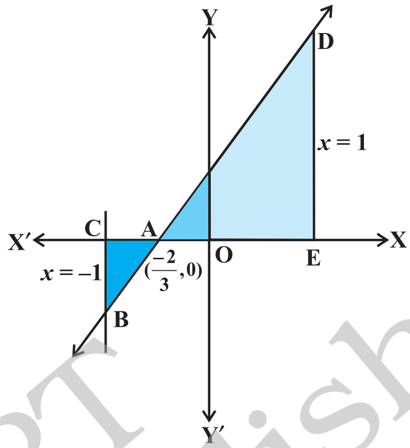

आकृति 8.21

अभीष्ट क्षेत्रफल = क्षेत्र ACBA का क्षेत्रफल + क्षेत्र ADEA का क्षेत्रफल

$$= \left|\int_{-1}^{\frac{-2}{3}} (3x+2)dx\right| + \int_{\frac{-2}{3}}^{1} (3x+2)dx$$

$$= \left|\left[\frac{3x^2}{2}+2x\right]_{-1}^{\frac{-2}{3}}\right| + \left[\frac{3x^2}{2}+2x\right]_{\frac{-2}{3}}^{1} = \frac{1}{6}+\frac{25}{6} = \frac{13}{3}$$

उदाहरण 13 $x = 0$ एवं $x = 2\pi$ के मध्य वक्र $y = \cos x$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल आकृति 8.22 से, अभीष्ट क्षेत्रफल
= क्षेत्र OABO का क्षेत्रफल + क्षेत्र BCDB का क्षेत्रफल + क्षेत्र DEFD का क्षेत्रफल

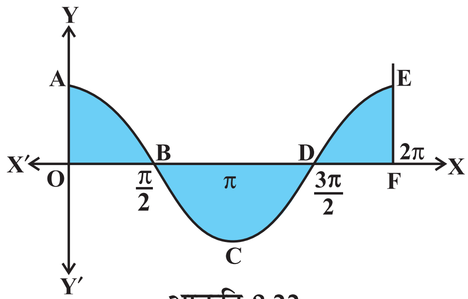

आकृति 8.22

इसलिए अभीष्ट क्षेत्रफल

$$= \int_0^{\frac{\pi}{2}} \cos x\,dx + \left|\int_{\frac{\pi}{2}}^{\frac{3\pi}{2}} \cos x\,dx\right| + \int_{\frac{3\pi}{2}}^{2\pi} \cos x\,dx$$

$$= [\sin x]_0^{\frac{\pi}{2}} + \left|[\sin x]_{\frac{\pi}{2}}^{\frac{3\pi}{2}}\right| + [\sin x]_{\frac{3\pi}{2}}^{2\pi} = 1 + 2 + 1 = 4$$

उदाहरण 14 सिद्ध कीजिए कि वक्र $y^2 = 4x$ एवं $x^2 = 4y$, रेखाओं $x = 0, x = 4, y = 4$ एवं $y = 0$ से घिरे वर्ग के क्षेत्रफल को तीन बराबर भागों में विभाजित करते हैं।

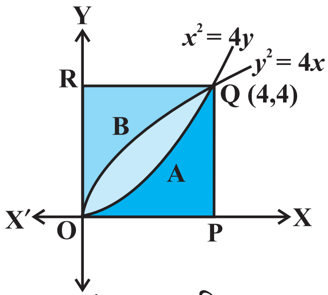

आकृति 8.23

हल ध्यान दीजिए कि परवलयों $y^2 = 4x$ एवं $x^2 = 4y$ के प्रतिच्छेद बिंदु (0,0) एवं (4,4) हैं जैसा कि आकृति 8.23 में दर्शाया गया है। अब वक्रों $y^2 = 4x$ एवं $x^2 = 4y$ से घिरे क्षेत्र OAQBO का क्षेत्रफल

$$= \int_0^4 \left(2\sqrt{x} - \frac{x^2}{4}\right) dx = \left[2 \times \frac{2}{3} x^{\frac{3}{2}} - \frac{x^3}{12}\right]_0^4$$

$$= \frac{32}{3} - \frac{16}{3} = \frac{16}{3} \qquad \ldots (1)$$

पुनः वक्रों $x^2 = 4y, x = 0, x = 4$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र OPQAO का क्षेत्रफल

$$= \int_0^4 \frac{x^2}{4} dx = \frac{1}{12}\left[x^3\right]_0^4 = \frac{16}{3} \qquad \ldots (2)$$

इसी प्रकार वक्र $y^2 = 4x$, y-अक्ष, $y = 0$ एवं $y = 4$ से घिरे क्षेत्र OBQRO का क्षेत्रफल

$$= \int_0^4 x\,dy = \int_0^4 \frac{y^2}{4} dy = \frac{1}{12}\left[y^3\right]_0^4 = \frac{16}{3} \qquad \ldots (3)$$

समीकरणों (1), (2) तथा (3) से यह निष्कर्ष निकलता है कि

क्षेत्र OAQBO का क्षेत्रफल = क्षेत्र OPQAO का क्षेत्रफल = क्षेत्र OBQRO का क्षेत्रफल अर्थात्, परवलयों $y^2 = 4x$ एवं $x^2 = 4y$ से घिरा क्षेत्रफल दिए हुए वर्ग के क्षेत्रफल को तीन बराबर भागों में विभाजित करता है।

उदाहरण 15 क्षेत्र $\{(x, y) : 0 \le y \le x^2 + 1, 0 \le y \le x + 1, 0 \le x \le 2\}$ का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

हल आइए सर्वप्रथम हम उस क्षेत्र का रेखाचित्र तैयार करें जिसका हमें क्षेत्रफल ज्ञात करना है। यह क्षेत्र निम्नलिखित क्षेत्रों का मध्यवर्ती क्षेत्र है:

$$A_1 = \{(x, y) : 0 \le y \le x^2 + 1\}$$
$$A_2 = \{(x, y) : 0 \le y \le x + 1\}$$
और $$A_3 = \{(x, y) : 0 \le x \le 2\}$$

वक्रों $y = x^2 + 1$ एवं $y = x + 1$ के प्रतिच्छेद बिंदु P(0, 1) एवं Q(1, 2) हैं। आकृति 8.24 से, अभीष्ट क्षेत्र, छायांकित क्षेत्र OPQRSTO है जिसका क्षेत्रफल

= क्षेत्र OTQPO का क्षेत्रफल + क्षेत्र TSRQT का क्षेत्रफल

$$= \int_0^1 (x^2+1)\,dx + \int_1^2 (x+1)\,dx \qquad \text{(क्यों?)}$$

$$= \left[\left(\frac{x^3}{3}+x\right)\right]_0^1 + \left[\left(\frac{x^2}{2}+x\right)\right]_1^2$$

$$= \left[\left(\frac{1}{3}+1\right)-0\right] + \left[(2+2)-\left(\frac{1}{2}+1\right)\right] = \frac{23}{6}$$

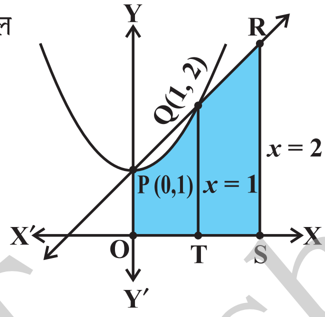

आकृति 8.24

अध्याय 8 पर विविध प्रश्नावली

1. दिए हुए वक्रों एवं रेखाओं से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए:

(i) $y = x^2$; $x = 1$, $x = 2$ एवं x-अक्ष

(ii) $y = x^4$; $x = 1$, $x = 5$ एव x-अक्ष

2. वक्रों $y = x$ एवं $y = x^2$ के मध्यवर्ती क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

3. प्रथम चतुर्थांश में सम्मिलित एवं $y = 4x^2$, $x = 0$, $y = 1$ तथा $y = 4$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

4. $y = |x+3|$ का ग्राफ़ खींचिए एवं $\int_{-6}^{0} |x+3|\,dx$ का मान ज्ञात कीजिए।

5. $x = 0$ एवं $x = 2\pi$ तथा वक्र $y = \sin x$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

6. परवलय $y^2 = 4ax$ एवं रेखा $y = mx$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

7. परवलय $4y = 3x^2$ एवं रेखा $2y = 3x + 12$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

8. दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{9}+\frac{y^2}{4}=1$ एवं रेखा $\frac{x}{3}+\frac{y}{2}=1$ से घिरे लघु क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

9. दीर्घवृत्त $\frac{x^2}{a^2}+\frac{y^2}{b^2}=1$ एवं रेखा $\frac{x}{a}+\frac{y}{b}=1$ से घिरे लघु क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

10. परवलय $x^2 = y$, रेखा $y = x + 2$ एवं x-अक्ष से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

11. समाकलन विधि का उपयोग करते हुए वक्र $|x|+|y|=1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए। [**संकेत** : आवश्यक क्षेत्र, रेखाओं $x + y = 1$, $x - y = 1$, $-x + y = 1$ एवं $-x - y = 1$ से घिरा है]

12. वक्रों $\{(x, y) : y \geq x^2$ तथा $y = |x|\}$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

13. समाकलन विधि का उपयोग करते हुए एक ऐसे त्रिभुज ABC, का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसके शीर्षों के निर्देशांक A(2, 0), B (4, 5) एवं C (6, 3) हैं।

14. समाकलन विधि का उपयोग करते हुए, रेखाओं $2x + y = 4$, $3x - 2y = 6$ एवं $x - 3y + 5 = 0$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

15. क्षेत्र $\{(x, y) : y^2 \leq 4x, 4x^2 + 4y^2 \leq 9\}$ का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए।

16 से 20 तक प्रश्नों में सही उत्तर का चयन कीजिए:

16. वक्र $y = x^3$, x-अक्ष एवं कोटियों $x = -2$, $x = 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

(A) -9 (B) $\frac{-15}{4}$ (C) $\frac{15}{4}$ (D) $\frac{17}{4}$

17. वक्र $y = x\,|x|$, x-अक्ष एवं कोटियों $x = -1$ तथा $x = 1$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

(A) 0 (B) $\frac{1}{3}$ (C) $\frac{2}{3}$ (D) $\frac{4}{3}$

[**संकेत**: $y = x^2$ यदि $x > 0$ एवं $y = -x^2$ यदि $x < 0$]

18. क्षेत्र $y^2 \geq 6x$ और वृत्त $x^2 + y^2 = 16$ में सम्मिलित क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

(A) $\frac{4}{3}(4\pi - \sqrt{3})$ (B) $\frac{4}{3}(4\pi + \sqrt{3})$ (C) $\frac{4}{3}(8\pi - \sqrt{3})$ (D) $\frac{4}{3}(8\pi + \sqrt{3})$

19. y-अक्ष, $y = \cos x$ एवं $y = \sin x$, $0 \leq x \leq \frac{\pi}{2}$ से घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल है:

(A) $2(\sqrt{2} - 1)$ (B) $\sqrt{2} - 1$ (C) $\sqrt{2} + 1$ (D) $\sqrt{2}$

सारांश

- वक्र $y = f(x)$, x-अक्ष एवं रेखाओं $x = a$ तथा $x = b\ (b > a)$ से घिरे क्षेत्र के क्षेत्रफल का सूत्र: क्षेत्रफल $= \int_a^b y\,dx = \int_a^b f(x)\,dx$ है।
- वक्र $x = \phi(y)$, y-अक्ष एवं रेखाओं $y = c$, $y = d$ से घिरे क्षेत्र के क्षेत्रफल का सूत्र: क्षेत्रफल $= \int_c^d x\,dy = \int_c^d \phi(y)\,dy$ है।
- दो वक्रों $y = f(x)$, $y = g(x)$ एवं रेखाएँ $x = a$, $x = b$ के मध्य घिरे क्षेत्र का क्षेत्रफल निम्नलिखित सूत्र द्वारा देय है ?

  क्षेत्रफल $= \int_a^b [f(x) - g(x)]\,dx$, जहाँ $[a, b]$ में $f(x) \geq g(x)$
- यदि $[a, c]$ में $f(x) \geq g(x)$ एवं $[c, b]$ में $f(x) \leq g(x)$, $a < c < b$, तो हम क्षेत्रफल को निम्नलिखित प्रकार से लिखते हैं:

  क्षेत्रफल $= \int_a^c [f(x) - g(x)]\,dx + \int_c^b [g(x) - f(x)]\,dx$

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

समाकलन गणित का प्रारंभ गणित के प्रारंभिक विकास काल से ही हुआ है। यह प्राचीन यूनानी गणितज्ञों द्वारा विकसित नि:शेषता विधि पर आधारित है। इस विधि का प्रारंभ समतलीय आकृतियों के क्षेत्रफल और ठोस वस्तुओं के आयतन की गणना से हुआ। इस तरह से नि:शेषता विधि, समाकलन विधि की प्रारंभिक स्थिति के रूप में समझी जा सकती है। नि:शेषता विधि का सर्वोत्कृष्ट विकास प्रारंभिक काल में यूडोक्स (Eudoxus (440 ई. पू.) और आर्किमिडीज (Archimedes (300 ई. पू.) के कार्यों से प्राप्त हुआ है।

कलन के सिद्धांत का क्रमबद्ध विकास ईसा के पश्चात् 17वीं शताब्दी में हुआ। सन् 1665 में न्यूटन ने कलन पर अपना कार्य प्रवाहन सिद्धांत (Theory of fluxion) के रूप में प्रारंभ किया। उन्होंने इस सिद्धांत का प्रयोग वक्र के किसी बिंदु पर स्पर्शी और वक्रता-त्रिज्या ज्ञात करने में किया। न्यूटन ने व्युत्क्रम फलन की धारणा से परिचय कराया और इसको प्रतिअवकलज (अनिश्चित समाकलन) या स्पर्शियों की व्युत्क्रम विधि (Inverse Method of tangents) का नामकरण किया।

1684–86, के बीच में लैवनिज़ (Leibnitz) ने एक प्रपत्र एक्टा इरोडिटोरियम (Acta Eruditorum) में प्रकाशित किया और इसे कैलक्यूलस सम्मैटोरियस (Calculous Summatorius) नाम दिया, क्योंकि यह अनंत छोटे क्षेत्रफलों के योगफल से संबंधित था, वहीं पर उन्होंने इसे योगफल के प्रतीक '∫' द्वारा व्यक्त किया। सन् 1696 ई. में उन्होंने जे. बरनौली (J.Bernoulli) के सुझाव को मानकर अपने प्रपत्र को कैलक्यूलस इंटेग्राली (Calculus Integrali) नाम में परिवर्तित कर दिया। यह न्यूटन द्वारा स्पर्शियों की व्युत्क्रम विधि के संगत था।

न्यूटन और लैवनिज़ दोनों ने पूर्णत: स्वतंत्र मार्ग अपनाया जो मूलत: भिन्न थे। तथापि उन दोनों के सिद्धांतों के संगत प्रतिफल तत्सम पाए गए। लैवनिज़ ने निश्चित समाकलन की धारणा का प्रयोग किया।
यह निश्चित है कि उन्होंने ही सर्वप्रथम प्रतिअवकलज और निश्चित समाकलन के बीच के संबंध को स्पष्टतया सराहा।

निष्कर्ष यह है कि समाकलन गणित के आधारभूत धारणाओं, सिद्धांतों तथा अवकलन गणित से इसके प्रारंभिक संबंधों का विकास पी.डी. फर्मा, न्यूटन, और लैवनिज़ के कार्यों द्वारा 17वीं शताब्दी के अंत में हुआ। तथापि इसका औचित्य, सीमा की संकल्पना के आधार पर 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में ए.एल.कोशी (A.L.Cauchy) के द्वारा किया गया। अंत में ली सोफी (Lie Sophie) का निम्नलिखित उद्धरण वर्णनीय है। "It may be said that the conceptions of differential quotient and integral which in their origin certainly go back to Archimedes were introduced in Science by the investigations of Kepler, Descartes, Cavalieri, Fermat and Wallis... The discovery that differentiation and integration are inverse operations belongs to Newton and Leibnitz".

अवकल समीकरण
Differential Equations

❖ *He who seeks for methods without having a definite problem in mind seeks for the most part in vain – D. HILBERT* ❖

9.1 भूमिका (Introduction)

कक्षा XI एवं इस पुस्तक के अध्याय 5 में हमने चर्चा की थी, कि एक स्वतंत्र चर के सापेक्ष किसी फलन f का अवकलज कैसे ज्ञात किया जाता है अर्थात् किसी फलन f की परिभाषित प्रांत के प्रत्येक x के लिए, $f'(x)$ कैसे ज्ञात किया जाता है। इसके अतिरिक्त समाकल गणित के अध्याय में हमने चर्चा की थी, कि यदि किसी फलन f का अवकलज फलन g है तो फलन f कैसे ज्ञात किया जाए। इसको निम्न रूप में सूत्रबद्ध किया जा सकता है:

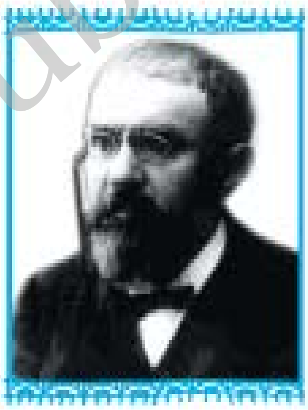

Henri Poincare
(1854-1912)

किसी दिए हुए फलन g के लिए फलन f ज्ञात कीजिए ताकि

$$\frac{dy}{dx} = g(x) \text{ जहाँ } y = f(x) \qquad \dots (1)$$

समीकरण (1) के रूप वाले समीकरण को अवकल समीकरण कहते हैं। इसकी औपचारिक परिभाषा बाद में दी जाएगी।

अवकल समीकरणों का उपयोग मुख्य रूप से भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, मानव विज्ञान, भूविज्ञान, अर्थशास्त्र आदि विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। अत: सभी अत्याधुनिक वैज्ञानिक अन्वेषणों के लिए अवकल समीकरणों के गहन अध्ययन की अत्यंत आवश्यकता है। इस अध्याय में, हम अवकल समीकरण की कुछ आधारभूत संकल्पनाओं, अवकल समीकरण के व्यापक एवं विशिष्ट हल, अवकल समीकरण का निर्माण, प्रथम कोटि एवं प्रथम घात के अवकल समीकरण को हल करने की कुछ विधियाँ और विभिन्न क्षेत्रों में अवकल समीकरणों के कुछ उपयोगों के बारे में अध्ययन करेंगे।

9.2 आधारभूत संकल्पनाएँ (Basic Concepts)

हम पहले से ही निम्नलिखित प्रकार के समीकरणों से परिचित हैं

$$x^2 - 3x + 3 = 0 \qquad \ldots (1)$$

$$\sin x + \cos x = 0 \qquad \ldots (2)$$

$$x + y = 7 \qquad \ldots (3)$$

आइए निम्नलिखित समीकरण पर विचार करें

$$x\frac{dy}{dx} + y = 0 \qquad \ldots (4)$$

हम पाते हैं कि समीकरणों (1), (2) एवं (3) में केवल स्वतंत्र और/अथवा आश्रित चर (एक या अधिक) शामिल हैं जब कि समीकरण (4) में चर के साथ-साथ स्वतंत्र चर (x) के सापेक्ष आश्रित चर (y) का अवकलज भी शामिल है। इस प्रकार का समीकरण अवकल समीकरण कहलाता है।

सामान्यत: एक ऐसा समीकरण, जिसमें स्वतंत्र चर (चरों) के सापेक्ष आश्रित चर के अवकलज सम्मिलित हों, अवकल समीकरण कहलाता है।

एक ऐसा अवकल समीकरण, जिसमें केवल एक स्वतंत्र चर के सापेक्ष, आश्रित चर के अवकलज सम्मिलित हों, सामान्य अवकल समीकरण कहलाता है। उदाहरणतया

$$2\frac{d^2y}{dx^2} + \left(\frac{dy}{dx}\right)^3 = 0 \qquad \ldots (5)$$

एक सामान्य अवकल समीकरण है।

नि:सन्देह ऐसे भी अवकल समीकरण होते हैं जिनमें एक से अधिक स्वतंत्र चरों के सापेक्ष अवकलज शामिल होते हैं, इस प्रकार के अवकल समीकरण आंशिक अवकल समीकरण कहलाते हैं। लेकिन इस स्तर पर हम अपने आप को केवल सामान्य अवकल समीकरणों के अध्ययन तक सीमित रखेंगे। इससे आगे हम सामान्य अवकल समीकरण के लिए अवकल समीकरण शब्द का ही उपयोग करेंगे।

टिप्पणी

1. हम अवकलजों के लिए निम्नलिखित संकेतों के उपयोग को वरीयता देंगे

$$\frac{dy}{dx} = y', \frac{d^2y}{dx^2} = y'', \frac{d^3y}{dx^3} = y'''$$

2. उच्च कोटि वाले अवकलजों के लिए, इतने अधिक डैशों (dashes) को उच्च प्रत्यय के रूप में प्रयुक्त करना असुविधाजनक होगा इसलिए nवें कोटि वाले अवकलज $\frac{d^ny}{dx^n}$ के लिए हम संकेत y_n का उपयोग करेंगे।

9.2.1 *अवकल समीकरण की कोटि (Order of a differential equation)*

किसी अवकल समीकरण की कोटि उस अवकल समीकरण में सम्मिलित स्वतंत्र चर के सापेक्ष आश्रित चर के उच्चतम कोटि के अवकलज की कोटि द्वारा परिभाषित होती है।

निम्नलिखित अवकल समीकरणों पर विचार कीजिए:

$$\frac{dy}{dx} = e^x \qquad \text{... (6)}$$

$$\frac{d^2y}{dx^2} + y = 0 \qquad \text{... (7)}$$

$$\frac{d^3y}{dx^3} + x^2\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right)^3 = 0 \qquad \text{...(8)}$$

समीकरण (6), (7) एवं (8) में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय कोटि के उच्चतम अवकलज उपस्थित हैं इसलिए इन समीकरणों की कोटि क्रमशः 1, 2 एवं 3 है।

9.2.2 *अवकल समीकरण की घात (Degree of a differential equation)*

किसी अवकल समीकरण की घात का अध्ययन करने के लिए मुख्य बिंदु यह है कि वह अवकल समीकरण, अवकलजों y', y'', y''' इत्यादि में बहुपद समीकरण होना चाहिए। निम्नलिखित समीकरणों पर विचार कीजिए:

$$\frac{d^3y}{dx^3} + 2\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right)^2 - \frac{dy}{dx} + y = 0 \qquad \text{... (9)}$$

$$\left(\frac{dy}{dx}\right)^2 + \frac{dy}{dx} - \sin^2 y = 0 \qquad \text{... (10)}$$

$$\frac{dy}{dx} + \sin\left(\frac{dy}{dx}\right) = 0 \qquad \text{... (11)}$$

हम प्रेक्षित करते हैं कि समीकरण (9) y''', y'' एवं y' में बहुपद समीकरण है। समीकरण (10) y' में बहुपद समीकरण है (यद्यपि यह y में बहुपद नहीं है) इस प्रकार के अवकल समीकरणों की घात को परिभाषित किया जा सकता है। परंतु समीकरण (11) y' में बहुपद समीकरण नहीं है और इस प्रकार के अवकल समीकरण की घात को परिभाषित नहीं किया जा सकता है।

यदि एक अवकल समीकरण अवकलजों का बहुपद समीकरण है तो उस अवकल समीकरण की घात से हमारा तात्पर्य है उस अवकल समीकरण में उपस्थित उच्चतम कोटि के अवकलज की उच्चतम घात (धनात्मक पूर्णांक)

उपरोक्त परिभाषा के संदर्भ में हम प्रेक्षित कर सकते हैं कि समीकरणों (6), (7), (8) एवं (9) में से प्रत्येक की घात 1 है, समीकरण (10) की घात 2 है जब कि अवकल समीकरण (11) की घात परिभाषित नहीं है।

टिप्पणी किसी अवकल समीकरण की कोटि एवं घात (यदि परिभाषित हो) हमेशा धनात्मक पूर्णांक होते हैं।

उदाहरण 1 निम्नलिखित अवकल समीकरणों में से प्रत्येक की कोटि एवं घात (यदि परिभाषित हो) ज्ञात कीजिए:

(i) $\frac{dy}{dx} - \cos x = 0$ (ii) $xy\frac{d^2y}{dx^2} + x\left(\frac{dy}{dx}\right)^2 - y\frac{dy}{dx} = 0$

(iii) $y''' + y^2 + e^{y'} = 0$

हल

(i) इस अवकल समीकरण में उपस्थित उच्चतम कोटि अवकलज $\frac{dy}{dx}$ है। इसलिए इसकी कोटि 1 है। यह y' में बहुपद समीकरण है एवं $\frac{dy}{dx}$ की अधिकतम घातांक 1 है, इसलिए इस अवकल समीकरण की घात 1 है।

(ii) इस अवकल समीकरण में उपस्थित उच्चतम कोटि अवकलज $\frac{d^2y}{dx^2}$ है । इसलिए इसकी कोटि 2 है। यह अवकल समीकरण $\frac{d^2y}{dx^2}$ एवं $\frac{dy}{dx}$ में बहुपद समीकरण है और $\frac{d^2y}{dx^2}$ की अधिकतम घातांक 1 है, इसलिए इस अवकल समीकरण की घात 1 है।

(iii) इस अवकल समीकरण में उपस्थित उच्चतम कोटि अवकलज y''' है। इसलिए इसकी कोटि 3 है। इस समीकरण का बायाँ पक्ष अवकलजों में बहुपद नहीं है इसलिए इसकी घात परिभाषित नहीं है।

प्रश्नावली 9.1

1 से 10 तक के प्रश्नों में प्रत्येक अवकल समीकरण की कोटि एवं घात (यदि परिभाषित हो) ज्ञात कीजिए।

1. $\frac{d^4y}{dx^4} + \sin(y''') = 0$ **2.** $y' + 5y = 0$ **3.** $\left(\frac{ds}{dt}\right)^4 + 3s\frac{d^2s}{dt^2} = 0$

4. $\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right)^2 + \cos\left(\frac{dy}{dx}\right) = 0$ **5.** $\frac{d^2y}{dx^2} = \cos 3x + \sin 3x$

6. $(y''')^2 + (y'')^3 + (y')^4 + y^5 = 0$ **7.** $y''' + 2y'' + y' = 0$

8. $y' + y = e^x$ **9.** $y'' + (y')^2 + 2y = 0$ **10.** $y'' + 2y' + \sin y = 0$

11. अवकल समीकरण

$\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right)^3 + \left(\frac{dy}{dx}\right)^2 + \sin\left(\frac{dy}{dx}\right) + 1 = 0$ की घात है:

(A) 3 (B) 2 (C) 1 (D) परिभाषित नहीं है

12. अवकल समीकरण $2x^2 \frac{d^2y}{dx^2} - 3\frac{dy}{dx} + y = 0$ की कोटि है:

(A) 2 (B) 1 (C) 0 (D) परिभाषित नहीं है

9.3. अवकल समीकरण का व्यापक एवं विशिष्ट हल (General and Particular Solutions of a Differential Equation)

पिछली कक्षाओं में हमने निम्नलिखित प्रकार के समीकरणों को हल किया है:

$$x^2 + 1 = 0 \quad \ldots (1)$$

$$\sin^2 x - \cos x = 0 \quad \ldots (2)$$

समीकरणों (1) तथा (2) का हल एक ऐसी वास्तविक अथवा सम्मिश्र संख्या है जो दिए हुए समीकरण को संतुष्ट करती है अर्थात् जब इस संख्या को समीकरण में अज्ञात x के स्थान पर प्रतिस्थापित कर दिया जाता है तो दायाँ पक्ष और बायाँ पक्ष आपस में बराबर हो जाते हैं।

अब अवकल समीकरण $$\frac{d^2y}{dx^2} + y = 0 \quad \ldots (3)$$

पर विचार करते हैं।

प्रथम दो समीकरणों के विपरीत इस अवकल समीकरण का हल एक ऐसा फलन ϕ है जो इस समीकरण को संतुष्ट करेगा अर्थात् जब इस फलन ϕ को अवकल समीकरण में अज्ञात y (आश्रित चर) के स्थान पर प्रतिस्थापित कर दिया जाता है तो बायाँ पक्ष और दायाँ पक्ष बराबर हो जाते हैं।

वक्र $y = \phi(x)$ अवकल समीकरण का हल वक्र (समाकलन वक्र) कहलाता है। निम्नलिखित फलन पर विचार कीजिए

$$y = \phi(x) = a \sin(x + b) \quad \ldots (4)$$

जहाँ $a, b \in \mathbf{R}$. यदि इस फलन और इसके अवकलजों को समीकरण (3) में प्रतिस्थापित कर दिया जाए तो बायाँ पक्ष और दायाँ पक्ष बराबर हो जाते हैं। इसलिए यह फलन अवकल समीकरण (3) का हल है।

मान लीजिए कि a और b को कुछ विशिष्ट मान $a = 2$ एवं $b = \frac{\pi}{4}$ दे दिए जाते हैं तो हमें निम्नलिखित फलन प्राप्त होता है:

$$y = \phi_1(x) = 2\sin\left(x + \frac{\pi}{4}\right) \qquad \ldots (5)$$

यदि इस फलन और इसके अवकलजों को समीकरण (3) में प्रतिस्थापित कर दिया जाए तो पुनः बायाँ पक्ष और दायाँ पक्ष बराबर हो जाते हैं। इसलिए ϕ_1 भी समीकरण (3) का एक हल है।

फलन ϕ में दो स्वेच्छ अचर (प्राचल) a, b सम्मिलित हैं तथा यह फलन दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल कहलाता है। जबकि फलन ϕ_1 में कोई भी स्वेच्छ अचर सम्मिलित नहीं है लेकिन प्राचलों a तथा b के विशिष्ट मान उपस्थित हैं और इसलिए इसको अवकल समीकरण का विशिष्ट हल कहा जाता है।

ऐसा हल, जिसमें स्वेच्छ अचर उपस्थित हो अवकल समीकरण का व्यापक हल कहलाता है।

ऐसा हल, जो स्वेच्छ अचरों से मुक्त है अर्थात् व्यापक हल में स्वेच्छ अचरों को विशिष्ट मान देने पर प्राप्त हल, अवकल समीकरण का विशिष्ट हल कहलाता है।

उदाहरण 2 सत्यापित कीजिए कि फलन $y = e^{-3x}$, अवकल समीकरण $\frac{d^2y}{dx^2} + \frac{dy}{dx} - 6y = 0$ का एक हल है।

हल दिया हुआ फलन $y = e^{-3x}$ है। इसके दोनों पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते है:

$$\frac{dy}{dx} = 3e^{-3x} \qquad \ldots (1)$$

अब समीकरण (1) का x के सापेक्ष पुनः अवकलन करने पर हम देखते हैं कि

$$\frac{d^2y}{dx^2} = 9e^{-3x}$$

$\frac{d^2y}{dx^2}, \frac{dy}{dx}$ और y का मान, दिए गए अवकल समीकरण में प्रतिस्थापित करने पर पर हम पाते हैं कि

बायाँ पक्ष $= 9e^{-3x} + (-3e^{-3x}) - 6.e^{-3x} = 9\,e^{-3x} - 9\,e^{-3x} = 0 =$ दायाँ पक्ष

इसलिए दिया हुआ फलन दिए हुए अवकल समीकरण का एक हल है।

उदाहरण 3 सत्यापित कीजिए कि फलन $y = a \cos x + b \sin x$, जिसमें $a, b \in \mathbf{R}$, अवकल समीकरण $\frac{d^2y}{dx^2} + y = 0$ का हल है।

हल दिया हुआ फलन है

$$y = a \cos x + b \sin x \quad \dots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का x, के सापेक्ष उत्तरोत्तर अवकलन करने पर हम देखते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = -a \sin x + b \cos x$$

$$\frac{d^2y}{dx^2} = -a \cos x - b \sin x$$

$\frac{d^2y}{dx^2}$ एवं y का मान दिए हुए अवकल समीकरण में प्रतिस्थापित करने पर प्राप्त करते हैं:

बायाँ पक्ष $= (-a \cos x - b \sin x) + (a \cos x + b \sin x) = 0 =$ दायाँ पक्ष

इसलिए दिया हुआ फलन, दिए हुए अवकल समीकरण का हल है।

प्रश्नावली 9.2

1 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न में सत्यापित कीजिए कि दिया हुआ फलन (स्पष्ट अथवा अस्पष्ट) संगत अवकल समीकरण का हल है:

1. $y = e^x + 1$: $y'' - y' = 0$

2. $y = x^2 + 2x + C$: $y' - 2x - 2 = 0$

3. $y = \cos x + C$: $y' + \sin x = 0$

4. $y = \sqrt{1 + x^2}$: $y' = \frac{xy}{1 + x^2}$

5. $y = Ax$: $xy' = y \ (x \neq 0)$

6. $y = x \sin x$: $xy' = y + x\sqrt{x^2 - y^2}$ ($x \neq 0$ और $x > y$ अथवा $x < -y$)

7. $xy = \log y + C$: $y' = \frac{y^2}{1 - xy} \ (xy \neq 1)$

8. $y - \cos y = x$: $(y \sin y + \cos y + x)\, y' = y$

9. $x + y = \tan^{-1}y$: $y^2 y' + y^2 + 1 = 0$

10. $y = \sqrt{a^2 - x^2}\ x \in (-a, a) : x + y\dfrac{dy}{dx} = 0\ (y \neq 0)$

11. चार कोटि वाले किसी अवकल समीकरण के व्यापक हल में उपस्थित स्वेच्छ अचरों की संख्या है:

(A) 0 (B) 2 (C) 3 (D) 4

12. तीन कोटि वाले किसी अवकल समीकरण के विशिष्ट हल में उपस्थित स्वेच्छ अचरों की संख्या है:

(A) 3 (B) 2 (C) 1 (D) 0

9.4. दिए हुए व्यापक हल वाले अवकल समीकरण का निर्माण (Formation of a Differential Equation whose Solution is Given)

हम जानते हैं कि समीकरण

$$x^2 + y^2 + 2x - 4y + 4 = 0 \qquad \ldots (1)$$

एक ऐसे वृत को निरूपित करता है जिसका केंद्र (–1, 2) है और त्रिज्या 1 इकाई है।

समीकरण (1) का x, के सापेक्ष अवकलन करने पर प्राप्त करते हैं

$$\frac{dy}{dx} = \frac{x+1}{2-y},\ (y \neq 2) \qquad \ldots (2)$$

यह एक अवकल समीकरण है। आप बाद में देखेंगे कि (अनुभाग 9.5.1 का उदाहरण 9 देखिए) कि यह समीकरण वृत्तों के एक कुल को निरूपित करता है और उस कुल का एक सदस्य समीकरण (1) में दिया हुआ वृत है। आइए निम्नलिखित समीकरण पर विचार करें:

$$x^2 + y^2 = r^2 \qquad \ldots (3)$$

r, को विभिन्न मान देने पर हमें कुल के भिन्न सदस्य प्राप्त होते हैं उदाहरणत: $x^2 + y^2 = 1$, $x^2 + y^2 = 4$, $x^2 + y^2 = 9$ इत्यादि (आकृति 9.1 देखिए)। इस प्रकार समीकरण (3) एक ऐसे संकेंद्री वृत्तों के कुल को निरूपित करता है जिनका केंद्र मूल बिंदु है और जिनकी त्रिज्याएँ भिन्न हैं।

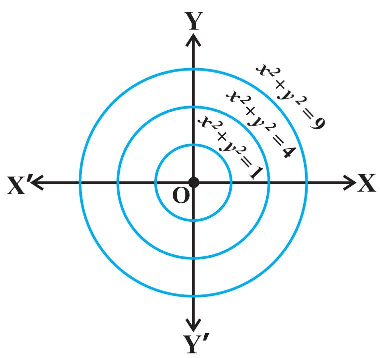

आकृति 9.1

हमारी रुचि इस कुल के प्रत्येक सदस्य द्वारा संतुष्ट किए जाने वाला अवकल समीकरण ज्ञात करने में हैं। यह समीकरण r से मुक्त होना चाहिए क्योंकि कुल के विभिन्न सदस्यों के लिए r का मान भिन्न है। समीकरण (3) का x के सापेक्ष

अवकलन करने पर यह समीकरण प्राप्त किया जाता है। अर्थात्

$$2x + 2y\frac{dy}{dx} = 0 \quad \text{अथवा} \quad x + y\frac{dy}{dx} = 0 \qquad \text{... (4)}$$

यह अवकल समीकरण, समीकरण (3) द्वारा निरूपित सकेंद्री वृत्तों के कुल को निरूपित करता है।

आइए फिर से निम्नलिखित समीकरण पर विचार करें:

$$y = mx + c \qquad \text{... (5)}$$

प्राचलों m तथा c, के विभिन्न मानों से हमें कुल के विभिन्न सदस्य प्राप्त होते हैं उदाहरणतया

$y = x \qquad (m = 1, \quad c = 0)$

$y = \sqrt{3}\, x \qquad (m = \sqrt{3}, \quad c = 0)$

$y = x + 1 \qquad (m = 1, \quad c = 1)$

$y = -x \qquad (m = -1, \quad c = 0)$

$y = -x - 1 \qquad (m = -1, \quad c = -1)$

इत्यादि (आकृति 9.2 देखिए)।

इस प्रकार समीकरण (5) सरल रेखाओं के कुल को निरूपित करता है जिसमें m, c प्राचल है।

अब हमारी रुचि इस कुल के प्रत्येक सदस्य द्वारा संतुष्ट किए जाने वाला अवकल समीकरण ज्ञात करने में है। इसके अतिरिक्त वह समीकरण m तथा c से मुक्त होना चाहिए क्योंकि कुल के विभिन्न सदस्यों के लिए m तथा c का मान भिन्न है। यह अवकल समीकरण, समीकरण (5) का x के सापेक्ष क्रमानुसार दो बार अवकलन करने पर प्राप्त होता है अर्थात्

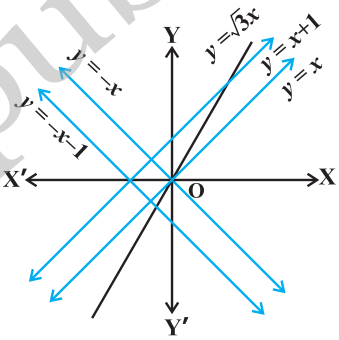

आकृति 9.2

$$\frac{dy}{dx} = m \ \text{तथा}\ \frac{d^2y}{dx^2} = 0 \qquad \text{... (6)}$$

समीकरण (6), समीकरण (5) द्वारा दिए हुए सरल रेखाओं के कुल को निरूपित करता है।

टिप्पणी समीकरण (3) तथा (5) क्रमशः समीकरण (4) एवं (6) के व्यापक हल हैं।

9.4.1 *दिए हुए वक्रों के कुल को निरूपित करने वाले अवकल समीकरण के निर्माण की प्रक्रिया (Procedure to form a Differential Equation that will represent a given Family of curves)*

(a) यदि दिए हुए वक्रों का कुल F_1 केवल एक प्राचल पर निर्भर करता है तो इसे निम्नलिखित रूप वाले समीकरण द्वारा निरूपित किया जाता है:

$$F_1(x, y, a) = 0 \qquad \text{... (1)}$$

उदाहरणतः, परवलयों $y^2 = ax$ का कुल $f(x, y, a) : y^2 = ax$ के रूप वाले समीकरण द्वारा निरूपित किया जा सकता है।

समीकरण (1) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हमें $y', y, x,$ एवं a को सम्मिलित करने वाला एक समीकरण निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$$g(x, y, y', a) = 0 \qquad \ldots (2)$$

समीकरण (1) तथा (2) से a को विलुप्त करने पर हमें आवश्यक अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$$F(x, y, y') = 0 \qquad \ldots (3)$$

(b) यदि दिए हुए वक्रों का कुल F_2 प्राचलों a, तथा b पर निर्भर करता है तो इसे निम्नलिखित रूप वाले समीकरण द्वारा निरूपित किया जाता है:

$$F_2(x, y, a, b) = 0 \qquad \ldots (4)$$

समीकरण (4) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हमें $y', x, y,\ a, b$ को सम्मिलित करने वाला एक समीकरण निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$$g(x, y, y', a, b) = 0 \qquad \ldots (5)$$

परंतु दो समीकरणों की सहायता से दो प्राचलों को विलुप्त करना सम्भव नहीं है इसलिए हमें एक तीसरे समीकरण की आवश्यकता है। यह समीकरण, समीकरण (5) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर निम्नलिखित रूप में प्राप्त किया जाता है:

$$h(x, y, y', y'', a, b) = 0 \qquad \ldots (6)$$

समीकरण (4), (5) एवं (6) से a तथा b को विलुप्त करने पर हमें आवश्यक अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$$F(x, y, y', y'') = 0 \qquad \ldots (7)$$

टिप्पणी किसी वक्र कुल को निरूपित करने वाले अवकल समीकरण की कोटि उतनी ही होती है जितने उस वक्र कुल के संगत समीकरण में स्वेच्छ अचर होते हैं।

उदाहरण 4 वक्रों के कुल $y = mx$ को निरूपित करने वाले अवकल समीकरण को ज्ञात कीजिए जबकि m एक स्वेच्छ अचर है।

हल दिया हुआ है कि

$$y = mx \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) के दोनो पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं।

$$\frac{dy}{dx} = m$$

m का मान समीकरण (1) में प्रतिस्थापित करने पर हमें $y = \frac{dy}{dx} \cdot x$ अथवा $x\frac{dy}{dx} - y = 0$ प्राप्त होता है। यह प्राचल m से मुक्त है और इसलिए यह अभीष्ट अवकल समीकरण है।

उदाहरण 5 वक्रों के कुल $y = a \sin (x + b)$, जिसमें a, b स्वेच्छ अचर हैं, को निरूपित करने वाले अवकल समीकरण को ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ है कि $y = a \sin (x + b)$ ... (1)

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का x के सापेक्ष उत्तरोत्तर अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैः

$$\frac{dy}{dx} = a\cos(x+b) \quad \text{... (2)}$$

$$\frac{d^2y}{dx^2} = -a\sin(x+b) \quad \text{... (3)}$$

समीकरण (1), (2) तथा (3) से a तथा b को विलुप्त करने पर हम प्राप्त करते हैं।

$$\frac{d^2y}{dx^2} + y = 0 \quad \text{... (4)}$$

समीकरण (4) स्वेच्छ अचरों a तथा b से मुक्त है और इसलिए यह अभीष्ट अवकल समीकरण है।

उदाहरण 6 ऐसे दीर्घवृत्तों के कुल को निरूपित करने वाला अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जिनकी नाभियाँ x-अक्ष पर हैं तथा जिनका केंद्र मूल बिंदु है।

हल हम जानते हैं कि कथित दीर्घवृत्तों के कुल का समीकरण निम्नलिखित प्रकार का होता है (आकृति 9.3 देखिए)

$$\frac{x^2}{a^2} + \frac{y^2}{b^2} = 1 \quad \text{... (1)}$$

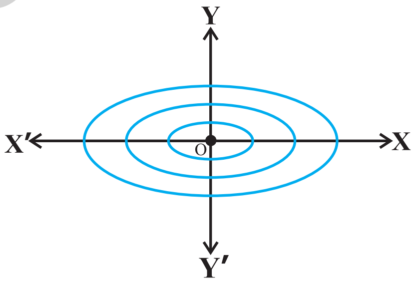

आकृति 9.3

समीकरण (1) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हमें

$\frac{2x}{a^2} + \frac{2y}{b^2}\frac{dy}{dx} = 0$ प्राप्त होता है।

अथवा $$\frac{y}{x}\left(\frac{dy}{dx}\right) = \frac{-b^2}{a^2} \quad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) के दोनों पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हमें प्राप्त होता हैः

$$\left(\frac{y}{x}\right)\left(\frac{d^2y}{dx^2}\right) + \left(\frac{x\frac{dy}{dx} - y}{x^2}\right)\frac{dy}{dx} = 0$$

अथवा $$xy\frac{d^2y}{dx^2} + x\left(\frac{dy}{dx}\right)^2 - y\frac{dy}{dx} = 0 \quad \text{... (3)}$$

समीकरण (3) अभीष्ट अवकल समीकरण है।

उदाहरण 7 x-अक्ष को मूल बिंदु पर स्पर्श करने वाले वृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए।

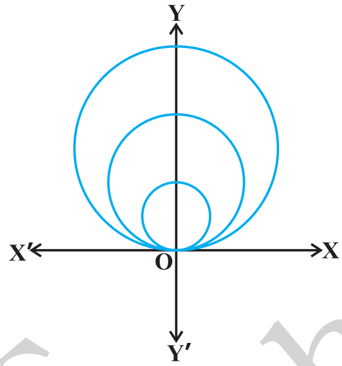

आकृति 9.4

हल मान लीजिए, x-अक्ष को मूल बिंदु पर स्पर्श करने वाले वृत्तों के कुल को C से निर्दिष्ट किया जाता है। $(0, a)$ उस कुल के किसी सदस्य के केंद्र बिंदु के निर्देशांक हैं (आकृति 9.4 देखिए)। इसलिए कुल C का समीकरण है:

$$x^2 + (y - a)^2 = a^2 \quad \text{अथवा} \quad x^2 + y^2 = 2ay \qquad \dots (1)$$

जिसमें a एक स्वेच्छ अचर है। समीकरण (1) के दोनों पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर प्राप्त करते हैं:

$$2x + 2y\frac{dy}{dx} = 2a\frac{dy}{dx}$$

अथवा
$$x + y\frac{dy}{dx} = a\frac{dy}{dx}$$

अथवा
$$a = \frac{x + y\dfrac{dy}{dx}}{\dfrac{dy}{dx}} \qquad \dots (2)$$

समीकरण (2) से a का मान समीकरण (1) में रखने पर प्राप्त करते हैं:

$$x^2 + y^2 = 2y\frac{\left[x + y\dfrac{dy}{dx}\right]}{\dfrac{dy}{dx}}$$

अथवा
$$\frac{dy}{dx}(x^2 + y^2) = 2xy + 2y^2\frac{dy}{dx}$$

अथवा
$$\frac{dy}{dx} = \frac{2xy}{x^2 - y^2}$$

यह दिए हुए वृत्तों के कुल का अभीष्ट अवकल समीकरण है।

उदाहरण 8 ऐसे परवलयों के कुल को निरूपित करने वाला अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जिनका शीर्ष मूल बिंदु पर है तथा जिनका अक्ष धनात्मक x-अक्ष की दिशा में है।

हल मान लीजिए कि उपरोक्त चर्चित परवलयों के कुल को P से निर्दिष्ट किया जाता है और उस कुल के किसी सदस्य की नाभि $(a, 0)$ पर है जिसमें a एक धनात्मक स्वेच्छ अचर है

(आकृति 9.5 देखिए)। इसलिए कुल P का समीकरण है:

$$y^2 = 4ax \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम पाते हैं:

$$2y\frac{dy}{dx} = 4a \qquad \ldots (2)$$

समीकरण (2) से $4a$ का मान समीकरण (1) में रखने पर हम पाते हैं:

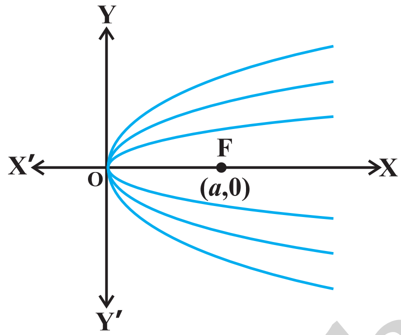

आकृति 9.5

$$y^2 = \left(2y\frac{dy}{dx}\right)(x)$$

अथवा $$y^2 - 2xy\frac{dy}{dx} = 0 \qquad \ldots (3)$$

समीकरण (3) दिए हुए परवलयों के कुल का अवकल समीकरण है।

प्रश्नावली 9.3

1 से 5 तक प्रत्येक प्रश्न में, स्वेच्छ अचरों a तथा b को विलुप्त करते हुए दिए हुए वक्रों के कुल को निरूपित करने वाला अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए।

1. $\frac{x}{a} + \frac{y}{b} = 1$ **2.** $y^2 = a(b^2 - x^2)$ **3.** $y = a\,e^{3x} + b\,e^{-2x}$

4. $y = e^{2x}(a + bx)$ **5.** $y = e^x(a\cos x + b\sin x)$

6. y-अक्ष को मूल बिंदु पर स्पर्श करने वाले वृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए।

7. ऐसे परवलयों के कुल का अवकल समीकरण निर्मित कीजिए जिनका शीर्ष मूल बिंदु पर है और जिनका अक्ष धनात्मक y-अक्ष की दिशा में है।

8. ऐसे दीर्घवृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जिनकी नाभियाँ y-अक्ष पर हैं तथा जिनका केंद्र मूल बिंदु है।

9. ऐसे अतिपरवलयों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जिनकी नाभियाँ x-अक्ष पर हैं तथा जिनका केंद्र मूल बिंदु है।

10. ऐसे वृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जिनका केंद्र y-अक्ष पर है और जिनकी त्रिज्या 3 इकाई है।

11. निम्नलिखित अवकल समीकरणों में से किस समीकरण का व्यापक हल $y = c_1 e^x + c_2 e^{-x}$ है?

(A) $\frac{d^2y}{dx^2} + y = 0$ (B) $\frac{d^2y}{dx^2} - y = 0$ (C) $\frac{d^2y}{dx^2} + 1 = 0$ (D) $\frac{d^2y}{dx^2} - 1 = 0$

12. निम्नलिखित समीकरणों में से किस समीकरण का एक विशिष्ट हल $y = x$ है?

(A) $\frac{d^2y}{dx^2} - x^2\frac{dy}{dx} + xy = x$ (B) $\frac{d^2y}{dx^2} + x\frac{dy}{dx} + xy = x$

(C) $\frac{d^2y}{dx^2} - x^2\frac{dy}{dx} + xy = 0$ (D) $\frac{d^2y}{dx^2} + x\frac{dy}{dx} + xy = 0$

9.5. प्रथम कोटि एवं प्रथम घात के अवकल समीकरणों को हल करने की विधियाँ (Methods of Solving First order, First Degree Differential Equations)

इस परिच्छेद में हम प्रथम कोटि एवं प्रथम घात के अवकल समीकरणों को हल करने की तीन विधियों की चर्चा करेंगे।

9.5.1 पृथक्करणीय चर वाले अवकल समीकरण (Differential equations with variables separable)

प्रथम कोटि एवं प्रथम घात का अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप का होता है:

$$\frac{dy}{dx} = F(x, y) \qquad \dots (1)$$

यदि F (x, y) को गुणनफल g (x), $h(y)$ के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है जहाँ $g(x)$, x का फलन है और $h(y)$, y का एक फलन है तो समीकरण (1) पृथक्करणीय चर वाला समीकरण कहलाता है। ऐसा होने पर समीकरण (1) को निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dy}{dx} = h(y) \, . \, g(x) \qquad \dots (2)$$

यदि $h(y) \neq 0$, तो चरों को पृथक् करते हुए समीकरण (2) को

$$\frac{1}{h(y)} \, dy = g(x) \, dx \qquad \dots (3)$$

के रूप में लिखा जा सकता है। समीकरण (3) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\int \frac{1}{h(y)} \, dy = \int g(x) \, dx \qquad \dots (4)$$

इस प्रकार समीकरण (4), दिए हुए अवकल समीकरण का हल निम्नलिखित रूप में प्रदान करता है:

$$H(y) = G(x) + C \qquad \dots (5)$$

यहाँ H (y) एवं G (x) क्रमशः $\frac{1}{h(y)}$ एवं $g(x)$ के प्रतिअवकलज हैं और C स्वेच्छ अचर है।

उदाहरण 9 अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx} = \frac{x+1}{2-y}, (y \neq 2)$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया गया है कि

$$\frac{dy}{dx} = \frac{x+1}{2-y} \quad (y \neq 2) \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) में चरों को पृथक् करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$(2 - y)\, dy = (x + 1)\, dx \qquad \ldots (2)$$

समीकरण (2) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\int (2-y)\, dy = \int (x+1)\, dx$$

अथवा $$2y - \frac{y^2}{2} = \frac{x^2}{2} + x + C_1$$

अथवा $$x^2 + y^2 + 2x - 4y + 2\,C_1 = 0$$

अथवा $$x^2 + y^2 + 2x - 4y + C = 0 \qquad \ldots (3)$$

जहाँ $$C = 2C_1$$

समीकरण (3) अवकल समीकरण (1) का व्यापक हल है।

उदाहरण 10 अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx} = \frac{1+y^2}{1+x^2}$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

हल चूँकि $1 + y^2 \neq 0$, इसलिए चरों को पृथक् करते हुए दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dy}{1+y^2} = \frac{dx}{1+x^2} \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का समाकलन करते हुए हम पाते हैं:

$$\int \frac{dy}{1+y^2} = \int \frac{dx}{1+x^2}$$

अथवा $$\tan^{-1} y = \tan^{-1} x + C$$

यह समीकरण (1) का व्यापक हल है।

उदाहरण 11 अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx} = -4xy^2$ का विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, यदि $y = 1$ जब $x = 0$ हो

हल यदि $y \neq 0$, दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dy}{y^2} = -4x\, dx \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम पाते हैं:

$$\int \frac{dy}{y^2} = -4\int x\, dx$$

अथवा $$-\frac{1}{y} = -2x^2 + C$$

अथवा $$y = \frac{1}{2x^2 - C} \quad \ldots (2)$$

समीकरण (2) में $y = 1$ और $x = 0$ प्रतिस्थापित करने पर हमें $C = -1$ प्राप्त होता है।

C का मान समीकरण (2) में प्रतिस्थापित करने पर दिए हुए अवकल समीकरण का विशिष्ट हल $y = \frac{1}{2x^2 + 1}$ प्राप्त होता है।

उदाहरण 12 बिंदु (1, 1) से गुजरने वाले एक ऐसे वक्र का समीकरण कीजिए जिसका अवकल समीकरण $x\,{}^*dy = (2x^2 + 1)\,{}^*dx$ $(x \neq 0)$ है।

हल दिए हुए अवकल समीकरण को निम्नलिखित रूप मे अभिव्यक्त किया जा सकता है:

$$dy = \left(\frac{2x^2 + 1}{x}\right) dx$$

अथवा $$dy = \left(2x + \frac{1}{x}\right) dx \quad \ldots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\int dy = \int \left(2x + \frac{1}{x}\right) dx$$

अथवा $$y = x^2 + \log|x| + C \quad \ldots (2)$$

समीकरण (2) दिए हुए अवकल समीकरण के हल वक्रों के कुल को निरूपित करता है परंतु हम इस कुल के एक ऐसे विशिष्ट सदस्य का समीकरण ज्ञात करना चाहते हैं जो बिंदु (1, 1) से गुजरता हो।

---

* लैबनीज द्वारा प्रदत्त संकेत $\frac{dy}{dx}$ अत्यंत लचीला है, तथा बहुत सी गणना एवं औपचारिक रूपांतरणों में प्रयुक्त होता है, जहाँ हम dx और dy को साधारण संख्याओं की तरह व्यवहार में लाते हैं। dx और dy को पृथक्-पृथक् सत्ता मानकर हम बहुत सी गणनाओं की सुस्पषट व्याख्या कर सकते हैं। संदर्भ: Introduction to calculus and Analysis, volume-I page 172, By Richard Courant, Fritz John Spinger — Verlog New York.

इसलिए समीकरण (2) में $x = 1,\ y = 1$ प्रतिस्थापित करने पर हमें $C = 0$ प्राप्त होता है। C का मान समीकरण (2) में प्रतिस्थापित करने पर हमें अभीष्ट वक्र का समीकरण $y = x^2 + \log|x|$ के रूप में प्राप्त होता है।

उदाहरण 13 बिंदु $(-2, 3)$, से गुजरने वाले ऐसे वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए जिसके किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता $\dfrac{2x}{y^2}$ है।

हल हम जानते हैं कि किसी वक्र की स्पर्श रेखा की प्रवणता $\dfrac{dy}{dx}$ के बराबर होती है। इसलिए

$$\frac{dy}{dx} = \frac{2x}{y^2} \qquad \text{... (1)}$$

चरों को पृथक् करते हुए समीकरण (1) को निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$y^2\, dy = 2x\, dx \qquad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\int y^2 dy = \int 2x\, dx$$

अथवा
$$\frac{y^3}{3} = x^2 + C \qquad \text{... (3)}$$

समीकरण (3) में $x = -2, y = 3$ प्रतिस्थापित करने पर हमें $C = 5$ प्राप्त होता है।

C का मान समीकरण (3) में प्रतिस्थापित करने पर हमें अभीष्ट वक्र का समीकरण

$$\frac{y^3}{3} = x^2 + 5 \quad \text{अथवा} \quad y = (3x^2 + 15)^{\frac{1}{3}}$$

के रूप में प्राप्त होता है।

उदाहरण 14 किसी बैंक में मूलधन की वृद्धि 5% वार्षिक की दर से होती है। कितने वर्षों में Rs 1000 की राशि दुगुनी हो जाएगी?

हल मान लीजिए किसी समय t पर मूलधन P है। दी हुई समस्या के अनुसार

$$\frac{dP}{dt} = \left(\frac{5}{100}\right) \times P$$

अथवा
$$\frac{dP}{dt} = \frac{P}{20} \qquad \text{... (1)}$$

समीकरण (1) में चरों को पृथक् करने पर, हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dP}{P} = \frac{dt}{20} \qquad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\log \mathrm{P} = \frac{t}{20} + \mathrm{C}_1$$

अथवा $$\mathrm{P} = e^{\frac{t}{20}} \cdot e^{\mathrm{C}_1}$$

अथवा $$\mathrm{P} = \mathrm{C}\, e^{\frac{t}{20}} \quad (\text{जहाँ } e^{\mathrm{C}_1} = \mathrm{C}) \qquad \ldots (3)$$

अब $\mathrm{P} = 1000,$ जब $t = 0$

P और t का मान समीकरण (3) में रखने पर हम $\mathrm{C} = 1000$ प्राप्त करते हैं।
इसलिए समीकरण (3) से हम प्राप्त करते हैं:

$$\mathrm{P} = 1000\ e^{\frac{t}{20}}$$

मान लीजिए t वर्षों में मूलधन दुगुना हो जाता है, तब

$$2000 = 1000\, e^{\frac{t}{20}} \Rightarrow t = 20 \log_e 2$$

प्रश्नावली 9.4

1 से 10 तक के प्रश्नों में, प्रत्येक अवकल समीकरण का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

1. $\dfrac{dy}{dx} = \dfrac{1-\cos x}{1+\cos x}$ **2.** $\dfrac{dy}{dx} = \sqrt{4-y^2}\ (-2 < y < 2)$

3. $\dfrac{dy}{dx} + y = 1 (y \neq 1)$ **4.** $\sec^2 x \tan y\, dx + \sec^2 y \tan x\, dy = 0$

5. $(e^x + e^{-x})\, dy - (e^x - e^{-x})\, dx = 0$ **6.** $\dfrac{dy}{dx} = (1+x^2)(1+y^2)$

7. $y \log y\, dx - x\, dy = 0$ **8.** $x^5 \dfrac{dy}{dx} = -\, y^5$

9. $\dfrac{dy}{dx} = \sin^{-1} x$ **10.** $e^x \tan y\, dx + (1 - e^x) \sec^2 y\, dy = 0$

11 से 14 तक के प्रश्नों में, प्रत्येक अवकल समीकरण के लिए दिए हुए प्रतिबंध को संतुष्ट करने वाला विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए।

11. $(x^3 + x^2 + x + 1)\dfrac{dy}{dx} = 2x^2 + x;\ y = 1$ यदि $x = 0$

12. $x\,(x^2-1)\dfrac{dy}{dx}=1$; $y = 0$ यदि $x = 2$

13. $\cos\left(\dfrac{dy}{dx}\right)=a$ $(a \in \mathrm{R})$; $y = 1$ यदि $x = 0$

14. $\dfrac{dy}{dx}=y\tan x$; $y = 1$ यदि $x = 0$

15. बिंदु (0, 0) से गुजरने वाले एक ऐसे वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए जिसका अवकल समीकरण $y' = e^x \sin x$ है।

16. अवकल समीकरण $xy\dfrac{dy}{dx}=(x+2)(y+2)$ के लिए बिंदु (1, –1) से गुजरने वाला वक्र ज्ञात कीजिए।

17. बिंदु (0, –2) से गुजरने वाले एक ऐसे वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए जिसके किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता और उस बिंदु के y निर्देशांक का गुणनफल उस बिंदु के x निर्देशांक के बराबर है।

18. एक वक्र के किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता, स्पर्श बिंदु को, बिंदु (– 4, –3). से मिलाने वाले रेखाखंड की प्रवणता की दुगुनी है। यदि यह वक्र बिंदु (–2, 1) से गुज़रता हो तो इस वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए।

19. एक गोलाकार गुब्बारे का आयतन, जिसे हवा भरकर फुलाया जा रहा है, स्थिर गति से बदल रहा है यदि आरंभ में इस गुब्बारे की त्रिज्या 3 ईकाई है और 3 सेकेंड बाद 6 ईकाई है, तो t सेकेंड बाद उस गुब्बारे की त्रिज्या ज्ञात कीजिए।

20. किसी बैंक में मूलधन की वृद्धि r% वार्षिक की दर से होती है। यदि 100 रुपये 10 वर्षों में दुगुने हो जाते हैं, तो r का मान ज्ञात कीजिए। ($\log_e 2 = 0.6931$).

21. किसी बैंक में मूलधन की वृद्धि 5% वार्षिक की दर से होती है। इस बैंक में Rs 1000 जमा कराए जाते हैं। ज्ञात कीजिए कि 10 वर्ष बाद यह राशि कितनी हो जाएगी? ($e^{0.5} = 1.648$)

22. किसी जीवाणु समूह में जीवाणुओं की संख्या 1,00,000 है। 2 घंटो में इनकी संख्या में 10% की वृद्धि होती है। कितने घंटों में जीवाणुओं की संख्या 2,00,000 हो जाएगी, यदि जीवाणुओं के वृद्धि की दर उनके उपस्थित संख्या के समानुपाती है।

23. अवकल समीकरण $\dfrac{dy}{dx}=e^{x+y}$ का व्यापक हल है:

(A) $e^x + e^{-y} = C$ (B) $e^x + e^y = C$

(C) $e^{-x} + e^y = C$ (D) $e^{-x} + e^{-y} = C$

9.5.2 समघातीय अवकल समीकरण (Homogenous differential equations)

x एवं y के निम्नलिखित फलनों पर विचार कीजिए

$F_1(x, y) = y^2 + 2xy, \qquad F_2(x, y) = 2x - 3y,$

$F_3(x, y) = \cos\left(\frac{y}{x}\right), \qquad F_4(x, y) = \sin x + \cos y$

यदि उपरोक्त फलनों में x और y को किसी शून्येतर अचर λ के लिए क्रमशः λx एवं λy से प्रतिस्थापित कर दिया जाए तो हम प्राप्त करते हैं:

$F_1(\lambda x, \lambda y) = \lambda^2 (y^2 + 2xy) = \lambda^2 F_1(x, y)$

$F_2(\lambda x, \lambda y) = \lambda (2x - 3y) = \lambda F_2(x, y)$

$F_3(\lambda x, \lambda y) = \cos\left(\frac{\lambda y}{\lambda x}\right) = \cos\left(\frac{y}{x}\right) = \lambda^0 F_3(x, y)$

$F_4(\lambda x, \lambda y) = \sin \lambda x + \cos \lambda y \neq \lambda^n F_4(x, y)$, किसी भी n के लिए

यहाँ हम प्रेक्षित करते हैं कि फलनों F_1, F_2, F_3 को $F(\lambda x, \lambda y) = \lambda^n F(x, y)$ के रूप में लिखा जा सकता है परंतु फलन F_4 को इस रूप में नहीं लिखा जा सकता है। इससे हम निम्नलिखित परिभाषा प्राप्त करते हैं।

फलन $F(x, y)$, n घात वाला समघातीय फलन कहलाता है। यदि किसी शून्येतर अचर λ के लिए $F(\lambda x, \lambda y) = \lambda^n F(x, y)$

हम नोट करते हैं कि उपरोक्त उदाहरणों में F_1, F_2, F_3 क्रमशः 2, 1, 0 घात वाले समघातीय फलन हैं जबकि F_4 समघातीय फलन नहीं है।

हम यह भी प्रेक्षित करते हैं कि

$$F_1(x, y) = x^2\left(\frac{y^2}{x^2} + \frac{2y}{x}\right) = x^2 h_1\left(\frac{y}{x}\right)$$

अथवा
$$F_1(x, y) = y^2\left(1 + \frac{2x}{y}\right) = y^2 h_2\left(\frac{x}{y}\right),$$

$$F_2(x, y) = x^1\left(2 - \frac{3y}{x}\right) = x^1 h_3\left(\frac{y}{x}\right)$$

अथवा
$$F_2(x, y) = y^1\left(2\frac{x}{y} - 3\right) = y^1 h_4\left(\frac{x}{y}\right),$$

$$F_3(x, y) = x^\circ \cos\left(\frac{y}{x}\right) = x^\circ h_5\left(\frac{y}{x}\right)$$

$$F_4(x, y) \neq x^n h_6\left(\frac{y}{x}\right),\ n \in \mathbf{N} \text{ के किसी भी मान के लिए}$$

अथवा $$F_4(x, y) \neq y^n h_7\left(\frac{x}{y}\right),\ n \in \mathbf{N}$$

इसलिए एक फलन F (x, y), n घात वाला समघातीय फलन कहलाता है यदि

$$F(x, y) = x^n g\left(\frac{y}{x}\right) \quad \text{अथवा} \quad y^n h\left(\frac{x}{y}\right)$$

$\frac{dy}{dx} = F(x, y)$ के रूप वाला अवकल समीकरण समघातीय कहलाता है यदि $F(x, y)$ शून्य घात वाला समघातीय फलन है।

$$\frac{dy}{dx} = F(x, y) = g\left(\frac{y}{x}\right) \qquad \text{... (1)}$$

के रूप वाले समघातीय अवकल समीकरण को हल करने के लिए हम $\frac{y}{x} = v$ अर्थात्

$$y = v\,x \qquad \text{... (2)}$$

प्रतिस्थापित करते हैं

समीकरण (2) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = v + x\frac{dv}{dx} \qquad \text{... (3)}$$

समीकरण (3) से $\frac{dy}{dx}$ का मान समीकरण (1) में प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$v + x\frac{dv}{dx} = g(v)$$

अर्थात् $$x\,\frac{dv}{dx} = g(v) - v \qquad \text{... (4)}$$

समीकरण (4) में चरों को पृथक् करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dv}{g(v) - v} = \frac{dx}{x} \qquad \text{... (5)}$$

समीकरण (5) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हमें प्राप्त होता है:

$$\int \frac{dv}{g(v) - v} = \int \frac{1}{x}\,dx + C \qquad \text{... (6)}$$

यदि v को $\frac{y}{x}$ से प्रतिस्थापित कर दिया जाए तो समीकरण (6), अवकल समीकरण (1) का व्यापक हल प्रदान करता है।

टिप्पणी यदि समघातीय अवकल समीकरण $\frac{dx}{dy} = \mathrm{F}(x, y)$ के रूप में है। जहाँ F (x, y) शून्य घात वाला समघातीय फलन है तो हम $\frac{x}{y} = v$ अर्थात, $x = vy$ प्रतिस्थापित करते हैं और फिर उपरोक्त चर्चा के अनुसार $\frac{dx}{dy} = \mathrm{F}(x, y) = h\left(\frac{x}{y}\right)$ के रूप में लिखकर व्यापक हल ज्ञात करने के लिए आगे बढ़ते हैं।

उदाहरण 15 दर्शाइए कि अवकल समीकरण $(x-y)\frac{dy}{dx} = x + 2y$ समघातीय है और इसका हल ज्ञात कीजिए।

हल दिए गए अवकल समीकरण को निम्नलिखित रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है :

$$\frac{dy}{dx} = \frac{x+2y}{x-y} \quad \text{... (1)}$$

मान लीजिए $\mathrm{F}(x, y) = \frac{x+2y}{x-y}$

अब $\mathrm{F}(\lambda x, \lambda y) = \frac{\lambda(x+2y)}{\lambda(x-y)} = \lambda^{\circ} \cdot f(x, y)$

इसलिए F(x, y) शून्य घात वाला समघातीय फलन है।

अतः दिया हुआ अवकल समीकरण एक समघातीय अवकल समीकरण है।

विकल्पत:

$$\frac{dy}{dx} = \left(\frac{1+\frac{2y}{x}}{1-\frac{y}{x}}\right) = g\left(\frac{y}{x}\right) \quad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) का दायाँ पक्ष $g\left(\frac{y}{x}\right)$ के रूप में है इसलिए यह शून्य घात वाला एक समघातीय फलन है। इसलिए समीकरण (1) एक समघातीय अवकल समीकरण है।

इसको हल करने के लिए हम प्रतिस्थापन करते है:

$$y = vx \quad \text{... (3)}$$

समीकरण (3) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = v + x\frac{dv}{dx} \qquad \dots (4)$$

समीकरण (1) में y एवं $\frac{dy}{dx}$ का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$v + x\frac{dv}{dx} = \frac{1+2v}{1-v}$$

अर्थात् $$x\frac{dv}{dx} = \frac{1+2v}{1-v} - v$$

अर्थात् $$x\frac{dv}{dx} = \frac{v^2+v+1}{1-v}$$

अर्थात् $$\frac{v-1}{v^2+v+1}\,dv = \frac{-dx}{x} \qquad \dots (5)$$

समीकरण (5) के दोनों पक्षों का समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\int \frac{v-1}{v^2+v+1}\,dv = -\int \frac{dx}{x}$$

अथवा $$\frac{1}{2}\int \frac{2v+1-3}{v^2+v+1}\,dv = -\log|x| + C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\int \frac{2v+1}{v^2+v+1}\,dv - \frac{3}{2}\int \frac{1}{v^2+v+1}\,dv = -\log|x| + C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\log\left|v^2+v+1\right| - \frac{3}{2}\int \frac{1}{v^2+v+1}\,dv = -\log|x| + C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\log\left|v^2+v+1\right| - \frac{3}{2}\int \frac{1}{\left(v+\frac{1}{2}\right)^2 + \left(\frac{\sqrt{3}}{2}\right)^2}\,dv = -\log|x| + C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\log\left|v^2+v+1\right| - \frac{3}{2}\cdot\frac{2}{\sqrt{3}}\tan^{-1}\left(\frac{2v+1}{\sqrt{3}}\right) = -\log|x| + C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\log\left|v^2+v+1\right|+\frac{1}{2}\log x^2=\sqrt{3}\tan^{-1}\left(\frac{2v+1}{\sqrt{3}}\right)+C$$

v को $\frac{y}{x}$, से प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

अथवा $$\frac{1}{2}\log\left|\frac{y^2}{x^2}+\frac{y}{x}+1\right|+\frac{1}{2}\log x^2=\sqrt{3}\tan^{-1}\left(\frac{2y+x}{\sqrt{3}x}\right)+C$$

अथवा $$\frac{1}{2}\log\left|\left(\frac{y^2}{x^2}+\frac{y}{x}+1\right)x^2\right|=\sqrt{3}\tan^{-1}\left(\frac{2y+x}{\sqrt{3}x}\right)+C_1$$

अथवा $$\log\left|(y^2+xy+x^2)\right|=2\sqrt{3}\tan^{-1}\left(\frac{2y+x}{\sqrt{3}x}\right)+2C_1$$

अथवा $$\log\left|(x^2+xy+y^2)\right|=2\sqrt{3}\tan^{-1}\left(\frac{x+2y}{\sqrt{3}x}\right)+C$$

यह अवकल समीकरण (1) का व्यापक हल है।

उदाहरण 16 दर्शाइए कि अवकल समीकरण $x\cos\left(\frac{y}{x}\right)\frac{dy}{dx}=y\cos\left(\frac{y}{x}\right)+x$ समघातीय है और इसका हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dy}{dx}=\frac{y\cos\left(\frac{y}{x}\right)+x}{x\cos\left(\frac{y}{x}\right)} \qquad \ldots (1)$$

यहाँ $\frac{dy}{dx}=F(x,y)$ के रूप का अवकल समीकरण है।

यहाँ $F(x,y)=\dfrac{y\cos\left(\frac{y}{x}\right)+x}{x\cos\left(\frac{y}{x}\right)}$ है।

x को λx से एवं y को λy से प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\mathrm{F}(\lambda x, \lambda y) = \frac{\lambda\left[y\cos\left(\frac{y}{x}\right)+x\right]}{\lambda\left(x\cos\frac{y}{x}\right)} = \lambda^0[\mathrm{F}(x,y)]$$

$\mathrm{F}(x, y)$ शून्य घात वाला समघातीय फलन है, इसलिए दिया हुआ अवकल समीकरण एक समघातीय अवकल समीकरण है। इसको हल करने के लिए हम प्रतिस्थापन करते हैं:

$$y = vx \qquad \dots (2)$$

समीकरण (2) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = v + x\frac{dv}{dx} \qquad \dots (3)$$

समीकरण (1) में y एवं $\frac{dy}{dx}$ का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$v + x\frac{dv}{dx} = \frac{v\cos v + 1}{\cos v}$$

अथवा $$x\frac{dv}{dx} = \frac{v\cos v + 1}{\cos v} - v$$

अथवा $$x\frac{dv}{dx} = \frac{1}{\cos v}$$

अथवा $$\cos v\, dv = \frac{dx}{x}$$

इसलिए $$\int \cos v\, dv = \int \frac{1}{x}\, dx$$

अथवा $$\sin v = \log|x| + \log|\mathrm{C}|$$

अथवा $$\sin v = \log|\mathrm{C}x|$$

v को $\frac{y}{x}$ प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं।

$$\sin\left(\frac{y}{x}\right) = \log|\mathrm{C}x|$$

यह अवकल समीकरण (1) का व्यापक हल है।

उदाहरण 17 दर्शाइए कि अवकल समीकरण $2y\, e^{\frac{x}{y}} dx + (y - 2x\, e^{\frac{x}{y}})\, dy = 0$ समघातीय है और यदि, $x = 0$ जब $y = 1$ दिया हुआ हो तो इस समीकरण का विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dx}{dy} = \frac{2x\, e^{\frac{x}{y}} - y}{2y\, e^{\frac{x}{y}}} \qquad \ldots (1)$$

मान लीजिए $\quad F(x, y) = \dfrac{2xe^{\frac{x}{y}} - y}{2ye^{\frac{x}{y}}}$ तब $F(\lambda x, \lambda y) = \dfrac{\lambda\left(2xe^{\frac{x}{y}} - y\right)}{\lambda\left(2ye^{\frac{x}{y}}\right)} = \lambda^{\circ}\, [F(x, y)]$

अतः F (x, y) शून्य घात वाला समघातीय फलन है।

इसलिए, दिया हुआ अवकल समीकरण एक समघातीय अवकल समीकरण है।

इसका हल ज्ञात करने के लिए, हम $x = vy$ प्रतिस्थापन करते हैं।

समीकरण (2) का y के सापेक्ष अवकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dx}{dy} = v + y\frac{dv}{dy}$$

समीकरण (1) में x एवं $\dfrac{dx}{dy}$ का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं :

$$v + y\frac{dv}{dy} = \frac{2v\, e^{v} - 1}{2e^{v}}$$

अथवा $$y\frac{dv}{dy} = \frac{2v\, e^{v} - 1}{2e^{v}} - v$$

अथवा $$y\frac{dv}{dy} = -\frac{1}{2e^{v}}$$

अथवा $$2e^{v} dv = \frac{-dy}{y}$$

अथवा $$\int 2e^{v}.\, dv = -\int \frac{dy}{y}$$

अथवा $$2\, e^{v} = -\log |y| + C$$

v को $\frac{x}{y}$ से प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$2\, e^{\frac{x}{y}} + \log |y| = C \qquad \ldots (3)$$

समीकरण (3) में, $x = 0$ एवं $y = 1$ प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$2\, e^{0} + \log |1| = C \Rightarrow C = 2$$

C का मान समीकरण (3) में प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$2\, e^{\frac{x}{y}} + \log |y| = 2$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का एक विशिष्ट हल है।

उदाहरण 18 दर्शाइए कि वक्रों का कुल, जिनके किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता $\frac{x^2 + y^2}{2xy}$ है, $x^2 - y^2 = cx$ द्वारा प्रदत्त है।

हल हम जानते हैं कि एक वक्र के किसी बिंदु पर स्पर्श रेखा की प्रवणता $\frac{dy}{dx}$ के बराबर होती है।

इसलिए $$\frac{dy}{dx} = \frac{x^2 + y^2}{2xy} \quad \text{या} \quad \frac{dy}{dx} = \frac{1 + \frac{y^2}{x^2}}{\frac{2y}{x}} \qquad \ldots (1)$$

स्पष्टत: समीकरण (1) समघातीय अवकल समीकरण है।

इसको हल करने के लिए हम $y = vx$ प्रतिस्थापन करते हैं।

$y = vx$ का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम पाते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = v + x\frac{dv}{dx} \quad \text{या} \quad v + x\frac{dv}{dx} = \frac{1 + v^2}{2v}$$

अत: $$x\frac{dv}{dx} = \frac{1 - v^2}{2v} \quad \text{या} \quad \frac{2v}{1 - v^2}dv = \frac{dx}{x} \quad \text{या} \quad \frac{2v}{v^2 - 1}dv = -\frac{dx}{x}$$

इसलिए $$\int \frac{2v}{v^2-1}dv = -\int \frac{1}{x}dx$$

अथवा $\log|v^2-1| = -\log|x| + \log|C_1|$

अथवा $\log|(v^2-1)(x)| = \log|C_1|$

अथवा $(v^2-1)\,x = \pm\ C_1$

v को $\frac{y}{x}$ से प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\left(\frac{y^2}{x^2}-1\right)x = \pm C_1$$

अथवा $(y^2 - x^2) = \pm C_1\,x$ या $x^2 - y^2 = Cx$

प्रश्नावली 9.5

1 से 10 तक के प्रत्येक प्रश्न में दर्शाइए कि दिया हुआ अवकल समीकरण समघातीय है और इनमें से प्रत्येक को हल कीजिए:

1. $(x^2 + xy)\,dy = (x^2 + y^2)\,dx$

2. $y' = \frac{x+y}{x}$

3. $(x - y)\,dy - (x + y)\,dx = 0$

4. $(x^2 - y^2)\,dx + 2xy\,dy = 0$

5. $x^2\frac{dy}{dx} = x^2 - 2y^2 + xy$

6. $x\,dy - y\,dx = \sqrt{x^2+y^2}\,dx$

7. $\left\{x\cos\left(\frac{y}{x}\right) + y\sin\left(\frac{y}{x}\right)\right\}y\,dx = \left\{y\sin\left(\frac{y}{x}\right) - x\cos\left(\frac{y}{x}\right)\right\}x\,dy$

8. $x\frac{dy}{dx} - y + x\sin\left(\frac{y}{x}\right) = 0$

9. $y\,dx + x\log\left(\frac{y}{x}\right)dy - 2x\,dy = 0$

10. $\left(1+e^{\frac{x}{y}}\right)dx + e^{\frac{x}{y}}\left(1-\frac{x}{y}\right)dy = 0$

11 से 15 तक के प्रश्नों में प्रत्येक अवकल समीकरण के लिए दिए हुए प्रतिबंध को संतुष्ट करने वाला विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए।

11. $(x + y)\,dy + (x - y)\,dx = 0;\ y = 1$ यदि $x = 1$

12. $x^2\,dy + (xy + y^2)\,dx = 0;\ y = 1$ यदि $x = 1$

13. $\left[x\sin^2\left(\frac{y}{x}\right)-y\right]dx+x\,dy=0;\ y=\frac{\pi}{4}$ यदि $x = 1$

14. $\frac{dy}{dx}-\frac{y}{x}+\operatorname{cosec}\left(\frac{y}{x}\right)=0$; $y = 0$ यदि $x = 1$

15. $2xy+y^2-2x^2\frac{dy}{dx}=0$; $y = 2$ यदि $x = 1$

16. $\frac{dx}{dy}=h\left(\frac{x}{y}\right)$ के रूप वाले समघातीय अवकल समीकरण को हल करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा प्रतिस्थापन किया जाता है:

(A) $y = vx$ (B) $v = yx$ (C) $x = vy$ (D) $x = v$

17. निम्नलिखित में से कौन सा समघातीय अवकल समीकरण है?

(A) $(4x + 6y + 5)\,dy - (3y + 2x + 4)\,dx = 0$

(B) $(xy)\,dx - (x^3 + y^3)\,dy = 0$

(C) $(x^3 + 2y^2)\,dx + 2xy\,dy = 0$

(D) $y^2\,dx + (x^2 - xy - y^2)\,dy = 0$

9.5.3 *रैखिक अवकल समीकरण (Linear differential equations)*

$$\frac{dy}{dx}+\text{P}y=\text{Q},$$

के रूप वाला अवकल समीकरण, जिसमें P एवं Q अचर अथवा केवल x के फलन हैं, प्रथम कोटि का रैखिक अवकल समीकरण कहलाता है। प्रथम कोटि के रैखिक अवकल समीकरण के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं:

$$\frac{dy}{dx}+y=\sin x$$

$$\frac{dy}{dx}+\left(\frac{1}{x}\right)y=e^x$$

$$\frac{dy}{dx}+\left(\frac{y}{x\log x}\right)=\frac{1}{x}$$

प्रथम कोटि के रैखिक अवकल समीकरण का दूसरा रूप सेकेंड $\frac{dx}{dy}+\text{P}_1x=\text{Q}_1$ है, जिसमें P_1 और Q_1 अचर अथवा केवल y के फलन हैं। इस प्रकार के अवकल समीकरण के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं: $\frac{dx}{dy}+x=\cos y$

$$\frac{dx}{dy}+\frac{-2x}{y}=y^2e^{-y}$$

प्रथम कोटि के रैखिक अवकल समीकरण

$$\frac{dy}{dx}+\text{P}\,y=\text{Q} \qquad \dots (1)$$

को हल करने के लिए समीकरण के दोनों पक्षों को x के फलन $g(x)$ से गुणा करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$g(x)\frac{dy}{dx}+\text{P}.\,g(x)\,y=\text{Q}.\,g(x) \qquad \dots (2)$$

$g(x)$ का चयन इस प्रकार कीजिए ताकि समीकरण का बायाँ पक्ष $y.\,g(x)$ का अवकलज बन जाए:

अर्थात् $$g(x)\frac{dy}{dx}+\text{P}.\,g(x)\,y=\frac{d}{dx}[y.\,g(x)]$$

अथवा $$g(x)\frac{dy}{dx}+\text{P}.\,g(x)\,y=g(x)\frac{dy}{dx}+y\,g'(x)$$

$\Rightarrow$ $$\text{P}.\,g(x)=g'(x)$$

अथवा $$\text{P}=\frac{g'(x)}{g(x)}$$

दोनों पक्षों का x के सापेक्ष समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\int \text{P}dx=\int\frac{g'(x)}{g(x)}dx$$

अथवा $$\int \text{P}.dx=\log(g(x))$$

अथवा $$g(x)=e^{\int \text{P}\,dx}$$

समीकरण (1) को $g(x)=e^{\int pdx}$ से गुणा करने पर उस समीकरण का बायाँ पक्ष x तथा y के किसी फलन का अवकलज बन जाता है। यह फलन $g(x)=e^{\int pdx}$ दिए हुए अवकल समीकरण का **समाकलन गुणक (I.F.)** कहलाता है।

समीकरण (2) में $g(x)$ का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$e^{\int pdx}\frac{dy}{dx}+\text{P}e^{\int pdx}y=\text{Q}.\,e^{\int pdx}$$

अथवा $$\frac{d}{dx}\left(y\,e^{\int \text{P}dx}\right)=\text{Q}e^{\int \text{P}dx}$$

दोनों पक्षों का x, के सापेक्ष समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$y \cdot e^{\int P\,dx} = \int \left(Q \cdot e^{\int P\,dx} \right) dx$$

अथवा $$y = e^{-\int P\,dx} \cdot \int \left(Q \cdot e^{\int P\,dx} \right) dx + C$$

यह अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

प्रथम कोटि के रैखिक अवकल समीकरण को हल करने के लिए सम्मिलित चरण:

(i) दिए हुए अवकल समीकरण को $\frac{dy}{dx} + Py = Q$ के रूप में लिखिए जिसमें P, Q अचर अथवा केवल x के फलन हैं।

(ii) समाकलन गुणक (I.F.) = $e^{\int P\,dx}$ ज्ञात कीजिए।

(iii) दिए हुए अवकल समीकरण का हल निम्नलिखित रूप में लिखिए:

$$y \,.\, (\text{I.F.}) = \int (Q \times \text{I.F.})\, dx + C$$

यदि प्रथम कोटि का रैखिक अवकल समीकरण $\frac{dx}{dy} + P_1 x = Q_1$ के रूप में है जिसमें P_1 और Q_1 अचर अथवा केवल y के फलन हैं, तब I.F. = $e^{\int P_1\,dy}$ और

$$x \,.\, (\text{I.F.}) = \int (Q_1 \times \text{I.F.})\, dy + C$$ अवकल समीकरण का हल है।

उदाहरण 19 अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx} - y = \cos x$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण

$$\frac{dy}{dx} + Py = Q$$ है, जहाँ $P = -1$ और $Q = \cos x$

इसलिए $\text{I.F.} = e^{\int -1\,dx} = e^{-x}$

समीकरण के दोनों पक्षों को I.F. से गुणा करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$e^{-x}\frac{dy}{dx} - e^{-x}y = e^{-x}\cos x$$

अथवा $$\frac{dy}{dx}\left(ye^{-x} \right) = e^{-x}\cos x$$

दोनों पक्षों का x के सापेक्ष समाकलन करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$y\,e^{-x} = \int e^{-x} \cos x \, dx + C \qquad \ldots (1)$$

मान लीजिए कि $\quad I = \int e^{-x} \cos x \, dx$

$$= \cos x \left(\frac{e^{-x}}{-1}\right) - \int (-\sin x)\,(-e^{-x})\, dx$$

$$= -\cos x\, e^{-x} - \int \sin x\, e^{-x}\, dx$$

$$= -\cos x\, e^{-x} - \left[\sin x(-e^{-x}) - \int \cos x\,(-e^{-x})\, dx\right]$$

$$= -\cos x\, e^{-x} + \sin x\, e^{-x} - \int \cos x\, e^{-x}\, dx$$

अथवा $\quad I = -e^{-x} \cos x + \sin x\, e^{-x} - I$

अथवा $\quad 2I = (\sin x - \cos x)\, e^{-x}$

अथवा $\quad I = \dfrac{(\sin x - \cos x)\,e^{-x}}{2}$

समीकरण (1) में I का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$y\,e^{-x} = \left(\frac{\sin x - \cos x}{2}\right) e^{-x} + C$$

अथवा $\quad y = \dfrac{\sin x - \cos x}{2} + C\,e^{x}$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

उदाहरण 20 अवकल समीकरण $x\dfrac{dy}{dx} + 2y = x^2 \; (x \neq 0)$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण है:

$$x\frac{dy}{dx} + 2y = x^2 \qquad \ldots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों को x से भाग देने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$\frac{dy}{dx} + \frac{2}{x}y = x$$

यह, $\dfrac{dy}{dx} + Py = Q$, के रूप का रैखिक अवकल समीकरण है। यहाँ $P = \dfrac{2}{x}$ एवं $Q = x$ है।

इसलिए $\quad I.F. = e^{\int \frac{2}{x} dx} = e^{2 \log x} = e^{\log x^2} = x^2 \qquad$ [जैसा कि $e^{\log f(x)} = f(x)$]

इसलिए दिए हुए समीकरण का हल है:

$$y \cdot x^2 = \int (x)(x^2)\, dx + C = \int x^3 dx + C$$

अथवा
$$y = \frac{x^2}{4} + C x^{-2}$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

उदाहरण 21 अवकल समीकरण $y\, dx - (x + 2y^2)\, dy = 0$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dx}{dy} - \frac{x}{y} = 2y$$

यह, $\frac{dx}{dy} + P_1 x = Q_1$, के रूप वाला रैखिक अवकल समीकरण है। यहाँ $P_1 = -\frac{1}{y}$ एवं $Q_1 = 2y$ है। इसलिए $\text{I.F} = e^{\int -\frac{1}{y} dy} = e^{-\log y} = e^{\log (y)^{-1}} = \frac{1}{y}$

अत: दिए हुए अवकल समीकरण का हल है:

$$x \frac{1}{y} = \int (2y) \left(\frac{1}{y}\right) dy + C$$

अथवा
$$\frac{x}{y} = \int 2dy + C$$

अथवा
$$\frac{x}{y} = 2y + C$$

अथवा
$$x = 2y^2 + Cy$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

उदाहरण 22 अवकल समीकरण

$$\frac{dx}{dy} + y \cot x = 2x + x^2 \cot x \; (x \neq 0)$$

का विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, दिया हुआ है कि $y = 0$ यदि $x = \frac{\pi}{2}$

हल दिया हुआ अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx} + Py = Q$, के रूप का रैखिक अवकल समीकरण है। यहाँ

$P = \cot x$ और $Q = 2x + x^2 \cot x$ है। इसलिए

$$\text{I.F} = e^{\int \cot x \, dx} = e^{\log \sin x} = \sin x$$

अत: अवकल समीकरण का हल है:

$$y \cdot \sin x = \int (2x + x^2 \cot x) \sin x \, dx + C$$

अथवा $$y \sin x = \int 2x \sin x \, dx + \int x^2 \cos x \, dx + C$$

अथवा $$y \sin x = \sin x \left(\frac{2x^2}{2}\right) - \int \cos x \left(\frac{2x^2}{2}\right) dx + \int x^2 \cos x \, dx + C$$

अथवा $$y \sin x = x^2 \sin x - \int x^2 \cos x \, dx + \int x^2 \cos x \, dx + C$$

अथवा $$y \sin x = x^2 \sin x + C \qquad \text{... (1)}$$

समीकरण (1) में $y = 0$ एवं $x = \frac{\pi}{2}$ प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$0 = \left(\frac{\pi}{2}\right)^2 \sin\left(\frac{\pi}{2}\right) + C$$

अथवा $$C = \frac{-\pi^2}{4}$$

समीकरण (1) में C का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$y \sin x = x^2 \sin x - \frac{\pi^2}{4}$$

अथवा $$y = x^2 - \frac{\pi^2}{4 \sin x} \quad (\sin x \neq 0)$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का विशिष्ट हल है।

उदाहरण 23 बिन्दु (0, 1) से गुजरने वाले एक वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए, यदि इस वक्र के किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता, उस बिंदु के x निर्देशांक (भुज) तथा x निर्देशांक और y निर्देशांक (कोटि) के गुणनफल के योग के बराबर है।

हल हम जानते हैं कि वक्र की स्पर्श रेखा की प्रवणता $\frac{dy}{dx}$ के बराबर होती है। इसलिए

$$\frac{dy}{dx} = x + xy$$

अथवा $$\frac{dy}{dx} - xy = x \qquad \text{... (1)}$$

समीकरण (1), $\frac{dy}{dx} + \text{P}y = \text{Q}$ के रूप का रैखिक अवकल समीकरण है। यहाँ $\text{P} = -x$ एवं $\text{Q} = x$ है। इसलिए

$$\text{I.F.} = e^{\int -x\,dx} = e^{\frac{-x^2}{2}}$$

अत: दिए हुए समीकरण का हल है:

$$y.e^{\frac{-x^2}{2}} = \int (x)\left(e^{\frac{-x^2}{2}}\right)dx + \text{C} \qquad \text{... (2)}$$

मान लीजिए $\quad \text{I} = \int (x)\, e^{\frac{-x^2}{2}}\, dx$

मान लीजिए $\quad \frac{-x^2}{2} = t$, तब $-x\,dx = dt$ या $x\,dx = -dt$

इसलिए $\quad \text{I} = -\int e^t dt = -e^t = -e^{\frac{-x^2}{2}}$

समीकरण (2) में I का मान प्रतिस्थापित करने पर, हम पाते हैं:

$$y\,e^{\frac{-x^2}{2}} = -e^{\frac{-x^2}{2}} + \text{C}$$

अथवा $\quad y = -1 + \text{C}\,e^{\frac{x^2}{2}} \qquad \text{... (3)}$

समीकरण (3) वक्रों के कुल का समीकरण है परंतु हम इस कुल के ऐसे सदस्य का समीकरण ज्ञात करना चाहते हैं जो बिंदु (0, 1) से गुजरता हो। समीकरण (3) में $x = 0$ एवं $y = 1$ प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं:

$$1 = -1 + \text{C}\,.\,e^0 \quad \text{अथवा} \quad \text{C} = 2$$

समीकरण (3) में C का मान प्रतिस्थापित करने पर हम प्राप्त करते हैं:

$$y = -1 + 2\,e^{\frac{x^2}{2}}$$

यह वक्र का अभीष्ट समीकरण है।

प्रश्नावली 9.6

1 से 12 तक के प्रश्नों में, प्रत्येक अवकल समीकरण का व्यापक हल ज्ञात कीजिए:

1. $\frac{dy}{dx} + 2y = \sin x$ **2.** $\frac{dy}{dx} + 3y = e^{-2x}$ **3.** $\frac{dy}{dx} + \frac{y}{x} = x^2$

4. $\frac{dy}{dx} + (\sec x)\,y = \tan x \left(0 \le x < \frac{\pi}{2}\right)$ **5.** $\cos^2 x \frac{dy}{dx} + y = \tan x \left(0 \le x < \frac{\pi}{2}\right)$

6. $x\dfrac{dy}{dx}+2y=x^2\log x$

7. $x\log x\dfrac{dy}{dx}+y=\dfrac{2}{x}\log x$

8. $(1 + x^2)\, dy + 2xy\, dx = \cot x\, dx\ (x \neq 0)$

9. $x\dfrac{dy}{dx}+y-x+xy\cot x=0\ (x\neq 0)$

10. $(x+y)\dfrac{dy}{dx}=1$

11. $y\, dx + (x - y^2)\, dy = 0$

12. $(x+3y^2)\dfrac{dy}{dx}=y\ (y>0)$.

13 से 15 तक के प्रश्नों में प्रत्येक अवकल समीकरण के लिए दिए हुए प्रतिबंध को संतुष्ट करने वाला विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए:

13. $\dfrac{dy}{dx}+2y\tan x=\sin x;\ y=0$ यदि $x=\dfrac{\pi}{3}$

14. $(1+x^2)\dfrac{dy}{dx}+2xy=\dfrac{1}{1+x^2};\ y=0$ यदि $x=1$

15. $\dfrac{dy}{dx}-3y\cot x=\sin 2x;\ y=2$ यदि $x=\dfrac{\pi}{2}$

16. मूल बिंदु से गुज़रने वाले एक वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए यदि इस वक्र के किसी बिंदु (x, y) पर स्पर्श रेखा की प्रवणता उस बिंदु के निर्देशांकों के योग के बराबर है।

17. बिंदु $(0, 2)$ से गुजरने वाले वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए यदि इस वक्र के किसी बिंदु के निर्देशांकों का योग उस बिंदु पर खींची गई स्पर्श रेखा की प्रवणता के परिमाण से 5 अधिक है।

18. अवकल समीकरण $x\dfrac{dy}{dx}-y=2x^2$ का समाकलन गुणक है:

(A) e^{-x} (B) e^{-y} (C) $\dfrac{1}{x}$ (D) x

19. अवकल समीकरण $(1-y^2)\dfrac{dx}{dy}+yx = ay\ (-1<y<1)$ का समाकलन गुणक है:

(A) $\dfrac{1}{y^2-1}$ (B) $\dfrac{1}{\sqrt{y^2-1}}$ (C) $\dfrac{1}{1-y^2}$ (D) $\dfrac{1}{\sqrt{1-y^2}}$

विविध उदाहरण

उदाहरण 24 सत्यापित कीजिए कि फलन $y = c_1 e^{ax} \cos bx + c_2 e^{ax} \sin bx$, जहाँ c_1, c_2 स्वेच्छ अचर है, अवकल समीकरण

$$\frac{d^2y}{dx^2} - 2a\frac{dy}{dx} + \left(a^2 + b^2\right)y = 0 \text{ का हल है।}$$

हल दिया हुआ फलन है:

$$y = e^{ax}\left[c_1 \cos bx + c_2 \sin bx\right] \qquad \dots (1)$$

समीकरण (1) के दोनों पक्षों का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम पाते हैं कि

$$\frac{dy}{dx} = e^{ax}\left[-bc_1 \sin bx + b c_2 \cos bx\right] + \left[c_1 \cos bx + c_2 \sin bx\right]e^{ax}.a$$

अथवा
$$\frac{dy}{dx} = e^{ax}[(b c_2 + a c_1)\cos bx + (a c_2 - b c_1)\sin bx] \qquad \dots (2)$$

समीकरण (2) के दोनों पक्षों का x, के सापेक्ष अवकलन करने पर हम पाते हैं कि

$$\frac{d^2y}{dx^2} = e^{ax}[(bc_2 + a c_1)(-\sin bx\,.\,b) + (a c_2 - b c_1)(\cos bx\,.\,b)]$$

$$+ [(b c_2 + a c_1)\cos bx + (a c_2 - b c_1)\sin bx]\,e^{ax}.a$$

$$= e^{ax}[(a^2 c_2 - 2ab c_1 - b^2 c_2)\sin bx + (a^2 c_1 + 2abc_2 - b^2 c_1)\cos bx]$$

दिए गए अवकल समीकरण में $\frac{d^2y}{dx^2}, \frac{dy}{dx}$ एवं y का मान प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं:

बायाँ पक्ष
$$= e^{ax}[a^2c_2 - 2abc_1 - b^2c_2)\sin bx + (a^2c_1 + 2abc_2 - b^2c_1)\cos bx]$$

$$-2ae^{ax}[(bc_2 + ac_1)\cos bx + (ac_2 - bc_1)\sin bx]$$

$$+(a^2 + b^2)e^{ax}[c_1 \cos bx + c_2 \sin bx]$$

$$= e^{ax}\begin{bmatrix}\left(a^2c_2 - 2abc_1 - b^2c_2 - 2a^2c_2 + 2abc_1 + a^2c_2 + b^2c_2\right)\sin bx \\ +(a^2c_1 + 2abc_2 - b^2c_1 - 2abc_2 - 2a^2c_1 + a^2c_1 + b^2c_1)\cos bx\end{bmatrix}$$

$$= e^{ax}[0 \times \sin bx + 0 \cos bx] = e^{ax} \times 0 = 0 = \text{दायाँ पक्ष}$$

इसलिए दिया हुआ फलन दिए हुए अवकल समीकरण का हल है।

उदाहरण 25 द्वितीय चतुर्थांश में ऐसे वृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जो निर्देशांक अक्षों का स्पर्श करते हैं।

हल मान लीजिए, निर्देशांक अक्षों को स्पर्श करने वाला और द्वितीय चतुर्थांश में बना वृत्तों का कुल C द्वारा निर्दिष्ट किया जाता है। इस कुल के किसी सदस्य के केंद्र बिंदु के निर्देशांक $(-a, a)$ हैं (आकृति 9.6 देखिए)।

कुल C को निरूपित करने वाला समीकरण है:

$$(x + a)^2 + (y - a)^2 = a^2 \qquad \ldots (1)$$

अथवा $$x^2 + y^2 + 2ax - 2ay + a^2 = 0 \qquad \ldots (2)$$

समीकरण (2) का x के सापेक्ष अवकलन करने पर हम पाते हैं:

$$2x + 2y\frac{dy}{dx} + 2a - 2a\frac{dy}{dx} = 0$$

अथवा $$x + y\frac{dy}{dx} = a\left(\frac{dy}{dx} - 1\right)$$

अथवा $$a = \frac{x + y\,y'}{y' - 1}$$

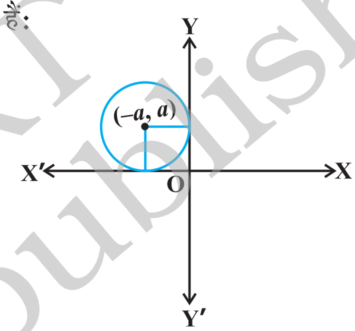

आकृति 9.6

समीकरण (1) में a का मान प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं:

$$\left[x + \frac{x + y\,y'}{y' - 1}\right]^2 + \left[y - \frac{x + y\,y'}{y' - 1}\right]^2 = \left[\frac{x + y\,y'}{y' - 1}\right]^2$$

अथवा $$\left[x y' - x + x + y\,y'\right]^2 + \left[y\,y' - y - x - y y'\right]^2 = \left[x + y\,y'\right]^2$$

अथवा $$(x + y)^2\, y'^2 + [x + y]^2 = [x + y\,y']^2$$

अथवा $$(x + y)^2\,[(y')^2 + 1] = [x + y\,y']^2$$

जो दिए हुए वृत्तों के कुल को निरूपित करने वाला अवकल समीकरण है।

उदाहरण 26 अवकल समीकरण $\log\left(\frac{dy}{dx}\right) = 3x + 4y$ का विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए। दिया हुआ है कि $y = 0$ यदि $x = 0$

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dy}{dx} = e^{(3x+4y)}$$

अथवा $$\frac{dy}{dx} = e^{3x} \cdot e^{4y} \quad \text{... (1)}$$

चरों को पृथक् करने पर हम पाते हैं,

$$\frac{dy}{e^{4y}} = e^{3x} dx$$

इसलिए $$\int e^{-4y} dy = \int e^{3x} dx$$

अथवा $$\frac{e^{-4y}}{-4} = \frac{e^{3x}}{3} + C$$

अथवा $$4\, e^{3x} + 3\, e^{-4y} + 12\, C = 0 \quad \text{... (2)}$$

समीकरण (2) में $x = 0$ एवं $y = 0$ प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं:

$$4 + 3 + 12\, C = 0 \text{ अथवा } C = \frac{-7}{12}$$

समीकरण (2) में C का मान प्रतिस्थापित करने पर हम,

$$4\, e^{3x} + 3\, e^{-4y} - 7 = 0, \text{ प्राप्त करते हैं}$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का एक विशिष्ट हल है।

उदाहरण 27 अवकल समीकरण

$$(x\, dy - y\, dx)\, y \sin\left(\frac{y}{x}\right) = (y\, dx + x\, dy)\, x \cos\left(\frac{y}{x}\right) \text{ को हल कीजिए।}$$

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है।

$$\left[x\, y \sin\left(\frac{y}{x}\right) - x^2 \cos\left(\frac{y}{x}\right)\right] dy = \left[xy \cos\left(\frac{y}{x}\right) + y^2 \sin\left(\frac{y}{x}\right)\right] dx$$

अथवा $$\frac{dy}{dx} = \frac{xy \cos\left(\frac{y}{x}\right) + y^2 \sin\left(\frac{y}{x}\right)}{xy \sin\left(\frac{y}{x}\right) - x^2 \cos\left(\frac{y}{x}\right)}$$

दायें पक्ष पर अंश एवं हर दोनों को x^2 से भाग देने पर हम पाते हैं:

$$\frac{dy}{dx} = \frac{\frac{y}{x} \cos\left(\frac{y}{x}\right) + \left(\frac{y^2}{x^2}\right) \sin\left(\frac{y}{x}\right)}{\frac{y}{x} \sin\left(\frac{y}{x}\right) - \cos\left(\frac{y}{x}\right)} \quad \text{... (1)}$$

स्पष्टत: समीकरण (1), $\frac{dy}{dx} = g\left(\frac{y}{x}\right)$ के रूप का समघातीय अवकल समीकरण है, इसलिए इस समीकरण को हल करने के लिए हम

$$y = vx \qquad \dots (2)$$

प्रतिस्थापित करते हैं।

अथवा $$\frac{dy}{dx} = v + x\frac{dv}{dx}$$

अथवा $$v + x\frac{dv}{dx} = \frac{v\cos v + v^2 \sin v}{v\sin v - \cos v}$$ [समीकरण (1)और (2)का प्रयोग करने पर]

अथवा $$x\frac{dv}{dx} = \frac{2v\cos v}{v\sin v - \cos v}$$

अथवा $$\left(\frac{v\sin v - \cos v}{v\cos v}\right) dv = \frac{2\,dx}{x}$$

इसलिए $$\int \left(\frac{v\sin v - \cos v}{v\cos v}\right) dv = 2\int \frac{1}{x}\,dx$$

अथवा $$\int \tan v\, dv - \int \frac{1}{v}\,dv = 2\int \frac{1}{x}\,dx$$

अथवा $$\log|\sec v| - \log|v| = 2\log|x| + \log|C_1|$$

अथवा $$\log\left|\frac{\sec v}{v\,x^2}\right| = \log|C_1|$$

अथवा $$\frac{\sec v}{v\,x^2} = \pm C_1 \qquad \dots (3)$$

समीकरण (3) में v को $\frac{y}{x}$ से प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं कि

$$\frac{\sec\left(\frac{y}{x}\right)}{\left(\frac{y}{x}\right)(x^2)} = C, \text{ जहाँ } C = \pm C_1$$

अथवा $$\sec\left(\frac{y}{x}\right) = C\,xy$$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

उदाहरण 28 अवकल समीकरण

$(\tan^{-1}y - x)\, dy = (1 + y^2)\, dx$ का हल ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ अवकल समीकरण निम्नलिखित रूप में लिखा जा सकता है:

$$\frac{dx}{dy} + \frac{x}{1+y^2} = \frac{\tan^{-1}y}{1+y^2} \qquad \dots (1)$$

समीकरण (1), $\frac{dx}{dy} + P_1\, x = Q_1$, के रूप का रैखिक अवकल समीकरण है। यहाँ

$$P_1 = \frac{1}{1+y^2} \text{ एवं } Q_1 = \frac{\tan^{-1}y}{1+y^2} \text{ है। इसलिए}$$

$$\text{I.F.} = e^{\int \frac{1}{1+y^2} dy} = e^{\tan^{-1}y}$$

इसलिए दिए हुए अवकल समीकरण का हल है:

$$x\, e^{\tan^{-1}y} = \int \left(\frac{\tan^{-1}y}{1+y^2}\right) e^{\tan^{-1}y}\, dy + C \qquad \dots (2)$$

मान लीजिए $\quad I = \int \left(\frac{\tan^{-1}y}{1+y^2}\right) e^{\tan^{-1}y}\, dy$

$\tan^{-1} y = t$ प्रतिस्थापित करने पर हम पाते हैं कि $\left(\frac{1}{1+y^2}\right) dy = dt$

अतः $\quad I = \int t\, e^t dt$, $I = t\, e^t - \int 1 \,.\, e^t\, dt$, $I = t\, e^t - e^t = e^t\,(t - 1)$

अथवा $\quad I = e^{\tan^{-1}y}(\tan^{-1}y - 1)$

समीकरण (2) में I का मान प्रतिस्थापित करने पर हम

$$x \,.\, e^{\tan^{-1}y} = e^{\tan^{-1}y}(\tan^{-1}y - 1) + C \text{ पाते हैं}$$

अथवा $\quad x = (\tan^{-1}y - 1) + C\, e^{-\tan^{-1}y}$

यह दिए हुए अवकल समीकरण का व्यापक हल है।

अध्याय 9 पर विविध प्रश्नावली

1. निम्नलिखित अवकल समीकरणों में से प्रत्येक की कोटि एवं घात (यदि परिभाषित हो) ज्ञात कीजिए।

(i) $\frac{d^2y}{dx^2}+5x\left(\frac{dy}{dx}\right)^2-6y=\log x$ (ii) $\left(\frac{dy}{dx}\right)^3-4\left(\frac{dy}{dx}\right)^2+7y=\sin x$

(iii) $\frac{d^4y}{dx^4}-\sin\left(\frac{d^3y}{dx^3}\right)=0$

2. निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक के लिए सत्यापित कीजिए कि दिया हुआ फलन (अस्पष्ट अथवा स्पष्ट) संगत अवकल समीकरण का हल है।

(i) $y = a\,e^x + b\,e^{-x} + x^2$: $x\frac{d^2y}{dx^2}+2\frac{dy}{dx}-xy+x^2-2=0$

(ii) $y = e^x(a\cos x + b\sin x)$: $\frac{d^2y}{dx^2}-2\frac{dy}{dx}+2y=0$

(iii) $y = x\sin 3x$: $\frac{d^2y}{dx^2}+9y-6\cos 3x=0$

(iv) $x^2 = 2y^2\log y$: $(x^2+y^2)\frac{dy}{dx}-xy=0$

3. $(x-a)^2+2y^2=a^2$, द्वारा निरूपित वक्रों के कुल का अवकल समीकरण निर्मित कीजिए जहाँ a एक स्वेच्छ अचर है।

4. सिद्ध कीजिए कि $x^2 - y^2 = c\,(x^2 + y^2)^2$ जहाँ c एक प्राचल है, अवकल समीकरण $(x^3 - 3x\,y^2)\,dx = (y^3 - 3x^2y)\,dy$ का व्यापक हल है।

5. प्रथम चतुर्थांश में ऐसे वृत्तों के कुल का अवकल समीकरण ज्ञात कीजिए जो निर्देशांक अक्षों को स्पर्श करते हैं।

6. अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx}+\sqrt{\frac{1-y^2}{1-x^2}}=0$, जबकि $x \neq 1$ का व्यापक हल ज्ञात कीजिए।

7. दर्शाइए कि अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx}+\frac{y^2+y+1}{x^2+x+1}=0$ का व्यापक हल $(x + y + 1) = A\,(1 - x - y - 2xy)$ है, जिसमें A एक प्राचल है।

8. बिंदु $\left(0, \frac{\pi}{4}\right)$ से गुजरने वाले एक ऐसे वक्र का समीकरण ज्ञात कीजिए जिसका अवकल समीकरण $\sin x\cos y\,dx + \cos x\sin y\,dy = 0$ है।

9. अवकल समीकरण $(1 + e^{2x})\, dy + (1 + y^2)\, e^x\, dx = 0$ का एक विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, दिया हुआ है कि $y = 1$ यदि $x = 0$.

10. अवकल समीकरण $y\, e^{\frac{x}{y}} dx = \left(x\, e^{\frac{x}{y}} + y^2\right) dy\ (y \neq 0)$ का हल ज्ञात कीजिए।

11. अवकल समीकरण $(x - y)\,(dx + dy) = dx - dy$ का एक विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, दिया हुआ है कि $y = -1$, यदि $x = 0$ (संकेत: $x - y = t$ रखें)।

12. अवकल समीकरण $\left[\frac{e^{-2\sqrt{x}}}{\sqrt{x}} - \frac{y}{\sqrt{x}}\right]\frac{dx}{dy} = 1\ (x \neq 0)$ का हल ज्ञात कीजिए।

13. अवकल समीकरण $\frac{dy}{dx} + y\cot x = 4x \operatorname{cosec} x\ (x \neq 0)$ का एक विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, दिया हुआ है कि $y = 0$ यदि $x = \frac{\pi}{2}$.

14. अवकल समीकरण $(x + 1)\frac{dy}{dx} = 2\, e^{-y} - 1$ का एक विशिष्ट हल ज्ञात कीजिए, दिया हुआ है कि $y = 0$ यदि $x = 0$.

15. किसी गाँव की जनसंख्या की वृद्धि की दर किसी भी समय उस गाँव के निवासियों की संख्या के समानुपाती है। यदि सन् 1999 में गाँव की जनसंख्या 20,000 थी और सन् 2004 में 25,000 थी, तो ज्ञात कीजिए कि सन् 2009 में गाँव की जनसंख्या क्या होगी?

16. अवकल समीकरण $\frac{y\,dx - x\,dy}{y} = 0$ का व्यापक हल है:

(A) $xy = C$ (B) $x = Cy^2$ (C) $y = Cx$ (D) $y = Cx^2$

17. $\frac{dx}{dy} + P_1 x = Q_1$ के रूप वाले अवकल समीकरण का व्यापक हल है:

(A) $y\, e^{\int P_1 dy} = \int \left(Q_1 e^{\int P_1 dy}\right) dy + C$

(B) $y \,.\, e^{\int P_1 dx} = \int \left(Q_1 e^{\int P_1 dx}\right) dx + C$

(C) $x\, e^{\int P_1 dy} = \int \left(Q_1 e^{\int P_1 dy}\right) dy + C$

(D) $x\, e^{\int P_1 dx} = \int \left(Q_1 e^{\int P_1 dx}\right) dx + C$

18. अवकल समीकरण $e^x\, dy + (y\, e^x + 2x)\, dx = 0$ का व्यापक हल है:

(A) $x\, e^y + x^2 = C$ (B) $x\, e^y + y^2 = C$ (C) $y\, e^x + x^2 = C$ (D) $y\, e^y + x^2 = C$

सारांश

- एक ऐसा समीकरण जिसमें स्वतंत्र चर (चरों) के सापेक्ष आश्रित चर के अवकलज (अवकलजों) सम्मिलित हों, अवकल समीकरण कहलाता है।
- किसी अवकल समीकरण में सम्मिलित उच्चतम अवकलज की कोटि, उस अवकल समीकरण की कोटि कहलाती है।
- यदि कोई अवकल समीकरण अवकलजों में बहुपद समीकरण हैं तो उस अवकल समीकरण की घात परिभाषित होती है।
- किसी अवकल समीकरण की घात (यदि परिभाषित हो) उस अवकल समीकरण में सम्मिलित उच्चतम कोटि अवकलज की उच्चतम घात (केवल धनात्मक पूर्णांक) होती है।
- एक दिए हुए अवकल समीकरण को संतुष्ट करने वाला फलन उस अवकल समीकरण का हल कहलाता है। एक ऐसा हल जिसमें उतने ही स्वेच्छ अचर हों, जितनी उस अवकल समीकरण की कोटि है, व्यापक हल कहलाता है और स्वेच्छ अचरों से मुक्त हल विशिष्ट हल कहलाता है।
- किसी दिए हुए फलन से अवकल समीकरण बनाने के लिए हम उस फलन का उत्तरोत्तर उतनी ही बार अवकलन करते हैं जितने उस फलन में स्वेच्छ अचर होते हैं और तब स्वेच्छ अचरों को विलुप्त करते हैं।
- चर पृथक्करणीय विधि ऐसे समीकरण को हल करने के लिए उपयोग की जाती है जिसमें चरों को पूरी तरह से पृथक् किया जा सकता है अर्थात् y वाले पद dy के साथ रहने चाहिए और x वाले पद dx के साथ रहने चाहिए।
- एक ऐसा अवकल समीकरण, जिसको $\dfrac{dy}{dx} = f(x, y)$ अथवा $\dfrac{dx}{dy} = g(x, y)$ के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है, जहाँ $f(x, y)$ एवं $g(x, y)$ शून्य घात वाले समघातीय फलन हैं, समघातीय अवकल समीकरण कहलाता है।
- $\dfrac{dy}{dx} + \text{P}y = \text{Q}$, के रूप वाला अवकल समीकरण, जिसमें P तथा Q अचर अथवा केवल x के फलन हैं, प्रथम कोटि रैखिक अवकल समीकरण कहलाता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

अवकल समीकरण विज्ञान की प्रमुख भाषाओं में से एक है। रोचक तथ्य यह है कि अवकल समीकरणों का अस्तित्व नवंबर 11, 1675 Gottfried Wilthelm Freiherr Leibnitz (1646-1716) ने सर्वप्रथम सर्वसमिका, $\int y\, dy = \frac{1}{2} y^2$, को लिखित रूप में प्रस्तुत किया तथा

उनसे दोनों प्रतीकों $\int$ और dy से परिचित कराया। वस्तुतः Leibnitz ऐसी वक्र को ज्ञात करने की समस्या में मग्न थे जिसकी स्पर्श रेखा निर्दिष्ट हों, इस समस्या ने सन् 1691 में उन्हें 'चरों के पृथक्करणीय विधि' के अन्वेषण का मार्गदर्शन कराया। एक वर्ष पश्चात् उन्होंने 'प्रथम कोटि के समघातीय समीकरणों के हल करने की विधि' का सूत्रीकरण किया। वे आगे बढ़े और अल्प समय में उन्होंने 'प्रथम कोटि के रैखिक अवकल समीकरणों को हल करने की विधि' का अन्वेषण किया। कितना आश्चर्यजनक है कि उपर्युक्त सभी विधियों की खोज अकेले एक व्यक्ति द्वारा अवकल समीकरणों के जन्म के पच्चीस वर्षों के अल्पावधि के अंतर्गत संपन्न हुई।

प्रारंभ में केवल समीकरणों के 'हल' करने की प्रविधि को अवकल समीकरणों के 'समाकलन' के रूप में निर्दिश्ट किया गया था। यह शब्द सन् 1690 में प्रथमतः James Bernoulli, (1654 – 1705) द्वारा प्रचलन में लाया गया। शब्द 'हल' का सर्वप्रथम प्रयोग Joseph Louis Lagrange (1736-1813), द्वारा सन् 1774 में किया गया। यह घटना अवकल समीकरणों के जन्म से लगभग 100 वर्षों बाद घटित हुई। ये Jules Henri Poincare (1854 – 1912), थे, जिन्होंने शब्द 'हल' के प्रयोग के लिए अकाट्य तर्क प्रस्तुत किया, फलतः आधुनिक शब्दावली में शब्द हल को अपना उचित स्थान प्राप्त हुआ। 'चरों के पृथक्करणीय विधि का नामकरण John Bernoulli (1667-1748), James Bernoulli के अनुज द्वारा किया गया। मई 20, 1715 को Leibnitz को लिखे अपने पत्र में, उन्होने निम्नलिखित अवकल समीकरण के हल की खोज किए

$$x^2 y'' = 2y$$

के हल तीन प्रकार की वक्रों नामतः परवलय, अतिपरवलय और घनीय वक्रों के एक समूह का मार्गदर्शन कराते हैं। यह दर्शाता है कि ऐसे सरल दिखाई पड़ने वाले अवकल समीकरणों के हल कैसे नाना रूप धारण करते हैं। 20वीं शताब्दी के उतरार्ध में 'अवकल समीकरणों के गुणात्मक विश्लेषण' शीर्षक के अंतर्गत अवकल समीकरणों के हलों की जटिल प्रकृति के आविष्कार हेतु ध्यान आकर्षित किया गया। आजकल इसने लगभग सभी अविष्कारों हेतु अत्यंत प्रविधि के रूप में प्रमुख स्थान प्राप्त कर लिया है।

अध्याय **10**

सदिश बीजगणित (Vector Algebra)

❖ *In most sciences one generation tears down what another has built and what one has established another undoes. In Mathematics alone each generation builds a new story to the old structure. – HERMAN HANKEL* ❖

10.1 भूमिका (Introduction)

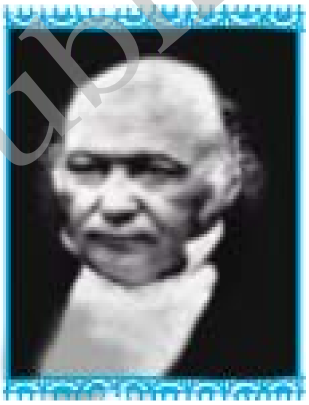
W.R. Hamilton
(1805-1865)

अपने दैनिक जीवन में हमें अनेक प्रश्न मिलते हैं जैसे कि आपकी ऊँचाई क्या है? एक फुटबाल के खिलाड़ी को अपनी ही टीम के दूसरे खिलाड़ी के पास गेंद पहुँचाने के लिए गेंद पर किस प्रकार प्रहार करना चाहिए? अवलोकन कीजिए कि प्रथम प्रश्न का संभावित उत्तर 1.6 मीटर हो सकता है। यह एक ऐसी राशि है जिसमें केवल एक मान परिमाण जो एक वास्तविक संख्या है, सम्मिलित है। ऐसी राशियाँ अदिश कहलाती है। तथापि दूसरे प्रश्न का उत्तर एक ऐसी राशि है (जिसे बल कहते हैं) जिसमें मांसपेशियों की शक्ति परिमाण के साथ-साथ दिशा (जिसमें दूसरा खिलाड़ी स्थित है) भी सम्मिलित है। ऐसी राशियाँ सदिश कहलाती है। गणित, भौतिकी एवं अभियांत्रिकी में ये दोनों प्रकार की राशियाँ नामत: अदिश राशियाँ, जैसे कि लंबाई, द्रव्यमान, समय, दूरी, गति, क्षेत्रफल, आयतन, तापमान, कार्य, धन, वोल्टता, घनत्व, प्रतिरोधक इत्यादि एवं सदिश राशियाँ जैसे कि विस्थापन, वेग, त्वरण, बल, भार, संवेग, विद्युत क्षेत्र की तीव्रता इत्यादि बहुधा मिलती हैं।

इस अध्याय में हम सदिशों की कुछ आधारभूत संकल्पनाएँ, सदिशों की विभिन्न संक्रियाएँ और इनके बीजीय एवं ज्यामितीय गुणधर्मों का अध्ययन करेंगे। इन दोनों प्रकार के गुणधर्मों का सम्मिलित रूप सदिशों की संकल्पना का पूर्ण अनुभूति देता है और उपर्युक्त चर्चित क्षेत्रों में इनकी विशाल उपयोगिता की ओर प्रेरित करता है।

10.2 कुछ आधारभूत संकल्पनाएँ (Some Basic Concepts)

मान लीजिए कि किसी तल अथवा त्रि-विमीय अंतरिक्ष में l कोई सरल रेखा है। तीर के निशानों की सहायता से इस रेखा को दो दिशाएँ प्रदान की जा सकती हैं। इन दोनों में से निश्चित दिशा वाली कोई

भी एक रेखा दिष्ट रेखा कहलाती है [आकृति 10.1 (i), (ii)]।

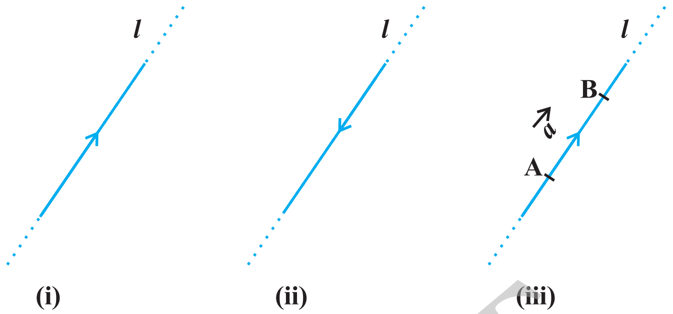

आकृति 10.1

अब प्रेक्षित कीजिए कि यदि हम रेखा '*l*' को रेखाखंड AB तक प्रतिबंधित कर देते हैं तब दोनों मे से किसी एक दिशा वाली रेखा '*l*' पर परिमाण निर्धारित हो जाता है। इस प्रकार हमें एक दिष्ट रेखाखंड प्राप्त होता है (आकृति 10.1(iii))। अत: एक दिष्ट रेखाखंड में परिमाण एवं दिशा दोनों होते हैं।

परिभाषा 1 एक ऐसी राशि जिसमें परिमाण एवं दिशा दोनों होते हैं, सदिश कहलाती है।

ध्यान दीजिए कि एक दिष्ट रेखाखंड सदिश होता है (आकृति 10.1(iii)), जिसे $\overrightarrow{AB}$ अथवा साधारणत: $\vec{a}$, के रूप में निर्दिष्ट करते हैं और इसे सदिश '$\overrightarrow{AB}$' अथवा सदिश '$\vec{a}$' के रूप में पढ़ते हैं।

वह बिंदु A जहाँ से सदिश $\overrightarrow{AB}$ प्रारंभ होता है, प्रारंभिक बिंदु कहलाता है और वह बिंदु B जहाँ पर सदिश $\overrightarrow{AB}$, समाप्त होता है अंतिम बिंदु कहलाता है। किसी सदिश के प्रारंभिक एवं अंतिम बिंदुओं के बीच की दूरी सदिश का परिमाण (अथवा लंबाई) कहलाता है और इसे $|\overrightarrow{AB}|$ अथवा $|\vec{a}|$ के रूप में निर्दिष्ट किया जाता है। तीर का निशान सदिश की दिशा को निर्दिष्ट करता है।

टिप्पणी क्योंकि लंबाई कभी भी ऋणात्मक नहीं होती है इसलिए संकेतन $|\vec{a}| < 0$ का कोई अर्थ नहीं है।

स्थिति सदिश (Position Vector)

कक्षा XI से, त्रि-विमीय दक्षिणावर्ती समकोणिक निर्देशांक पद्धति को स्मरण कीजिए (आकृति 10.2 (i))। अंतरिक्ष में मूल बिंदु O(0, 0, 0) के सापेक्ष एक ऐसा बिंदु P लीजिए जिसके निर्देशांक (x, y, z) है। तब सदिश $\overrightarrow{OP}$ जिसमें O और P क्रमश: प्रारंभिक एवं अंतिम बिंदु हैं, O के

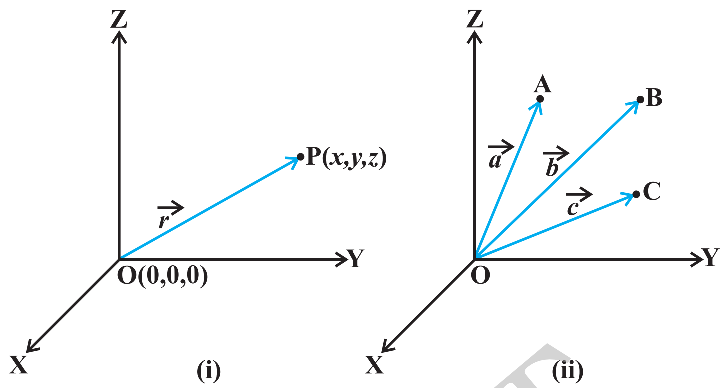

आकृति 10.2

सापेक्ष बिंदु P का स्थिति सदिश कहलाता है। दूरी सूत्र (कक्षा XI से) का उपयोग करते हुए $\overrightarrow{OP}$ (अथवा $\vec{r}$) का परिमाण निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है:

$$|\overrightarrow{OP}| = \sqrt{x^2 + y^2 + z^2}$$

व्यवहार में मूल बिंदु O के सापेक्ष, बिंदुओं A, B, C इत्यादि के स्थिति सदिश क्रमशः $\vec{a}, \vec{b}, \vec{c}$ से निर्दिष्ट किए जाते हैं [आकृति 10.2(ii)]।

दिक्-कोसाइन (Direction Cosines)

एक बिंदु $P(x, y, z)$ का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP}$ (अथवा $\vec{r}$) लीजिए जैसा कि आकृति 10.3 में दर्शाया गया है। सदिश $\vec{r}$ द्वारा x, y एवं z-अक्ष की धनात्मक दिशाओं के साथ बनाए गए क्रमशः कोण

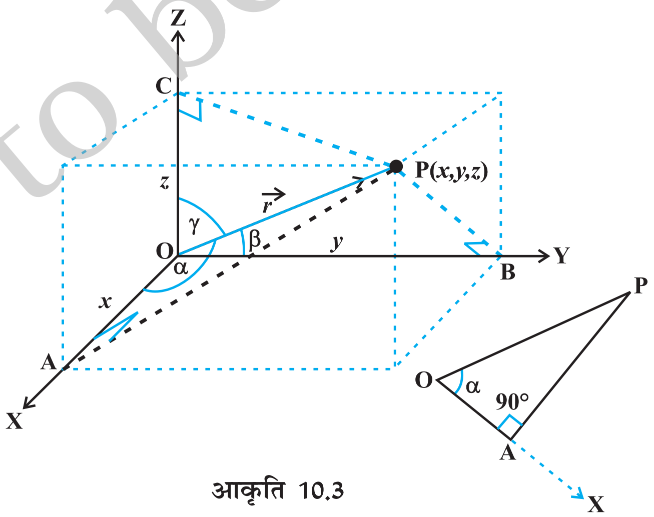

आकृति 10.3

α, β, एवं γ दिशा कोण कहलाते हैं। इन कोणों के कोसाइन मान अर्थात् $\cos\alpha, \cos\beta$ एवं $\cos\gamma$ सदिश $\vec{r}$ के दिक्-कोसाइन कहलाते हैं और सामान्यतः इनको क्रमशः l, m एवं n से निर्दिष्ट किया जाता है।

आकृति 10.3, से हम देखते हैं कि त्रिभुज OAP एक समकोण त्रिभुज है और इस त्रिभुज से हम $\cos\alpha = \frac{x}{r}$ (r को $|\vec{r}|$ के लिए प्रयोग किया गया है) प्राप्त करते हैं। इसी प्रकार समकोण त्रिभुजों OBP एवं OCP से हम $\cos\beta = \frac{y}{r}$ एवं $\cos\gamma = \frac{z}{r}$ लिख सकते हैं। इस प्रकार बिंदु P के निर्देशांकों को (lr, mr, nr) के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। दिक्-कोसाइन के समानुपाती संख्याएँ lr, mr एवं nr सदिश $\vec{r}$ के दिक्-अनुपात कहलाते हैं और इनको क्रमशः a, b तथा c से निर्दिष्ट किया जाता है।

टिप्पणी हम नोट कर सकते हैं कि $l^2 + m^2 + n^2 = 1$ परंतु सामान्यतः $a^2 + b^2 + c^2 \neq 1$

10.3 सदिशों के प्रकार (Types of Vectors)

शून्य सदिश [Zero (null) Vector] एक सदिश जिसके प्रारंभिक एवं अंतिम बिंदु संपाती होते हैं, शून्य सदिश कहलाता है और इसे $\vec{0}$ के रूप में निर्दिष्ट किया जाता है। शून्य सदिश को कोई निश्चित दिशा प्रदान नहीं की जा सकती क्योंकि इसका परिमाण शून्य होता है अथवा विकल्पतः इसको कोई भी दिशा धारण किए हुए माना जा सकता है। सदिश $\overrightarrow{AA}, \overrightarrow{BB}$ शून्य सदिश को निरूपित करते हैं।

मात्रक सदिश (Unit Vector) एक सदिश जिसका परिमाण एक (अथवा 1 इकाई) है मात्रक सदिश कहलाता है। किसी दिए हुए सदिश $\vec{a}$ की दिशा में मात्रक सदिश को $\hat{a}$ से निर्दिष्ट किया जाता है।

सह-आदिम सदिश (Co-initial Vectors) दो अथवा अधिक सदिश जिनका एक ही प्रारंभिक बिंदु है, सह आदिम सदिश कहलाते हैं।

संरेख सदिश (Collinear Vectors) दो अथवा अधिक सदिश यदि एक ही रेखा के समांतर है तो वे संरेख सदिश कहलाते हैं।

समान सदिश (Equal Vectors) दो सदिश $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ समान सदिश कहलाते हैं यदि उनके परिमाण एवं दिशा समान हैं। इनको $\vec{a} = \vec{b}$ के रूप में लिखा जाता है।

ऋणात्मक सदिश (Negative of a Vector) एक सदिश जिसका परिमाण दिए हुए सदिश (मान लीजिए $\overrightarrow{AB}$) के समान है परंतु जिसकी दिशा दिए हुए सदिश की दिशा के विपरीत है, दिए हुए सदिश का ऋणात्मक कहलाता है। उदाहरणतः सदिश $\overrightarrow{BA}$, सदिश $\overrightarrow{AB}$ का ऋणात्मक है और इसे $\overrightarrow{BA} = -\overrightarrow{AB}$ के रूप में लिखा जाता है।

टिप्पणी उपर्युक्त परिभाषित सदिश इस प्रकार है कि उनमें से किसी को भी उसके परिमाण एवं दिशा को परिवर्तित किए बिना स्वयं के समांतर विस्थापित किया जा सकता है। इस प्रकार के सदिश स्वतंत्र सदिश कहलाते हैं। इस पूरे अध्याय में हम स्वतंत्र सदिशों की ही चर्चा करेंगे।

उदाहरण 1 दक्षिण से 30° पश्चिम में, 40 km के विस्थापन का आलेखीय निरूपण कीजिए।

हल सदिश $\overrightarrow{OP}$ अभीष्ट विस्थापन को निरूपित करता है (आकृति 10.4 देखिए)।

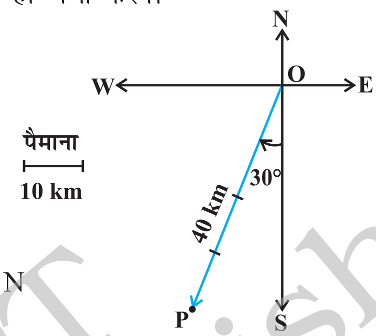

आकृति 10.4

उदाहरण 2 निम्नलिखित मापों को अदिश एवं सदिश के रूप में श्रेणीबद्ध कीजिए।

(i) 5 s (ii) 1000 cm^3 (iii) 10 N
(iv) 30 km/h (v) 10 g/cm^3
(vi) 20 m/s उत्तर की ओर

हल

(i) समय-अदिश (ii) आयतन-अदिश (iii) बल-सदिश
(iv) गति-अदिश (v) घनत्व-अदिश (vi) वेग-सदिश

उदाहरण 3 आकृति 10.5 में कौन से सदिश

(i) संरेख हैं
(ii) समान हैं
(iii) सह-आदिम हैं

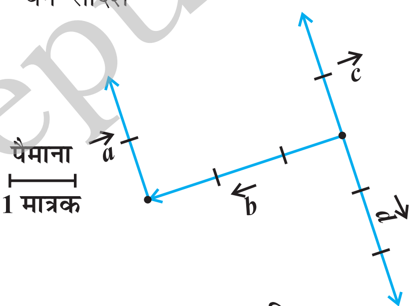

आकृति 10.5

हल

(i) संरेख सदिश : $\vec{a}, \vec{c}$ तथा $\vec{d}$
(ii) समान सदिश : $\vec{a}$ तथा $\vec{c}$
(iii) सह-आदिम सदिश : $\vec{b}, \vec{c}$ तथा $\vec{d}$

प्रश्नावली 10.1

1. उत्तर से 30° पूर्व में 40 km के विस्थापन का आलेखीय निरूपण कीजिए।
2. निम्नलिखित मापों को अदिश एवं सदिश के रूप में श्रेणीबद्ध कीजिए।
   (i) 10 kg (ii) 2 मीटर उत्तर-पश्चिम (iii) 40°
   (iv) 40 वाट (v) 10^{-19} कूलंब (vi) 20 m/s^2
3. निम्नलिखित को अदिश एवं सदिश राशियों के रूप में श्रेणीबद्ध कीजिए।
   (i) समय कालांश (ii) दूरी (iii) बल
   (iv) वेग (v) कार्य

4. आकृति 10.6 (एक वर्ग) में निम्नलिखित सदिशों को पहचानिए।
   (i) सह-आदिम (ii) समान
   (iii) संरेख परंतु असमान

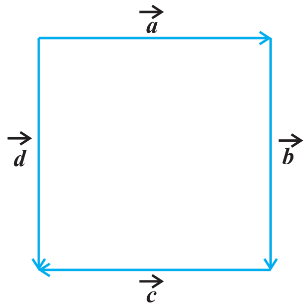

आकृति 10.6

5. निम्नलिखित का उत्तर सत्य अथवा असत्य के रूप में दीजिए।
   (i) $\vec{a}$ तथा $-\vec{a}$ संरेख हैं।
   (ii) दो संरेख सदिशों का परिमाण सदैव समान होता है।
   (iii) समान परिमाण वाले दो सदिश संरेख होते हैं।
   (iv) समान परिमाण वाले दो संरेख सदिश समान होते हैं।

10.4 सदिशों का योगफल (Addition of Vectors)

सदिश $\overrightarrow{AB}$ से साधारणत: हमारा तात्पर्य है बिंदु A से बिंदु B तक विस्थापन। अब एक ऐसी स्थिति की चर्चा कीजिए जिसमें एक लड़की बिंदु A से बिंदु B तक चलती है और उसके बाद बिंदु B से बिंदु C तक चलती है (आकृति 10.7)। बिंदु A से बिंदु C तक लड़की द्वारा किया गया कुल विस्थापन सदिश, $\overrightarrow{AC}$ से प्राप्त होता है और इसे $\overrightarrow{AC} = \overrightarrow{AB} + \overrightarrow{BC}$ के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है।

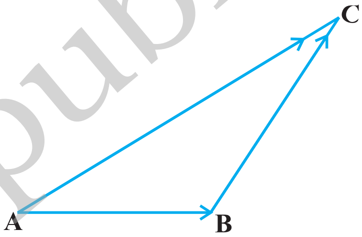

आकृति 10.7

यह सदिश योग का त्रिभुज नियम कहलाता है।

सामान्यत:, यदि हमारे पास दो सदिश $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ हैं [आकृति 10.8 (i)], तो उनका योग ज्ञात करने के लिए उन्हें इस स्थिति में लाया जाता है, ताकि एक का प्रारंभिक बिंदु दूसरे के अंतिम बिंदु के संपाती हो जाए [आकृति 10.8(ii)]।

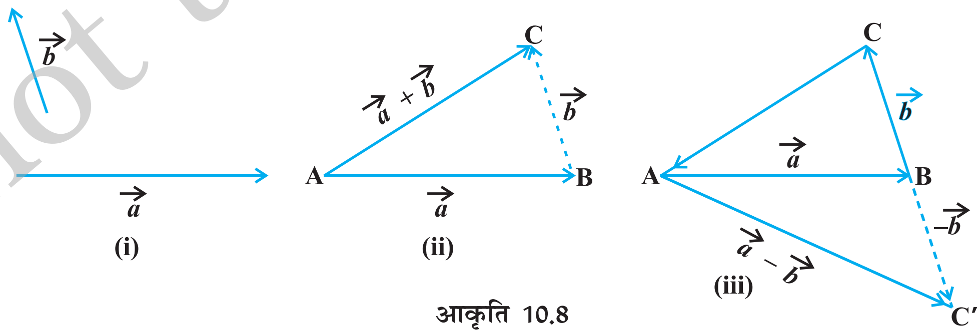

आकृति 10.8

उदाहरणत: आकृति 10.8 (ii) में, हमने सदिश $\vec{b}$ के परिमाण एवं दिशा को परिवर्तित किए बिना इस प्रकार स्थानांतरित किया है ताकि इसका प्रारंभिक बिंदु, $\vec{a}$ के अंतिम बिंदु के संपाती है तब त्रिभुज ABC की तीसरी भुजा AC द्वारा निरूपित सदिश $\vec{a}+\vec{b}$ हमें सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ का योग (अथवा परिणामी) प्रदान करता है, अर्थात् त्रिभुज ABC में हम पाते हैं कि $\overrightarrow{AB}+\overrightarrow{BC} = \overrightarrow{AC}$ [आकृति 10.8 (ii)]।

अब पुन: क्योंकि $\overrightarrow{AC} = -\overrightarrow{CA}$, इसलिए उपर्युक्त समीकरण से हम पाते हैं कि

$$\overrightarrow{AB}+\overrightarrow{BC}+\overrightarrow{CA} = \overrightarrow{AA} = \vec{0}$$

इसका तात्पर्य यह है कि किसी त्रिभुज की भुजाओं को यदि एक क्रम में लिया जाए तो यह शून्य परिणामी की ओर प्रेरित करता है क्योंकि प्रारंभिक एवं अंतिम बिंदु संपाती हो जाते हैं [आकृति 10.8(iii)]।

अब एक सदिश $\overrightarrow{BC'}$ की रचना इस प्रकार कीजिए ताकि इसका परिमाण सदिश $\overrightarrow{BC}$, के परिमाण के समान हो, परंतु इसकी दिशा $\overrightarrow{BC}$ की दिशा के विपरीत हो आकृति 10.8(iii) अर्थात् $\overrightarrow{BC'} = -\overrightarrow{BC}$ तब त्रिभुज नियम का अनुप्रयोग करते हुए [आकृति 10.8(iii)] से हम पाते हैं कि

$$\overrightarrow{AC'} = \overrightarrow{AB}+\overrightarrow{BC'} = \overrightarrow{AB}+(-\overrightarrow{BC}) = \vec{a}-\vec{b}$$

सदिश $\overrightarrow{AC'}$, $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के अंतर को निरूपित करता है।

अब किसी नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक पानी के बहाव की दिशा के लंबवत् जाने वाली एक नाव की चर्चा करते हैं। तब इस नाव पर दो वेग सदिश कार्य कर रहे हैं, एक इंजन द्वारा नाव को दिया गया वेग और दूसरा नदी के पानी के बहाव का वेग। इन दो वेगों के युगपत प्रभाव से नाव वास्तव में एक भिन्न वेग से चलना शुरू करती है। इस नाव की प्रभावी गति एवं दिशा (अर्थात् परिणामी वेग) के बारे में यथार्थ विचार लाने के लिए हमारे पास सदिश योगफल का निम्नलिखित नियम है।

यदि हमारे पास एक समांतर चतुर्भुज की दो संलग्न भुजाओं से निरूपित किए जाने वाले (परिमाण एवं दिशा सहित) दो सदिश $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ है (आकृति 10.9) तब समांतर चतुर्भुज की इन दोनों भुजाओं के उभयनिष्ठ बिंदु से गुजरने वाला विकर्ण इन दोनों सदिशों के योग $\vec{a}+\vec{b}$ को परिमाण एवं दिशा सहित निरूपित करता है। यह सदिश योग का समांतर चतुर्भुज नियम कहलाता है।

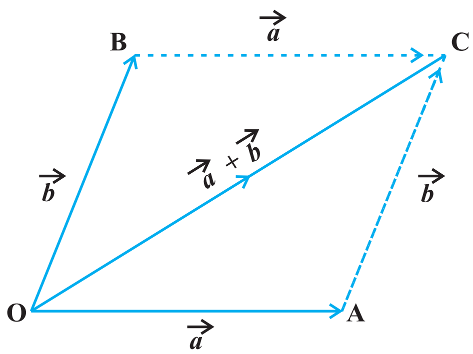

आकृति 10.9

टिप्पणी त्रिभुज नियम का उपयोग करते हुए आकृति 10.9 से हम नोट कर सकते हैं कि $\overrightarrow{OA}+\overrightarrow{AC} = \overrightarrow{OC}$ या $\overrightarrow{OA}+\overrightarrow{OB} = \overrightarrow{OC}$ (क्योंकि $\overrightarrow{AC}=\overrightarrow{OB}$) जो कि समांतर चतुर्भुज नियम है। अतः हम कह सकते हैं कि सदिश योग के दो नियम एक दूसरे के समतुल्य हैं।

सदिश योगफल के गुणधर्म (Properties of vector addition)

गुणधर्म 1 दो सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के लिए

$$\vec{a}+\vec{b} = \vec{b}+\vec{a} \qquad \text{(क्रमविनिमयता)}$$

उपपत्ति समांतर चतुर्भुज ABCD को लीजिए (आकृति 10.10) मान लीजिए $\overrightarrow{AB}=\vec{a}$ और $\overrightarrow{BC}=\vec{b}$, तब त्रिभुज ABC में त्रिभुज नियम का उपयोग करते हुए हम पाते हैं कि $\overrightarrow{AC} = \vec{a}+\vec{b}$

अब, क्योंकि समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजाएँ समान एवं समांतर है, इसलिए आकृति 10.10 में $\overrightarrow{AD}=\overrightarrow{BC}=\vec{b}$ और $\overrightarrow{DC}=\overrightarrow{AB}=\vec{a}$ है। पुनः त्रिभुज ADC में त्रिभुज नियम के प्रयोग से $\overrightarrow{AC} = \overrightarrow{AD}+\overrightarrow{DC}$

$=\vec{b}+\vec{a}$

अतः $\quad \vec{a}+\vec{b} = \vec{b}+\vec{a}$

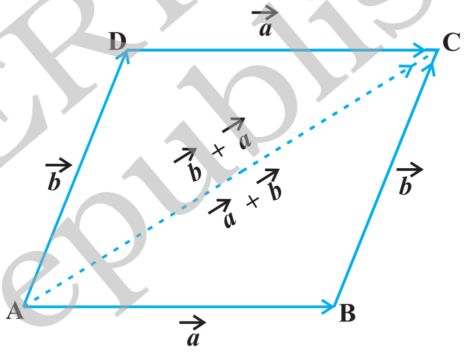

आकृति 10.10

गुणधर्म 2 तीन सदिशों $\vec{a},\vec{b}$ और $\vec{c}$ के लिए

$$(\vec{a}+\vec{b})+\vec{c} = \vec{a}+(\vec{b}+\vec{c}) \qquad \text{(साहचर्य गुण)}$$

उपपत्ति मान लीजिए, सदिशों $\vec{a},\vec{b}$ तथा $\vec{c}$ को क्रमशः $\overrightarrow{PQ}$, $\overrightarrow{QR}$ एवं $\overrightarrow{RS}$ से निरूपित किया गया है जैसा कि आकृति 10.11(i) और (ii) में दर्शाया गया है।

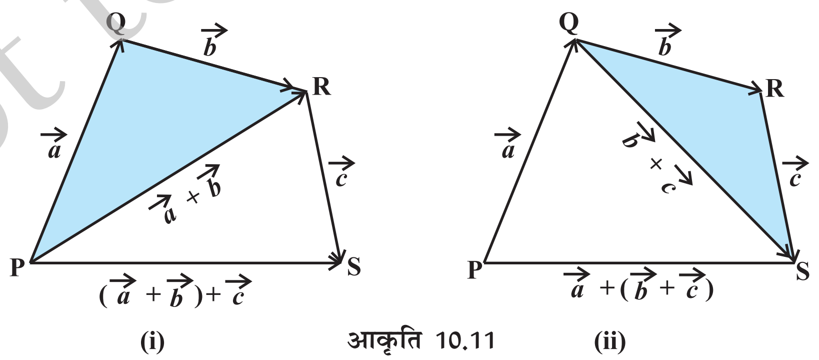

आकृति 10.11

तब $\vec{a}+\vec{b} = \overrightarrow{PQ}+\overrightarrow{QR}=\overrightarrow{PR}$

और $\vec{b}+\vec{c} = \overrightarrow{QR}+\overrightarrow{RS}=\overrightarrow{QS}$

इसलिए $(\vec{a}+\vec{b})+\vec{c} = \overrightarrow{PR}+\overrightarrow{RS}=\overrightarrow{PS}$

और $\vec{a}+(\vec{b}+\vec{c}) = \overrightarrow{PQ}+\overrightarrow{QS}=\overrightarrow{PS}$

अतः $(\vec{a}+\vec{b})+\vec{c} = \vec{a}+(\vec{b}+\vec{c})$

टिप्पणी सदिश योगफल के साहचर्य गुणधर्म की सहायता से हम तीन सदिशों $\vec{a},\vec{b}$ तथा $\vec{c}$ का योगफल कोष्ठकों का उपयोग किए बिना $\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}$ के रूप में लिखते हैं।

नोट कीजिए कि किसी सदिश $\vec{a}$ के लिए हम पाते हैं:

$$\vec{a}+\vec{0} = \vec{0}+\vec{a}=\vec{a}$$

यहाँ शून्य सदिश $\vec{0}$ सदिश योगफल के लिए योज्य सर्वसमिका कहलाता है।

10.5 एक अदिश से सदिश का गुणन (Multiplication of a Vector by a Scalar)

मान लीजिए कि $\vec{a}$ एक दिया हुआ सदिश है और λ एक अदिश है। तब सदिश $\vec{a}$ का अदिश λ, से गुणनफल जिसे $\lambda\vec{a}$ के रूप में निर्दिष्ट किया जाता है, सदिश $\vec{a}$ का अदिश λ से गुणन कहलाता है। नोट कीजिए कि $\lambda\vec{a}$ भी सदिश $\vec{a}$ के संरेख एक सदिश है। λ के मान धनात्मक अथवा ऋणात्मक होने के अनुसार $\lambda\vec{a}$ की दिशा, $\vec{a}$ के समान अथवा विपरीत होती है। $\lambda\vec{a}$ का परिमाण $\vec{a}$ के परिमाण का $|\lambda|$ गुणा होता है, अर्थात्

$$|\lambda\vec{a}| = |\lambda||\vec{a}|$$

एक अदिश से सदिश के गुणन का ज्यामितीय चाक्षुषीकरण [रूप की कल्पना (visualisation)] आकृति 10.12 में दी गई है।

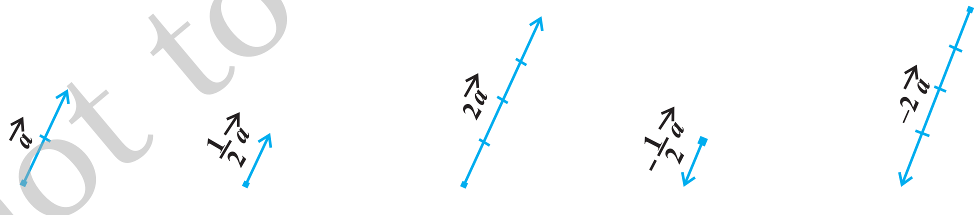

आकृति 10.12

जब $\lambda=-1$, तब $\lambda\vec{a}=-\vec{a}$ जो एक ऐसा सदिश है जिसका परिमाण $\vec{a}$ के समान है और दिशा $\vec{a}$ की दिशा के विपरीत है। सदिश $-\vec{a}$ सदिश $\vec{a}$ का ऋणात्मक (अथवा योज्य प्रतिलोम)कहलाता है और हम हमेशा $\vec{a}+(-\vec{a}) = (-\vec{a})+\vec{a}=\vec{0}$ पाते हैं।

और यदि $\lambda = \frac{1}{|\vec{a}|}$, दिया हुआ है कि $\vec{a} \neq 0$, अर्थात् $\vec{a}$ एक शून्य सदिश नहीं है तब

$$|\lambda\vec{a}| = |\lambda||\vec{a}| = \frac{1}{|\vec{a}|}|\vec{a}| = 1$$

इस प्रकार $\lambda\vec{a}$, $\vec{a}$ की दिशा में मात्रक सदिश को निरूपित करता है। हम इसे

$$\hat{a} = \frac{1}{|\vec{a}|}\vec{a} \text{ के रूप में लिखते हैं।}$$

टिप्पणी किसी भी अदिश k के लिए $k\vec{0} = \vec{0}$

10.5.1 *एक सदिश के घटक (Components of a vector)*

आईए बिंदुओं $A(1, 0, 0)$, $B(0, 1, 0)$ और $C(0,0, 1)$ को क्रमशः x-अक्ष, y-अक्ष एवं z-अक्ष पर लेते हैं। तब स्पष्टतः

$$|\overrightarrow{OA}| = 1, |\overrightarrow{OB}| = 1 \text{ और } |\overrightarrow{OC}| = 1$$

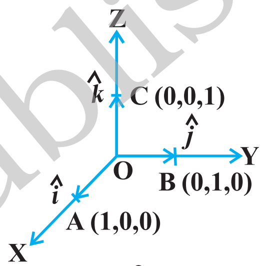

आकृति 10.13

सदिश $\overrightarrow{OA}$, $\overrightarrow{OB}$ और $\overrightarrow{OC}$ जिनमें से प्रत्येक का परिमाण 1 हैं क्रमशः OX, OY और OZ अक्षों के अनुदिश मात्रक सदिश कहलाते हैं और इनको क्रमशः $\hat{i}$, $\hat{j}$ और $\hat{k}$ द्वारा निर्दिष्ट किया जाता है (आकृति 10.13)।

अब एक बिंदु $P(x, y, z)$ का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP}$ लीजिए जैसा कि आकृति 10.14 में दर्शाया गया है। मान लीजिए कि बिंदु P_1 से तल XOY पर खींचे गए लंब का पाद बिंदु P_1 है। इस प्रकार हम देखते हैं कि P_1P, z-अक्ष के समांतर है। क्योंकि $\hat{i}$, $\hat{j}$ एवं $\hat{k}$ क्रमशः x, y एवं z-अक्ष के अनुदिश मात्रक सदिश है और P के निर्देशांकों की परिभाषा के अनुसार हम पाते हैं कि $\overrightarrow{P_1P} = \overrightarrow{OR} = z\hat{k}$. इसी प्रकार $\overrightarrow{QP_1} = \overrightarrow{OS} = y\hat{j}$ और $\overrightarrow{OQ} = x\hat{i}$. इस प्रकार हम पाते हैं कि

$$\overrightarrow{OP_1} = \overrightarrow{OQ} + \overrightarrow{QP_1} = x\hat{i} + y\hat{j}$$

और

$$\overrightarrow{OP} = \overrightarrow{OP_1} + \overrightarrow{P_1P} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}$$

इस प्रकार O के सापेक्ष P का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP}$ (अथवा $\vec{r}$) $= x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}$ के रूप में प्राप्त होता है।

किसी भी सदिश का यह रूप घटक रूप कहलाता है। यहाँ x, y एवं z, $\vec{r}$ के अदिश घटक कहलाते हैं और $x\hat{i}$, $y\hat{j}$ एवं $z\hat{k}$ क्रमागत अक्षों के अनुदिश $\vec{r}$ के सदिश घटक कहलाते हैं। कभी-कभी x, y एवं z को समकोणिक घटक भी कहा जाता है।

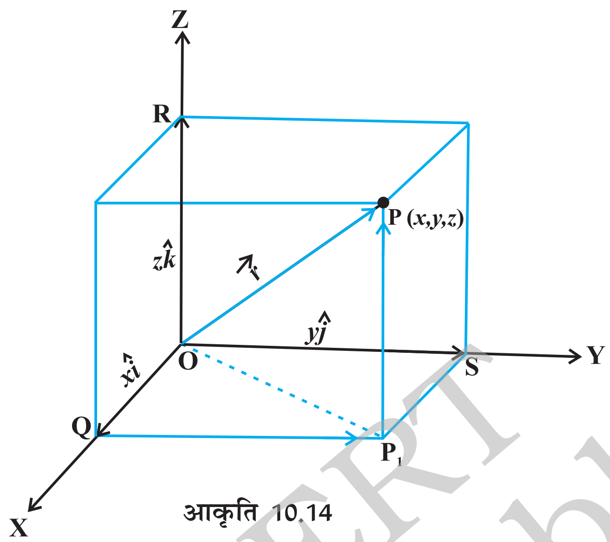

आकृति 10.14

किसी सदिश $\vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}$, की लंबाई पाइथागोरस प्रमेय का दो बार प्रयोग करके तुरंत ज्ञात की जा सकती है। हम नोट करते हैं कि समकोण त्रिभुज OQP_1 में (आकृति 10.14)

$$|\overrightarrow{OP_1}| = \sqrt{|\overrightarrow{OQ}|^2 + |\overrightarrow{QP_1}|^2} = \sqrt{x^2 + y^2}$$

और समकोण त्रिभुज OP_1P, में हम पाते हैं कि

$$|\overrightarrow{OP}| = \sqrt{|\overrightarrow{OP_1}|^2 + |\overrightarrow{P_1P}|^2} = \sqrt{(x^2 + y^2) + z^2}$$

अत: किसी सदिश $\vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}$ की लंबाई $|\vec{r}| = |x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}| = \sqrt{x^2 + y^2 + z^2}$ के रूप में प्राप्त होती है।

यदि दो सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ घटक रूप में क्रमश: $a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$ और $b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k}$ द्वारा दिए गए हैं तो

(i) सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ का योग

$\vec{a} + \vec{b} = (a_1 + b_1)\hat{i} + (a_2 + b_2)\hat{j} + (a_3 + b_3)\hat{k}$ के रूप में प्राप्त होता है।

(ii) सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ का अंतर

$\vec{a} - \vec{b} = (a_1 - b_1)\hat{i} + (a_2 - b_2)\hat{j} + (a_3 - b_3)\hat{k}$ के रूप में प्राप्त होता है।

(iii) सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ समान होते हैं यदि और केवल यदि

$a_1 = b_1,\ a_2 = b_2$ और $a_3 = b_3$

(iv) किसी अदिश λ से सदिश $\vec{a}$ का गुणन

$\lambda\vec{a} = (\lambda a_1)\hat{i} + (\lambda a_2)\hat{j} + (\lambda a_3)\hat{k}$ द्वारा प्रदत्त है।

सदिशों का योगफल और किसी अदिश से सदिश का गुणन सम्मिलित रूप में निम्नलिखित वितरण-नियम से मिलता है

मान लीजिए कि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ कोई दो सदिश हैं और k एवं m दो अदिश हैं तब

(i) $k\vec{a} + m\vec{a} = (k+m)\vec{a}$ (ii) $k(m\vec{a}) = (km)\vec{a}$ (iii) $k(\vec{a}+\vec{b}) = k\vec{a} + k\vec{b}$

टिप्पणी

1. आप प्रेक्षित कर सकते हैं कि λ के किसी भी मान के लिए सदिश $\lambda\vec{a}$ हमेशा सदिश $\vec{a}$ के संरेख है। वास्तव में दो सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ संरेख तभी होते हैं यदि और केवल यदि एक ऐसे शून्येतर अदिश λ का अस्तित्व हैं ताकि $\vec{b} = \lambda\vec{a}$ हो। यदि सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ घटक रूप में दिए हुए हैं, अर्थात् $\vec{a} = a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$ और $\vec{b} = b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k}$, तब दो सदिश संरेख होते हैं यदि और केवल यदि

$$b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k} = \lambda(a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k})$$

$$\Leftrightarrow \quad b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k} = (\lambda a_1)\hat{i} + (\lambda a_2)\hat{j} + (\lambda a_3)\hat{k}$$

$$\Leftrightarrow \quad b_1 = \lambda a_1,\ b_2 = \lambda a_2,\ b_3 = \lambda a_3$$

$$\Leftrightarrow \quad \frac{b_1}{a_1} = \frac{b_2}{a_2} = \frac{b_3}{a_3} = \lambda$$

2. यदि $\vec{a} = a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$ तब a_1, a_2, a_3 सदिश $\vec{a}$ के दिक्-अनुपात कहलाते हैं।
3. यदि l, m, n किसी सदिश के दिक्-कोसाइन हैं तब

$$l\hat{i} + m\hat{j} + n\hat{k} = (\cos\alpha)\hat{i} + (\cos\beta)\hat{j} + (\cos\gamma)\hat{k}$$

दिए हुए सदिश की दिशा में मात्रक सदिश है जहाँ α, β एवं γ दिए हुए सदिश द्वारा क्रमशः x, y एवं z अक्ष के साथ बनाए गए कोण हैं।

उदाहरण 4 x, y और z के मान ज्ञात कीजिए ताकि सदिश $\vec{a} = x\hat{i} + 2\hat{j} + z\hat{k}$ और $\vec{b} = 2\hat{i} + y\hat{j} + \hat{k}$ समान हैं।

हल ध्यान दीजिए कि दो सदिश समान होते हैं यदि और केवल यदि उनके संगत घटक समान है। अतः दिए हुए सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ समान होंगे यदि और केवल यदि $x = 2, y = 2, z = 1$

उदाहरण 5 मान लीजिए $\vec{a} = \hat{i} + 2\hat{j}$ और $\vec{b} = 2\hat{i} + \hat{j}$ तब क्या $|\vec{a}| = |\vec{b}|$ है? क्या सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ समान हैं?

हल यहाँ $|\vec{a}| = \sqrt{1^2 + 2^2} = \sqrt{5}$ और $|\vec{b}| = \sqrt{2^2 + 1^2} = \sqrt{5}$

इसलिए $|\vec{a}| = |\vec{b}|$ परंतु दिए हुए सदिश समान नहीं हैं क्योंकि इनके संगत घटक भिन्न हैं।

उदाहरण 6 सदिश $\vec{a} = 2\hat{i} + 3\hat{j} + \hat{k}$ के अनुदिश मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए।

हल सदिश $\vec{a}$ के अनुदिश मात्रक सदिश $\hat{a} = \frac{1}{|\vec{a}|}\vec{a}$ द्वारा प्राप्त होता है।

अब $$|\vec{a}| = \sqrt{2^2 + 3^2 + 1^2} = \sqrt{14}$$

इसलिए $$\hat{a} = \frac{1}{\sqrt{14}}(2\hat{i} + 3\hat{j} + \hat{k}) = \frac{2}{\sqrt{14}}\hat{i} + \frac{3}{\sqrt{14}}\hat{j} + \frac{1}{\sqrt{14}}\hat{k}$$

उदाहरण 7 सदिश $\vec{a} = \hat{i} - 2\hat{j}$ के अनुदिश एक ऐसा सदिश ज्ञात कीजिए जिसका परिमाण 7 इकाई है।

हल दिए हुए सदिश $\vec{a}$ के अनुदिश मात्रक सदिश $\hat{a} = \frac{1}{|\vec{a}|}\vec{a} = \frac{1}{\sqrt{5}}(\hat{i} - 2\hat{j}) = \frac{1}{\sqrt{5}}\hat{i} - \frac{2}{\sqrt{5}}\hat{j}$ है।

इसलिए $\vec{a}$ के अनुदिश और 7 परिमाण वाला सदिश $7\hat{a} = 7\left(\frac{1}{\sqrt{5}}\hat{i} - \frac{2}{\sqrt{5}}\hat{j}\right) = \frac{7}{\sqrt{5}}\hat{i} - \frac{14}{\sqrt{5}}\hat{j}$ है।

उदाहरण 8 सदिशों $\vec{a} = 2\hat{i} + 2\hat{j} - 5\hat{k}$ और $\vec{b} = 2\hat{i} + \hat{j} + 3\hat{k}$ के योगफल के अनुदिश मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए।

हल दिए हुए सदिशों का योगफल

$$\vec{a} + \vec{b} = \vec{c}, \text{ जहाँ } \vec{c} = 4\hat{i} + 3\hat{j} - 2\hat{k} \text{ है।}$$

और $$|\vec{c}| = \sqrt{4^2 + 3^2 + (-2)^2} = \sqrt{29}$$

अतः अभीष्ट मात्रक सदिश

$$\hat{c} = \frac{1}{|\vec{c}|}\vec{c} = \frac{1}{\sqrt{29}}(4\hat{i} + 3\hat{j} - 2\hat{k}) = \frac{4}{\sqrt{29}}\hat{i} + \frac{3}{\sqrt{29}}\hat{j} - \frac{2}{\sqrt{29}}\hat{k} \text{ है।}$$

उदाहरण 9 सदिश $\vec{a} = \hat{i} + \hat{j} - 2\hat{k}$ के दिक्-अनुपात लिखिए और इसकी सहायता से दिक्-कोसाइन ज्ञात कीजिए।

हल ध्यान दीजिए कि सदिश $\vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j} + z\hat{k}$ के दिक्-अनुपात a, b, c सदिश के, क्रमागत घटक x, y, z होते हैं। इसलिए दिए हुए सदिश के लिए हम पाते हैं कि $a = 1, b = 1$ और $c = -2$ है। पुनः यदि l, m और n दिए हुए सदिश के दिक्-कोसाइन हैं तोः

$$l = \frac{a}{|\vec{r}|} = \frac{1}{\sqrt{6}}, \quad m = \frac{b}{|\vec{r}|} = \frac{1}{\sqrt{6}}, \quad n = \frac{c}{|\vec{r}|} = \frac{-2}{\sqrt{6}} \text{ (क्योंकि } |\vec{r}| = \sqrt{6})$$

अतः दिक्-कोसाइन $\left(\frac{1}{\sqrt{6}}, \frac{1}{\sqrt{6}}, -\frac{2}{\sqrt{6}}\right)$ हैं।

10.5.2 दो बिंदुओं को मिलाने वाला सदिश (Vector joining two points)

यदि $P_1(x_1, y_1, z_1)$ और $P_2(x_2, y_2, z_2)$ दो बिंदु हैं तब P_1 को P_2 से मिलाने वाला सदिश $\overrightarrow{P_1P_2}$ है (आकृति 10.15)। P_1 और P_2 को मूल बिंदु O से मिलाने पर और त्रिभुज नियम का प्रयोग करने पर हम त्रिभुज OP_1P_2 से पाते हैं कि $\overrightarrow{OP_1} + \overrightarrow{P_1P_2} = \overrightarrow{OP_2}$

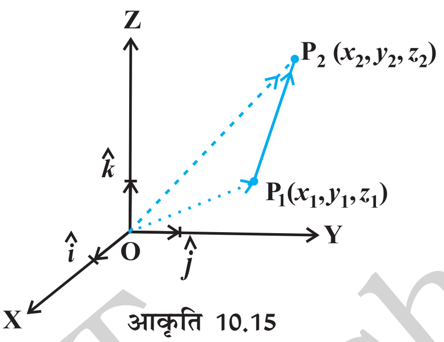

आकृति 10.15

सदिश योगफल के गुणधर्मों का उपयोग करते हुए उपर्युक्त समीकरण निम्नलिखित रूप से लिखा जाता है।

$$\overrightarrow{P_1P_2} = \overrightarrow{OP_2} - \overrightarrow{OP_1}$$

अर्थात्
$$\overrightarrow{P_1P_2} = (x_2\hat{i} + y_2\hat{j} + z_2\hat{k}) - (x_1\hat{i} + y_1\hat{j} + z_1\hat{k})$$
$$= (x_2 - x_1)\hat{i} + (y_2 - y_1)\hat{j} + (z_2 - z_1)\hat{k}$$

सदिश $\overrightarrow{P_1P_2}$ का परिमाण $|\overrightarrow{P_1P_2}| = \sqrt{(x_2 - x_1)^2 + (y_2 - y_1)^2 + (z_2 - z_1)^2}$ के रूप में प्राप्त होता है।

उदाहरण 10 बिंदुओं P(2, 3, 0) एवं Q(– 1, – 2, – 4) को मिलाने वाला एवं P से Q की तरफ दिष्ट सदिश ज्ञात कीजिए।

हल क्योंकि सदिश P से Q की तरफ दिष्ट है, स्पष्टतः P प्रारंभिक बिंदु है और Q अंतिम बिंदु है, इसलिए P और Q को मिलाने वाला अभीष्ट सदिश $\overrightarrow{PQ}$, निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है।

$$\overrightarrow{PQ} = (-1-2)\hat{i} + (-2-3)\hat{j} + (-4-0)\hat{k}$$

अर्थात्
$$\overrightarrow{PQ} = -3\hat{i} - 5\hat{j} - 4\hat{k}$$

10.5.3 खंड सूत्र (Section Formula)

मान लीजिए मूल बिंदु O के सापेक्ष P और Q दो बिंदु हैं जिनको स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP}$ और $\overrightarrow{OQ}$ से निरूपित किया गया है। बिंदुओं P एवं Q को मिलाने वाला रेखा खंड किसी तीसरे बिंदु R द्वारा दो प्रकार से विभाजित किया जा सकता है। अंतः (आकृति 10.16) एवं बाह्य (आकृति 10.17)। यहाँ हमारा उद्देश्य मूल बिंदु O के सापेक्ष बिंदु R का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OR}$ ज्ञात करना है। हम दोनों स्थितियों को एक-एक करके लेते हैं।

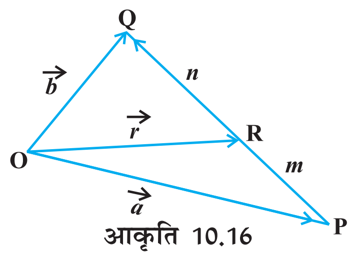

आकृति 10.16

स्थिति 1 जब R, PQ को अंतः विभाजित करता है (आकृति 10.16)। यदि R, $\overrightarrow{PQ}$ को इस प्रकार विभाजित करता है कि $m\overrightarrow{RQ} = n\overrightarrow{PR}$, जहाँ m और n धनात्मक अदिश हैं तो हम कहते हैं

कि बिंदु R, $\overrightarrow{PQ}$ को $m : n$ के अनुपात में अंतः विभाजित करता है। अब त्रिभुजों ORQ एवं OPR से

$$\overrightarrow{RQ} = \overrightarrow{OQ} - \overrightarrow{OR} = \vec{b} - \vec{r}$$

और
$$\overrightarrow{PR} = \overrightarrow{OR} - \overrightarrow{OP} = \vec{r} - \vec{a}$$

इसलिए
$$m(\vec{b} - \vec{r}) = n(\vec{r} - \vec{a}) \quad \text{(क्यों?)}$$

अथवा
$$\vec{r} = \frac{m\vec{b} + n\vec{a}}{m+n} \qquad \text{(सरल करने पर)}$$

अतः बिंदु R जो कि P और Q को $m : n$ के अनुपात में अंतः विभाजित करता है का स्थिति सदिश

$$\overrightarrow{OR} = \frac{m\vec{b} + n\vec{a}}{m+n}$$ के रूप में प्राप्त होता है।

स्थिति II जब R, PQ को बाह्य विभाजित करता है (आकृति 10.17)। यह सत्यापन करना हम पाठक के लिए एक प्रश्न के रूप में छोड़ते हैं कि रेखाखंड PQ को $m : n$ के अनुपात में बाह्य विभाजित करने वाले बिंदु R $\left(\text{i.e., } \frac{PR}{QR} = \frac{m}{n}\right)$ का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OR} = \frac{m\vec{b} - n\vec{a}}{m-n}$ के रूप में प्राप्त होता है।

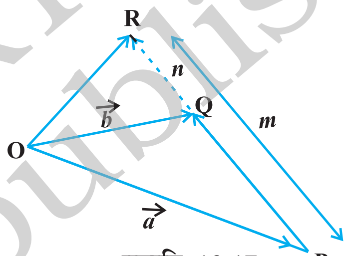

आकृति 10.17

टिप्पणी यदि R, PQ का मध्य बिंदु है तो $m = n$ और इसलिए स्थिति I से $\overrightarrow{PQ}$ के मध्य बिंदु R का स्थिति सदिश $\overrightarrow{OR} = \frac{\vec{a} + \vec{b}}{2}$ के रूप में होगा।

उदाहरण 11 दो बिंदु P और Q लीजिए जिनके स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP} = 3\vec{a} - 2\vec{b}$ और $\overrightarrow{OQ} = \vec{a} + \vec{b}$ हैं। एक ऐसे बिंदु R का स्थिति सदिश ज्ञात कीजिए जो P एवं Q को मिलाने वाली रेखा को 2:1 के अनुपात में (i) अंतः (ii) बाह्य विभाजित करता है।

हल

(i) P और Q को मिलाने वाली रेखा को 2:1 के अनुपात में अंतः विभाजित करने वाले बिंदु R का स्थिति सदिश है:

$$\overrightarrow{OR} = \frac{2(\vec{a} + \vec{b}) + (3\vec{a} - 2\vec{b})}{3} = \frac{5\vec{a}}{3}$$

(ii) P और Q को मिलाने वाली रेखा को 2:1 के अनुपात में बाह्य विभाजित करने वाले बिंदु R का स्थिति सदिश है:

$$\overrightarrow{OR} = \frac{2(\vec{a} + \vec{b}) - (3\vec{a} - 2\vec{b})}{2-1} = 4\vec{b} - \vec{a}$$

उदाहरण 12 दर्शाइए कि बिंदु $A(2\hat{i} - \hat{j} + \hat{k})$, $B(\hat{i} - 3\hat{j} - 5\hat{k})$, $C(3\hat{i} - 4\hat{j} - 4\hat{k})$ एक समकोण त्रिभुज के शीर्ष हैं।

हल हम पाते हैं कि

$$\overrightarrow{AB} = (1-2)\hat{i} + (-3+1)\hat{j} + (-5-1)\hat{k} = -\hat{i} - 2\hat{j} - 6\hat{k}$$

$$\overrightarrow{BC} = (3-1)\hat{i} + (-4+3)\hat{j} + (-4+5)\hat{k} = 2\hat{i} - \hat{j} + \hat{k}$$

और
$$\overrightarrow{CA} = (2-3)\hat{i} + (-1+4)\hat{j} + (1+4)\hat{k} = -\hat{i} + 3\hat{j} + 5\hat{k}$$

इसके अतिरिक्त ध्यान दीजिए कि

$$|\overrightarrow{AB}|^2 = 41 = 6 + 35 = |\overrightarrow{BC}|^2 + |\overrightarrow{CA}|^2$$

अत: दिया हुआ त्रिभुज एक समकोण त्रिभुज है।

प्रश्नावली 10.2

1. निम्नलिखित सदिशों के परिमाण का परिकलन कीजिए:
$$\vec{a} = \hat{i} + \hat{j} + k; \quad \vec{b} = 2\hat{i} - 7\hat{j} - 3\hat{k}; \quad \vec{c} = \frac{1}{\sqrt{3}}\hat{i} + \frac{1}{\sqrt{3}}\hat{j} - \frac{1}{\sqrt{3}}\hat{k}$$
2. समान परिमाण वाले दो विभिन्न सदिश लिखिए।
3. समान दिशा वाले दो विभिन्न सदिश लिखिए।
4. x और y के मान ज्ञात कीजिए ताकि सदिश $2\hat{i} + 3\hat{j}$ और $x\hat{i} + y\hat{j}$ समान हों।
5. एक सदिश का प्रारंभिक बिंदु (2, 1) है और अंतिम बिंदु (–5, 7) है। इस सदिश के अदिश एवं सदिश घटक ज्ञात कीजिए।
6. सदिश $\vec{a} = \hat{i} - 2\hat{j} + \hat{k}$, $\vec{b} = -2\hat{i} + 4\hat{j} + 5\hat{k}$ और $\vec{c} = \hat{i} - 6\hat{j} - 7\hat{k}$ का योगफल ज्ञात कीजिए।
7. सदिश $\vec{a} = \hat{i} + \hat{j} + 2\hat{k}$ के अनुदिश एक मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए।
8. सदिश $\overrightarrow{PQ}$, के अनुदिश मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए जहाँ बिंदु P और Q क्रमश: (1, 2, 3) और (4, 5, 6) हैं।
9. दिए हुए सदिशों $\vec{a} = 2\hat{i} - \hat{j} + 2\hat{k}$ और $\vec{b} = -\hat{i} + \hat{j} - \hat{k}$, के लिए, सदिश $\vec{a} + \vec{b}$ के अनुदिश मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए।
10. सदिश $5\hat{i} - \hat{j} + 2\hat{k}$ के अनुदिश एक ऐसा सदिश ज्ञात कीजिए जिसका परिमाण 8 इकाई है।
11. दर्शाइए कि सदिश $2\hat{i} - 3\hat{j} + 4\hat{k}$ और $-4\hat{i} + 6\hat{j} - 8\hat{k}$ संरेख हैं।
12. सदिश $\hat{i} + 2\hat{j} + 3\hat{k}$ की दिक् cosine ज्ञात कीजिए।

13. बिंदुओं A (1, 2, –3) एवं B(–1, –2, 1) को मिलाने वाले एवं A से B की तरफ़ दिष्ट सदिश की दिक् cosine ज्ञात कीजिए।

14. दर्शाइए कि सदिश $\hat{i} + \hat{j} + \hat{k}$ अक्षों OX, OY एवं OZ के साथ बराबर झुका हुआ है।

15. बिंदुओं P $(\hat{i} + 2\hat{j} - \hat{k})$ और Q $(-\hat{i} + \hat{j} + \hat{k})$ को मिलाने वाली रेखा को 2:1 के अनुपात में (i) अंत: (ii) बाह्य, विभाजित करने वाले बिंदु R का स्थिति सदिश ज्ञात कीजिए।

16. दो बिंदुओं P(2, 3, 4) और Q(4, 1, –2) को मिलाने वाले सदिश का मध्य बिंदु ज्ञात कीजिए।

17. दर्शाइए कि बिंदु A, B और C, जिनके स्थिति सदिश क्रमश: $\vec{a} = 3\hat{i} - 4\hat{j} - 4\hat{k}$, $\vec{b} = 2\hat{i} - \hat{j} + \hat{k}$ और $\vec{c} = \hat{i} - 3\hat{j} - 5\hat{k}$ हैं, एक समकोण त्रिभुज के शीर्षों का निर्माण करते हैं।

18. त्रिभुज ABC (आकृति 10.18), के लिए निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है।

(A) $\overrightarrow{AB} + \overrightarrow{BC} + \overrightarrow{CA} = \vec{0}$

(B) $\overrightarrow{AB} + \overrightarrow{BC} - \overrightarrow{AC} = \vec{0}$

(C) $\overrightarrow{AB} + \overrightarrow{BC} - \overrightarrow{CA} = \vec{0}$

(D) $\overrightarrow{AB} - \overrightarrow{CB} + \overrightarrow{CA} = \vec{0}$

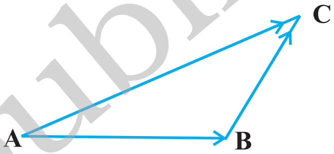

आकृति 10.18

19. यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दो संरेख सदिश हैं तो निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है:

(A) $\vec{b} = \lambda\vec{a}$, किसी अदिश λ के लिए

(B) $\vec{a} = \pm\vec{b}$

(C) $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के क्रमागत घटक समानुपाती हैं।

(D) दोनों सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ की दिशा समान है परंतु परिमाण विभिन्न हैं।

10.6 दो सदिशों का गुणनफल (Product of Two Vectors)

अभी तक हमने सदिशों के योगफल एवं व्यवकलन के बारे में अध्ययन किया है। अब हमारा उद्देश्य सदिशों का गुणनफल नामक एक दूसरी बीजीय संक्रिया की चर्चा करना है। हम स्मरण कर सकते हैं कि दो संख्याओं का गुणनफल एक संख्या होती है, दो आव्यूहों का गुणनफल एक आव्यूह होता है परंतु फलनों की स्थिति में हम उन्हें दो प्रकार से गुणा कर सकते हैं नामत: दो फलनों का बिंदुवार गुणन एवं दो फलनों का संयोजन। इसी प्रकार सदिशों का गुणन भी दो तरीके से परिभाषित किया जाता है। नामत: अदिश गुणनफल जहाँ परिणाम एक अदिश होता है और सदिश गुणनफल जहाँ परिणाम एक सदिश होता है। सदिशों के इन दो प्रकार के गुणनफलों के आधार पर ज्यामिती, यांत्रिकी एवं अभियांत्रिकी में इनके विभिन्न अनुप्रयोग हैं। इस परिच्छेद में हम इन दो प्रकार के गुणनफलों की चर्चा करेंगे।

10.6.1 दो सदिशों का अदिश गुणनफल [Scalar (or dot) product of two vectors]

परिभाषा 2 दो शून्येतर सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ का अदिश गुणनफल $\vec{a}\cdot\vec{b}$ द्वारा निर्दिष्ट किया जाता है और इसे $\vec{a}\cdot\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|\cos\theta$ के रूप मे परिभाषित किया जाता है।

जहाँ θ, $\vec{a}$ और $\vec{b}$, के बीच का कोण है और $0 \le \theta \le \pi$ (आकृति 10.19)।

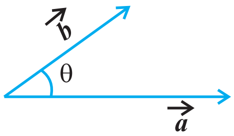

आकृति 10.19

यदि $\vec{a} = \vec{0}$ अथवा $\vec{b} = \vec{0}$, तो θ परिभाषित नहीं है और इस स्थिति में हम $\vec{a}\cdot\vec{b} = 0$ परिभाषित करते हैं।

प्रेक्षण

1. $\vec{a}\cdot\vec{b}$ एक वास्तविक संख्या है।
2. मान लीजिए कि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दो शून्येतर सदिश हैं तब $\vec{a}\cdot\vec{b}=0$ यदि और केवल यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ परस्पर लंबवत् हैं अर्थात् $\vec{a}\cdot\vec{b}=0 \Leftrightarrow \vec{a}\perp\vec{b}$
3. यदि $\theta = 0$, तब $\vec{a}\cdot\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|$

   विशिष्टत: $\vec{a}\cdot\vec{a} = |\vec{a}|^2$, क्योंकि इस स्थिति में $\theta = 0$ है।
4. यदि $\theta = \pi$, तब $\vec{a}\cdot\vec{b} = -|\vec{a}||\vec{b}|$

   विशिष्टत: $\vec{a}\cdot(-\vec{a}) = -|\vec{a}|^2$, जैसा कि इस स्थिति में θ, π के बराबर है।
5. प्रेक्षण 2 एवं 3 के संदर्भ में परस्पर लंबवत् मात्रक सदिशों $\hat{i}$, $\hat{j}$ एवं $\hat{k}$, के लिए हम पाते हैं कि

$$\hat{i}\cdot\hat{i} = \hat{j}\cdot\hat{j} = \hat{k}\cdot\hat{k} = 1$$

तथा
$$\hat{i}\cdot\hat{j} = \hat{j}\cdot\hat{k} = \hat{k}\cdot\hat{i} = 0$$

6. दो शून्येतर सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ,

$$\cos\theta = \frac{\vec{a}.\vec{b}}{|\vec{a}||\vec{b}|} \text{ अथवा } \theta = \cos^{-1}\left(\frac{\vec{a}.\vec{b}}{|\vec{a}||\vec{b}|}\right) \text{ द्वारा दिया जाता है।}$$

7. अदिश गुणनफल क्रम विनिमेय है अर्थात्

$$\vec{a}\cdot\vec{b} = \vec{b}\cdot\vec{a} \qquad \text{(क्यों?)}$$

अदिश गुणनफल के दो महत्वपूर्ण गुणधर्म (Two important properties of scalar product)

गुणधर्म 1 (अदिश गुणनफल की योगफल पर वितरण नियम) मान लीजिए $\vec{a}$, $\vec{b}$ और $\vec{c}$ तीन सदिश हैं तब $\vec{a}\cdot(\vec{b}+\vec{c}) = \vec{a}\cdot\vec{b} + \vec{a}\cdot\vec{c}$

गुणधर्म 2 मान लीजिए $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दो सदिश हैं और λ एक अदिश है, तो

$$(\lambda\vec{a})\cdot\vec{b} = (\lambda\vec{a})\cdot\vec{b} = \lambda(\vec{a}\cdot\vec{b}) = \vec{a}\cdot(\lambda\vec{b})$$

यदि दो सदिश घटक रूप में $a_1\hat{i}+a_2\hat{j}+a_3\hat{k}$ एवं $b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k}$, दिए हुए हैं तब उनका अदिश गुणनफल निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है

$$\vec{a}\cdot\vec{b} = (a_1\hat{i}+a_2\hat{j}+a_3\hat{k})\cdot(b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k})$$

$$= a_1\hat{i}\cdot(b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k})+a_2\hat{j}\cdot(b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k})+a_3\hat{k}\cdot(b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k})$$

$$= a_1b_1(\hat{i}\cdot\hat{i})+a_1b_2(\hat{i}\cdot\hat{j})+a_1b_3(\hat{i}\cdot\hat{k})+a_2b_1(\hat{j}\cdot\hat{i})+a_2b_2(\hat{j}\cdot\hat{j})+a_2b_3(\hat{j}\cdot\hat{k})$$
$$+\,a_3b_1(\hat{k}\cdot\hat{i})+a_3b_2(\hat{k}\cdot\hat{j})+a_3b_3(\hat{k}\cdot\hat{k})$$

(उपर्युक्त गुणधर्म 1 और 2 का उपयोग करने पर)

$$= a_1b_1+a_2b_2+a_3b_3$$ (प्रक्षेण 5 का उपयोग करने पर)

इस प्रकार $\vec{a}\cdot\vec{b} = a_1b_1+a_2b_2+a_3b_3$

10.6.2 *एक सदिश का किसी रेखा पर साथ प्रक्षेप (Projection of a vector on a line)*

मान लीजिए कि एक सदिश $\overrightarrow{AB}$ किसी दिष्ट रेखा l (मान लीजिए) के साथ वामावर्त दिशा में θ कोण बनाता है। (आकृति 10.20 देखिए) तब $\overrightarrow{AB}$ का l पर प्रक्षेप एक सदिश $\vec{p}$ (मान लीजिए) है जिसका परिमाण $|\overrightarrow{AB}|\cos\theta$ है और जिसकी दिशा का l की दिशा के समान अथवा विपरीत होना इस बात पर निर्भर है कि $\cos\theta$ धनात्मक है अथवा ऋणात्मक। सदिश $\vec{p}$ को प्रक्षेप सदिश कहते हैं और इसका परिमाण $|\vec{p}|$, निर्दिष्ट रेखा l पर सदिश $\overrightarrow{AB}$ का प्रक्षेप कहलाता है। उदाहरणत: निम्नलिखित में से प्रत्येक आकृति में सदिश $\overrightarrow{AB}$ का रेखा l पर प्रक्षेप सदिश $\overrightarrow{AC}$ है। [आकृति 10.20 (i) से (iv) तक]

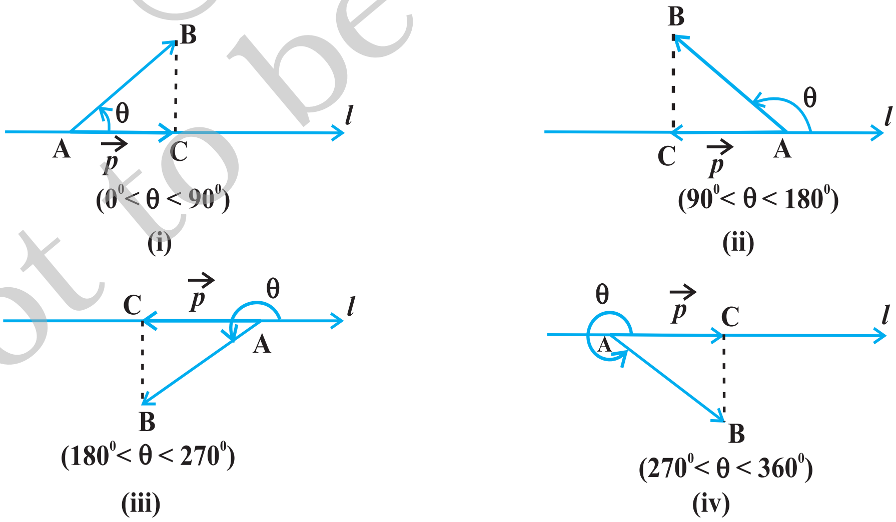

आकृति 10.20

प्रेक्षण

1. रेखा l के अनुदिश यदि $\hat{p}$ मात्रक सदिश है तो रेखा l पर सदिश $\vec{a}$ का प्रक्षेप $\vec{a}.\hat{p}$ से प्राप्त होता है।
2. एक सदिश $\vec{a}$ का दूसरे सदिश $\vec{b}$, पर प्रक्षेप $\vec{a}\cdot\hat{b}$, अथवा $\vec{a}\cdot\left(\frac{\vec{b}}{|\vec{b}|}\right)$, अथवा $\frac{1}{|\vec{b}|}(\vec{a}\cdot\vec{b})$ से प्राप्त होता है।
3. यदि $\theta = 0$, तो $\overrightarrow{AB}$ का प्रक्षेप सदिश स्वयं $\overrightarrow{AB}$ होगा और यदि $\theta = \pi$ तो $\overrightarrow{AB}$ का प्रक्षेप सदिश $\overrightarrow{BA}$ होगा।
4. यदि $\theta = \frac{\pi}{2}$ अथवा $\theta = \frac{3\pi}{2}$ तो $\overrightarrow{AB}$ का प्रक्षेप सदिश शून्य सदिश होगा।

टिप्पणी यदि α, β और γ सदिश $\vec{a} = a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$ के दिक्-कोण हैं तो इसकी दिक्-कोसाइन निम्नलिखित रूप में प्राप्त की जा सकती है।

$$\cos\alpha = \frac{\vec{a}.\hat{i}}{|\vec{a}||\hat{i}|} = \frac{a_1}{|\vec{a}|},\quad \cos\beta = \frac{a_2}{|\vec{a}|},\quad \text{and}\quad \cos\gamma = \frac{a_3}{|\vec{a}|}$$

यह भी ध्यान दीजिए कि $|\vec{a}|\cos\alpha$, $|\vec{a}|\cos\beta$ और $|\vec{a}|\cos\gamma$ क्रमशः OX, OY तथा OZ के अनुदिश $\vec{a}$ के प्रक्षेप हैं अर्थात् सदिश $\vec{a}$ के अदिश घटक a_1, a_2 और a_3 क्रमशः $x, y,$ एवं z अक्ष के अनुदिश $\vec{a}$ के प्रक्षेप है। इसके अतिरिक्त यदि $\vec{a}$ एक मात्रक सदिश है तब इसको दिक्-कोसाइन की सहायता से

$$\vec{a} = \cos\alpha\hat{i} + \cos\beta\hat{j} + \cos\gamma\hat{k}$$

के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है।

उदाहरण 13 दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के परिमाण क्रमशः 1 और 2 है तथा $\vec{a}\cdot\vec{b} = 1$, इन सदिशों के बीच का कोण ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ है $\vec{a}\cdot\vec{b} = 1, |\vec{a}| = 1$ और $|\vec{b}| = 2$. अतः

$$\theta = \cos^{-1}\left(\frac{\vec{a}.\vec{b}}{|\vec{a}||\vec{b}|}\right) = \cos^{-1}\left(\frac{1}{2}\right) = \frac{\pi}{3}$$

उदाहरण 14 सदिश $\vec{a} = \hat{i} + \hat{j} - \hat{k}$ तथा $\vec{b} = \hat{i} - \hat{j} + \hat{k}$ के बीच का कोण ज्ञात कीजिए।

हल दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ निम्न द्वारा प्रदत्त है

$$\cos\theta = \frac{\vec{a}\cdot\vec{b}}{|\vec{a}||\vec{b}|}$$ से प्राप्त होता है।

अब $\vec{a}\cdot\vec{b} = (\hat{i}+\hat{j}-\hat{k})\cdot(\hat{i}-\hat{j}+\hat{k}) = 1-1-1 = -1$

इसलिए, हम पाते हैं कि $\cos\theta = \dfrac{-1}{3}$

अतः अभीष्ट कोण $\theta = \cos^{-1}\left(-\dfrac{1}{3}\right)$ है।

उदाहरण 15 यदि $\vec{a} = 5\hat{i}-\hat{j}-3\hat{k}$ और $\vec{b} = \hat{i}+3\hat{j}-5\hat{k}$, तो दर्शाइए कि सदिश $\vec{a}+\vec{b}$ और $\vec{a}-\vec{b}$ लंबवत् है।

हल हम जानते हैं कि दो शून्येतर सदिश लंबवत् होते हैं यदि उनका अदिश गुणनफल शून्य है।

यहाँ $\vec{a}+\vec{b} = (5\hat{i}-\hat{j}-3\hat{k})+(\hat{i}+3\hat{j}-5\hat{k}) = 6\hat{i}+2\hat{j}-8\hat{k}$

और $\vec{a}-\vec{b} = (5\hat{i}-\hat{j}-3\hat{k})-(\hat{i}+3\hat{j}-5\hat{k}) = 4\hat{i}-4\hat{j}+2\hat{k}$

इसलिए $(\vec{a}+\vec{b})\cdot(\vec{a}-\vec{b}) = (6\hat{i}+2\hat{j}-8\hat{k})\cdot(4\hat{i}-4\hat{j}+2\hat{k}) = 24-8-16 = 0$

अतः $\vec{a}+\vec{b}$ और $\vec{a}-\vec{b}$ लंबवत् सदिश हैं।

उदाहरण 16 सदिश $\vec{a} = 2\hat{i}+3\hat{j}+2\hat{k}$ का, सदिश $\vec{b} = \hat{i}+2\hat{j}+\hat{k}$ पर प्रक्षेप ज्ञात कीजिए।

हल सदिश $\vec{a}$ का सदिश $\vec{b}$ पर प्रक्षेप

$$\frac{1}{|\vec{b}|}(\vec{a}\cdot\vec{b}) = \frac{1}{\sqrt{(1)^2+(2)^2+(1)^2}}(2\,.\,1+3\,.\,2+2\,.\,1) = \frac{10}{\sqrt{6}} = \frac{5}{3}\sqrt{6} \text{ है।}$$

उदाहरण 17 यदि दो सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ इस प्रकार हैं कि $|\vec{a}| = 2$, $|\vec{b}| = 3$ और $\vec{a}\cdot\vec{b} = 4$ तो $|\vec{a}-\vec{b}|$ ज्ञात कीजिए।

हल हम पाते हैं कि

$$\begin{aligned}|\vec{a}-\vec{b}|^2 &= (\vec{a}-\vec{b})\cdot(\vec{a}-\vec{b})\\ &= \vec{a}.\vec{a}-\vec{a}\cdot\vec{b}-\vec{b}\cdot\vec{a}+\vec{b}\cdot\vec{b}\\ &= |\vec{a}|^2-2(\vec{a}\cdot\vec{b})+|\vec{b}|^2\\ &= (2)^2-2(4)+(3)^2\end{aligned}$$

इसलिए $|\vec{a}-\vec{b}| = \sqrt{5}$

उदाहरण 18 यदि $\vec{a}$ एक मात्रक सदिश है और $(\vec{x}-\vec{a})\cdot(\vec{x}+\vec{a}) = 8$, तो $|\vec{x}|$ ज्ञात कीजिए।

हल क्योंकि $\vec{a}$ एक मात्रक सदिश है, इसलिए $|\vec{a}| = 1$. यह भी दिया हुआ है कि

$$(\vec{x}-\vec{a})\cdot(\vec{x}+\vec{a}) = 8$$

अथवा $\vec{x}\cdot\vec{x}+\vec{x}\cdot\vec{a}-\vec{a}\cdot\vec{x}-\vec{a}\cdot\vec{a} = 8$

अथवा $|\vec{x}|^2-1 = 8$ अर्थात् $|\vec{x}|^2 = 9$

इसलिए $|\vec{x}| = 3$ (क्योंकि सदिश का परिमाण सदैव शून्येतर होता है)

उदाहरण 19 दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$, के लिए सदैव $|\vec{a}\cdot\vec{b}| \le |\vec{a}||\vec{b}|$ (Cauchy-Schwartz असमिका)।

हल दी हुई असमिका सहज रूप में स्पष्ट है यदि $\vec{a}=\vec{0}$ अथवा $\vec{b}=\vec{0}$. वास्तव में इस स्थिति में हम पाते हैं कि $|\vec{a}\cdot\vec{b}|=0=|\vec{a}||\vec{b}|$. इसलिए हम कल्पना करते हैं कि $|\vec{a}|\neq 0 \neq |\vec{b}|$ तब हमें

$$\frac{|\vec{a}\cdot\vec{b}|}{|\vec{a}||\vec{b}|} = |\cos\theta| \le 1 \text{ मिलता है।}$$

इसलिए $|\vec{a}\cdot\vec{b}| \le |\vec{a}||\vec{b}|$

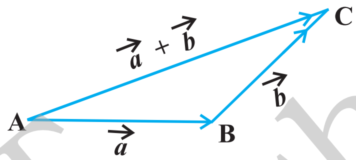

आकृति 10.21

उदाहरण 20 दो सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के लिए सदैव $|\vec{a}+\vec{b}| \le |\vec{a}|+|\vec{b}|$ (त्रिभुज-असमिका)

हल दी हुई असमिका, दोनों स्थितियों $\vec{a}=0$ या $\vec{b}=0$ में सहज रूप से स्पष्ट है (क्यों ?)। इसलिए मान लीजिए कि $|\vec{a}|\neq\vec{0}\neq|\vec{b}|$ तब

$$|\vec{a}+\vec{b}|^2 = (\vec{a}+\vec{b})^2 = (\vec{a}+\vec{b})\cdot(\vec{a}+\vec{b})$$

$$= \vec{a}\cdot\vec{a}+\vec{a}\cdot\vec{b}+\vec{b}\cdot\vec{a}+\vec{b}\cdot\vec{b}$$

$$= |\vec{a}|^2+2\vec{a}\cdot\vec{b}+|\vec{b}|^2 \quad \text{(अदिश गुणनफल क्रम विनिमय है)}$$

$$\le |\vec{a}|^2+2|\vec{a}\cdot\vec{b}|+|\vec{b}|^2 \quad \text{(क्योंकि } x\le|x|\ \forall x\in\mathbf{R})$$

$$\le |\vec{a}|^2+2|\vec{a}||\vec{b}|+|\vec{b}|^2 \quad \text{(उदाहरण 19 से)}$$

$$= (|\vec{a}|+|\vec{b}|)^2$$

अत: $|\vec{a}+\vec{b}| \le |\vec{a}|+|\vec{b}|$

टिप्पणी यदि त्रिभुज-असमिका में समिका धारण होती है (उपर्युक्त उदाहरण 20 में) अर्थात्

$$|\vec{a}+\vec{b}| = |\vec{a}|+|\vec{b}|, \text{ तब}$$

$$|\overrightarrow{AC}| = |\overrightarrow{AB}|+|\overrightarrow{BC}|$$

बिंदु A, B और C संरेख दर्शाता है।

उदाहरण 21 दर्शाइए कि बिंदु $A(-2\hat{i}+3\hat{j}+5\hat{k})$, $B(\hat{i}+2\hat{j}+3\hat{k})$ और $C(7\hat{i}-\hat{k})$ संरेख है।

हल हम प्राप्त करते हैं:

$$\overrightarrow{AB} = (1+2)\hat{i}+(2-3)\hat{j}+(3-5)\hat{k} = 3\hat{i}-\hat{j}-2\hat{k}$$

$$\overrightarrow{BC} = (7-1)\hat{i} + (0-2)\hat{j} + (-1-3)\hat{k} = 6\hat{i} - 2\hat{j} - 4\hat{k}$$

$$\overrightarrow{AC} = (7+2)\hat{i} + (0-3)\hat{j} + (-1-5)\hat{k} = 9\hat{i} - 3\hat{j} - 6\hat{k}$$

$$|\overrightarrow{AB}| = \sqrt{14}, \ |\overrightarrow{BC}| = 2\sqrt{14} \ \text{और} \ |\overrightarrow{AC}| = 3\sqrt{14}$$

इसलिए $$|\overrightarrow{AC}| = |\overrightarrow{AB}| + |\overrightarrow{BC}|$$

अत: बिंदु A, B और C संरेख हैं।

टिप्पणी उदाहरण 21 में ध्यान दीजिए कि $\overrightarrow{AB} + \overrightarrow{BC} + \overrightarrow{CA} = \vec{0}$ परंतु फिर भी बिंदु A, B और C त्रिभुज के शीर्षों का निर्माण नहीं करते हैं।

प्रश्नावली 10.3

1. दो सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के परिमाण क्रमश: $\sqrt{3}$ एवं 2 हैं और $\vec{a}\cdot\vec{b} = \sqrt{6}$ है तो $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के बीच का कोण ज्ञात कीजिए।
2. सदिशों $\hat{i} - 2\hat{j} + 3\hat{k}$ और $3\hat{i} - 2\hat{j} + \hat{k}$ के बीच का कोण ज्ञात कीजिए।
3. सदिश $\hat{i} + \hat{j}$ पर सदिश $\hat{i} - \hat{j}$ का प्रक्षेप ज्ञात कीजिए।
4. सदिश $\hat{i} + 3\hat{j} + 7\hat{k}$ का, सदिश $7\hat{i} - \hat{j} + 8\hat{k}$ पर प्रक्षेप ज्ञात कीजिए।
5. दर्शाइए कि दिए हुए निम्नलिखित तीन सदिशों में से प्रत्येक मात्रक सदिश है,
   $$\frac{1}{7}(2\hat{i} + 3\hat{j} + 6\hat{k}), \ \frac{1}{7}(3\hat{i} - 6\hat{j} + 2\hat{k}), \ \frac{1}{7}(6\hat{i} + 2\hat{j} - 3\hat{k})$$
   यह भी दर्शाइए कि ये सदिश परस्पर एक दूसरे के लंबवत् हैं।
6. यदि $(\vec{a} + \vec{b})\cdot(\vec{a} - \vec{b}) = 8$ और $|\vec{a}| = 8|\vec{b}|$ हो तो $|\vec{a}|$ एवं $|\vec{b}|$ ज्ञात कीजिए।
7. $(3\vec{a} - 5\vec{b})\cdot(2\vec{a} + 7\vec{b})$ का मान ज्ञात कीजिए।
8. दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के परिमाण ज्ञात कीजिए, यदि इनके परिमाण समान है और इन के बीच का कोण 60° है तथा इनका अदिश गुणनफल $\frac{1}{2}$ है।
9. यदि एक मात्रक सदिश $\vec{a}$, के लिए $(\vec{x} - \vec{a})\cdot(\vec{x} + \vec{a}) = 12$ हो तो $|\vec{x}|$ ज्ञात कीजिए।
10. यदि $\vec{a} = 2\hat{i} + 2\hat{j} + 3\hat{k}$, $\vec{b} = -\hat{i} + 2\hat{j} + \hat{k}$ और $\vec{c} = 3\hat{i} + \hat{j}$ इस प्रकार है कि $\vec{a} + \lambda\vec{b}$, $\vec{c}$ पर लंब है, तो λ का मान ज्ञात कीजिए।

11. दर्शाइए कि दो शून्येतर सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के लिए $|\vec{a}|\vec{b}+|\vec{b}|\vec{a}$, $|\vec{a}|\vec{b}-|\vec{b}|\vec{a}$ पर लंब है।

12. यदि $\vec{a}\cdot\vec{a}=0$ और $\vec{a}\cdot\vec{b}=0$, तो सदिश $\vec{b}$ के बारे में क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

13. यदि $\vec{a},\vec{b},\vec{c}$ मात्रक सदिश इस प्रकार है कि $\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}=\vec{0}$ तो $\vec{a}\cdot\vec{b}+\vec{b}\cdot\vec{c}+\vec{c}\cdot\vec{a}$ का मान ज्ञात कीजिए।

14. यदि $\vec{a}=\vec{0}$ अथवा $\vec{b}=\vec{0}$, तब $\vec{a}\cdot\vec{b}=0$ परंतु विलोम का सत्य होना आवश्यक नहीं है। एक उदाहरण द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

15. यदि किसी त्रिभुज ABC के शीर्ष A, B, C क्रमशः (1, 2, 3), (–1, 0, 0), (0, 1, 2) हैं तो ∠ABC ज्ञात कीजिए। [∠ABC, सदिशों $\overrightarrow{BA}$ एवं $\overrightarrow{BC}$ के बीच का कोण है]

16. दर्शाइए कि बिंदु A(1, 2, 7), B(2, 6, 3) और C(3, 10, –1) संरेख हैं।

17. दर्शाइए कि सदिश $2\hat{i}-\hat{j}+\hat{k}$, $\hat{i}-3\hat{j}-5\hat{k}$ और $3\hat{i}-4\hat{j}-4\hat{k}$ एक समकोण त्रिभुज के शीर्षों की रचना करते हैं।

18. यदि शून्येतर सदिश $\vec{a}$ का परिमाण 'a' है और λ एक शून्यतेर अदिश है तो $\lambda\vec{a}$ एक मात्रक सदिश है यदि

(A) $\lambda = 1$ (B) $\lambda = -1$ (C) $a = |\lambda|$ (D) $a = 1/|\lambda|$

10.6.3 *दो सदिशों का सदिश गुणनफल [Vector (or cross) product of two vectors]*

परिच्छेद 10.2 में हमने त्रि–विमीय दक्षिणावर्ती समकोणिक निर्देशांक पद्धति की चर्चा की थी। इस पद्धति में धनात्मक x-अक्ष को वामावर्त घुमाकर धनात्मक y-अक्ष पर लाया जाता है तो धनात्मक z-अक्ष की दिशा में एक दक्षिणावर्ती (प्रामाणिक) पेंच अग्रगत हो जाती है [आकृति 10.22(i)]।

एक दक्षिणावर्ती निर्देशांक पद्धति में जब दाएँ हाथ की उँगलियों को धनात्मक x-अक्ष की दिशा से दूर धनात्मक y-अक्ष की तरफ़ कुंतल किया जाता है तो अँगूठा धनात्मक z-अक्ष की ओर संकेत करता [आकृति 10.22 (ii)] है।

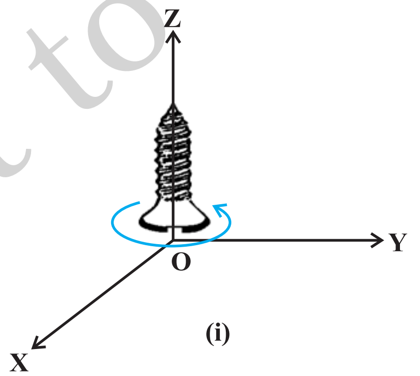

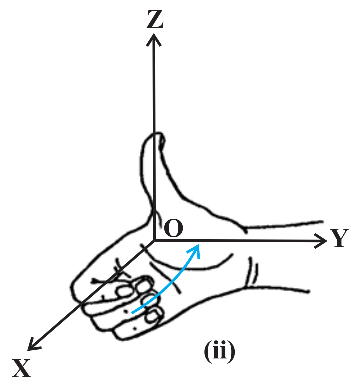

आकृति 10.22

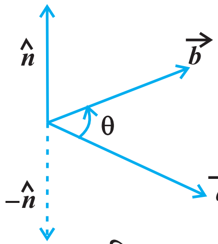

आकृति 10.23

परिभाषा 3 दो शून्येतर सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$, का सदिश गुणनफल $\vec{a}\times\vec{b}$ से निर्दिष्ट किया जाता है और $\vec{a}\times\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|\sin\theta\,\hat{n}$ के रूप में परिभाषित किया जाता है जहाँ θ, $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण है और $0 \le \theta \le \pi$ है। यहाँ $\hat{n}$ एक मात्रक सदिश है जो कि सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$, दोनों पर लंब है। इस प्रकार $\vec{a}, \vec{b}$ तथा $\hat{n}$ एक दक्षिणावर्ती पद्धति को निर्मित करते हैं (आकृति 10.23) अर्थात् दक्षिणावर्ती पद्धति को $\vec{a}$ से $\vec{b}$ की तरफ़ घुमाने पर यह $\hat{n}$ की दिशा में चलती है।

यदि $\vec{a} = \vec{0}$ अथवा $\vec{b} = \vec{0}$, तब θ परिभाषित नहीं है और इस स्थिति में हम $\vec{a}\times\vec{b} = \vec{0}$ परिभाषित करते हैं।

प्रेक्षण:

1. $\vec{a}\times\vec{b}$ एक सदिश है।
2. मान लीजिए $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दो शून्येतर सदिश हैं तब $\vec{a}\times\vec{b} = \vec{0}$ यदि और केवल यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ एक दूसरे के समांतर (अथवा संरेख) हैं अर्थात्
$$\vec{a}\times\vec{b} = \vec{0} \Leftrightarrow \vec{a} \parallel \vec{b}$$
विशिष्टत: $\vec{a}\times\vec{a} = \vec{0}$ और $\vec{a}\times(-\vec{a}) = \vec{0}$, क्योंकि प्रथम स्थिति में θ = 0 तथा द्वितीय स्थिति में θ = π, जिससे दोनों ही स्थितियों में sin θ का मान शून्य हो जाता है।
3. यदि $\theta = \dfrac{\pi}{2}$ तो $\vec{a}\times\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|$
4. प्रेक्षण 2 और 3 के संदर्भ में परस्पर लंबवत् मात्रक सदिशों $\hat{i}$, $\hat{j}$ और $\hat{k}$ के लिए (आकृति 10.24), हम पाते हैं कि
$$\hat{i}\times\hat{i} = \hat{j}\times\hat{j} = \hat{k}\times\hat{k} = \vec{0}$$
$$\hat{i}\times\hat{j} = \hat{k},\quad \hat{j}\times\hat{k} = \hat{i},\quad \hat{k}\times\hat{i} = \hat{j}$$

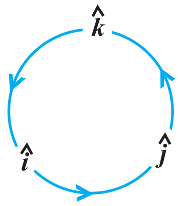

आकृति 10.24

5. सदिश गुणनफल की सहायता से दो सदिशों $\vec{a}$ तथा $\vec{b}$ के बीच का कोण θ निम्नलिखित रूप में प्राप्त होता है
$$\sin\theta = \frac{|\vec{a}\times\vec{b}|}{|\vec{a}||\vec{b}|}$$
6. यह सर्वदा सत्य है कि सदिश गुणनफल क्रम विनिमय नहीं होता है क्योंकि $\vec{a}\times\vec{b} = -\vec{b}\times\vec{a}$ वास्तव में $\vec{a}\times\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|\sin\theta\,\hat{n}$, जहाँ $\vec{a}, \vec{b}$ और $\hat{n}$ एक दक्षिणावर्ती पद्धति को निर्मित करते

हैं अर्थात् θ, $\vec{a}$ से $\vec{b}$ की तरफ चक्रीय क्रम होता है। आकृति 10.25(i) जबकि $\vec{b}\times\vec{a} = |\vec{a}||\vec{b}|\sin\theta\,\hat{n}_1$, जहाँ $\vec{b}$, $\vec{a}$ और $\hat{n}_1$ एक दक्षिणावर्ती पद्धति को निर्मित करते हैं अर्थात् $\theta, \vec{b}$ से $\vec{a}$ की ओर चक्रीय क्रम होता है आकृति 10.25(ii)।

आकृति 10.25

अतः यदि हम यह मान लेते हैं कि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दोनों एक ही कागज़ के तल में हैं तो $\hat{n}$ और $\hat{n}_1$ दोनों कागज़ के तल पर लंब होंगे परंतु $\hat{n}$ कागज़ से ऊपर की तरफ़ दिष्ट होगा और $\hat{n}_1$ कागज़ से नीचे की तरफ़ दिष्ट होगा अर्थात् $\hat{n}_1 = -\hat{n}$

इस प्रकार
$$\vec{a}\times\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|\sin\theta\,\hat{n}$$
$$= -|\vec{a}||\vec{b}|\sin\theta\,\hat{n}_1 = -\vec{b}\times\vec{a}$$

7. प्रेक्षण 4 और 6 के संदर्भ में

$$\hat{j}\times\hat{i} = -\hat{k},\quad \hat{k}\times\hat{j} = -\hat{i} \text{ और } \hat{i}\times\hat{k} = -\hat{j} \text{ है।}$$

8. यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ त्रिभुज की संलग्न भुजाओं को निरूपित करते हैं तो त्रिभुज का क्षेत्रफल $\frac{1}{2}|\vec{a}\times\vec{b}|$ के रूप में प्राप्त होता है।

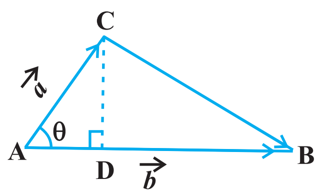

आकृति 10.26

त्रिभुज के क्षेत्रफल की परिभाषा के अनुसार हम आकृति 10.26 से पाते हैं कि त्रिभुज ABC का क्षेत्रफल $= \frac{1}{2}\text{AB}\cdot\text{CD}$.

परंतु $\text{AB} = |\vec{b}|$ (दिया हुआ है) और $\text{CD} = |\vec{a}|\sin\theta$

अतः त्रिभुज ABC का क्षेत्रफल $= \frac{1}{2}|\vec{b}||\vec{a}|\sin\theta = \frac{1}{2}|\vec{a}\times\vec{b}|$

9. यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ समांतर चतुर्भुज की संलग्न भुजाओं को निरूपित करते हैं तो समांतर चतुर्भुज का क्षेत्रफल $|\vec{a}\times\vec{b}|$ के रूप में प्राप्त होता है।

आकृति 10.27 से हम पाते हैं कि समांतर चतुर्भुज ABCD का क्षेत्रफल = AB . DE.

परंतु $AB = |\vec{b}|$ (दिया हुआ है), और $DE = |\vec{a}| \sin\theta$ अत:

समांतर चतुर्भुज ABCD का क्षेत्रफल = $|\vec{b}||\vec{a}|\sin\theta = |\vec{a}\times\vec{b}|$

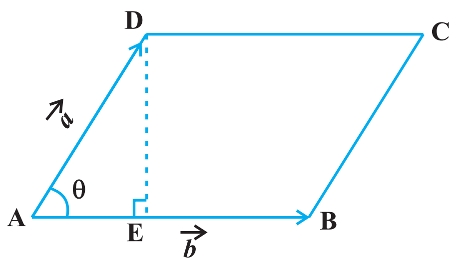

आकृति 10.27

अब हम सदिश गुणनफल के दो महत्वपूर्ण गुणों को अभिव्यक्त करेंगे।

गुणधर्म सदिश गुणनफल का योगफल पर वितरण नियम (Distributivity of vector product over addition) यदि $\vec{a}, \vec{b}$ और $\vec{c}$ तीन सदिश हैं और λ एक अदिश है तो

(i) $\vec{a}\times(\vec{b}+\vec{c}) = \vec{a}\times\vec{b}+\vec{a}\times\vec{c}$

(ii) $\lambda(\vec{a}\times\vec{b}) = (\lambda\vec{a})\times\vec{b} = \vec{a}\times(\lambda\vec{b})$

मान लीजिए दो सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ घटक रूप में क्रमश: $a_1\hat{i}+a_2\hat{j}+a_3\hat{k}$ और $b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k}$ दिए हुए हैं तब उनका सदिश गुणनफल $\vec{a}\times\vec{b} = \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ a_1 & a_2 & a_3 \\ b_1 & b_2 & b_3 \end{vmatrix}$ द्वारा दिया जा सकता है।

व्याख्या हम पाते हैं

$$\vec{a}\times\vec{b} = (a_1\hat{i}+a_2\hat{j}+a_3\hat{k})\times(b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k})$$

$$= a_1b_1(\hat{i}\times\hat{i}) + a_1b_2(\hat{i}\times\hat{j}) + a_1b_3(\hat{i}\times\hat{k}) + a_2b_1(\hat{j}\times\hat{i})$$

$$+ a_2b_2(\hat{j}\times\hat{j}) + a_2b_3(\hat{j}\times\hat{k})$$

$$+ a_3b_1(\hat{k}\times\hat{i}) + a_3b_2(\hat{k}\times\hat{j}) + a_3b_3(\hat{k}\times\hat{k}) \quad \text{(गुणधर्म 1 से)}$$

$$= a_1b_2(\hat{i}\times\hat{j}) - a_1b_3(\hat{k}\times\hat{i}) - a_2b_1(\hat{i}\times\hat{j})$$

$$+ a_2b_3(\hat{j}\times\hat{k}) + a_3b_1(\hat{k}\times\hat{i}) - a_3b_2(\hat{j}\times\hat{k})$$

(क्योंकि $\hat{i}\times\hat{i}=\hat{j}\times\hat{j}=\hat{k}\times\hat{k}=0$ और $\hat{i}\times\hat{k}=-\hat{k}\times\hat{i},\ \hat{j}\times\hat{i}=-\hat{i}\times\hat{j}$ और $\hat{k}\times\hat{j}=-\hat{j}\times\hat{k}$)

$$= a_1b_2\hat{k}-a_1b_3\hat{j}-a_2b_1\hat{k}+a_2b_3\hat{i}+a_3b_1\hat{j}-a_3b_2\hat{i}$$

(क्योंकि $\hat{i}\times\hat{j}=\hat{k},\ \hat{j}\times\hat{k}=\hat{i}$ और $\hat{k}\times\hat{i}=\hat{j}$)

$$= (a_2b_3-a_3b_2)\hat{i}-(a_1b_3-a_3b_1)\hat{j}+(a_1b_2-a_2b_1)\hat{k}$$

$$= \begin{vmatrix}\hat{i} & \hat{j} & \hat{k}\\ a_1 & a_2 & a_3\\ b_1 & b_2 & b_3\end{vmatrix}$$

उदाहरण 22 यदि $\vec{a}=2\hat{i}+\hat{j}+3\hat{k}$ और $\vec{b}=3\hat{i}+5\hat{j}-2\hat{k}$, तो $|\vec{a}\times\vec{b}|$ ज्ञात कीजिए।

हल यहाँ

$$\vec{a}\times\vec{b} = \begin{vmatrix}\hat{i} & \hat{j} & \hat{k}\\ 2 & 1 & 3\\ 3 & 5 & -2\end{vmatrix}$$

$$= \hat{i}(-2-15)-(-4-9)\hat{j}+(10-3)\hat{k} = -17\hat{i}+13\hat{j}+7\hat{k}$$

अत: $$|\vec{a}\times\vec{b}| = \sqrt{(-17)^2+(13)^2+(7)^2}=\sqrt{507}$$

उदाहरण 23 सदिश $(\vec{a}+\vec{b})$ और $(\vec{a}-\vec{b})$ में से प्रत्येक के लंबवत् मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए जहाँ $\vec{a}=\hat{i}+\hat{j}+\hat{k},\ \vec{b}=\hat{i}+2\hat{j}+3\hat{k}$ हैं।

हल हम पाते हैं कि $\vec{a}+\vec{b}=2\hat{i}+3\hat{j}+4\hat{k}$ और $\vec{a}-\vec{b}=-\hat{j}-2\hat{k}$

एक सदिश, जो $\vec{a}+\vec{b}$ और $\vec{a}-\vec{b}$ दोनो पर लंब है, निम्नलिखित द्वारा प्रदत्त है

$$(\vec{a}+\vec{b})\times(\vec{a}-\vec{b}) = \begin{vmatrix}\hat{i} & \hat{j} & \hat{k}\\ 2 & 3 & 4\\ 0 & -1 & -2\end{vmatrix} = -2\hat{i}+4\hat{j}-2\hat{k}\ \ (=\vec{c}, \text{ मानलीजिए})$$

अब $$|\vec{c}| = \sqrt{4+16+4}=\sqrt{24}=2\sqrt{6}$$

अत: अभीष्ट मात्रक सदिश

$$\frac{\vec{c}}{|\vec{c}|} = \frac{-1}{\sqrt{6}}\hat{i}+\frac{2}{\sqrt{6}}\hat{j}-\frac{1}{\sqrt{6}}\hat{k} \text{ है।}$$

टिप्पणी किसी तल पर दो लंबवत् दिशाएँ होती हैं। अत: $\vec{a}+\vec{b}$ और $\vec{a}-\vec{b}$ पर दूसरा लंबवत् मात्रक सदिश $\frac{1}{\sqrt{6}}\hat{i}-\frac{2}{\sqrt{6}}\hat{j}+\frac{1}{\sqrt{6}}\hat{k}$ होगा। परंतु यह $(\vec{a}-\vec{b})\times(\vec{a}+\vec{b})$ का एक परिणाम है।

उदाहरण 24 एक त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसके शीर्ष बिंदु A(1, 1, 1), B(1, 2, 3) और C(2, 3, 1) हैं।

हल हम पाते हैं कि $\overrightarrow{AB}=\hat{j}+2\hat{k}$ और $\overrightarrow{AC}=\hat{i}+2\hat{j}$. दिए हुए त्रिभुज का क्षेत्रफल $\frac{1}{2}|\overrightarrow{AB}\times\overrightarrow{AC}|$ है।

अब $$\overrightarrow{AB}\times\overrightarrow{AC}=\begin{vmatrix}\hat{i} & \hat{j} & \hat{k}\\ 0 & 1 & 2\\ 1 & 2 & 0\end{vmatrix}=-4\hat{i}+2\hat{j}-\hat{k}$$

इसलिए $$|\overrightarrow{AB}\times\overrightarrow{AC}|=\sqrt{16+4+1}=\sqrt{21}$$

अत: अभीष्ट क्षेत्रफल $\frac{1}{2}\sqrt{21}$ है।

उदाहरण 25 उस समांतर चतुर्भुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसकी संलग्न भुजाएँ $\vec{a}=3\hat{i}+\hat{j}+4\hat{k}$ और $\vec{b}=\hat{i}-\hat{j}+\hat{k}$ द्वारा दी गई हैं।

हल किसी समांतर चतुर्भुज की संलग्न भुजाएँ $\vec{a}$ और $\vec{b}$ हैं तो उसका क्षेत्रफल $|\vec{a}\times\vec{b}|$ द्वारा प्राप्त होता है।

अब $$\vec{a}\times\vec{b}=\begin{vmatrix}\hat{i} & \hat{j} & \hat{k}\\ 3 & 1 & 4\\ 1 & -1 & 1\end{vmatrix}=5\hat{i}+\hat{j}-4\hat{k}$$

इसलिए $$|\vec{a}\times\vec{b}|=\sqrt{25+1+16}=\sqrt{42}$$

इस प्रकार आवश्यक क्षेत्रफल $\sqrt{42}$ है।

प्रश्नावली 10.4

1. यदि $\vec{a} = \hat{i} - 7\hat{j} + 7\hat{k}$ और $\vec{b} = 3\hat{i} - 2\hat{j} + 2\hat{k}$ तो $|\vec{a} \times \vec{b}|$ ज्ञात कीजिए।

2. सदिश $\vec{a} + \vec{b}$ और $\vec{a} - \vec{b}$ की लंब दिशा में मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए जहाँ $\vec{a} = 3\hat{i} + 2\hat{j} + 2\hat{k}$ और $\vec{b} = \hat{i} + 2\hat{j} - 2\hat{k}$ है।

3. यदि एक मात्रक सदिश $\vec{a}$, $\hat{i}$ के साथ $\frac{\pi}{3}$, $\hat{j}$ के साथ $\frac{\pi}{4}$ और $\hat{k}$ के साथ एक न्यून कोण θ बनाता है तो θ का मान ज्ञात कीजिए और इसकी सहायता से $\vec{a}$ के घटक भी ज्ञात कीजिए।

4. दर्शाइए कि $(\vec{a} - \vec{b}) \times (\vec{a} + \vec{b}) = 2(\vec{a} \times \vec{b})$

5. λ और μ ज्ञात कीजिए, यदि $(2\hat{i} + 6\hat{j} + 27\hat{k}) \times (\hat{i} + \lambda\hat{j} + \mu\hat{k}) = \vec{0}$

6. दिया हुआ है कि $\vec{a} \cdot \vec{b} = 0$ और $\vec{a} \times \vec{b} = \vec{0}$. सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बारे में आप क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?

7. मान लीजिए सदिश $\vec{a}, \vec{b}, \vec{c}$ क्रमशः $a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k},\ b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k},\ c_1\hat{i} + c_2\hat{j} + c_3\hat{k}$ के रूप में दिए हुए हैं तब दर्शाइए कि $\vec{a} \times (\vec{b} + \vec{c}) = \vec{a} \times \vec{b} + \vec{a} \times \vec{c}$

8. यदि $\vec{a} = \vec{0}$ अथवा $\vec{b} = \vec{0}$ तब $\vec{a} \times \vec{b} = \vec{0}$ होता है। क्या विलोम सत्य है? उदाहरण सहित अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

9. एक त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसके शीर्ष $A(1, 1, 2), B(2, 3, 5)$ और $C(1, 5, 5)$ हैं।

10. एक समांतर चतुर्भुज का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए जिसकी संलग्न भुजाएँ सदिश $\vec{a} = \hat{i} - \hat{j} + 3\hat{k}$ और $\vec{b} = 2\hat{i} - 7\hat{j} + \hat{k}$ द्वारा निर्धारित हैं।

11. मान लीजिए सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ इस प्रकार हैं कि $|\vec{a}| = 3$ और $|\vec{b}| = \frac{\sqrt{2}}{3}$, तब $\vec{a} \times \vec{b}$ एक मात्रक सदिश है यदि $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण है:

(A) $\pi/6$ (B) $\pi/4$ (C) $\pi/3$ (D) $\pi/2$

12. एक आयत के शीर्षों A, B, C और D जिनके स्थिति सदिश क्रमशः

$-\hat{i} + \frac{1}{2}\hat{j} + 4\hat{k},\ \hat{i} + \frac{1}{2}\hat{j} + 4\hat{k},\ \hat{i} - \frac{1}{2}\hat{j} + 4\hat{k}$ और $-\hat{i} - \frac{1}{2}\hat{j} + 4\hat{k}$, हैं का क्षेत्रफल है:

(A) $\frac{1}{2}$ (B) 1

(C) 2 (D) 4

विविध उदाहरण

उदाहरण 26 XY-तल में सभी मात्रक सदिश लिखिए।

हल मान लीजिए कि $\vec{r} = x\hat{i} + y\hat{j}$, XY-तल में एक मात्रक सदिश है (आकृति 10.28)। तब आकृति के अनुसार हम पाते हैं कि $x = \cos\theta$ और $y = \sin\theta$ (क्योंकि $|\vec{r}| = 1$). इसलिए हम सदिश $\vec{r}$ को,

$$\vec{r}\left(=\overrightarrow{OP}\right) = \cos\theta\hat{i} + \sin\theta\hat{j} \qquad \text{... (1)}$$

के रूप में लिख सकते हैं।

स्पष्टत: $\qquad |\vec{r}| = \sqrt{\cos^2\theta + \sin^2\theta} = 1$

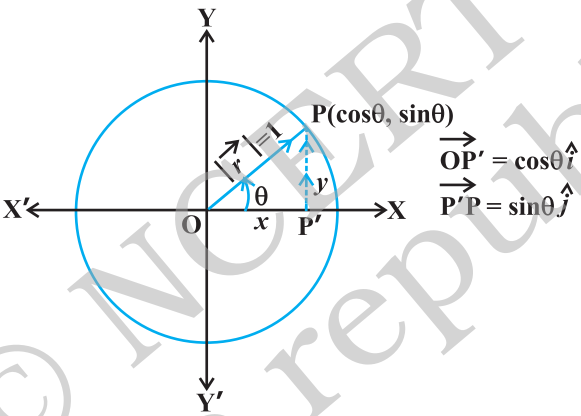

आकृति 10.28

जैसे-जैसे θ, 0 से 2π, तक परिवर्तित होता है बिंदु P (आकृति 10.28) वामावर्त दिशा में वृत $x^2 + y^2 = 1$ का अनुरेखण करता है और इसमें सभी संभावित दिशाएँ सम्मिलित हैं। अत: (1) से XY-तल में प्रत्येक मात्रक सदिश प्राप्त होता है।

उदाहरण 27 यदि बिंदुओं A, B, C और D, के स्थिति सदिश क्रमश: $\hat{i} + \hat{j} + \hat{k}$, $2\hat{i} + 5\hat{j}$, $3\hat{i} + 2\hat{j} - 3\hat{k}$ और $\hat{i} - 6\hat{j} - \hat{k}$ है, तो सरल रेखाओं AB तथा CD के बीच का कोण ज्ञात कीजिए। निगमन कीजिए कि AB और CD संरेख हैं।

हल नोट कीजिए कि यदि θ, AB और CD, के बीच का कोण है तो θ, $\overrightarrow{AB}$ और $\overrightarrow{CD}$ के बीच का भी कोण है।

अब $\qquad \overrightarrow{AB}$ = B का स्थिति सदिश – A का स्थिति सदिश

$$= (2\hat{i} + 5\hat{j}) - (\hat{i} + \hat{j} + \hat{k}) = \hat{i} + 4\hat{j} - \hat{k}$$

इसलिए $$|\overrightarrow{AB}| = \sqrt{(1)^2+(4)^2+(-1)^2} = 3\sqrt{2}$$

इसी प्रकार $\overrightarrow{CD} = -2\hat{i} - 8\hat{j} + 2\hat{k}$ और $|\overrightarrow{CD}| = 6\sqrt{2}$

अत: $$\cos\theta = \frac{\overrightarrow{AB}.\overrightarrow{CD}}{|\overrightarrow{AB}||\overrightarrow{CD}|}$$

$$= \frac{1(-2)+4(-8)+(-1)(2)}{(3\sqrt{2})(6\sqrt{2})} = \frac{-36}{36} = -1$$

क्योंकि $0 \le \theta \le \pi$, इससे प्राप्त होता है कि $\theta = \pi$. यह दर्शाता है कि AB तथा CD एक दूसरे के संरेख हैं।

विकल्पत: $\overrightarrow{AB} = -\frac{1}{2}\overrightarrow{CD}$, इससे कह सकते कि $\overrightarrow{AB}$ और $\overrightarrow{CD}$ संरेख सदिश हैं।

उदाहरण 28 मान लीजिए $\vec{a}, \vec{b}$ और $\vec{c}$ तीन सदिश इस प्रकार हैं कि $|\vec{a}| = 3, |\vec{b}| = 4, |\vec{c}| = 5$ और इनमें से प्रत्येक, अन्य दो सदिशों के योगफल पर लंबवत् हैं तो, $|\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}|$ ज्ञात कीजिए।

हल दिया हुआ है कि $\vec{a}\cdot(\vec{b}+\vec{c}) = 0,\ \vec{b}\cdot(\vec{c}+\vec{a}) = 0,\ \vec{c}\cdot(\vec{a}+\vec{b}) = 0$

अब $$|\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}|^2 = (\vec{a}+\vec{b}+\vec{c})\cdot(\vec{a}+\vec{b}+\vec{c})$$

$$= \vec{a}\cdot\vec{a} + \vec{a}\cdot(\vec{b}+\vec{c}) + \vec{b}\cdot\vec{b} + \vec{b}\cdot(\vec{a}+\vec{c})$$

$$+\ \vec{c}.(\vec{a}+\vec{b}) + \vec{c}.\vec{c}$$

$$= |\vec{a}|^2 + |\vec{b}|^2 + |\vec{c}|^2$$

$$= 9 + 16 + 25 = 50$$

इसलिए $$|\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}| = \sqrt{50} = 5\sqrt{2}$$

उदाहरण 29 तीन सदिश $\vec{a}, \vec{b}$ और $\vec{c}$ प्रतिबंध $\vec{a}+\vec{b}+\vec{c} = \vec{0}$ को संतुष्ट करते हैं। यदि $|\vec{a}| = 1, |\vec{b}| = 4$ और $|\vec{c}| = 2$ तो राशि $\mu = \vec{a}\cdot\vec{b} + \vec{b}\cdot\vec{c} + \vec{c}\cdot\vec{a}$ का मान ज्ञात कीजिए।

हल क्योंकि $\vec{a}+\vec{b}+\vec{c} = \vec{0}$, इसलिए हम पाते हैं कि

$$\vec{a}\cdot(\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}) = 0$$

अथवा $$\vec{a}\cdot\vec{a} + \vec{a}\cdot\vec{b} + \vec{a}\cdot\vec{c} = 0$$

इसलिए $$\vec{a}\cdot\vec{b} + \vec{a}\cdot\vec{c} = -|\vec{a}|^2 = -1 \qquad \dots (1)$$

पुन: $$\vec{b}\cdot(\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}) = 0$$

अथवा $$\vec{a}\cdot\vec{b}+\vec{b}\cdot\vec{c} = -|\vec{b}|^2 = -16 \qquad \text{... (2)}$$

इसी प्रकार $$\vec{a}\cdot\vec{c}+\vec{b}\cdot\vec{c} = -4 \qquad \text{... (3)}$$

(1), (2) और (3) को जोड़ने पर हम पाते हैं कि

$$2\,(\vec{a}\cdot\vec{b}+\vec{b}\cdot\vec{c}+\vec{a}\cdot\vec{c}) = -21$$

या $$2\mu = -21, \text{ i.e., } \mu = \frac{-21}{2}$$

उदाहरण 30 यदि परस्पर लंबवत् मात्रक सदिशों $\hat{i}$, $\hat{j}$ और $\hat{k}$, की दक्षिणावर्ती पद्धति के सापेक्ष $\vec{\alpha} = 3\hat{i} - \hat{j}$, $\vec{\beta} = 2\hat{i} + \hat{j} - 3\hat{k}$, तो $\vec{\beta}$ को $\vec{\beta} = \vec{\beta}_1 + \vec{\beta}_2$ के रूप में अभिव्यक्त कीजिए जहाँ $\vec{\beta}_1$, $\vec{\alpha}$ के समांतर है और $\vec{\beta}_2$, $\vec{\alpha}$ के लंबवत् है।

हल मान लीजिए कि $\vec{\beta}_1 = \lambda\vec{\alpha}$, λ एक अदिश है अर्थात् $\vec{\beta}_1 = 3\lambda\hat{i} - \lambda\hat{j}$

अब $$\vec{\beta}_2 = \vec{\beta} - \vec{\beta}_1 = (2-3\lambda)\hat{i} + (1+\lambda)\hat{j} - 3\hat{k}$$

क्योंकि $\vec{\beta}_2$, $\vec{\alpha}$ पर लंब है इसलिए $\vec{\alpha}\cdot\vec{\beta}_2 = 0$

अर्थात् $$3(2-3\lambda) - (1+\lambda) = 0$$

अथवा $$\lambda = \frac{1}{2}$$

इसलिए $$\vec{\beta}_1 = \frac{3}{2}\hat{i} - \frac{1}{2}\hat{j} \quad \text{और} \quad \vec{\beta}_2 = \frac{1}{2}\hat{i} + \frac{3}{2}\hat{j} - 3\hat{k}$$

अध्याय 10 पर विविध प्रश्नावली

1. XY-तल में, x-अक्ष की धनात्मक दिशा के साथ वामावर्त दिशा में 30° का कोण बनाने वाला मात्रक सदिश लिखिए।
2. बिंदु $P(x_1, y_1, z_1)$ और $Q(x_2, y_2, z_2)$ को मिलाने वाले सदिश के अदिश घटक और परिमाण ज्ञात कीजिए।
3. एक लड़की पश्चिम दिशा में 4 km चलती है। उसके पश्चात् वह उत्तर से 30° पश्चिम की दिशा में 3 km चलती है और रूक जाती है। प्रस्थान के प्रारंभिक बिंदु से लड़की का विस्थापन ज्ञात कीजिए।
4. यदि $\vec{a} = \vec{b} + \vec{c}$, तब क्या यह सत्य है कि $|\vec{a}| = |\vec{b}| + |\vec{c}|$? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।
5. x का वह मान ज्ञात कीजिए जिसके लिए $x(\hat{i}+\hat{j}+\hat{k})$ एक मात्रक सदिश है।
6. सदिशों $\vec{a} = 2\hat{i} + 3\hat{j} - \hat{k}$ और $\vec{b} = \hat{i} - 2\hat{j} + \hat{k}$ के परिणामी के समांतर एक ऐसा सदिश ज्ञात कीजिए जिसका परिमाण 5 इकाई है।

7. यदि $\vec{a}=\hat{i}+\hat{j}+\hat{k}$, $\vec{b}=2\hat{i}-\hat{j}+3\hat{k}$ और $\vec{c}=\hat{i}-2\hat{j}+\hat{k}$, तो सदिश $2\vec{a}-\vec{b}+3\vec{c}$ के समांतर एक मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए।

8. दर्शाइए कि बिंदु A $(1, -2, -8)$, B $(5, 0, -2)$ और C $(11, 3, 7)$ संरेख है और B द्वारा AC को विभाजित करने वाला अनुपात ज्ञात कीजिए।

9. दो बिंदुओं P $(2\vec{a}+\vec{b})$ और Q$(\vec{a}-3\vec{b})$ को मिलाने वाली रेखा को $1:2$ के अनुपात मे बाह्य विभाजित करने वाले बिंदु R का स्थिति सदिश ज्ञात कीजिए। यह भी दर्शाइए कि बिंदु P रेखाखंड RQ का मध्य बिंदु है।

10. एक समांतर चतुर्भुज की संलग्न भुजाएँ $2\hat{i}-4\hat{j}+5\hat{k}$ और $\hat{i}-2\hat{j}-3\hat{k}$ हैं। इसके विकर्ण के समांतर एक मात्रक सदिश ज्ञात कीजिए। इसका क्षेत्रफल भी ज्ञात कीजिए।

11. दर्शाइए कि OX, OY एवं OZ अक्षों के साथ बराबर झुके हुए सदिश की दिक्-कोसाइन कोज्याएँ $\frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}$ है।

12. मान लीजिए $\vec{a}=\hat{i}+4\hat{j}+2\hat{k}$, $\vec{b}=3\hat{i}-2\hat{j}+7\hat{k}$ और $\vec{c}=2\hat{i}-\hat{j}+4\hat{k}$. एक ऐसा सदिश $\vec{d}$ ज्ञात कीजिए जो $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दोनों पर लंब है और $\vec{c}\cdot\vec{d}=15$

13. सदिश $\hat{i}+\hat{j}+\hat{k}$ का, सदिशों $2\hat{i}+4\hat{j}-5\hat{k}$ और $\lambda\hat{i}+2\hat{j}+3\hat{k}$ के योगफल की दिशा में मात्रक सदिश के साथ अदिश गुणनफल 1 के बराबर है तो λ का मान ज्ञात कीजिए।

14. यदि $\vec{a}, \vec{b}, \vec{c}$ समान परिमाणों वाले परस्पर लंबवत् सदिश हैं तो दर्शाइए कि सदिश $\vec{a}+\vec{b}+\vec{c}$ सदिशों $\vec{a}$, $\vec{b}$ तथा $\vec{c}$ के साथ बराबर झुका हुआ है।

15. सिद्ध कीजिए कि $(\vec{a}+\vec{b})\cdot(\vec{a}+\vec{b})=|\vec{a}|^2+|\vec{b}|^2$, यदि और केवल यदि $\vec{a}, \vec{b}$ लंबवत् हैं। यह दिया हुआ है कि $\vec{a}\neq\vec{0}, \vec{b}\neq\vec{0}$

16 से 19 तक के प्रश्नों में सही उत्तर का चयन कीजिए।

16. यदि दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ है तो $\vec{a}\cdot\vec{b}\geq 0$ होगा यदि:

(A) $0<\theta<\frac{\pi}{2}$ (B) $0\leq\theta\leq\frac{\pi}{2}$

(C) $0<\theta<\pi$ (D) $0\leq\theta\leq\pi$

17. मान लीजिए $\vec{a}$ और $\vec{b}$ दो मात्रक सदिश हैं और उनके बीच का कोण θ है तो $\vec{a}+\vec{b}$ एक मात्रक सदिश है यदि:

(A) $\theta=\frac{\pi}{4}$ (B) $\theta=\frac{\pi}{3}$ (C) $\theta=\frac{\pi}{2}$ (D) $\theta=\frac{2\pi}{3}$

18. $\hat{i}.(\hat{j}\times\hat{k})+\hat{j}.(\hat{i}\times\hat{k})+\hat{k}.(\hat{i}\times\hat{j})$ का मान है

(A) 0 (B) –1 (C) 1 (D) 3

19. यदि दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ है तो $|\vec{a}\cdot\vec{b}|=|\vec{a}\times\vec{b}|$ जब θ बराबर है:

(A) 0 (B) $\frac{\pi}{4}$ (C) $\frac{\pi}{2}$ (D) π

सारांश

- एक बिंदु P(x, y, z) की स्थिति सदिश $\overrightarrow{OP}(=\vec{r})=x\hat{i}+y\hat{j}+z\hat{k}$ है और परिमाण $\sqrt{x^2+y^2+z^2}$ है।
- एक सदिश के अदिश घटक इसके दिक्-अनुपात कहलाते हैं और क्रमागत अक्षों के साथ इसके प्रक्षेप को निरूपित करते हैं।
- एक सदिश का परिमाण (r), दिक्-अनुपात a, b, c और दिक्-कोसाइन (l, m, n) निम्नलिखित रूप में संबंधित हैं:

$$l=\frac{a}{r},\quad m=\frac{b}{r},\quad n=\frac{c}{r}$$

- त्रिभुज की तीनों भुजाओं को क्रम में लेने पर उनका सदिश योग $\vec{0}$ है।
- दो सह-आदिम सदिशों का योग एक ऐसे समांतर चतुर्भुज के विकर्ण से प्राप्त होता है जिसकी संलग्न भुजाएँ दिए हुए सदिश हैं।
- एक सदिश का अदिश λ से गुणन इसके परिमाण को $|\lambda|$ के गुणज में परिवर्तित कर देता है और λ का मान धनात्मक अथवा ऋणात्मक होने के अनुसार इसकी दिशा को समान अथवा विपरीत रखता है।
- दिए हुए सदिश $\vec{a}$ के लिए सदिश $\hat{a}=\frac{\vec{a}}{|\vec{a}|}$, $\vec{a}$ की दिशा में मात्रक सदिश है।
- बिदुओं P और Q जिनके स्थिति सदिश क्रमशः $\vec{a}$ और $\vec{b}$ हैं, को मिलाने वाली रेखा को $m:n$ के अनुपात में विभाजित करने वाले बिंदु R का स्थिति सदिश (i) $\frac{n\vec{a}+m\vec{b}}{m+n}$ अंतः विभाजन पर (ii) $\frac{m\vec{b}-n\vec{a}}{m-n}$ बाह्य विभाजन पर, के रूप में प्राप्त होता है।

- दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ है तो उनका अदिश गुणनफल $\vec{a}\cdot\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|\cos\theta$ के रूप में प्राप्त होता है। यदि $\vec{a}\cdot\vec{b}$ दिया हुआ है तो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण 'θ', $\cos\theta = \dfrac{\vec{a}\cdot\vec{b}}{|\vec{a}||\vec{b}|}$ से प्राप्त होता है।
- यदि दो सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ के बीच का कोण θ है तो उनका सदिश गुणनफल $\vec{a}\times\vec{b} = |\vec{a}||\vec{b}|\sin\theta\,\hat{n}$ के रूप में प्राप्त होता है। जहाँ $\hat{n}$ एक ऐसा मात्रक सदिश है जो $\vec{a}$ और $\vec{b}$ को सम्मिलित करने वाले तल के लंबवत् है तथा $\vec{a}, \vec{b}$ और $\hat{n}$ दक्षिणावर्ती समकोणिक निर्देशांक पद्धति को निर्मित करते हैं।
- यदि $\vec{a} = a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$ तथा $\vec{b} = b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k}$ और λ एक अदिश है तो

$$\vec{a}+\vec{b} = (a_1+b_1)\hat{i} + (a_2+b_2)\hat{j} + (a_3+b_3)\hat{k}$$

$$\lambda\vec{a} = (\lambda a_1)\hat{i} + (\lambda a_2)\hat{j} + (\lambda a_3)\hat{k}$$

$$\vec{a}.\vec{b} = a_1b_1 + a_2b_2 + a_3b_3$$

और $$\vec{a}\times\vec{b} = \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ a_1 & b_1 & c_1 \\ a_2 & b_2 & c_2 \end{vmatrix}$$

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सदिश शब्द का व्युत्पन्न लैटिन भाषा के एक शब्द वेक्टस (vectus) से हुआ है जिसका अर्थ है हस्तगत करना। आधुनिक सदिश सिद्धांत के भ्रूणीय विचार की तिथि सन् 1800 के आसपास मानी जाती है, जब Caspar Wessel (1745-1818 ई.) और Jean Robert Argand (1768-1822ई.) ने इस बात का वर्णन किया कि एक निर्देशांक तल में किसी दिष्ट रेखाखंड की सहायता से एक सम्मिश्र संख्या $a + ib$ का ज्यामितीय अर्थ निर्वचन कैसे किया जा सकता है। एक आयरिश गणितज्ञ, William Rowen Hamilton (1805-1865 ई.) ने अपनी पुस्तक, "*Lectures on Quaternions*" (1853 ई.) में दिष्ट रेखाखंड के लिए सदिश शब्द का प्रयोग सबसे पहले किया था। चतुष्टयीयों (quaternians) [कुछ निश्चित बीजीय नियमों का पालन करते हुए $a + b\,\hat{i} + c\,\hat{j} + d\,\hat{k}, \hat{i}, \hat{j}, \hat{k}$ के रूप वाले चार वास्तविक संख्याओं का

समुच्चय] की हैमिल्टन विधि सदिशों को त्रि-विमीय अंतरिक्ष में गुणा करने की समस्या का एक हल था। तथापि हम यहाँ इस बात का जिक्र अवश्य करेंगे कि सदिश की संकल्पना और उनके योगफल का विचार बहुत- दिनों पहले से Plato (384-322 ईसा पूर्व) के एक शिष्य एवं यूनानी दार्शानिक और वैज्ञानिक Aristotle (427-348 ईसा पूर्व) के काल से ही था। उस समय इस जानकारी की कल्पना थी कि दो अथवा अधिक बलों की संयुक्त क्रिया उनको समांतर चतुर्भुज के नियमानुसार योग करने पर प्राप्त की जा सकती है। बलों के संयोजन का सही नियम, कि बलों का योग सदिश रूप में किया जा सकता है, की खोज Sterin Simon(1548-1620ई.) द्वारा लंबवत् बलों की स्थिति में की गई। सन् 1586 में उन्होंने अपनी शोधपुस्तक, "*DeBeghinselen der Weeghconst*" (वजन करने की कला के सिद्धांत) में बलों के योगफल के ज्यामितीय सिद्धांत का विश्लेषण किया था जिसके कारण यांत्रिकी के विकास में एक मुख्य परिवर्तन हुआ। परंतु इसके बाद भी सदिशों की व्यापक संकल्पना के निर्माण में 200 वर्ष लग गए।

सन् 1880 में एक अमेरिकी भौतिक शास्त्री एवं गणितज्ञ Josaih Willard Gibbs (1839-1903 ई.) और एक अंग्रेज अभियंता Oliver Heaviside (1850-1925 ई.) ने एक चतुष्टयी के वास्तविक (अदिश) भाग को काल्पनिक (सदिश) भाग से पृथक् करते हुए सदिश विश्लेषण का सृजन किया था। सन् 1881 और 1884 में Gibbs ने "*Entitled Element of Vector Analysis*" नामक एक शोध पुस्तिका छपवाई। इस पुस्तक में सदिशों का एक क्रमबद्ध एवं संक्षिप्त विवरण दिया हुआ था। तथापि सदिशों के अनुप्रयोग का निरूपण करने की कीर्ति D. Heaviside और P.G Tait (1831-1901 ई.) को प्राप्त है जिन्होंने इस विषय के लिए सार्थक योगदान दिया है।

अध्याय **12**

रैखिक प्रोग्रामन Linear Programming

❖ *The mathematical experience of the student is incomplete if he never had the opportunity to solve a problem invented by himself. — G POLYA* ❖

12.1 भूमिका (Introduction)

पिछली कक्षाओं में हम रैखिक समीकरणों और दिन प्रति दिन की समस्याओं में उनके अनुप्रयोग पर विचार-विमर्श कर चुके हैं। कक्षा XI में हमने दो चर राशियों वाले रैखिक असमिकाओं और रैखिक असमिकाओं के निकायों के आलेखीय निरूपण से हल निकालने के विषय में अध्ययन कर चुके हैं। गणित में कई अनुप्रयोगों में असमिकाओं/समीकरणों के निकाय सम्मिलित हैं। इस अध्याय में हम रैखिक असमिकाओं/समीकरणों के निकायों का नीचे दी गई कुछ वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने में उपयोग करेंगे।

L. Kantorovich

एक फर्नीचर व्यापारी दो वस्तुओं जैसे मेज़ और कुर्सियों का व्यवसाय करता है। निवेश के लिए उसके पास Rs 50,000 और रखने के लिए केवल 60 वस्तुओं के लिए स्थान है। एक मेज़ पर Rs 2500 और एक कुर्सी पर Rs 500 की लागत आती है। वह अनुमान लगाता है कि एक मेज़ को बेचकर वह Rs 250 और एक कुर्सी को बेचने से Rs 75 का लाभ कमा सकता है। मान लीजिए कि वह सभी वस्तुओं को बेच सकता है जिनको कि वह खरीदता है तब वह जानना चाहता है कि कितनी मेज़ों एवं कुर्सियों को खरीदना चाहिए ताकि उपलब्ध निवेश राशि पर उसका सकल लाभ अधिकतम हो।

इस प्रकार की समस्याओं जिनमें सामान्य प्रकार की समस्याओं में लाभ का अधिकतमीकरण और लागत का न्यूनतमीकरण खोजने का प्रयास किया जाता है, इष्टतमकारी समस्याएँ कहलाती हैं। अत: इष्टतमकारी समस्या में अधिकतम लाभ, न्यूनतम लागत या संसाधनों का न्यूनतम उपयोग सम्मिलित है।

रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ एक विशेष लेकिन एक महत्त्वपूर्ण प्रकार की इष्टतमकारी समस्या है और उपरोक्त उल्लिखित इष्टतमकारी समस्या भी एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या है। उद्योग, वाणिज्य, प्रबंधन विज्ञान आदि में विस्तृत सुसंगतता के कारण रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ अत्यधिक महत्त्व की हैं।

इस अध्याय में, हम कुछ रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ और उनका आलेखी विधि द्वारा हल निकालने का अध्ययन करेंगे। यद्यपि इस प्रकार समस्याओं का हल निकालने के लिए अन्य विधियाँ भी हैं।

12.2 रैखिक प्रोग्रामन समस्या और उसका गणितीय सूत्रीकरण (Linear Programming Problem and its Mathematical Formulation)

हम अपना विचार विमर्श उपरोक्त उदाहरण के साथ प्रारंभ करते हैं जो कि दो चर राशियों वाली समस्या के गणितीय सूत्रीकरण अथवा गणितीय प्रतिरूप का मार्गदर्शन करेगा। इस उदाहरण में हमने ध्यानपूर्वक देखा कि

(i) व्यापारी अपनी धन राशि को मेज़ों या कुर्सियों या दोनों के संयोजनों में निवेश कर सकता है। इसके अतिरिक्त वह निवेश के विभिन्न योजनात्मक विधियों से विभिन्न लाभ कमा सकेगा।

(ii) कुछ अधिक महत्त्वपूर्ण स्थितियाँ या व्यवरोधों का भी समावेश है जैसे उसका निवेश अधिकतम Rs 50,000 तक सीमित है तथा उसके पास अधिकतम 60 वस्तुओं को रखने के लिए स्थान उपलब्ध है।

मान लीजिए कि वह कोई कुर्सी नहीं खरीदता केवल मेज़ों के खरीदने का निश्चय करता है, इसलिए वह $50{,}000 \div 2500$, या 20 मेज़ों को खरीद सकता है। इस स्थिति में उसका सकल लाभ Rs (250×20) या **Rs 5000** होगा।

मान लीजिए कि वह कोई मेज़ न खरीदकर केवल कुर्सियाँ ही खरीदने का चयन करता है। तब वह अपनी उपलब्ध Rs 50,000 की राशि में $50{,}000 \div 500$, अर्थात् 100 कुर्सियाँ ही खरीद सकता है। परंतु वह केवल 60 नगों को ही रख सकता है। अत: वह 60 कुर्सियाँ मात्र खरीदने के लिए बाध्य होगा। जिससे उसे सकल लाभ Rs 60×75 अर्थात् **Rs 4500** ही होगा।

ऐसी और भी बहुत सारी संभावनाएँ हैं। उदाहरण के लिए वह 10 मेज़ों और 50 कुर्सियाँ खरीदने का चयन कर सकता है, क्योंकि उसके पास 60 वस्तुओं को रखने का स्थान उपलब्ध है। इस स्थिति में उसका सकल लाभ Rs $(10 \times 250 + 50 \times 75)$, अर्थात् **Rs 6250** इत्यादि।

अत: हम ज्ञात करते हैं कि फर्नीचर व्यापारी विभिन्न चयन विधियों के द्वारा अपनी धन राशि का निवेश कर सकता है और विभिन्न निवेश योजनाओं को अपनाकर विभिन्न लाभ कमा सकेगा।

अब समस्या यह है कि उसे अपनी धन राशि को अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए किस प्रकार निवेश करना चाहिए? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए हमें समस्या का गणितीय सूत्रीकरण करने का प्रयास करना चाहिए।

12.2.1 *समस्या का गणितीय सूत्रीकरण (Mathematical Formulation of the Problem)*

मान लीजिए कि मेज़ों की संख्या x और कुर्सियों की संख्या y है जिन्हें फर्नीचर व्यापारी खरीदता है। स्पष्टत: x और y ऋणेतर हैं, अर्थात्

$$\left.\begin{array}{l} x \geq 0 \quad \ldots(1) \\ y \geq 0 \quad \ldots(2) \end{array}\right\} \text{(ऋणेतर व्यवरोध)}$$

क्योंकि मेज़ों और कुर्सियों की संख्या ऋणात्मक नहीं हो सकती है।

व्यापारी (व्यवसायी) पर अधिकतम धन राशि (यहाँ यह Rs 50,000 है) का निवेश करने का व्यवरोध है और व्यवसायी के पास केवल अधिकतम वस्तुओं (यहाँ यह 60 है) को रखने के लिए स्थान का भी व्यवरोध है।

गणितीय रूप में व्यक्त करने पर

$$2500x + 500y \le 50{,}000 \quad \text{(निवेश व्यवरोध)}$$

या $$5x + y \le 100 \qquad \dots (3)$$

और $$x + y \le 60 \quad \text{(संग्रहण व्यवरोध)} \qquad \dots (4)$$

व्यवसायी इस प्रकार से निवेश करना चाहता है उसका लाभ Z (माना) अधिकतम हो और जिसे x और y के फलन के रूप में निम्नलिखित प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है:

$Z = 250x + 75y$ (उद्देशीय फलन कहलाता है)

प्रदत्त समस्या का अब गणितीय रूप में परिवर्तित हो जाती है:

$Z = 250x + 75y$ का अधिकतमीकरण कीजिए

जहाँ व्यवरोध निम्नलिखित है

$$5x + y \le 100$$

$$x + y \le 60$$

$$x \ge 0,\ y \ge 0$$

इसलिए हमें रैखिक फलन Z का अधिकतमीकरण करना है जबकि ऋणेतर चरों वाली रैखिक असमिकाओं के रूप कुछ विशेष स्थितियों के व्यवरोध व्यक्त किए गए हैं। कुछ अन्य समस्याएँ भी हैं जिनमें रैखिक फलन का न्यूनतमीकरण किया जाता है जबकि ऋणेतर चर वाली रैखिक असमिकाओं के रूप में कुछ विशेष स्थितियों के व्यवरोध व्यक्त किए जाते है। ऐसी समस्याओं को रैखिक प्रोग्रामन समस्या कहते हैं।

अत: एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या वह समस्या है जो कि x और y जैसे कुछ अनेक चरों के एक रैखिक फलन Z (जो कि उद्देश्य फलन कहलाता है) का इष्टतम सुसंगत/अनुकूलतम सुसंगत मान (अधिकतम या न्यूनतम मान) ज्ञात करने से संबंधित है। प्रतिबंध यह है कि चर ऋणेतर पूर्णांक हैं और ये रैखिक असमिकाओं के समुच्चय रैखिक व्यवरोधों को संतुष्ट करते हैं। रैखिक पद से तात्पर्य है कि समस्या में सभी गणितीय संबंध रैखिक हैं जबकि प्रोग्रामन से तात्पर्य है कि विशेष प्रोग्राम या विशेष क्रिया योजना ज्ञात करना।

आगे बढ़ने से पूर्व हम अब कुछ पदों (जिनका प्रयोग ऊपर हो चुका है) को औपचारिक रूप से परिभाषित करेंगे जिनका कि प्रयोग हम रैखिक प्रोग्राम समस्याओं में करेंगे:

उद्देश्य फलन रैखिक फलन $Z = ax + by$, जबकि a, b अचर है जिनका अधिकतमीकरण या न्यूनतमीकरण होना है एक रैखिक उद्देश्य फलन कहलाता है।

उपरोक्त उदाहरण में $Z = 250x + 75y$ एक रैखिक उद्देश्य फलन है। चर x और y निर्णायक चर कहलाते हैं।

व्यवरोध एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के चरों पर रैखिक असमिकाओं या समीकरण या प्रतिबंध व्यवरोध कहलाते हैं। प्रतिबंध $x \geq 0$, $y \geq 0$ ऋणेतर व्यवरोध कहलाते हैं। उपरोक्त उदाहरण में (1) से (4) तक असमिकाओं का समुच्चय व्यवरोध कहलाते हैं।

इष्टतम सुसंगत समस्याएँ निश्चित व्यवरोधों के अधीन असमिकाओं के समुच्चय द्वारा निर्धारित समस्या जो चरों (यथा दो चर x और y) में रैखिक फलन को अधिकतम या न्यूनतम करे, इष्टतम सुसंगत समस्या कहलाती है। रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ एक विशिष्ट प्रकार की इष्टतम सुसंगत समस्या है। सुसंगत समस्या व्यापारी द्वारा मेज़ों तथा कुर्सियों की खरीद में प्रयुक्त एक इष्टतम सुसंगत समस्या तथा रैखिक प्रोग्रामन की समस्या का एक उदाहरण है।

अब हम विवेचना करेंगे कि एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या को किस प्रकार हल किया जाता है। इस अध्याय में हम केवल आलेखीय विधि से ही संबंधित रहेंगे।

12.2.2 रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को हल करने की आलेखीय विधि (Graphical Method of Solving Linear Programming Problems)

कक्षा XI, में हम सीख चुके है कि किस प्रकार दो चरों x और y से संबंधित रैखिक असमीकरण निकायों का आरेख खींचते हैं तथा आरेखीय विधि द्वारा हल ज्ञात करते हैं। अब हमें अनुच्छेद 12.2 में विवेचन की हुई मेज़ों और कुर्सियों में निवेश की समस्या का उल्लेख करेंगे। अब हम इस समस्या को आरेख द्वारा हल करेंगे। अब हमें रैखिक असमीकरणों के रूप प्रदत्त व्यवरोधों का आरेख खींचें:

$$5x + y \leq 100 \quad \ldots (1)$$

$$x + y \leq 60 \quad \ldots (2)$$

$$x \geq 0 \quad \ldots (3)$$

$$y \geq 0 \quad \ldots (4)$$

इस निकाय का आरेख (छायांकित क्षेत्र) में असमीकरणों (1) से (4) तक के द्वारा नियत सभी अर्धतलों के उभयनिष्ठ बिंदुओं से निर्मित हैं। इस क्षेत्र में प्रत्येक बिंदु व्यापारी (व्यवसायी) को मेज़ों और कुर्सियों में निवेश करने के लिए सुसंगत विकल्प प्रस्तुत करता है। इसलिए यह क्षेत्र समस्या का सुसंगत क्षेत्र कहलाता है (आकृति 12.1)। इस क्षेत्र का प्रत्येक बिंदु समस्या का सुसंगत हल कहलाता है।

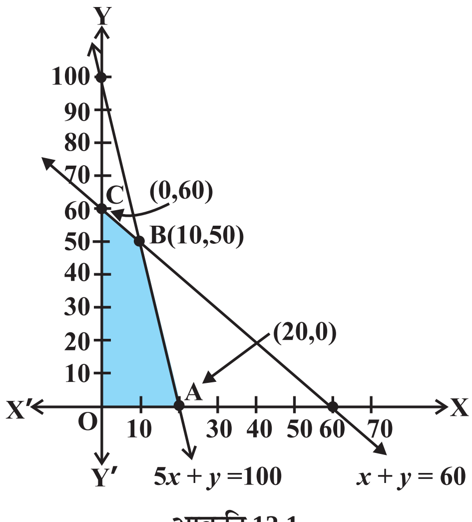

आकृति 12.1

अतः हम निम्न को परिभाषित करते हैं:

सुसंगत क्षेत्र प्रदत्त समस्या के लिए एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के ऋणेतर व्यवरोध $x, y \geq 0$ सहित सभी व्यवरोधों द्वारा नियत उभयनिष्ठ क्षेत्र सुसंगत क्षेत्र (या हल क्षेत्र) कहलाता है आकृति 12.1 में क्षेत्र OABC (छायांकित) समस्या के लिए सुसंगत क्षेत्र है। सुसंगत क्षेत्र के अतिरिक्त जो क्षेत्र है उसे असुसंगत क्षेत्र कहते हैं।

सुसंगत हल समूह सुसंगत क्षेत्र के अंतः भाग तथा सीमा के सभी बिंदु व्यवरोधों के सुसंगत हल कहलाते हैं। आकृति 12.1 में सुसंगत क्षेत्र OABC के अंतः भाग तथा सीमा के सभी बिंदु समस्या के सुसंगत हल प्रदर्शित कहते हैं। उदाहरण के लिए बिंदु (10, 50) समस्या का एक सुसंगत हल है और इसी प्रकार बिंदु (0, 60), (20, 0) इत्यादि भी हल हैं।

सुसंगत हल के बाहर का कोई भी बिंदु असुसंगत हल कहलाता हैं उदाहरण के लिए बिंदु (25, 40) समस्या का असुसंगत हल है।

इष्टतम/अनुकूलतम (सुसंगत) हल: सुसंगत क्षेत्र में कोई बिंदु जो उद्देश्य फलन का इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) दे, एक इष्टतम हल कहलाता है।

अब हम देखते हैं कि सुसंगत क्षेत्र OABC में प्रत्येक बिंदु (1) से (4) तक में प्रदत्त सभी व्यवरोधों को संतुष्ट करता है और ऐसे अनंत बिंदु हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि हम उद्देश्य फलन $Z = 250x + 75y$ के अधिकतम मान वाले बिंदु को किस प्रकार ज्ञात करने का प्रयास करें। इस स्थिति को हल करने के लिए हम निम्न प्रमेयों का उपयोग करेंगे जो कि रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को हल करने में मूल सिद्धांत (आधारभूत) है। इन प्रमेयों की उपपति इस पुस्तक के विषय-वस्तु से बाहर है।

प्रमेय 1 माना कि एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के लिए R सुसंगत क्षेत्र* (उत्तल बहुभुज) है और माना कि $Z = ax + by$ उद्देश्य फलन है। जब Z का एक इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) हो जहाँ व्यवरोधों से संबंधित चर x और y रैखिक असमीकरणों द्वारा व्यक्त हो तब यह इष्टतम मान सुसंगत क्षेत्र के कोने (शीर्ष) पर अवस्थित होने चाहिए।

प्रमेय 2 माना कि एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के लिए R सुसंगत क्षेत्र है तथा $Z = ax + by$ उद्देश्य फलन है। यदि R परिबद्ध क्षेत्र हो तब उद्देश्य फलन Z, R में दोनों अधिकतम और न्यूनतम मान रखता है और इनमें से प्रत्येक R के कोनीय (corner) बिंदु (शीर्ष) पर स्थित होता है।

टिप्पणी यदि R अपरिबद्ध है तब उद्देश्य फलन का अधिकतम या न्यूनतम मान का अस्तित्व नहीं भी हो सकता है। फिर भी यदि यह विद्यमान है तो R के कोनीय बिंदु पर होना चाहिए, (प्रमेय 1 के अनुसार)

उपरोक्त उदाहरण में परिबद्ध (सुसंगत) क्षेत्र के कोनीय बिंदु O, A, B और C हैं और बिंदुओं के निर्देशांक ज्ञात करना सरल है यथा (0, 0), (20, 0), (10, 50) और (0, 60) क्रमशः कोनीय बिंदु हैं। अब हमें इन बिंदुओं पर, Z का मान ज्ञात करना है।

वह इस प्रकार है:

सुसंगत क्षेत्र के शीर्ष	Z के संगत मान	
O (0,0)	0	
A (0,60)	4500	
B (10,50)	**6250** ⟵	अधिकतम
C (20,0)	5000	

हम निरीक्षण करते हैं कि व्यवसायी को निवेश योजना (10, 50) अर्थात् 10 मेज़ों और 50 कुर्सियों के खरीदने में अधिकतम लाभ होगा।

इस विधि में निम्न पदों का समाविष्ट हैं:

1. रैखिक प्रोग्रामन समस्या का सुसंगत क्षेत्र ज्ञात कीजिए और उसके कोनीय बिंदुओं (शीर्ष) को या तो निरीक्षण से अथवा दो रेखाओं के प्रतिच्छेद बिंदु को दो रेखाओं की समीकरणों को हल करके उस बिंदु को ज्ञात कीजिए।
2. उद्देश्य फलन $Z = ax + by$ का मान प्रत्येक कोनीय बिंदु पर ज्ञात कीजिए। माना कि M और m, क्रमश: इन बिंदुओं पर अधिकतम तथा न्यूनतम मान प्रदर्शित करते हैं।
3. (i) जब सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है, M और m, Z के अधिकतम और न्यूनतम मान हैं।

   (ii) ऐसी स्थिति में जब सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध हो तो हम निम्नलिखित विधि का उपयोग करते हैं।
4. (a) M को Z का अधिकतम मान लेते हैं यदि $ax + by > M$ द्वारा प्राप्त अर्ध-तल का कोई बिंदु सुसंगत क्षेत्र में न पड़े अन्यथा Z कोई अधिकतम मान नहीं है।

   (b) इसी प्रकार, m, को Z का न्यूनतम मान लेते हैं यदि $ax + by < m$ द्वारा प्राप्त खुले अर्धतल और सुसंगत क्षेत्र में कोई बिंदु उभयनिष्ठ नहीं है। अन्यथा Z का कोई न्यूनतम मान नहीं है।

हम अब कुछ उदाहरणों के द्वारा कोनीय विधि के पदों को स्पष्ट करेंगे:

उदाहरण 1 आलेख द्वारा निम्न रैखिक प्रोग्रामन समस्या को हल कीजिए:

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$x + y \leq 50 \qquad \ldots (1)$$

---

* सुसंगत क्षेत्र का कोनीय बिंदु क्षेत्र का ही कोई बिंदु होता है जो दो रेखाओं का प्रतिच्छेदन बिंदु है।

** एक रैखिक समीकरण निकाय का सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध कहा जाता है यदि यह एक वृत के अंतर्गत परिबद्ध किया जा सकता है अन्यथा इसे अपरिबद्ध कहते हैं। अपरिबद्ध से तात्पर्य है कि सुसंगत क्षेत्र किसी भी दिशा में असीमित रूप से बढ़ाया जा सकता है।

$3x + y \le 90$ ... (2)

$x \ge 0, y \ge 0$ ... (3)

$Z = 4x + y$ का अधिकतम मान ज्ञात कीजिए:

हल आकृति 12.2 में छायांकित क्षेत्र (1) से (3) के व्यवरोधों के निकाय के द्वारा निर्धारित सुसंगत क्षेत्र है। हम निरीक्षण करते है कि सुसंगत क्षेत्र OABC परिबद्ध है। इसलिए हम Z का अधिकतम मान ज्ञात करने के लिए कोनीय बिंदु विधि का उपयोग करेंगे।

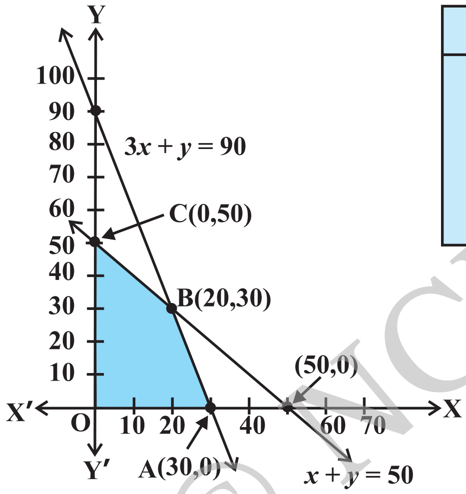

कोनीय बिंदु	Z के संगत मान	
(0, 0)	0	
(30, 0)	**120** ←	अधिकतम
(20, 30)	110	
(0, 50)	50	

आकृति 12. 2

कोनीय बिंदुओं O, A, B और C के निर्देशांक क्रमश: (0, 0), (30, 0), (20, 30) और (0, 50) हैं। अब प्रत्येक कोनीय बिंदु पर Z का मान ज्ञात करते हैं।

अत: बिंदु (30, 0) पर Z का अधिकतम मान 120 है।

उदाहरण 2 आलेखीय विधि द्वारा निम्न रैखिक प्रोग्रामन समस्या को हल कीजिए।

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$x + 2y \ge 10$ ... (1)

$3x + 4y \le 24$ ... (2)

$x \ge 0, y \ge 0$ ... (3)

$Z = 200\,x + 500\,y$ का न्यूनतम मान ज्ञात कीजिए

हल आकृति 12.3 में छायांकित क्षेत्र, (1) से (3) के व्यवरोधों के निकाय द्वारा निर्धारित सुसंगत क्षेत्र ABC है जो परिबद्ध है। कोनीय बिंदुओं A, B और C के निर्देशांक क्रमश: (0, 5), (4, 3) और (0, 6) हैं। हम इन बिंदुओं पर $Z = 200x + 500y$ का मान ज्ञात करते हैं

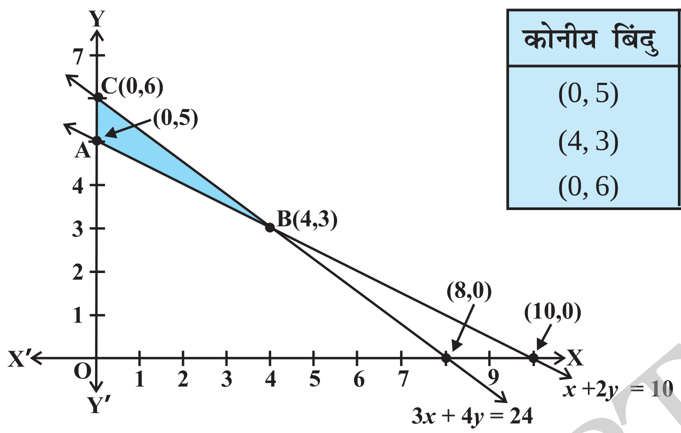

कोनीय बिंदु	Z के संगत मान
(0, 5)	2500
(4, 3)	**2300** ← न्यूनतम
(0, 6)	3000

आकृति 12.3

अत: बिंदु (4, 3) पर Z का न्यूनतम मान Rs 2300 प्राप्त होता है।

उदाहरण 3 आलेखीय विधि से निम्न समस्या को हल कीजिए:

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$x + 3y \le 60 \quad \dots (1)$$
$$x + y \ge 10 \quad \dots (2)$$
$$x \le y \quad \dots (3)$$
$$x \ge 0,\ y \ge 0 \quad \dots (4)$$

$Z = 3x + 9y$ का न्यूनतम और अधिकतम मान ज्ञात कीजिए।

हल सबसे पहले हम (1) से (4) तक की रैखिक असमिकाओं के निकाय के सुसंगत क्षेत्र का आलेख खींचते हैं। सुसंगत क्षेत्र ABCD को आकृति 12.4 में दिखाया गया है। क्षेत्र परिबद्ध है। कोनीय

कोनीय बिंदु	Z के संगत मान $Z = 3x + 9y$
A (0, 10)	90
B (5, 5)	**60** ← न्यूनतम
C (15, 15)	**180** } ← अधिकतम (बहु इष्टतम हल)
D (0, 20)	**180**

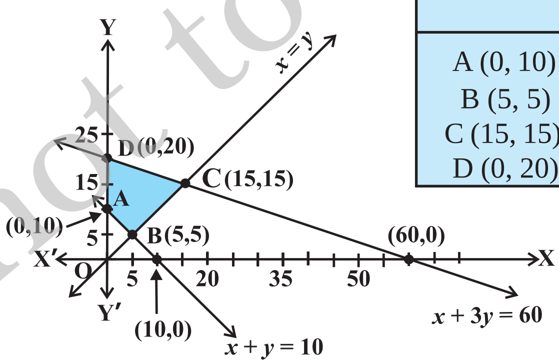

आकृति 12.4

बिंदुओं A, B, C और D के निर्देशांक क्रमशः (0, 10), (5, 5), (15,15) और (0, 20) हैं। अब हम Z के न्यूनतम और अधिकतम मान ज्ञात करने के लिए कोनीय बिंदु विधि का उपयोग करते हैं।

सारणी से हम सुसंगत क्षेत्र बिंदु B (5, 5) पर Z का न्यूनतम मान 60 प्राप्त करते हैं।

Z का अधिकतम मान सुसंगत क्षेत्र के दो कोनीय बिंदुओं प्रत्येक C (15, 15) और D (0, 20) पर 120 प्राप्त होता है।

टिप्पणी निरीक्षण कीजिए कि उपरोक्त उदाहरण में, समस्या कोनीय बिंदुओं C और D, पर समान इष्टतम हल रखती है, अर्थात् दोनों बिंदु वही अधिकतम मान 180 उत्पन्न करते हैं। ऐसी स्थितियों में दो कोनीय बिंदुओं को मिलाने वाले रेखाखंड CD पर प्रत्येक बिंदु तथा C और D भी एक ही अधिकतम मान देते हैं। वही उस स्थिति में भी सत्य है यदि दो बिंदु वही न्यूनतम मान उत्पन्न करते हैं।

उदाहरण 4 आलेखीय विधि द्वारा उद्देश्य फलन $Z = -50x + 20y$ का न्यूनतम मान निम्नलिखित व्यवरोधों के अंतर्गत ज्ञात कीजिए:

$$2x - y \geq -5 \quad \ldots (1)$$
$$3x + y \geq 3 \quad \ldots (2)$$
$$2x - 3y \leq 12 \quad \ldots (3)$$
$$x \geq 0, y \geq 0 \quad \ldots (4)$$

हल सबसे पहले हम (1) से (4) तक के असमीकरण निकाय द्वारा सुसंगत क्षेत्र का आलेख खींचते है। आकृति 12.5 में सुसंगत क्षेत्र (छायांकित) दिखाया गया है। निरीक्षण कीजिए कि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है।

अब हम कोनीय बिंदुओं पर Z का मान भी ज्ञात करेंगे:

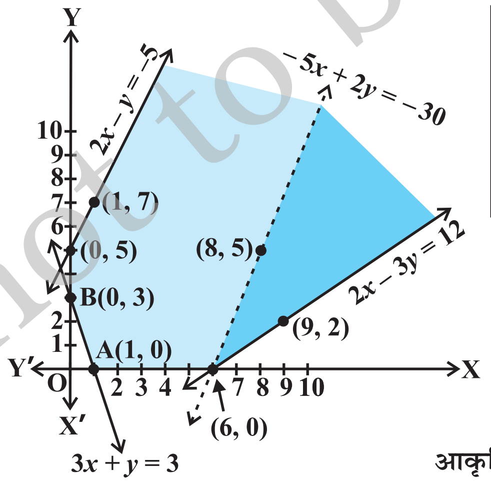

कोनीय बिंदु	$Z = -50x + 20y$	
(0, 5)	100	
(0, 3)	**60**	
(1, 0)	**–50**	
(6, 0)	**–300** ←	सबसे कम

आकृति 12. 5

इस सारणी से हम ज्ञात करते हैं कि कोनीय बिंदु (6, 0) पर Z का सबसे कम मान –300 है। क्या हम कह सकते हैं कि Z का न्यूनतम मान –300 है? ध्यान दीजिए कि यदि क्षेत्र परिबद्ध होता तो यह Z का सबसे कम मान (प्रमेय 2 से) होता। लेकिन हम यहाँ देखते हैं कि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है। इसलिए –300, Z का न्यूनतम मान हो भी सकता है और नहीं भी। इस समस्या का निष्कर्ष ज्ञात करने के लिए हम निम्नलिखित असमीकरण का आलेख खींचते हैं:

$$-50x + 20y < -300$$

अर्थात्
$$-5x + 2y < -30$$

और जाँच कीजिए कि आलेख द्वारा प्राप्त खुले अर्धतल व सुसंगत क्षेत्र में उभयनिष्ठ बिंदु हैं या नहीं है। यदि इसमें उभयनिष्ठ बिंदु हैं, तब Z का न्यूनतम मान –300 नहीं होगा। अन्यथा, Z का न्यूनतम मान –300 होगा।

जैसा कि आकृति 12.5 में दिखाया गया है। इसलिए, $Z = -50x + 20y$, का प्रदत्त व्यवरोधों के परिप्रेक्ष्य में न्यूनतम मान नहीं है।

उपरोक्त उदाहरण मे क्या आप जाँच कर सकते हैं कि $Z = -50x + 20y$, (0, 5) पर अधिकतम मान 100 रखता है? इसके लिए, जाँच कीजिए कि क्या $-50x + 20y > 100$ का आरेख सुसंगत क्षेत्र के साथ उभयनिष्ठ बिंदु रखता है।

उदाहरण 5 निम्नलिखित व्यवरोधों के अंतर्गत, $Z = 3x + 2y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए:

$$x + y \geq 8 \quad \dots (1)$$
$$3x + 5y \leq 15 \quad \dots (2)$$
$$x \geq 0, y \geq 0 \quad \dots (3)$$

हल असमिकाओं (1) से (3) का आलेख खींचिए (आकृति 12.6)। क्या कोई सुसंगत क्षेत्र है? यह ऐसा क्यों है?

आकृति 12.6 से आप ज्ञात कर सकते है कि ऐसा कोई बिंदु नहीं है जो सभी व्यवरोधों को एक साथ संतुष्ट कर सके। अतः, समस्या का सुसंगत हल नहीं है।

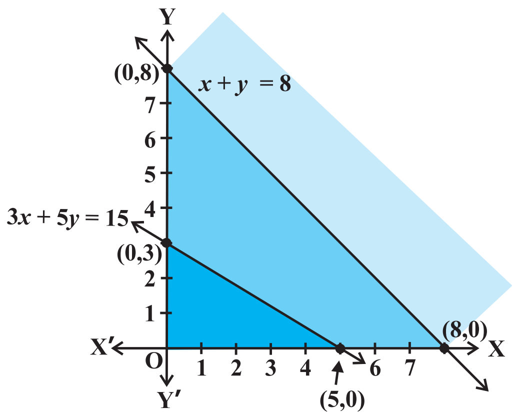

आकृति 12.6

टिप्पणी उदाहरणों से जिनका विवेचन हम अब तक कर चुके हैं जिसके आधार पर हम कुछ रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख करते हैं।

(1) सुसंगत क्षेत्र सदैव उत्तल बहुभुज होता है।

(2) उद्देश्य फलन का अधिकतम (या न्यूनतम) हल सुसंगत क्षेत्र के शीर्ष पर

(कोने पर) स्थित होता है। यदि उद्देश्य फलन के दो कोनीय बिंदु (शीर्ष) एक ही अधिकतम (या न्यूनतम) मान प्रदान करते हैं तो इन बिंदुओं के मिलाने वाली रेखाखंड का प्रत्येक बिंदु भी समान अधिकतम (या न्यूनतम) मान देगा।

प्रश्नावली 12.1

ग्राफ़ीय विधि से निम्न रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को हल कीजिए:

1. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = 3x + 4y$ का अधिकतमीकरण कीजिए:
   $x + y \le 4,\ x \ge 0,\ y \ge 0$
2. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = -3x + 4y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए:
   $x + 2y \le 8,\ 3x + 2y \le 12,\ x \ge 0,\ y \ge 0$
3. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = 5x + 3y$ का अधिकतमीकरण कीजिए:
   $3x + 5y \le 15,\ 5x + 2y \le 10,\ x \ge 0,\ y \ge 0$
4. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = 3x + 5y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए:
   $x + 3y \ge 3,\ x + y \ge 2,\ x, y \ge 0$
5. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = 3x + 2y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए:
   $x + 2y \le 10,\ 3x + y \le 15,\ x, y \ge 0$
6. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = x + 2y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए:
   $2x + y \ge 3,\ x + 2y \ge 6,\ x, y \ge 0$

दिखाइए कि Z का न्यूनतम मान दो बिंदुओं से अधिक बिंदुओं पर घटित होता है।

7. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = 5x + 10y$ का न्यूनतमीकरण तथा अधिकतमीकरण कीजिए:
   $x + 2y \le 120,\ x + y \ge 60,\ x - 2y \ge 0,\ x, y \ge 0$
8. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = x + 2y$ का न्यूनतमीकरण तथा अधिकतमीकरण कीजिए:
   $x + 2y \ge 100,\ 2x - y \le 0,\ 2x + y \le 200;\ x, y \ge 0$
9. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = -x + 2y$ का अधिकतमीकरण कीजिए:
   $x \ge 3,\ x + y \ge 5,\ x + 2y \ge 6,\ y \ge 0$
10. निम्न अवरोधों के अंतर्गत $Z = x + y$ का अधिकतमीकरण कीजिए:
    $x - y \le -1,\ -x + y \le 0,\ x, y \ge 0$

12.3 रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं के भिन्न प्रकार (Different Types of Linear Programming Problems)

कुछ महत्त्वपूर्ण रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ नीचे सूचीबद्ध हैं:

1. **उत्पादन संबंधी समस्याएँ** इस प्रकार की समस्याओं में हम ज्ञात करते हैं कि विभिन्न उत्पादनों के कितने नग बनाने में एक निश्चित जनशक्ति, मशीन के घंटे, प्रत्येक नग के निर्माण में व्यय, श्रम के घंटे, माल भंडारण गोदाम में प्रत्येक उत्पादन को रखने के लिए स्थान आदि को दृष्टि में रखते हुए अधिकतम लाभ कमाया जा सके।

2. **आहार संबंधी समस्याएँ** इस प्रकार की समस्याओं में हम ज्ञात करते हैं कि विभिन्न प्रकार के घटक/पोषक तत्व आहार में कितनी मात्रा में प्रयोग किए जाएँ जिससे उसमें सभी पोषक तत्वों की न्यूनतम आवश्यक मात्रा कम से कम लागत पर प्राप्त हो।

3. **परिवहन संबंधी समस्याएँ** इस प्रकार की समस्याओं में हम परिवहन प्रणाली को तय करते हैं जिससे संयंत्रों / कारखाने से विभिन्न स्थानों पर स्थित विभिन्न बाजारों में उत्पादनों को भेजने में परिवहन व्यय न्यूनतम हो।

अब हमें इस प्रकार की कुछ रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को हल करना चाहिए

उदाहरण 6 (आहार संबंधी समस्या): एक आहार विज्ञानी दो प्रकार के भोज्यों को इस प्रकार मिलाना चाहता है कि मिश्रण में विटामिन A का घटक कम से कम 8 मात्रक और विटामिन C का घटक कम से कम 10 मात्रक हो। भोज्य I में 2 मात्रक विटामिन A प्रति kg और 1 मात्रक विटामिन C प्रति kg है। जबकि भोज्य II में 1 मात्रक विटामिन A प्रति kg और 2 मात्रक विटामिन C प्रति kg है। दिया है कि प्रति kg भोज्य I को खरीदने में Rs 50 और प्रति kg भोज्य II को खरीदने में Rs 70 लगते हैं। इस प्रकार के भोज्य मिश्रण का न्यूनतम मूल्य ज्ञात कीजिए।

हल माना कि मिश्रण में भोज्य I का x kg और भोज्य II का y kg है। स्पष्टत: $x \geq 0$ $y \geq 0$. हम प्रदत्त आँकड़ों से निम्न सारणी बनाते हैं।

स्रोत	भोज्य पदार्थ I (x)	भोज्य पदार्थ II (y)	आवश्यकता (मात्रकों में)
विटामिन A (मात्रक/kg)	2	1	8
विटामिन C (मात्रक/kg)	1	2	10
लागत (Rs/kg)	50	70	

चूँकि मिश्रण में विटामिन A की कम से कम 8 मात्रक और विटामिन C के 10 मात्रक होने चाहिए, अत: निम्नलिखित व्यवरोध प्राप्त होते हैं

$$2x + y \geq 8$$
$$x + 2y \geq 10$$

भोज्य I के x kg और भोज्य II के y kg खरीदने का कुल मूल्य Z है जहाँ

$$Z = 50x + 70y$$

अत: समस्या का गणितीय सूत्रीकरण निम्नलिखित है:

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$2x + y \geq 8 \quad \text{... (1)}$$

$$x + 2y \geq 10 \quad \ldots (2)$$

$$x, y \geq 0 \quad \ldots (3)$$

$Z = 50x + 70y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए

असमीकरणों (1) से (3) तक के आलेखों द्वारा निर्धारित सुसंगत क्षेत्र को आकृति 12.7 में दिखाया गया है।

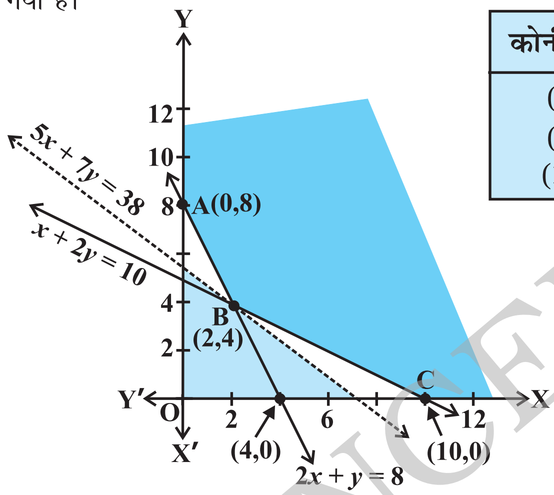

कोनीय बिंदु	$Z = 50x + 70y$	
(0,8)	560	
(2,4)	**380** ←	न्यूनतम
(10,0)	500	

आकृति 12.7

यहाँ हम देखते हैं कि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है।

हमें कोनीय बिंदुओं A(0,8), B(2,4) और C(10,0) पर Z का मान ज्ञात करना है।

सारणी में, बिंदु (2, 4) पर Z का सबसे कम मान 380 है, क्या हम कह सकते हैं कि Z का न्यूनतम मान 380 है (क्यों?) याद कीजिए कि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है। इसलिए हमें निम्नलिखित असमीकरण का आलेख खींचना पड़ेगा।

$$50x + 70y < 380$$

अर्थात्
$$5x + 7y < 38$$

जाँच करने के लिए कि क्या असमीकरण द्वारा निर्धारित परिणामी खुला अर्धतल, सुसंगत क्षेत्र के साथ कोई उभयनिष्ठ बिंदु रखता है। आकृति 12.7 में हम देखते हैं कि यहाँ कोई उभयनिष्ठ बिंदु नहीं है।

अत:, बिंदु (2, 4) पर Z का प्राप्त न्यूनतम मान 380 है। इसलिए आहार विज्ञानी की इष्टतम मिश्रण योजना भोज्य 'I' की 2 kg और भोज्य 'II' के 4 kg के मिश्रण बनाने की हो सकती है और इस योजना के अंतर्गत मिश्रण का न्यूनतम मूल्य Rs 380 होगा।

उदाहरण 7 **(आबंटन समस्या)** किसानों की एक सहकारी समिति के पास दो फ़सलों X और Y को उगाने के लिए 50 हेक्टेयर भूमि है। फसलों X और Y से प्रति हेक्टेयर लाभ का क्रमश: Rs 10,500

और Rs 9,000 का अनुमान लगाया गया है। फसलों X और Y के लिए अपतृण नियंत्रण के लिए शाक-नाशी द्रव का क्रमशः 20 लिटर तथा 10 लिटर प्रति हेक्टेयर प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रयुक्त भूमि से जुड़ी नालियों से संबद्ध तालाब पर निर्भर जीवधारियों एवं मछलियों की जीवन-सुरक्षा हेतु शाकनाशी की मात्रा 800 लिटर से अधिक न हो। प्रत्येक फ़सल के लिए कितनी भूमि का आबंटन होना चाहिए ताकि समिति के सकल लाभ का अधिकतमीकरण किया जा सके?

हल माना कि X फसल के लिए x हेक्टेयर भूमि तथा Y फसल के y हेक्टेयर भूमि का आबंटन होता है। स्पष्टतः $x \geq 0, y \geq 0$

X फसल पर प्रति हेक्टेयर लाभ = Rs 10500

Y फसल पर प्रति हेक्टेयर लाभ = Rs 9000

इसलिए कुल लाभ = Rs $(10500x + 9000y)$

समस्या का गणितीय सूत्रीकरण निम्न है:

निम्न अवरोधों के अंतर्गत

$x + y \leq 50$ (भूमि संबंधी व्यवरोध) ... (1)

$20x + 10y \leq 800$ (शाकनाशी का उपयोग संबंधी व्यवरोध)

अर्थात् $2x + y \leq 80$ ... (2)

$x \geq 0, y \geq 0$ ... (3)

$Z = 10500\,x + 9000\,y$ का अधिकतमीकरण कीजिए

अब हम (1) से (3) तक असमीकरण निकाय का आलेख खीचते हैं। आकृति 12.8 में सुसंगत क्षेत्र OABC को छायांकित दिखाया गया है। निरीक्षण कीजिए कि सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है।

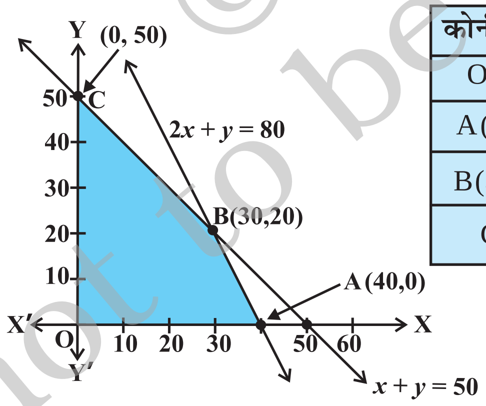

कोनीय बिंदु	Z = 10500x + 9000y	
O(0, 0)	0	
A(40, 0)	420000	
B(30, 20)	**495000** ←	अधिकतम
C(0,50)	450000	

आकृति 12.8

कोनीय बिंदुओं के निर्देशांक क्रमशः (0, 0), (40, 0), (30, 20) और (0, 50) हैं। उद्देश्य फलन $Z = 10500\,x + 9000y$ का मान इन शीर्षों पर निकालना चाहिए ताकि उस शीर्ष को ज्ञात किया जा सके जिस पर अधिकतम लाभ होता है।

अत: समिति को X फसल के लिए 30 हेक्टयर और Y फसल के 20 हेक्टयर का आबंटन होगा ताकि अधिकतम लाभ Rs 4,95,000 का हो सके।

उदाहरण 8 उत्पादन संबंधी समस्या (Manufacturing Problem) एक निर्माणकर्ता कंपनी एक उत्पाद के दो नमूने (प्रतिमान) A और B बनाती है। नमूना A के प्रत्येक नग बनाने के लिए 9 श्रम घंटे और 1 घंटा पॉलिश करने के लिए लगता है जबकि नमूना B के प्रत्येक नग के बनाने में 12 श्रम घंटे तथा पॉलिश करने में 3 श्रम घटों की आवश्यकता होती है। बनाने तथा पॉलिश करने के लिए उपलब्ध अधिकतम श्रम घंटे क्रमश: 180 तथा 30 हैं। कंपनी नमूना A के प्रत्येक नग पर Rs 8000 तथा नमूना B के प्रत्येक नग पर Rs12000 का लाभ कमाती है। नमूना A और नमूना B के कितने नगों का अधिकतम लाभ कमाने के लिए प्रति सप्ताह निर्माण करना चाहिए? प्रति सप्ताह अधिकतम लाभ क्या है?

हल मान लीजिए कि नमूना A के नगों की संख्या x है तथा नमूना B के नगों की संख्या y है।

इसलिए कुल लाभ = (Rs $8000\,x + 12000\,y$)

अत: $Z = 8000\,x + 12000\,y$

अब हमारे पास प्रदत्त समस्या का गणितीय सूत्रीकरण निम्नलिखित है:

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$9x + 12y \le 180$$

अर्थात् $3x + 4y \le 60$ (गढ़ने का व्यवरोध) ... (1)

$x + 3y \le 30$ (पॉलिश का व्यवरोध) ... (2)

$x \ge 0, y \ge 0$ (ऋणेतर व्यवरोध) ... (3)

$Z = 8000\,x + 12000\,y$ का अधिकतमीकरण कीजिए।

रैखिक असमीकरण (1) से (3) द्वारा निर्धारित सुसंगत क्षेत्र OABC (छायांकित) आकृति 12.9 में दिखाया गया है। ध्यान दीजिए कि सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है।

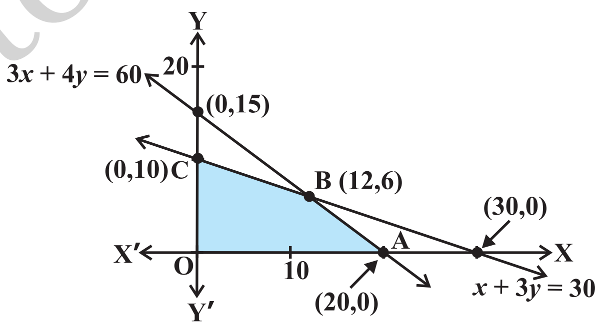

आकृति 12.9

प्रत्येक कोनीय बिंदु पर उद्देश्य फलन Z का मान की गणना की गई है जैसा कि निम्न सारणी में दिखाया गया है:

कोनीय बिंदु	$Z = 8000\ x + 12000\ y$	
0 (0, 0)	0	
A (20, 0)	160000	
B (12, 6)	**168000** ←	अधिकतम
C (0, 10)	120000	

हम शीर्ष B (12, 6) पर Z का अधिकतम मान Rs 1,68,000 पाते हैं। अत: कंपनी को नमूना A के 12 नग तथा नमूना B के 6 नगों के उत्पादन पर अधिकतम लाभ कमाने के लिए करना चाहिए और अधिकतम लाभ Rs 1,68,000 होगा।

प्रश्नावली 12.2

1. रेशमा दो प्रकार के भोज्य P और Q को इस प्रकार मिलाना चाहती है कि मिश्रण में विटामिन अवयवों में 8 मात्रक विटामिन A तथा 11 मात्रक विटामिन B हों। भोज्य P की लागत Rs 60/kg और भोज्य Q की लागत Rs 80/kg है। भोज्य P में 3 मात्रक/kg विटामिन A और 5 मात्रक/kg विटामिन B है जबकि भोज्य Q में 4 मात्रक/kg विटामिन A और 2 मात्रक/kg विटामिन है। मिश्रण की न्यूनतम लागत ज्ञात कीजिए।

2. एक प्रकार के केक को 200 g आटा तथा 25 g वसा (fat) की आवश्यकता होती है तथा दूसरी प्रकार के केक के लिए 100 g आटा तथा 50 g वसा की आवश्यकता होती है। केकों की अधिकतम संख्या बताओ जो 5 किलो आटे तथा 1 किलो वसा से बन सकते हैं, यह मान लिया गया है कि केकों को बनाने के लिए अन्य पदार्थों की कमी नहीं रहेगी।

3. एक कारखाने में टेनिस के रैकेट तथा क्रिकेट के बल्ले बनते हैं। एक टेनिस रैकेट बनाने के लिए 1.5 घंटा यांत्रिक समय तथा 3 घंटे शिल्पकार का समय लगता है। एक क्रिकेट बल्ले को तैयार करने में 3 घंटे यांत्रिक समय तथा 1 घंटा शिल्पकार का समय लगता है। एक दिन में कारखाने में विभिन्न यंत्रों पर उपलब्ध यांत्रिक समय के 42 घंटे और शिल्पकार समय के 24 घंटे से अधिक नहीं हैं।

(i) रैकेटों और बल्लों को कितनी संख्या में बनाया जाए ताकि कारखाना पूरी क्षमता से कार्य करे?

(ii) यदि रैकेट और बल्ले पर लाभ क्रमश: Rs 20 तथा Rs 10 हों तो कारखाने का अधिकतम लाभ ज्ञात कीजिए यदि कारखाना पूरी क्षमता से कार्य करे।

4. एक निर्माणकर्ता नट और बोल्ट का निर्माण करता है। एक पैकेट नटों के निर्माण में मशीन A पर एक घंटा और मशीन B पर 3 घंटे काम करना पड़ता है, जबकि एक पैकेट बोल्ट के निर्माण

में 3 घंटे मशीन A पर और 1 घंटा मशीन B पर काम करना पड़ता है। वह नटों से Rs 17.50 प्रति पैकेट और बोल्टों पर Rs 7.00 प्रति पैकेट लाभ कमाता है। यदि प्रतिदिन मशीनों का अधिकतम उपयोग 12 घंटे किया जाए तो प्रत्येक (नट और बोल्ट) के कितने पैकेट उत्पादित किए जाएँ ताकि अधिकतम लाभ कमाया जा सके।

5. एक कारखाने में दो प्रकार के पेंच A और B बनते हैं। प्रत्येक के निर्माण में दो मशीनों के प्रयोग की आवश्यकता होती है, जिसमें एक स्वचालित और दूसरी हस्तचालित है। एक पैकेट पेंच A के निर्माण में 4 मिनट स्वचालित और 6 मिनट हस्तचालित मशीन, तथा एक पैकेट पेंच B के निर्माण में 6 मिनट स्वचालित और 3 मिनट हस्तचालित मशीन का कार्य होता है। प्रत्येक मशीन किसी भी दिन के लिए अधिकतम 4 घंटे काम के लिए उपलब्ध है। निर्माता पेंच A के प्रत्येक पैकेट पर Rs 7 और पेंच B के प्रत्येक पैकेट पर Rs 10 का लाभ कमाता है। यह मानते हुए कि कारखाने में निर्मित सभी पेंचों के पैकेट बिक जाते हैं, ज्ञात कीजिए कि प्रतिदिन कितने पैकेट विभिन्न पेंचों के बनाए जाएँ जिससे लाभ अधिकतम हो तथा अधिकतम लाभ ज्ञात कीजिए।

6. एक कुटीर उद्योग निर्माता पैडेस्टल लैंप और लकड़ी के शेड बनाता है। प्रत्येक के निर्माण में एक रगड़ने / काटने और एक स्प्रेयर की आवश्यकता पड़ती है। एक लैंप के निर्माण में 2 घंटे रगड़ने/काटने और 3 घंटे स्प्रेयर की आवश्यकता होती है, जबकि एक शेड के निर्माण में 1 घंटा रगड़ने/काटने और 2 घंटे स्प्रेयर की आवश्यकता होती है। स्प्रेयर की मशीन प्रतिदिन अधिकतम 20 घंटे और रगड़ने/काटने की मशीन प्रतिदिन अधिकतम 12 घंटे के लिए उपलब्ध है। एक लैंप की बिक्री पर Rs 5 और एक शेड की बिक्री पर Rs 3 का लाभ होता है। यह मानते हुए कि सभी निर्मित लैंप और शेड बिक जाते है, तो बताइए वह निर्माण की प्रतिदिन कैसी योजना बनाए कि लाभ अधिकतम हो?

7. एक कंपनी प्लाईवुड के अनूठे स्मृति चिह्न का निर्माण करती है। A प्रकार के प्रति स्मृति चिह्न के निर्माण में 5 मिनट काटने और 10 मिनट जोड़ने में लगते हैं। B प्रकार के प्रति स्मृति चिह्न के लिए 8 मिनट काटने और 8 मिनट जोड़ने में लगते हैं। दिया गया है कि काटने के लिए कुल समय 3 घंटे 20 मिनट तथा जोड़ने के लिए 4 घंटे उपलब्ध हैं। प्रत्येक A प्रकार के स्मृति चिह्न पर Rs 5 और प्रत्येक B प्रकार के स्मृति चिह्न पर Rs 6 का लाभ होना है। ज्ञात कीजिए कि लाभ के अधिकतमीकरण के लिए प्रत्येक प्रकार के कितने-कितने स्मृति चिह्नों का कंपनी द्वारा निर्माण होना चाहिए?

8. एक सौदागर दो प्रकार के निजी कंप्यूटर-एक डेस्कटॉप नमूना और दूसरा पोर्टेबल नमूना, जिनकी कीमतें क्रमश: Rs 25 ,000 और Rs 40 ,000 होगी, बेचने की योजना बनाता है। वह अनुमान

लगाता है कि कंप्यूटरों की कुल मासिक माँग 250 नगों से अधिक नहीं होगी। प्रत्येक प्रकार के कंप्यूटरों के नगों की संख्या ज्ञात कीजिए जिसे सौदागार अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए संग्रह करें यदि उसके पास निवेश के लिए Rs 70 लाख से अधिक नहीं है और यदि डेस्कटॉप नमूने पर उसका लाभ Rs 4500 और पोर्टेबल नमूने पर Rs 5000 लाभ हो।

9. एक भोज्य पदार्थ में कम से कम 80 मात्रक विटामिन A और 100 मात्रक खनिज होना चाहिए। दो प्रकार के भोज्य F_1 और F_2 उपलब्ध हैं। भोज्य F_1 की लागत Rs 4 प्रति मात्रक और F_2 की लागत Rs 5 प्रति मात्रक है। भोज्य F_1 की एक इकाई में कम से कम 3 मात्रक विटामिन A और 4 मात्रक खनिज है। F_2 की प्रति इकाई में कम से कम 6 मात्रक विटामिन A और 3 मात्रक खनिज हैं। इसको एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के रूप में सूत्रबद्ध कीजिए। उस आहार का न्यूनतम मूल्य ज्ञात कीजिए, जिसमें इन दो भोज्यों का मिश्रण है और उसमें न्यूनतम पोषक तत्व हैं।

10. दो प्रकार के उर्वरक F_1 और F_2 है। F_1 में 10% नाइट्रोजन और 6% फास्फोरिक अम्ल है। तथा F_2 में 5% नाइट्रोजन तथा 10% फास्फोरिक अम्ल है। मिट्टी की स्थितिओं का परीक्षण करने के पश्चात् एक किसान पाता है कि उसे अपनी फसल के लिए 14 kg नाइट्रोजन और 14 kg फास्फोरिक अम्ल की आवश्यकता है। यदि F_1 की कीमत Rs 6/kg और F_2 की कीमत Rs 5/kg है, प्रत्येक प्रकार का कितना उर्वरक उपयोग के लिए चाहिए ताकि न्यूनतम मूल्य पर वांछित पोषक तत्व मिल सके। न्यूनतम लागत क्या है।

11. निम्नलिखित असमीकरण निकाय: $2x + y \le 10,\ x + 3y \le 15,\ x, y \ge 0$ से निर्धारित सुसंगत क्षेत्र के कोनीय बिंदु: (0, 0), (5,0), (3, 4) और (0, 5) है। मानाकि $Z = px + qy$, जहाँ $p, q > 0$, p तथा q के लिए निम्नलिखित में कौन प्रतिबंध उचित है ताकि Z का अधिकतम (3, 4) और (0, 5) दोनों पर घटित होता है

(A) $p = q$ (B) $p = 2q$ (C) $p = 3q$ (D) $q = 3p$

विविध उदाहरण

उदाहरण 9 (आहार समस्या) एक आहारविद् दो भोज्यों P और Q का उपयोग करते हुए एक विशेष आहार तैयार करता है। भोज्य P का प्रत्येक पैकेट (जिसमें 30 ग्राम अंतर्विष्ट है) में कैल्शियम के 12 मात्रक लौह तत्व के 4 मात्रक, कोलेस्ट्रोल के 6 मात्रक और विटामिन A के 6 मात्रक अंतर्विष्ट हैं जबकि उसी मात्र के भोज्य Q के पैकेट में कैल्शियम तत्व के 3 मात्रक, लौह तत्व के 20 मात्रक, कोलेस्ट्रोल के 4 मात्रक और विटामिन A के 3 मात्रक अंतर्विष्ट है। आहार में कम से कम 240 मात्रक कैल्शियम, लौह तत्व के कम से कम 460 मात्रक, और कोलेस्ट्रोल के अधिक से अधिक 300 मात्रक अपेक्षित हैं। प्रत्येक भोज्य के कितने पैकेटों का उपयोग किया जाए ताकि आहार में विटामिन A की मात्रा का न्यूनतम किया जा सके।

हल माना कि भोज्यों P और Q के पैकेटों की संख्या क्रमशः x और y है। स्पष्टतः $x \geq 0, y \geq 0$. प्रदत्त समस्या का गणितीय सूत्रीकरण निम्न है

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$12x + 3y \geq 240$ (कैल्शियम का व्यवरोध) अर्थात् $4x + y \geq 80$ ... (1)

$4x + 20y \geq 460$ (लौह तत्व का व्यवरोध) अर्थात् $x + 5y \geq 115$ ... (2)

$6x + 4y \leq 300$ (कोलेस्ट्रोल का व्यवरोध) अर्थात् $3x + 2y \leq 150$ ... (3)

$x \geq 0, y \geq 0$ $x \geq 0, y \geq 0$ ... (4)

$Z = 6x + 3y$ (विटामिन A) का न्यूनतमीकरण कीजिए।

असमीकरणों (1) से (4) तक का आलेखन व्यवरोधों (1) से (4) तक के अंतर्गत आकृति 12.10 में दर्शाया गया है। उसमें सुनिश्चित सुसंगत क्षेत्र (छायांकित) पर ध्यान दीजिए जो परिबद्ध है।

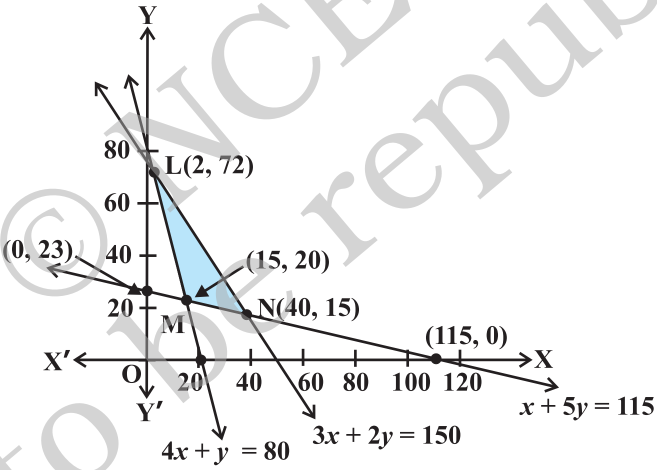

आकृति 12. 10

कोनीय बिंदुओं L, M और N के निर्देशांक क्रमशः (2, 72), (15, 20) और (40, 15) हैं। इन बिंदुओं पर Z का मान निम्नलिखित सारणी में दिया गया है।

कोनीय बिंदु (शीर्ष)	$Z = 6x + 3y$	
(2, 72)	228	
(15, 20)	**150** ←	न्यूनतम
(40, 15)	285	

सारणी से, हम Z का मान बिंदु (15, 20) पर न्यूनतम पाते हैं। अतः समस्या में प्रदत्त व्यवरोधों के आधीन विटामिन A का मान न्यूनतम तब होगा जबकि भोज्य P के 15 पैकेट और भोज्य Q के 20 पैकेट का उपयोग विशेष आहार के प्रबंध में किया जाय। विटामिन A का न्यूनतम मान 150 मात्र का होगा।

उदाहरण 10 उत्पादन संबंधी समस्या (Manufacturing problem) एक उत्पादन के कारखाने में तीन मशीनें I, II और III लगी हैं। मशीनें I और II अधिकतम 12 घंटे तक चलाए जाने की क्षमता रखती है। जबकि मशीन III प्रतिदिन कम से कम 5 घंटे चलना चाहिए। निर्माणकर्ता केवल दो प्रकार के सामान M और N का उत्पादन करता है, जिनमें प्रत्येक के उत्पादन में तीनों मशीनों की आवश्यकता होती है। M और N के प्रत्येक उत्पाद के एक नग उत्पादन में तीनों मशीनों के संगत लगे समय (घंटों में) निम्न लिखित सारणी में दिए हैं।

उत्पाद	मशीन पर लगा समय (घंटों में)		
	I	II	III
M	1	2	1
N	2	1	1.25

वह उत्पाद M पर Rs 600 प्रति नग और उत्पाद N पर Rs 400 प्रति नग की दर से लाभ कमाती है। मानते हुए कि उसके सभी उत्पाद बिक जाते हैं, जिनका उत्पादन किया गया है, तब ज्ञात कीजिए कि प्रत्येक उत्पाद के कितने नगों का उत्पादन किया जाए, जिससे लाभ का अधिकतमीकरण हो? अधिकतम लाभ क्या होगा?

हल माना कि उत्पाद M और N के नगों की संख्या क्रमशः x और y है।

उत्पादन पर कुल लाभ = Rs $(600\, x + 400\, y)$

प्रदत्त समस्या का गणितीय सूत्रबद्ध रूप निम्नलिखित है:

$Z = 600\, x + 400\, y$ का अधिकतमीकरण कीजिए

जहाँ व्यवरोध निम्नलिखित हैं।

$x + 2y \le 12$ (मशीन I पर व्यवरोध) ... (1)

$2x + y \le 12$ (मशीन II पर व्यवरोध) ... (2)

$x + \frac{5}{4}\, y \ge 5$ (मशीन III पर व्यवरोध) ... (3)

$x \ge 0,\ y \ge 0$ ... (4)

हम व्यवरोधों (1) से (4) का आलेखन करते हैं। आकृति 12.11 में दिखाया गया सुसंगत क्षेत्र ABCDE (छायांकित) है जिसको व्यवरोधों (1) से (4) तक द्वारा निर्धारित किया गया है। अवलोकन कीजिए कि सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है, कोनीय बिंदुओं A, B, C, D और E के निर्देशांक क्रमशः (5, 0) (6, 0), (4, 4), (0, 6) और (0, 4) हैं।

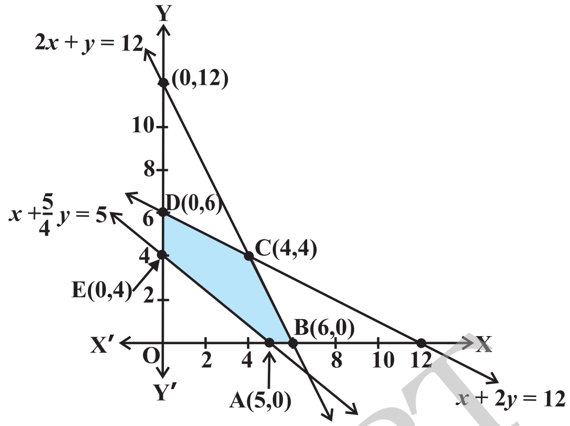

आकृति 12.11

इन कोनीय बिंदुओं (शीर्षों) पर $Z = 600\,x + 400\,y$ का मान निम्नलिखित सारणी में दिया गया है।

कोनीय बिंदु	$Z = 600\,x + 400\,y$ का मान	
(5, 0)	3000	
(6, 0)	3600	
(4, 4)	**4000** ←	अधिकतम
(0, 6)	2400	
(0, 4)	1600	

हम देखते हैं कि बिंदु (4, 4) Z का अधिकतम मान है। अतः उत्पादक को अधिकतम Rs 4000 लाभ कमाने के लिए प्रत्येक उत्पाद के 4 नगों का उत्पादन करना चाहिए।

उदाहरण 11 परिवहन संबंधी समस्या (Transportation Problem) P और Q दो स्थानों पर दो कारखाने स्थापित हैं। इन स्थानों से सामान A, B और C पर स्थित तीन डिपो में भेजे जाते हैं। इन डिपो की साप्ताहिक आवश्यकता क्रमशः 5, 5 और 4 सामान की नग हैं, जब कि P और Q की स्थापित कारखानों की उत्पादन क्षमता 8 और 6 नग हैं।

प्रति नग परिवहन व्यय निम्न सारणीबद्ध है:

से/को	मूल्य (Rs में)		
	A	B	C
P	160	100	150
Q	100	120	100

प्रत्येक कारखाने से कितने नग सामान प्रत्येक डिपो को भेजा जाए जिससे परिवहन व्यय न्यूनतम हो? न्यूनतम परिवहन व्यय क्या होगा।

हल आकृति 12.12 द्वारा इस समस्या को निम्नलिखित रूप में व्यक्त किया जा सकता है।

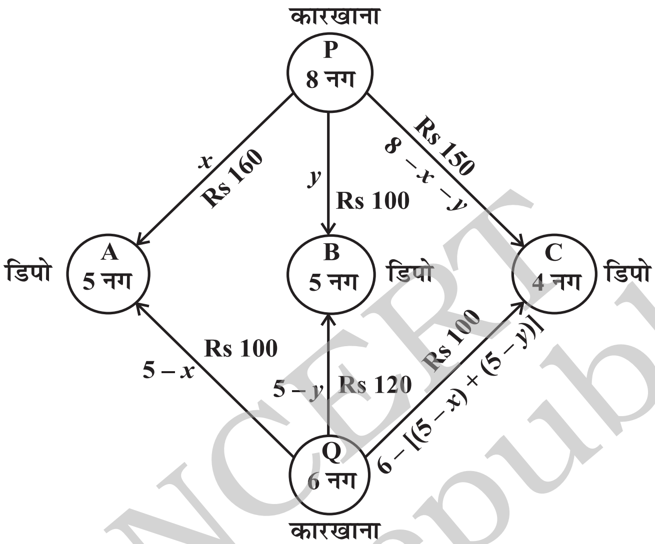

आकृति 12.12

माना कि माल के x नगों और y नगों को कारखाना P से क्रमशः A और B डिपो को भेजा गया। तब $(8 – x – y)$ नगों को C डिपो तक भेजा जाएगा (क्यों?)

अत: $\quad x \geq 0, y \geq 0 \quad$ और $\quad 8 – x – y \geq 0$

अर्थात् $\quad x \geq 0, y \geq 0 \quad$ और $\quad x + y \leq 8$

अब डिपो A पर सामान की साप्ताहिक आवश्यकता 5 नग है। क्योंकि P कारखाने से x नग डिपो A को भेजे जा चुके हैं इसलिए कारखाने Q से $(5 – x)$ नग, डिपो A को भेजे जाएँगे। स्पष्टत: $5 – x \geq 0$, अर्थात् $x \leq 5$ है।

इसी प्रकार $(5 – y)$ और $6 – (5 – x + 5 – y) = x + y – 4$ नग कारखाने Q से क्रमशः डिपो B और C को भेजे जाएँगे। अत:

$$5 – y \geq 0, \quad x + y – 4 \geq 0$$

अर्थात् $\quad y \leq 5, \quad x + y \geq 4$

संपूर्ण परिवहन व्यय, जो Z द्वारा दिया गया है निम्न है:

$$Z = 160\,x + 100\,y + 100\,(5 – x) + 120\,(5 – y) + 100\,(x + y – 4) + 150\,(8 – x – y)$$
$$= 10\,(x – 7y + 190)$$

इसलिए समस्या गणितीय रूप में निम्नलिखित रूप से व्यक्त की जा सकती है:

निम्न व्यवरोधों के अंतर्गत

$$x \geq 0, y \geq 0 \quad \ldots (1)$$

$$x + y \leq 8 \quad \ldots (2)$$

$$x \leq 5 \quad \ldots (3)$$

$$y \leq 5 \quad \ldots (4)$$

$$x + y \geq 4 \quad \ldots (5)$$

Z = 10 (x – 7y + 190) का न्यूनतमीकरण कीजिए

व्यवरोधों (1) से (5) द्वारा निर्धारित छायांकित क्षेत्र ABCDEF सुसंगत क्षेत्र है (आकृति 12.13)

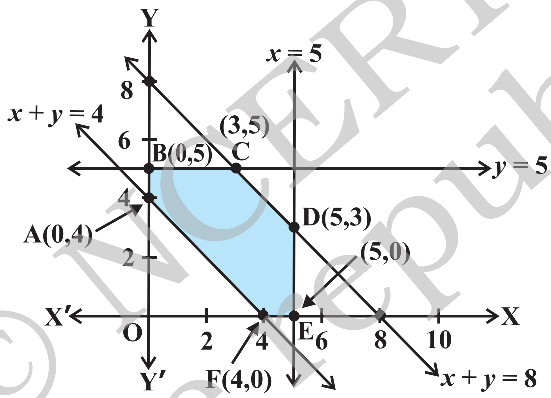

आकृति 12.13

अवलोकन कीजिए कि सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है। सुसंगत क्षेत्र के कोनीय बिंदुओं के निर्देशांक (0, 4), (0, 5), (3, 5), (5, 3), (5, 0) और (4, 0) हैं। हम इन बिंदुओं पर Z का मान ज्ञात करते हैं:

कोनीय बिंदु	Z = 10 (x – 7 y + 190)	
(0, 4)	1620	
(0, 5)	**1550** ←	न्यूनतम
(3, 5)	1580	
(5, 3)	1740	
(5, 0)	1950	
(4, 0)	1940	

सारणी से ज्ञात होता है कि बिंदु (0, 5) पर Z का न्यूनतम मान 1550 है।

अतः इष्टतम परिवहन स्थिति के अनुसार कारखाना P से 5, 0 और 3 नग और कारखाने Q से क्रमशः डिपो A, B और C तक 5, 0 और 1 नग भेजा जाएगा। इसी स्थिति के संगत न्यूनतम परिवहन व्यय Rs 1550 होगा।

अध्याय 12 पर विविध प्रश्नावली

1. उदाहरण 9 पर ध्यान कीजिए। आहार में विटामिन A की मात्रा का अधिकतमीकरण करने के लिए प्रत्येक भोज्य के कितने पैकेटों का उपयोग होना चाहिए? आहार में विटामिन A की अधिकतम मात्रा क्या है?

2. एक किसान दो प्रकार के चारे P और Q को मिलाता (मिश्रण) है। P प्रकार के चारे, जिसका मूल्य Rs 250 प्रति थैला जोकि पोषक तत्व A के 3 मात्रक, तत्व B के 2.5 मात्रक और तत्व C के 2 मात्रक रखता है जबकि Q प्रकार का चारा जिसका मूल्य Rs 200 प्रति थैला है, पोषक तत्व A का 1.5 मात्रक, तत्व B का 11.25 मात्रक और तत्व C के तीन मात्रक रखता है। पोषक तत्वों A, B, और C की न्यूनतम आवश्यकताएँ क्रमशः 18 मात्रक, 45 मात्रक और 24 मात्रक हैं। प्रत्येक प्रकार के थैलों की संख्या ज्ञात कीजिए ताकि मिश्रण के प्रत्येक थैले का मूल्य न्यूनतम हो? मिश्रण के प्रत्येक थैले का न्यूनतम मूल्य क्या है?

3. एक आहारविद् दो प्रकार के भोज्यों X और Y को इस प्रकार मिलाना चाहता है कि मिश्रण में विटामिन A, की कम से कम 10 मात्रक, विटामिन B की कम से कम 12 मात्रक और विटामिन C की 8 मात्रक हों 1 kg भोज्यों में विटामिनों की मात्रा निम्नलिखित सारणी में दी गई है।

भोज्य	विटामिन A	विटामिन B	विटामिन C
X	1	2	3
Y	2	2	1

भोज्य X के 1 kg का मूल्य Rs 16 और भोज्य y के 1 kg का मूल्य Rs 20 है। वांछित आहार के लिए मिश्रण का न्यूनतम मूल्य ज्ञात कीजिए।

4. एक निर्माता दो प्रकार के खिलौने A और B बनाता है। इस उद्देश्य के लिए निर्माण में तीन मशीनों की आवश्यकता पड़ती है और प्रत्येक प्रकार के खिलौने के निर्माण के लिए लगा समय (मिनटों में) निम्नलिखित है।

खिलौने के प्रकार	मशीन		
	I	II	III
A	12	18	6
B	6	0	9

प्रत्येक मशीन अधिकतम 6 घंटे प्रतिदिन के लिए उपलब्ध है। यदि A प्रकार के खिलौने की बिक्री पर Rs 7.50 लाभ और B प्रकार के खिलौने पर Rs 5 का लाभ हो तो दर्शाइए कि अधिकतम लाभ कमाने के लिए प्रतिदिन A प्रकार के 15 खिलौने और B प्रकार 30 खिलौने निर्मित होने चाहिए।

5. एक हवाई जहाज अधिकतम 200 यात्रियों को यात्रा करा सकता है। प्रत्येक प्रथम श्रेणी के टिकट पर Rs 1000 और सस्ते श्रेणी के टिकट पर Rs 600 का लाभ कमाया जा सकता है। एयरलाइन कम से कम 20 सीटें प्रथम श्रेणी के लिए आरक्षित करती है। तथापि प्रथम श्रेणी की अपेक्षा कम से कम 4 गुने यात्री सस्ती श्रेणी के टिकट से यात्रा करने को वरीयता देते हैं। ज्ञात कीजिए कि प्रत्येक प्रकार के कितने-कितने टिकट बेचे जाएँ ताकि लाभ का अधिकतमीकरण हो? अधिकतम लाभ कितना है?

6. दो अन्न भंडारों A और B की भंडारण क्षमता क्रमश: 100 क्विंटल और 50 क्विंटल है। उन्हें तीन राशन की दुकानों D, E और F पर अन्न उपलब्ध कराना पड़ता है, जिनकी आवश्यकताएँ क्रमश: 60, 50, और 40 क्विंटल हैं।
भंडारों से दुकानों को प्रति क्विंटल परिवहन व्यय निम्न सारणी के अनुसार है:

प्रति क्विंटल परिवहन व्यय (रुपयों में)		
को / से	A	B
D	6	4
E	3	2
F	2.50	3

परिवहन व्यय के न्यूनतमीकरण के लिए आपूर्ति का परिवहन कैसे किया जाए? न्यूनतम परिवहन मूल्य क्या है?

7. एक तेल कारखाने में दो डिपो A तथा B हैं, जिनकी क्षमताएँ क्रमश: 7000 लिटर और 4000 लिटर की हैं। कारखाने द्वारा तीन पेट्रोल पंपों D, E और F के लिए आपूर्ति करनी है, जिनकी आवश्यकताएँ क्रमश: 4500 लिटर, 3000 लिटर और 3500 लिटर की है। डिपो से पेट्रोल पंपों की दूरियाँ (km में) निम्नांकित सारणी के अनुसार है:

दूरियाँ (km में)		
को / से	A	B
D	7	3
E	6	4
F	3	2

यह मानते हुए कि परिवहन व्यय प्रति 10 लिटर पर प्रति किलोमीटर 1 रुपया है, ज्ञात कीजिए कि कैसी आपूर्ति योजना अपनाई जाए, जिससे परिवहन व्यय का न्यूनतमीकरण हो जाए? न्यूनतम व्यय क्या है?

8. एक फल उत्पादक अपने बाग में दो प्रकार के खादों P ब्रांड और Q ब्रांड का उपयोग कर सकता है। मिश्रण के प्रत्येक थैले में नाइट्रोजन, फास्फोरिक अम्ल, पोटाश और क्लोरीन की मात्रा (kg में) सारणी में दिया गया है। परीक्षण संकेत देते है कि बाग को कम से कम 250 kg फास्फोरिक अम्ल, कम से कम 270 kg पोटाश और क्लोरीन की अधिक से अधिक 310 kg की आवश्यकता है।

यदि उत्पादक बाग के लिए मिलाई जाने वाली नाइट्रोजन की मात्रा का न्यूनतमीकरण करना चाहता है तथा, प्रत्येक मिश्रण के कितने थैलों का उपयोग होना चाहिए? मिलाई जाने वाली नाइट्रोजन की निम्नतम मात्रा क्या है?

kg प्रति थैला		
	ब्राँड P	**ब्राँड Q**
नाइट्रोजन	3	3.5
फास्फोरिक अम्ल	1	2
पोटाश	3	1.5
क्लोरीन	1.5	2

9. उपरोक्त प्रश्न 8 पर ध्यान दीजिए। यदि उत्पादक बाग में मिलाई जाने वाली नाइट्रोजन की मात्रा का अधिकतमीकरण चाहता है तो मिश्रण के कितने थैलों को मिलाया जाना चाहिए? मिलाई जाने वाली नाइट्रोजन की अधिकतम मात्रा क्या है?

10. एक खिलौना कंपनी, A और B दो प्रकार की गुड़ियों का निर्माण करती है। मार्किट परीक्षणों तथा उपलब्ध संसाधनों से संकेत मिलता है कि सम्मिलित उत्पादन स्तर प्रति सप्ताह 1200 गुड़ियों से अधिक नहीं होना चाहिए और B प्रकार की गुड़ियों की अधिक से अधिक माँग A प्रकार की गुड़ियों की आधी है। इसके अतिरिक्त A प्रकार की गुड़ियों का उत्पादन स्तर दूसरे प्रकार की गुड़ियों के उत्पादन स्तर के तीन गुने से 600 नग अधिक है। यदि कंपनी A और B प्रत्येक गुड़िया पर क्रमशः Rs 12 और Rs 16 का लाभ कमाती है, लाभ का अधिकतमीकरण करने के लिए प्रत्येक के कितने नगों का साप्ताहिक उत्पादन करना चाहिए।

सारांश

- एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या वह समस्या है जो कई चरों के रैखिक फलन के इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) को ज्ञात करने से संबंधित फलन को उद्देश्य फलन कहते हैं। जब प्रतिबंध यह हो कि चर ऋणेतर हों और रैखिक असमीकरणों (जिनको रैखिक व्यवरोध कहते हैं) को संतुष्ट करते हों। चरों को कभी-कभी निर्णायक चर कहते हैं और ऋणेतर हैं।
- कुछ महत्त्वपूर्ण रैखिक प्रोग्रामन समस्याएँ निम्नलिखित हैं:

  (i) आहार संबंधी समस्या

  (ii) उत्पादन संबंधी समस्या

  (iii) परिवहन संबंधी समस्या
- सभी व्यवरोधों और ऋणेतर व्यवरोधों $x \geq 0, y \geq 0$ द्वारा निर्धारित उभयनिष्ठ क्षेत्र, एक रेखीय प्रोग्रामन समस्या का सुसंगत क्षेत्र (या हल समुच्चय) कहलाता है।
- सुसंगत क्षेत्र के अंत: भाग के तथा सीमांत बिंदु व्यवरोधों के सुसंगत हलों को प्रदर्शित करते हैं। सुसंगत क्षेत्र के बाह्य भाग के किसी भी बिंदु को असंगत हल कहते हैं।
- सुसंगत क्षेत्र में कोई बिंदु जो उद्देश्य फलन का इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) एक देता है तो इसे इष्टतम हल कहते हैं।
- निम्नलिखित प्रमेय रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को हल करने के लिए आधारभूत महत्त्व के हैं:

  प्रमेय 1: माना कि R एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के लिए सुसंगत क्षेत्र (उत्तल बहुभुज) है और माना कि $Z = ax + by$ उद्देश्य फलन है। जब Z एक इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) देता है जहाँ रैखिक असमीकरण चरों x और y द्वारा व्यवरोधों के रूप में वर्णित है तो यह इष्टतम मान सुसंगत क्षेत्र के एक कोनीय बिंदु (शीर्ष) पर होना ही चाहिए।

  प्रमेय 2: माना कि R एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या के लिए सुसंगत क्षेत्र (उत्तल बहुभुज) है और माना कि $Z = ax + by$ उद्देश्य फलन है। जब यदि R परिबद्ध है तब उद्देश्य फलन, R में एक अधिकतम और एक न्यूनतम दोनों ही देता है और इनमें से प्रत्येक बिंदु R के कोनीय बिंदु (शीर्ष) पर स्थित होता है।
- यदि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है तब अधिकतम या न्यूनतम अस्तित्व में नहीं भी हो सकता है। तथापि यदि यह अस्तित्व में होता है तो R के कोनीय बिंदु पर स्थित होना चाहिए।
- **कोनीय बिंदु विधि:** एक रैखिक समस्या को हल करने के लिए यह विधि निम्न पदों में क्रियान्वित होती है:

  (1) रैखिक प्रोग्रामन समस्या के सुसंगत क्षेत्र को ज्ञात कीजिए तथा इसके कोनीय बिंदु (शीर्षों) को ज्ञात कीजिए।

(2) प्रत्येक कोनीय बिंदु पर उद्देश्य फलन $Z = ax + by$ का मान ज्ञात कीजिए। मान लीजिए इन बिंदुओं पर अधिकतम और न्यूनतम मान क्रमशः M तथा m हैं।

(3) यदि सुसंगत क्षेत्र परिबद्ध है, तो M और m क्रमशः उद्देश्य फलन के अधिकतम तथा न्यूनतम मान हैं।

यदि सुसंगत क्षेत्र अपरिबद्ध है तब

(i) उद्देश्य फलन का M अधिकतम मान है यदि $ax + by > M$ के द्वारा निर्धारित खुला अर्धतल सुसंगत क्षेत्र के साथ कोई उभयनिष्ठ बिंदु नहीं रखता है। अन्यथा उद्देश्य फलन का अधिकतम मान नहीं है।

(ii) उद्देश्य फलन का न्यूनतम मान m है यदि $ax + by < m$ द्वारा निर्धारित खुला अर्धतल और सुसंगत क्षेत्र में कोई बिंदु उभयनिष्ठ नहीं है। अन्यथा उद्देश्य फलन का कोई न्यूनतम मान नहीं है।

◆ यदि सुसंगत क्षेत्र के दो कोनीय बिंदुओं का इष्टतम मान एक ही प्रकार का है अर्थात् दोनों वही अधिकतम या न्यूनतम मान प्रदान करते है तब इन दोनों बिंदुओं को मिलाने वाले रेखाखंड के किसी भी बिंदु पर भी उसी प्रकार का इष्टतम हल है।

ऐतिहासिक टिप्पणी

द्वितीय विश्व युद्ध में, जब युद्ध संचालन की योजना बनी, जिससे कि शत्रुओं को न्यूनतम व्यय पर अधिकतम हानि पहुँचे, रैखिक प्रोग्रामन विधि अस्तित्व में आई।

रैखिक प्रोग्रामन के क्षेत्र में प्रथम प्रोग्रामन का सूत्रपात रूसी गणितज्ञ L.Kantoro Vich तथा अमेरिकी अर्थशास्त्री F.L.Hitch Cock ने 1941 में किए। दोनों ने स्वतंत्र रूप से कार्य किया। इस प्रोग्रामन को परिवहन-समस्या के नाम से जाना गया। सन् 1945 में अंग्रेज अर्थशास्त्री G.Stigler ने रैखिक प्रोग्रामन समस्या, के अंतर्गत इष्टतम आहार संबंधी समस्या का वर्णन किया। सन् 1947 में G.B. Dantzig ने एक दक्षता पूर्ण विधि जो सिंपलेक्स विधि के नाम से प्रसिद्ध है, का सुझाव दिया जो रैखिक प्रोग्रामन समस्याओं को सीमित प्रक्रमों में हल करने की सशक्त विधि है।

रैखिक प्रोग्रामन विधि पर प्रारभिक कार्य करने के कारण सन् 1975 में L.Katorovich और अमेरिकी गणितय अर्थशास्त्री T.C.Koopmans को अर्थ शास्त्र में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। परिकलन तथा आवश्यक सॉफ्टवेयर के आगमन के साथ कई क्षेत्रों की जटिल समस्याओं में रैखिक प्रोग्रामन प्रविधि के अनुप्रयोग में उत्तरोतर वृद्धि हो रही है।

अध्याय 13

प्रायिकता Probability

❖ *The Theory of probabilities is simply the science of logic quantitatively treated – C.S. PEIRCE* ❖

13.1 भूमिका (Introduction)

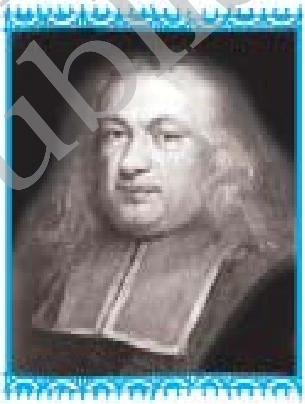

Pierre de Fermat
(1601-1665)

पहले की कक्षाओं में हमने प्रायिकता को किसी यादृच्छिक परीक्षण की घटनाओं के घटित होने की अनिश्चितता की माप के रूप में पढ़ा था। हमने रूसी गणितज्ञ ए.एन. कौल्मोग्रोब (1903–1987) द्वारा प्रतिपादित अभिगृहितीय दृष्टिकोण का उपयोग किया था और प्रायिकता को परीक्षण के परिणामों पर परिभाषित फलन के रूप में निरूपित किया था। हमने समसंभाव्य परिणामों की दशा में प्रायिकता के अभिगृहितीय दृष्टिकोण और क्लासिकल सिद्धांत (classical theory) में समकक्षता भी स्थापित की थी। इस समकक्षता के आधार पर हमने असंतत प्रतिदर्श समष्टि की घटनाओं की प्रायिकता ज्ञात की थी। हमने प्रायिकता के योग नियम का भी अध्ययन किया है। इस अध्याय में हम किसी घटना की सप्रतिबंध प्रायिकता (conditional probability) के बारे में विचार करेंगे, जबकि किसी अन्य घटना के घटित होने की सूचना हमारे पास हो, तथा इस महत्त्वपूर्ण अवधारणा की सहायता से बेज-प्रमेय (Bayes' theorem), प्रायिकता का गुणन नियम तथा स्वतंत्र घटनाओं के बारे में समझेंगे। हम यादृच्छिक चर (random variable) और इसके प्रायिकता बंटन की महत्त्वपूर्ण अवधारणा को भी समझेंगे तथा किसी प्रायिकता बंटन के माध्य (mean) व प्रसरण के बारे में भी पढ़ेंगे। अध्याय के अंतिम अनुभाग में हम एक महत्त्वपूर्ण असंतत प्रायिकता बंटन (discrete probability distribution) के बारे में पढ़ेंगे जिसे द्विपद बंटन कहा जाता है। इस अध्याय में हम ऐसे परीक्षण लेंगे जिनके परिणाम समसंभाव्य होते हैं, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो।

13.2 सप्रतिबंध प्रायिकता (Conditional Probability)

अभी तक हमने किसी घटना की प्रायिकता ज्ञात करने पर चर्चा की है। यदि हमें किसी प्रतिदर्श समष्टि की दो घटनाएँ दी गई हों, तो क्या किसी एक घटना के घटित होने की सूचना का प्रभाव दूसरी घटना

की प्रायिकता पर पड़ता है? आइए इस प्रश्न के उत्तर के लिए एक यादृच्छिक परीक्षण पर विचार करें जिसके परिणाम समसंभाव्य हैं।

आइए अब तीन न्याय्य (fair) सिक्कों को उछालने के परीक्षण पर विचार कीजिए। इस परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है:

$$S = \{HHH, HHT, HTH, THH, HTT, THT, TTH, TTT\}$$

क्योंकि सिक्के न्याय्य हैं, इसलिए हम प्रतिदर्श समष्टि के प्रत्येक प्रतिदर्श बिंदु की प्रायिकता $\frac{1}{8}$ निर्दिष्ट कर सकते हैं। मान लीजिए E घटना "न्यूनतम दो चित प्रकट होना" और F घटना "पहले सिक्के पर पट प्रदर्शित होना" को निरूपित करते हैं।

तब $E = \{HHH, HHT, HTH, THH\}$

और $F = \{THH, THT, TTH, TTT\}$

इसलिए $P(E) = P(\{HHH\}) + P(\{HHT\}) + P(\{HTH\}) + P(\{THH\})$

$$= \frac{1}{8}+\frac{1}{8}+\frac{1}{8}+\frac{1}{8}=\frac{1}{2} \text{ (क्यों ?)}$$

और $P(F) = P(\{THH\}) + P(\{THT\}) + P(\{TTH\}) + P(\{TTT\})$

$$= \frac{1}{8}+\frac{1}{8}+\frac{1}{8}+\frac{1}{8}=\frac{1}{2}$$

साथ ही $E \cap F = \{THH\}$

इसलिए $P(E \cap F) = P(\{THH\}) = \frac{1}{8}$

अब मान लीजिए हमें दिया गया है कि पहले सिक्के पर पट प्रकट होता है अर्थात् घटना F घटित हुई है, तब घटना E की प्रायिकता क्या है? F के घटित होने की सूचना पर यह निश्चित है कि E की प्रायिकता ज्ञात करने के लिए उन प्रतिदर्श बिंदुओं पर विचार नहीं किया जाएगा जिनमें पहले सिक्के पर पट नहीं है। घटना E के लिए इस सूचना से प्रतिदर्श समष्टि S से घटकर इसका उपसमुच्चय F बन गया है। अन्य शब्दों में, इस अतिरिक्त सूचना ने हमें वास्तव में यह बताया है कि हालात को एक ऐसे नए यादृच्छिक परीक्षण के रूप में समझना चाहिए जिसका प्रतिदर्श समष्टि केवल उन परिणामों का समुच्चय है जो कि घटना F के अनुकूल है।

अब F का वह प्रतिदर्श बिंदु जो E के भी अनुकूल है; THH है। अतः

F को प्रतिदर्श समष्टि मानते हुए घटना E की प्रायिकता $= \frac{1}{4}$

या F का घटित होना दिया गया होने पर E की प्रायिकता $= \frac{1}{4}$

घटना E की इस प्रायिकता को सप्रतिबंध प्रायिकता कहते हैं, जबकि ज्ञात है कि घटना F घटित हो चुकी है, और इसे P (E|F) द्वारा दर्शाते हैं।

अर्थात् $P(E|F) = \frac{1}{4}$

नोट कीजिए कि F के वो अवयव जो घटना E के भी अनुकूल हैं, E तथा F के साझे अवयव होते हैं, अर्थात् $E \cap F$ के प्रतिदर्श बिंदु हैं।

अत: हम घटना E की सप्रतिबंध प्रायिकता, जबकि ज्ञात है कि घटना F घटित हो चुकी है को निम्न प्रकार से ज्ञात कर सकते हैं।

$$P(E|F) = \frac{(E \cap F) \text{ के अनुकूल प्रतिदर्श बिंदुओं की संख्या}}{F \text{ के अनुकूल प्रतिदर्श बिंदुओं की संख्या}}$$

$$= \frac{n(E \cap F)}{n(F)}$$

अब अंश व हर को प्रतिदर्श समष्टि के अवयवों की कुल संख्या से विभाजित करने पर हम देखते हैं कि P (E|F) को निम्न प्रकार से लिखा जा सकता है:

$$P(E|F) = \frac{\frac{n(E \cap F)}{n(S)}}{\frac{n(F)}{n(S)}} = \frac{P(E \cap F)}{P(F)} \qquad \ldots (1)$$

नोट कीजिए कि (1) तभी मान्य है जब $P(F) \neq 0$ अर्थात् $F \neq \phi$ (क्यों?)
अत: हम सप्रतिबंध प्रायिकता को निम्न प्रकार से परिभाषित कर सकते हैं:

परिभाषा 1 यदि E तथा F किसी यादृच्छिक परीक्षण के प्रतिदर्श समष्टि से सबंधित दो घटनाएँ हैं, तो F के घटित होने की सूचना पर, E की प्रायिकता निम्नलिखित सूत्र से प्राप्त होती है:

$$P(E|F) = \frac{P(E \cap F)}{P(F)}, \text{ जबकि } P(F) \neq 0$$

13.2.1 *सप्रतिबंध प्रायिकता के गुण (Properties of conditional probability)*

मान लें कि E तथा F किसी प्रतिदर्श समष्टि S की दो घटनाएँ हैं

गुण 1 P (S|F) = P (F|F) = 1

हमें ज्ञात है कि $$P(S|F) = \frac{P(S \cap F)}{P(F)} = \frac{P(F)}{P(F)} = 1$$

साथ ही $$P(F|F) = \frac{P(F \cap F)}{P(F)} = \frac{P(F)}{P(F)} = 1$$

अत: $$P(S|F) = P(F|F) = 1$$

गुण 2 यदि A और B प्रतिदर्श समष्टि S की कोई दो घटनाएँ हैं और F एक अन्य घटना इस प्रकार है कि $P(F) \neq 0$, तब

$P[(A \cup B)|F)] = P(A|F) + P(B|F) - P[(A \cap B)|F]$

विशेष रूप से, यदि A और B परस्पर अपवर्जी घटनाएँ हों, तो

$$P[(A \cup B)|F)] = P(A|F) + P(B|F)$$

हम जानते हैं कि

$$P[(A \cup B)|F)] = \frac{P[(A \cup B) \cap F]}{P(F)}$$

$$= \frac{P[(A \cap F) \cup (B \cap F)]}{P(F)}$$

(समुच्चयों के सर्वनिष्ठ पर सम्मिलन के बंटन नियम द्वारा)

$$= \frac{P(A \cap F) + P(B \cap F) - P(A \cap B \cap F)}{P(F)}$$

$$= \frac{P(A \cap F)}{P(F)} + \frac{P(B \cap F)}{P(F)} - \frac{P[(A \cap B) \cap F]}{P(F)}$$

$$= P(A|F) + P(B|F) - P(A \cap B|F)$$

जब A तथा B परस्पर अपवर्जी हों तो

$$P[(A \cap B)|F)] = 0$$

$$\Rightarrow \quad P[(A \cup B)|F)] = P(A|F) + P(B|F)$$

अत: जब A तथा B परस्पर अपवर्जी घटनाएँ हों तो $P(A \cup B) = P(A|F) + P(B|F)$

गुण 3 $P(E'|F) = 1 - P(E|F)$

गुण 1 से हमें ज्ञात है कि $\quad P(S|F) = 1$

$\Rightarrow \quad P[(E \cup E')|F)] = 1 \quad$ क्योंकि $S = E \cup E'$

$\Rightarrow \quad P(E|F) + P(E'|F) = 1 \quad$ क्योंकि E तथा E′ परस्पर अपवर्जी घटनाएँ हैं

अत: $\quad P(E'|F) = 1 - P(E|F)$

आइए अब कुछ उदाहरण लें।

उदाहरण 1 यदि $P(A) = \frac{7}{13}$, $P(B) = \frac{9}{13}$ और $P(A \cap B) = \frac{4}{13}$, तो $P(A|B)$ ज्ञात कीजिए।

हल हम जानते हैं कि $P(A|B) = \frac{P(A \cap B)}{P(B)} = \frac{\frac{4}{13}}{\frac{9}{13}} = \frac{4}{9}$

उदाहरण 2 एक परिवार में दो बच्चे हैं। यदि यह ज्ञात हो कि बच्चों में से कम से कम एक बच्चा लड़का है, तो दोनों बच्चों के लड़का होने की क्या प्रायिकता है?

हल मान लीजिए b लड़के को व g लड़की को निरूपित करते हैं। परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है:

$$S = \{(b,b), (g,b), (b,g), (g,g)\}$$

मान लीजिए E तथा F क्रमश: निम्नलिखित घटनाओं को दर्शाते हैं:

E : 'दोनों बच्चे लड़के हैं'

F : 'बच्चों में से कम से कम एक लड़का है'

तब $E = \{(b,b)\}$ और $F = \{(b,b), (g,b), (b,g)\}$

अब $E \cap F = \{(b,b)\}$

अत: $P(F) = \frac{3}{4}$ और $P(E \cap F) = \frac{1}{4}$

इसलिए $P(E|F) = \frac{P(E \cap F)}{P(F)} = \frac{\frac{1}{4}}{\frac{3}{4}} = \frac{1}{3}$

उदाहरण 3 एक बक्से में दस कार्ड 1 से 10 तक पूर्णांक लिख कर रखे गए और उन्हें अच्छी तरह मिलाया गया। इस बक्से से एक कार्ड यादृच्छया निकाला गया। यदि यह ज्ञात हो कि निकाले गए कार्ड पर संख्या 3 से अधिक है, तो इस संख्या के सम होने की क्या प्रायिकता है?

हल मान लीजिए कि A घटना 'निकाले गए कार्ड पर सम संख्या है' और B घटना 'निकाले गए कार्ड पर संख्या 3 से बड़ी है' को निरूपित करते हैं। हमें $P(A|B)$ ज्ञात करना है।

इस परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है: $S = \{1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10\}$

तब $A = \{2, 4, 6, 8, 10\}$, $B = \{4, 5, 6, 7, 8, 9, 10\}$

और $A \cap B = \{4, 6, 8, 10\}$

अब $P(A) = \frac{5}{10}, P(B) = \frac{7}{10}$ और $P(A \cap B) = \frac{4}{10}$

तब $$P(A|B) = \frac{P(A \cap B)}{P(B)} = \frac{\frac{4}{10}}{\frac{7}{10}} = \frac{4}{7}$$

उदाहरण 4 एक पाठशाला में 1000 विद्यार्थी हैं, जिनमें से 430 लड़कियाँ हैं। यह ज्ञात है कि 430 में से 10% लड़कियाँ कक्षा XII में पढ़ती हैं। क्या प्रायिकता है कि एक यादृच्छया चुना गया विद्यार्थी कक्षा XII में पढ़ता है यदि यह ज्ञात है कि चुना गया विद्यार्थी लड़की है?

हल मान लीजिए E घटना 'यादृच्छया चुना गया विद्यार्थी कक्षा XII में पढ़ता है' और F घटना 'यादृच्छया चुना गया विद्यार्थी लड़की है', को व्यक्त करते हैं। हमें P (E|F) ज्ञात करना है।

अब $P(F) = \frac{430}{1000} = 0.43$ और $P(E \cap F) = \frac{43}{1000} = 0.043$ (क्यों?)

तब $$P(E|F) = \frac{P(E \cap F)}{P(F)} = \frac{0.043}{0.43} = 0.1$$

उदाहरण 5 एक पासे को तीन बार उछालने के परीक्षण में घटना A तथा B को निम्न प्रकार से परिभाषित किया गया है:

A : 'तीसरी उछाल पर संख्या 4 प्रकट होना'

B : 'पहली उछाल पर संख्या 6 और दूसरी उछाल पर संख्या 5 प्रकट होना'

यदि B का घटित होना दिया गया है, तो घटना A की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल प्रतिदर्श समष्टि में 216 परिणाम हैं।

अब, $B = \{(6,5,1), (6,5,2), (6,5,3), (6,5,4), (6,5,5), (6,5,6)\}$

$$A = \begin{Bmatrix} (1,1,4) & (1,2,4) \ldots (1,6,4) & (2,1,4) & (2,2,4) & \ldots (2,6,4) \\ (3,1,4) & (3,2,4) \ldots (3,6,4) & (4,1,4) & (4,2,4) & \ldots (4,6,4) \\ (5,1,4) & (5,2,4) \ldots (5,6,4) & (6,1,4) & (6,2,4) & \ldots (6,6,4) \end{Bmatrix}$$

और $A \cap B = \{(6,5,4)\}$

अब $P(B) = \frac{6}{216}$ और $P(A \cap B) = \frac{1}{216}$

तब $$P(A|B) = \frac{P(A \cap B)}{P(B)} = \frac{\frac{1}{216}}{\frac{6}{216}} = \frac{1}{6}$$

उदाहरण 6 एक पासे को दो बार उछाला गया और प्रकट हुई संख्याओं का योग 6 पाया गया। संख्या 4 के न्यूनतम एक बार प्रकट होने की सप्रतिबंध प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए E घटना 'संख्या 4 का न्यूनतम एक बार प्रकट होना' और F घटना 'दोनों पासों पर प्रकट संख्याओं का योग 6 होने' को दर्शाते हैं।

तब $E = \{(4,1), (4,2), (4,3), (4,4), (4,5), (4,6), (1,4), (2,4), (3,4), (5,4), (6,4)\}$

और $F = \{(1,5), (2,4), (3,3), (4,2), (5,1)\}$

हम जानते हैं कि $P(E) = \frac{11}{36}$, $P(F) = \frac{5}{36}$

तथा $E \cap F = \{(2,4), (4,2)\}$

अब $P(E \cap F) = \frac{2}{36}$

अत: वांछित प्रायिकता

$$P(E|F) = \frac{P(E \cap F)}{P(F)} = \frac{\frac{2}{36}}{\frac{5}{36}} = \frac{2}{5}$$

अभी तक हमने उन परीक्षणों पर विचार किया है जिनके सभी परिणाम समसंभाव्य थे। इन परीक्षणों के लिए हमनें सप्रतिबंध प्रायिकता को परिभाषित किया है। तथापि सप्रतिबंध प्रायिकता की यही परिभाषा, व्यापक रूप से, उस स्थिति मे भी प्रयोग की जा सकती है, जब मौलिक घटनाएँ समसंभाव्य न हों। प्रायिकताओं $P(E \cap F)$ तथा $P(F)$ का परिकलन तदनुसार किया जाता है। आइए निम्नलिखित उदाहरण से इसे समझें।

उदाहरण 7 एक सिक्के को उछालने के परीक्षण पर विचार कीजिए। यदि सिक्के पर चित प्रकट हो तो सिक्के को पुन: उछालें परंतु यदि सिक्के पर पट प्रकट हो तो एक पासे को फेंकें। यदि घटना 'कम से कम एक पट प्रकट होना' का घटित होना दिया गया है तो घटना 'पासे पर 4 से बड़ी संख्या प्रकट होना' की सप्रतिबंध प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

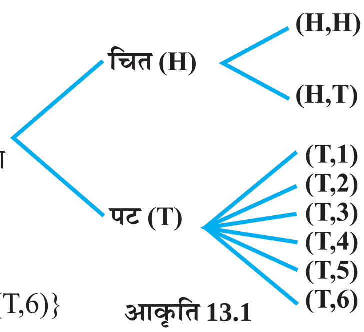

आकृति 13.1

हल परीक्षण के परिणामों को चित्र 13.1 से व्यक्त किया जा सकता है। इस प्रकार के चित्र को वृक्षारेख कहते हैं।

परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है:

$S = \{(H,H), (H,T), (T,1), (T,2), (T,3), (T,4), (T,5), (T,6)\}$

जहाँ (H,H) दर्शाता है कि दोनों उछालों पर चित प्रकट हुआ है, तथा (T, i) दर्शाता है कि पहली उछाल पर पट प्रकट हुआ और पासे को फेंकने पर संख्या i प्रकट हुई।

अत: 8 मौलिक घटनाओं (H,H), (H,T), (T,1), (T,2), (T,3) (T,4), (T,5), (T,6) की क्रमश: $\frac{1}{4},\frac{1}{4},\frac{1}{12},\frac{1}{12},\frac{1}{12},\frac{1}{12},\frac{1}{12},\frac{1}{12}$ प्रायिकता निर्धारित की जा सकती है, जैसा कि चित्र 13.2 से स्पष्ट है।

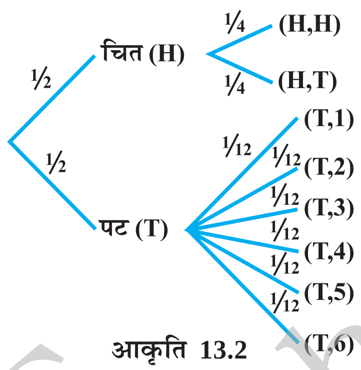

आकृति 13.2

मान लें F घटना 'न्यूनतम एक पट प्रकट होना' और E घटना 'पासे पर 4 से बड़ी संख्या प्रकट होना' को दर्शाते हैं।

तब $$F = \{(H,T), (T,1), (T,2), (T,3), (T,4), (T,5), (T,6)\}$$

$$E = \{(T,5), T,6)\} \text{ और } E \cap F = \{(T,5), (T,6)\}$$

अब $$P(F) = P(\{(H,T)\}) + P(\{(T,1)\}) + P(\{(T,2)\}) + P(\{(T,3)\}) + P(\{(T,4)\}) + P(\{(T,5)\}) + P(\{(T,6)\})$$

$$= \frac{1}{4}+\frac{1}{12}+\frac{1}{12}+\frac{1}{12}+\frac{1}{12}+\frac{1}{12}+\frac{1}{12}=\frac{3}{4}$$

और $$P(E \cap F) = P(\{(T,5)\}) + P(\{(T,6)\}) = \frac{1}{12}+\frac{1}{12}=\frac{1}{6}$$

अत: $$P(E|F) = \frac{P(E \cap F)}{P(F)} = \frac{\frac{1}{6}}{\frac{3}{4}} = \frac{2}{9}$$

प्रश्नावली 13.1

1. यदि E और F इस प्रकार की घटनाएँ हैं कि P (E) = 0.6, P (F) = 0.3 और P $(E \cap F) = 0.2$, तो P (E|F) और P (F|E) ज्ञात कीजिए।
2. P(A|B) ज्ञात कीजिए, यदि P(B) = 0.5 और $P(A \cap B) = 0.32$
3. यदि P(A) = 0.8, P(B) = 0.5 और P (B|A) = 0.4 ज्ञात कीजिए
   (i) $P(A \cap B)$ (ii) P(A|B) (iii) $P(A \cup B)$
4. $P(A \cup B)$ ज्ञात कीजिए यदि $2\,P(A) = P(B) = \frac{5}{13}$ और $P(A|B) = \frac{2}{5}$

5. यदि $P(A) = \frac{6}{11}$, $P(B) = \frac{5}{11}$ और $P(A \cup B) = \frac{7}{11}$ तो ज्ञात कीजिए

(i) $P(A \cap B)$ (ii) $P(A|B)$ (iii) $P(B|A)$

निम्नलिखित प्रश्न 6 से 9 तक $P(E|F)$ ज्ञात कीजिए।

6. एक सिक्के को तीन बार उछाला गया है:

(i) E : तीसरी उछाल पर चित F : पहली दोनों उछालों पर चित

(ii) E : न्यूनतम दो चित F : अधिकतम एक चित

(iii) E : अधिकतम दो पट F : न्यूनतम दो पट

7. दो सिक्कों को एक बार उछाला गया है:

(i) E : एक सिक्के पर पट प्रकट होता है F : एक सिक्के पर चित प्रकट होता है

(ii) E : कोई पट प्रकट नहीं होता है F कोई चित प्रकट नहीं होता है

8. एक पासे को तीन बार उछाला गया है:

E : तीसरी उछाल पर संख्या 4 प्रकट होना

F : पहली दो उछालों पर क्रमश: 6 तथा 5 प्रकट होना

9. एक पारिवारिक चित्र में माता, पिता व पुत्र यादृच्छया खड़े हैं:

E : पुत्र एक सिरे पर खड़ा है F : पिता मध्य में खड़े हैं

10. एक काले और एक लाल पासे को उछाला गया है:

(a) पासों पर प्राप्त संख्याओं का योग 9 होने की सप्रतिबंध प्रायिकता ज्ञात कीजिए यदि यह ज्ञात हो कि काले पासे पर 5 प्रकट हुआ है।

(b) पासों पर प्राप्त संख्याओं का योग 8 होने की सप्रतिबंध प्रायिकता ज्ञात कीजिए यदि यह ज्ञात हो कि लाल पासे पर प्रकट संख्या 4 से कम है।

11. एक न्याय्य पासे को उछाला गया है। घटनाओं $E = \{1,3,5\}$, $F = \{2,3\}$, और $G = \{2,3,4,5\}$ के लिए निम्नलिखित ज्ञात कीजिए:

(i) $P(E|F)$ और $P(F|E)$ (ii) $P(E|G)$ और $P(G|E)$

(iii) $P(E \cup F|G)$ और $P(E \cap F|G)$

12. मान लें कि जन्म लेने वाले बच्चे का लड़का या लड़की होना समसंभाव्य है। यदि किसी परिवार में दो बच्चे हैं, तो दोनों बच्चों के लड़की होने की सप्रतिबंध प्रायिकता क्या है, यदि यह दिया गया है कि (*i*) सबसे छोटा बच्चा लड़की है (*ii*) न्यूनतम एक बच्चा लड़की है।

13. एक प्रशिक्षक के पास 300 सत्य/असत्य प्रकार के आसान प्रश्न 200 सत्य/असत्य प्रकार के कठिन प्रश्न, 500 बहु-विकल्पीय प्रकार के आसान प्रश्न और 400 बहु-विकल्पीय प्रकार के

कठिन प्रश्नों का संग्रह है। यदि प्रश्नों के संग्रह से एक प्रश्न यादृच्छया चुना जाता है, तो एक आसान प्रश्न की बहु-विकल्पीय होने की प्रायिकता क्या होगी?

14. यह दिया गया है कि दो पासों को फेंकने पर प्राप्त संख्याएँ भिन्न-भिन्न हैं। दोनों संख्याओं का योग 4 होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

15. एक पासे को फेंकने के परीक्षण पर विचार कीजिए। यदि पासे पर प्रकट संख्या 3 का गुणज है तो पासे को पुन: फेंकें और यदि कोई अन्य संख्या प्रकट हो तो एक सिक्के को उछालें। घटना 'न्यूनतम एक पासे पर संख्या 3 प्रकट होना' दिया गया है तो घटना 'सिक्के पर पट प्रकट होने' की सप्रतिबंध प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक में सही उत्तर चुनें।

16. यदि $P(A) = \frac{1}{2}$, $P(B) = 0$ तब $P(A|B)$ है:

(A) 0 (B) $\frac{1}{2}$ (C) परिभाषित नहीं (D) 1

17. यदि A और B दो घटनाएँ इस प्रकार हैं कि $P(A|B) = P(B|A) \neq 0$ तब

(A) $A \subset B$ (B) $A = B$ (C) $A \cap B = \phi$

(D) $P(A) = P(B)$

13.3 प्रायिकता का गुणन नियम (Multiplication Theorem on Probability)

मान लीजिए कि E तथा F एक प्रतिदर्श समष्टि S की दो घटनाएँ हैं। स्पष्टतया समुच्चय $E \cap F$ दोनों घटनाओं E तथा F के घटित होने को दर्शाता है। अन्य शब्दों में $E \cap F$ घटनाओं E तथा F के युगपत् घटित होने को दर्शाता है। घटना $E \cap F$ को EF भी लिखा जाता है।

प्राय: हमें सयुंक्त घटना EF की प्रायिकता ज्ञात करने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, एक के बाद दूसरा पत्ता निकालने के परीक्षण में हम मिश्र घटना 'एक बादशाह और एक रानी' की प्रायिकता ज्ञात करने में इच्छुक हो सकते हैं। घटना EF की प्रायिकता ज्ञात करने के लिए हम सप्रतिबंध प्रायिकता का उपयोग करते हैं जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

हम जानते हैं कि घटना F के दिए जाने पर घटना E की सप्रतिबंध प्रायिकता को $P(E|F)$ द्वारा दर्शाते हैं और इसे निम्नलिखित प्रकार से ज्ञात करते हैं।

$$P(E|F) = \frac{P(E \cap F)}{P(F)}, P(F) \neq 0$$

उपरोक्त परिणाम से हम लिख सकते हैं कि

$$P(E \cap F) = P(F) \,.\, P(E|F) \qquad \dots (1)$$

हम यह भी जानते हैं कि

$$P(F|E) = \frac{P(F \cap E)}{P(E)}, P(E) \neq 0$$

या $$P(F|E) = \frac{P(E \cap F)}{P(E)}$$ (क्योंकि $E \cap F = F \cup E$)

अतः $P(E \cap F) = P(E) \cdot P(F|E)$ ... (2)

(1) और (2) को मिलाने से हमें प्राप्त होता है कि

$$P(E \cap F) = P(E)\, P(F|E) = P(F).\, P(E|F) \text{ जब कि } P(E) \neq 0 \text{ और } P(F) \neq 0$$

उपरोक्त परिणाम को 'प्रायिकता का गुणन नियम' कहते हैं। आइए एक उदाहरण लें।

उदाहरण 8 एक कलश में 10 काली और 5 सफ़ेद गेंदें हैं। दो गेंद एक के बाद एक निकाली जाती हैं और पहली गेंद दूसरे के निकालने से पहले वापस नहीं रखी जाती हैं। मान लीजिए कि कलश में से प्रत्येक गेंद का निकालना समसंभाव्य है, तो दोनों काले गेंद निकलने की क्या प्रायिकता है?

हल माना कि E 'पहली काली गेंद के निकलने' की घटना है और F 'दूसरी काली गेंद के निकलने' की घटना है। हमें $P(E \cap F)$ या $P(EF)$ ज्ञात करना है।

अब $$P(E) = P \text{ (पहली निकाल में काली गेंद निकालना)} = \frac{10}{15}$$

साथ ही दिया गया है कि पहली निकाल में काली गेंद निकली है अर्थात् घटना E घटित हुई है, अब कलश में 9 काली गेंद और 5 सफ़ेद गेंद रह गई हैं। इसलिए, दूसरी गेंद काली होने की प्रायिकता जब कि पहली गेंद का काला होना हमें ज्ञात है, कुछ और नहीं केवल F का सप्रतिबंध प्रायिकता है जब E का घटित होना ज्ञात है।

अर्थात् $$P(F|E) = \frac{9}{14}$$

अब प्रायिकता के गुणन नियम द्वारा हमें प्राप्त होता है

$$P(E \cap F) = P(E)\, P(F|E) = P(E) \, . \, P(F|E) \, . \, P(G|EF)$$

$$= \frac{10}{15} \times \frac{9}{14} = \frac{3}{7}$$

दो से अधिक घटनाओं के लिए प्रायिकता का गुणन नियम यदि E, F और G एक प्रतिदर्श समष्टि की घटनाएँ हैं तो

$$P(E \cap F \cap G) = P(E)\, P(F|E)\, P(G|E \cap F) = P(E)\, P(F|E)\, P(G|EF)$$

इसी प्रकार प्रायिकता के गुणन नियम का विस्तार चार या अधिक घटनाओं के लिए भी किया जा सकता है। निम्नलिखित उदाहरण तीन घटनाओं के लिए प्रायिकता के गुणन नियम का दृष्टांत प्रस्तुत करता है।

उदाहरण 9 52 पत्तों की अच्छी तरह फेंटी गई गड्डी में से एक के बाद एक तीन पत्ते बिना प्रतिस्थापित किए निकाले गए। पहले दो पत्तों का बादशाह और तीसरे का इक्का होने की क्या प्रायिकता है?

हल मान लें कि K घटना 'निकाला गया पत्ता बादशाह है' को और A घटना 'निकाला गया पत्ता इक्का है' को व्यक्त करते हैं। स्पष्टतया हमें P (KKA) ज्ञात करना है।

अब $$P(K) = \frac{4}{52}$$

साथ ही P(K|K) यह ज्ञात होने पर कि 'पहले निकाला गया पत्ता बादशाह है' पर दूसरे पत्ते का बादशाह होने की प्रायिकता को दर्शाता है। अब गड्डी में (52 – 1) = 51 पत्ते हैं जिनमें तीन बादशाह है

इसलिए $$P(K|K) = \frac{3}{51}$$

अंततः P(A|KK) तीसरे निकाले गए पत्ते का इक्का होने की सप्रतिबंध प्रायिकता है जब कि हमें ज्ञात है कि दो बादशाह पहले ही निकाले जा चुके हैं। अब गड्डी में 50 पत्ते रह गए हैं

इसलिए $$P(A|KK) = P(A|KK) = \frac{4}{50}$$

प्रायिकता के गुणन नियम द्वारा हमें प्राप्त होता है कि

$$P(KKA) = P(K)\ P(K|K)\ P(A|KK)$$

$$= \frac{4}{52} \times \frac{3}{51} \times \frac{4}{50} = \frac{2}{5525}$$

13.4 स्वतंत्र घटनाएँ (Independent Events)

52 पत्तों की गड्डी में से एक पत्ता निकालने के परीक्षण पर विचार कीजिए जिसमें प्रत्येक मौलिक घटना को समसंभाव्य माना गया है। यदि E तथा F क्रमशः घटनाओं 'निकाला गया पत्ता चिड़ी का है' और 'निकाला गया पत्ता एक इक्का है' को व्यक्त करते हैं, तो

$$P(E) = \frac{13}{52} = \frac{1}{4} \text{ तथा } P(F) = \frac{4}{52} = \frac{1}{13}$$

साथ ही 'E और F' घटना 'निकाला गया पत्ता चिड़ी का इक्का है' को व्यक्त करती है, इसलिए

$$P(E \cap F) = \frac{1}{52}$$

अतः $$P(E|F) = \frac{P(E \cap F)}{P(F)} = \frac{\frac{1}{52}}{\frac{1}{13}} = \frac{1}{4}$$

क्योंकि $P(E) = \frac{1}{4} = P(E|F)$, हम कह सकते हैं कि घटना F के घटित होने की सूचना ने घटना E की प्रायिकता पर कोई प्रभाव नहीं डाला है।

हमें यह भी प्राप्त है कि

$$P(F|E) = \frac{P(E \cap F)}{P(E)} = \frac{\frac{1}{52}}{\frac{1}{4}} = \frac{1}{13} = P(F)$$

पुन: $P(F) = \frac{1}{13} = P(F|E)$ दर्शाता है कि घटना E के घटित होने की सूचना ने घटना F की प्रायिकता पर कोई प्रभाव नहीं डाला है।

अत: E तथा F इस प्रकार की घटनाएँ है कि किसी एक घटना के घटित होने की सूचना दूसरी घटना की प्रायिकता पर कोई प्रभाव नहीं डालती है।

इस प्रकार की घटनाओं को '***स्वतंत्र घटनाएँ***' कहते हैं।

परिभाषा 2 दो घटनाओं E तथा F को स्वतंत्र घटनाएँ कहते हैं यदि

$$P(F|E) = P(F) \text{ जबकी } P(E) \neq 0$$

$$P(E|F) = P(E) \text{ जबकी } P(F) \neq 0$$

अत: इस परिभाषा में P(E) और P(F) का शून्येत्तर होना आवश्यक है।

अब प्रायिकता के गुणन नियम से

$$P(E \cap F) = P(E) \,.\, P(F|E) \qquad \ldots (1)$$

यदि E और F स्वतंत्र घटनाएँ हों तो (1) से हमें प्राप्त होता है कि

$$P(E \cap F) = P(E).\, P(F) \qquad \ldots (2)$$

अत: (2) के उपयोग से हम दो घटनाओं की स्वतंत्रता को निम्नलिखित तरह से भी परिभाषित कर सकते हैं।

परिभाषा 3 मान लें E और F किसी यादृच्छिक परीक्षण के प्रतिदर्श समष्टि की दो घटनाएँ हैं, तो E और F स्वतंत्र घटनाएँ होती हैं यदि

$$P(E \cap F) = P(E) \;\; P(F)$$

टिप्पणी

1. दो घटनाओं E तथा F को पराश्रित (dependent) कहते हैं, यदि वे स्वतंत्र न हों अर्थात् यदि $P(E \cap F) \neq P(E) \,.\, P(F)$
2. कभी-कभी स्वतंत्र घटनाओं और परस्पर अपवर्जी घटनाओं के बीच भ्रम पैदा हो जाता है। 'स्वतंत्र घटनाओं' की परिभाषा 'घटनाओं की प्रायिकता' के रूप में की गई है जब कि 'परस्पर अपवर्जी घटनाओं' की परिभाषा 'घटनाओं' के रूप में की गई है। इसके अतिरिक्त, परस्पर अपवर्जी घटनाओं में कोई भी परिणाम सार्व कदापि नहीं हो सकता है किंतु स्वतंत्र घटनाओं में

परिणाम सार्व भी हो सकते हैं, यदि प्रत्येक घटना अरिक्त है। स्पष्टतया 'स्वतंत्र घटनाएँ' और 'परस्पर अपवर्जी घटनाएँ' समानार्थी नहीं हैं।

दूसरे शब्दों में, यदि दो ऐसी स्वतंत्र घटनाएँ घटती हैं जिनकी प्रायिकता शून्येतर है, तो वह परस्पर अपवर्जी नहीं हो सकती हैं। विलोमत: यदि दो शून्येतर प्रायिकता वाली परस्पर अपवर्जी घटनाएँ घटती हैं, तो वह स्वतंत्र नहीं हो सकती हैं।

3. दो यादृच्छिक परीक्षण स्वतंत्र कहलाते हैं, यदि प्रत्येक घटना युग्म E और F के लिए, जहाँ E पहले परीक्षण से तथा F दूसरे परीक्षण से संबंधित हैं, घटनाओं E तथा F के एक साथ घटित होने की प्रायिकता, जब दोनों परीक्षण संपन्न किए जाएँ, प्रायिकता P(E) और P(F) के गुणनफल के बराबर होती हैं, जिनका परिकलन दोनों परीक्षणों के आधार पर अलग-अलग किया जाता है। अर्थात् $P(E\cap F) = P(E) . P(F)$

4. तीन घटनाओं A, B और C को स्वतंत्र कहा जाता है यदि और केवल यदि

$$P(A\cap B) = P(A)\ P(B)$$
$$P(A\cap C) = P(A)\ P(C)$$
$$P(B\cap C) = P(B)\ P(C)$$

और $$P(A\cap B\cap C) = P(A)\ P(B)\ \ P(C)$$

यदि उपरोक्त में से कम से कम एक भी शर्त सत्य नहीं होती है तो दी गई घटनाओं को स्वतंत्र नहीं कहा जाता है।

उदाहरण 10 एक पासे को एक बार उछाला जाता है। घटना 'पासे पर प्राप्त संख्या 3 का अपवर्त्य है', को E से और 'पासे पर प्राप्त संख्या सम है', को F से निरूपित किया जाए तो बताएँ क्या घटनाएँ E और F स्वतंत्र हैं?

हल हम जानते हैं कि इस परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है: $S = \{1, 2, 3, 4, 5, 6\}$

अब $E = \{3, 6\}, F = \{2, 4, 6\}$ और $E\cap F = \{6\}$

तब $P(E) = \frac{2}{6}=\frac{1}{3},\ P(F)=\frac{3}{6}=\frac{1}{2}$ और $P(E\cap F)=\frac{1}{6}$

स्पष्टतया $P(E\cap F) = P(E) . P(F)$

अत: E और F स्वतंत्र घटनाएँ हैं।

उदाहरण 11 एक अनभिनत (unbiased) पासे को दो बार उछाला गया। मान लें A घटना 'पहली उछाल पर विषम संख्या प्राप्त होना' और B घटना 'द्वितीय उछाल पर विषम संख्या प्राप्त होना' दर्शाते हैं। घटनाओं A और B के स्वातंत्र्य का परीक्षण कीजिए।

हल यदि सभी 36 मौलिक घटनाओं को समसंभाव्य मान लें तो

$$P(A)=\frac{18}{36}=\frac{1}{2} \text{ और } P(B)=\frac{18}{36}=\frac{1}{2}$$

साथ ही $$P(A \cap B) = P\text{ (दोनों उछालों में विषम संख्या प्राप्त होना)}$$

$$= \frac{9}{36} = \frac{1}{4}$$

अब $$P(A)\ .\ P(B) = \frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$$

स्पष्टतया $$P(A \cap B) = P(A)\ .\ P(B)$$

अतः A और B स्वतंत्र घटनाएँ हैं।

उदाहरण 12 तीन सिक्कों को उछाला गया है। मान लें E घटना 'तीन चित या तीन पट प्राप्त होना' और F घटना 'न्यूनतम दो चित प्राप्त होना' और G घटना 'अधिकतम दो पट प्राप्त होना' को निरूपित करते हैं। युग्म (E,F), (E,G) और (F,G) में कौन-कौन से स्वतंत्र हैं? कौन-कौन से पराश्रित हैं?

हल परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है :

$$S = \{HHH, HHT, HTH, THH, HTT, THT, TTH, TTT\}$$

स्पष्टतया $$E = \{HHH, TTT\}, \quad F = \{HHH, HHT, HTH, THH\}$$

और $$G = \{HHT, HTH, THH, HTT, THT, TTH, TTT\}$$

साथ ही $$E \cap F = \{HHH\}, \quad E \cap G = \{TTT\}, \quad F \cap G = \{HHT, HTH, THH\}$$

इसलिए $$P(E) = \frac{2}{8} = \frac{1}{4}, \quad P(F) = \frac{4}{8} = \frac{1}{2}, \quad P(G) = \frac{7}{8}$$

$$P(E \cap F) = \frac{1}{8}, \quad P(E \cap G) = \frac{1}{8}, \quad P(F \cap G) = \frac{3}{8}$$

साथ ही $P(E)\ .\ P(F) = \frac{1}{4} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{8}$, $P(E) \cdot P(G) = \frac{1}{4} \times \frac{7}{8} = \frac{7}{32}$ और $P(F) \cdot P(G) = \frac{1}{2} \times \frac{7}{8} = \frac{7}{16}$

अतः $$P(E \cap F) = P(E)\ .\ P(F)$$

$$P(E \cap G) \neq P(E)\ .\ P(G)$$

और $$P(F \cap G) \neq P(F)\ .\ P(G)$$

इसलिए घटनाएँ (E और F) स्वतंत्र हैं जबकी घटनाएँ (F और G) और (E और G) पराश्रित हैं।

उदाहरण 13 सिद्ध कीजिए कि यदि E और F दो स्वतंत्र घटनाएँ हैं तो E और F′ भी स्वतंत्र होंगी।

हल क्योंकि E तथा F स्वतंत्र है, इसलिए

$$P(E \cap F) = P(E)\ .\ P(F) \quad \ldots (1)$$

चित्र 13.3, के वेन-आरेख से यह स्पष्ट है कि $E \cap F$ और $E \cap F'$ परस्पर अपवर्जी हैं और साथ ही

$$E = (E \cap F) \cup (E \cap F')$$

क्योंकि $E \cap F$ और $E \cap F'$ परस्पर अपवर्जी हैं,

इसलिए $P(E) = P(E \cap F) + P(E \cap F')$

या $P(E \cap F') = P(E) - P(E \cap F)$

$= P(E) - P(E) . P(F)$ (1) से

$= P(E) [1 - P(F]$

$= P(E) . P(F')$

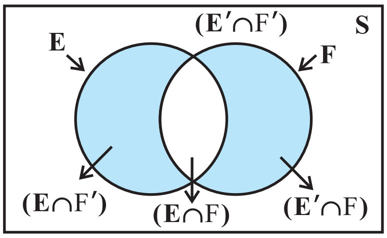

आकृति 13.3

अत: E और F′ स्वतंत्र घटनाएँ हैं।

टिप्पणी इसी प्रकार यह दर्शाया जा सकता है कि यदि

(a) E' तथा F स्वतंत्र हैं

(b) E' तथा F' स्वतंत्र हैं।

उदाहरण 14 यदि A और B स्वतंत्र घटनाएँ हैं तो A या B में से न्यूनतम एक के होने की प्रायिकता $= 1- P(A') \ P(B')$

हल P(A या B में से न्यूनतम एक का होना) $= P(A \cup B)$

$= P(A) + P(B) - P(A \cap B)$

$= P(A) + P(B) - P(A) P(B)$

$= P(A) + P(B) [1-P(A)]$

$= P(A) + P(B) . P(A')$

$= 1- P(A') + P(B) P(A')$

$= 1- P(A') \ [1- P(B)]$

$= 1- P(A') \ P(B')$

प्रश्नावली 13.2

1. यदि $P(A) = \frac{3}{5}$, $P(B) = \frac{1}{5}$ और A तथा B स्वतंत्र घटनाएँ हैं तो $P(A \cap B)$ ज्ञात कीजिए।
2. 52 पत्तों की एक गड्डी में से यादृच्छया बिना प्रतिस्थापित किए गए दो पत्ते निकाले गए। दोनों पत्तों के काले रंग का होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।
3. संतरों के एक डिब्बे का निरीक्षण उसमें से तीन संतरों को यादृच्छया बिना प्रतिस्थापित किए हुए निकाल कर किया जाता है। यदि तीनों निकाले गए संतरे अच्छे हों तो डिब्बे को बिक्री के

लिए स्वीकृत किया जाता है अन्यथा अस्वीकृत कर देते हैं। एक डिब्बा जिसमें 15 संतरे हैं जिनमें से 12 अच्छे व 3 खराब संतरे हैं, के बिक्री के लिए स्वीकृत होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

4. एक न्याय्य सिक्का और एक अभिनत पासे को उछाला गया। मान लें A घटना 'सिक्के पर चित प्रकट होता है' और B घटना 'पासे पर संख्या 3 प्रकट होती है' को निरूपित करते हैं। निरीक्षण कीजिए कि घटनाएँ A और B स्वतंत्र हैं या नहीं?

5. एक पासे पर 1, 2, 3 लाल रंग से और 4, 5, 6 हरे रंग से लिखे गए हैं। इस पासे को उछाला गया। मान लें A घटना 'संख्या सम है' और B घटना 'संख्या लाल रंग से लिखी गई है', को निरूपित करते हैं। क्या A और B स्वतंत्र हैं?

6. मान लें E तथा F दो घटनाएँ इस प्रकार हैं कि $P(E) = \frac{3}{5}$, $P(F) = \frac{3}{10}$ और $P(E \cap F) = \frac{1}{5}$ तब क्या E तथा F स्वतंत्र हैं?

7. A और B ऐसी घटनाएँ दी गई हैं जहाँ $P(A) = \frac{1}{2}$, $P(A \cup B) = \frac{3}{5}$ तथा $P(B) = p$. p का मान ज्ञात कीजिए यदि (i) घटनाएँ परस्पर अपवर्जी हैं। (ii) घटनाएँ स्वतंत्र हैं।

8. मान लें A और B स्वतंत्र घटनाएँ हैं तथा $P(A) = 0.3$ और $P(B) = 0.4$. तब

   (i) $P(A \cap B)$ (ii) $P(A \cup B)$

   (iii) $P(A|B)$ (iv) $P(B|A)$ ज्ञात कीजिए।

9. दी गई घटनाएँ A और B ऐसी हैं, जहाँ $P(A) = \frac{1}{4}$, $P(B) = \frac{1}{2}$ और $P(A \cap B) = \frac{1}{8}$ तब P(A-नहीं और B-नहीं) ज्ञात कीजिए।

10. मान लें A तथा B स्वतंत्र घटनाएँ हैं और $P(A) = \frac{1}{2}$ तथा $P(B) = \frac{7}{12}$ और P(A-नहीं और B-नहीं) $= \frac{1}{4}$. क्या A और B स्वतंत्र घटनाएँ हैं?

11. A और B स्वतंत्र घटनाएँ दी गई हैं जहाँ $P(A) = 0.3$, $P(B) = 0.6$ तो

    (i) P(A और B) (ii) P(A और B-नहीं)

    (iii) P(A या B) (iv) P(A और B में कोई भी नहीं) का मान ज्ञात कीजिए।

12. एक पासे को तीन बार उछाला जाता है तो कम से कम एक बार विषम संख्या प्राप्त होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

13. दो गेंद एक बॉक्स से बिना प्रतिस्थापित किए निकाली जाती है। बॉक्स में 10 काली और 8 लाल गेंदें हैं तो प्रायिकता ज्ञात कीजिए (i) दोनों गेंदें लाल हों (ii) प्रथम काली एवं दूसरी लाल हो (iii) एक काली तथा दूसरी लाल हो।

14. एक विशेष समस्या को A और B द्वारा स्वतंत्र रूप से हल करने की प्रायिकताएँ क्रमशः $\frac{1}{2}$ और $\frac{1}{3}$ हैं। यदि दोनों, स्वतंत्र रूप से, समस्या हल करने का प्रयास करते हैं, तो प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि

(i) समस्या हल हो जाती है

(ii) उनमें से तथ्यतः कोई एक समस्या हल कर लेता है।

15. ताश के 52 पत्तों की एक सुमिश्रित गड्डी से एक पत्ता यादृच्छया निकाला जाता है। निम्नलिखित में से किन दशाओं में घटनाएँ E और F स्वतंत्र हैं?

(i) E : 'निकाला गया पत्ता हुकुम का है'

F : 'निकाला गया पत्ता इक्का है'

(ii) E : 'निकाला गया पत्ता काले रंग का है'

F : 'निकाला गया पत्ता एक बादशाह है'

(iii) E : 'निकाला गया पत्ता एक बादशाह या एक बेगम है'

F : 'निकाला गया पत्ता एक बेगम या एक गुलाम है'

16. एक छात्रावास में 60% विद्यार्थी हिंदी का, 40% अंग्रेज़ी का और 20% दोनों अखबार पढ़ते हैं। एक छात्रा को यादृच्छया चुना जाता है।

(a) प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि वह न तो हिंदी और न ही अंग्रेज़ी का अखबार पढ़ती है।

(b) यदि वह हिंदी का अखबार पढ़ती है तो उसके अंग्रेज़ी का अखबार भी पढ़ने वाली होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

(c) यदि वह अंग्रेज़ी का अखबार पढ़ती है तो उसके हिंदी का अखबार भी पढ़ने वाली होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

17. यदि पासों का एक जोड़ा उछाला जाता है तो प्रत्येक पासे पर सम अभाज्य संख्या प्राप्त करने की प्रायिकता निम्नलिखित में से क्या है?

(A) 0 (B) $\frac{1}{3}$ (C) $\frac{1}{12}$ (D) $\frac{1}{36}$

18. दो घटनाओं A और B को परस्पर स्वतंत्र कहते हैं, यदि

(A) A और B परस्पर अपवर्जी हैं (B) $P(A'B') = [1-P(A)][1-P(B)]$

(C) $P(A) = P(B)$ (D) $P(A) + P(B) = 1$

13.5 बेज़-प्रमेय (Bayes' Theorem)

मान लीजिए कि दो थैले I और II दिए गए हैं। थैला I में 2 सफ़ेद और 3 लाल गेंदें हैं। और थैला II में 4 सफ़ेद और 5 लाल गेंदें हैं। किसी एक थैले में से एक गेंद यादृच्छया निकाली जाती है। हम किसी एक थैले को चुनने की प्रायिकता $\frac{1}{2}$ ज्ञात कर सकते हैं या किसी विशेष थैले (मान लें थैला I) में से एक विशेष रंग (मान लें सफ़ेद) गेंद को निकालने की प्रायिकता भी ज्ञात कर सकते हैं। अन्य शब्दों में हम किसी विशेष रंग की गेंद निकालने की प्रायिकता ज्ञात कर सकते हैं, यदि हमें यह दिया गया हो कि गेंद कौन-से थैले से निकाली गई है। लेकिन क्या हम इस बात की प्रायिकता ज्ञात कर सकते हैं कि गेंद किसी विशेष थैले (मान लें थैला-II) से निकाली गई है यदि हमें निकाली गई गेंद का रंग पता है? यहाँ हमें थैला-II के चुनने की प्रतिलोम (reverse)प्रायिकता ज्ञात करनी है जबकि इसके बाद होने वाली घटना का हमें ज्ञान है। प्रसिद्ध गणितज्ञ जॉन बेज़ ने प्रतिलोम प्रायिकता ज्ञात करने की समस्या का समाधान सप्रतिबंध प्रायिकता के उपयोग द्वारा किया है। उनके द्वारा बनाया गया सूत्र 'बेज़-प्रमेय' के नाम से जाना जाता है जो उनकी मृत्योपरांत 1763 में प्रकाशित हुआ था। बेज़-प्रमेय के कथन व प्रमाण से पूर्व आइए एक परिभाषा और कुछ प्रारंभिक परिणामों पर विचार कीजिए।

13.5.1 *एक प्रतिदर्श समष्टि का विभाजन (Partition of a sample space)*

घटनाओं $E_1, E_2 \dots E_n$ के समुच्चय को प्रतिदर्श समष्टि S के विभाजन को निरूपित करता है यदि

(a) $E_i \cap E_j = \phi, i \neq j, i, j = 1, 2, 3, \dots n$

(b) $E_1 \cup E_2 \cup \dots \cup E_n = S$ तथा

(c) $P(E_i) > 0$, प्रत्येक $i = 1, 2, \dots, n$ के लिए

दूसरे शब्दों में, घटनाएँ $E_1, E_2, \dots E_n$ प्रतिदर्श समष्टि S के विभाजन को निरूपित करती हैं यदि वे युग्मतः असंयुक्त हैं, समग्र है तथा उनकी प्रायिकता शून्येतर है।

उदाहरणतः हम देखते हैं कि कोई घटना E और उसकी पूरक घटना E′ प्रतिदर्श समष्टि S का विभाजन है क्योंकि $E \cap E' = \phi$ और $E \cup E' = S$.

वेन-आरेख चित्र 13.3, से हम आसानी से प्रेक्षण कर सकते हैं कि यदि E और F किसी प्रतिदर्श समष्टि S, के संगत कोई दो घटनाएँ हैं, तो $\{E \cap F, E \cap F'\}$ समुच्चय E का एक विभाजन है।

समुच्चय $\{E' \cap F, E \cap F, E \cap F'\}$ समुच्चय $E \cup F$ का एक विभाजन है और समुच्चय $\{E \cap F', E \cap F, E' \cap F, E' \cap F'\}$ संपूर्ण प्रतिदर्श S का एक विभाजन है।

अब हम संपूर्ण प्रायिकता की प्रमेय को सिद्ध करेंगे।

13.5.2 *संपूर्ण प्रायिकता की प्रमेय (Theorem of Total Probability)*

मान लें $\{E_1, E_2, \dots, E_n\}$ प्रतिदर्श समष्टि S, का एक विभाजन है और मान लें कि प्रत्येक घटना $E_1, E_2, \dots, E_n$ की प्रायिकता शून्येत्तर है। मान लीजिए A प्रतिदर्श समष्टि के संगत एक

घटना है, तब,

$$P(A) = P(E_1)\ P(A|E_1) + P(E_2)\ P(A|E_2) + ... + P(E_n)\ P(A|E_n)$$

$$= \sum_{j=1}^{n} P(E_j) P(A | E_j)$$

उपपत्ति दिया गया है कि $E_1, E_2, ..., E_n$ प्रतिदर्श समष्टि S का एक विभाजन है (चित्र 13.4) इसलिए,

$$S = E_1 \cup E_2 \cup ... \cup E_n \quad ... (1)$$

और $\quad E_i \cap E_j = \phi\ \forall\ i \neq j,\ i, j = 1, 2, ..., n$

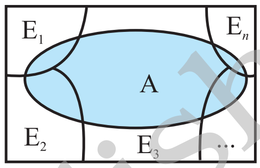

आकृति 13.4

हमें ज्ञात है कि किसी घटना A, के लिए

$$A = A \cap S$$

$$= A \cap (E_1 \cup E_2 ... E_n)$$

$$= (A \cap E_1) \cup (A \cap E_2) \cup ... \cup (A \cap E_n)$$

साथ ही $A \cap E_i$, और $A \cap E_j$, क्रमशः समुच्चयों E_i और E_j के उपसमुच्चय हैं जो $i \neq j$, के लिए असंयुक्त है इसलिए $i \neq j,\ i, j = 1, 2 ..., n$ के लिए $A \cap E_i$ और $A \cap E_j$ भी असंयुक्त हैं।

इसलिए $\quad P(A) = P[(A \cap E_1) \cup (A \cap E_2) \cup ..... \cup (A \cap E_n)]$

$$= P(A \cap E_1) + P(A \cap E_2) + ... + P(A \cap E_n)$$

अब $\quad P(A \cap E_i) = P(E_i)\ P(A|E_i)$ क्योंकि $P(E_i) \neq 0 \forall i = 1,2,..., n$

प्रायिकता के गुणन नियम द्वारा हम जानते हैं कि

इसलिए $\quad P(A) = P(E_1)\ P(A|E_1) + P(E_2)\ P(A|E_2) + ... + P(E_n)\ P(A|E_n)$

या $\quad P(A) = \sum_{j=1}^{n} P(E_j) P(A | E_j)$

उदाहरण 15 किसी व्यक्ति ने एक निर्माण कार्य का ठेका लिया है। हड़ताल होने की प्रायिकता 0.65 है। हड़ताल न होने की तथा हड़ताल होने की स्थितियों में निर्माण कार्य के समयानुसार पूर्ण होने की प्रायिकताएँ क्रमशः 0.80 तथा 0.32 हैं। निर्माण कार्य के समयानुसार पूर्ण होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि 'निर्माण कार्य के समयानुसार पूर्ण होने' की घटना को A और 'हड़ताल होने' की घटना को B द्वारा निरूपित किया जाता है। हमें P(A) ज्ञात करना है। हमें ज्ञात है कि

$$P(B) = 0.65,\ P(\text{हड़ताल नहीं}) = P(B') = 1 - P(B) = 1 - 0.65 = 0.35$$

$$P(A | B) = 0.32,\ P(A | B') = 0.80$$

क्योंकि घटनाएँ B और B′ समष्टि समुच्चय के विभाजन हैं इसलिए संपूर्ण प्रायिकता प्रमेय द्वारा

$$= P(B) . P(A | B) + P(B') P(A | B')$$

$$= 0.65 \times 0.32 + 0.35 \times 0.8$$
$$= 0.208 + 0.28 = 0.488$$

अत: निर्माण कार्य समयानुसार पूर्ण होने की प्रायिकता 0.488 है।

अब हम बेज़-प्रमेय का प्रकथन करेंगे तथा इसे सिद्ध करेंगे।

बेज़-प्रमेय (Bayes' Theorem) यदि $E_1, E_2 ,..., E_n$ अरिक्त घटनाएँ हैं जो कि प्रतिदर्श समष्टि S के विभाजन का निर्माण करती हैं अर्थात् $E_1, E_2 ,...., E_n$ युग्मत: असंयुक्त हैं और $E_1 \cup E_2 \cup ,..., \cup E_n = S$ और A कोई ऐसी घटना है जिसकी प्रायिकता शून्येतर है, तो

$$P(E_i|A) = \frac{P(E_i)P(A|E_i)}{\sum_{j=1}^{n} P(E_j)P(A|E_j)}, \; i = 1, 2, 3, ..., n$$

उपपत्ति हमें ज्ञात है कि

$$P(E_i|A) = \frac{P(A \cap E_i)}{P(A)}$$

$$= \frac{P(E_i)P(A|E_i)}{P(A)} \quad \text{(प्रायिकता के गुणन नियम से)}$$

$$= \frac{P(E_i)P(A|E_i)}{\sum_{j=1}^{n} P(E_j)P(A|E_j)} \quad \text{(संपूर्ण प्रायिकता के नियम से)}$$

टिप्पणी बेज़-प्रमेय के अनुप्रयोग में निम्नलिखित शब्दावली का उपयोग करते हैं
घटनाओं $E_1, E_2, ... E_n$ को परिकल्पनाएँ (hypotheses)कहते हैं।

$P(E_i)$ को परिकल्पना E_i की पूर्वकालीन (a priori) प्रायिकता कहते हैं। सप्रतिबंध प्रायिकता $P(E_i|A)$ को परिकल्पना E_i की उत्तरकालीन (a posteriori) प्रायिकता कहते हैं।

बेज़ प्रमेय को 'कारणों' की प्रायिकता का सूत्र भी कहा जाता है। क्योंकि E_i प्रतिदर्श समष्टि S के एक विभाजन का निर्माण करते हैं इसलिए घटनाओं E_i में से एक समय में एक और केवल एक ही घटित होती है (अर्थात् E_i में से केवल एक ही घटना घटती है और एक से अधिक नहीं घट सकती है) अत: उपरोक्त सूत्र हमें किसी विशेष E_i (अर्थात् एक कारण)की प्रायिकता देता है जबकि घटना A का घटित होना दिया गया है।

बेज़-प्रमेय की विविध परिस्थितियों में उपयोगिता है। इनमें से कुछ को निम्नलिखित उदाहरणों में स्पष्ट किया गया है।

उदाहरण 16 दो थैले I और II दिए हैं। थैले I में 3 लाल और 4 काली गेंदें हैं जब कि थैले II में 5 लाल और 6 काली गेंदें हैं। किसी एक थैले में से यादृच्छया एक गेंद निकाली गई है जो कि लाल रंग की है। इस बात की क्या प्रायिकता है कि यह गेंद थैले II से निकाली गई है?

हल थैले I का चयन होना को E_1 से और थैले II के चयन को E_2 मान लीजिए। मान लीजिए कि लाल रंग की गेंद निकलने की घटना को A से निरूपित करते हैं।

तब $$P(E_1) = P(E_2) = \frac{1}{2}$$

साथ ही $$P(A|E_1) = P(\text{थैले I में से लाल रंग की गेंद निकालना}) = \frac{3}{7}$$

और $$P(A|E_2) = P(\text{थैले II में से लाल रंग की गेंद निकालना}) = \frac{5}{11}$$

अब थैले II में से गेंद निकालने की प्रायिकता, जब कि यह ज्ञात है कि वह लाल रंग की है $= P(E_2|A)$, बेज़-प्रमेय द्वारा

$$P(E_2|A) = \frac{P(E_2)P(A|E_2)}{P(E_1)P(A|E_1)+P(E_2)P(A|E_2)} = \frac{\frac{1}{2}\times\frac{5}{11}}{\frac{1}{2}\times\frac{3}{7}+\frac{1}{2}\times\frac{5}{11}} = \frac{35}{68}$$

उदाहरण 17 तीन अभिन्न डिब्बे I, II और III दिए गए हैं जहाँ प्रत्येक में दो सिक्के हैं। डिब्बे I में दोनों सिक्के सोने के है, डिब्बे II में दोनों सिक्के चाँदी के हैं और डिब्बे III में एक सोने और एक चाँदी का सिक्का है। एक व्यक्ति यादृच्छया एक डिब्बा चुनता है और उसमें से यादृच्छया एक सिक्का निकालता है। यदि सिक्का सोने का है, तो इस बात की क्या प्रायिकता है कि डिब्बे में दूसरा सिक्का भी सोने का ही है?

हल मान लें E_1, E_2 और E_3 क्रमशः डिब्बे I, II और III के चयन को निरूपित करते हैं

तब $$P(E_1) = P(E_2) = P(E_3) = \frac{1}{3}$$

साथ ही मान लें A घटना 'निकाला गया सिक्का सोने का है' को दर्शाता है।

तब $$P(A|E_1) = P(\text{डिब्बे I से सोने का सिक्का निकलना}) = \frac{2}{2} = 1$$

$$P(A|E_2) = P(\text{डिब्बे II से सोने का एक सिक्का निकलना}) = 0$$

$$P(A|E_3) = P(\text{डिब्बे III से सोने का सिक्का निकलना}) = \frac{1}{2}$$

अब डिब्बे में दूसरा सिक्का भी सोने का होने की प्रायिकता

= निकाला गया सोने का सिक्का डिब्बे I से होने की प्रायिकता

$= P(E_1|A)$

अब बेज़-प्रमेय द्वारा

$$P(E_1|A) = \frac{P(E_1)P(A|E_1)}{P(E_1)P(A|E_1)+P(E_2)P(A|E_2)+P(E_3)P(A|E_3)}$$

$$= \frac{\frac{1}{3}\times 1}{\frac{1}{3}\times 1+\frac{1}{3}\times 0+\frac{1}{3}\times\frac{1}{2}} = \frac{2}{3}$$

उदाहरण 18 मान लें कि एक एच.आई.वी. परीक्षण की विश्वसनीयता निम्नलिखित प्रकार से निर्दिष्ट की गई है।

एच.आई.वी. पोजीटिव व्यक्तियों के लिए परीक्षण 90% पता लगाने में और 10% पता न लगाने में सक्षम है। एच.आई.वी. से स्वतंत्र व्यक्तियों के लिए परीक्षण, 99% सही पता लगाता है यानी एच.आई.वी नेगेटिव बताता है जबकि 1% परीक्षित व्यक्तियों के लिए एच.आई.वी. पोजीटिव बताता है। एक बड़ी जनसंख्या, जिसमें 0.1% व्यक्ति एच.आई.वी. ग्रस्त है, में से एक व्यक्ति यादृच्छया चुना जाता है और उस का परीक्षण किया जाने पर रोगविज्ञानी एच.आई.वी. की उपस्थिति बताता है। क्या प्रायिकता है कि वह व्यक्ति वास्तव में एच.आई.वी. (पोजीटिव) है?

हल मान लें E चुने गए व्यक्ति के वास्तव में एच.आई.वी. पोजीटिव होने की घटना और A व्यक्ति के एच.आई.वी. परीक्षण में पोजीटिव होने की घटना को दर्शाते हैं। हमें $P(E|A)$ ज्ञात करना है।

साथ ही E' चुने गए व्यक्ति के एच.आई.वी. पोजीटिव न होने की घटना को दर्शाता है।

स्पष्टतया $\{E, E'\}$ जनसंख्या में सभी व्यक्तियों के प्रतिदर्श समष्टि का एक विभाजन है। हमें ज्ञात है

$$P(E) = 0.1\% = \frac{0.1}{100} = 0.001$$

$$P(E') = 1 - P(E) = 0.999$$

$P(A|E) = P$ (व्यक्ति का परीक्षण में एच.आई.वी. पोजीटिव दर्शाना जबकि दिया गया है कि वह वास्तव में एच.आई.वी. पोजीटिव है) $= 90\% = \frac{9}{10} = 0.9$

और $P(A|E') = P$ (व्यक्ति का परीक्षण में एच.आई.वी. पोजीटिव दर्शाना जब कि दिया गया है कि वह वास्तव में एच.आई.वी. पोजीटिव नहीं है) $= 1\% = 0.01$

अब बेज़-प्रमेय द्वारा

$$P(E|A) = \frac{P(E)P(A|E)}{P(E)P(A|E)+P(E')P(A|E')}$$

$$= \frac{0.001\times0.9}{0.001\times0.9+0.999\times0.01} = \frac{90}{1089} = 0.083 \text{ (लगभग)}$$

अत: एक यादृच्छया चुने गए व्यक्ति के वास्तव में एच.आई.वी. पोजीटिव होने की प्रायिकता जब कि ज्ञात है कि उसका एच.आई.वी. परीक्षण पोजीटिव है, 0.083 है।

उदाहरण 19 एक बोल्ट बनाने के कारख़ाने में मशीनें (यंत्र) A, B और C कुल उत्पादन का क्रमश: 25%, 35% और 40% बोल्ट बनाती हैं। इन मशीनों के उत्पादन का क्रमश: 5, 4, और 2 प्रतिशत भाग खराब (त्रुटिपूर्ण) हैं। बोल्टों के कुल उत्पादन में से एक बोल्ट यादृच्छया निकाला जाता है और वह खराब पाया जाता है। इसकी क्या प्रायिकता है कि यह बोल्ट मशीन B द्वारा बनाया गया है?

हल मान लिया कि घटनाएँ B_1, B_2, B_3 निम्न प्रकार हैं:

B_1 : बोल्ट मशीन A द्वारा बनाया गया है

B_2 : बोल्ट मशीन B द्वारा बनाया गया है

B_3 : बोल्ट मशीन C द्वारा बनाया गया है

स्पष्ट है कि घटनाएँ B_1, B_2, B_3 परस्पर अपवर्जी और परिपूर्ण है। मान लिया कि घटना E निम्न प्रकार है: E बोल्ट खराब है।

घटना E, घटनाओं B_1 या B_2 या B_3 के साथ घटित होती है। दिया है:

$$P(B_1) = 25\% = 0.25,\ P(B_2) = 0.35 \text{ और } P(B_3) = 0.40$$

पुन: $P(E|B_1)$ = बोल्ट के खराब होने की प्रायिकता जब कि दिया हो कि वह मशीन B द्वारा निर्मित है

$= 5\% = 0.05$

इसी प्रकार $P(E|B_2) = 0.04,\ P(E|B_3) = 0.02$

बेज़-प्रमेय द्वारा हमें ज्ञात है कि

$$P(B_2|E) = \frac{P(B_2)P(E|B_2)}{P(B_1)P(E|B_1)+P(B_2)P(E|B_2)+P(B_3)P(E+|B_3)}$$

$$= \frac{0.35\times0.04}{0.25\times0.05+0.35\times0.04+0.40\times0.02} = \frac{0.0140}{0.0345} = \frac{28}{69}$$

उदाहरण 20 एक डॉक्टर को एक रोगी को देखने आना है। पहले के अनुभवों से यह ज्ञात है कि उसके ट्रेन, बस, स्कूटर या किसी अन्य वाहन से आने की प्रायिकताएँ क्रमशः $\frac{3}{10}, \frac{1}{5}, \frac{1}{10}$ या $\frac{2}{5}$ है यदि वह ट्रेन, बस या स्कूटर से आता है तो उसके देर से आने की प्रायिकताएँ क्रमशः $\frac{1}{4}, \frac{1}{3},$ या $\frac{1}{12}$ है, परंतु किसी अन्य वाहन से आने पर उसे देर नहीं होती है। यदि वह देर से आया, तो उसके ट्रेन से आने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि 'डॉक्टर के रोगी के यहाँ देर से आने' की घटना E है। यदि डॉक्टर के ट्रेन, बस, स्कूटर या किसी अन्य वाहन द्वारा आने की घटनाएँ क्रमशः T_1, T_2, T_3, और T_4 हो, तो

$$P(T_1) = \frac{3}{10}, P(T_2) = \frac{1}{5}, P(T_3) = \frac{1}{10} \text{ और } P(T_4) = \frac{2}{5} \qquad \text{(दिया है)}$$

$$P(E|T_1) = \text{डॉक्टर के ट्रेन द्वारा आने पर देर से पहुँचने की प्रायिकता} = \frac{1}{4}$$

इसी प्रकार, $P(E|T_2) = \frac{1}{3}$, $P(E|T_3) = \frac{1}{12}$, $P(E|T_4) = 0$, क्योंकि अन्य वाहन द्वारा आने पर उसे देरी नहीं होती।

अब बेज़-प्रमेय द्वारा

$P(T_1|E)$ = डॉक्टर द्वारा देर से आने पर ट्रेन द्वारा आने की प्रायिकता

$$= \frac{P(T_1)P(E|T_1)}{P(T_1)P(E|T_1) + P(T_2)P(E|T_2) + P(T_3)P(E|T_3) + P(T_4)P(E|T_4)}$$

$$= \frac{\frac{3}{10} \times \frac{1}{4}}{\frac{3}{10} \times \frac{1}{4} + \frac{1}{5} \times \frac{1}{3} + \frac{1}{10} \times \frac{1}{12} + \frac{2}{5} \times 0} = \frac{3}{40} \times \frac{120}{18} = \frac{1}{2}$$

अतः अभीष्ट प्रायिकता $\frac{1}{2}$ है।

उदाहरण 21 एक व्यक्ति के बारे में ज्ञात है कि वह 4 में से 3 बार सत्य बोलता है। वह एक पासे को उछालता है और बतलाता है कि उस पर आने वाली संख्या 6 है। इस की प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि पासे पर आने वाली संख्या वास्तव में 6 है।

हल मान लीजिए कि E, 'व्यक्ति द्वारा पासे को उछाल कर यह बताने की कि उस पर आने वाली संख्या 6 है' की घटना है। मान लीजिए कि S_1, पासे पर संख्या 6 आने की घटना और S_2 पासे पर संख्या 6 नहीं आने की घटना हैं। तब

$$P(S_1) = \text{संख्या 6 आने की घटना की प्रायिकता} = \frac{1}{6}$$

$$P(S_2) = \text{संख्या 6 नहीं आने की घटना की प्रायिकता} = \frac{5}{6}$$

$P(E|S_1)$ = व्यक्ति द्वारा यह बताने पर कि पासे कि संख्या 6 आई है जबकि पासे पर आने वाली संख्या वास्तव में 6 है, की प्रायिकता

$$= \text{व्यक्ति द्वारा सत्य बोलने की प्रायिकता} = \frac{3}{4}$$

$P(E|S_2)$ = व्यक्ति द्वारा यह बताने पर कि पासे पर संख्या 6 आई है जबकि पासे पर आने वाली संख्या वास्तव में 6 नहीं है, की प्रायिकता

$$= \text{व्यक्ति द्वारा सत्य नहीं बोलने की प्रायिकता} = 1 - \frac{3}{4} = \frac{1}{4}$$

अब बेज़-प्रमेय द्वारा

$P(S_1|E)$ = व्यक्ति द्वारा यह बताने की प्रायिकता कि संख्या 6 प्रकट हुई है, जब वास्तव में संख्या 6 है

$$= \frac{P(S_1)P(E|S_1)}{P(S_1)P(E|S_1) + P(S_2)P(E|S_2)} = \frac{\frac{1}{6} \times \frac{3}{4}}{\frac{1}{6} \times \frac{3}{4} \times \frac{5}{6} \times \frac{1}{4}} = \frac{1}{8} \times \frac{24}{8} = \frac{3}{8}$$

अतः अभीष्ट प्रायिकता $\frac{3}{8}$ है।

प्रश्नावली 13.3

1. एक कलश में 5 लाल और 5 काली गेंदें हैं। यादृच्छया एक गेंद निकाली जाती है, इसका रंग नोट करने के बाद पुनः कलश में रख दी जाती है। पुनः निकाले गए रंग की 2 अतिरिक्त गेंदें कलश में रख दी जाती है तथा कलश में से एक गेंद निकाली जाती है। दूसरी गेंदें की लाल होने की प्रायिकता क्या है?
2. एक थैले में 4 लाल और 4 काली गेंदें हैं और एक अन्य थैले में 2 लाल और 6 काली गेंदें हैं। दोनों थैलों में से एक को यादृच्छया चुना जाता है और उसमें एक गेंद निकाली जाती है जो कि लाल है। इस बात की क्या प्रायिकता है कि गेंद पहले थैले से निकाली गई है?
3. यह ज्ञात है कि एक महाविद्यालय के छात्रों में से 60% छात्रावास में रहते हैं और 40% छात्रावास में नहीं रहते हैं। पूर्ववर्ती वर्ष के परिणाम सूचित करते हैं कि छात्रावास में रहने वाले छात्रों में से 30% और छात्रावास में न रहने वाले छात्रों में से 20% छात्रों ने A-ग्रेड लिया। वर्ष के अंत में महाविद्यालय के एक छात्र को यादृच्छया चुना गया और यह पाया गया कि उसे A-ग्रेड मिला है। इस बात की क्या प्रायिकता है कि वह छात्र छात्रावास मे रहने वाला है?

4. एक बहुविकल्पी प्रश्न का उत्तर देने में एक विद्यार्थी या तो प्रश्न का उत्तर जानता है या वह अनुमान लगाता है। मान लें कि उसके उत्तर जानने की प्रायिकता $\frac{3}{4}$ है और अनुमान लगाने की प्रायिकता $\frac{1}{4}$ है। मान लें कि छात्र के प्रश्न के उत्तर का अनुमान लगाने पर सही उत्तर देने की प्रायिकता $\frac{1}{4}$ है तो इस बात की क्या प्रायिकता है कि कोई छात्र प्रश्न का उत्तर जानता है यदि यह ज्ञात है कि उसने सही उत्तर दिया है?

5. किसी विशेष रोग के सही निदान के लिए रक्त की जाँच 99% असरदार है, जब वास्तव में रोगी उस रोग से ग्रस्त होता है। किंतु 0.5% बार किसी स्वस्थ व्यक्ति की रक्त जाँच करने पर निदान गलत रिपोर्ट देता है यानी व्यक्ति को रोग से ग्रस्त बतलाता है। यदि किसी जनसमुदाय में 0.1% लोग उस रोग से ग्रस्त है तो क्या प्रायिकता है कि कोई यादृच्छया चुना गया व्यक्ति उस रोग से ग्रस्त होगा यदि उसके रक्त की जाँच में यह बताया जाता है कि उसे यह रोग है?

6. तीन सिक्के दिए गए हैं। एक सिक्के के दोनों ओर चित ही है। दूसरा सिक्का अभिनत है जिसमें चित 75% बार प्रकट होता है और तीसरा अनभिनत सिक्का है। तीनों में से एक सिक्के को यादृच्छया चुना गया और उसे उछाला गया है। यदि सिक्के पर चित प्रकट हो, तो क्या प्रायिकता है कि वह दोनों चित वाला सिक्का है?

7. एक बीमा कंपनी 2000 स्कूटर चालकों, 4000 कार चालकों और 6000 ट्रक चालकों का बीमा करती है। दुर्घटनाओं की प्रायिकताएँ क्रमश: 0.01, 0.03 और 0.15 है। बीमाकृत व्यक्तियों (चालकों) में से एक दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। उस व्यक्ति के स्कूटर चालक होने की प्रायिकता क्या है?

8. एक कारखाने में A और B दो मशीने लगी हैं। पूर्व विवरण से पता चलता है कि कुल उत्पादन का 60% मशीन A और 40% मशीन B द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त मशीन A का 2% और मशीन B का 1% उत्पादन खराब है। यदि कुल उत्पादन का एक ढेर बना लिया जाता है और उस ढेर से यादृच्छया निकाली गई वस्तु खराब हो, तो इस वस्तु के 'मशीन A' द्वारा बने होने की प्रायिकता क्या होगी?

9. दो दल एक निगम के निदेशक मंडल में स्थान पाने की प्रतिस्पर्धा में हैं। पहले तथा दूसरे दल के जीतने की प्रायिकताएँ क्रमश: 0.6 तथा 0.4 हैं। इसके अतिरिक्त यदि पहला दल जीतता है तो एक नए उत्पाद के प्रारम्भ होने की प्रायिकता 0.7 है और यदि दूसरा दल जीतता है तो इस बात की संगत प्रायिकता 0.3 है। इसकी प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि नया उत्पादन दूसरे दल द्वारा प्रारम्भ किया गया था।

10. मान लीजिए कि कोई लड़की एक पासा उछालती है। यदि उसे 5 या 6 की संख्या प्राप्त होती है तो वह एक सिक्के को तीन बार उछालती है और 'चितों' की संख्या नोट करती है। यदि

उसे 1, 2, 3 या 4 की संख्या प्राप्त होती है तो वह एक सिक्के को एक बार उछालती है और यह नोट करती है कि उस पर 'चित' या 'पट' प्राप्त हुआ। यदि उसे ठीक एक चित प्राप्त होता है, तो उसके द्वारा उछाले गए पासे पर 1, 2, 3 या 4 प्राप्त होने की प्रायिकता क्या है?

11. एक व्यावसायिक निर्माता के पास A, B तथा C मशीन ऑपरेटर हैं। प्रथम ऑपरेटर A 1% खराब सामग्री उत्पादित करता हैं तथा ऑपरेटर B और C क्रमश: 5% और 7% खराब सामग्री उत्पादित करता है। कार्य पर A कुल समय का 50% लगाता है, B कुल समय का 30% तथा C कुल समय का 20% लगाता है। यदि एक खराब सामग्री उत्पादित है तो इसे A द्वारा उत्पादित किए जाने की प्रायिकता क्या है?

12. 52 ताशों की गड्डी से एक पत्ता खो जाता है। शेष पत्तों से दो पत्ते निकाले जाते हैं जो ईंट के पत्ते हैं। खो गए पत्ते की ईंट होने की प्रायिकता क्या है?

13. A द्वारा सत्य बोलने की प्रायिकता $\frac{4}{5}$ है। एक सिक्का उछाला जाता है तथा A बताता है कि चित प्रदर्शित हुआ। वास्तविक रूप में चित प्रकट होने की प्रायिकता है:

(A) $\frac{4}{5}$ (B) $\frac{1}{2}$ (C) $\frac{1}{5}$ (D) $\frac{2}{5}$

14. यदि A और B ऐसी घटनाएँ हैं कि $A \subset B$ तथा $P(B) \neq 0$ तो निम्न में से कौन ठीक है:

(A) $P(A|B) = \frac{P(B)}{P(A)}$ (B) $P(A|B) < P(A)$

(C) $P(A|B) \geq P(A)$ (D) इनमें से कोई नहीं

13.6 यादृच्छिक चर और इसके प्रायिकता बंटन (Random Variables and its Probability Distribution)

हम, यादृच्छिक परीक्षणों और उनके प्रतिदर्श निर्माण के बारे में पहले ही सीख चुके हैं इन परीक्षणों में से अधिकतर में हम विशेष परिणाम के इच्छुक नहीं थे किंतु इन परिणामों से संबंधित किसी संख्या में इच्छुक थे।

आइए कुछ परीक्षणों और उनके परिणामों पर विचार करें।

(i) दो पासों को फेंकने के परीक्षण में हम दोनों पासों पर प्रकट संख्याओं के योग में इच्छुक हो सकते हैं।

(ii) एक सिक्के को 50 बार उछालने में हमारी रुचि चितों की संख्या में हो सकती है।

(iii) 20 वस्तुओं के एक ढेर से, जिसमें 6 खराब है, 4 वस्तुओं को (एक के बाद एक) निकालने के परीक्षण में हमारी रुचि 4 वस्तुओं के प्रतिदर्श में खराब वस्तुओं की संख्या में हो सकती है न की खराब और ठीक वस्तुओं के किसी विशेष अनुक्रम में।

उपर्युक्त में से प्रत्येक परीक्षण में हमारे पास एक नियम है जो प्रत्येक परिणाम के संगत एक वास्तविक संख्या निर्दिष्ट करता है। परीक्षण के प्रत्येक परिणाम के लिए यह वास्तविक संख्या अलग-अलग भी हो सकती है। इसलिए यह एक चर है। साथ ही इसका मान किसी यादृच्छिक परीक्षण के परिणामों पर निर्भर करता है इसलिए इसे यादृच्छिक चर कहते हैं। एक यादृच्छिक चर को सामान्यत: X से व्यक्त करते हैं।

यदि आप एक फलन की परिभाषा का स्मरण कीजिए तो पाएँगे कि वास्तव में एक यादृच्छिक चर X, फलन होता है जिसका प्रांत (domain) यादृच्छिक परीक्षण के परिणामों का समुच्चय (या प्रतिदर्श समष्टि) होता है। एक यादृच्छिक चर कोई भी वास्तविक मान ले सकता है, इसलिए इसका सहप्रांत (codomain) वास्तविक संख्याओं का समुच्चय होता है। अत: एक यादृच्छिक चर को निम्न प्रकार से परिभाषित कर सकते हैं।

परिभाषा 4 एक यादृच्छिक चर वह फलन होता है जिसका प्रांत किसी यादृच्छिक परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि होता है।

उदाहरण के लिए, आइए एक सिक्के को दो बार अनुक्रम में उछाले जाने के परीक्षण पर विचार कीजिए। इस परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है:

$$S = \{HH, HT, TH, TT\}$$

यदि X, प्राप्त चितों की संख्या को व्यक्त करता है तो X एक यादृच्छिक चर है और प्रत्येक परिणाम के लिए इसका मान निम्न प्रकार से दिया गया है:

$$X(HH) = 2,\ X(HT) = 1,\ X(TH) = 1,\ X(TT) = 0.$$

एक ही प्रतिदर्श समष्टि पर एक से अधिक यादृच्छिक चर परिभाषित किए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए मान लें कि Y, प्रतिदर्श समष्टि S के प्रत्येक परिणाम के लिए चितों की संख्या से पटों की संख्या के घटाव को व्यक्त करता है। तब

$$Y(HH) = 2,\ Y(HT) = 0,\ Y(TH) = 0,\ Y(TT) = -2.$$

अत: एक प्रतिदर्श समष्टि S में X और Y दो भिन्न यादृच्छिक चर परिभाषित किए गए हैं।

उदाहरण 22 एक व्यक्ति एक सिक्के को तीन बार उछालने का खेल खेलता है। खेल के आयोजक द्वारा उस व्यक्ति को प्रत्येक चित के लिए Rs 2 देता है और प्रत्येक पट के लिए वह व्यक्ति आयोजक को Rs 1.50 देता है। मान लें X व्यक्ति द्वारा जीती गई या हारी गई राशि को व्यक्त करता है। दर्शाएँ कि X एक यादृच्छिक चर है और इसे परीक्षण के प्रतिदर्श समष्टि के फलन के रूप में प्रदर्शित कीजिए।

हल X ऐसी संख्या है जिसका मान किसी यादृच्छिक परीक्षण के परिणामों पर परिभाषित है। इसलिए X एक यादृच्छिक चर है।

अब परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है:

$$S = \{HHH, HHT, HTH, THH, HTT, THT, TTH, TTT\}$$

तब

$$X(HHH) = Rs\ (2 \times 3) = Rs\ 6$$
$$X(HHT) = X(HTH) = X(THH) = Rs\ (2 \times 2 - 1 \times 1.50) = Rs\ 2.50$$
$$X(HTT) = X(THT) = X(TTH) = Rs\ (1 \times 2 - 2 \times 1.50) = -Re\ 1$$

और $$X(TTT) = -Rs\ (3 \times 1.50) = -Rs\ 4.50$$

यहाँ ऋण चिह्न, खिलाड़ी की हानि को दर्शा रहा है। अत: प्रतिदर्श समष्टि के प्रत्येक अवयव के लिए X का एक अद्वितीय मान है, इसलिए X प्रतिदर्श समष्टि पर एक फलन है जिसका परिसर है: $\{-1,\ 2.50,\ -4.50,\ 6\}$

उदाहरण 23 एक थैले में 2 सफ़ेद और 1 लाल गेंद हैं। यादृच्छया एक गेंद निकाली गई और उसका रंग नोट करने के बाद उसे पुन: थैले में डाला गया। इस प्रक्रिया को पुन: किया गया। यदि X दो निकालों में सफलता की संख्या को दर्शाता है तो, X का विवरण दें, जहाँ एक लाल गेंद का निकलना सफलता माना गया है।

हल मान लें कि थैले में रखी गेंदों को w_1, w_2, r से व्यक्त करते हैं।
तब प्रतिदर्श समष्टि है:

$$S = \{w_1\,w_1,\ w_1\,w_2,\ w_2\,w_2,\ w_2\,w_1,\ w_1\,r,\ w_2\,r,\ r\,w_1,\ r\,w_2,\ r\,r\}$$

अब X = लाल गेंदों की संख्या = सफलता की संख्या

इसलिए $X(\{w_1, w_1\}) = X(\{w_1\, w_2\}) = X(\{w_2\, w_2\}) = X(\{w_2\, w_1\}) = 0$

$X(\{w_1, r\}) = X(\{w_2\, r\}) = X(\{rw_1\}) = X(\{rw_2\}) = 1$ और $X(\{rr\}) = 2$

अत: X एक यादृच्छिक चर है जो 0, 1 या 2 मान ले सकता है।

13.6.1 *एक यादृच्छिक चर की प्रायिकता बंटन (Probability distribution of a random variable)*

आइए दस परिवारों $f_1, f_2 \ldots f_{10}$ से एक परिवार को इस प्रकार चुनने के परीक्षण पर विचार करें कि प्रत्येक परिवार का चुनाव समसंभाव्य हो। मान लें कि परिवारों $f_1, f_2 \ldots f_{10}$ में क्रमश: 3, 4, 3, 2, 5, 4, 3, 6, 4, 5 सदस्य हैं।

आइए एक परिवार को चुने व उसके सदस्यों की संख्या को नोट कर, X से व्यक्त कीजिए। स्पष्टतया X एक यादृच्छिक चर है जिसे निम्न प्रकार से परिभाषित किया गया है:

$$X(f_1) = 3,\ X(f_2) = 4,\ X(f_3) = 3,\ X(f_4) = 2,\ X(f_5) = 5,$$
$$X(f_6) = 4,\ X(f_7) = 3,\ X(f_8) = 6,\ X(f_9) = 4,\ X(f_{10}) = 5$$

अत: 2, 3, 4, 5, 6 में से X कोई भी मान ले सकता है

अब X का मान 2 होगा जबकि परिवार f_4 को चुना गया हो। X का मान 3 हो सकता है जब f_1, f_3, f_7 में से किसी परिवार को चुना जाए। इसी प्रकार

$$X = 4,\ \text{जब परिवार}\ f_2, f_6\ \text{या}\ f_9\ \text{को चुना जाएगा}$$

$X = 5$, जब परिवार f_5 या f_{10} को चुना जाएगा

और $X = 6$, जब परिवार f_8 को चुना जाएगा

चूँकि हमने माना है कि प्रत्येक परिवार का चुना जाना समसंभाव्य है, इसलिए परिवार f_4 के चुने जाने की प्रायिकता $\frac{1}{10}$ है।

अत: X का मान 2 होने की प्रायिकता $\frac{1}{10}$ है।

हम लिखते हैं $P(X = 2) = \frac{1}{10}$

साथ ही $f_1, f_2,$ या f_7 से किसी भी एक परिवार को चुनने की प्रायिकता

$P(\{f_1, f_2, f_3\}) = \frac{3}{10}$ है।

अत: X का मान 3 होने की प्रायिकता $= \frac{3}{10}$

हम लिखते हैं $P(X = 3) = \frac{3}{10}$

इसी प्रकार हम पाते हैं कि

$P(X = 4) = P(\{f_2, f_6, f_9\}) = \frac{3}{10}$, $P(X = 5) = P(\{f_5, f_{10}\}) = \frac{2}{10}$

और $P(X = 6) = P(\{f_8\}) = \frac{1}{10}$

इस प्रकार का विवरण जिसमें यादृच्छिक चर के साथ उसकी संगत प्रायिकताओं को लिखा जाता है, को यादृच्छिक चर X की प्रायिकता बंटन कहते हैं।

व्यापकत: एक यादृच्छिक चर X की प्रायिकता बंटन को निम्न प्रकार से परिभाषित किया जाता है।

परिभाषा 5 किसी यादृच्छिक चर X की प्रायिकता बंटन संख्याओं की निम्नलिखित प्रणाली (निकाय) होता है

X	:	x_1	x_2	...	x_n
P(X)	:	p_1	p_2	...	p_n

जहाँ $$p_i > 0, \sum_{i=1}^{n} p_i = 1, i = 1, 2, ..., n$$

वास्तविक संख्याएँ $x_1, x_2, ... x_n$ यादृच्छिक चर X के संभव मान (मूल्य) है और $p_i (i = 1,2, ... n)$ यादृच्छिक चर X का मान x_i होने की प्रायिकता है अर्थात् $P(X=x_i) = p_i$

टिप्पणी यदि x_i यादृच्छिक चर X, का कोई संभव मूल्य है तो कथन $X = x_i$ प्रतिदर्श समष्टि के कुछ बिंदु (ओं) के लिए ही सत्य होता है। अत: X का x_i मूल्य लेने की प्रायिकता सदैव शून्येत्तर होती है अर्थात् $P(X = x_i) \neq 0$।

साथ ही X के सभी संभावित मानों के लिए प्रतिदर्श समष्टि के सभी बिंदुओं का समावेश हो जाता है। इसलिए किसी प्रायिकता बंटन के लिए सभी प्रायिकताओं का योग एक होना चाहिए।

उदाहरण 24 ताश के 52 पत्तों की एक सुमिश्रित गड्डी से दो पत्ते उत्तरोत्तर प्रतिस्थापना के साथ निकाले जाते हैं। इक्कों की संख्या का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए।

हल इक्कों की संख्या एक यादृच्छिक चर है। इसको हम X से निरूपित करते हैं। स्पष्टतया X का मान 0, 1, या 2 है। क्योंकि पत्तों को प्रतिस्थापना के साथ निकाला गया है इसलिए दोनों पत्तों का निकालना स्वतंत्र परीक्षण हैं।

इसलिए P(X = 0) = P(इक्का नहीं और इक्का नहीं)

= P(इक्का नहीं) × P (इक्का नहीं)

$$= \frac{48}{52} \times \frac{48}{52} = \frac{144}{169}$$

और P(X = 1) = P(इक्का और इक्का नहीं अथवा इक्का नहीं और इक्का)

= P(इक्का) . P(इक्का नहीं) + P (इक्का नहीं) . P (इक्का)

$$= \frac{4}{52} \times \frac{48}{52} + \frac{48}{52} \times \frac{4}{52} = \frac{24}{169}$$

और P(X = 2) = P(इक्का और इक्का) = P(इक्का) % P(इक्का)

$$= \frac{4}{52} \times \frac{4}{52} = \frac{1}{169}$$

अत: अभीष्ट प्रायिकता बंटन है:

X	0	1	2
P(X)	$\frac{144}{169}$	$\frac{24}{169}$	$\frac{1}{169}$

उदाहरण 25 पासों के एक जोड़े को तीन बार उछालने पर द्विकों (doublets) की संख्या का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि X द्विकों की संख्या निरूपित करता है।

(1,1) , (2,2), (3,3), (4,4), (5,5), और (6,6) संभव द्विक हैं।

स्पष्ट है कि X का मान 0, 1, 2, या 3 है।

एक द्विक प्राप्त होने की प्रायिकता $= \frac{6}{36} = \frac{1}{6}$

एक द्विक प्राप्त न होने की प्रायिकता $= 1 - \frac{1}{6} = \frac{5}{6}$

अब

$$P(X = 0) = P(\text{एक भी द्विक नहीं}) = \frac{5}{6}\times\frac{5}{6}\times\frac{5}{6}=\frac{125}{216}$$

$$P(X = 1) = P(\text{एक द्विक और दो द्विक नहीं})$$

$$= \frac{1}{6}\times\frac{5}{6}\times\frac{5}{6}+\frac{5}{6}\times\frac{1}{6}\times\frac{5}{6}+\frac{5}{6}\times\frac{5}{6}\times\frac{1}{6} = 3\left(\frac{1}{6}\times\frac{5^2}{6^2}\right)=\frac{75}{216}$$

$$P(X = 2) = P\ (\text{दो द्विक और एक द्विक नहीं})$$

$$= \frac{1}{6}\times\frac{1}{6}\times\frac{5}{6}+\frac{1}{6}\times\frac{5}{6}\times\frac{1}{6}+\frac{5}{6}\times\frac{1}{6}\times\frac{1}{6}$$

$$= 3\left(\frac{1}{6^2}\times\frac{5}{6}\right) = \frac{15}{216}$$

$$P(X = 3) = P\ (\text{तीन द्विक}) = \frac{1}{6}\times\frac{1}{6}\times\frac{1}{6}=\frac{1}{216}$$

अत: X का अभीष्ट प्रायिकता बंटन निम्नलिखित हैं:

X	0	1	2	3
P(X)	$\frac{125}{216}$	$\frac{75}{216}$	$\frac{15}{216}$	$\frac{1}{216}$

सत्यापन प्रायिकताओं का योग

$$\sum_{i=1}^{n} p_i = \frac{125}{216}+\frac{75}{216}+\frac{15}{216}+\frac{1}{216}$$

$$= \frac{125+75+15+1}{216}=\frac{216}{216}=1$$

अत: उपरोक्त प्रायिकता बंटन सही है।

उदाहरण 26 मान लें किसी यादृच्छिक चुने गए विद्यालयी दिवस में पढ़ाई के घंटों को X से दर्शाया जाता है। X के मान x लेने की प्रायिकता निम्नलिखित तरह से है, जहाँ k एक वास्तविक संख्या है:

$$P(X = x) = \begin{cases} 0.1 & \text{यदि } x = 0 \\ kx & \text{यदि } x = 1 \text{ या } 2 \\ k(5-x) & \text{यदि } x = 3 \text{ या } 4 \\ 0 & \text{अन्यथा} \end{cases}$$

(a) k का मान ज्ञात कीजिए

(b) इस बात की क्या प्रायिकता है कि आप
न्यूनतम दो घंटे पढ़ते हैं? तथ्यत: दो घंटे पढ़ते हैं? अधिकतम दो घंटे पढ़ते हैं?

हल X का प्रायिकता बंटन नीचे दिया गया है:

X	0	1	2	3	4
P(X)	0.1	k	$2k$	$2k$	k

(a) हमें ज्ञात है कि $\sum_{i=1}^{n} p_i = 1$

इसलिए $0.1 + k + 2k + 2k + k = 1$

$\Rightarrow$ $k = 0.15$

(b) P(आप न्यूनतम दो घंटे पढ़ते हैं) $= P(X \geq 2)$

$= P(X = 2) + P(X = 3) + P(X = 4)$

$= 2k + 2k + k = 5k = 5 \times 0.15 = 0.75$

P(आप तथ्यत: दो घंटे पढ़ते हैं) $= P(X = 2)$

$= 2k = 2 \times 0.15 = 0.3$

P(आप अधिकतम दो घंटे पढ़ते हैं) $= P(X \leq 2)$

$= P(X = 0) + P(X = 1) + P(X = 2)$

$= 0.1 + k + 2k = 0.1 + 3k = 0.1 + 3 \times 0.15 = 0.55$

13.6.2 *यादृच्छिक चर का माध्य (Mean of a random variable)*

बहुत सी समस्याओं में किसी यादृच्छिक चर के किसी लक्षण को एकल संख्या से दर्शाना वांछनीय होता है, जिसे चर की प्रायिकता बंटन से ज्ञात कर सकते हैं ऐसी ही कुछ संख्याएँ माध्य, माध्यक व बहुलक होते हैं। इस कक्षा में हम माध्य पर चर्चा करेंगे। माध्य अवस्थिति या केंद्रीय प्रवृति की माप इन अर्थों में है कि यह किसी यादृच्छिक चर के मध्यमान या औसत मान को इंगित करता है।

परिभाषा 6 मान लें X एक यादृच्छिक चर है जिसके संभावित मान $x_1, x_2, x_3, ..., x_n$ की क्रमश: प्रायिकता $p_1, p_2, p_3, ..., p_n$ है। X का माध्य, जिसे μ, से व्यक्त करते हैं, संख्या $\sum_{i=1}^{n} x_i p_i$ होती है। अर्थात् x का माध्य, चर X, के संभावित मानों का भारित औसत होता है, जब प्रत्येक मान को उसकी संगत प्रायिकता से भारित किया गया हो।

यादृच्छिक चर X के माध्य को X की प्रत्याशा (Expectation) भी कहते हैं, जिसे E (X) से व्यक्त करते हैं। अत:

$$E(X) = \mu = \sum_{i=1}^{n} x_i p_i = x_1 p_1 + x_2 p_2 + ... + x_n p_n$$

अन्य शब्दों में

यादृच्छिक चर X का माध्य या प्रत्याशा X के सभी संभावित मानों का उनकी संगत प्रायिकताओं के गुणन का योग होता है।

उदाहरण 27 मान लें कि पासों के एक जोड़े को उछाला जाता है और यादृच्छिक चर X, पासों पर प्राप्त संख्याओं का योग लिया जाता है। X का माध्य या प्रत्याशा ज्ञात कीजिए।

हल इस परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि 36 मौलिक घटनाओं से निर्मित हुआ है, जिन्हें क्रमित युग्म (x_i, y_i) के रूप में लिखा जा सकता है जहाँ $x_i = 1, 2, 3, 4, 5, 6$ और $y_i = 1, 2, 3, 4, 5, 6$.

यादृच्छिक चर X के मान अर्थात् पासों पर प्राप्त संख्याओं का योग 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11 या 12 हो सकता है

अब $$P(X = 2) = P(\{(1, 1)\}) = \frac{1}{36}$$

$$P(X = 3) = P(\{(1, 2), (2, 1)\}) = \frac{2}{36}$$

$$P(X = 4) = P(\{(1, 3), (2, 2), (3, 1)\}) = \frac{3}{36}$$

$$P(X = 5) = P(\{(1, 4), (2, 3), (3, 2), (4, 1)\}) = \frac{4}{36}$$

$$P(X = 6) = P(\{(1, 5), (2, 4), (3, 3), (4, 2), (5, 1)\}) = \frac{5}{36}$$

$$P(X = 7) = P(\{(1, 6), (2, 5), (3, 4), (4, 3), (5, 2), (6, 1)\}) = \frac{6}{36}$$

$$P(X = 8) = P(\{(2, 6), (3, 5), (4, 4), (5, 3), (6, 2)\}) = \frac{5}{36}$$

$$P(X = 9) = P(\{(3, 6), (4,5), (5,4), (6,3)\}) = \frac{4}{36}$$

$$P(X = 10) = P(\{(4, 6), (5, 5), (6, 4)\}) = \frac{3}{36}$$

$$P(X = 11) = P(\{(5, 6), (6, 5)\}) = \frac{2}{36}$$

$$P(X = 12) = P(\{(6, 6) = \frac{1}{36}$$

X का प्रायिकता बंटन है:

X या x_i	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
P(X) या p_i	$\frac{1}{36}$	$\frac{2}{36}$	$\frac{3}{36}$	$\frac{4}{36}$	$\frac{5}{36}$	$\frac{6}{36}$	$\frac{5}{36}$	$\frac{4}{36}$	$\frac{3}{36}$	$\frac{2}{36}$	$\frac{1}{36}$

इसलिए $\mu = E(X) = \sum_{i=1}^{n} x_i p_i = 2\times\frac{1}{36}+3\times\frac{2}{36}+4\times\frac{3}{36}+5\times\frac{4}{36}$

$$+6\times\frac{5}{36}+7\times\frac{6}{36}+8\times\frac{5}{36}+9\times\frac{4}{36}+10\times\frac{3}{36}+11\times\frac{2}{36}+12\times\frac{1}{36}$$

$$=\frac{2+6+12+20+30+42+40+36+30+22+12}{36}=7$$

अत: दो पासों के फेंकने पर प्रकट संख्याओं के योग का माध्य 7 है।

13.6.3 यादृच्छिक चर का प्रसरण *(Variance of a random variable)*

यादृच्छिक चर का माध्य उस चर के मानों में विचरण के बारे में कोई सूचना नहीं देता है। साथ ही विभिन्न प्रायिकता बंटन वाले यादृच्छिक चरों के माध्य समान हो सकते हैं, जैसा कि X और Y के निम्नलिखित बंटनों में दिखाया गया है।

X	1	2	3	4
P(X)	$\frac{1}{8}$	$\frac{2}{8}$	$\frac{3}{8}$	$\frac{2}{8}$

Y	–1	0	4	5	6
P(Y)	$\frac{1}{8}$	$\frac{2}{8}$	$\frac{3}{8}$	$\frac{1}{8}$	$\frac{1}{8}$

स्पष्टतया $E(X)=1\times\frac{1}{8}+2\times\frac{2}{8}+3\times\frac{3}{8}+4\times\frac{2}{8}=\frac{22}{8}=2.75$

और $E(Y)=-1\times\frac{1}{8}+0\times\frac{2}{8}+3\times\frac{4}{8}+5\times\frac{1}{8}+6\times\frac{1}{8}=\frac{22}{8}=2.75$

चर X और Y अलग-अलग हैं यद्यपि उनके माध्य समान हैं यह इन चरों के चित्रात्मक निरूपण से भी आसानी से प्रेक्षित किया जा सकता है (आकृति 13.5)।

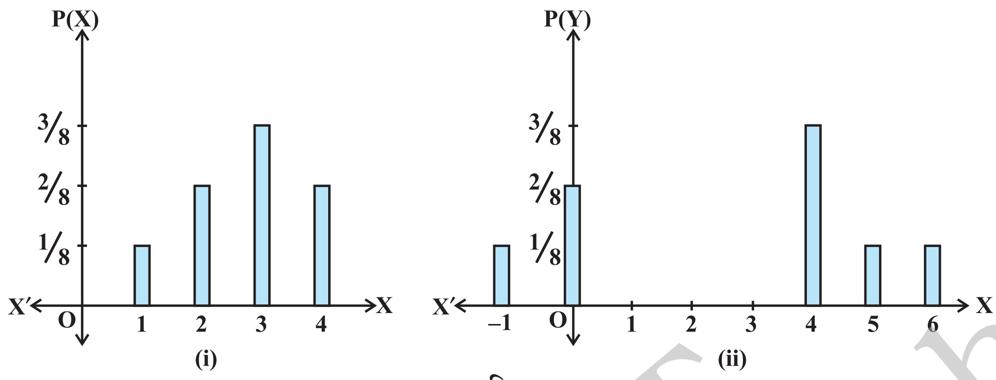

आकृति 13.5

X को Y से अलग करने के लिए हमें यादृच्छिक चर के मान में बिखराव की सीमा तक के माप की आवश्यकता है। हमने सांख्यिकी में पढ़ा है कि आँकड़ों में विचरण या बिखराव की माप ही प्रसरण है। इसी प्रकार यादृच्छिक चर के मूल्यों में बिखराव को प्रसरण से मापा जा सकता है।

परिभाषा 7 मान लीजिए X एक यादृच्छिक चर है जिसके संभावित मूल्य $x_1, x_2 \ldots x_n$ संगत प्रायिकताओं $p(x_1), p(x_2), \ldots, p(x_n)$ के साथ विद्यमान हैं।

मान लें $\mu = E(X)$, X का माध्य है। X का प्रसरण var (X) या σ_x^2 द्वारा निरूपित, को निम्न प्रकार से परिभाषित किया जाता है;

$$\sigma_x^2 = \text{Var}(X) = \sum_{i=1}^{n} (x_i - \mu)^2 \; p(x_i)$$

या समतुल्यत: $$\sigma_x^2 = E(X - \mu)^2$$

ऋणेत्तर संख्या $$\sigma_x = \sqrt{\text{Var}}\,(X) = \sqrt{\sum_{i=1}^{n} (x_i - \mu)^2 \; p(x_i)}$$

को यादृच्छिक चर X का मानक विचलन (standard deviation) कहते हैं।

यादृच्छिक चर का प्रसरण ज्ञात करने का अन्य सूत्र

हम जानते हैं कि

$$\begin{aligned}\text{Var}(X) &= \sum_{i=1}^{n} (x_i - \mu)^2 \; p(x_i)\\ &= \sum_{i=1}^{n} (x_i^2 + \mu^2 - 2\mu\, x_i)\, p(x_i)\\ &= \sum_{i=1}^{n} (x_i^2\; p(x_i) + \sum_{i=1}^{n} \mu^2 \; p(x_i) - \sum_{i=1}^{n} 2\mu x_i\, p(x_i)\end{aligned}$$

$$= \sum_{i=1}^{n} (x_i^2\, p(x_i) + \mu^2 \sum_{i=1}^{n} p(x_i) - 2\mu \sum_{i=1}^{n} x_i\, p(x_i)$$

$$= \sum_{i=1}^{n} x_i^2\, p(x_i) + \mu^2 - 2\mu^2 \left[\text{क्योंकि } \sum_{i=1}^{n} p\,(x_i) = 1 \text{ और } \mu = \sum_{i=1}^{n} x_i\, P(x_i)\right]$$

$$= \sum_{i=1}^{n} (x_i^2\, p(x_i) - \mu^2$$

या $$\text{Var(X)} = \sum_{i=1}^{n} (x_i^2\, p(x_i)) - \left(\sum_{i=1}^{n} x_i\, p(x_i)\right)^2$$

या $$\text{Var(X)} = \text{E}(\text{X}^2) - [\text{E(X)}]^2, \text{ जहाँ } \text{E}(\text{X}^2) = \sum_{i=1}^{n} x_i^2\, p(x_i)$$

उदहारण 28 एक अनभिनत पासे को फेंकने पर प्राप्त संख्याओं का प्रसरण ज्ञात कीजिए।

हल परीक्षण का प्रतिदर्श समष्टि है $S = \{1, 2, 3, 4, 5, 6\}$

मान लें X, पासे पर प्रकट संख्या को व्यक्त करता है। तब X एक यादृच्छिक चर है जो 1, 2, 3, 4, 5, या 6 मान ले सकता है।

साथ ही $P(1) = P(2) = P(3) = P(4) = P(5) = P(6) = \frac{1}{6}$

इसलिए X का प्रायिकता बंटन है:

X	1	2	3	4	5	6
P(X)	$\frac{1}{6}$	$\frac{1}{6}$	$\frac{1}{6}$	$\frac{1}{6}$	$\frac{1}{6}$	$\frac{1}{6}$

अब $$\text{E(X)} = \sum_{i=1}^{n} x_i\, p(x_i)$$

$$= 1\times\frac{1}{6} + 2\times\frac{1}{6} + 3\times\frac{1}{6} + 4\times\frac{1}{6} + 5\times\frac{1}{6} + 6\times\frac{1}{6} = \frac{21}{6}$$

साथ ही $$\text{E}(\text{X}^2) = 1^2\times\frac{1}{6} + 2^2\times\frac{1}{6} + 3^2\times\frac{1}{6} + 4^2\times\frac{1}{6} + 5^2\times\frac{1}{6} + 6^2\times\frac{1}{6} = \frac{91}{6}$$

अतः $$\text{Var(X)} = \text{E}(\text{X}^2) - (\text{E(X)})^2$$

$$= \frac{91}{6} - \left(\frac{21}{6}\right)^2 = \frac{91}{6} - \frac{441}{36} = \frac{35}{12}$$

उदाहरण 29 ताश के 52 पत्तों की एक भली-भाँति फेंटी गई गड्डी में से दो पत्ते उत्तरोत्तर बिना प्रतिस्थापना के (या एक साथ) निकाले जाते हैं। बादशाहों की संख्या का माध्य, प्रसरण व मानक-विचलन ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए कि दो पत्ते निकालने में बादशाहों की संख्या को X से व्यक्त करते हैं। X एक यादृच्छिक चर है जो 0, 1 या 2 मान ले सकता है।

अब $$P(X = 0) = P(\text{कोई बादशाह नहीं}) = \frac{{}^{48}C_2}{{}^{52}C_2} = \frac{\frac{48!}{2!(48-2)!}}{\frac{52!}{2!(52-2)!}} = \frac{48\times 47}{52\times 51} = \frac{188}{221}$$

$$P(X = 1) = P(\text{एक बादशाह और एक बादशाह नहीं}) = \frac{{}^{4}C_1\,{}^{48}C_1}{{}^{52}C_2}$$

$$= \frac{4\times 48\times 2}{52\times 51} = \frac{32}{221}$$

और $$P(X = 2) = P\,(\text{दोनों बादशाह}) = \frac{{}^{4}C_2}{{}^{52}C_2} = \frac{4\times 3}{52\times 51} = \frac{1}{221}$$

अत: X का प्रायिकता बंटन है:

X	0	1	2
P(X)	$\frac{188}{221}$	$\frac{32}{221}$	$\frac{1}{221}$

अब माध्य $$X = E(X) = \sum_{i=1}^{n} x_i\, p(x_i)$$

$$= 0\times\frac{188}{221} + 1\times\frac{32}{221} + 2\times\frac{1}{221} = \frac{34}{221}$$

साथ ही $$E(X^2) = \sum_{i=1}^{n} x_i^2\, p(x_i) = 0^2\times\frac{188}{221} + 1^2\times\frac{32}{221} + 2^2\times\frac{1}{221} = \frac{36}{221}$$

अब $$\text{Var}(X) = E(X^2) - [E(X)]^2$$

$$= \frac{36}{221} - \left(\frac{34}{221}\right)^2 = \frac{6800}{(221)^2}$$

इसलिए $$\sigma_x = \sqrt{\text{Var}(X)} = \frac{\sqrt{6800}}{(221)} = 0.37 \ (\text{लगभग})$$

प्रश्नावली 13.4

1. बताइए कि निम्नलिखित प्रायिकता बंटनों में कौन से एक यादृच्छिक चर के लिए संभव नहीं है। अपना उत्तर कारण सहित लिखिए।

(i)

X	0	1	2
P(X)	0.4	0.4	0.2

(ii)

X	0	1	2	3	4
P(X)	0.1	0.5	0.2	– 0.1	0.3

(iii)

Y	– 1	0	1
P(Y)	0.6	0.1	0.2

(iv)

Z	3	2	1	0	–1
P(Z)	0.3	0.2	0.4	0.1	0.05

2. एक कलश में 5 लाल और 2 काली गेंद हैं। दो गेंद यादृच्छया निकाली गई। मान लीजिए X काली गेंदों की संख्या को व्यक्त करता है। X के संभावित मान क्या है? क्या X यादृच्छिक चर है?
3. मान लीजिए X चितों की संख्या और पटों की संख्या में अंतर को व्यक्त करता है, जब एक सिक्के को 6 बार उछाला जाता है। X के संभावित मूल्य क्या है?
4. निम्नलिखित के प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए:
   (i) एक सिक्के की दो उछालों में चितों की संख्या का
   (ii) तीन सिक्कों को एक साथ एक बार उछालने पर पटों की संख्या का
   (iii) एक सिक्के की चार उछालों में चितों की संख्या का
5. एक पासा दो बार उछालने पर सफलता की संख्या का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए जहाँ
   (i) '4 से बड़ी संख्या' को एक सफलता माना गया है।
   (ii) 'पासे पर संख्या 6 प्रकट होना' को एक सफलता माना गया है।
6. 30 बल्बों के एक ढेर से, जिसमे 6 बल्ब खराब हैं 4 बल्बों का एक नमूना (प्रतिदर्श) यादृच्छया बिना प्रतिस्थापना के निकाला जाता है। खराब बल्बों की संख्या का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए।
7. एक सिक्का समसर्वय संतुलित नहीं है जिसमें चित प्रकट होने की संभावना पट प्रकट होने की संभावना की तीन गुनी है। यदि सिक्का दो बार उछाला जाता है तो पटों की संख्या का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए।

8. एक यादृच्छिक चर X का प्रायिकता बंटन नीचे दिया गया है।

X	0	1	2	3	4	5	6	7
P(X)	0	k	$2k$	$2k$	$3k$	k^2	$2k^2$	$7k^2+k$

ज्ञात कीजिए

(i) k (ii) $P(X < 3)$ (iii) $P(X > 6)$ (iv) $P(0 < X < 3)$

9. एक यादृच्छिक चर X का प्रायिकता फलन $P(x)$ निम्न प्रकार से है, जहाँ k कोई संख्या है

$$P(x) = \begin{cases} k & \text{यदि } x = 0 \\ 2k & \text{यदि } x = 1 \\ 3k & \text{यदि } x = 2 \\ 0 & \text{अन्यथा} \end{cases}$$

(a) k का मान ज्ञात कीजिए

(b) $P(X < 2)$, $P(X \leq 2)$, $P(X \geq 2)$ ज्ञात कीजिए।

10. एक न्याय्य सिक्के की तीन उछालों पर प्राप्त चितों की संख्या का माध्य ज्ञात कीजिए।

11. दो पासों को युग्मत् उछाला गया। यदि X, छक्कों की संख्या को व्यक्त करता है, तो X की प्रत्याशा ज्ञात कीजिए।

12. प्रथम छः धन पूर्णांकों में से दो संख्याएँ यादृच्छया (बिना प्रतिस्थापन) चुनी गई। मान लें X दोनों संख्याओं में से बड़ी संख्या को व्यक्त करता है। E(X) ज्ञात कीजिए।

13. मान लीजिए दो पासों को फेंकने पर प्राप्त संख्याओं के योग को X से व्यक्त किया गया है। X का प्रसारण और मानक विचलन ज्ञात कीजिए।

14. एक कक्षा में 15 छात्र हैं जिनकी आयु 14, 17, 15, 14, 21, 17, 19, 20, 16, 18, 20, 17, 16, 19 और 20 वर्ष हैं। एक छात्र को इस प्रकार चुना गया कि प्रत्येक छात्र के चुने जाने की संभावना समान है और चुने गए छात्र की आयु (X) को लिखा गया। यादृच्छिक चर X का प्रायिकता बंटन ज्ञात कीजिए। X का माध्य, प्रसरण व मानक विचलन भी ज्ञात कीजिए।

15. एक बैठक में 70% सदस्यों ने किसी प्रस्ताव का अनुमोदन किया और 30% सदस्यों ने विरोध किया। एक सदस्य को यादृच्छया चुना गया और, यदि उस सदस्य ने प्रस्ताव का विरोध किया हो तो $X = 0$ लिया गया, जब कि यदि उसने प्रस्ताव का अनुमोदन किया हो तो $X = 1$ लिया गया। E(X) और var (X) ज्ञात कीजिए।

निम्नलिखित में से प्रत्येक में सही उत्तर चुनें।

16. ऐसे पासे, जिसके तीन फलकों पर 1 अन्य तीन पर 2 और एक फलक पर 5 लिखा गया है, को उछालने पर प्राप्त संख्याओं का माध्य है:

(A) 1 (B) 2 (C) 5 (D) $\frac{8}{3}$

17. मान लीजिए ताश की एक गड्डी से यादृच्छया दो पत्ते निकाले जाते हैं। मान लीजिए X इक्कों की संख्या प्रकट करता है। तब E(X) का मान है:

(A) $\frac{37}{221}$ (B) $\frac{5}{13}$ (C) $\frac{1}{13}$ (D) $\frac{2}{13}$

13.7 बरनौली परीक्षण और द्विपद बंटन (Bernoulli Trails and Binomial Distribution)

13.7.1 *बरनौली परीक्षण*

अनेक प्रयोगों की प्रकृति द्विपरिणामी होती है। उदाहरणार्थ उछाला गया सिक्का एक 'चित' या एक 'पट' दर्शाता है, किसी प्रश्न का उत्तर 'हाँ' या 'नहीं' हो सकता है, एक अंडे से बच्चा 'निकल चुका है' या 'नहीं निकला है, एक निर्णय 'हाँ' या 'नहीं' है आदि। इस प्रकार की स्थितियों में ऐसा प्रचलन है कि प्राप्त परिणामों में से एक को 'सफलता' और दूसरे को 'असफलता' कहा जाता है। उदाहरण के लिए, एक सिक्के को उछालने पर 'चित' आने को सफलता माना जाए तो 'पट' आने को असफलता कहा जाएगा।

प्रत्येक बार, जब हम एक सिक्का उछालते हैं या एक पासा उछालते हैं या कोई अन्य प्रयोग करते हैं, तब हम इसे एक परीक्षण (trial) कहते हैं। यदि एक सिक्का मान लीजिए, चार बार उछाला जाए तो परीक्षणों की संख्या 4 होगी और इनमें से प्रत्येक के परिणाम तथ्यत: दो होंगे अर्थात् सफलता या असफलता। किसी एक परीक्षण का परिणाम किसी दूसरे परीक्षण के परिणाम से स्वतंत्र होता है। इस प्रकार के प्रत्येक परीक्षण में सफलता (या असफलता) की प्रायिकताएँ अचर होती है। इस प्रकार के स्वतंत्र परीक्षण, जिनके केवल दो परिणाम होते हैं जो प्राय: 'सफलता' या 'असफलता' कहलाते हैं, बरनौली परीक्षण कहलाते हैं।

परिभाषा 8 एक यादृच्छिक प्रयोग के परीक्षणों को बरनौली परीक्षण कहते हैं यदि वे निम्नलिखित शर्तों को संतुष्ट करते हैं:

(i) परीक्षणों की संख्या निश्चित (परिमित) होनी चाहिए

(ii) परीक्षण स्वतंत्र होने चाहिए

(iii) प्रत्येक परीक्षण के तथ्यत: दो ही परिणाम होने चाहिए, सफलता या असफलता

(iv) किसी परिणाम की प्रायिकता प्रत्येक परीक्षण में समान रहनी चाहिए

उदाहरण के लिए एक पासे को 50 बार उछालना, 50 बरनौली परीक्षणों की स्थिति है, जिसमें प्रत्येक परीक्षण का परिणाम सफलता (मान लें सम संख्या प्रकट होना) या असफलता (विषम संख्या प्रकट होना) है और सभी 50 उछालो में सफलता की प्रायिकता (p) एक समान है। नि:सन्देह पासे की उत्तरोत्तर उछालें स्वतंत्र प्रयोग होते हैं। यदि पासा न्याय्य है और इसके छ: फलकों पर छ: संख्याएँ 1 से 6 तक लिखी गई है तो $p = \frac{1}{2}$ सफलता की और $q = 1 - p = \frac{1}{2}$ असफलता की प्रायिकता है।

उदाहरण 30 7 लाल और 9 काली गेंदों वाले एक कलश में से उत्तरोत्तर छः गेंद निकाली गई। बताइए कि गेंद निकालने के परीक्षण बरनौली परीक्षण हैं या नहीं यदि प्रत्येक निकाल के बाद गेंद को

(i) प्रतिस्थापित किया गया हो।
(ii) प्रतिस्थापित न किया गया हो।

हल

(i) परीक्षणों की संख्या परिमित (निश्चित) है। जब गेंद को निकालने के बाद कलश में पुनः प्रतिस्थापित किया गया हो तो सफलता (मान लें लाल गेंद निकलना) की प्रायिकता $p = \frac{7}{16}$ है जो कि सभी छः परीक्षणों में समान है अतः गेंदों को प्रतिस्थापना के साथ निकालना बरनौली परीक्षण हैं।

(ii) जब गेंदों को बिना प्रतिस्थापना के निकाला गया तो पहले परीक्षण में सफलता (अर्थात् लाल गेंद का निकलना) की प्रायिकता $\frac{7}{16}$ है, दूसरे परीक्षण में $\frac{6}{15}$ है और इस तरह स्पष्टतया सभी परीक्षणों में सफलता की प्रायिकता समान नहीं है, अतः यह परीक्षण बरनौली परीक्षण नहीं हैं।

13.7.2 द्विपद बंटन (*Binomial Distribution*)

एक सिक्के के उछालने के प्रयोग पर विचार कीजिए जिसमें प्रत्येक परीक्षण का परिणाम सफलता (मान लें चित) या असफलता (पट) होते हैं। प्रत्येक परीक्षण में सफलता और असफलता को क्रमशः S और F मान लीजिए।

कल्पना कीजिए कि हम छः परीक्षणों में एक सफलता के विभिन्न तरीकों को ज्ञात करने में इच्छुक हैं। स्पष्टतया छः विभिन्न तरीके हैं जैसा कि नीचे सूचीबद्ध किया गया है:

SFFFFF, FSFFFF, FFSFFF, FFFSFF, FFFFSF, FFFFFS

इसी प्रकार, दो सफलताएँ और चार असफलताएँ $\frac{6!}{4! \times 2!}$ क्रमचय में हो सकती हैं। इन सभी क्रमचयों की सूची बनाना काफ़ी लंबा कार्य होगा। इसलिए, $0, 1, 2, \ldots, n$ सफलताओं की प्रायिकता ज्ञात करना लंबा और समय लेने वाला कार्य हो सकता है। n बरनौली परीक्षणों में से सफलताओं की संख्या की प्रायिकता ज्ञात करने के लिए एक सूत्र का निर्माण किया गया है, जिससे गणना में लगने वाले समय और संभव परिणामों की सूची बनाने से बचा जा सकता है। इस उद्देश्य के लिए तीन बरनौली परीक्षणों से बने यादृच्छिक प्रयोग को लेते हैं जिसमें प्रत्येक परीक्षण में सफलता और असफलता की प्रायिकताएँ क्रमशः p तथा q हैं। इस प्रयोग (परीक्षण) का प्रतिदर्श समष्टि कार्तीय गुणन

$$S = \{SSS, SSF, SFS, FSS, SFF, FSF, FFS, FFF\} \text{ है}$$

सफलताओं की संख्या एक यादृच्छिक चर X है और 0, 1, 2, या 3 मान ले सकता है। सफलताओं की संख्या का प्रायिकता बंटन निम्नलिखित प्रकार से प्राप्त किया गया है।

$$
\begin{aligned}
P(X = 0) &= P(\text{कोई सफलता नहीं}) \\
&= P(\{FFF\}) = P(F)\ P(F)\ P(F) \\
&= q\ .\ q\ .\ q = q^3 \qquad (\text{क्योंकि परीक्षण स्वतंत्र हैं}) \\
P(X = 1) &= P(\text{एक सफलता}) \\
&= P(\{SFF, FSF, FFS\}) \\
&= P(\{SFF\}) + P(\{FSF\}) + P(\{FFS\}) \\
&= P(S)\ P(F)\ P(F) + P(F)\ P(S)\ P(F) + P(F)\ P(F)\ P(S) \\
&= p.q.q + q.p.q + q.q.p = 3qp^2 \\
P(X = 2) &= P\ (\text{दो सफलताएँ}) \\
&= P(\{SSF, SFS, FSS\}) \\
&= P(\{SSF\}) + P(\{SFS\}) + P(\{FSS\}) \\
&= P(S)\ P(S)\ P(F) + P(S)\ P(F)\ P(S) + P(F)\ P(S)\ P(S) \\
&= p.p.q. + p.q.p + q.p.p = 3qp^2
\end{aligned}
$$

और $\qquad P(X = 3) = P(\text{तीन सफलताएँ}) = P\ (\{SSS\})$

$$= P(S)\ .\ P(S)\ .\ P(S) = p^3$$

अत: X का प्रायिकता बंटन है

X	0	1	2	3
P(X)	q^3	$3q^2p$	$3qp^2$	p^3

साथ ही $(q+p)^3$ का द्विपद विस्तार निम्नलिखित है

$$q^3 + 3q^2p + 3qp^2 + p^3$$

नोट कीजिए कि 0, 1, 2, या 3 सफलताओं की प्रायिकताएँ क्रमश: $(q+p)^3$ के विस्तार की पहली, दूसरी, तीसरी और चतुर्थ पद हैं।

साथ ही क्योंकि $q+p=1$ है जिससे यह अर्थ निकलता है कि सभी प्रायिकताओं का योग 1 है जैसा कि आपेक्षित था।

अत: हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि n-बरनौली परीक्षणों वाले प्रयोग में 0, 1, 2 ...., n सफलताओं की प्रायिकताएँ $(q+p)^n$ के विस्तार की प्रथम, द्वितीय, तृतीय, ...nवीं पद से प्राप्त की जा सकती हैं। इस परिणाम को सिद्ध करने के लिए हम n –बरनौली परीक्षणों वाले प्रयोग में x–सफलताओं की प्रायिकता ज्ञात करते हैं।

स्पष्टतया x सफलताओं (S) की दशा में $(n–x)$ असफलताएँ (F) होंगी।

अब x सफलताएँ (S) और $(n–x)$ असफलताएँ (F), $\dfrac{n!}{x!(n-x)!}$ तरीकों से क्रमचय होती हैं।

इनमें से प्रत्येक तरीके में x सफलताओं और $(n-x)$ असफलताओं की प्रायिकता

$$= \text{P}(x \text{ सफलताएँ}).\ \text{P}[(n-x) \text{ असफलताएँ}]$$

$$= \underbrace{\text{P(S).P(S)...P(S)}}_{x \text{ बार}} \cdot \underbrace{\text{P(F).P(F)...P(F)}}_{(n-x) \text{ बार}} = p^x q^{n-x}$$

अत: n-बरनौली परीक्षणों में x सफलताओं की प्रायिकता $\dfrac{n!}{x!(n-x)!} p^x q^{n-x}$ या $^nC_x p^x q^{n-x}$ है।

अत: $\text{P}(x \text{ सफलताएँ}) = {}^nC_x p^x q^{n-x}$, $x = 0, 1, 2, ..., n$, $(q = 1 - p)$

स्पष्टतया P (x सफलताएँ) अर्थात् $^nC_x p^x q^{n-x}$, $(q+p)^n$ के विस्तार की $(x + 1)$वीं पद है।

इस प्रकार, n–बरनौली परीक्षणों वाले एक प्रयोग में सफलताओं की संख्या की प्रायिकता बंटन $(q+p)^n$ के द्विपद-विस्तार द्वारा प्राप्त की जा सकती है। अत:, सफलताओं की संख्या X का बंटन निम्नलिखित प्रकार से लिखा जा सकता है।

X	0	1	2	...	x	...	n
P (X)	$^nC_0\, q^n$	$^nC_1\, q^{n-1} p^1$	$^nC_2\, q^{n-2} p^2$		$^nC_x\, q^{n-x} p^x$		$^nC_n\, p^n$

उपर्युक्त प्रायिकता बंटन को **द्विपद बंटन** कहते हैं जिसमें n तथा p, प्राचल हैं, क्योंकि n तथा p के मान दिए होने पर हम संपूर्ण प्रायिकता बंटन ज्ञात कर सकते हैं।

x सफलताओं की प्रायिकता P (X = x) को P(x) से भी व्यक्त करते हैं और इसे

$\text{P}(x) = {}^n\text{C}_x q^{n-x} p^x$, $x = 0, 1, ..., n$ $(q = 1 - p)$ से प्राप्त करते हैं।

इस P(x) को द्विपद बंटन का **प्रायिकता फलन** कहते हैं।

एक n-बरनौली परीक्षणों और प्रत्येक परीक्षण में सफलता की प्रायिकता p, वाले द्विपद बंटन को B(n, p) से व्यक्त करते हैं।

आइए अब कुछ उदाहरण लें।

उदाहरण 31 यदि एक न्याय्य सिक्के को 10 बार उछाला गया तो निम्न की प्रायिकताएँ ज्ञात कीजिए:

(i) ठीक छ: चित

(ii) न्यूनतम छ: चित

(iii) अधिकतम छ: चित

हल एक सिक्के को बारबार उछालना बरनौली परीक्षण होते हैं। 10 परीक्षणों में चितों की संख्या को X मान लीजिए।

स्पष्टतया X बंटन $n = 10$ और $p = \dfrac{1}{2}$ वाला द्विपद बंटन है।

इसलिए $P(X = x) = {}^nC_x q^{n-x} p^x$

यहाँ $n = 10,\ p = \frac{1}{2},\ \ q = 1 - p = \frac{1}{2}$

इसलिए $P(X = x) = {}^{10}C_x \left(\frac{1}{2}\right)^{10-x} \left(\frac{1}{2}\right)^x = {}^{10}C_x \left(\frac{1}{2}\right)^{10}$

अब

(i) P(ठीक छः चित) $P(X=6) = {}^{10}C_6 \left(\frac{1}{2}\right)^{10} = \frac{10!}{6! \times 4!} \frac{1}{2^{10}} = \frac{105}{512}$

(ii) P(न्यूनतम छः चित) $= P(X \geq 6)$

$$= P(X = 6) + P(X = 7) + P(X = 8) + P(X = 9) + P(X = 10)$$

$$= {}^{10}C_6 \left(\frac{1}{2}\right)^{10} + {}^{10}C_7 \left(\frac{1}{2}\right)^{10} + {}^{10}C_8 \left(\frac{1}{2}\right)^{10} + {}^{10}C_9 \left(\frac{1}{2}\right)^{10} + {}^{10}C_{10} \left(\frac{1}{2}\right)^{10}$$

$$= \left[\left(\frac{10!}{6! \times 4!}\right) + \left(\frac{10!}{7! \times 3!}\right) + \left(\frac{10!}{8! \times 2!}\right) + \left(\frac{10!}{9! \times 1!}\right) + \left(\frac{10!}{10!}\right)\right] \frac{1}{2^{10}} = \frac{193}{512}$$

(iii) P (अधिकतम छः चित) $= P(X \leq 6)$

$$= P(X = 0) + P(X = 1) + P(X = 2) + P(X = 3)$$
$$+ P(X = 4) + P(X = 5) + P(X = 6)$$

$$= \left(\frac{1}{2}\right)^{10} + {}^{10}C_1 \left(\frac{1}{2}\right)^{10} + {}^{10}C_2 \left(\frac{1}{2}\right)^{10} + {}^{10}C_3 \left(\frac{1}{2}\right)^{10} + {}^{10}C_4 \left(\frac{1}{2}\right)^{10}$$

$$+ {}^{10}C_5 \left(\frac{1}{2}\right)^{10} + {}^{10}C_6 \left(\frac{1}{2}\right)^{10}$$

$$= \frac{848}{1024} = \frac{53}{64}$$

उदाहरण 32 10% खराब अंडों वाले एक ढेर से 10 अंडे उत्तरोत्तर प्रतिस्थापना के साथ निकाले गए। इस बात की प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि 10 अंडों के प्रतिदर्श में कम से कम एक खराब अंडा है।

हल मान लीजिए X खराब अंडों की संख्या को व्यक्त करता है। क्योंकि अंडों को प्रतिस्थापना के साथ निकाला गया है इसलिए यह बरनौली परीक्षण हैं। स्पष्टतया X का बंटन $n = 10$ और $p = 10\% = \frac{10}{100} = \frac{1}{10}$ वाला द्विपद बंटन है।

इसलिए $$q = 1 - p = 1 - \frac{1}{10} = \frac{9}{10}$$

अब P(न्यूनतम एक खराब अंडा) = $P(X \geq 1) = 1 - P(X = 0)$

$$= 1 - {}^{10}C_0 \left(\frac{9}{10}\right)^{10} = 1 - \frac{9^{10}}{10^{10}}$$

प्रश्नावली 13.5

1. एक पासे को 6 बार उछाला जाता है। यदि 'पासे पर सम संख्या प्राप्त होना' एक सफलता है तो निम्नलिखित की प्रायिकताएँ क्या होंगी?

(i) तथ्यतः 5 सफलताएँ? (ii) न्यूनतम 5 सफलताएँ ? (iii) अधिकतम 5 सफलताएँ?

2. पासों के एक जोड़े को 4 बार उछाला जाता है। यदि 'पासों पर प्राप्त अंकों का द्विक होना' एक सफलता मानी जाती है, तो 2 सफलताओं की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

3. वस्तुओं के एक ढेर में 5% त्रुटियुक्त वस्तुएँ है। इसकी क्या प्रायिकता है कि 10 वस्तुओं के एक प्रतिदर्श में एक से अधिक त्रुटियुक्त वस्तुएँ नहीं होंगी?

4. 52 ताश के पत्तों की एक भली-भाँति फेंटी गई गड्डी में से 5 पत्ते उत्तरोतर प्रतिस्थापना सहित निकाले जाते हैं। इसकी क्या प्रायिकता है कि

(i) सभी 5 पत्ते हुकुम के हों ?

(ii) केवल 3 पत्ते हुकुम के हों ?

(iii) एक भी पत्ता हुकुम का नहीं हो ?

5. किसी फ़ैक्ट्री में बने एक बल्ब की 150 दिनों के उपयोग के बाद फ्यूज़ होने की प्रायिकता 0.05 है। इसकी प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि इस प्रकार के 5 बल्बों में से

(i) एक भी नहीं (ii) एक से अधिक नहीं

(iii) एक से अधिक (iv) कम से कम एक, 150 दिनों के उपयोग के बाद फ्यूज़ हो जाएँगे।

6. एक थैले में 10 गेंदें है जिनमें से प्रत्येक पर 0 से 9 तक के अंकों में से एक अंक लिखा है। यदि थैले से 4 गेंदें उत्तरोतर पुनः वापस रखते हुए निकाली जाती है, तो इसकी क्या प्रायिकता है कि उनमें से किसी भी गेंद पर अंक 0 न लिखा हो?

7. एक सत्य-असत्य प्रकार के 20-प्रश्नों वाली परीक्षा में मान लें कि एक विद्यार्थी एक न्याय्य सिक्के को उछाल कर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर निर्धारित करता है। यदि पासे पर चित प्रकट हो तो वह प्रश्न का उत्तर 'सत्य' देता है और यदि पट प्रकट हो तो 'असत्य' लिखता है। इस की प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि वह कम से कम दो प्रश्नों का सही उत्तर देता है।

8. मान लीजिए कि X का बंटन $B\left(6, \frac{1}{2}\right)$ द्विपद बंटन है। दर्शाएँ कि X=3 अधिकतम प्रायिकता वाला परिणाम है।

(संकेत : $P(X = 3)$ सभी $P(x_i)$, $x_i = 0,1,2,3,4,5,6$ में से अधिकतम है)

9. एक बहु–विकल्पीय परीक्षा में 5 प्रश्न है जिनमें प्रत्येक के तीन संभावित उत्तर हैं। इसकी क्या प्रायिकता है कि एक विद्यार्थी केवल अनुमान लगा कर चार या अधिक प्रश्नों के सही उत्तर दे देगा ?

10. एक व्यक्ति एक लॉटरी के 50 टिकट खरीदता है, जिसमें उसके प्रत्येक में जीतने की प्रायिकता $\frac{1}{100}$ है। इसकी क्या प्रायिकता है कि वह (a) न्यूनतम एक बार (b) तथ्यत: एक बार (c) न्यूनतम दो बार, इनाम जीत लेगा।

11. एक पासे को 7 बार उछालने पर तथ्यत: दो बार 5 आने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

12. एक पासे को छः बार उछालने पर अधिकतम 2 बार छः आने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

13. यह ज्ञात है कि किसी विशेष प्रकार की निर्मित वस्तुओं की संख्या में 10% खराब है। इसकी क्या प्रायिकता है कि इस प्रकार की 12 वस्तुओं के यादृच्छिक प्रतिदर्श में से 9 खराब हों?

14. एक बॉक्स में 100 बल्ब हैं। जिसमें 10 त्रुटियुक्त हैं। 5 बल्ब के नमूने में से, किसी भी बल्ब के त्रुटियुक्त न होने की प्रायिकता है:

(A) 10^{-1} (B) $\left(\frac{1}{2}\right)^5$ (C) $\left(\frac{9}{10}\right)^5$ (D) $\frac{9}{10}$

15. एक छात्र की तैराक न होने की प्रायिकता $\frac{1}{5}$ है। तब 5 छात्रों में से 4 छात्रों की तैराक होने की प्रायिकता है:

(A) ${}^5C_4\left(\frac{4}{5}\right)^4\frac{1}{5}$ (B) $\left(\frac{4}{5}\right)^4\frac{1}{5}$

(C) ${}^5C_1\frac{1}{5}\left(\frac{4}{5}\right)^4$ (D) इनमें से कोई नहीं

विविध उदाहरण

उदाहरण 33 चार डिब्बों में रगींन गेंदें निम्न सारणी में दर्शाए गए तरह से आंबटित की गई है:

डिब्बा	रंग			
	काला	सफेद	लाल	नीला
I	3	4	5	6
II	2	2	2	2
III	1	2	3	1
IV	4	3	1	5

एक डिब्बे को यादृच्छया चुना गया और फिर उसमें से एक गेंद निकाली गई। यदि गेंद का रंग काला है तो इसकी क्या प्रायिकता है कि गेंद को डिब्बा- III से निकाला गया है?

हल मान लीजिए A, E_1, E_2, E_3 और E_4 निम्न प्रकार से परिभाषित घटनाएँ हैं:

A : एक काली गेंद का निकलना $\qquad$ E_1 : डिब्बा-I का चुनाव

E_2 : डिब्बा-II का चुनाव $\qquad$ E_3 : डिब्बा-III का चुनाव

E_4 : डिब्बा-IV का चुनाव

क्योंकि डिब्बों को यादृच्छया चुना गया है,

इसलिए $\qquad P(E_1) = P(E_2) = P(E_3) = P(E_4) = \frac{1}{4}$

साथ ही $\qquad P(A|E_1) = \frac{3}{18}, P(A|E_2) = \frac{2}{8}, P(A|E_3) = \frac{1}{7}$ और $P(A|E_4) = \frac{4}{13}$

P(डिब्बा – III का चुनाव, जब यह ज्ञात है कि काली गेंद निकाली गई है)

$= P(E_3|A)$ बेज़-प्रमेय से

$$P(E_3|A) = \frac{P(E_3).P(A|E_3)}{P(E_1)P(A|E_1)+P(E_2)P(A|E_2)+P(E_3)P(A|E_3)+P(E_4)P(A|E_4)}$$

$$= \frac{\frac{1}{4}\times\frac{1}{7}}{\frac{1}{4}\times\frac{3}{18}+\frac{1}{4}\times\frac{1}{4}+\frac{1}{4}\times\frac{1}{7}+\frac{1}{4}\times\frac{4}{13}} = 0.165$$

उदाहरण 34 द्विपद बंटन $B\left(4, \frac{1}{3}\right)$ का माध्य ज्ञात कीजिए।

हल मान लें X वह यादृच्छिक चर है जिसका प्रायिकता बंटन $B\left(4, \frac{1}{3}\right)$ है।

यहाँ $$n = 4,\ p = \frac{1}{3} \text{ और } q = 1 - \frac{1}{3} = \frac{2}{3}$$

हम जानते हैं कि $$P(X = x) = {}^4C_x \left(\frac{2}{3}\right)^{4-x} \left(\frac{1}{3}\right)^x,\ x = 0, 1, 2, 3, 4$$

अर्थात् X का बंटन निम्नलिखित है is

x_i	$P(x_i)$	$x_i\ P(x_i)$
0	${}^4C_0\left(\frac{2}{3}\right)^4$	0
1	${}^4C_1\left(\frac{2}{3}\right)^3\left(\frac{1}{3}\right)$	${}^4C_1\left(\frac{2}{3}\right)^3\left(\frac{1}{3}\right)$
2	${}^4C_2\left(\frac{2}{3}\right)^2\left(\frac{1}{3}\right)^2$	$2\left({}^4C_2\left(\frac{2}{3}\right)^2\left(\frac{1}{3}\right)^2\right)$
3	${}^4C_3\left(\frac{2}{3}\right)\left(\frac{1}{3}\right)^3$	$3\left({}^4C_3\left(\frac{2}{3}\right)\left(\frac{1}{3}\right)^3\right)$
4	${}^4C_4\left(\frac{1}{3}\right)^4$	$4\left({}^4C_4\left(\frac{1}{3}\right)^4\right)$

अब माध्य $(\mu) = \sum_{i=1}^{n} x_i\, p(x_i)$

$$= 0 + {}^4C_1\left(\frac{2}{3}\right)^3\left(\frac{1}{3}\right) + 2.{}^4C_2\left(\frac{2}{3}\right)^2\left(\frac{1}{3}\right)^2 + 3.{}^4C_3\left(\frac{2}{3}\right)\left(\frac{1}{3}\right)^3 + 4.{}^4C_4\left(\frac{1}{3}\right)^4$$

$$= 4 \times \frac{2^3}{3^4} + 2 \times 6 \times \frac{2^2}{3^4} + 3 \times 4 \times \frac{2}{3^4} + 4 \times \frac{1}{3^4}$$

$$= \frac{32 + 48 + 24 + 4}{3^4} = \frac{108}{81} = \frac{4}{3}$$

उदाहरण 35 एक निशानेबाज के लक्ष्य-भेदन की प्रायिकता $\frac{3}{4}$ है। वह कम से कम कितनी बार गोली चलाए कि लक्ष्य को कम से कम एक बार भेदने की प्रायिकता 0.99 से अधिक हो?

हल मान लीजिए कि निशानेबाज n बार गोली चलाता है। निस्संदेह n बार गोली चलाना n बरनौली परीक्षण हैं।

p = प्रत्येक परीक्षण में लक्ष्य भेदन की प्रायिकता $= \frac{3}{4}$ और q = लक्ष्य को न भेदने की प्रायिकता $= \frac{1}{4}$

तब $P(X = x) = {}^nC_x \, q^{n-x} \, p^x = {}^nC_x \left(\frac{1}{4}\right)^{n-x} \left(\frac{3}{4}\right)^x = {}^nC_x \frac{3^x}{4^n}$

अब दिया है

P(न्यूनतम एक बार लक्ष्य भेदन) > 0.99

अर्थात् $\quad P(x \geq 1) > 0.99$

इसलिए $\quad 1 - P(x = 0) > 0.99$

या $\quad 1 - {}^nC_0 \frac{1}{4^n} > 0.99$

या $\quad {}^4C_0 \frac{1}{4^n} < 0.01$ अर्थात् $\frac{1}{4^n} < 0.01$

या $\quad 4^n > \frac{1}{0.01} = 100 \qquad \ldots (1)$

असमिका (1) को संतुष्ट करने वाली n की न्यूनतम मान 4 है।
अत: निशानेबाज को कम से कम 4 गोली चलानी होगी।

उदाहरण 36 A और B बारी-बारी से एक पासे को उछालते हैं जब तक कि उनमें से कोई एक पासे पर छः प्राप्त कर खेल को जीत नहीं लेता। यदि A खेल को शुरू करें तो उनके जीतने की क्रमशः प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए S सफलता (पासे पर 6 प्रकट होना) को और F असफलता (पासे पर 6 प्रकट न होना) को व्यक्त करते हैं।

अत: $\quad P(S) = \frac{1}{6}, \; P(F) = \frac{5}{6}$

P(A के पहली उछाल में जीतना) $= P(S) = \frac{1}{6}$

A को तीसरी उछाल का अवसर तब मिलता है जब A पहली उछाल में और B दूसरी उछाल में असफल होते हैं। इसलिए

P(A का तीसरी उछाल में जीतना) = P(FFS) = $P(F)P(F)P(S) = \frac{5}{6}\times\frac{5}{6}\times\frac{1}{6} = \left(\frac{5}{6}\right)^2\times\frac{1}{6}$

इसी प्रकार P(A का पाँचवीं उछाल में जीतना) = P (FFFFS) $= \left(\frac{5}{6}\right)^4\left(\frac{1}{6}\right)$

और इसी प्रकार अन्य अतः P(A जीतना) $= \frac{1}{6}+\left(\frac{5}{6}\right)^2\left(\frac{1}{6}\right)+\left(\frac{5}{6}\right)^4\left(\frac{1}{6}\right)+\ldots$

$$= \frac{\frac{1}{6}}{1-\frac{25}{36}} = \frac{6}{11}$$

P(B जीतना) = 1 – P(A जीतना) $= 1-\frac{6}{11}=\frac{5}{11}$

टिप्पणी यदि $a + ar + ar^2 + \ldots + ar^{n-1} + \ldots$, जहाँ $|r| < 1$, तब इस अनंत श्रेणी का योग $\frac{a}{1-r}$.

(देखिए कक्षा XI की पाठ्यपुस्तक का A.1.3)

उदाहरण 37 यदि एक मशीन समुचित ढंग से स्थापित की जाती है तो यह 90% स्वीकार्य वस्तु उत्पादित करती है। यदि यह समुचित ढंग से स्थापित नहीं की जाती है तो यह मात्र 40% स्वीकार्य वस्तु बनाती है। पूर्व अनुभव यह दर्शाता है कि मशीन स्थापन 80% समुचित है। यदि एक निश्चित स्थापन के बाद मशीन 2 स्वीकार्य वस्तु उत्पादित करती है तो मशीन की समुचित ढंग से स्थापित होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

हल मान लीजिए A एक घटना है जिसमें एक मशीन दो स्वीकार्य वस्तुओं का उत्पादन करती है। साथ ही मान लीजिए B_1 सही कार्य प्रणाली की घटना को प्रदर्शित करता है और B_2 गलत कार्य प्रणाली की घटना को प्रदर्शित करता है।

अब $P(B_1) = 0.8,\ P(B_2) = 0.2$

$P(A|B_1) = 0.9 \times 0.9$ और $P(A|B_2) = 0.4 \times 0.4$

इसलिए $$P(B_1|A) = \frac{P(B_1)P(A|B_1)}{P(B_1)P(A|B_1)+P(B_2)P(A|B_2)}$$

$$= \frac{0.8\times0.9\times0.9}{0.8\times0.9\times0.9+0.2\times0.4\times0.4} = \frac{648}{680} = 0.95$$

अध्याय 13 पर आधारित विविध प्रश्नावली

1. A और B इस प्रकार घटनाएँ हैं कि $P(A) \neq 0$. $P(B|A)$ ज्ञात कीजिए यदि
   (i) A, समुच्चय B का उपसमुच्चय है (ii) $A \cap B = \phi$
2. एक दंपति के दो बच्चे हैं
   (i) दोनों बच्चों के लड़का होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए यदि यह ज्ञात हैं कि दोनों बच्चों में से कम से कम एक बच्चा लड़का है।
   (ii) दोनों बच्चों के लड़की होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए यदि यह ज्ञात है कि बड़ा बच्चा लड़की है।
3. कल्पना कीजिए कि 5% पुरुषों और 0.25% महिलाओं के बाल सफ़ेद हैं। एक सफ़ेद बालों वाले व्यक्ति को यादृच्छिक चुना गया है। इस व्यक्ति के पुरुष होने की प्रायिकता क्या है? यह मान लें कि पुरुषों और महिलाओं की संख्या समान है।
4. मान लीजिए कि 90% लोग दाहिने हाथ से काम करने वाले हैं। इसकी प्रायिकता क्या है कि 10 लोगों में से यादृच्छया चुने गए अधिक से अधिक 6 लोग दाहिने हाथ से काम करने वाले हों?
5. एक कलश (पात्र) में 25 गेंदें हैं, जिनमें से 10 गेंदों पर चिह्न 'X' अंकित है और शेष 15 पर चिह्न 'Y'. अंकित है। कलश में से एक गेंद यादृच्छया निकाली जाती है और उस पर अंकित चिह्न को नोट (लिख) करके उसे कलश में प्रतिस्थापित कर दिया जाता हे। यदि इस प्रकार से 6 गेंदें निकाली जाती हों, तो अग्रलिखित प्रायिकताएँ ज्ञात कीजिए।
   (i) सभी पर चिह्न 'X' अंकित हो।
   (ii) 2 से अधिक पर चिह्न 'Y' नहीं अंकित हो।
   (iii) कम से कम 1 गेंद पर चिह्न 'Y' अंकित हो।
   (iv) 'X' तथा 'Y' चिह्नों से अंकित गेंदों की संख्याएँ समान हों।
   'X' चिह्न से अंकित गेंदों की संख्या का माध्य भी ज्ञात कीजिए।
6. एक बाधा दौड़ में एक प्रतियोगी को 10 बाधाएँ पार करनी है इसकी प्रायिकता कि वह प्रत्येक बाधा को पार कर लेगा $\frac{5}{6}$ है। इसकी क्या प्रायिकता है कि वह 2 से कम बाधाओं को गिरा देगा (नहीं पार कर पाएगा)?
7. एक पासे को बार-बार तब तक उछाला जाता है जब तक कि उस पर 6 का अंक तीन बार प्राप्त नहीं हो जाता। इसकी प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि पासे पर तीसरा 6 का अंक उसे छठी बार उछालने पर प्राप्त होता है।
8. यदि एक लीप वर्ष को यादृच्छया चुना गया हो तो इसकी क्या प्रायिकता है कि उस वर्ष में 53 मंगलवार होंगे?
9. एक प्रयोग के सफल होने का संयोग उसके असफल होने से दो गुना है। प्रायिकता ज्ञात कीजिए कि अगले छः परीक्षणों में कम से कम 4 सफल होंगे।

10. एक व्यक्ति एक न्याय्य सिक्के को कितनी बार उछाले कि कम से कम एक चित की प्रायिकता 90% से अधिक हो?

11. एक खेल में किसी व्यक्ति को एक न्याय्य पासे को उछालने के बाद छः प्रकट होने पर एक रुपया मिलता है और अन्य कोई संख्या प्रकट होने पर वह एक रुपया हार जाता है। एक व्यक्ति यह निर्णय लेता है, कि वह पासे को तीन बार फेंकेगा लेकिन जब भी छः प्राप्त होगा वह खेलना छोड़ देगा। उसके द्वारा जीती/हारी गई राशि की प्रत्याशा ज्ञात कीजिए।

12. मान लीजिए हमारे पास A, B, C और D बक्से हैं जिसमें रखी संगमरमर की लाल, सफेद और काली टुकड़ियों का विवरण निम्न तरीके से है यादृच्छया एक बॉक्स चुना जाता है तथा इससे एक टुकड़ा निकाला जाता है। यदि टुकड़ा लाल हो तो इसे बॉक्स A; बॉक्स B, बॉक्स C से निकाले जाने की क्या प्रायिकता है?

बॉक्स	संगमरमर की टुकड़ियों का रंग		
	लाल	सफ़ेद	काला
A	1	6	3
B	6	2	2
C	8	1	1
D	0	6	4

13. मान लीजिए किसी रोगी को दिल का दौरा पड़ने का संयोग 40% है। यह मान लिया जाता है कि ध्यान और योग विधि दिल का दौरा पड़ने के खतरे को 30% कम कर देता है और दवा द्वारा खतरे को 25% कम किया जा सकता है। किसी भी समय रोगी इन दोनों में से किसी एक विकल्प का चयन करता है। यह दिया गया है कि उपरोक्त विकल्पों से किसी एक का चुनाव करने वाले रोगियों से यादृच्छया चुना गया रोगी दिल के दौरे से ग्रसित हो जाता है। रोगी द्वारा ध्यान और योग विधि का उपयोग किए जाने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

14. यदि 2 कोटि के एक सारणिक के सभी अवयव शून्य या एक हो तो सारणिक का धनात्मक मान होने की क्या प्रायिकता हैं। (मान लीजिए की सारणिक के प्रत्येक अवयव स्वतंत्र रूप से चुने जा सकते हैं तथा प्रत्येक की चुने जाने की प्रायिकता $\frac{1}{2}$ है।)

15. एक इलेक्ट्रॉनिक एसेंबली के दो सहायक निकाय A और B हैं। पूर्ववर्ती निरीक्षण द्वारा निम्न प्रायिकताएँ ज्ञात है:

P(A के असफल होने की) = 0.2

P(B के अकेले असफल होने की) = 0.15

P(A और B के असफल होने की) = 0.15

तो, निम्न प्रायिकताएँ ज्ञात कीजिए:

(i) P(A असफल/B असफल हो चुकी हो)

(ii) P(A के अकेले असफल होने की)

16. थैला 1 में 3 लाल तथा 4 काली गेंदें है तथा थैला II में 4 लाल और 5 काली गेंदें हैं। एक गेंद को थैला 1 से थैला 2 में स्थानांतरित किया जाता है और तब एक गेंद थैला 2 से निकाली जाती है। निकाली गई गेंद लाल रंग की है। स्थानांतरित गेंद की काली होने की प्रायिकता ज्ञात कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों में सही उत्तर का चुनाव कीजिए:

17. यदि A और B दो ऐसी घटनाएँ है कि $P(A) \neq 0$ और $P(B/A) = 1$, तब

(A) $A \subset B$ (B) $B \subset A$ (C) $B = \phi$ (D) $A = \phi$

18. यदि $P(A/B) > P(A)$, तब निम्न में से कौन सही है।

(A) $P(B|A) < P(B)$ (B) $P(A \cap B) < P(A) . P(B)$

(C) $P(B|A) > P(B)$ (D) $P(B|A) = P(B)$

19. यदि A और B ऐसी दो घटनाएँ हैं कि

$P(A) + P(B) - P(A$ और $B) = P(A)$, तब

(A) $P(B|A) = 1$ (B) $P(A|B) = 1$

(C) $P(B|A) = 0$ (D) $P(A|B) = 0$

सारांश

इस अध्याय के मुख्य बिंदु निम्न प्रकार से हैं

- घटना E की सप्रतिबंध प्रायिकता जब कि घटना F दी गई है, निम्न प्रकार से ज्ञात की जाती है

$$P(E|F) = \frac{P(E \cap F)}{P(F)}, P(F) \neq 0$$

- $0 \leq P(E|F) \leq 1$, $P(E'|F) = 1 - P(E|F)$

  $P(E \cup F|G) = P(E|G) + P(F|G) - P(E \cap F|G)$
- $P(E \cap F) = P(E) P(F|E), P(E) \neq 0$

  या $P(E \cap F) = P(F) (E|F), P(F) \neq 0$
- यदि E और F स्वतंत्र घटनाएँ हैं तो

  $P(E \cap F) = P(E) P(F)$

  और $P(E|F) = P(E), P(F) \neq 0$

  $P(F|E) = P(F), P(E) \neq 0$

- **संपूर्ण प्रायिकता की प्रमेयः**

  मान लें $\{E_1, E_2, ...E_n)$ प्रतिदर्श समष्टि S का एक विभाजन है और $E_1, E_2, ...E_n$, में प्रत्येक की प्रायिकता शून्येत्तर है। साथ ही A प्रतिदर्श समष्टि से संबधित एक घटना है, तब

  $P(A) = P(E_1)\ P(A|E_1) + P(E_2)\ P(A|E_2) + ... + P(E_n)\ P(A|E_n)$

- **बेज़-प्रमेयः** यदि $E_1, E_2, ...E_n$ प्रतिदर्श समष्टि S के विभाजन का निर्माण करती हैं अर्थात् $E_1, E_2, ..., E_n$ युग्मतः असंयुक्त हैं और E_1 4 E_2 4 ...4 E_n = S और A एक शून्येतर प्रायिकता की घटना है तब

$$P(E_i|A) = \frac{P(E_i)P(A|E_i)}{\sum_{j=1}^{n} P(E_j)P(A|E_j)}$$

- एक यादृच्छिक चर किसी यादृच्छिक परीक्षण के प्रतिदर्श समष्टि पर परिभाषित वास्तविक मान फलन होता है।

- यादृच्छिक चर X की प्रायिकता बंटन संख्याओं की निम्नलिखित प्रणाली है

X	:	x_1	x_2	...	x_n
P(X)	:	p_1	p_2	...	p_n

  जहाँ $p_i > 0, \sum_{i=1}^{n} p_i = 1,\ i = 1, 2, ..., n$

- मान लें X एक यादृच्छिक चर है जिसके संभावित मूल्य $x_1, x_2, x_3, ... ,x_n$ हैं जिनकी क्रमशः प्रायिकताएँ $p_1, p_2, p_3, ..., p_n$ हैं। X का माध्य, μ से व्यक्त, संख्या $\sum_{i=1}^{n} x_i p_i$ है। यादृच्छिक चर X के माध्य को X, की प्रत्याशा भी कहते हैं जिसे E (X) से व्यक्त करते हैं।

- मान लें X एक यादृच्छिक चर है जिसके संभावित मूल्य $x_1, x_2, ..., x_n$ हैं जिनकी क्रमशः प्रायिकताएँ $p_1, p_2, ..., p_n$ हैं। मान लीजिए μ = E (X), X का माध्य है।

  X, का प्रसरण, var (X) या σ_x^2 से व्यक्त, को निम्न प्रकार से परिभाषित किया जाता है

$$\sigma_x^2 = \text{Var}(X) = \sum_{i=1}^{n} (x_i - \mu)^2\ p(x_i)$$

  या समतुल्यतः $\sigma_x^2 = E\ (X - \mu)^2$

  ऋणेतर संख्या $\sigma_x = \sqrt{\text{var}(X)} = \sqrt{\sum_{i=1}^{n} (x_i - \mu)^2\ p(x_i)}$

  को यादृच्छिक चर X की मानक विचलन कहते हैं।

- $\text{var}(X) = E(X^2) - [E(X)]^2$
- किसी यादृच्छिक प्रयोग के परीक्षणों को बरनौली परीक्षण कहते हैं यदि वे निम्नलिखित शर्तों को संतुष्ट करते हैं:
  (i) परीक्षणों की संख्या निश्चित (परिमित) होनी चाहिए
  (ii) परीक्षण स्वतंत्र होने चाहिए
  (iii) प्रत्येक परीक्षण के तथ्यत: दो ही परिणाम होने चाहिए : सफलता या असफलता
  (iv) किसी परिणाम की प्रायिकता प्रत्येक परीक्षण में एक ही (समान) रहनी चाहिए।
- द्विपद बंटन $B(n, p)$, के लिए $P(X = x) = {}^nC_x\, q^{n-x} p^x$

ऐतिहासिक नोट

एक पासे पर आधारित खेल में प्रायिकता (अवसर) के माप का पहला संदर्भ दाँते के दैवी प्रहसन पर एक व्याख्या में मिलता है। जेरनीमोंकॉरडन (1501–1576) ने जुए के खेल पर एक विस्तृत निबंध जिसका नाम 'लिबर डे लूडो अलकाए' लिखा था जो उनके मृत्योपरांत 1663 में प्रकाशित हुआ था। इस निबंध में उन्होंने दो पासों को उछालने पर प्रत्येक घटना के अनुकूल परिणामों की संख्या के बारे में बताया है। गैलिलियो (1564–1642) ने तीन पासों के एक खेल में संयोग के माप के संबंध में आकस्मिक टिप्पणी की है। गैलिलियो ने विश्लेषण किया था कि जब तीन पासों को उछाला जाता है तो प्रकट संख्याओं के योग का 10 होना योग 9 से अधिक संभाव्य है क्योंकि योग को दस होने के अनुकूल परिणामों की संख्या योग 9 के अनुकूल परिणामों की संख्या से अधिक है।

इस प्रारंभिक योगदान के अतिरिक्त यह सामान्यत: माना जाता है कि प्रायिकता के विज्ञान का प्रमाणिक उद्गम सत्रहवीं शताब्दी के दो महान गणितज्ञों पॉस्कल (1623–1662) और पीअरे द् फ़र्मा (1601–1665) के मध्य हुए पत्र व्यवहार से हुआ है। एक फ्रांसिसी जुआरी शेवेलियर डे मेरे ने सैद्धांतिक तर्क और जुए में एकत्रित प्रेक्षणों में अंतर्विरोध की व्याख्या के लिए पॉस्कल से पूछा। इस प्रश्न के हल के लिए 1654 के इर्द-गिर्द पॉस्कल और फ़र्मा के बीच हुए पत्र व्यवहार की शृंखला में प्रायिकता के विज्ञान की प्रथम नींव रखी गई। पॉस्कल ने समस्या को बीजगणितीय रूप में हल किया जबकि फ़र्मा ने संचय की विधियों का उपयोग किया।

महान हालैंड निवासी वैज्ञानिक ह्यजेन (1629–1695) को पॉस्कल और फ़र्मा के मध्य हुए पत्र व्यवहार के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने प्रायिकता की प्रथम पुस्तक 'डे रेशियोसिनिस इन लूडो अलाय' को प्रकाशित किया जिसमें संयोग के खेल में प्रायिकता पर बहुत सारी रोचक लेकिन कठिन समस्याओं के हल प्रस्तुत किए। प्रायिकता सिद्धांत पर अगला महान कार्य जैकब बरनौली (1654–1705) ने एक पुस्तक 'आर्स कंजेकटेंडी' के रूप में किया जो उनके

मृत्योपरांत उनके भतीजे निकॉलस बरनौली ने 1713 में प्रकाशित की थी। उन्हें एक महत्त्वपूर्ण प्रायिकता बंटन 'द्विपद बंटन' की खोज का श्रेय भी जाता है। प्रायिकता पर अगला आकर्षक कार्य 'अब्राहम डे मोवियर (1667 – 1754) की पुस्तक 'द डॉक्ट्रिन ऑफ चांस' में विद्यमान है जिसे 1718 में प्रकाशित किया गया था। थॉमस बेज़ (1702–1761) ने उनके नाम पर प्रसिद्ध प्रमेय 'बेज़-प्रमेय' को व्युत्पन्न करने के लिए सप्रतिबंध प्रायिकता का उपयोग किया। प्रसिद्ध खगोलशास्त्री 'पियरे साइमन डे लॉपलास (1749–1827) ने भी प्रायिकता सिद्धांत पर कार्य किया और 1812 में एक पुस्तक 'थियोरी एनॉलिटिक डेस प्रोबेबिलिटिज़' प्रकाशित की। इसके बाद रूसी गणितज्ञों शेबीशेव (1821–1894), मॉरकोव (1856–1922), ए. लियापोनोव (1821–1918) और ए.एन. कॉल्मोग्रोव (1903–1987) ने प्रायिकता सिद्धांत पर सार्थक योगदान दिया। कॉल्मोग्रोव ने प्रायिकता का समुच्चय फलन के रूप में सूत्रपात किया। जिसे 1933 में प्रकाशित पुस्तक 'प्रायिकता का आधारभूत सिद्धांत' में प्रायिकता के अभिगृहितीय दृष्टिकोण के नाम से जाना जाता है।

उत्तरमाला

प्रश्नावली 7.1

1. $-\frac{1}{2}\cos 2x$
2. $\frac{1}{3}\sin 3x$
3. $\frac{1}{2}e^{2x}$
4. $\frac{1}{3a}(ax+b)^3$
5. $-\frac{1}{2}\cos 2x - \frac{4}{3}e^{3x}$
6. $\frac{4}{3}e^{3x} + x + C$
7. $\frac{x^3}{3} - x + C$
8. $\frac{ax^3}{3} + \frac{bx^2}{2} + cx + C$
9. $\frac{2}{3}x^3 + e^x + C$
10. $\frac{x^2}{2} + \log|x| - 2x + C$
11. $\frac{x^2}{2} + 5x + \frac{4}{x} + C$
12. $\frac{2}{7}x^{\frac{7}{2}} + 2x^{\frac{3}{2}} + 8\sqrt{x} + C$
13. $\frac{x^3}{3} + x + C$
14. $\frac{2}{3}x^{\frac{3}{2}} - \frac{2}{5}x^{\frac{5}{2}} + C$
15. $\frac{6}{7}x^{\frac{7}{2}} + \frac{4}{5}x^{\frac{5}{2}} + 2x^{\frac{3}{2}} + C$
16. $x^2 - 3\sin x + e^x + C$
17. $\frac{2}{3}x^3 + 3\cos x + \frac{10}{3}x^{\frac{3}{2}} + C$
18. $\tan x + \sec x + C$
19. $\tan x - x + C$
20. $2\tan x - 3\sec x + C$
21. C
22. A

प्रश्नावली 7.2

1. $\log(1 + x^2) + C$
2. $\frac{1}{3}(\log|x|)^3 + C$
3. $\log|1 + \log x| + C$
4. $\cos(\cos x) + C$
5. $-\frac{1}{4a}\cos 2(ax+b) + C$
6. $\frac{2}{3a}(ax+b)^{\frac{3}{2}} + C$
7. $\frac{2}{5}(x+2)^{\frac{5}{2}} - \frac{4}{3}(x+2)^{\frac{3}{2}} + C$
8. $\frac{1}{6}(1+2x^2)^{\frac{3}{2}} + C$
9. $\frac{4}{3}(x^2+x+1)^{\frac{3}{2}} + C$
10. $2\log|\sqrt{x} - 1| + C$
11. $\frac{2}{3}\sqrt{x+4}(x-8) + C$

12. $\frac{1}{7}(x^3-1)^{\frac{7}{3}}+\frac{1}{4}(x^3-1)^{\frac{4}{3}}+C$ **13.** $-\frac{1}{18(2+3x^3)^2}+C$

14. $\frac{(\log x)^{1-m}}{1-m}+C$ **15.** $-\frac{1}{8}\log|9-4x^2|+C$ **16.** $\frac{1}{2}e^{2x+3}+C$

17. $-\frac{1}{2e^{x^2}}+C$ **18.** $e^{\tan^{-1}x}+C$ **19.** $\log(e^x+e^{-x})+C$

20. $\frac{1}{2}\log(e^{2x}+e^{-2x})+C$ **21.** $\frac{1}{2}\tan(2x-3)-x+C$

22. $-\frac{1}{4}\tan(7-4x)+C$ **23.** $\frac{1}{2}(\sin^{-1}x)^2+C$

24. $\frac{1}{2}\log|2\sin x+3\cos x|+C$ **25.** $\frac{1}{(1-\tan x)}+C$

26. $2\sin\sqrt{x}+C$ **27.** $\frac{1}{3}(\sin 2x)^{\frac{3}{2}}+C$ **28.** $2\sqrt{1+\sin x}+C$

29. $\frac{1}{2}(\log\sin x)^2+C$ **30.** $-\log|1+\cos x|+C$ **31.** $\frac{1}{1+\cos x}+C$

32. $\frac{x}{2}-\frac{1}{2}\log|\cos x+\sin x|+C$ **33.** $\frac{x}{2}-\frac{1}{2}\log|\cos x-\sin x|+C$

34. $2\sqrt{\tan x}+C$ **35.** $\frac{1}{3}(1+\log x)^3+C$ **36.** $\frac{1}{3}(x+\log x)^3+C$

37. $-\frac{1}{4}\cos(\tan^{-1}x^4)+C$ **38.** D

39. B

प्रश्नावली 7.3

1. $\frac{x}{2}-\frac{1}{8}\sin(4x+10)+C$ **2.** $-\frac{1}{14}\cos 7x+\frac{1}{2}\cos x+C$

3. $\frac{1}{4}\left[\frac{1}{12}\sin 12x+x+\frac{1}{8}\sin 8x+\frac{1}{4}\sin 4x\right]+C$

4. $-\frac{1}{2}\cos(2x+1)+\frac{1}{6}\cos^3(2x+1)+C$

5. $\frac{1}{6}\cos^6 x-\frac{1}{4}\cos^4 x+C$

6. $\frac{1}{4}\left[\frac{1}{6}\cos 6x-\frac{1}{4}\cos 4x-\frac{1}{2}\cos 2x\right]+C$

7. $\frac{1}{2}\left[\frac{1}{4}\sin 4x-\frac{1}{12}\sin 12x\right]+C$

8. $2\tan\frac{x}{2}-x+C$

9. $x-\tan\frac{x}{2}+C$

10. $\frac{3x}{8}-\frac{1}{4}\sin 2x+\frac{1}{32}\sin 4x+C$

11. $\frac{3x}{8}+\frac{1}{8}\sin 4x+\frac{1}{64}\sin 8x+C$

12. $x-\sin x+C$

13. $2(\sin x+x\cos\alpha)+C$

14. $-\frac{1}{\cos x+\sin x}+C$

15. $\frac{1}{6}\sec^3 2x-\frac{1}{2}\sec 2x+C$

16. $\frac{1}{3}\tan^3 x-\tan x+x+C$

17. $\sec x-\operatorname{cosec} x+C$

18. $\tan x+C$

19. $\log|\tan x|+\frac{1}{2}\tan^2 x+C$

20. $\log|\cos x+\sin x|+C$

21. $\frac{\pi x}{2}-\frac{x^2}{2}+C$

22. $\frac{1}{\sin(a-b)}\log\left|\frac{\cos(x-a)}{\cos(x-b)}\right|+C$

23. A

24. B

प्रश्नावली 7.4

1. $\tan^{-1}x^3+C$

2. $\frac{1}{2}\log\left|2x+\sqrt{1+4x^2}\right|+C$

3. $\log\left|\frac{1}{2-x+\sqrt{x^2-4x+5}}\right|+C$

4. $\frac{1}{5}\sin^{-1}\frac{5x}{3}+C$

5. $\frac{3}{2\sqrt{2}}\tan^{-1}\sqrt{2}\,x^2+C$

6. $\frac{1}{6}\log\left|\frac{1+x^3}{1-x^3}\right|+C$

7. $\sqrt{x^2-1}-\log\left|x+\sqrt{x^2-1}\right|+C$

8. $\frac{1}{3}\log\left|x^3+\sqrt{x^6+a^6}\right|+C$

9. $\log\left|\tan x+\sqrt{\tan^2 x+4}\right|+C$

10. $\log\left|x+1+\sqrt{x^2+2x+2}\right|+C$

11. $\frac{1}{6}\tan^{-1}\left(\frac{3x+1}{2}\right)+C$

12. $\sin^{-1}\left(\frac{x+3}{4}\right)+C$

13. $\log\left|x-\frac{3}{2}+\sqrt{x^2-3x+2}\right|+C$

14. $\sin^{-1}\left(\frac{2x-3}{\sqrt{41}}\right)+C$

15. $\log\left|x-\frac{a+b}{2}+\sqrt{(x-a)(x-b)}\right|+C$

16. $2\sqrt{2x^2+x-3}+C$

17. $\sqrt{x^2-1}+2\log\left|x+\sqrt{x^2-1}\right|+C$

18. $\frac{5}{6}\log\left|3x^2+2x+1\right|-\frac{11}{3\sqrt{2}}\tan^{-1}\left(\frac{3x+1}{\sqrt{2}}\right)+C$

19. $6\sqrt{x^2-9x+20}+34\log\left|x-\frac{9}{2}+\sqrt{x^2-9x+20}\right|+C$

20. $-\sqrt{4x-x^2}+4\sin^{-1}\left(\frac{x-2}{2}\right)+C$

21. $\sqrt{x^2+2x+3}+\log\left|x+1+\sqrt{x^2+2x+3}\right|+C$

22. $\frac{1}{2}\log\left|x^2-2x-5\right|+\frac{2}{\sqrt{6}}\log\left|\frac{x-1-\sqrt{6}}{x-1+\sqrt{6}}\right|+C$

23. $5\sqrt{x^2+4x+10}-7\log\left|x+2+\sqrt{x^2+4x+10}\right|+C$

24. B

25. B

प्रश्नावली 7.5

1. $\log\frac{(x+2)^2}{|x+1|}+C$

2. $\frac{1}{6}\log\left|\frac{x-3}{x+3}\right|+C$

3. $\log|x-1|-5\log|x-2|+4\log|x-3|+C$

4. $\frac{1}{2}\log|x-1|-2\log|x-2|+\frac{3}{2}\log|x-3|+C$

5. $4\log|x+2|-2\log|x+1|+C$

6. $\frac{x}{2}+\log|x|-\frac{3}{4}\log|1-2x|+C$

7. $\frac{1}{2}\log|x-1|-\frac{1}{4}\log(x^2+1)+\frac{1}{2}\tan^{-1}x+C$

8. $\frac{2}{9}\log\left|\frac{x-1}{x+2}\right|-\frac{1}{3(x-1)}+C$

9. $\frac{1}{2}\log\left|\frac{x+1}{x-1}\right|-\frac{4}{x-1}+C$

10. $\frac{5}{2}\log|x+1|-\frac{1}{10}\log|x-1|-\frac{12}{5}\log|2x+3|+C$

11. $\frac{5}{3}\log|x+1|-\frac{5}{2}\log|x+2|+\frac{5}{6}\log|x-2|+C$

12. $\frac{x^2}{2}+\frac{1}{2}\log|x+1|+\frac{3}{2}\log|x-1|+C$

13. $-\log|x-1|+\frac{1}{2}\log(1+x^2)+\tan^{-1}x+C$

14. $3\log|x-2|-\frac{5}{x-2}+C$

15. $\frac{1}{4}\log\left|\frac{x-1}{x+1}\right|-\frac{1}{2}\tan^{-1}x+C$

16. $\frac{1}{n}\log\left|\frac{x^n}{x^n+1}\right|+C$

17. $\log\left|\frac{2-\sin x}{1-\sin x}\right|+C$

18. $x+\frac{2}{\sqrt{3}}\tan^{-1}\frac{x}{\sqrt{3}}-3\tan^{-1}\frac{x}{2}+C$

19. $\frac{1}{2}\log\left(\frac{x^2+1}{x^2+3}\right)+C$

20. $\frac{1}{4}\log\left|\frac{x^4-1}{x^4}\right|+C$

21. $\log\left(\frac{e^x-1}{e^x}\right)+C$

22. B

23. A

प्रश्नावली 7.6

1. $-x\cos x+\sin x+C$

2. $-\frac{x}{3}\cos 3x+\frac{1}{9}\sin 3x+C$

3. $e^x(x^2-2x+2)+C$

4. $\frac{x^2}{2}\log x-\frac{x^2}{4}+C$

5. $\frac{x^2}{2}\log 2x-\frac{x^2}{4}+C$ **6.** $\frac{x^3}{3}\log x-\frac{x^3}{9}+C$

7. $\frac{1}{4}(2x^2-1)\sin^{-1}x+\frac{x\sqrt{1-x^2}}{4}+C$ **8.** $\frac{x^2}{2}\tan^{-1}x-\frac{x}{2}+\frac{1}{2}\tan^{-1}x+C$

9. $(2x^2-1)\frac{\cos^{-1}x}{4}-\frac{x}{4}\sqrt{1-x^2}+C$

10. $\left(\sin^{-1}x\right)^2 x+2\sqrt{1-x^2}\,\sin^{-1}x-2x+C$

11. $-\left[\sqrt{1-x^2}\,\cos^{-1}x+x\right]+C$ **12.** $x\tan x+\log|\cos x|+C$

13. $x\tan^{-1}x-\frac{1}{2}\log(1+x^2)+C$ **14.** $\frac{x^2}{2}(\log x)^2-\frac{x^2}{2}\log x+\frac{x^2}{4}+C$

15. $\left(\frac{x^3}{3}+x\right)\log x-\frac{x^3}{9}-x+C$ **16.** $e^x\sin x+C$

17. $\frac{e^x}{1+x}+C$ **18.** $e^x\tan\frac{x}{2}+C$

19. $\frac{e^x}{x}+C$ **20.** $\frac{e^x}{(x-1)^2}+C$

21. $\frac{e^{2x}}{5}(2\sin x-\cos x)+C$ **22.** $2x\tan^{-1}x-\log(1+x^2)+C$

23. A **24.** B

प्रश्नावली 7.7

1. $\frac{1}{2}x\sqrt{4-x^2}+2\sin^{-1}\frac{x}{2}+C$ **2.** $\frac{1}{4}\sin^{-1}2x+\frac{1}{2}x\sqrt{1-4x^2}+C$

3. $\frac{(x+2)}{2}\sqrt{x^2+4x+6}+\log\left|x+2+\sqrt{x^2+4x+6}\right|+C$

4. $\frac{(x+2)}{2}\sqrt{x^2+4x+1}-\frac{3}{2}\log\left|x+2+\sqrt{x^2+4x+1}\right|+C$

5. $\frac{5}{2}\sin^{-1}\left(\frac{x+2}{\sqrt{5}}\right)+\frac{x+2}{2}\sqrt{1-4x-x^2}+C$

6. $\frac{(x+2)}{2}\sqrt{x^2+4x-5}-\frac{9}{2}\log\left|x+2+\sqrt{x^2+4x-5}\right|+C$

7. $\frac{(2x-3)}{4}\sqrt{1+3x-x^2}+\frac{13}{8}\sin^{-1}\left(\frac{2x-3}{\sqrt{13}}\right)+C$

8. $\frac{2x+3}{4}\sqrt{x^2+3x}-\frac{9}{8}\log\left|x+\frac{3}{2}+\sqrt{x^2+3x}\right|+C$

9. $\frac{x}{6}\sqrt{x^2+9}+\frac{3}{2}\log\left|x+\sqrt{x^2+9}\right|+C$

10. A 11. D

प्रश्नावली 7.8

1. $\frac{1}{2}(b^2-a^2)$ 2. $\frac{35}{2}$ 3. $\frac{19}{3}$

4. $\frac{27}{2}$ 5. $e-\frac{1}{e}$ 6. $\frac{15+e^8}{2}$

प्रश्नावली 7.9

1. 2 2. $\log\frac{3}{2}$ 3. $\frac{64}{3}$

4. $\frac{1}{2}$ 5. 0 6. $e^4(e-1)$

7. $\frac{1}{2}\log 2$ 8. $\log\left(\frac{\sqrt{2}-1}{2-\sqrt{3}}\right)$ 9. $\frac{\pi}{2}$

10. $\frac{\pi}{4}$ 11. $\frac{1}{2}\log\frac{3}{2}$ 12. $\frac{\pi}{4}$

13. $\frac{1}{2}\log 2$ 14. $\frac{1}{5}\log 6+\frac{3}{\sqrt{5}}\tan^{-1}\sqrt{5}$

15. $\frac{1}{2}(e-1)$ 16. $5-\frac{5}{2}\left(9\log\frac{5}{4}-\log\frac{3}{2}\right)$

17. $\frac{\pi^4}{1024}+\frac{\pi}{2}+2$ 18. 0 19. $3\log 2+\frac{3\pi}{8}$

20. $1+\frac{4}{\pi}-\frac{2\sqrt{2}}{\pi}$ 21. D 22. C

प्रश्नावली 7.10

1. $\frac{1}{2}\log 2$ 2. $\frac{64}{231}$ 3. $\frac{\pi}{2}-\log 2$

4. $\frac{16\sqrt{2}}{15}(\sqrt{2}+1)$ 5. $\frac{\pi}{4}$ 6. $\frac{1}{\sqrt{17}}\log\frac{21+5\sqrt{17}}{4}$

7. $\frac{\pi}{8}$ 8. $\frac{e^2(e^2-2)}{4}$ 9. D

10. B

प्रश्नावली 7.11

1. $\frac{\pi}{4}$ 2. $\frac{\pi}{4}$ 3. $\frac{\pi}{4}$ 4. $\frac{\pi}{4}$

5. 29 6. 9 7. $\frac{1}{(n+1)(n+2)}$

8. $\frac{\pi}{8}\log 2$ 9. $\frac{16\sqrt{2}}{15}$ 10. $\frac{\pi}{2}\log\frac{1}{2}$ 11. $\frac{\pi}{2}$

12. π 13. 0 14. 0 15. 0

16. $-\pi\log 2$ 17. $\frac{a}{2}$ 18. 5 20. C

21. C

अध्याय 7 पर विविध प्रश्नावली

1. $\frac{1}{2}\log\left|\frac{x^2}{1-x^2}\right|+C$ 2. $\frac{2}{3(a-b)}\left[(x+a)^{\frac{3}{2}}-(x+b)^{\frac{3}{2}}\right]+C$

3. $-\frac{2}{a}\sqrt{\frac{(a-x)}{x}}+C$ 4. $-\left(1+\frac{1}{x^4}\right)^{\frac{1}{4}}+C$

5. $2\sqrt{x}-3x^{\frac{1}{3}}+6x^{\frac{1}{6}}-6\log(1+x^{\frac{1}{6}})+C$

6. $-\frac{1}{2}\log|x+1|+\frac{1}{4}\log(x^2+9)+\frac{3}{2}\tan^{-1}\frac{x}{3}+C$

7. $\sin a\log|\sin(x-a)|+x\cos a+C$ **8.** $\frac{x^3}{3}+C$

9. $\sin^{-1}\left(\frac{\sin x}{2}\right)+C$ **10.** $-\frac{1}{2}\sin 2x+C$

11. $\frac{1}{\sin(a-b)}\log\left|\frac{\cos(x+b)}{\cos(x+a)}\right|+C$ **12.** $\frac{1}{4}\sin^{-1}(x^4)+C$

13. $\log\left(\frac{1+e^x}{2+e^x}\right)+C$ **14.** $\frac{1}{3}\tan^{-1}x-\frac{1}{6}\tan^{-1}\frac{x}{2}+C$

15. $-\frac{1}{4}\cos^4 x+C$ **16.** $\frac{1}{4}\log(x^4+1)+C$

17. $\frac{[f(ax+b)]^{n+1}}{a(n+1)}+C$ **18.** $\frac{-2}{\sin\alpha}\sqrt{\frac{\sin(x+\alpha)}{\sin x}}+C$

19. $\frac{2(2x-1)}{\pi}\sin^{-1}\sqrt{x}+\frac{2\sqrt{x-x^2}}{\pi}-x+C$

20. $-2\sqrt{1-x}+\cos^{-1}\sqrt{x}+\sqrt{x-x^2}+C$

21. $e^x\tan x+C$ **22.** $-2\log|x+1|-\frac{1}{x+1}+3\log|x+2|+C$

23. $\frac{1}{2}\left[x\cos^{-1}x-\sqrt{1-x^2}\right]+C$ **24.** $-\frac{1}{3}\left(1+\frac{1}{x^2}\right)^{\frac{3}{2}}\left[\log\left(1+\frac{1}{x^2}\right)-\frac{2}{3}\right]+C$

25. $e^{\frac{\pi}{2}}$ **26.** $\frac{\pi}{8}$

27. $\frac{\pi}{6}$ **28.** $2\sin^{-1}\frac{(\sqrt{3}-1)}{2}$

29. $\frac{4\sqrt{2}}{3}$ **30.** $\frac{1}{40}\log 9$

31. $\frac{\pi}{2}-1$ **32.** $\frac{\pi}{2}(\pi-2)$

33. $\dfrac{19}{2}$ **40.** $\dfrac{1}{3}\left(e^2-\dfrac{1}{e}\right)$

41. A **42.** B

43. D **44.** B

प्रश्नावली 8.1

1. $\dfrac{14}{3}$ **2.** $16-4\sqrt{2}$ **3.** $\dfrac{32-8\sqrt{2}}{3}$

4. 12π **5.** 6π **6.** $\dfrac{\pi}{3}$

7. $\dfrac{a^2}{2}\left(\dfrac{\pi}{2}-1\right)$ **8.** $(4)^{\frac{2}{3}}$ **9.** $\dfrac{1}{3}$

10. $\dfrac{9}{8}$ **11.** $8\sqrt{3}$ **12.** A **13.** B

प्रश्नावली 8.2

1. $\dfrac{\sqrt{2}}{6}+\dfrac{9}{4}\sin^{-1}\dfrac{2\sqrt{2}}{3}$ **2.** $\left(\dfrac{2\pi}{3}-\dfrac{\sqrt{3}}{2}\right)$

3. $\dfrac{21}{2}$ **4.** 4 **5.** 8

6. B **7.** B

अध्याय 8 पर विविध प्रश्नावली

1. (i) $\dfrac{7}{3}$ (ii) 624.8

2. $\dfrac{1}{6}$ **3.** $\dfrac{7}{3}$ **4.** 9 **5.** 4

6. $\dfrac{8}{3}\dfrac{a^2}{m^3}$ **7.** 27 **8.** $\dfrac{3}{2}(\pi-2)$

9. $\frac{ab}{4}(\pi-2)$ **10.** $\frac{9}{2}$ **11.** 2 **12.** $\frac{1}{3}$

13. 7 **14.** $\frac{7}{2}$ **15.** $\frac{9\pi}{8}-\frac{9}{4}\sin^{-1}\left(\frac{1}{3}\right)+\frac{1}{3\sqrt{2}}$

16. D **17.** C **18.** C **19.** B

प्रश्नावली 9.1

1. कोटि 4; घात परिभाषित नहीं **2.** कोटि 1; घात 1

3. कोटि 2; घात 1 **4.** कोटि 2; घात परिभाषित नहीं

5. कोटि 2; घात 1 **6.** कोटि 3; घात 2

7. कोटि 3; घात 1 **8.** कोटि 1; घात 1

9. कोटि 2; घात 1 **10.** कोटि 2; घात 1

11. D **12.** A

प्रश्नावली 9.2

11. D **12.** D

प्रश्नावली 9.3

1. $y'' = 0$ **2.** $xy\, y'' + x\,(y')^2 - y\, y' = 0$

3. $y'' - y' - 6y = 0$ **4.** $y'' - 4y' + 4y = 0$

5. $y'' - 2y' + 2y = 0$ **6.** $2xyy' + x^2 = y^2$

7. $xy' - 2y = 0$ **8.** $xyy'' + x(y')^2 - yy' = 0$

9. $xyy'' + x(y')^2 - yy' = 0$ **10.** $(x^2 - 9)\,(y')^2 + x^2 = 0$

11. B **12.** C

प्रश्नावली 9.4

1. $y=2\tan\frac{x}{2}-x+C$ **2.** $y = 2\sin(x + C)$

3. $y = 1 + Ae^{-x}$ **4.** $\tan x \tan y = C$

5. $y = \log(e^x + e^{-x}) + C$ **6.** $\tan^{-1}y = x+\frac{x^3}{3}+C$

7. $y = e^{cx}$

8. $x^{-4} + y^{-4} = C$

9. $y = x \sin^{-1}x + \sqrt{1-x^2} + C$

10. $\tan y = C\,(1 - e^x)$

11. $y=\frac{1}{4}\log\left[(x+1)^2\,(x^2+1)^3\right]-\frac{1}{2}\tan^{-1}x+1$

12. $y=\frac{1}{2}\log\left(\frac{x^2-1}{x^2}\right)-\frac{1}{2}\log\frac{3}{4}$

13. $\cos\left(\frac{y-2}{x}\right)=a$

14. $y = \sec x$

15. $2y - 1 = e^x\,(\sin x - \cos x)$

16. $y - x + 2 = \log\,(x^2\,(y+2)^2)$

17. $y^2 - x^2 = 4$

18. $(x+4)^2 = y + 3$

19. $(63t+27)^{\frac{1}{3}}$

20. 6.93%

21. Rs 1648

22. $\dfrac{2\log 2}{\log\left(\frac{11}{10}\right)}$

23. A

प्रश्नावली 9.5

1. $(x-y)^2=Cx\,e^{\frac{-y}{x}}$

2. $y=x\log|x|+Cx$

3. $\tan^{-1}\left(\frac{y}{x}\right)=\frac{1}{2}\log(x^2+y^2)+C$

4. $x^2 + y^2 = Cx$

5. $\frac{1}{2\sqrt{2}}\log\left|\frac{x+\sqrt{2}y}{x-\sqrt{2}y}\right|=\log|x|+C$

6. $y+\sqrt{x^2+y^2}=Cx^2$

7. $xy\cos\left|\frac{y}{x}\right| = C$

8. $x\left[1-\cos\left(\frac{y}{x}\right)\right]=C\sin\left(\frac{y}{x}\right)$

9. $cy=\log\frac{y}{x}-1$

10. $ye^{\frac{x}{y}}+x=C$

11. $\log\,(x^2+y^2) + 2\tan^{-1}\frac{y}{x} = \frac{\pi}{2}+\log 2$

12. $y + 2x = 3x^2 y$

13. $\cot\left(\frac{y}{x}\right)=\log|ex|$

14. $\cos\left(\frac{y}{x}\right)=\log|ex|$

15. $y=\frac{2x}{1-\log|x|}\,(x\neq 0,\ x\neq e)$

16. C

17. D

प्रश्नावली 9.6

1. $y = \frac{1}{5}(2\sin x - \cos x) + C\,e^{-2x}$ **2.** $y = e^{-2x} + Ce^{-3x}$

3. $xy = \frac{x^4}{4} + C$ **4.** $y(\sec x + \tan x) = \sec x + \tan x - x + C$

5. $y = (\tan x - 1) + C\,e^{-\tan x}$ **6.** $y = \frac{x^2}{16}(4\log|x| - 1) + Cx^{-2}$

7. $y\log x = \frac{-2}{x}(1 + \log|x|) + C$ **8.** $y = (1+x^2)^{-1}\ \log|\sin x| + C(1+x^2)^{-1}$

9. $y = \frac{1}{x} - \cot x + \frac{C}{x\sin x}$ **10.** $(x + y + 1) = C\,e^{y}$

11. $x = \frac{y^2}{3} + \frac{C}{y}$ **12.** $x = 3y^2 + Cy$

13. $y = \cos x - 2\cos^2 x$ **14.** $y(1 + x^2) = \tan^{-1} x - \frac{\pi}{4}$

15. $y = 4\sin^3 x - 2\sin^2 x$ **16.** $x + y + 1 = e^{x}$

17. $y = 4 - x - 2\,e^{x}$ **18.** C **19.** D

अध्याय 9 पर विविध प्रश्नावली

1. (i) कोटि 2; घात 1 (ii) कोटि 1; घात 3

(iii) कोटि 4; घात परिभाषित नहीं

3. $y' = \frac{2y^2 - x^2}{4xy}$ **5.** $(x + yy')^2 = (x - y)^2(1 + (y')^2)$

6. $\sin^{-1}y + \sin^{-1}x = C$ **8.** $\cos y = \frac{\sec x}{\sqrt{2}}$

9. $\tan^{-1} y + \tan^{-1}(e^{x}) = \frac{\pi}{2}$ **10.** $e^{\frac{x}{y}} = y + C$

11. $\log|x - y| = x + y + 1$ **12.** $y\,e^{2\sqrt{x}} = (2\sqrt{x} + C)$

13. $y\sin x = 2x^2 - \frac{\pi^2}{2}\ (\sin x \neq 0)$ **14.** $y = \log\left|\frac{2x+1}{x+1}\right|,\ x \neq -1$

15. 31250 **16.** C

17. C **18.** C

प्रश्नावली 10.1

1. संलग्न आकृति में, सदिश $\overrightarrow{OP}$ वांछित विस्थापन को निरूपित करता है।

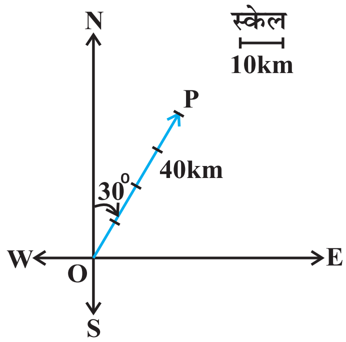

2. (i) अदिश (ii) सदिश (iii) अदिश (iv) अदिश (v) अदिश
(vi) सदिश

3. (i) अदिश (ii) अदिश (iii) सदिश (iv) सदिश (v) अदिश

4. (i) सदिश $\vec{a}$ और $\vec{b}$ सह-अदिम हैं।
(ii) सदिश $\vec{b}$ और $\vec{d}$ समान है।
(iii) सदिश $\vec{a}$ और $\vec{c}$ संरेख है परंतु समान नहीं हैं।

5. (i) सत्य (ii) असत्य (iii) असत्य (iv) असत्य

प्रश्नावली 10.2

1. $|\vec{a}|=\sqrt{3}, |\vec{b}|=\sqrt{62}, |\vec{c}|=1$

2. संभावित उत्तरों की संख्या अनंत है।

3. संभावित उत्तरों की संख्या अनंत है।

4. $x = 2, y = 3$ **5.** -7 और 6; $-7\hat{i}$ और $6\hat{j}$

6. $-4\hat{j}-\hat{k}$ **7.** $\dfrac{1}{\sqrt{6}}\hat{i}+\dfrac{1}{\sqrt{6}}\hat{j}+\dfrac{2}{\sqrt{6}}\hat{k}$

8. $\dfrac{1}{\sqrt{3}}\hat{i}+\dfrac{1}{\sqrt{3}}\hat{j}+\dfrac{1}{\sqrt{3}}\hat{k}$ **9.** $\dfrac{1}{\sqrt{2}}\hat{i}+\dfrac{1}{\sqrt{2}}\hat{k}$

10. $\frac{40}{\sqrt{30}}\hat{i}-\frac{8}{\sqrt{30}}\hat{j}+\frac{16}{\sqrt{30}}\hat{k}$ **12.** $\frac{1}{\sqrt{14}},\frac{2}{\sqrt{14}},\frac{3}{\sqrt{14}}$

13. $-\frac{1}{3},-\frac{2}{3},\frac{2}{3}$ **15.** (i) $-\frac{1}{3}\hat{i}+\frac{4}{3}\hat{j}+\frac{1}{3}\hat{k}$ (ii) $-3\hat{i}+3\hat{k}$

16. $3\hat{i}+2\hat{j}+\hat{k}$ **18.** (C) **19.** (C)

प्रश्नावली 10.3

1. $\frac{\pi}{4}$ **2.** $\cos^{-1}\left(\frac{5}{7}\right)$ **3.** 0

4. $\frac{60}{\sqrt{114}}$ **6.** $\frac{16\sqrt{2}}{3\sqrt{7}},\frac{2\sqrt{2}}{3\sqrt{7}}$ **7.** $6|\vec{a}|^2+11\vec{a}.\vec{b}-35|\vec{b}|^2$

8. $|\vec{a}|=1,|\vec{b}|=1$ **9.** $\sqrt{13}$ **10.** 8

12. सदिश $\vec{b}$ कोई भी सदिश हो सकता है। **13.** $\frac{-3}{2}$

14. कोई भी दो ऋणेतर और परस्पर लंबवत् सदिशों $\vec{a}$ और $\vec{b}$ को लीजिए

15. $\cos^{-1}\left(\frac{10}{\sqrt{102}}\right)$ **18.** (D)

प्रश्नावली 10.4

1. $19\sqrt{2}$ **2.** $\pm\frac{2}{3}\hat{i}\mp\frac{2}{3}\hat{j}\mp\frac{1}{3}\hat{k}$ **3.** $\frac{\pi}{3};\ \frac{1}{2},\frac{1}{\sqrt{2}},\frac{1}{2}$

5. $3,\frac{27}{2}$ **6.** या $|\vec{a}|=0$ या $|\vec{b}|=0$

8. नहीं; कोई भी शून्येतर संरेख सदिशों को लीजिए।

9. $\frac{\sqrt{61}}{2}$ **10.** $15\sqrt{2}$ **11.** (B) **12.** (C)

अध्याय 10 पर विविध प्रश्नावली

1. $\frac{\sqrt{3}}{2}\hat{i}+\frac{1}{2}\hat{j}$

2. $x_2-x_1, y_2-y_1, z_2-z_1; \sqrt{(x_2-x_1)^2+(y_2-y_1)^2+(z_2-z_1)^2}$

3. $\frac{-5}{2}\hat{i}+\frac{3\sqrt{3}}{2}\hat{j}$

4. नहीं; $\vec{a}$, $\vec{b}$ और $\vec{c}$ को त्रिभुज की तीनों भुजाओं को निरूपित करते हुए लीजिए।

5. $\pm\frac{1}{\sqrt{3}}$ **6.** $\frac{3}{2}\sqrt{10}\,\hat{i}+\frac{\sqrt{10}}{2}\hat{j}$ **7.** $\frac{3}{\sqrt{22}}\hat{i}-\frac{3}{\sqrt{22}}\hat{j}+\frac{2}{\sqrt{22}}\hat{k}$

8. $2:3$ **9.** $3\vec{a}+5\vec{b}$ **10.** $\frac{1}{7}(3\hat{i}-6\hat{j}+2\hat{k})$; $11\sqrt{5}$

12. $\frac{1}{3}(160\hat{i}-5\hat{j}-70\hat{k})$ **13.** $\lambda = 1$ **16.** (B)

17. (D) **18.** (C) **19.** (B)

प्रश्नावली 11.1

1. $0, \frac{-1}{\sqrt{2}}, \frac{1}{\sqrt{2}}$ **2.** $\pm\frac{1}{\sqrt{3}}, \pm\frac{1}{\sqrt{3}}, \pm\frac{1}{\sqrt{3}}$ **3.** $\frac{-9}{11}, \frac{6}{11}, \frac{-2}{11}$

5. $\frac{-2}{\sqrt{17}}, \frac{-2}{\sqrt{17}}, \frac{3}{17}$; $\frac{-2}{\sqrt{17}}, \frac{-3}{\sqrt{17}}, \frac{-2}{\sqrt{17}}$; $\frac{4}{\sqrt{42}}, \frac{5}{\sqrt{42}}, \frac{-1}{\sqrt{42}}$

प्रश्नावली 11.2

4. $\vec{r}=\hat{i}+2\hat{j}+3\hat{k}+\lambda(3\hat{i}+2\hat{j}-2\hat{k})$ जहाँ λ एक वास्तविक संख्या है।

5. $\vec{r}=2\hat{i}-\hat{j}+4\hat{k}+\lambda(\hat{i}+2\hat{j}-\hat{k})$ और कार्तीय रूप $\frac{x-2}{1}=\frac{y+1}{2}=\frac{z-4}{-1}$ है।

6. $\frac{x+2}{3}=\frac{y-4}{5}=\frac{z+5}{6}$

7. $\vec{r}=(5\hat{i}-4\hat{j}+6\hat{k})+\lambda(3\hat{i}+7\hat{j}+2\hat{k})$

8. रेखा का सदिश समीकरण : $\vec{r}=\lambda(5\hat{i}-2\hat{j}+3\hat{k})$;

रेखा का कार्तीय समीकरण : $\frac{x}{5}=\frac{y}{-2}=\frac{z}{3}$

9. रेखा का सदिश समीकरण : $\vec{r}=3\hat{i}-2\hat{j}-5\hat{k}+\lambda(11\hat{k})$

रेखा का कार्तीय समीकरण : $\frac{x-3}{0}=\frac{y+2}{0}=\frac{z+5}{11}$

10. (i) $\theta = \cos^{-1}\left(\frac{19}{21}\right)$, (ii) $\theta = \cos^{-1}\left(\frac{8}{5\sqrt{3}}\right)$

11. (i) $\theta = \cos^{-1}\left(\frac{26}{9\sqrt{38}}\right)$ (ii) $\theta = \cos^{-1}\left(\frac{2}{3}\right)$

12. $p = \frac{70}{11}$ **14.** $\frac{3\sqrt{2}}{2}$ **15.** $2\sqrt{29}$

16. $\frac{3}{\sqrt{19}}$ **17.** $\frac{8}{\sqrt{29}}$

प्रश्नावली 11.3

1. (a) 0, 0, 1; 2 (b) $\frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}, \frac{1}{\sqrt{3}}; \frac{1}{\sqrt{3}}$

(c) $\frac{2}{\sqrt{14}}, \frac{3}{\sqrt{14}}, \frac{-1}{\sqrt{14}}; \frac{5}{\sqrt{14}}$ (d) 0, 1, 0; $\frac{8}{5}$

2. $\vec{r}\cdot\left(\frac{3\hat{i}+5\hat{j}-6\hat{k}}{\sqrt{70}}\right) = 7$

3. (a) $x + y - z = 2$ (b) $2x + 3y - 4z = 1$

(c) $(s - 2t)\,x + (3 - t)\,y + (2s + t)\,z = 15$

4. (a) $\left(\frac{24}{29}, \frac{36}{29}, \frac{48}{29}\right)$ (b) $\left(0, \frac{18}{25}, \frac{24}{25}\right)$

(c) $\left(\frac{1}{3}, \frac{1}{3}, \frac{1}{3}\right)$ (d) $\left(0, \frac{-8}{5}, 0\right)$

5. (a) $[\vec{r} - (\hat{i} - 2\hat{k})]\cdot(\hat{i} + \hat{j} - \hat{k}) = 0$; $x + y - z = 3$

(b) $[\vec{r} - (\hat{i} + 4\hat{j} + 6\hat{k})]\cdot(\hat{i} - 2\hat{j} + \hat{k}) = 0$; $x - 2y + z + 1 = 0$

6. (a) बिंदु संरेख हैं। दिए गए बिंदुओं से जाने वाले तलों की संख्या अनंत होगी।

(b) $2x + 3y - 3z = 5$

7. $\frac{5}{2}$, 5, –5 **8.** $y = 3$ **9.** $7x - 5y + 4z - 8 = 0$

10. $\vec{r}\cdot(38\hat{i} + 68\hat{j} + 3\hat{k}) = 153$ **11.** $x - z + 2 = 0$

12. $\cos^{-1}\left(\frac{15}{\sqrt{731}}\right)$

13. (a) $\cos^{-1}\left(\frac{2}{5}\right)$ (b) तल आपस में लंबवत् हैं।
(c) तल आपस में समांतर हैं। (d) तल आपस में समांतर हैं।
(e) 45^{o}

14. (a) $\frac{3}{13}$ (b) $\frac{13}{3}$
(c) 3 (d) 2

अध्याय 11 पर विविध प्रश्नावली

3. $90°$ **4.** $\frac{x}{1}=\frac{y}{0}=\frac{z}{0}$ **5.** 0^{o}

6. $k=\frac{-10}{7}$ **7.** $\vec{r}=\hat{i}+2\hat{j}+3\hat{k}+\lambda(\hat{i}+2\hat{j}-5\hat{k})$

8. $x+y+z=a+b+c$ **9.** 9

10. $\left(0, \frac{17}{2}, \frac{-13}{2}\right)$ **11.** $\left(\frac{17}{3}, 0, \frac{23}{3}\right)$ **12.** $(1, -2, 7)$

13. $7x-8y+3z+25=0$ **14.** $p=\frac{3}{2}$ or $\frac{11}{6}$ or $\frac{7}{3}$

15. $y-3z+6=0$ **16.** $x+2y-3z-14=0$

17. $33x+45y+50z-41=0$ **18.** 13

19. $\vec{r}=\hat{i}+2\hat{j}+3\hat{k}+\lambda(-3\hat{i}+5\hat{j}+4\hat{k})$

20. $\vec{r}=\hat{i}+2\hat{j}-4\hat{k}+\lambda(2\hat{i}+3\hat{j}+6\hat{k})$ **22.** D

23. B

प्रश्नावली 12.1

1. $(0, 4)$ पर अधिकतम $Z=16$

2. $(4, 0)$ पर न्यूनतम $Z=-12$

3. $\left(\frac{20}{19}, \frac{45}{19}\right)$ पर अधिकतम $Z=\frac{235}{19}$

4. $\left(\frac{3}{2}, \frac{1}{2}\right)$ पर न्यूनतम $Z=7$

5. (4, 3) पर अधिकतम Z = 18

6. (6, 0) और (0, 3) को मिलाने वाली रेखा खंड पर स्थित सभी बिंदुओं पर न्यूनतम Z = 6.

7. (60, 0) पर न्यूनतम Z = 300;

(120, 0) और (60, 30) को मिलाने वाली रेखा खंड पर स्थित सभी बिंदुओं पर अधिकतम Z = 600;

8. (0, 50) और (20, 40) को मिलाने वाली रेखाखंड पर स्थित सभी बिंदुओं पर न्यूनतम Z = 100.

(0, 200) पर अधिकतम Z = 400

9. Z का कोई अधिकतम मान नहीं है।

10. चूँकि कोई सुसंगत क्षेत्र नहीं है अत: Z का अधिकतम मान नहीं है।

प्रश्नावली 12.2

1. $\left(\frac{8}{3},0\right)$ और $\left(2,\frac{1}{2}\right)$ को मिलाने वाली रेखा खंड के सभी बिंदुओं पर न्यूनतम मूल्य = Rs 160 .

2. केकों की अधिकतम संख्या = 30 एक प्रकार की तथा 10 अन्य प्रकार की हैं।

3. (i) 4 टेनिस रैकट तथा 12 क्रिकेट बल्ले

(ii) अधिकतम लाभ = Rs 200

4. नट के तीन पैकिट तथा वोल्ट के तीन पैकिट; अधिकतम लाभ = Rs 73.50.

5. 30 पैकिट A प्रकार के पेंच तथा 20 पैकिट B प्रकार की पेंचो के तथा अधिकतम लाभ = Rs 410

6. 4 आधार लैंप और 4 काठ का ढक्कन; अधिकतम लाभ = Rs 32

7. A प्रकार के 8 स्मृति चिह्न तथा B प्रकार के 20 स्मृति चिह्न; अधिकतम लाभ = Rs 160.

8. 200 डेस्कटॉप के नमूने तथा 50 पोर्टेबल नमूने; अधिकतम लाभ = Rs 1150000.

9. $Z = 4x + 6y$ का न्यूनतमीकरण कीजिए जबकि $3x + 6y \geq 80$, $4x + 3y \geq 100$, $x \geq 0$ और $y \geq 0$, जहाँ x और y क्रमश: भोज्य F_1 और F_2 की इकाईयों को दर्शाते हैं; न्यूनतम मूल्य = Rs 104

10. उर्वरक F_1 के 100 kg और उर्वरक F_2 के 80 kg; न्यूनतम मूल्य = Rs 1000

11. (D)

अध्याय 12 पर विविध प्रश्नावली

1. 40 पैकिट भोज्य P के और 15 पैकिट भोज्य Q के; विटामिन A की अधिकतम मात्रा = 285 इकाई
2. P प्रकार के 3 थैले और Q प्रकार के 6 थैले; मिश्रण का न्यूनतम मूल्य = Rs 1950
3. मिश्रण का न्यूनतम मूल्य Rs 112 (भोज्य X का 2 kg तथा भोज्य Y का 4 kg).
5. प्रथम श्रेणी के 40 टिकट तथा साधारण श्रेणी के 160 टिकट; अधिकतम लाभ = Rs 136000.
6. A से : 10, 50 और 40 इकाईयाँ; B से : 50, 0 और 0 इकाईयाँ क्रमशः D, E और F को भेजी जाती है तथा न्यूनतम मूल्य = Rs 510
7. A से : 500, 3000 और 3500 लीटर; B से: 4000, 0 और 0 लीटर तेल क्रमशः D, E और F को भेजी जाती है तथा न्यूनतम मूल्य = Rs 4400
8. P प्रकार के 40 थैले और Q प्रकार के 100 थैले; नाइट्रोजन की न्यूनतम मात्रा = 470 kg.
9. P प्रकार के 140 थैले और Q प्रकार के 50 थैले; नाइट्रोजन की अधिकतम मात्रा = 595 kg.
10. A प्रकार की 800 गुड़ियाँ और B प्रकार की 400 गुड़ियाँ; अधिकतम लाभ = Rs 16000

प्रश्नावली 13.1

1. $P(E|F)=\frac{2}{3}, P(F|E)=\frac{1}{3}$ 2. $P(A|B)=\frac{16}{25}$
3. (i) 0.32   (ii) 0.64   (iii) 0.98
4. $\frac{11}{26}$
5. (i) $\frac{4}{11}$ (ii) $\frac{4}{5}$ (iii) $\frac{2}{3}$
6. (i) $\frac{1}{2}$ (ii) $\frac{3}{7}$ (iii) $\frac{6}{7}$
7. (i) 1   (ii) 0
8. $\frac{1}{6}$ 9. 1   10. (a) $\frac{1}{3}$, (b) $\frac{1}{9}$
11. (i) $\frac{1}{2}, \frac{1}{3}$ (ii) $\frac{1}{2}, \frac{2}{3}$ (iii) $\frac{3}{4}, \frac{1}{4}$

12. (i) $\frac{1}{2}$ (ii) $\frac{1}{3}$ **13.** $\frac{5}{9}$

14. $\frac{1}{15}$ **15.** 0 **16.** C **17.** D

प्रश्नावली 13.2

1. $\frac{3}{25}$ **2.** $\frac{25}{102}$ **3.** $\frac{44}{91}$

4. A और B परस्पर स्वतंत्र हैं। **5.** A और B परस्पर स्वतंत्र नहीं हैं।

6. E और F परस्पर स्वतंत्र नहीं हैं।

7. (i) $p = \frac{1}{10}$ (ii) $p = \frac{1}{5}$

8. (i) 0.12 (ii) 0.58 (iii) 0.3 (iv) 0.4

9. $\frac{3}{8}$ **10.** A और B परस्पर स्वतंत्र नहीं हैं।

11. (i) 0.18 (ii) 0.12 (iii) 0.72 (iv) 0.28

12. $\frac{7}{8}$ **13.** (i) $\frac{16}{81}$, (ii) $\frac{20}{81}$, (iii) $\frac{40}{81}$

14. (i) $\frac{2}{3}$, (ii) $\frac{1}{2}$ **15.** (i), (ii) **16.** (a) $\frac{1}{5}$, (b) $\frac{1}{3}$, (c) $\frac{1}{2}$

17. D **18.** B

प्रश्नावली 13.3

1. $\frac{1}{2}$ **2.** $\frac{2}{3}$ **3.** $\frac{9}{13}$ **4.** $\frac{12}{13}$

5. $\frac{22}{133}$ **6.** $\frac{4}{9}$ **7.** $\frac{1}{52}$ **8.** $\frac{1}{4}$

9. $\frac{2}{9}$ **10.** $\frac{8}{11}$ **11.** $\frac{5}{34}$ **12.** $\frac{11}{50}$

13. A **14.** C

प्रश्नावली 13.4

1. (ii), (iii) और (iv) **2.** $X = 0, 1, 2$; हाँ **3.** $X = 6, 4, 2, 0$

4. (i)

X	0	1	2
P(X)	$\frac{1}{4}$	$\frac{1}{2}$	$\frac{1}{4}$

(ii)

X	0	1	2	3
P(X)	$\frac{1}{8}$	$\frac{3}{8}$	$\frac{3}{8}$	$\frac{1}{8}$

(iii)

X	0	1	2	3	4
P(X)	$\frac{1}{16}$	$\frac{1}{4}$	$\frac{3}{8}$	$\frac{1}{4}$	$\frac{1}{16}$

5. (i)

X	0	1	2
P(X)	$\frac{4}{9}$	$\frac{4}{9}$	$\frac{1}{9}$

(ii)

X	0	1
P(X)	$\frac{25}{36}$	$\frac{11}{36}$

6.

X	0	1	2	3	4
P(X)	$\frac{256}{625}$	$\frac{256}{625}$	$\frac{96}{625}$	$\frac{16}{625}$	$\frac{1}{625}$

7.

X	0	1	2
P(X)	$\frac{9}{16}$	$\frac{6}{16}$	$\frac{1}{16}$

8. (i) $k = \frac{1}{10}$ (ii) $P(X < 3) = \frac{3}{10}$ (iii) $P(X > 6) = \frac{17}{100}$

(iv) $P(0 < X < 3) = \frac{3}{10}$

9. (a) $k=\frac{1}{6}$ (b) $P(X<2)=\frac{1}{2}, P(X\le 2)=1, P(X\ge 2)=\frac{1}{2}$

10. 1.5 **11.** $\frac{1}{3}$ **12.** $\frac{14}{3}$

13. Var(X) = 5.833, S.D = 2.415

14.

X	14	15	16	17	18	19	20	21
P(X)	$\frac{2}{15}$	$\frac{1}{15}$	$\frac{2}{15}$	$\frac{3}{15}$	$\frac{1}{15}$	$\frac{2}{15}$	$\frac{3}{15}$	$\frac{1}{15}$

माध्य = 17.53, Var(X) = 4.78 और S.D(X) = 2.19

15. E(X) = 0.7 और Var (X) = 0.21 **16.** B **17.** D

प्रश्नावली 13.5

1. (i) $\frac{3}{32}$ (ii) $\frac{7}{64}$ (iii) $\frac{63}{64}$

2. $\frac{25}{216}$ **3.** $\left(\frac{29}{20}\right)\left(\frac{19}{20}\right)^9$

4. (i) $\frac{1}{1024}$ (ii) $\frac{45}{512}$ (iii) $\frac{243}{1024}$

5. (i) $(0.95)^5$ (ii) $(0.95)^4 \times 1.2$ (iii) $1-(0.95)^4 \times 1.2$
(iv) $1-(0.95)^5$

6. $\left(\frac{9}{10}\right)^4$ **7.** $\left(\frac{1}{2}\right)^{20}\left[20C_{12}+{}^{20}C_{13}+\ldots+{}^{20}C_{20}\right]$

9. $\frac{11}{243}$

10. (a) $1-\left(\frac{99}{100}\right)^{50}$ (b) $\frac{1}{2}\left(\frac{99}{100}\right)^{49}$ (c) $1-\frac{149}{100}\left(\frac{99}{100}\right)^{49}$

11. $\frac{7}{12}\left(\frac{5}{6}\right)^5$ **12.** $\frac{35}{18}\left(\frac{5}{6}\right)^4$ **13.** $\frac{22\times 9^3}{10^{11}}$

14. C **15.** A

अध्याय 13 पर विविध प्रश्नावली

1. (i) 1 (ii) 0

2. (i) $\frac{1}{3}$ (ii) $\frac{1}{2}$

3. $\frac{20}{21}$

4. $1-\sum_{r=7}^{10} {}^{10}C_r (0.9)^r (0.1)^{10-r}$

5. (i) $\left(\frac{2}{5}\right)^6$ (ii) $7\left(\frac{2}{5}\right)^4$ (iii) $1-\left(\frac{2}{5}\right)^6$ (iv) $\frac{864}{3125}$

6. $\frac{5^{10}}{2\times 6^9}$

7. $\frac{625}{23328}$

8. $\frac{2}{7}$

9. $\frac{31}{9}\left(\frac{2}{3}\right)^4$

10. $n \geq 4$

11. $\frac{-91}{54}$

12. $\frac{1}{15}, \frac{2}{5}, \frac{8}{15}$

13. $\frac{14}{29}$

14. $\frac{3}{16}$

15. (i) 0.5 (ii) 0.05

16. $\frac{16}{31}$

17. A

18. C

19. B

ijd ikB; lkexh

vè;k; 7

7.6.3. $\int (px+q)\sqrt{ax^2+bx+c}\,dx.$

ge vpj A vkj B bl idkj pqurs g fd

$$px+q = \mathrm{A}\left[\frac{d}{dx}(ax^2+bx+c)\right]+\mathrm{B}$$

$$= \mathrm{A}(2ax+b)+\mathrm{B}$$

nkuk i{kk e x os x.kkdk vkj vpj ink dh ryuk dju ij] ge ikIr gkrk gμ

$$2a\mathrm{A} = p \text{ vkj } \mathrm{A}b+\mathrm{B}=q$$

bu lehdj.kk dk gy dju ij] A vkj B o eku ikIr gk tkr gA bl idkj] lekdy fuEu e ifjofrr gk tkrk gμ

$$\mathrm{A}\int (2ax+b)\sqrt{ax^2+bx+c}\,dx+\mathrm{B}\int\sqrt{ax^2+bx+c}\,dx$$

$$= \mathrm{AI_1}+\mathrm{BI_2}\text{] tgk}$$

$$\mathrm{I_1} = \int (2ax+b)\sqrt{ax^2+bx+c}\,dx \text{ gA}$$

$ax^2+bx+c=t$, jf[k,A rc] $(2ax+b)dx=dt$ gA

vr%] $\mathrm{I_1} = \frac{2}{3}(ax^2+bx+c)^{\frac{3}{2}}+\mathrm{C_1}$

blh idkj] $\mathrm{I_2} = \int\sqrt{ax^2+bx+c}\,dx$

ikB; iLrd o i"B 328 ij 7-6-2 e ppk fd, x, lekdy l= dk i;kx djo Kkr fd;k tkrk gA bl idkj] $\int (px+q)\sqrt{ax^2+bx+c}\,dx$ dk eku vrr% Kkr dj fy;k tkrk gSA

mnkgj.k 25 $\int x\sqrt{1+x-x^2}\,dx$ Kkr dhft,A

gy mij n'kk, xb fof/ viukr g,] ge fy[kr gµ

$$x = \mathrm{A}\left[\frac{d}{dx}\left(1+x-x^2\right)\right]+\mathrm{B}$$

$$= \mathrm{A}\,(1 - 2x) + \mathrm{B}$$

nkuk i{kk e] x oQ x.kkdk vkj vpj ink dk cjkcj dju ij] ge $-2\mathrm{A}=1$ vkj $\mathrm{A}+\mathrm{B}=0$ iklr gkrk gSA

bu lehdj.kk dk gy dju ij] ge $\mathrm{A} = -\frac{1}{2}$ vkj $\mathrm{B}=\frac{1}{2}$ iklr djr gSA bl idkj] lekdy fuEu e ijkofrr gk tkrk gµ

$$\int x\sqrt{1+x-x^2}\,dx = -\frac{1}{2}\int (1-2x)\sqrt{1+x-x^2}\,dx+\frac{1}{2}\int\sqrt{1+x-x^2}\,dx$$

$$= -\frac{1}{2}\mathrm{I}_1+\frac{1}{2}\mathrm{I}_2 \qquad (1)$$

$\mathrm{I}_1 = \int (1-2x)\sqrt{1+x-x^2}\,dx$ ij fopkj dhft,A

$1 + x - x^2 = t$ jf[k,A rc, $(1 - 2x)dx = dt$ gSA

bl idkj] $\mathrm{I}_1 = \int (1-2x)\sqrt{1+x-x^2}\,dx = \int t^{\frac{1}{2}}dt = \frac{2}{3}t^{\frac{3}{2}}+\mathrm{C}_1$

$$=\frac{2}{3}\left(1+x-x^2\right)^{\frac{3}{2}}+\mathrm{C}_1,$$ tgk C_1 dkb vpj gSA

vkx] $\mathrm{I}_2 = \int\sqrt{1+x-x^2}\,dx$ ij fopkj dhft,A

;g lekdy $= \int\sqrt{\frac{5}{4}-\left(x-\frac{1}{2}\right)^2}\,dx$

$x-\frac{1}{2}=t$ jf[k,A rc] $dx = dt$ gSA

vr%] $$\mathrm{I}_2 = \int\sqrt{\left(\frac{\sqrt{5}}{2}\right)^2-t^2}\,dt$$

$$= \frac{1}{2}t\sqrt{\frac{5}{4}-t^2}+\frac{1}{2}\cdot\frac{5}{4}\sin^{-1}\frac{2t}{\sqrt{5}}+C_2$$

$$= \frac{1}{2}\frac{(2x-1)}{2}\sqrt{\frac{5}{4}-(x-\frac{1}{2})^2}+\frac{5}{8}\sin^{-1}\left(\frac{2x-1}{\sqrt{5}}\right)+C_2$$

$$= \frac{1}{4}(2x-1)\sqrt{1+x-x^2}+\frac{5}{8}\sin^{-1}\left(\frac{2x-1}{\sqrt{5}}\right)+C_2,$$

tgk C_2 dkb vpj gA

(1) e I_1 vkj I_2 o‍ eku j[ku ij] ge ikIr gkrk gµ

$$\int x\sqrt{1+x-x^2}\,dx = -\frac{1}{3}(1+x-x^2)^{\frac{3}{2}}+\frac{1}{8}(2x-1)\sqrt{1+x-x^2}$$

$$+\frac{5}{16}\sin^{-1}\left(\frac{2x-1}{\sqrt{5}}\right)+C, \text{ tgk}$$

$$C = -\frac{C_1+C_2}{2}$$,d vU; vpj gA

i'ukoyh 7.7 o‍ vr e] fuEufyf[kr i'u lfEefyr dhft ,

12. $x\sqrt{x+x^2}$ **13.** $(x+1)\sqrt{2x^2+3}$ **14.** $(x+3)\sqrt{3-4x-x^2}$

mÙkj

12. $\frac{1}{3}(x^2+x)^{\frac{3}{2}}-\frac{(2x+1)\sqrt{x^2+x}}{8}+\frac{1}{16}\log|x+\frac{1}{2}+\sqrt{x^2+x}|+C$

13. $\frac{1}{6}(2x^2+3)^{\frac{3}{2}}+\frac{x}{2}\sqrt{2x^2+3}+\frac{3\sqrt{2}}{4}\log\left|x+\sqrt{x^2+\frac{3}{2}}\right|+C$

14. $-\frac{1}{3}(3-4x-x^2)^{\frac{3}{2}}+\frac{7}{2}\sin^{-1}\left(\frac{x+2}{\sqrt{7}}\right)+\frac{(x+2)\sqrt{3-4x-x^2}}{2}+C$

vè;k; 10

10.7 vfn'k f=kd x.kuiQy

eku yhft, fd $\vec{a},\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ dkb rhu lfn'k gA $\vec{a}$ vkj $(\vec{b}\times\vec{c})$ oQ vfn'k x.kuiQy] vFkkr $\vec{a}\cdot(\vec{b}\times\vec{c})$ dk $\vec{a},\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ dk blh oQe e vfn'k f=kd x.kuiQy dgr gA bl $[\vec{a},\vec{b},\vec{c}]$ (;k $[\vec{a}\,\vec{b}\,\vec{c}]$) }kjk O;Dr fd;k tkrk gA bl idkj] ge ikr gμ

$$[\vec{a},\vec{b},\vec{c}] = \vec{a}\cdot(\vec{b}\times\vec{c})$$

i{k.k

1. D;kfd $(\vec{b}\times\vec{c})$,d lfn'k g] blfy, $\vec{a}\cdot(\vec{b}\times\vec{c})$,d vfn'k jkf'k g] vFkkr $[\vec{a},\vec{b},\vec{c}]$,d vfn'k jkf'k gA

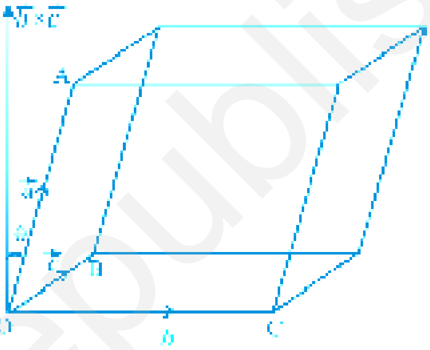

vkoQfr **10.28**

2. T;kferh; :i ls] vfn'k f=kd x.kuiQy dk eku rhu lfn'kk $\vec{a},\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ ls inf'kr vklUu Hkqtkvk ls cu lekrj "kV~iQyd dk vk;ru gkrk g (nf[k, vkoQfr 10-28)A fulng] lekrj "kV~iQyd oQ vk/kj dk cuku oky lekrj prHkt dk {ks=kiQy $|\vec{b}\times\vec{c}|$ gA $\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ dk vrfo"V dju oky ry ij vfHkyc oQ vufn'k $\vec{a}$ i{ki gh bldh mpkbZ g] tk $\vec{b}\times\vec{c}$ dh fn'kk e $\vec{a}$ dk ?kVd gA vFkkr ;g $\dfrac{|\vec{a}.(\vec{b}\times\vec{c})|}{|(\vec{b}\times\vec{c})|}$ gA vr%] lekrj "kV~iQyd dk vk;ru

$$\frac{|\vec{a}.(\vec{b}\times\vec{c})|}{|(\vec{b}\times\vec{c})|}\,|\vec{b}\times\vec{c}| = |\vec{a}.(\vec{b}\times\vec{c})|$$

3. ;fn $\vec{a}=a_1\hat{i}+a_2\hat{j}+a_3\hat{k}$, $\vec{b}=b_1\hat{i}+b_2\hat{j}+b_3\hat{k}$ vkj $\vec{c}=c_1\hat{i}+c_2\hat{j}+c_3\hat{k}$ g] rk

$$\vec{b}\times\vec{c} = \begin{vmatrix} \hat{i} & \hat{j} & \hat{k} \\ b_1 & b_2 & b_3 \\ c_1 & c_2 & c_3 \end{vmatrix}$$

$$= (b_2c_3 - b_3c_2)\,\hat{i} + (b_3c_1 - b_1c_3)\,\hat{j} + (b_1c_2 - b_2c_1)\,\hat{k}$$

rFkk blhfy,

$$\vec{a}.(\vec{b}\times\vec{c}) = a_1(b_2c_3 - b_3c_2) + a_2(b_3c_1 - b_1c_3) + a_3(b_1c_2 - b_2c_1)$$

$$= \begin{vmatrix} a_1 & a_2 & a_3 \\ b_1 & b_2 & b_3 \\ c_1 & c_2 & c_3 \end{vmatrix}$$

4. ;fn $\vec{a},\vec{b}$ vkSj $\vec{c}$ dksbZ rhu lfn'k gSa rks

$$[\vec{a},\vec{b},\vec{c}] = [\vec{b},\vec{c},\vec{a}] = [\vec{c},\vec{a},\vec{b}]$$

(rhuksa lfn'kksa osQ pØh; oQep; ls vfn'k f=kd xq.kuiQy osQ eku esa dksbZ ifjorZu ugha gksrk gS)

eku yhft, fd $\vec{a} = a_1\hat{i} + a_2\hat{j} + a_3\hat{k}$, $\vec{b} = b_1\hat{i} + b_2\hat{j} + b_3\hat{k}$ rFkk $\vec{c} = c_1\hat{i} + c_2\hat{j} + c_3\hat{k}$ gSA

rc] osQoy n[kdj gh] ge ikrs gSa fd

$$[\vec{a},\vec{b},\vec{c}] = \begin{vmatrix} a_1 & a_2 & a_3 \\ b_1 & b_2 & b_3 \\ c_1 & c_2 & c_3 \end{vmatrix}$$

$$= a_1(b_2c_3 - b_3c_2) + a_2(b_3c_1 - b_1c_3) + a_3(b_1c_2 - b_2c_1)$$

$$= b_1(a_3c_2 - a_2c_3) + b_2(a_1c_3 - a_3c_1) + b_3(a_2c_1 - a_1c_2)$$

$$= \begin{vmatrix} b_1 & b_2 & b_3 \\ c_1 & c_2 & c_3 \\ a_1 & a_2 & a_3 \end{vmatrix}$$

$$= [\vec{b},\vec{c},\vec{a}]$$

blh izdkj] ikBd bldh tkap dj ldrs gSa fd $[\vec{a},\vec{b},\vec{c}] = [\vec{c},\vec{a},\vec{b}]$ gSA

vr% $[\vec{a},\vec{b},\vec{c}] = [\vec{b},\vec{c},\vec{a}] = [\vec{c},\vec{a},\vec{b}]$ gSA

5. vfn'k f=kd x.kuQy $\vec{a}.(\vec{b}\times\vec{c})$ e] MkV (dot) vkj oØkl (cross) dk ijLij cnyk tk ldrk gA fuLlng]

$$\vec{a}.(\vec{b}\times\vec{c}) = [\vec{a},\vec{b},\vec{c}] = [\vec{b},\vec{c},\vec{a}] = [\vec{c},\vec{a},\vec{b}] = \vec{c}.(\vec{a}\times\vec{b}) = (\vec{a}\times\vec{b}).\vec{c}$$

6. $= [\vec{a},\vec{b},\vec{c}] = \text{ï}\ [\vec{a},\vec{c},\vec{b}]$. fuLlng]

$$= [\vec{a},\vec{b},\vec{c}] = \vec{a}.(\vec{b}\times\vec{c})$$

$$= \vec{a}.(\text{ï}\ \vec{c}\times\vec{b})$$

$$= \text{ï}\ (\vec{a}.(\vec{c}\times\vec{b}))$$

$$= \text{ï}\ \left[\vec{a},\vec{c},\vec{b}\right]$$

7. $[\vec{a},\vec{a},\vec{b}]=0$. fuLlng]

$$[\vec{a},\vec{a},\vec{b}] = [\vec{a},\vec{b},\vec{a},]$$

$$= [\vec{b},\vec{a},\vec{a}]$$

$$= \vec{b}.(\vec{a}\times\vec{a})$$

$$= \vec{b}.\vec{0}=0. \qquad (\text{D;kfd } \vec{a}\times\vec{a}=\vec{0})$$

fVIi.kh mi;Dr 7 e] fn;k ifj.kke] nkuk cjkcj lfn'kk oQ fLFkfr;k oQ fdlh Hkh oQe e gku ij Hkh lR; gA

10-7-1 rhu lfn'kk dh leryh;rk

ie; 1 rhu lfn'k $\vec{a},\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ leryh; gkr g] ;fn vkj oQoy ;fn $\vec{a}\cdot(\vec{b}\times\vec{c})=0$ gkrk gA

mIifÙk loiFke] eku yhft, fd $\vec{a},\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ leryh; gA

;fn $\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ lekrj lfn'k g] rk $\vec{b}\times\vec{c}=\vec{0}$ g vkj blfy, $\vec{a}\cdot(\vec{b}\times\vec{c})=0$ gkxkA

;fn $\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ lekrj ugh g] rks $\vec{b}\times\vec{c}$ lfn'k $\vec{a}$ ij yEc gksxk] D;ksfd $\vec{a}, \vec{b}$ vkj $\vec{c}$ leryh; gSA

vr% $\vec{a}\cdot(\vec{b}\times\vec{c}) = 0$ gSA

foykser%] eku yhft, fd $\vec{a}\cdot(\vec{b}\times\vec{c}) = 0$ gSA ;fn $\vec{a}$ vkj $\vec{b}\times\vec{c}$ e ls nksuks 'kwU;rj lfn'k g] rks ge fu"d"k fudkyrs g fd $\vec{a}$ vkj $\vec{b}\times\vec{c}$ nks ykfcd lfn'k gSA ijrq $\vec{b}\times\vec{c}$ nksuks lfn'kks $\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ ij yc gSA vr% $\vec{a}$] $\vec{b}$ vkj $\vec{c}$,d lery e fLFkr gksus pkfg,] vFkkr ;s leryh; gSA ;fn $\vec{a} = 0$ g] rks $\vec{a}$ fdlh Hkh nks lfn'kks] fo'ks"k :i ls $\vec{b}$ vkj $\vec{c}$] ds leryh; gksxkA ;fn $(\vec{b}\times\vec{c}) = 0$ g] rks $\vec{b}$ vkj $\vec{c}$ lekrj lfn'k gksxs rFkk blfy, $\vec{a}, \vec{b}$ vkj $\vec{c}$ leryh; gksx] D;ksfd dksbZ Hkh nks lfn'k lno ,d lery e gksrs g] tks muls fu/kkfjr gksrk g] rFkk dksbZ lfn'k] tks bu nksuks lfn'kks e ls fdlh ,d lekrj gksrk g] Hkh blh lery e fLFkr gksrk gSA

fVIi.kh pkj fcnvksa dh leryh;rk dh ppkZ] rhu lfn'kksa dh leryh;rk dk i;ksx djrs g,] dh tk ldrh gSA fuLlnsg] pkj fcnq A, B, C vkj D leryh; gksrs g] ;fn lfn'k $\overline{AB}, \overline{AC}$ vkj $\overline{AD}$ leryh; gksA

mnkgj.k 26 $\vec{a}\cdot(\vec{b}\times\vec{c})$ Kkr dhft,] ;fn $\vec{a} = 2\hat{i} + \hat{j} + 3\hat{k}$, $\vec{b} = -\hat{i} + 2\hat{j} + \hat{k}$ vkj $\vec{c} = 3\hat{i} + \hat{j} + 2\hat{k}$ gSA

gy ge ikrs gµ
$$\vec{a}\cdot(\vec{b}\times\vec{c}) = \begin{vmatrix} 2 & 1 & 3 \\ -1 & 2 & 1 \\ 3 & 1 & 2 \end{vmatrix} = -10.$$

mnkgj.k 27 n'kkb,] fd lfn'k $\vec{a} = \hat{i} - 2\hat{j} + 3\hat{k}$, $\vec{b} = -2\hat{i} + 3\hat{j} - 4\hat{k}$ vkj $\vec{c} = \hat{i} - 3\hat{j} + 5\hat{k}$ leryh; gSA

gy ge ikrs gµ
$$\vec{a}\cdot(\vec{b}\times\vec{c}) = \begin{vmatrix} 1 & -2 & 3 \\ -2 & 2 & -4 \\ 1 & -3 & 5 \end{vmatrix} = 0.$$

vr% ie; 1 o0 vuqlkj $\vec{a}, \vec{b}$ vkj $\vec{c}$ leryh; lfn'k gSA

mnkgj.k 28 ;fn lfn'k $\vec{a} = \hat{i} + 3\hat{j} + \hat{k}$, $\vec{b} = 2\hat{i} - \hat{j} - \hat{k}$ vkj $\vec{c} = \lambda\hat{i} + 7\hat{j} + 3\hat{k}$ leryh; g] rks λ dk eku Kkr dhft,A gy D;kfd $\vec{a}, \vec{b}$ vkj $\vec{c}$ leryh; g] blfy, $\left[\vec{a}, \vec{b}, \vec{c}\right] = 0$,

vFkkr]
$$\begin{vmatrix} 1 & 3 & 1 \\ 2 & -1 & -1 \\ \lambda & 7 & 3 \end{vmatrix} = 0.$$

$\Rightarrow$ $1(-3+7) - 3(6+\lambda) + 1(14+\lambda) = 0$

$\Rightarrow$ $\lambda = 0$.

mnkgj.k **29** n'kkb, fd fLFkfr lfn'k $4\hat{i}+5\hat{j}+\hat{k}$, $-(\hat{j}+\hat{k})$, $3\hat{i}+9\hat{j}+4\hat{k}$ vkj $4(-\hat{i}+\hat{j}+\hat{k})$ okys oQe'k% pkjk fcnq A, B, C vkj D leryh; gA

gy ge tkurs gS fd pkj fcnq A, B, C vkj D leryh; gksrs g] ;fn rhuk lfn'k $\overrightarrow{AB}, \overrightarrow{AC}$ vkj $\overrightarrow{AD}$ leryh; gkr g]

vFkkr]
$$\left[\overrightarrow{AB}, \overrightarrow{AC}, \overrightarrow{AD}\right] = 0 \text{ gkA}$$

vc]
$$\overrightarrow{AB} = -(\hat{j}+\hat{k}) - (4\hat{i}+5\hat{j}+\hat{k}) = -4\hat{i}-6\hat{j}-2\hat{k}$$
$$\overrightarrow{AC} = (3\hat{i}+9\hat{j}+4\hat{k}) - (4\hat{i}+5\hat{j}+\hat{k}) = -\hat{i}+4\hat{j}+3\hat{k}$$

rFkk
$$\overrightarrow{AD} = 4(-\hat{i}+\hat{j}+\hat{k}) - (4\hat{i}+5\hat{j}+\hat{k}) = -8\hat{i}-\hat{j}+3\hat{k}$$

bl idkj]
$$\left[\overrightarrow{AB}, \overrightarrow{AC}, \overrightarrow{AD}\right] = \begin{vmatrix} -4 & -6 & -2 \\ -1 & 4 & 3 \\ -8 & -1 & 3 \end{vmatrix} = 0.$$

vr%] A, B, C vkj D leryh; gA

mnkgj.k **30** fl¼ dhft, fd $\left[\vec{a}+\vec{b}, \vec{b}+\vec{c}, \vec{c}+\vec{a}\right] = 2\left[\vec{a}, \vec{b}, \vec{c}\right]$

gy ge ikrs gµ

$$\begin{aligned} \left[\vec{a}+\vec{b}, \vec{b}+\vec{c}, \vec{c}+\vec{a}\right] &= (\vec{a}+\vec{b}).((\vec{b}+\vec{c})\times(\vec{c}+\vec{a})) \\ &= (\vec{a}+\vec{b}).(\vec{b}\times\vec{c}+\vec{b}\times\vec{a}+\vec{c}\times\vec{c}+\vec{c}\times\vec{a}) \end{aligned}$$

$$= (\vec a + \vec b).(\vec b \times \vec c + \vec b \times \vec a + \vec c \times \vec a)$$

(D;ksfd $\vec c \times \vec c = \vec 0$ gS)

$$= \vec a.(\vec b \times \vec c) + \vec a.(\vec b \times \vec a) + \vec a.(\vec c \times \vec a) + \vec b.(\vec b \times \vec c) + \vec b.(\vec b \times \vec a) + \vec b.(\vec c \times \vec a)$$

$$= \left[\vec a, \vec b, \vec c\right] + \left[\vec a, \vec b, \vec a\right] + \left[\vec a, \vec c, \vec a\right] + \left[\vec b, \vec b, \vec c\right] + \left[\vec b, \vec b, \vec a\right] + \left[\vec b, \vec c, \vec a\right]$$

$$= 2\left[\vec a, \vec b, \vec c\right]$$ (D;ksa?)

mnkgj.k 31 fl¼ dhft, fd $\left[\vec a, \vec b, \vec c + \vec d\right] = \left[\vec a, \vec b, \vec c\right] + [\vec a, \vec b, \vec d]$ gksrk gSA

gy ge ikrs gSa

$$\left[\vec a, \vec b, \vec c + \vec d\right] = \vec a.(\vec b \times (\vec c + \vec d))$$

$$= \vec a.(\vec b \times \vec c + \vec b \times \vec d)$$

$$= \vec a.(\vec b \times \vec c) + \vec a.(\vec b \times \vec d)$$

$$= \left[\vec a, \vec b, \vec c\right] + \left[\vec a, \vec b, \vec d\right]$$

iz'ukoyh 10-5

1. ;fn $\vec a = \hat i - 2\hat j + 3\hat k$, $\vec b = 2\hat i - 3\hat j + \hat k$ vkSj $\vec c = 3\hat i + \hat j - 2\hat k$ gS] rks $\left[\vec a\, \vec b\, \vec c\right]$ Kkr dhft,A (mÙkj 24)

2. n'kkZb, fd lfn'k $\vec a = \hat i - 2\hat j + 3\hat k$, $\vec b = -2\hat i + 3\hat j - 4\hat k$ vkSj $\vec c = \hat i - 3\hat j + 5\hat k$ leryh; gSA

3. ;fn lfn'k $\hat i - \hat j + \hat k$, $3\hat i + \hat j + 2\hat k$ vkSj $\hat i + \lambda\hat j - 3\hat k$ leryh; gS] rks λ dk eku Kkr dhft,A (mÙkj $\lambda = 15$)

4. eku yhft, fd $\vec a = \hat i + \hat j + \hat k$, $\vec b = \hat i$ vkSj $\vec c = c_1\hat i + c_2\hat j + c_3\hat k$ gS rc]

(a) ;fn $c_1 = 1$ vkSj $c_2 = 2$ gS] rks c_3 Kkr dhft,] ftlls $\vec a, \vec b$ vkSj $\vec c$ leryh; gks tk,A (mÙkj $c_3 = 2$)

(b) ;fn $c_2 = -1$ vkj $c_3 = 1$ g] rk n'kkb, fd c_1 dk dkbi Hkh eku $\vec{a}, \vec{b}$ vkj $\vec{c}$ dk leryh; ugh cuk ldrk gA

5. n'kkb, fd fLFkfr lfn'kk $4\hat{i}+8\hat{j}+12\hat{k}, 2\hat{i}+4\hat{j}+6\hat{k}, 3\hat{i}+5\hat{j}+4\hat{k}$ vkj $5\hat{i}+8\hat{j}+5\hat{k}$ oky pkjk fcn lerYh; gA

6. ;fn pkj fcn A(3, 2, 1), B(4, x, 5), C(4, 2, −2) vkj D(6, 5, −1) lerYh; g] rk x dk eku Kkr dhft,A (mÙkj $x = 5$)

7. ;fn $\vec{a}+\vec{b}, \vec{b}+\vec{c}$ vkj $\vec{c}+\vec{a}$ lerYh; g] rk n'kkb, fd lfn'k $\vec{a}, \vec{b}$ vkj $\vec{c}$ lerYh; gkxA